RANJIT SINGH

07 Jul 1987

02:40 AM

Jagiroad

Model: Brihat-Parashar-Patrika

Order No: 108848401

सूचना

ज्योतिष एक विज्ञान है जिसके अंतर्गत ग्रहों का मानव जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों का अध्ययन किया जाता है। इसके प्रभावों की भविष्यवाणी करने हेतु ग्रहों की स्थिति एवं इसके बल की गणना की जाती हैं। जन्मपत्रिकाओं की गणना अति सटीक है जिसमें बिल्कुल सही रेखांश प्रयुक्त हुए हैं। सामान्य तौर पर इसमें चित्रापक्षीय अयनांश का प्रयोग किया जाता है जबतक कि आप दूसरे अयनांश का विकल्प न मांगें।

कम्प्यूटर जन्मपत्रिकाएं मुख्य रूप से पाराशरी पद्धति पर आधारित है। हालांकि इसमें ताजिक पद्धति, जैमिनी पद्धति, कृष्णमूर्ति पद्धति, प्रश्नशास्त्र एवं पाश्चात्य पद्धतियों का भी ज्योतिषीय गणना में मिश्रण किया गया है। फलादेश मुख्य रूप से विभिन्न प्राचीन शास्त्रों जैसे बृहत् पराशर, होराशास्त्र, मानसागरी, सारावली, जातकभरणम, बृहत् जातक, फलदीपिका, जातक पारिजात के अनुरूप, साथ ही अपने अनुभवों का भी समावेश करके बनाया गया है। फिर भी, ज्योतिष का मार्गदर्शन लेकर हम अपने भविष्य का संकेत मात्र प्राप्त कर सकते हैं। सिर्फ सृष्टि के निर्माता ब्रह्मा ही यह भविष्यवाणी कर सकते हैं कि आनेवाले समय में क्या घटित होगा ?

यह जन्मपत्रिका जन्म तिथि, जन्म समय एवं जन्म स्थान पर आधारित है जो कि जातक ने हमें उपलब्ध कराया है। अतः आंकड़ों की सटीकता से संबंधित हमारी कोई जिम्मेवारी नहीं है। ज्योतिषीय गणना एवं फलादेश जातक द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के ऊपर आधारित है। जन्मपत्रिका में दिए गए फलादेश जातक के लिए सिर्फ संकेत मात्र है जिस पर जातक को सावधानीपूर्वक अमल करना चाहिए न कि हूबहू जैसा फलादेश में कहा गया है, बिना सोचे समझे उसे अपने जीवन में लागू करने की कोशिश करनी चाहिए। जन्मपत्रिका के विभिन्न पृष्ठों में दी गयी सूचनाएं किसी भी प्रकार के विवाद अथवा वैधानिक कार्यवाही के लिए उपयुक्त नहीं है। अतः जातक की स्वयं की कार्यवाही से उत्पन्न हुए किसी भी क्षति के लिए हम उत्तरदायी नहीं है।

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**6-07/07/1987**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**02:40:00 घंटे**
इष्ट	55:04:24 घटी
स्थान	**Jagiroad**
राज्य	Assam
देश	India

अक्षांश	26:07:33 उत्तर
रेखांश	92:12:03 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:38:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:18:48 घंटे
वेलान्तर	-00:04:34 घंटे
साम्पातिक काल	22:16:03 घंटे
सूर्योदय	04:38:14 घंटे
सूर्यास्त	18:17:08 घंटे
दिनमान	13:38:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वर्षा
सूर्य के अंश	20:35:03 मिथुन
लग्न के अंश	23:21:30 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	साध्य
करण	वणिज
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कर्क

पंचांग

दादा का नाम _____:
पिता का नाम _____:
माता का नाम _____:
जाति _____:
गोत्र _____:

कैलेंडर	वर्ष	मास	तिथि/प्रविष्टे
राष्ट्रीय	शक : 1909	आषाढ़	16
पंजाबी	संवत : 2044	आषाढ़	23
बंगाली	सन् : 1394	आषाढ़	22
तमिल	संवत : 2044	आनी	23
केरल	कोल्लम : 1162	मिथुनम	23
नेपाली	संवत : 2044	आषाढ़	23
चैत्रादि	संवत : 2044	आषाढ़	शुक्ल 11
कार्तिकादि	संवत : 2044	आषाढ़	शुक्ल 11

पंचांग

सूर्योदय कालीन तिथि _____: 10
तिथि समाप्ति काल _____: 24:39:33
जन्म तिथि _____: 11
सूर्योदय कालीन नक्षत्र _____: स्वाति
नक्षत्र समाप्ति काल _____: 23:46:57 घंटे
जन्म योग _____: विशाखा
सूर्योदय कालीन योग _____: सिद्ध
योग समाप्ति काल _____: 23:01:05 घंटे
जन्म योग _____: साध्य
सूर्योदय कालीन करण _____: तैतिल
करण समाप्ति काल _____: 13:21:40 घंटे
जन्म करण _____: वणिज
भयात _____: 07:12:37
भभोग _____: 57:00:06
भोग्य दशा काल _____: गुरु 14 वर्ष 0 मा 2 दि

घात चक्र

मास _____: माघ
तिथि _____: 4-9-14
दिन _____: गुरुवार
नक्षत्र _____: शतभिषा
योग _____: शुक्ल
करण _____: तैतिल
प्रहर _____: 4
वर्ग _____: गरुड़
लग्न _____: कन्या
सूर्य _____: कन्या
चन्द्र _____: धनु
मंगल _____: तुला
बुध _____: कर्क
गुरु _____: वृश्चिक
शुक्र _____: धनु
शनि _____: सिंह
राहु _____: मकर

जन्म कुण्डली

लग्न कुंडली

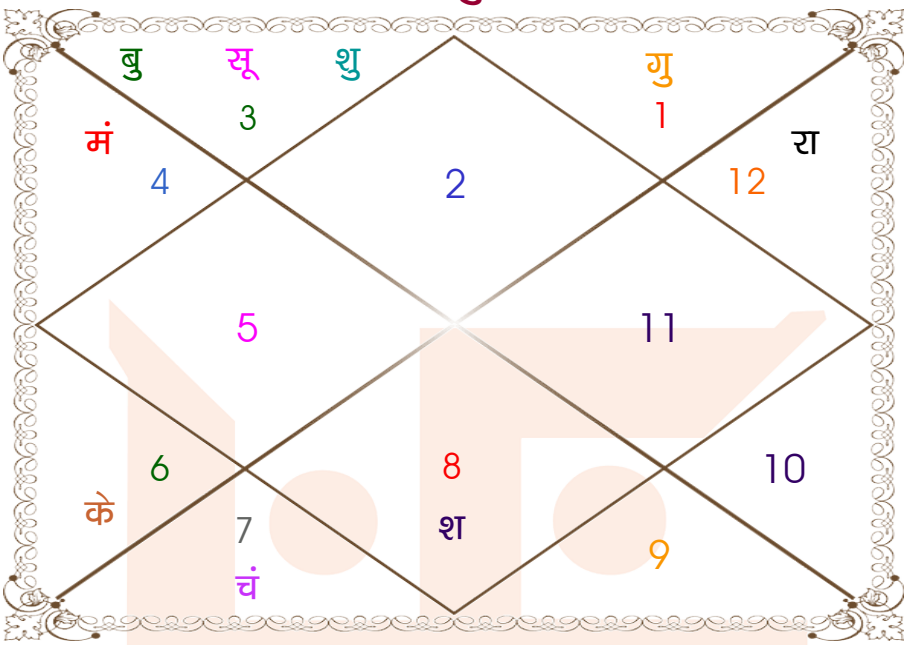

चन्द्र कुंडली

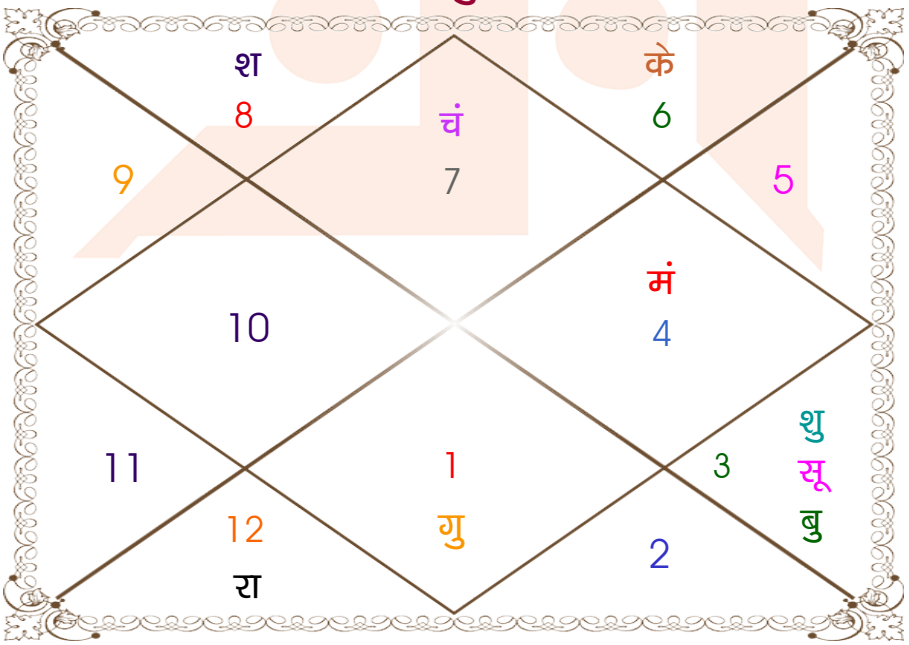

लग्न कुण्डली और दशा

लग्न कुंडली

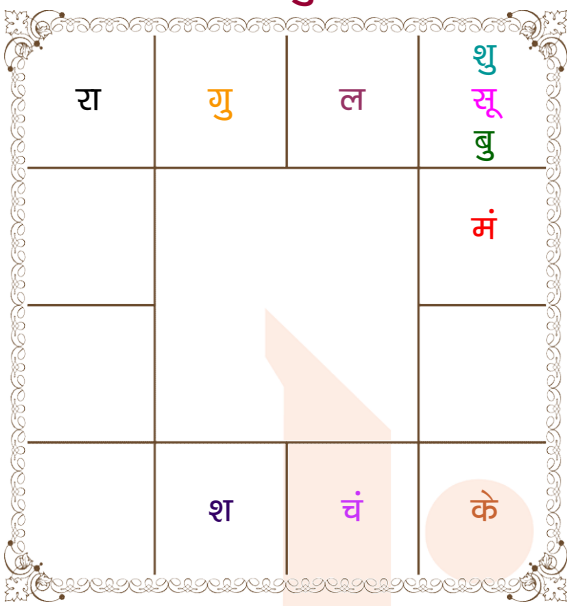

लग्न कुंडली

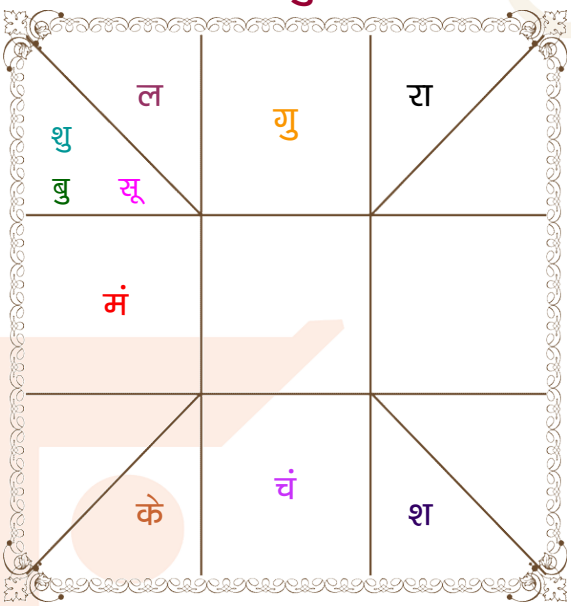

विंशोत्तरी
गुरु 14वर्ष 0मा 2दि

गुरु

07/07/1987

09/07/2105

गुरु	08/07/2001
शनि	08/07/2020
बुध	08/07/2037
केतु	08/07/2044
शुक्र	08/07/2064
सूर्य	09/07/2070
चन्द्र	08/07/2080
मंगल	09/07/2087
राहु	09/07/2105

योगिनी
धान्या 2वर्ष 7मा 15दि

भ्रामरी

20/02/2026

20/02/2030

भ्रामरी	01/08/2026
भद्रिका	20/02/2027
उल्का	22/10/2027
सिद्धा	01/08/2028
संकटा	21/06/2029
मंगला	01/08/2029
पिंगला	21/10/2029
धान्या	20/02/2030

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	23:21:30	352:38:16	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	---
सूर्य			मिथु	20:35:03	00:57:11	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	सम राशि
चंद्र			तुला	21:39:42	13:51:26	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	गुरु	सम राशि
मंगल		अ	कर्क	06:26:05	00:38:19	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध	व	अ	मिथु	16:23:51	00:33:25	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मेष	03:03:02	00:07:44	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			मिथु	07:36:32	01:13:22	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	राहु	मित्र राशि
शनि	व		वृश्चि	22:16:04	00:03:37	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	12:36:04	00:03:44	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	सम राशि
केतु	व		कन्या	12:36:04	00:03:44	हस्त	1	13	बुध	चंद्र	राहु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	00:14:19	00:02:15	मूल	1	19	गुरु	केतु	केतु	---
नेप	व		धनु	12:43:31	00:01:36	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
प्लूटो	व		तुला	13:30:09	00:00:23	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			कुंभ	08:20:13	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:56

लग्न-चलित

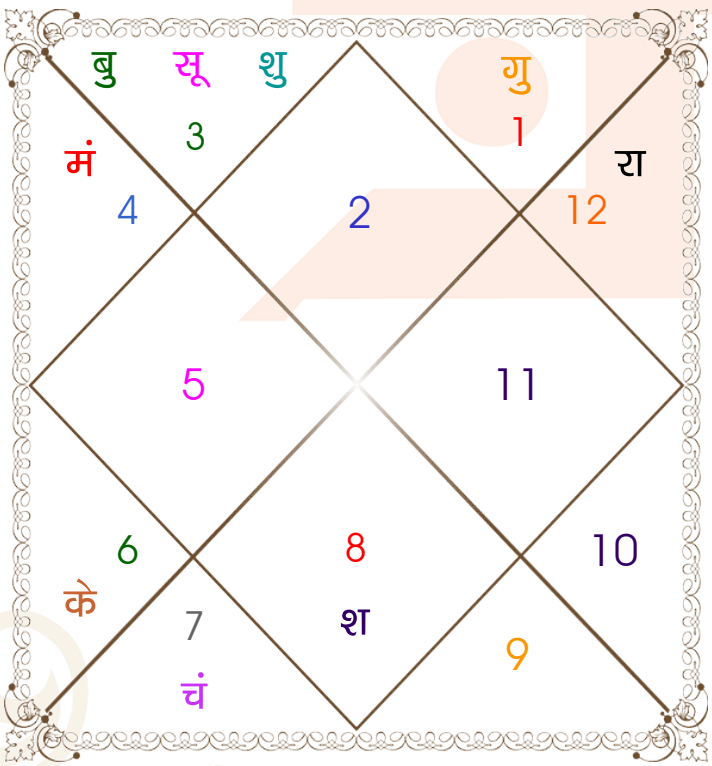

चन्द्र कुंडली

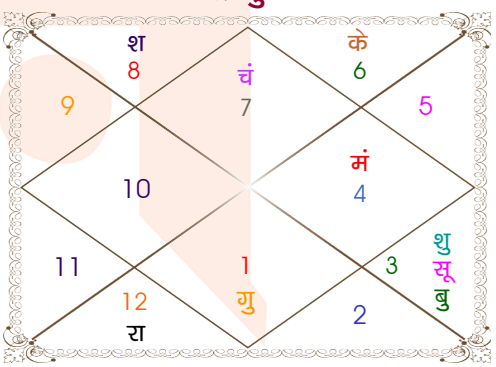

नवमांश कुंडली

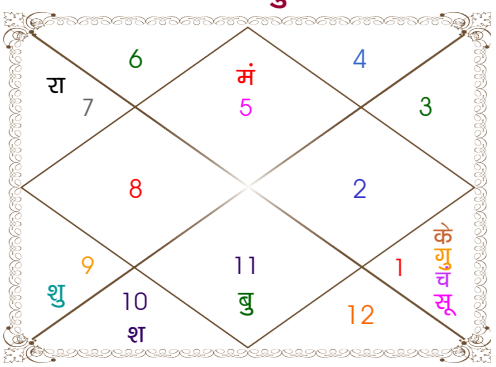

चलित तथा निरयण भाव चलित

चलित अंश

भाव	भाव संधि		भाव मध्य	
1	वृष	05:51:17	वृष	23:21:30
2	मिथुन	05:51:17	मिथुन	18:21:04
3	कर्क	00:50:51	कर्क	13:20:39
4	कर्क	25:50:26	सिंह	08:20:13
5	सिंह	25:50:26	कन्या	13:20:39
6	तुला	00:50:51	तुला	18:21:04
7	वृश्चिक	05:51:17	वृश्चिक	23:21:30
8	धनु	05:51:17	धनु	18:21:04
9	मकर	00:50:51	मकर	13:20:39
10	मकर	25:50:26	कुम्भ	08:20:13
11	कुम्भ	25:50:26	मीन	13:20:39
12	मेष	00:50:51	मेष	18:21:04

निरयण भाव चलित

भाव	राशि	अंश
1	वृष	23:21:30
2	मिथुन	17:22:11
3	कर्क	11:13:53
4	सिंह	08:20:13
5	कन्या	11:01:31
6	तुला	17:54:46
7	वृश्चिक	23:21:30
8	धनु	17:22:11
9	मकर	11:13:53
10	कुम्भ	08:20:13
11	मीन	11:01:31
12	मेष	17:54:46

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा
पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा
पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति

चलित कुंडली

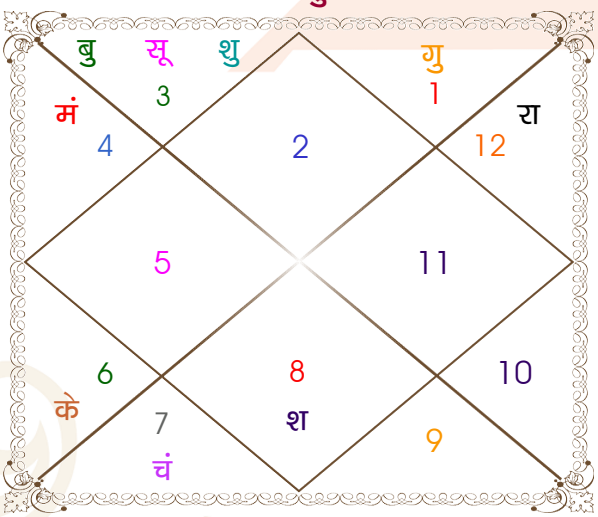

भाव कुंडली

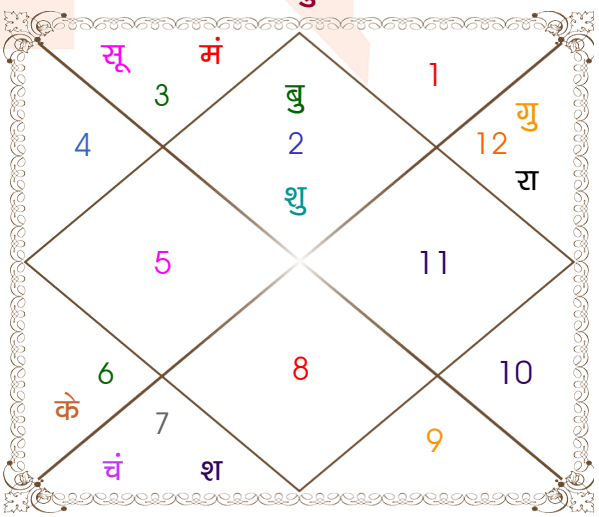

कारक,अवस्था,रश्मि

ग्रह	------ कारक ------			------- अवस्था -------			
	चर	स्थिर	बालादि	दीप्तादि	शयनादि	रश्मि	ग्रह बल
सूर्य	भ्रातृ	पितृ	वृद्ध	शान्त	उपवेशन	3.04	59 %
चंद्र	अमात्य	मातृ	वृद्ध	शक्त	भोजन	0.28	63 %
मंगल	ज्ञाति	भ्रातृ	वृद्ध	विकल	शयन	0.00	47 %
बुध	मातृ	ज्ञाति	युवा	विकल	शयन	0.00	40 %
गुरु	कलत्र	धन	बाल	मुदित	आगमन	4.57	83 %
शुक्र	पुत्र	कलत्र	कुमार	मुदित	शयन	4.86	53 %
शनि	आत्मा	आयु	कुमार	खल	सभा	1.64	41 %
राहु	---	ज्ञान	युवा	निपीदित	गमन	0.00	4 %
केतु	---	मोक्ष	युवा	खल	शयन	0.00	4 %
कुल						14.39	

तारा चक्र

जन्म	सम्पत	विपत	क्षेम	प्रत्यारि	साधक	वध	मित्र	अतिमित्र
विशाखा	अनुराधा	ज्येष्ठा	मूल	पूर्वाषाढ़ा	उत्तराषाढ़ा	श्रवण	धनिष्ठा	शतभिषा
पू०भाद्रपद	उ०भाद्रपद	रेवती	अश्विनी	भरणी	कृतिका	रोहिणी	मृगशिरा	आर्द्रा
पुनर्वसु	पुष्य	आश्लेषा	मघा	पू०फाल्गुनी	उ०फाल्गुनी	हस्त	चित्रा	स्वाति

चलित कुंडली

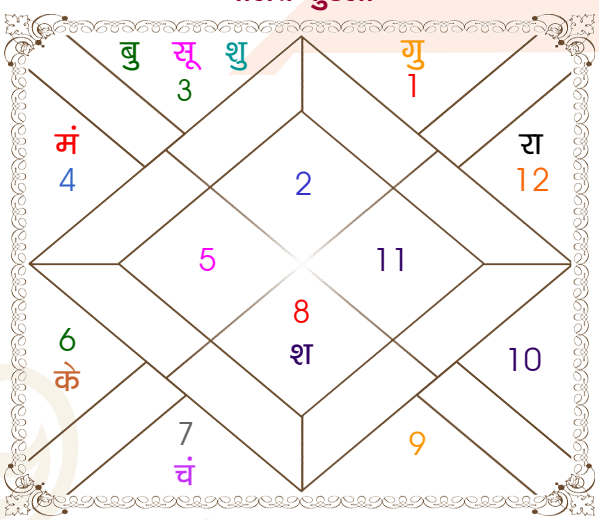

लग्न-चलित

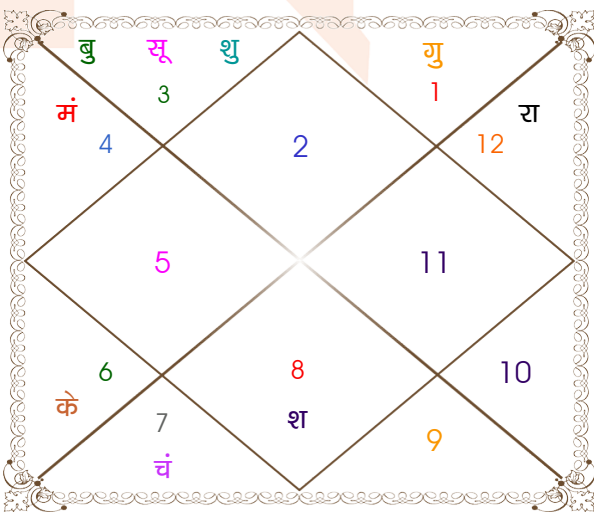

सुदर्शन चक्र

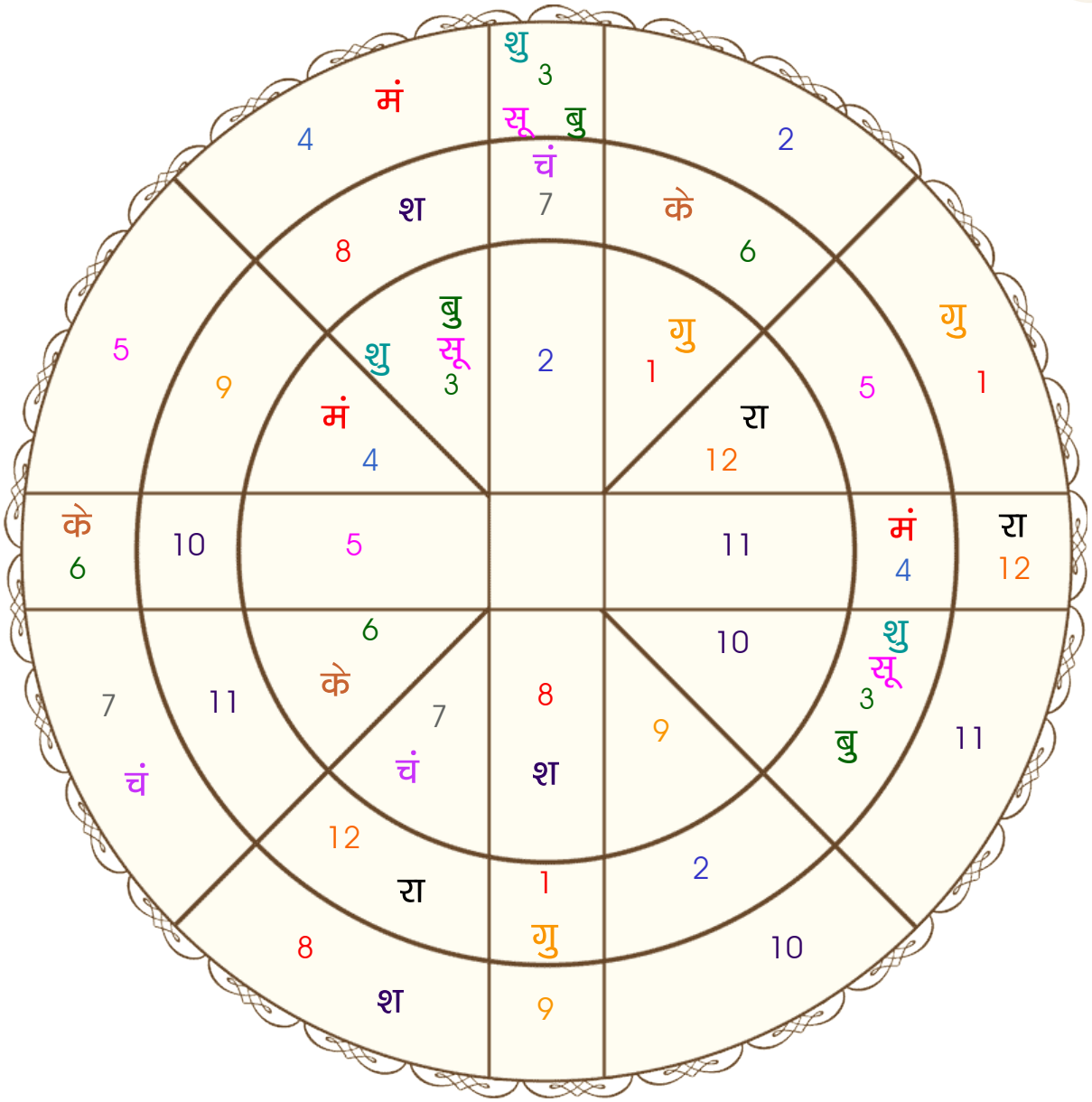

नोटः सुदर्शन चक्र कमानुसार बाहरी वृत से अन्तः वृत तक सूर्य, चन्द्र एवं जन्मांग कुंडलियों में ग्रहों की तुलनात्मक स्थिति दर्शाता है। किसी भाव का विचार करने के लिए उस भाव को प्रकट करने वाली तीनों राशियों का विचार करना चाहिए।

भोग्य दशा काल : गुरु 13 वर्ष 10 मास 18 दिन

ग्रह

ग्रह	व	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
सूर्य		मिथु	20:41:13	बुध	गुरु	गुरु	बुध
चंद्र		तुला	21:45:52	शुक्र	गुरु	गुरु	राहु
मंगल		कर्क	06:32:15	चंद्र	शनि	बुध	राहु
बुध	व	मिथु	16:30:01	बुध	राहु	शुक्र	गुरु
गुरु		मेष	03:09:12	मंगल	केतु	सूर्य	राहु
शुक्र		मिथु	07:42:41	बुध	राहु	राहु	बुध
शनि	व	वृश्चि	22:22:14	मंगल	बुध	चंद्र	मंगल
राहु	व	मीन	12:42:14	गुरु	शनि	मंगल	शुक्र
केतु	व	कन्या	12:42:14	बुध	चंद्र	राहु	शनि
हर्ष	व	धनु	00:20:29	गुरु	केतु	केतु	राहु
नेप	व	धनु	12:49:41	गुरु	केतु	बुध	गुरु
प्लूटो	व	तुला	13:36:19	शुक्र	राहु	बुध	मंगल

निरयण भाव

भाव	राशि	अंश	रा	न	अं.	प्र.
1	वृष	23:27:40	शुक्र	मंगल	मंगल	राहु
2	मिथु	17:28:21	बुध	राहु	सूर्य	सूर्य
3	कर्क	11:20:03	चंद्र	शनि	चंद्र	गुरु
4	सिंह	08:26:23	सूर्य	केतु	गुरु	शुक्र
5	कन्या	11:07:40	बुध	चंद्र	मंगल	मंगल
6	तुला	18:00:56	शुक्र	राहु	सूर्य	शुक्र
7	वृश्चि	23:27:40	मंगल	बुध	मंगल	राहु
8	धनु	17:28:21	गुरु	शुक्र	मंगल	राहु
9	मक	11:20:03	शनि	चंद्र	मंगल	गुरु
10	कुंभ	08:26:23	शनि	राहु	राहु	चंद्र
11	मीन	11:07:40	गुरु	शनि	चंद्र	मंगल
12	मेष	18:00:56	मंगल	शुक्र	मंगल	सूर्य

के.पी. अयनांश : 23:34:46

फॉरच्युना : कन्या 24:32:19

लग्न कुंडली

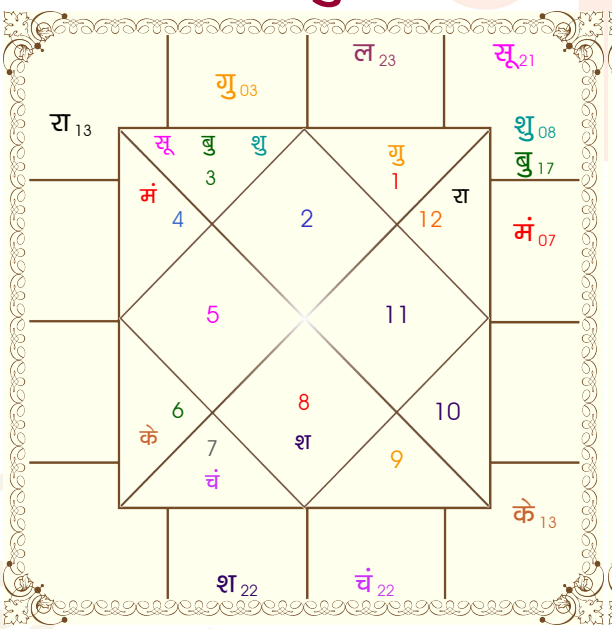

भाव कुंडली

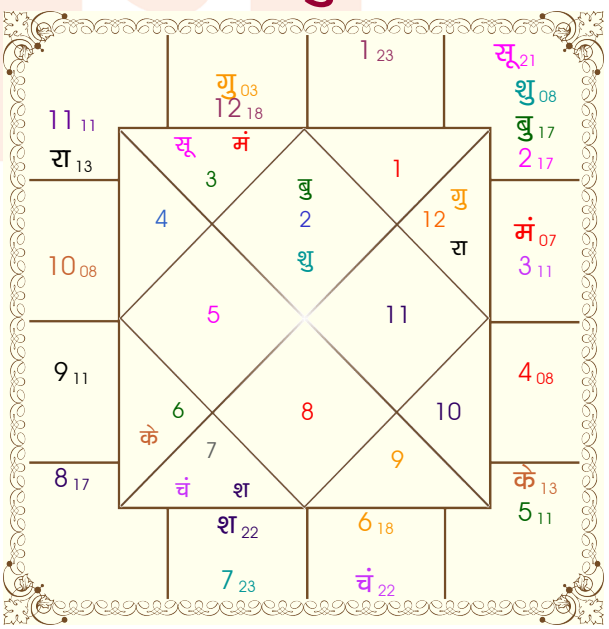

कारकत्व एवं स्वामित्व

भाव कारक

भाव	ग्रह
1	बुध, शुक्र, शनि,
2	सूर्य, मंगल, बुध- शनि-
3	चंद्र- केतु-
4	सूर्य-
5	बुध- गुरु, शनि- केतु,
6	चंद्र, मंगल, शुक्र- शनि, राहु, केतु,
7	मंगल-
8	सूर्य- चंद्र- गुरु-
9	मंगल- शनि- राहु-
10	मंगल- शनि- राहु-
11	सूर्य+ चंद्र+ बुध, गुरु, शुक्र, राहु,
12	मंगल-

ग्रह कारकत्व

ग्रह	भाव
सूर्य	2, 4- 8- 11+
चंद्र	3- 6, 8- 11+
मंगल	2, 6, 7- 9- 10- 12-
बुध	1, 2- 5- 11,
गुरु	5, 8- 11,
शुक्र	1, 6- 11,
शनि	1, 2- 5- 6, 9- 10-
राहु	6, 9- 10- 11,
केतु	3- 5, 6,

स्वामित्व

लग्न नक्षत्र स्वामी	मंगल
लग्न राशि स्वामी	शुक्र
राशि नक्षत्र स्वामी	गुरु
राशि स्वामी	शुक्र
वार स्वामी	मंगल
लग्न अन्तर स्वामी	मंगल
राशि अन्तर स्वामी	गुरु

कारकत्व-सारिणी

भाव	स्थित ग्रह के नक्षत्र में	स्थित ग्रह	स्वामी के नक्षत्र में	स्वामी
1	श	बु शु	--	शु
2	--	सू मं	श	बु
3	--	--	के	चं
4	--	--	--	सू
5	गु	के	श	बु
6	मं रा के	चं श	--	शु
7	--	--	--	मं
8	--	--	सू चं	गु
9	--	--	मं रा	श
10	--	--	मं रा	श
11	सू चं बु शु	गु रा	सू चं	गु
12	--	--	--	मं

ग्रह कारक सारिणी-1

ग्रह	भावाधिपति	नक्षत्राधिपति	स्थित	भाव
सूर्य	4	---	मिथुन	2
चंद्र	3	5,9	तुला	6
मंगल	7,12	1	कर्क	2
बुध	2,5	7	मिथुन	1
गुरु	8,11	---	मेष	11
शुक्र	1,6	8,12	मिथुन	1
शनि	9,10	3,11	वृश्चिक	6
राहु	---	2,6,10	मीन	11
केतु	---	4	कन्या	5

ग्रह कारक सारिणी-2

ग्रह	भावाधि भाव	नक्षत्राधि भाव	स्थित भाव	स्वामित्व	अन्तर स्वामी	स्थित भाव
सूर्य	8,11	---	11	8,11	---	11
चंद्र	8,11	---	11	8,11	---	11
मंगल	9,10	3,11	6	2,5	7	1
बुध	---	2,6,10	11	1,6	8,12	1
गुरु	---	4	5	4	---	2
शुक्र	---	2,6,10	11	---	2,6,10	11
शनि	2,5	7	1	3	5,9	6
राहु	9,10	3,11	6	7,12	1	2
केतु	3	5,9	6	---	2,6,10	11

ग्रह दृष्टि विचार

दृष्य ग्रह

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु	हर्ष	नेप	प्लूटो
	80.58	201.66	96.43	76.40	3.05	67.61	232.27	342.60	162.60	240.24	252.73	193.50
सूर्य	--	पंच	--	युति	--	युति	--	--	--	--	सप्त	--
80.58	0.00	2.88	0.00	9.05	0.00	2.10	0.00	0.00	0.00	0.00	6.80	0.00
चंद्र	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	युति
201.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.57
मंगल	--	--	--	--	--	--	अष्टां	--	--	--	--	4था
96.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.26	0.00	0.00	0.00	0.00	7.38
बुध	युति	पंच	--	--	--	युति	--	--	चतु	--	सप्त	पंच
76.40	9.05	0.57	0.00	0.00	0.00	6.06	0.00	0.00	1.64	0.00	9.27	2.18
गुरु	--	--	चतु	--	--	तृती	9वां	--	--	9वां	9वां	सप्त
3.05	0.00	0.00	1.90	0.00	0.00	1.11	4.27	0.00	0.00	9.57	5.29	4.58
शुक्र	युति	अष्टां	--	युति	--	--	--	--	चतु	सप्त	सप्त	पंच
67.61	2.10	0.08	0.00	6.06	0.00	0.00	0.00	0.00	0.78	7.17	8.60	0.08
शनि	--	--	--	--	--	--	--	--	--	युति	--	--
232.27	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	6.71	0.00	0.00
राहु	--	--	--	चतु	--	चतु	--	--	सप्त	--	--	--
342.60	0.00	0.00	0.00	1.64	0.00	0.78	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	0.00
केतु	--	नवां	--	--	--	--	--	सप्त	--	--	चतु	--
162.60	0.00	0.09	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	10.00	0.00	0.00	3.00	0.00
हर्ष	--	--	--	--	पंच	सप्त	युति	--	--	--	युति	--
240.24	0.00	0.00	0.00	0.00	2.22	7.17	6.71	0.00	0.00	0.00	2.60	0.00
नेप	सप्त	--	--	सप्त	--	सप्त	--	चतु	--	युति	--	--
252.73	6.80	0.00	0.00	9.27	0.00	8.60	0.00	3.00	0.00	2.60	0.00	0.00
प्लूटो	--	युति	--	--	सप्त	--	--	षष्ठ	--	--	तृती	--
193.50	0.00	6.57	0.00	0.00	4.58	0.00	0.00	0.15	0.00	0.00	2.94	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव मध्य दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	53.36	78.35	103.34	128.34	163.34	198.35	233.36	258.35	283.34	308.34	343.34	18.35
सूर्य	--	युति	--	--	--	पंच	--	सप्त	--	--	--	--
80.58	0.00	9.73	0.00	0.00	0.00	2.50	0.00	9.73	0.00	0.00	0.00	0.00
चंद्र	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	--	--	--	सप्त
201.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.41	0.00	1.94	0.00	0.00	0.00	9.41
मंगल	--	--	--	--	--	4था	--	--	सप्त	8वां	--	--
96.43	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	3.17	0.00	0.00	7.49	9.80	0.00	0.00
बुध	--	युति	--	--	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--	--
76.40	0.00	9.79	0.00	0.00	2.09	2.62	0.00	9.79	0.00	0.00	0.00	0.00
गुरु	--	--	--	5वां	--	--	9वां	--	--	--	--	--
3.05	0.00	0.00	0.00	8.51	0.00	0.00	5.28	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
शुक्र	युति	युति	--	तृती	चतु	--	सप्त	सप्त	--	--	--	--
67.61	0.78	4.31	0.00	2.95	0.21	0.00	0.78	4.31	0.00	0.00	0.00	0.00
शनि	सप्त	--	--	10वा	--	--	--	--	3रा	--	--	--
232.27	9.93	0.00	0.00	1.12	0.00	0.00	0.00	0.00	5.94	0.00	0.00	0.00
राहु	--	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--
342.60	0.00	0.20	2.94	0.00	9.97	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.97	0.00
केतु	--	--	--	--	युति	--	--	चतु	--	--	सप्त	--
162.60	0.00	0.00	0.00	0.00	9.97	0.00	0.00	0.20	0.00	0.00	9.97	0.00
हर्ष	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	--	--	--	--
240.24	7.51	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.51	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00
नेप	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	--	पंच
252.73	0.00	8.31	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.31	0.00	1.23	0.00	0.29
प्लूटो	--	--	--	--	--	युति	नवां	तृती	चतु	पंच	षष्ठ	--
193.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.74	0.97	0.89	3.00	0.65	0.97	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

भाव दृष्टि विचार

दृष्य भाव

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
	53.36	77.37	101.23	128.34	161.03	197.91	233.36	257.37	281.23	308.34	341.03	17.91
सूर्य	--	युति	--	--	--	पंच	--	सप्त	--	--	--	--
80.58	0.00	9.44	0.00	0.00	0.00	2.30	0.00	9.44	0.00	0.00	0.00	0.00
चंद्र	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	--	--	--	सप्त
201.66	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.24	0.00	1.30	0.00	0.00	0.00	9.24
मंगल	--	--	--	--	तृती	4था	--	--	सप्त	8वां	--	--
96.43	0.00	0.00	0.00	0.00	1.08	3.61	0.00	0.00	8.76	9.80	0.00	0.00
बुध	--	युति	--	--	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--	--
76.40	0.00	9.95	0.00	0.00	0.49	2.77	0.00	9.95	0.00	0.00	0.00	0.00
गुरु	--	--	--	5वां	--	सप्त	9वां	9वां	--	--	--	युति
3.05	0.00	0.00	0.00	8.51	0.00	0.14	5.28	0.71	0.00	0.00	0.00	0.14
शुक्र	युति	युति	--	तृती	चतु	--	सप्त	सप्त	--	--	--	--
67.61	0.78	5.22	0.00	2.95	1.88	0.00	0.78	5.22	0.00	0.00	0.00	0.00
शनि	सप्त	--	--	10वा	--	--	--	--	3रा	--	--	--
232.27	9.93	0.00	0.00	1.12	0.00	0.00	0.00	0.00	4.03	0.00	0.00	0.00
राहु	--	चतु	पंच	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--
342.60	0.00	0.95	2.81	0.00	9.86	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	9.86	0.00
केतु	--	--	--	--	युति	--	--	चतु	--	--	सप्त	--
162.60	0.00	0.00	0.00	0.00	9.86	0.00	0.00	0.95	0.00	0.00	9.86	0.00
हर्ष	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	नवां	--	--	--
240.24	7.51	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	7.51	0.00	0.01	0.00	0.00	0.00
नेप	--	सप्त	--	--	--	--	--	युति	--	तृती	--	पंच
252.73	0.00	8.84	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.84	0.00	1.23	0.00	0.63
प्लूटो	--	--	--	--	--	युति	नवां	तृती	चतु	पंच	--	--
193.50	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	8.95	0.97	1.59	2.49	0.65	0.00	0.00

1. उपरोक्त गणना के लिए निम्नलिखित दृष्टियां एवं मान लिए गए हैं :

संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक	संक्षिप्त - दृष्टि	अंश	कालांश	अंक
युति - युति	0	15	10	सप्त - सप्तम	180	15	10
पंच - पंचम	120	6	3	चतु - चतुर्थ	90	6	3
तृती - तृतीय	60	6	3	अष्ट - अष्टमांश	45	1	1
नवां - नवमांश	40	1	1	पंचा - पंचमांश	72	1	1
अष्टां - अष्टचतुर्थांश	135	1	1	षष्ठ - षष्ठ	150	1	1

विशेष दृष्टियां - मंगल की चतुर्थ एवं अष्टम, बृहस्पति की पंचम एवं नवम तथा शनि की तृतीय एवं दशम दृष्टि के कालांश 15 तथा अंक 10 माने गये हैं।

2. उपरोक्त तालिका दृष्टि एवं अंक दर्शाती हैं। अंको की गणना ग्रह की दृष्टि बिंदु से दूरी को लेकर कोज्या सूत्र के आधार पर की गई है।

षोडशवर्ग चक्र

वर्गीय कुंडलियां लग्न कुंडली का विस्तार होती हैं। प्रत्येक कुंडली का एक विशेष लक्ष्य होता है, जैसा कि निम्न कुंडलियों के साथ वर्णन किया गया है। विस्तृत रूप से यह जानने के लिए कि ये कुंडलियां कौन से विषय का प्रतिनिधित्व करती हैं, इनका अध्ययन मूल लग्न कुंडली के साथ किया जाना चाहिए। बहरहाल, ये कुंडलियां विशेष सावधानी से देखी जानी चाहिएं, क्योंकि यहां ग्रहों की दृष्टि नहीं होती। सामान्यतः ग्रह का आचरण उस राशि या भाव तक सीमित रहता है जिनमें वे इन वर्गीय कुंडलियों में स्थित हैं।

सूर्य कुंडली

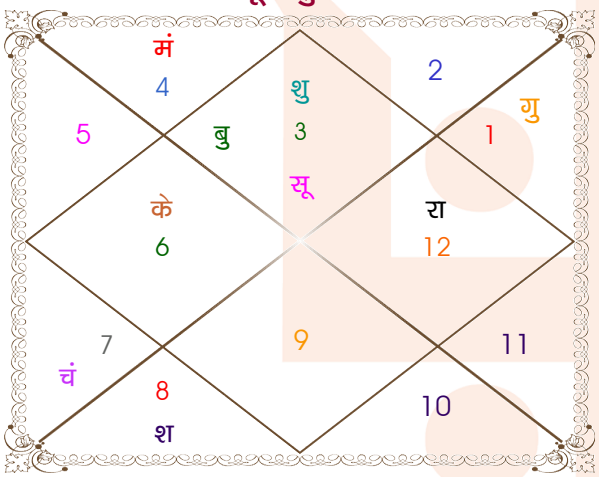

आत्मविचारः

चन्द्र कुंडली

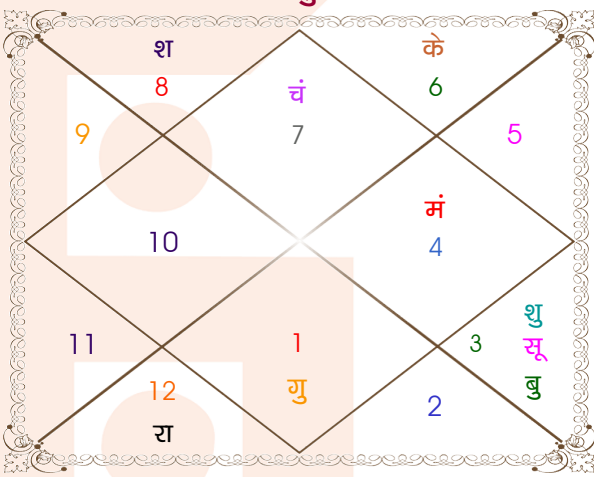

मनोबलविचारः

लग्न कुंडली

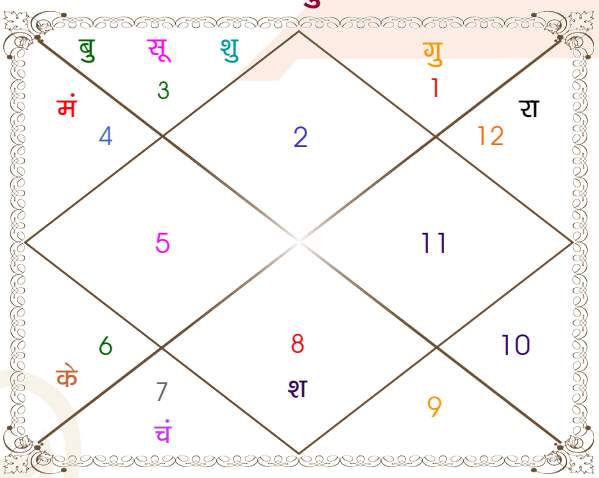

देह विचारः

होरा कुंडली

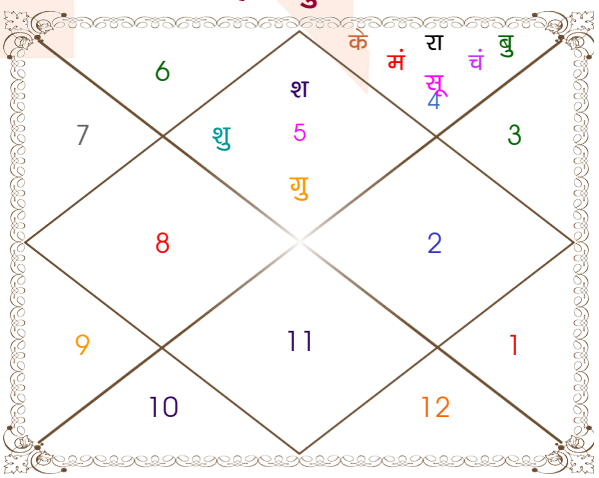

सम्पदाविचारः

षोडशवर्ग चक्र

द्रेष्काण कुंडली

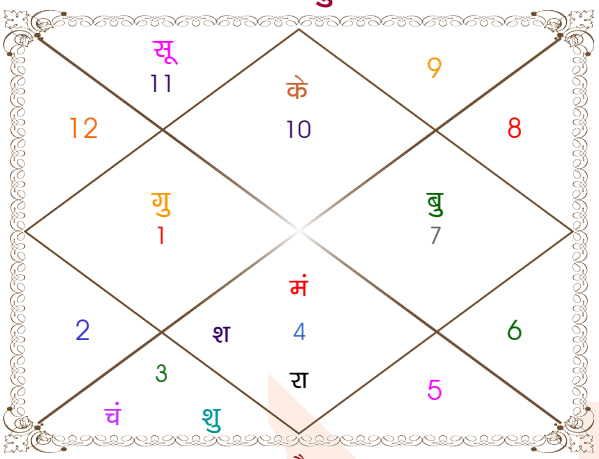

भातृसौख्यम

चतुर्थांश कुंडली

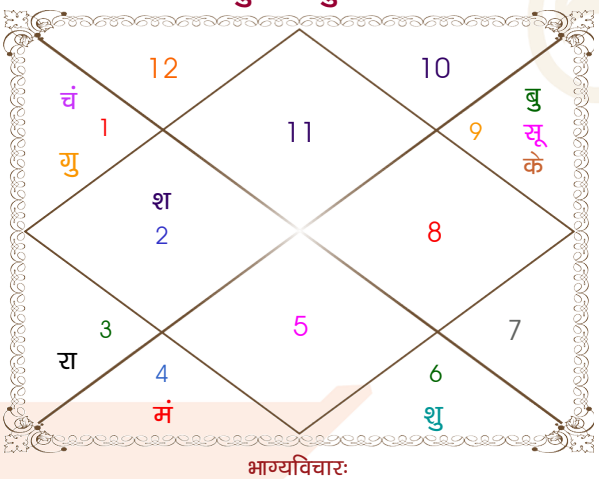

भाग्यविचारः

पंचमांश कुंडली

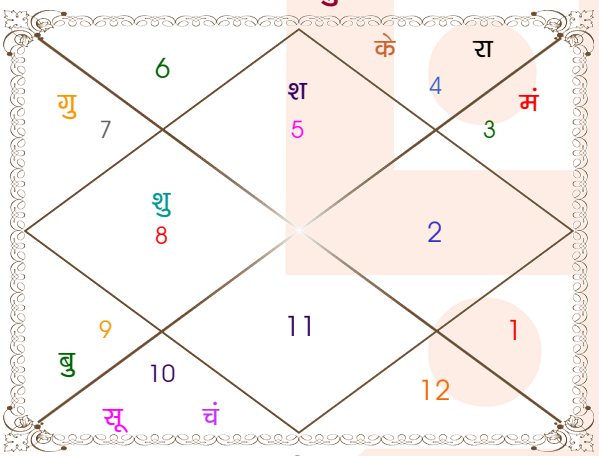

ज्ञानविचारः

षष्ठांश कुंडली

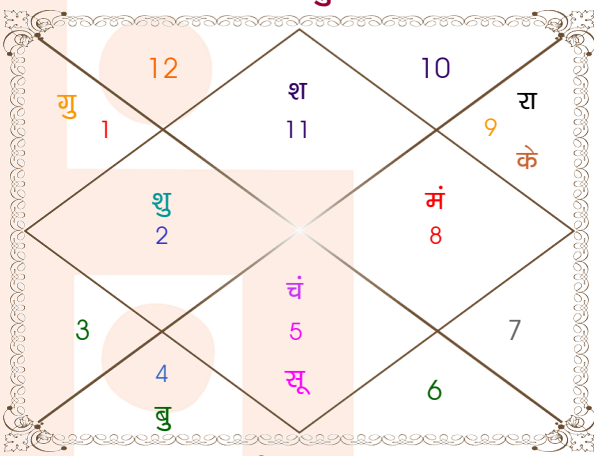

रिपुज्ञानम्

सप्तमांश कुंडली

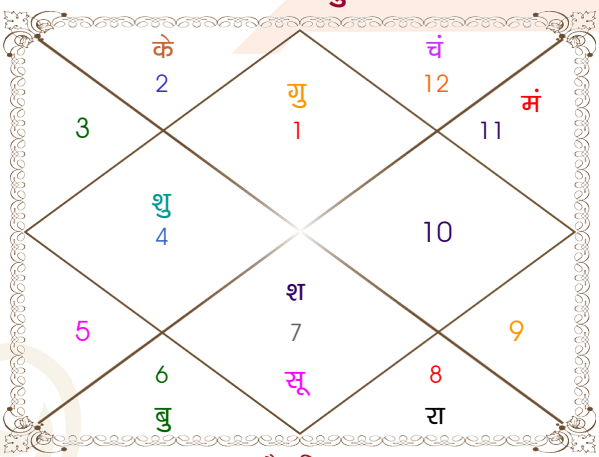

पुत्रपौत्रादिज्ञानम्

अष्टमांश कुंडली

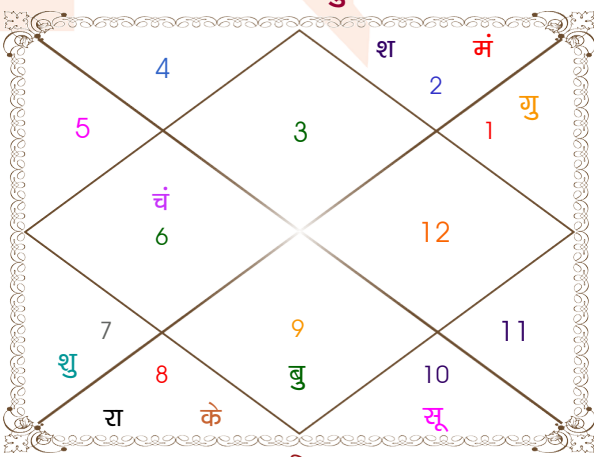

आयुविचारः

षोडशवर्ग चक्र

नवमांश कुंडली

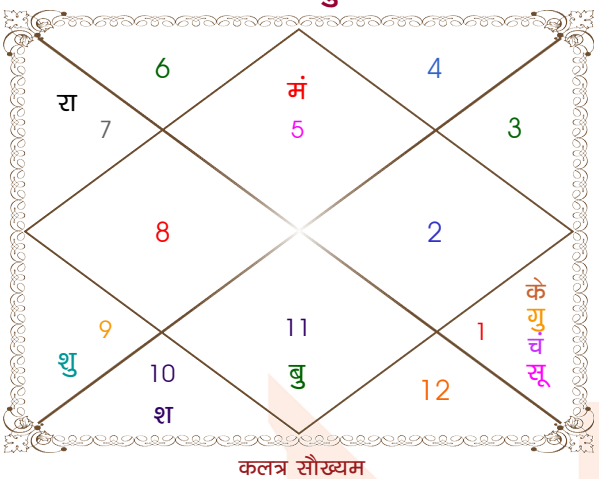

कलत्र सौख्यम

दशमांश कुंडली

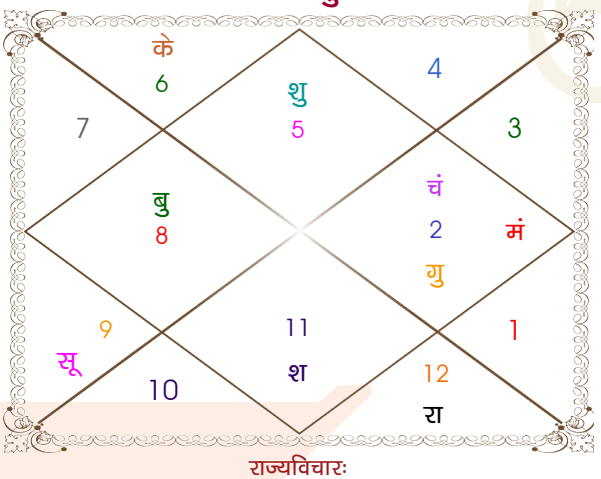

राज्यविचारः

एकादशांश कुंडली

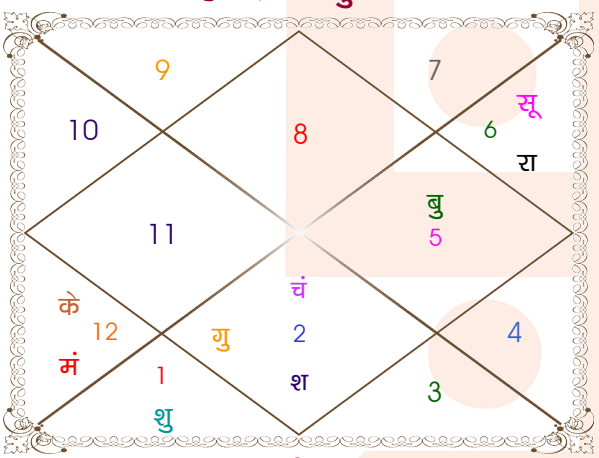

लाभविचारः

द्वादशांश कुंडली

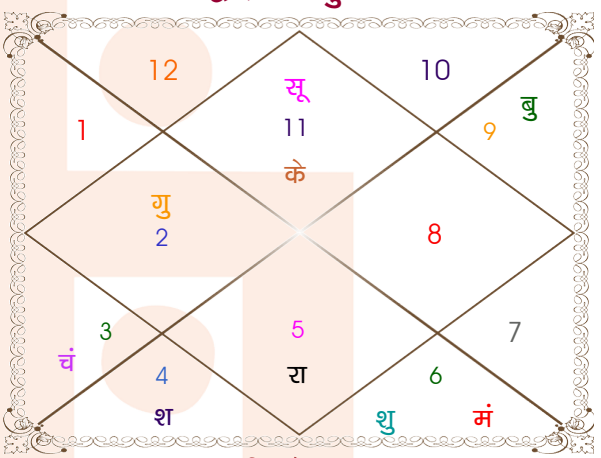

पितृसौख्यम

षोडशांश कुंडली

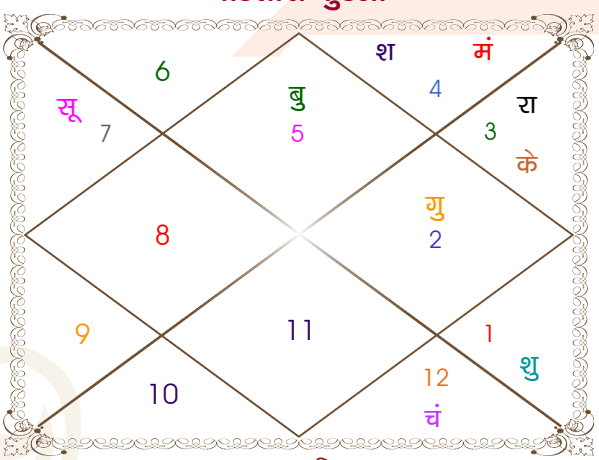

वाहनसुखविचारः

विंशांश कुंडली

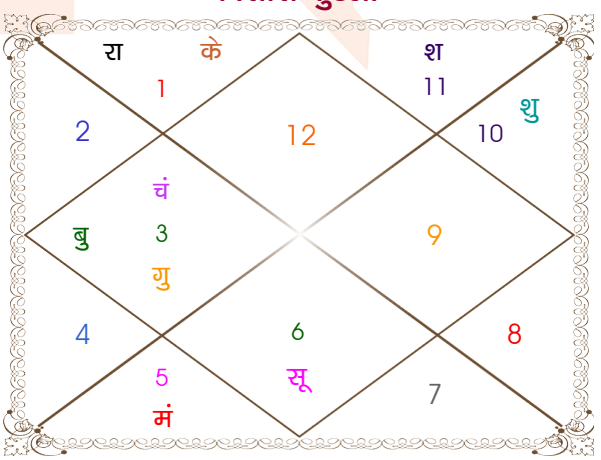

उपासनाज्ञानम्

षोडशवर्ग चक्र

चतुर्विंशांश कुंडली

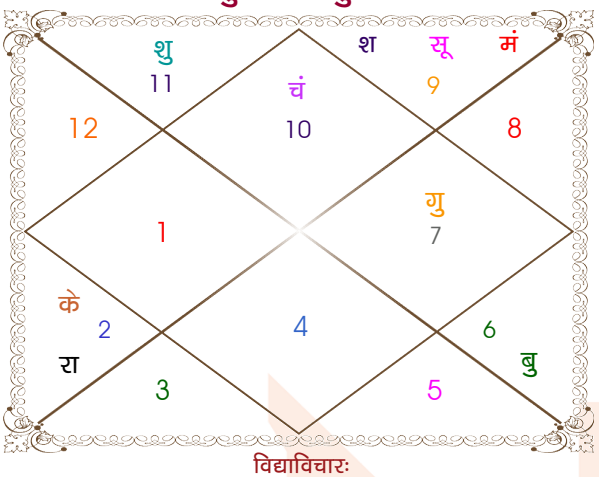

विद्याविचारः

सप्तविंशांश कुंडली

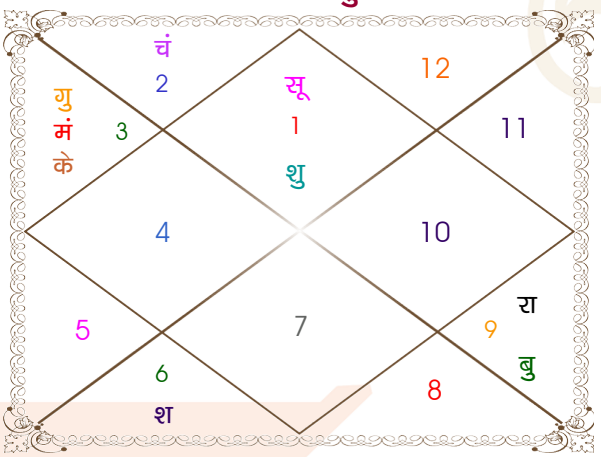

बलाबलज्ञानम्

त्रिंशांश कुंडली

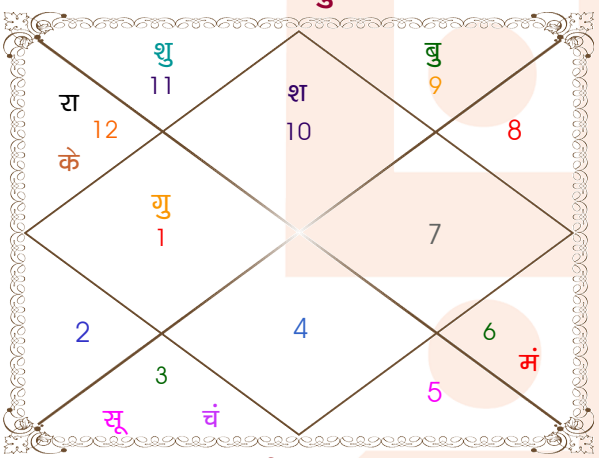

अरिष्टज्ञानम्

खवेदांश कुंडली

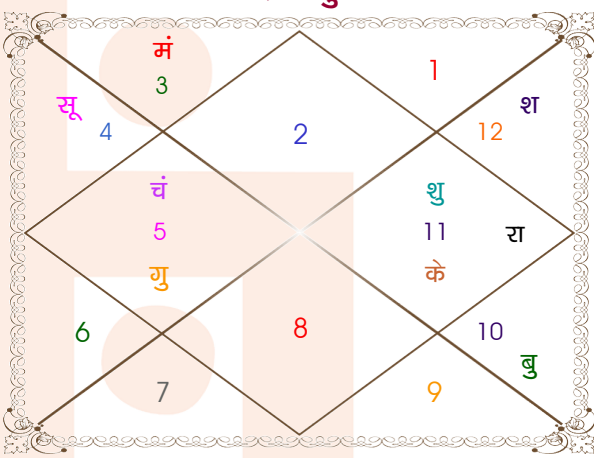

शुभाशुभज्ञानम्

अक्षवेदांश कुंडली

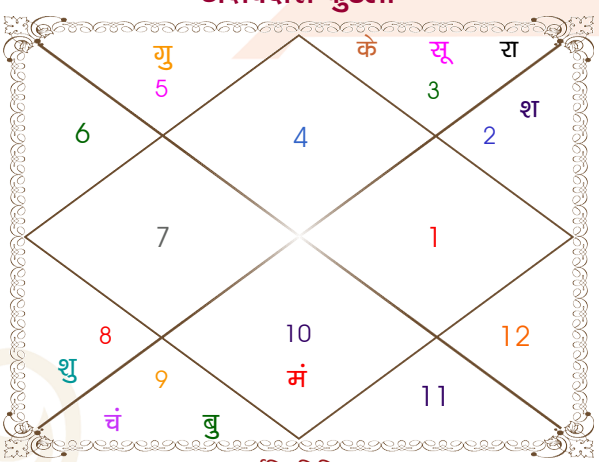

सर्वास्थितिविचारः

षष्ट्यंश कुंडली

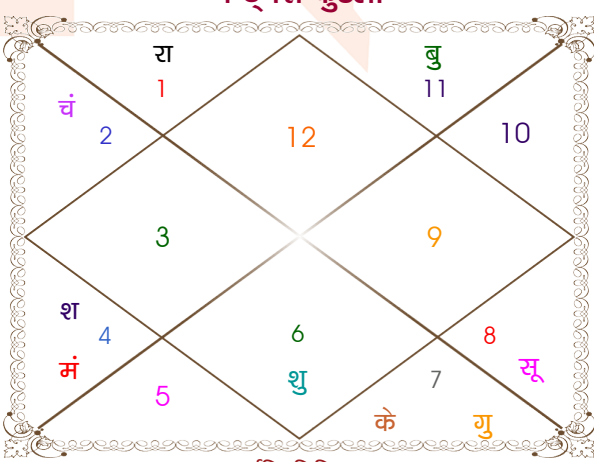

सर्वास्थितिविचारः

षोडशवर्ग सारणियाँ

षोडशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
राशि	वृष	मिथु	तुला	कर्क	मिथु	मेष	मिथु	वृश्चि	मीन	कन्या
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह	कर्क	कर्क
द्रेष्काण	मक	कुंभ	मिथु	कर्क	तुला	मेष	मिथु	कर्क	कर्क	मक
चतुर्थांश	कुंभ	धनु	मेष	कर्क	धनु	मेष	कन्या	वृष	मिथु	धनु
सप्तमांश	मेष	तुला	मीन	कुंभ	कन्या	मेष	कर्क	तुला	वृश्चि	वृष
नवमांश	सिंह	मेष	मेष	सिंह	कुंभ	मेष	धनु	मक	तुला	मेष
दशमांश	सिंह	धनु	वृष	वृष	वृश्चि	वृष	सिंह	कुंभ	मीन	कन्या
द्वादशांश	कुंभ	कुंभ	मिथु	कन्या	धनु	वृष	कन्या	कर्क	सिंह	कुंभ
षोडशांश	सिंह	तुला	मीन	कर्क	सिंह	वृष	मेष	कर्क	मिथु	मिथु
विंशांश	मीन	कन्या	मिथु	सिंह	मिथु	मिथु	मक	कुंभ	मेष	मेष
चतुर्विंशांश	मक	धनु	मक	धनु	कन्या	तुला	कुंभ	धनु	वृष	वृष
सप्तविंशांश	मेष	मेष	वृष	मिथु	धनु	मिथु	मेष	कन्या	धनु	मिथु
त्रिंशांश	मक	मिथु	मिथु	कन्या	धनु	मेष	कुंभ	मक	मीन	मीन
खवेदांश	वृष	कर्क	सिंह	मिथु	मक	सिंह	कुंभ	मीन	कुंभ	कुंभ
अक्षवेदांश	कर्क	मिथु	धनु	मक	धनु	सिंह	वृश्चि	वृष	मिथु	मिथु
षष्ट्यंश	मीन	वृश्चि	वृष	कर्क	कुंभ	तुला	कन्या	कर्क	मेष	तुला

वर्ग भेद

	षडवर्ग	सप्तवर्ग	दशवर्ग	षोडशवर्ग
सूर्य	1 ---	1 ---	1 ---	2 भेदक
चन्द्र	1 ---	1 ---	3 उत्तम	4 नागपुष्प
मंगल	0 ---	0 ---	0 ---	1 ---
बुध	1 ---	2 किंसुक	2 पारिजात	4 नागपुष्प
गुरु	0 ---	0 ---	0 ---	0 ---
शुक्र	0 ---	0 ---	0 ---	0 ---
शनि	2 किंसुक	3 व्यंजन	4 गोपुर	5 कन्दुक
राहु	0 ---	0 ---	1 ---	3 कुसुम
केतु	1 ---	1 ---	1 ---	2 भेदक

विंशोपक बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
षडवर्ग	9.45	11.35	16.80	12.50	17.20	10.75	11.00	12.25	13.35
सप्तवर्ग	9.03	11.00	15.43	13.33	17.20	10.00	11.00	11.43	13.90
दशवर्ग	11.03	9.25	15.75	12.03	14.20	9.63	11.13	10.10	14.48
षोडशवर्ग	11.78	9.78	16.38	12.00	14.60	11.00	11.23	11.78	14.93

मैत्री सारिणी

नैसर्गिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु
चंद्र	मित्र	---	सम	मित्र	सम	सम	सम	शत्रु	शत्रु
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	मित्र	सम	सम	शत्रु	मित्र
बुध	मित्र	शत्रु	सम	---	सम	मित्र	सम	सम	सम
गुरु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु	सम	सम	सम
शुक्र	शत्रु	शत्रु	सम	मित्र	सम	---	मित्र	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
राहु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	सम	सम	मित्र	मित्र	---	शत्रु
केतु	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	---

तात्कालिक मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र
चंद्र	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
मंगल	मित्र	मित्र	---	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र
बुध	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र
गुरु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	---	मित्र	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	---	शत्रु	मित्र	मित्र
शनि	शत्रु	मित्र	शत्रु	शत्रु	शत्रु	शत्रु	---	शत्रु	मित्र
राहु	मित्र	शत्रु	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	---	शत्रु
केतु	मित्र	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	शत्रु	---

पंचधा मैत्री

ग्रह	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	केतु
सूर्य	---	सम	अतिमित्र	शत्रु	अतिमित्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	सम	सम
चंद्र	सम	---	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	अधिशत्रु	सम
मंगल	अतिमित्र	अतिमित्र	---	सम	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	अधिशत्रु	अतिमित्र
बुध	सम	अधिशत्रु	मित्र	---	मित्र	सम	शत्रु	मित्र	मित्र
गुरु	अतिमित्र	सम	अतिमित्र	सम	---	सम	शत्रु	मित्र	शत्रु
शुक्र	अधिशत्रु	अधिशत्रु	मित्र	सम	मित्र	---	सम	अतिमित्र	अतिमित्र
शनि	अधिशत्रु	सम	अधिशत्रु	सम	शत्रु	सम	---	सम	सम
राहु	सम	अधिशत्रु	अधिशत्रु	मित्र	मित्र	अतिमित्र	सम	---	अधिशत्रु
केतु	सम	सम	अतिमित्र	मित्र	शत्रु	अतिमित्र	सम	अधिशत्रु	---

षट्बल तथा भावबल सारिणी

षट्बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
उच्च बल	36	4	7	30	29	36	49
सप्तवर्गज बल	43	75	109	103	143	49	86
ओजयुग्मक बल	30	0	15	30	30	0	0
केन्द्र बल	30	15	15	30	15	30	60
द्रेष्काण बल	0	15	15	15	15	0	0
कुल स्थान बल	140	109	161	209	232	115	195
कुल दिग्बल	16	36	11	52	43	40	60
नतोन्नत बल	16	44	44	60	16	16	44
पक्ष बल	20	81	20	20	40	40	20
त्रिभाग बल	0	0	60	0	60	0	0
अब्द बल	0	0	0	0	0	0	15
मास बल	0	0	0	0	30	0	0
वार बल	0	45	0	0	0	0	0
होरा बल	0	0	0	0	0	0	60
अयन बल	118	51	56	60	43	60	59
युद्ध बल	0	0	0	0	0	0	0
कुल कालबल	154	221	179	139	190	117	198
कुल चेष्टाबल	0	0	6	48	32	7	50
कुल नैसर्गिक बल	60	51	17	26	34	43	9
कुल दृग्बल	4	-10	7	3	-7	1	9
कुल षट्बल	374	407	381	477	525	323	520
रूप षट्बल	6.2	6.8	6.3	7.9	8.8	5.4	8.7
न्यूनतम आवश्यकता	5	6	5	7	7	6	5
अनुपात	1.2	1.1	1.3	1.1	1.3	1.0	1.7
संबंधित पद	4	6	3	5	2	7	1

इष्ट फल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
इष्ट फल	44.89	12.35	6.37	38.15	30.80	16.31	49.72
कष्ट फल	10.58	33.23	53.58	19.01	29.13	35.22	10.27

भाव बल

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
भावाधिपति बल	323	477	407	374	477	323	381	525	520	520	525	381
भावदिग्बल	30	50	50	0	20	10	60	40	50	30	10	40
भावदृष्टि बल	6	26	37	63	46	64	52	109	47	8	2	10
कुल भाव बल	359	553	494	437	543	397	493	674	618	558	537	431
रूप भाव बल	6.0	9.2	8.2	7.3	9.0	6.6	8.2	11.2	10.3	9.3	8.9	7.2
संबंधित पद	12	4	7	9	5	11	8	1	2	3	6	10

षट्बल ग्राफ

स्थान बल

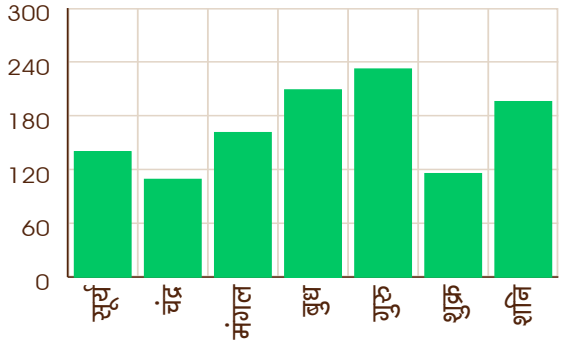

दिग्बल

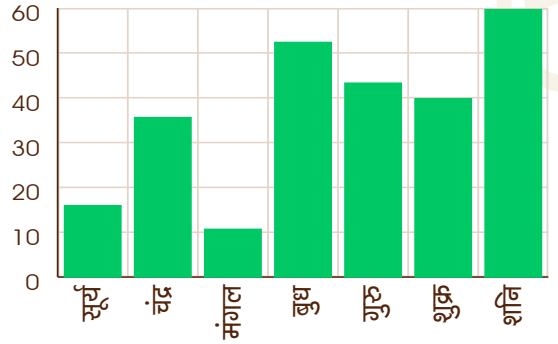

कालबल

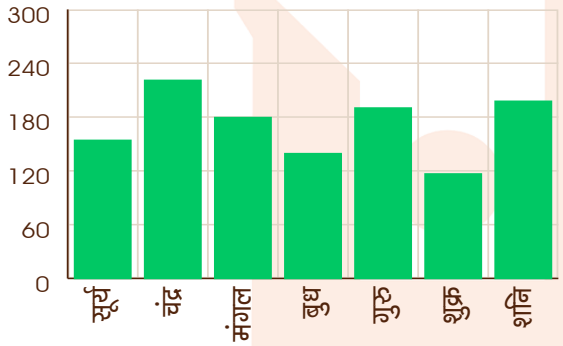

चेष्टाबल

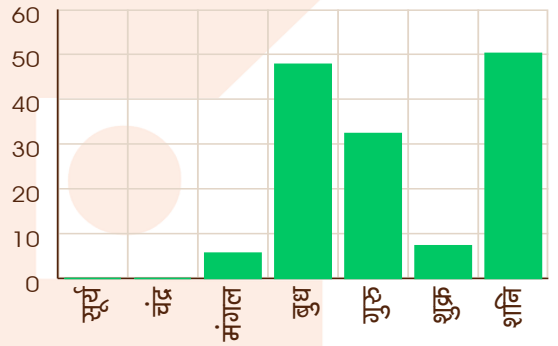

नैसर्गिक बल

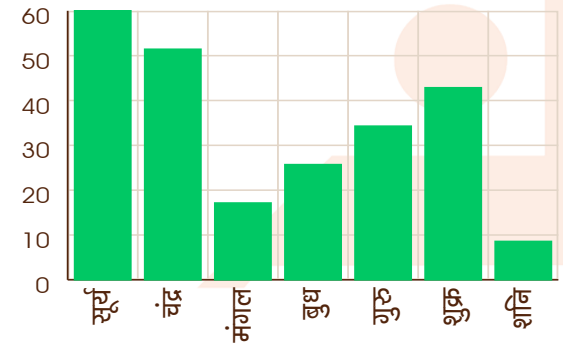

दृग्बल

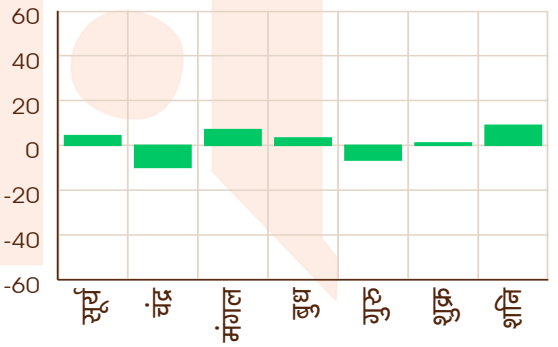

रूप षट्बल

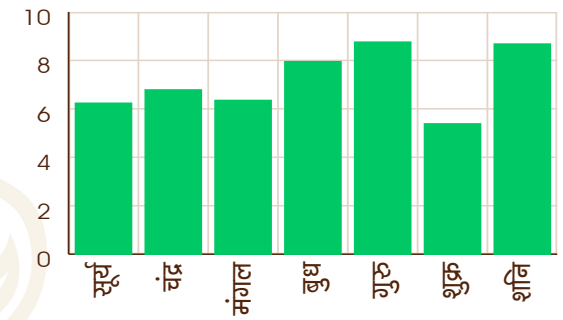

न्यूनतम षट्बल

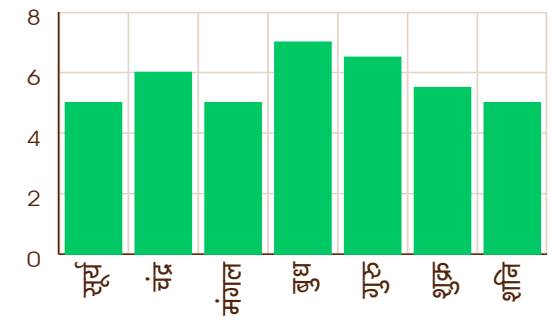

भाव बल ग्राफ

भावाधिपति बल

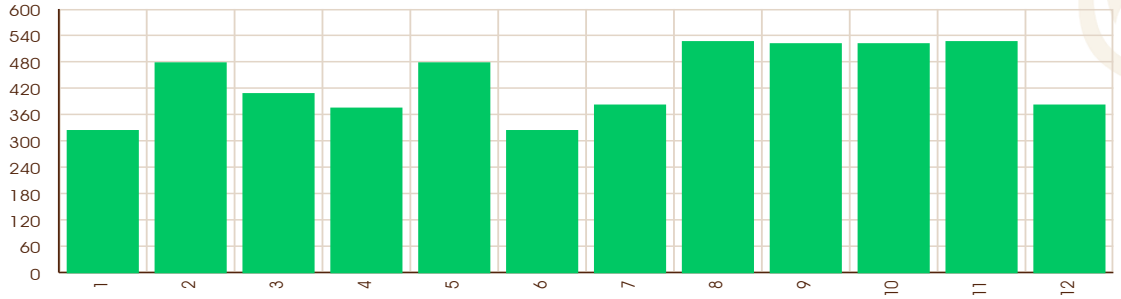

भावदिग्बल

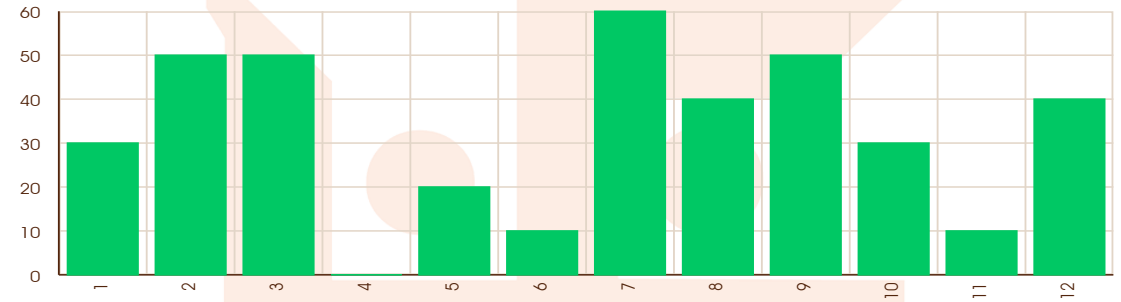

भावदृष्टि बल

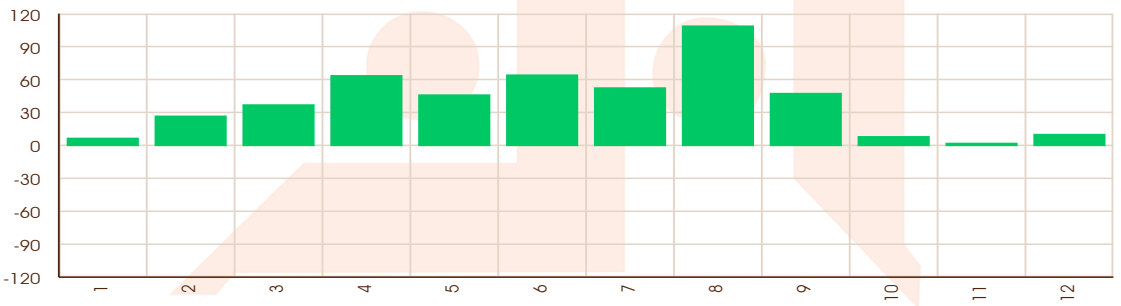

भाव बल

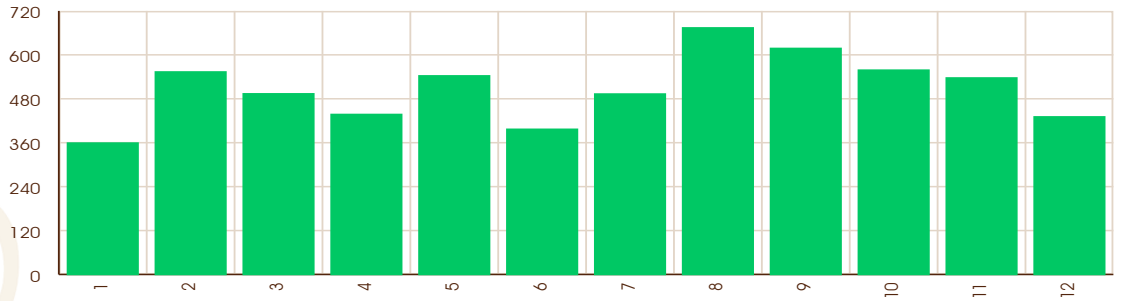

षट्बल तथा भावबल ग्राफ

रूप षट्बल

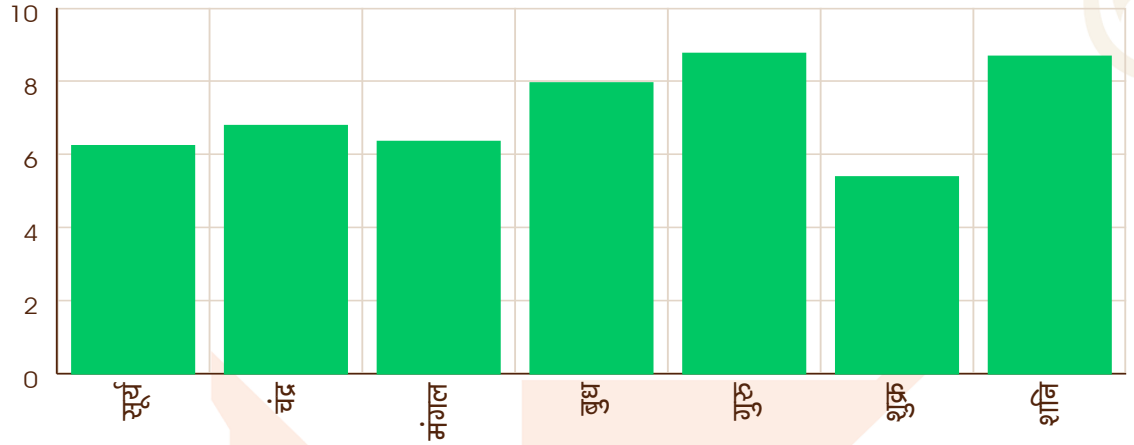

इष्ट - कष्ट फल

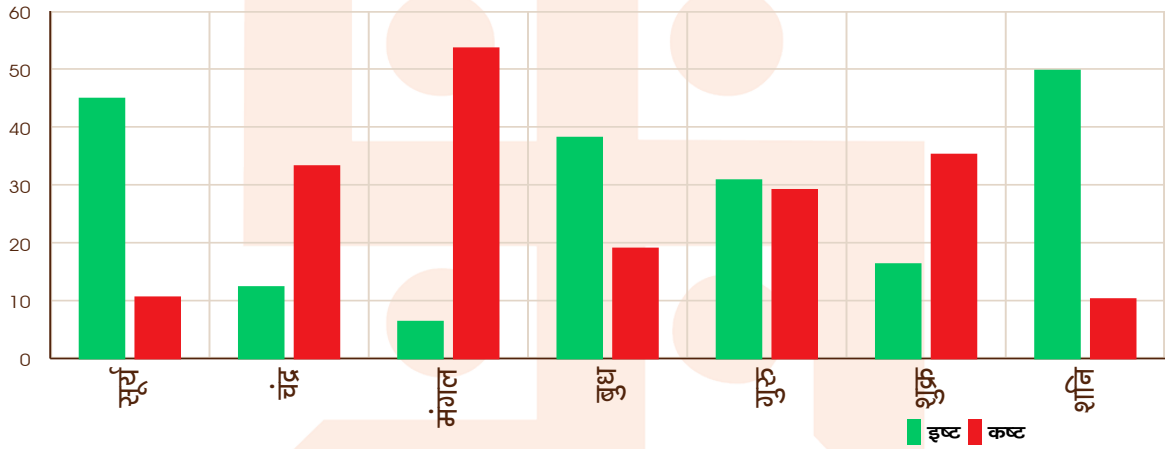

रूप भाव बल

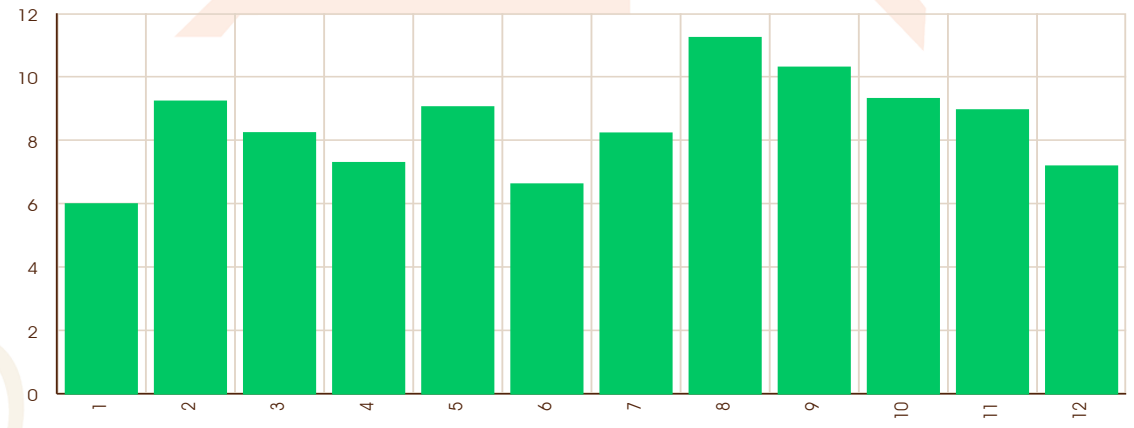

उपग्रह एवं आरूढ़

उपग्रह	संक्षि	राशि	अंश	उच्च	स्थिति	नक्षत्र	पद	नं.
लग्न	ल	वृष	23:21:30	--	--	मृगशिरा	1	5
गुलिक	गु	मक	13:05:02	--	--	श्रवण	1	22
काल	का	कुंभ	06:23:36	--	--	धनिष्ठा	4	23
मृत्यु	मृ	मीन	29:34:04	--	--	रेवती	4	27
यमघंटक	यम	वृष	15:17:57	--	--	रोहिणी	2	4
अर्द्धप्रहर	अर्द्ध	मेष	23:39:55	--	--	भरणी	4	2
धूम	धू	वृश्चि	03:55:03	--	--	अनुराधा	1	17
व्यतिपात	व्य	सिंह	26:04:57	--	--	पू०फाल्गुनी	4	11
परिवेश	परि	कुंभ	26:04:57	--	--	पू०भाद्रपद	2	25
इन्द्रचाप	इ	वृष	03:55:03	--	--	कृतिका	3	3
उपकेतु	उप	वृष	20:35:03	--	--	रोहिणी	4	4

प्राणपद	:	कुंभ	29:23:38	कारकाँश लग्न	:	मक	20:24:36
भाव लग्न	:	मेष	23:47:56	होरा लग्न	:	मीन	24:14:22
घटी लग्न	:	मक	22:47:11	वर्णद लग्न	:	कुंभ	12:24:08

उपग्रह कुंडली

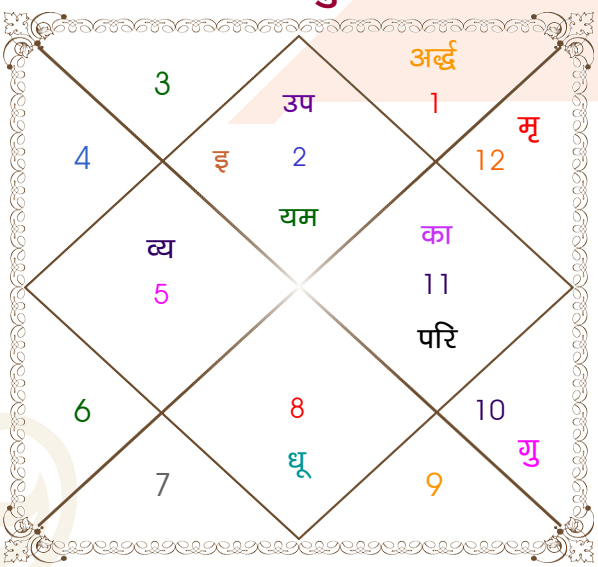

आरूढ़ कुंडली

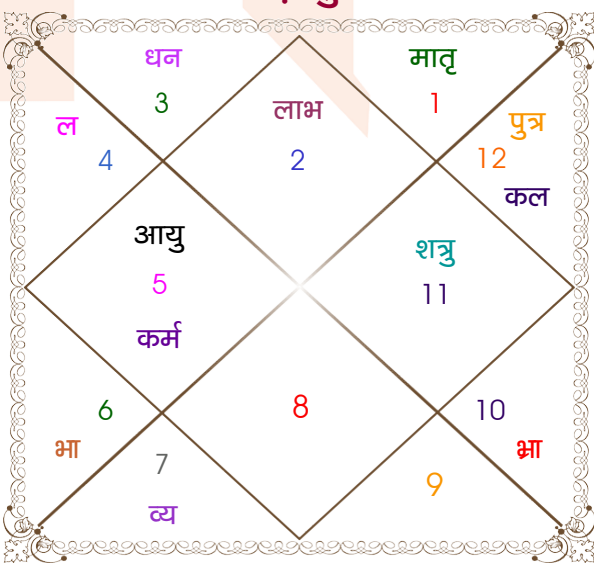

षन्नाडी चक्र

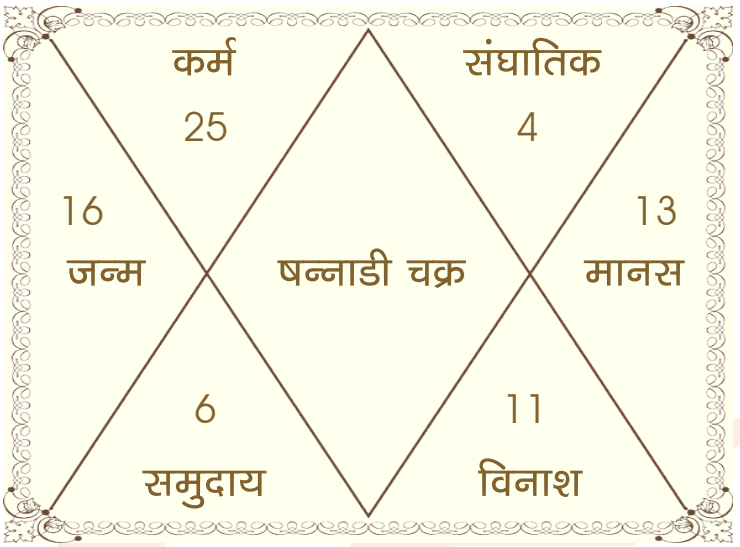

त्रिपाप चक्र

प्रथम चक्र	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
द्वितीय चक्र	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
तृतीय चक्र	73	74	75	76	77	78	79	80	81	82	83	84
केतु पताकी	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु
केतु कुंडली	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र
गुरु कुंडली	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल

प्रथम चक्र	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24
द्वितीय चक्र	49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60
तृतीय चक्र	85	86	87	88	89	90	91	92	93	94	95	96
केतु पताकी	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य
केतु कुंडली	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र
गुरु कुंडली	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध

प्रथम चक्र	25	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36
द्वितीय चक्र	61	62	63	64	65	66	67	68	69	70	71	72
तृतीय चक्र	97	98	99	100	101	102	103	104	105	106	107	108
केतु पताकी	चंद्र	मंगल	बुध	शनि	गुरु	राहु	केतु	शुक्र	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध
केतु कुंडली	केतु	शुक्र	राहु	केतु	शनि	सूर्य	केतु	बुध	मंगल	केतु	गुरु	चंद्र
गुरु कुंडली	गुरु	शुक्र	शनि	राहु	सूर्य	मंगल	केतु	चंद्र	बुध	गुरु	शुक्र	शनि

प्रस्ताराष्टकवर्ग सारिणी

सूर्य का अष्टकवर्ग

	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	कुल
शनि	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
गुरु	0	0	1	1	0	0	1	0	1	0	0	0	4
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	0	8
शुक्र	0	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	3
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	7
चंद्र	0	1	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	4
लग्न	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	1	0	6
कुल	2	5	6	3	3	3	5	2	6	5	4	4	48

चंद्र का अष्टकवर्ग

	तु	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	कुल
शनि	0	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	4
गुरु	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	0	7
मंगल	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	1	1	6
सूर्य	0	1	1	1	0	1	1	0	0	0	1	0	6
शुक्र	1	0	1	0	1	1	1	0	0	0	1	1	7
बुध	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	1	0	7
लग्न	1	0	0	0	1	1	0	0	0	1	0	0	4
कुल	5	3	5	4	3	6	7	2	2	3	5	4	49

मंगल का अष्टकवर्ग

	र्क	सि	कं	तु	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	कुल
शनि	1	1	1	0	1	0	0	1	0	0	1	1	7
गुरु	0	0	1	0	0	0	1	1	1	0	0	0	4
मंगल	1	1	0	1	0	0	1	1	0	1	1	0	7
सूर्य	0	1	0	1	1	0	0	0	1	1	0	0	5
शुक्र	0	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	4
बुध	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	0	4
चंद्र	0	1	0	0	0	1	0	0	1	0	0	0	3
लग्न	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	1	0	5
कुल	3	5	2	4	4	1	3	4	4	4	4	1	39

बुध का अष्टकवर्ग

	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	कुल
शनि	1	1	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	8
गुरु	0	0	0	1	0	1	0	0	1	1	0	0	4
मंगल	0	1	1	0	1	0	0	1	1	1	1	1	8
सूर्य	0	0	0	0	1	1	0	0	1	0	1	1	5
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	8
बुध	1	0	1	0	1	1	0	0	1	1	1	1	8
चंद्र	0	1	1	0	0	1	0	1	0	1	0	1	6
लग्न	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	0	1	7
कुल	4	4	6	3	5	5	2	3	7	5	4	6	54

गुरु का अष्टकवर्ग

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	1	0	0	0	0	0	1	0	0	1	0	1	4
गुरु	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	1	0	8
मंगल	1	1	0	1	1	0	1	0	0	1	1	0	7
सूर्य	1	0	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	9
शुक्र	1	0	0	1	0	0	1	1	0	0	1	1	6
बुध	1	0	1	1	0	1	1	1	0	0	1	1	8
चंद्र	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	0	1	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	9
कुल	7	3	5	5	4	3	6	5	1	5	7	5	56

शुक्र का अष्टकवर्ग

	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	कुल
शनि	1	1	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	7
गुरु	0	0	1	0	0	1	1	1	1	0	0	0	5
मंगल	1	0	0	1	1	0	1	0	0	1	0	1	6
सूर्य	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	1	1	3
शुक्र	1	1	1	1	1	0	0	1	1	1	1	0	9
बुध	0	0	1	0	1	1	0	0	1	0	1	0	5
चंद्र	1	0	1	1	1	1	1	1	1	0	0	1	9
लग्न	1	1	1	1	0	0	1	1	0	1	0	1	8
कुल	5	3	6	5	4	3	4	6	5	4	3	4	52

शनि का अष्टकवर्ग

	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	कुल
शनि	0	0	1	0	1	1	0	0	0	0	1	0	4
गुरु	0	0	0	1	1	0	0	0	0	1	1	0	4
मंगल	1	1	0	0	0	1	1	1	0	0	1	0	6
सूर्य	0	1	1	0	1	1	0	1	1	0	1	0	7
शुक्र	1	0	0	0	0	1	1	0	0	0	0	0	3
बुध	1	0	1	1	1	1	1	0	0	0	0	0	6
चंद्र	0	1	0	0	1	0	0	0	0	1	0	0	3
लग्न	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	6
कुल	3	3	3	3	6	5	4	2	2	3	4	1	39

लग्न का अष्टकवर्ग

	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृश्ि	ध	म	कुं	मी	मे	कुल
शनि	0	0	0	1	1	0	1	0	1	1	0	1	6
गुरु	1	0	1	1	1	1	0	1	1	1	0	1	9
मंगल	1	0	1	0	1	0	0	1	0	0	0	1	5
सूर्य	1	0	0	1	1	0	1	0	0	0	1	1	6
शुक्र	0	1	1	1	1	1	0	0	1	1	0	0	7
बुध	0	1	1	0	1	0	1	0	1	0	1	1	7
चंद्र	0	0	1	1	1	0	0	1	0	0	1	0	5
लग्न	0	0	1	0	0	1	0	0	0	1	1	0	4
कुल	3	2	6	5	7	3	3	3	4	4	4	5	49

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	5	4	2	2	3	4	1	3	3	3	3	6	39
गुरु	7	3	5	5	4	3	6	5	1	5	7	5	56
मंगल	4	4	1	3	5	2	4	4	1	3	4	4	39
सूर्य	4	4	2	5	6	3	3	3	5	2	6	5	48
शुक्र	3	4	5	3	6	5	4	3	4	6	5	4	52
बुध	4	6	4	4	6	3	5	5	2	3	7	5	54
चंद्र	7	2	2	3	5	4	5	3	5	4	3	6	49
बिन्दु	34	27	21	25	35	24	28	26	21	26	35	35	337
रेखा	22	29	35	31	21	32	28	30	35	30	21	21	335

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	1	1	0	0	1	0	1	0	0	2	4	12
गुरु	6	0	0	0	3	0	1	0	0	2	2	0	14
मंगल	3	2	0	0	4	0	3	1	0	1	3	1	18
सूर्य	0	2	0	2	2	1	1	0	1	0	4	2	15
शुक्र	0	0	1	0	3	1	0	0	1	2	1	1	10
बुध	2	3	0	0	4	0	1	1	0	0	3	1	15
चंद्र	2	0	0	0	0	2	3	0	0	2	1	3	13
रेखा	15	8	2	2	16	5	9	3	2	7	16	12	97

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग सारिणी

	मे	वृ	मि	र्क	सि	कं	तु	वृशि	ध	म	कुं	मी	कुल
शनि	2	1	1	0	0	0	0	1	0	0	2	4	11
गुरु	6	0	0	0	3	0	1	0	0	0	0	0	10
मंगल	3	0	0	0	4	0	3	1	0	1	2	1	15
सूर्य	0	1	0	2	2	1	1	0	1	0	4	1	13
शुक्र	0	0	1	0	3	0	0	0	0	1	1	0	6
बुध	2	2	0	0	4	0	1	1	0	0	3	1	14
चंद्र	2	0	0	0	0	2	3	0	0	1	1	3	12
रेखा	15	4	2	2	16	3	9	3	1	3	13	10	81

शोध्य पिंड

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि पिंड	115	97	129	134	79	54	110
ग्रह पिंड	21	35	50	30	65	17	42
शोध्य पिंड	136	132	179	164	144	71	152

अष्टकवर्ग सारिणी

सर्वाष्टकवर्ग

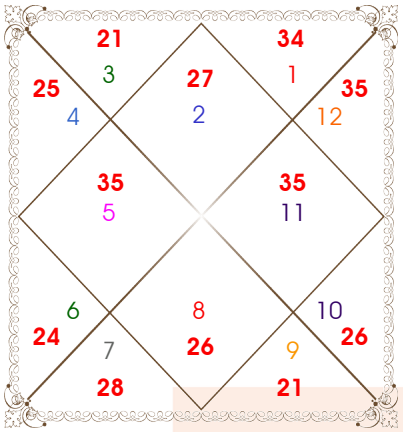

सूर्य का अष्टकवर्ग

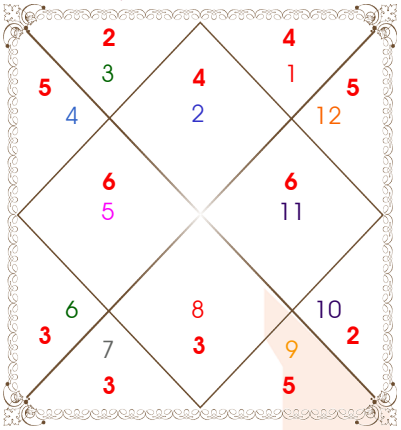

चंद्र का अष्टकवर्ग

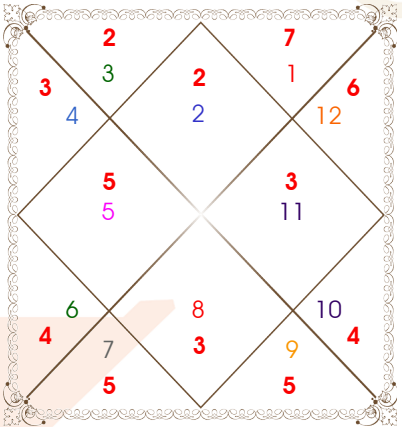

मंगल का अष्टकवर्ग

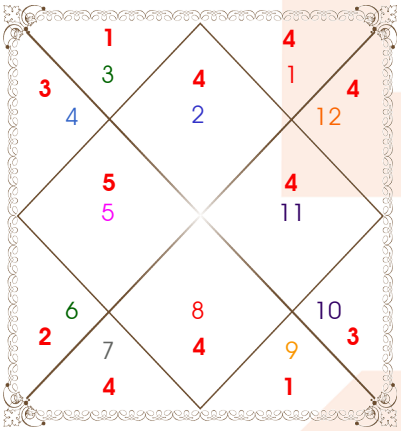

बुध का अष्टकवर्ग

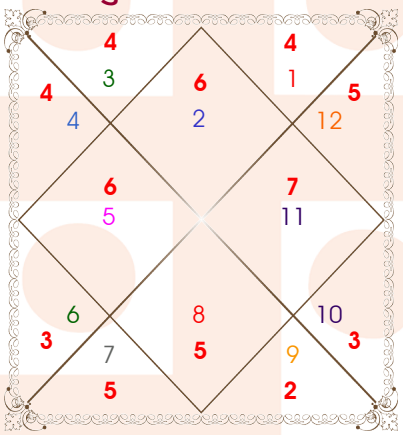

गुरू का अष्टकवर्ग

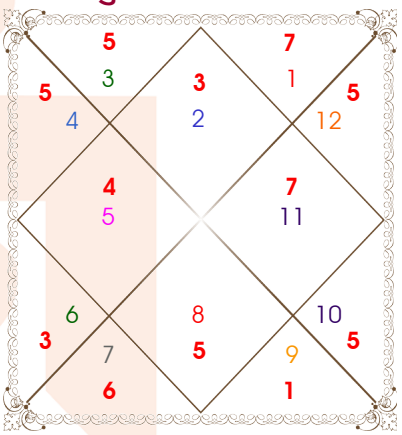

शुक्र का अष्टकवर्ग

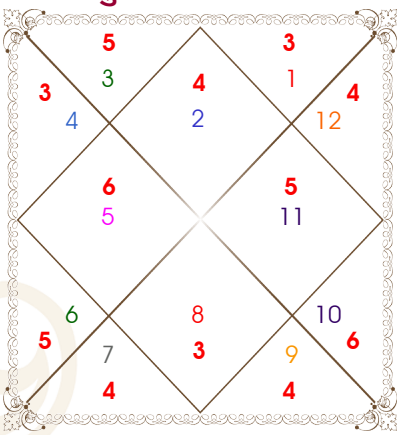

शनि का अष्टकवर्ग

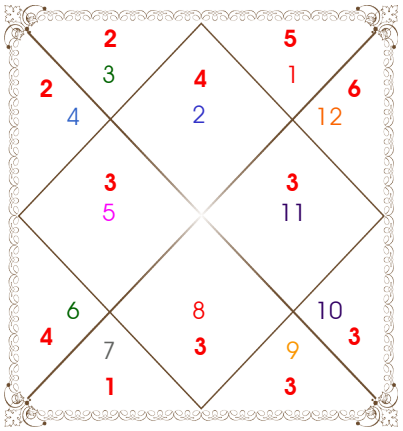

लग्न का अष्टकवर्ग

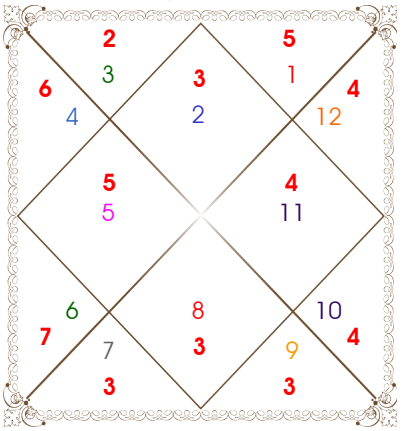

भिन्नाष्टक ग्राफ

सूर्य

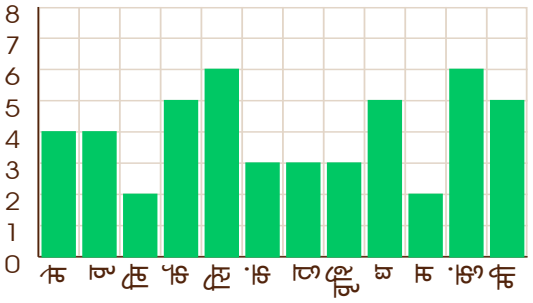

चन्द्र

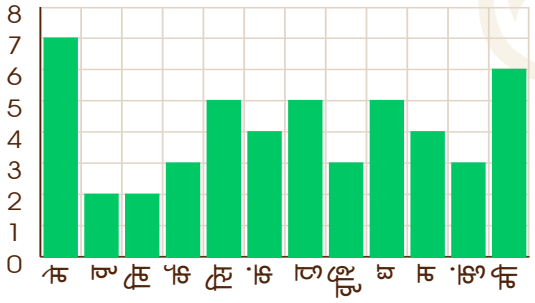

मंगल

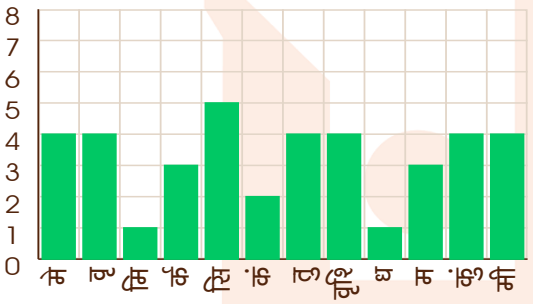

बुध

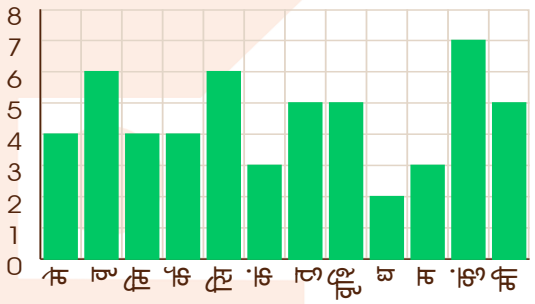

गुरु

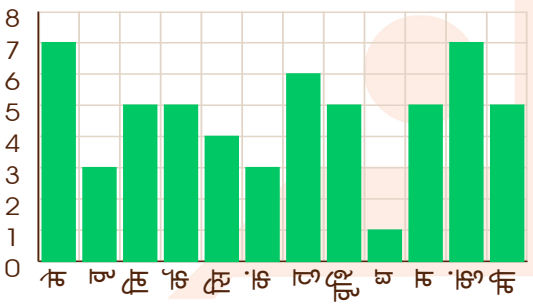

शुक्र

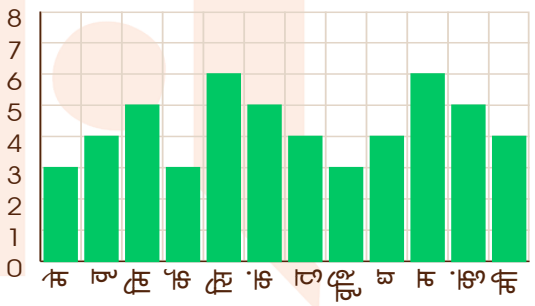

शनि

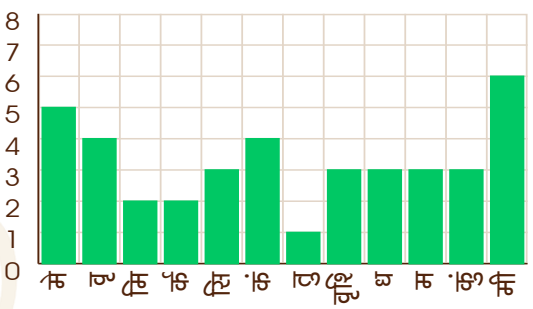

लग्न

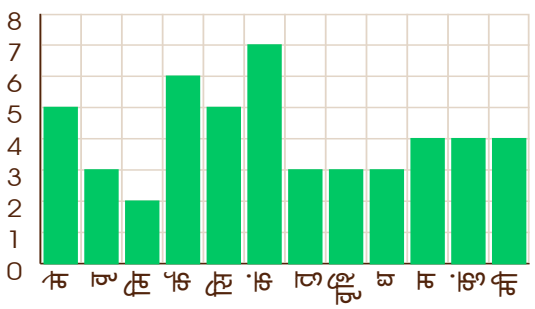

अष्टकवर्ग ग्राफ

सर्वाष्टकवर्ग

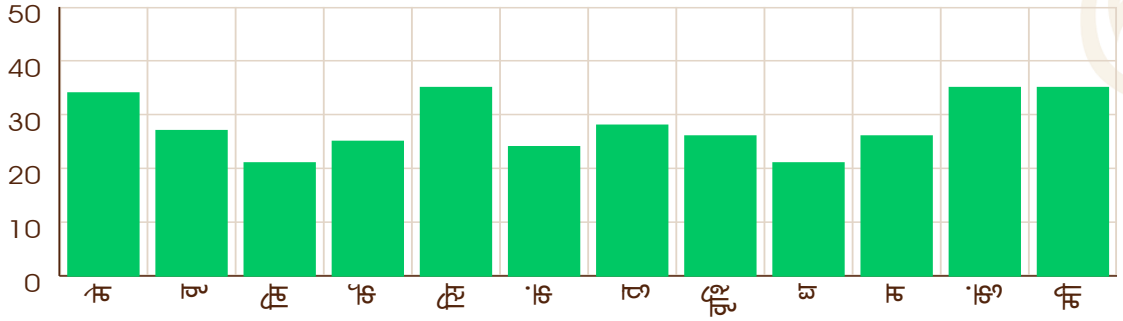

त्रिकोण शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

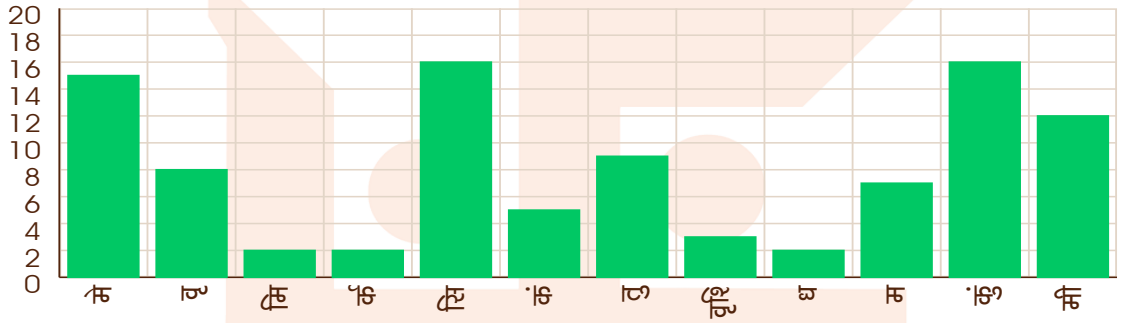

एकाधिपत्य शोधन के पश्चात अष्टकवर्ग

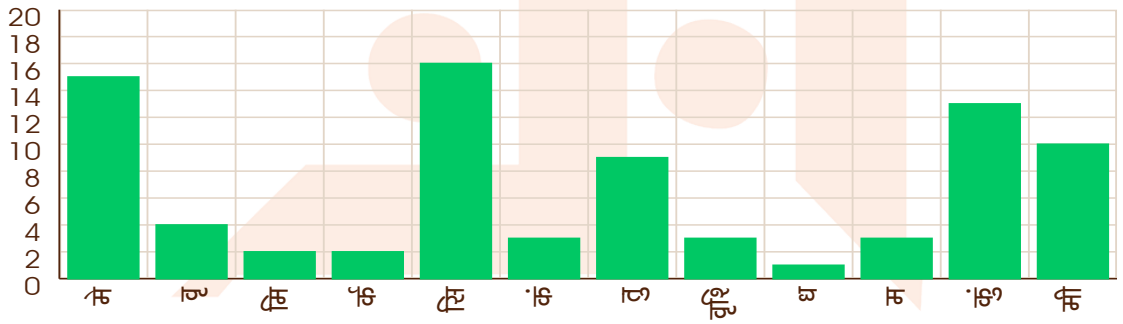

शोध्य पिंड

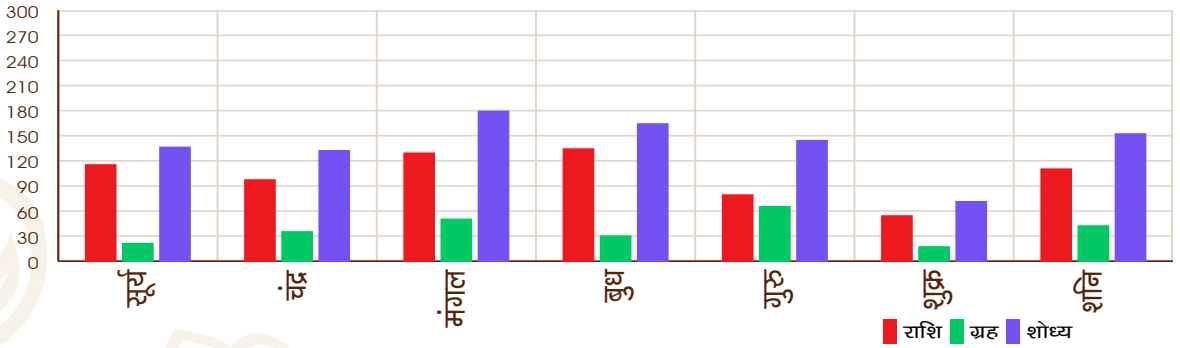

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 14 वर्ष 0 मास 2 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
07/07/1987		08/07/2001		08/07/2020		08/07/2037		08/07/2044	
08/07/2001		08/07/2020		08/07/2037		08/07/2044		08/07/2064	
गुरु	27/08/1987	शनि	11/07/2004	बुध	05/12/2022	केतु	04/12/2037	शुक्र	08/11/2047
शनि	09/03/1990	बुध	21/03/2007	केतु	02/12/2023	शुक्र	04/02/2039	सूर्य	07/11/2048
बुध	14/06/1992	केतु	29/04/2008	शुक्र	02/10/2026	सूर्य	11/06/2039	चंद्र	09/07/2050
केतु	21/05/1993	शुक्र	30/06/2011	सूर्य	08/08/2027	चंद्र	10/01/2040	मंगल	08/09/2051
शुक्र	20/01/1996	सूर्य	11/06/2012	चंद्र	07/01/2029	मंगल	08/06/2040	राहु	07/09/2054
सूर्य	07/11/1996	चंद्र	10/01/2014	मंगल	04/01/2030	राहु	26/06/2041	गुरु	08/05/2057
चंद्र	09/03/1998	मंगल	19/02/2015	राहु	23/07/2032	गुरु	02/06/2042	शनि	08/07/2060
मंगल	13/02/1999	राहु	26/12/2017	गुरु	29/10/2034	शनि	12/07/2043	बुध	09/05/2063
राहु	08/07/2001	गुरु	08/07/2020	शनि	08/07/2037	बुध	08/07/2044	केतु	08/07/2064

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
08/07/2064		09/07/2070		08/07/2080		09/07/2087		09/07/2105	
09/07/2070		08/07/2080		09/07/2087		09/07/2105		00/00/0000	
सूर्य	26/10/2064	चंद्र	09/05/2071	मंगल	04/12/2080	राहु	21/03/2090	गुरु	08/07/2107
चंद्र	26/04/2065	मंगल	08/12/2071	राहु	23/12/2081	गुरु	14/08/2092		00/00/0000
मंगल	01/09/2065	राहु	08/06/2073	गुरु	29/11/2082	शनि	21/06/2095		00/00/0000
राहु	27/07/2066	गुरु	08/10/2074	शनि	07/01/2084	बुध	07/01/2098		00/00/0000
गुरु	15/05/2067	शनि	08/05/2076	बुध	04/01/2085	केतु	25/01/2099		00/00/0000
शनि	26/04/2068	बुध	08/10/2077	केतु	02/06/2085	शुक्र	26/01/2102		00/00/0000
बुध	02/03/2069	केतु	09/05/2078	शुक्र	02/08/2086	सूर्य	21/12/2102		00/00/0000
केतु	08/07/2069	शुक्र	07/01/2080	सूर्य	08/12/2086	चंद्र	21/06/2104		00/00/0000
शुक्र	09/07/2070	सूर्य	08/07/2080	चंद्र	09/07/2087	मंगल	09/07/2105		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 13 वर्ष 11 मा 21 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
07/07/1987		27/08/1987		09/03/1990		14/06/1992		21/05/1993	
27/08/1987		09/03/1990		14/06/1992		21/05/1993		20/01/1996	
	00/00/0000	शनि	20/01/1988	बुध	04/07/1990	केतु	04/07/1992	शुक्र	30/10/1993
	00/00/0000	बुध	30/05/1988	केतु	21/08/1990	शुक्र	29/08/1992	सूर्य	18/12/1993
	00/00/0000	केतु	23/07/1988	शुक्र	06/01/1991	सूर्य	15/09/1992	चंद्र	09/03/1994
	00/00/0000	शुक्र	24/12/1988	सूर्य	17/02/1991	चंद्र	14/10/1992	मंगल	05/05/1994
	00/00/0000	सूर्य	09/02/1989	चंद्र	27/04/1991	मंगल	03/11/1992	राहु	28/09/1994
	00/00/0000	चंद्र	27/04/1989	मंगल	14/06/1991	राहु	24/12/1992	गुरु	05/02/1995
	00/00/0000	मंगल	20/06/1989	राहु	16/10/1991	गुरु	07/02/1993	शनि	09/07/1995
	07/07/1987	राहु	05/11/1989	गुरु	04/02/1992	शनि	02/04/1993	बुध	24/11/1995
राहु	27/08/1987	गुरु	09/03/1990	शनि	14/06/1992	बुध	21/05/1993	केतु	20/01/1996

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
20/01/1996		07/11/1996		09/03/1998		13/02/1999		08/07/2001	
07/11/1996		09/03/1998		13/02/1999		08/07/2001		11/07/2004	
सूर्य	03/02/1996	चंद्र	17/12/1996	मंगल	29/03/1998	राहु	24/06/1999	शनि	29/12/2001
चंद्र	28/02/1996	मंगल	15/01/1997	राहु	19/05/1998	गुरु	19/10/1999	बुध	03/06/2002
मंगल	16/03/1996	राहु	29/03/1997	गुरु	03/07/1998	शनि	06/03/2000	केतु	06/08/2002
राहु	28/04/1996	गुरु	02/06/1997	शनि	26/08/1998	बुध	08/07/2000	शुक्र	05/02/2003
गुरु	06/06/1996	शनि	18/08/1997	बुध	14/10/1998	केतु	28/08/2000	सूर्य	01/04/2003
शनि	23/07/1996	बुध	26/10/1997	केतु	02/11/1998	शुक्र	21/01/2001	चंद्र	02/07/2003
बुध	02/09/1996	केतु	23/11/1997	शुक्र	29/12/1998	सूर्य	06/03/2001	मंगल	04/09/2003
केतु	19/09/1996	शुक्र	12/02/1998	सूर्य	15/01/1999	चंद्र	18/05/2001	राहु	16/02/2004
शुक्र	07/11/1996	सूर्य	09/03/1998	चंद्र	13/02/1999	मंगल	08/07/2001	गुरु	11/07/2004

शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
11/07/2004		21/03/2007		29/04/2008		30/06/2011		11/06/2012	
21/03/2007		29/04/2008		30/06/2011		11/06/2012		10/01/2014	
बुध	27/11/2004	केतु	14/04/2007	शुक्र	08/11/2008	सूर्य	17/07/2011	चंद्र	29/07/2012
केतु	24/01/2005	शुक्र	20/06/2007	सूर्य	05/01/2009	चंद्र	15/08/2011	मंगल	01/09/2012
शुक्र	07/07/2005	सूर्य	11/07/2007	चंद्र	11/04/2009	मंगल	04/09/2011	राहु	26/11/2012
सूर्य	25/08/2005	चंद्र	13/08/2007	मंगल	18/06/2009	राहु	26/10/2011	गुरु	11/02/2013
चंद्र	15/11/2005	मंगल	06/09/2007	राहु	08/12/2009	गुरु	12/12/2011	शनि	14/05/2013
मंगल	11/01/2006	राहु	06/11/2007	गुरु	11/05/2010	शनि	04/02/2012	बुध	04/08/2013
राहु	08/06/2006	गुरु	30/12/2007	शनि	10/11/2010	बुध	25/03/2012	केतु	07/09/2013
गुरु	17/10/2006	शनि	03/03/2008	बुध	23/04/2011	केतु	14/04/2012	शुक्र	12/12/2013
शनि	21/03/2007	बुध	29/04/2008	केतु	30/06/2011	शुक्र	11/06/2012	सूर्य	10/01/2014

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु	
10/01/2014		19/02/2015		26/12/2017		08/07/2020		05/12/2022	
19/02/2015		26/12/2017		08/07/2020		05/12/2022		02/12/2023	
मंगल	03/02/2014	राहु	25/07/2015	गुरु	28/04/2018	बुध	10/11/2020	केतु	26/12/2022
राहु	04/04/2014	गुरु	11/12/2015	शनि	22/09/2018	केतु	31/12/2020	शुक्र	24/02/2023
गुरु	28/05/2014	शनि	24/05/2016	बुध	31/01/2019	शुक्र	27/05/2021	सूर्य	14/03/2023
शनि	31/07/2014	बुध	18/10/2016	केतु	26/03/2019	सूर्य	10/07/2021	चंद्र	14/04/2023
बुध	27/09/2014	केतु	18/12/2016	शुक्र	27/08/2019	चंद्र	21/09/2021	मंगल	05/05/2023
केतु	20/10/2014	शुक्र	09/06/2017	सूर्य	12/10/2019	मंगल	11/11/2021	राहु	28/06/2023
शुक्र	27/12/2014	सूर्य	31/07/2017	चंद्र	28/12/2019	राहु	23/03/2022	गुरु	15/08/2023
सूर्य	16/01/2015	चंद्र	26/10/2017	मंगल	20/02/2020	गुरु	18/07/2022	शनि	12/10/2023
चंद्र	19/02/2015	मंगल	26/12/2017	राहु	08/07/2020	शनि	05/12/2022	बुध	02/12/2023

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु	
02/12/2023		02/10/2026		08/08/2027		07/01/2029		04/01/2030	
02/10/2026		08/08/2027		07/01/2029		04/01/2030		23/07/2032	
शुक्र	22/05/2024	सूर्य	17/10/2026	चंद्र	20/09/2027	मंगल	28/01/2029	राहु	24/05/2030
सूर्य	13/07/2024	चंद्र	12/11/2026	मंगल	21/10/2027	राहु	23/03/2029	गुरु	25/09/2030
चंद्र	07/10/2024	मंगल	30/11/2026	राहु	06/01/2028	गुरु	10/05/2029	शनि	19/02/2031
मंगल	07/12/2024	राहु	16/01/2027	गुरु	15/03/2028	शनि	07/07/2029	बुध	01/07/2031
राहु	11/05/2025	गुरु	26/02/2027	शनि	05/06/2028	बुध	27/08/2029	केतु	25/08/2031
गुरु	26/09/2025	शनि	16/04/2027	बुध	17/08/2028	केतु	17/09/2029	शुक्र	27/01/2032
शनि	09/03/2026	बुध	30/05/2027	केतु	17/09/2028	शुक्र	17/11/2029	सूर्य	13/03/2032
बुध	02/08/2026	केतु	18/06/2027	शुक्र	12/12/2028	सूर्य	05/12/2029	चंद्र	30/05/2032
केतु	02/10/2026	शुक्र	08/08/2027	सूर्य	07/01/2029	चंद्र	04/01/2030	मंगल	23/07/2032

बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
23/07/2032		29/10/2034		08/07/2037		04/12/2037		04/02/2039	
29/10/2034		08/07/2037		04/12/2037		04/02/2039		11/06/2039	
गुरु	11/11/2032	शनि	03/04/2035	केतु	17/07/2037	शुक्र	13/02/2038	सूर्य	10/02/2039
शनि	22/03/2033	बुध	20/08/2035	शुक्र	11/08/2037	सूर्य	07/03/2038	चंद्र	21/02/2039
बुध	17/07/2033	केतु	16/10/2035	सूर्य	18/08/2037	चंद्र	11/04/2038	मंगल	28/02/2039
केतु	03/09/2033	शुक्र	28/03/2036	चंद्र	31/08/2037	मंगल	06/05/2038	राहु	19/03/2039
शुक्र	19/01/2034	सूर्य	16/05/2036	मंगल	08/09/2037	राहु	09/07/2038	गुरु	05/04/2039
सूर्य	02/03/2034	चंद्र	06/08/2036	राहु	01/10/2037	गुरु	04/09/2038	शनि	26/04/2039
चंद्र	10/05/2034	मंगल	03/10/2036	गुरु	21/10/2037	शनि	10/11/2038	बुध	14/05/2039
मंगल	27/06/2034	राहु	27/02/2037	शनि	13/11/2037	बुध	10/01/2039	केतु	21/05/2039
राहु	29/10/2034	गुरु	08/07/2037	बुध	04/12/2037	केतु	04/02/2039	शुक्र	11/06/2039

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - चंद्र	
11/06/2039	
10/01/2040	
चंद्र	29/06/2039
मंगल	12/07/2039
राहु	13/08/2039
गुरु	10/09/2039
शनि	14/10/2039
बुध	13/11/2039
केतु	25/11/2039
शुक्र	31/12/2039
सूर्य	10/01/2040

केतु - मंगल	
10/01/2040	
08/06/2040	
मंगल	19/01/2040
राहु	11/02/2040
गुरु	01/03/2040
शनि	25/03/2040
बुध	15/04/2040
केतु	24/04/2040
शुक्र	19/05/2040
सूर्य	26/05/2040
चंद्र	08/06/2040

केतु - राहु	
08/06/2040	
26/06/2041	
राहु	04/08/2040
गुरु	24/09/2040
शनि	24/11/2040
बुध	17/01/2041
केतु	09/02/2041
शुक्र	14/04/2041
सूर्य	03/05/2041
चंद्र	04/06/2041
मंगल	26/06/2041

केतु - गुरु	
26/06/2041	
02/06/2042	
गुरु	11/08/2041
शनि	04/10/2041
बुध	21/11/2041
केतु	11/12/2041
शुक्र	06/02/2042
सूर्य	23/02/2042
चंद्र	23/03/2042
मंगल	12/04/2042
राहु	02/06/2042

केतु - शनि	
02/06/2042	
12/07/2043	
शनि	05/08/2042
बुध	01/10/2042
केतु	25/10/2042
शुक्र	01/01/2043
सूर्य	21/01/2043
चंद्र	24/02/2043
मंगल	19/03/2043
राहु	19/05/2043
गुरु	12/07/2043

केतु - बुध	
12/07/2043	
08/07/2044	
बुध	01/09/2043
केतु	22/09/2043
शुक्र	22/11/2043
सूर्य	10/12/2043
चंद्र	09/01/2044
मंगल	30/01/2044
राहु	24/03/2044
गुरु	12/05/2044
शनि	08/07/2044

शुक्र - शुक्र	
08/07/2044	
08/11/2047	
शुक्र	27/01/2045
सूर्य	29/03/2045
चंद्र	08/07/2045
मंगल	17/09/2045
राहु	19/03/2046
गुरु	28/08/2046
शनि	09/03/2047
बुध	29/08/2047
केतु	08/11/2047

शुक्र - सूर्य	
08/11/2047	
07/11/2048	
सूर्य	26/11/2047
चंद्र	26/12/2047
मंगल	17/01/2048
राहु	11/03/2048
गुरु	29/04/2048
शनि	26/06/2048
बुध	17/08/2048
केतु	07/09/2048
शुक्र	07/11/2048

शुक्र - चंद्र	
07/11/2048	
09/07/2050	
चंद्र	28/12/2048
मंगल	01/02/2049
राहु	03/05/2049
गुरु	24/07/2049
शनि	28/10/2049
बुध	22/01/2050
केतु	27/02/2050
शुक्र	08/06/2050
सूर्य	09/07/2050

शुक्र - मंगल	
09/07/2050	
08/09/2051	
मंगल	02/08/2050
राहु	05/10/2050
गुरु	01/12/2050
शनि	07/02/2051
बुध	08/04/2051
केतु	03/05/2051
शुक्र	13/07/2051
सूर्य	03/08/2051
चंद्र	08/09/2051

शुक्र - राहु	
08/09/2051	
07/09/2054	
राहु	19/02/2052
गुरु	14/07/2052
शनि	04/01/2053
बुध	08/06/2053
केतु	11/08/2053
शुक्र	09/02/2054
सूर्य	05/04/2054
चंद्र	06/07/2054
मंगल	07/09/2054

शुक्र - गुरु	
07/09/2054	
08/05/2057	
गुरु	15/01/2055
शनि	19/06/2055
बुध	04/11/2055
केतु	30/12/2055
शुक्र	10/06/2056
सूर्य	28/07/2056
चंद्र	18/10/2056
मंगल	13/12/2056
राहु	08/05/2057

शुक्र - शनि	
08/05/2057	
08/07/2060	
शनि	08/11/2057
बुध	20/04/2058
केतु	27/06/2058
शुक्र	06/01/2059
सूर्य	05/03/2059
चंद्र	09/06/2059
मंगल	15/08/2059
राहु	05/02/2060
गुरु	08/07/2060

शुक्र - बुध	
08/07/2060	
09/05/2063	
बुध	02/12/2060
केतु	31/01/2061
शुक्र	23/07/2061
सूर्य	12/09/2061
चंद्र	08/12/2061
मंगल	06/02/2062
राहु	11/07/2062
गुरु	26/11/2062
शनि	09/05/2063

शुक्र - केतु	
09/05/2063	
08/07/2064	
केतु	03/06/2063
शुक्र	13/08/2063
सूर्य	03/09/2063
चंद्र	09/10/2063
मंगल	03/11/2063
राहु	05/01/2064
गुरु	02/03/2064
शनि	09/05/2064
बुध	08/07/2064

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु	
08/07/2064		26/10/2064		26/04/2065		01/09/2065		27/07/2066	
26/10/2064		26/04/2065		01/09/2065		27/07/2066		15/05/2067	
सूर्य	14/07/2064	चंद्र	10/11/2064	मंगल	04/05/2065	राहु	20/10/2065	गुरु	04/09/2066
चंद्र	23/07/2064	मंगल	21/11/2064	राहु	23/05/2065	गुरु	03/12/2065	शनि	20/10/2066
मंगल	29/07/2064	राहु	18/12/2064	गुरु	09/06/2065	शनि	24/01/2066	बुध	30/11/2066
राहु	15/08/2064	गुरु	11/01/2065	शनि	29/06/2065	बुध	12/03/2066	केतु	18/12/2066
गुरु	29/08/2064	शनि	09/02/2065	बुध	17/07/2065	केतु	31/03/2066	शुक्र	04/02/2067
शनि	15/09/2064	बुध	07/03/2065	केतु	25/07/2065	शुक्र	25/05/2066	सूर्य	19/02/2067
बुध	01/10/2064	केतु	18/03/2065	शुक्र	15/08/2065	सूर्य	10/06/2066	चंद्र	15/03/2067
केतु	07/10/2064	शुक्र	17/04/2065	सूर्य	21/08/2065	चंद्र	08/07/2066	मंगल	01/04/2067
शुक्र	26/10/2064	सूर्य	26/04/2065	चंद्र	01/09/2065	मंगल	27/07/2066	राहु	15/05/2067

सूर्य - शनि		सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
15/05/2067		26/04/2068		02/03/2069		08/07/2069		09/07/2070	
26/04/2068		02/03/2069		08/07/2069		09/07/2070		09/05/2071	
शनि	09/07/2067	बुध	09/06/2068	केतु	10/03/2069	शुक्र	07/09/2069	चंद्र	03/08/2070
बुध	27/08/2067	केतु	27/06/2068	शुक्र	31/03/2069	सूर्य	25/09/2069	मंगल	21/08/2070
केतु	16/09/2067	शुक्र	18/08/2068	सूर्य	07/04/2069	चंद्र	26/10/2069	राहु	05/10/2070
शुक्र	13/11/2067	सूर्य	02/09/2068	चंद्र	17/04/2069	मंगल	16/11/2069	गुरु	15/11/2070
सूर्य	01/12/2067	चंद्र	28/09/2068	मंगल	25/04/2069	राहु	10/01/2070	शनि	02/01/2071
चंद्र	29/12/2067	मंगल	16/10/2068	राहु	14/05/2069	गुरु	28/02/2070	बुध	14/02/2071
मंगल	19/01/2068	राहु	02/12/2068	गुरु	31/05/2069	शनि	27/04/2070	केतु	04/03/2071
राहु	11/03/2068	गुरु	12/01/2069	शनि	20/06/2069	बुध	17/06/2070	शुक्र	24/04/2071
गुरु	26/04/2068	शनि	02/03/2069	बुध	08/07/2069	केतु	09/07/2070	सूर्य	09/05/2071

चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध	
09/05/2071		08/12/2071		08/06/2073		08/10/2074		08/05/2076	
08/12/2071		08/06/2073		08/10/2074		08/05/2076		08/10/2077	
मंगल	21/05/2071	राहु	28/02/2072	गुरु	12/08/2073	शनि	07/01/2075	बुध	21/07/2076
राहु	22/06/2071	गुरु	11/05/2072	शनि	28/10/2073	बुध	30/03/2075	केतु	20/08/2076
गुरु	21/07/2071	शनि	06/08/2072	बुध	05/01/2074	केतु	03/05/2075	शुक्र	14/11/2076
शनि	23/08/2071	बुध	23/10/2072	केतु	02/02/2074	शुक्र	08/08/2075	सूर्य	10/12/2076
बुध	23/09/2071	केतु	24/11/2072	शुक्र	24/04/2074	सूर्य	05/09/2075	चंद्र	22/01/2077
केतु	05/10/2071	शुक्र	23/02/2073	सूर्य	19/05/2074	चंद्र	24/10/2075	मंगल	21/02/2077
शुक्र	10/11/2071	सूर्य	22/03/2073	चंद्र	28/06/2074	मंगल	26/11/2075	राहु	10/05/2077
सूर्य	20/11/2071	चंद्र	07/05/2073	मंगल	27/07/2074	राहु	21/02/2076	गुरु	18/07/2077
चंद्र	08/12/2071	मंगल	08/06/2073	राहु	08/10/2074	गुरु	08/05/2076	शनि	08/10/2077

विंशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - केतु	
08/10/2077	
09/05/2078	
केतु	20/10/2077
शुक्र	25/11/2077
सूर्य	05/12/2077
चंद्र	23/12/2077
मंगल	04/01/2078
राहु	05/02/2078
गुरु	06/03/2078
शनि	09/04/2078
बुध	09/05/2078

चंद्र - शुक्र	
09/05/2078	
07/01/2080	
शुक्र	18/08/2078
सूर्य	18/09/2078
चंद्र	07/11/2078
मंगल	13/12/2078
राहु	14/03/2079
गुरु	03/06/2079
शनि	08/09/2079
बुध	03/12/2079
केतु	07/01/2080

चंद्र - सूर्य	
07/01/2080	
08/07/2080	
सूर्य	17/01/2080
चंद्र	01/02/2080
मंगल	11/02/2080
राहु	10/03/2080
गुरु	03/04/2080
शनि	02/05/2080
बुध	28/05/2080
केतु	08/06/2080
शुक्र	08/07/2080

मंगल - मंगल	
08/07/2080	
04/12/2080	
मंगल	17/07/2080
राहु	08/08/2080
गुरु	28/08/2080
शनि	21/09/2080
बुध	12/10/2080
केतु	20/10/2080
शुक्र	14/11/2080
सूर्य	22/11/2080
चंद्र	04/12/2080

मंगल - राहु	
04/12/2080	
23/12/2081	
राहु	31/01/2081
गुरु	23/03/2081
शनि	23/05/2081
बुध	16/07/2081
केतु	07/08/2081
शुक्र	10/10/2081
सूर्य	29/10/2081
चंद्र	30/11/2081
मंगल	23/12/2081

मंगल - गुरु	
23/12/2081	
29/11/2082	
गुरु	06/02/2082
शनि	01/04/2082
बुध	19/05/2082
केतु	08/06/2082
शुक्र	04/08/2082
सूर्य	21/08/2082
चंद्र	19/09/2082
मंगल	08/10/2082
राहु	29/11/2082

मंगल - शनि	
29/11/2082	
07/01/2084	
शनि	01/02/2083
बुध	30/03/2083
केतु	23/04/2083
शुक्र	29/06/2083
सूर्य	19/07/2083
चंद्र	22/08/2083
मंगल	15/09/2083
राहु	14/11/2083
गुरु	07/01/2084

मंगल - बुध	
07/01/2084	
04/01/2085	
बुध	28/02/2084
केतु	20/03/2084
शुक्र	19/05/2084
सूर्य	06/06/2084
चंद्र	07/07/2084
मंगल	28/07/2084
राहु	20/09/2084
गुरु	07/11/2084
शनि	04/01/2085

मंगल - केतु	
04/01/2085	
02/06/2085	
केतु	12/01/2085
शुक्र	06/02/2085
सूर्य	14/02/2085
चंद्र	26/02/2085
मंगल	07/03/2085
राहु	29/03/2085
गुरु	18/04/2085
शनि	12/05/2085
बुध	02/06/2085

मंगल - शुक्र	
02/06/2085	
02/08/2086	
शुक्र	12/08/2085
सूर्य	02/09/2085
चंद्र	08/10/2085
मंगल	01/11/2085
राहु	04/01/2086
गुरु	02/03/2086
शनि	09/05/2086
बुध	08/07/2086
केतु	02/08/2086

मंगल - सूर्य	
02/08/2086	
08/12/2086	
सूर्य	08/08/2086
चंद्र	19/08/2086
मंगल	26/08/2086
राहु	15/09/2086
गुरु	02/10/2086
शनि	22/10/2086
बुध	09/11/2086
केतु	16/11/2086
शुक्र	08/12/2086

मंगल - चंद्र	
08/12/2086	
09/07/2087	
चंद्र	26/12/2086
मंगल	07/01/2087
राहु	08/02/2087
गुरु	08/03/2087
शनि	11/04/2087
बुध	11/05/2087
केतु	24/05/2087
शुक्र	28/06/2087
सूर्य	09/07/2087

राहु - राहु	
09/07/2087	
21/03/2090	
राहु	04/12/2087
गुरु	13/04/2088
शनि	16/09/2088
बुध	03/02/2089
केतु	02/04/2089
शुक्र	13/09/2089
सूर्य	01/11/2089
चंद्र	22/01/2090
मंगल	21/03/2090

राहु - गुरु	
21/03/2090	
14/08/2092	
गुरु	16/07/2090
शनि	02/12/2090
बुध	05/04/2091
केतु	26/05/2091
शुक्र	19/10/2091
सूर्य	02/12/2091
चंद्र	13/02/2092
मंगल	04/04/2092
राहु	14/08/2092

राहु - शनि	
14/08/2092	
21/06/2095	
शनि	25/01/2093
बुध	22/06/2093
केतु	22/08/2093
शुक्र	11/02/2094
सूर्य	04/04/2094
चंद्र	30/06/2094
मंगल	30/08/2094
राहु	02/02/2095
गुरु	21/06/2095

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - शुक्र - बुध		बुध - शुक्र - केतु		बुध - सूर्य - सूर्य		बुध - सूर्य - चंद्र	
09/03/2026 07:48		02/08/2026 22:23		02/10/2026 07:12		17/10/2026 19:46	
02/08/2026 22:23		02/10/2026 07:12		17/10/2026 19:46		12/11/2026 16:41	
बुध	30/03/2026 02:16	केतु	06/08/2026 10:54	सूर्य	03/10/2026 01:50	चंद्र	19/10/2026 23:30
केतु	07/04/2026 15:31	शुक्र	16/08/2026 12:22	चंद्र	04/10/2026 08:53	मंगल	21/10/2026 11:44
शुक्र	02/05/2026 01:57	सूर्य	19/08/2026 12:49	मंगल	05/10/2026 06:37	राहु	25/10/2026 08:52
सूर्य	09/05/2026 09:53	चंद्र	24/08/2026 13:33	राहु	07/10/2026 14:30	गुरु	28/10/2026 19:39
चंद्र	21/05/2026 15:06	मंगल	28/08/2026 02:04	गुरु	09/10/2026 16:10	शनि	01/11/2026 21:58
मंगल	30/05/2026 04:21	राहु	06/09/2026 03:23	शनि	12/10/2026 03:10	बुध	05/11/2026 13:56
राहु	21/06/2026 04:08	गुरु	14/09/2026 04:34	बुध	14/10/2026 07:56	केतु	07/11/2026 02:09
गुरु	10/07/2026 17:16	शनि	23/09/2026 17:57	केतु	15/10/2026 05:40	शुक्र	11/11/2026 09:38
शनि	02/08/2026 22:23	बुध	02/10/2026 07:12	शुक्र	17/10/2026 19:46	सूर्य	12/11/2026 16:41

बुध - सूर्य - मंगल		बुध - सूर्य - राहु		बुध - सूर्य - गुरु		बुध - सूर्य - शनि	
12/11/2026 16:41		30/11/2026 19:20		16/01/2027 09:00		26/02/2027 18:29	
30/11/2026 19:20		16/01/2027 09:00		26/02/2027 18:29		16/04/2027 22:14	
मंगल	13/11/2026 18:03	राहु	07/12/2026 18:59	गुरु	21/01/2027 21:28	शनि	06/03/2027 13:16
राहु	16/11/2026 11:14	गुरु	14/12/2026 00:00	शनि	28/01/2027 10:46	बुध	13/03/2027 12:24
गुरु	18/11/2026 21:12	शनि	21/12/2026 08:58	बुध	03/02/2027 07:30	केतु	16/03/2027 09:14
शनि	21/11/2026 18:01	बुध	27/12/2026 23:18	केतु	05/02/2027 17:28	शुक्र	24/03/2027 13:51
बुध	24/11/2026 07:35	केतु	30/12/2026 16:30	शुक्र	12/02/2027 15:02	सूर्य	27/03/2027 00:50
केतु	25/11/2026 08:56	शुक्र	07/01/2027 10:47	सूर्य	14/02/2027 16:43	चंद्र	31/03/2027 03:09
शुक्र	28/11/2026 09:23	सूर्य	09/01/2027 18:40	चंद्र	18/02/2027 03:30	मंगल	02/04/2027 23:58
सूर्य	29/11/2026 07:07	चंद्र	13/01/2027 15:48	मंगल	20/02/2027 13:27	राहु	10/04/2027 08:56
चंद्र	30/11/2026 19:20	मंगल	16/01/2027 09:00	राहु	26/02/2027 18:29	गुरु	16/04/2027 22:14

बुध - सूर्य - बुध		बुध - सूर्य - केतु		बुध - सूर्य - शुक्र		बुध - चंद्र - चंद्र	
16/04/2027 22:14		30/05/2027 21:49		18/06/2027 00:27		08/08/2027 18:18	
30/05/2027 21:49		18/06/2027 00:27		08/08/2027 18:18		20/09/2027 21:11	
बुध	23/04/2027 03:47	केतु	31/05/2027 23:10	शुक्र	26/06/2027 15:26	चंद्र	12/08/2027 08:33
केतु	25/04/2027 17:21	शुक्र	03/06/2027 23:36	सूर्य	29/06/2027 05:31	मंगल	14/08/2027 20:55
शुक्र	03/05/2027 01:17	सूर्य	04/06/2027 21:20	चंद्र	03/07/2027 13:01	राहु	21/08/2027 08:09
सूर्य	05/05/2027 06:04	चंद्र	06/06/2027 09:34	मंगल	06/07/2027 13:27	गुरु	27/08/2027 02:08
चंद्र	08/05/2027 22:01	मंगल	07/06/2027 10:55	राहु	14/07/2027 07:44	शनि	02/09/2027 21:59
मंगल	11/05/2027 11:36	राहु	10/06/2027 04:07	गुरु	21/07/2027 05:19	बुध	09/09/2027 00:36
राहु	18/05/2027 01:56	गुरु	12/06/2027 14:04	शनि	29/07/2027 09:56	केतु	11/09/2027 12:58
गुरु	23/05/2027 22:41	शनि	15/06/2027 10:53	बुध	05/08/2027 17:52	शुक्र	18/09/2027 17:26
शनि	30/05/2027 21:49	बुध	18/06/2027 00:27	केतु	08/08/2027 18:18	सूर्य	20/09/2027 21:11

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - चंद्र - मंगल	
20/09/2027 21:11	
21/10/2027 01:36	
मंगल	22/09/2027 15:26
राहु	27/09/2027 04:06
गुरु	01/10/2027 04:41
शनि	05/10/2027 23:23
बुध	10/10/2027 06:01
केतु	12/10/2027 00:16
शुक्र	17/10/2027 01:00
सूर्य	18/10/2027 13:14
चंद्र	21/10/2027 01:36

बुध - चंद्र - राहु	
21/10/2027 01:36	
06/01/2028 16:22	
राहु	01/11/2027 17:01
गुरु	12/11/2027 01:23
शनि	24/11/2027 08:19
बुध	05/12/2027 08:13
केतु	09/12/2027 20:53
शुक्र	22/12/2027 19:20
सूर्य	26/12/2027 16:29
चंद्र	02/01/2028 03:42
मंगल	06/01/2028 16:22

बुध - चंद्र - गुरु	
06/01/2028 16:22	
15/03/2028 16:10	
गुरु	15/01/2028 21:09
शनि	26/01/2028 19:19
बुध	05/02/2028 13:53
केतु	09/02/2028 14:28
शुक्र	21/02/2028 02:26
सूर्य	24/02/2028 13:14
चंद्र	01/03/2028 07:13
मंगल	05/03/2028 07:48
राहु	15/03/2028 16:10

बुध - चंद्र - शनि	
15/03/2028 16:10	
05/06/2028 14:26	
शनि	28/03/2028 15:30
बुध	09/04/2028 06:03
केतु	14/04/2028 00:45
शुक्र	27/04/2028 16:27
सूर्य	01/05/2028 18:46
चंद्र	08/05/2028 14:38
मंगल	13/05/2028 09:19
राहु	25/05/2028 16:16
गुरु	05/06/2028 14:26

बुध - चंद्र - बुध	
05/06/2028 14:26	
17/08/2028 21:43	
बुध	15/06/2028 23:40
केतु	20/06/2028 06:17
शुक्र	02/07/2028 11:30
सूर्य	06/07/2028 03:28
चंद्र	12/07/2028 06:05
मंगल	16/07/2028 12:42
राहु	27/07/2028 12:36
गुरु	06/08/2028 07:10
शनि	17/08/2028 21:43

बुध - चंद्र - केतु	
17/08/2028 21:43	
17/09/2028 02:08	
केतु	19/08/2028 15:59
शुक्र	24/08/2028 16:43
सूर्य	26/08/2028 04:56
चंद्र	28/08/2028 17:18
मंगल	30/08/2028 11:34
राहु	04/09/2028 00:13
गुरु	08/09/2028 00:49
शनि	12/09/2028 19:30
बुध	17/09/2028 02:08

बुध - चंद्र - शुक्र	
17/09/2028 02:08	
12/12/2028 07:53	
शुक्र	01/10/2028 11:05
सूर्य	05/10/2028 18:35
चंद्र	12/10/2028 23:03
मंगल	17/10/2028 23:48
राहु	30/10/2028 22:15
गुरु	11/11/2028 10:13
शनि	25/11/2028 01:56
बुध	07/12/2028 07:09
केतु	12/12/2028 07:53

बुध - चंद्र - सूर्य	
12/12/2028 07:53	
07/01/2029 04:48	
सूर्य	13/12/2028 14:56
चंद्र	15/12/2028 18:40
मंगल	17/12/2028 06:54
राहु	21/12/2028 04:02
गुरु	24/12/2028 14:49
शनि	28/12/2028 17:08
बुध	01/01/2029 09:06
केतु	02/01/2029 21:19
शुक्र	07/01/2029 04:48

बुध - मंगल - मंगल	
07/01/2029 04:48	
28/01/2029 07:54	
मंगल	08/01/2029 10:23
राहु	11/01/2029 14:27
गुरु	14/01/2029 10:04
शनि	17/01/2029 18:21
बुध	20/01/2029 18:11
केतु	21/01/2029 23:46
शुक्र	25/01/2029 12:17
सूर्य	26/01/2029 13:38
चंद्र	28/01/2029 07:54

बुध - मंगल - राहु	
28/01/2029 07:54	
23/03/2029 15:50	
राहु	05/02/2029 11:29
गुरु	12/02/2029 17:21
शनि	21/02/2029 07:48
बुध	01/03/2029 00:32
केतु	04/03/2029 04:36
शुक्र	13/03/2029 05:55
सूर्य	15/03/2029 23:07
चंद्र	20/03/2029 11:47
मंगल	23/03/2029 15:50

बुध - मंगल - गुरु	
23/03/2029 15:50	
10/05/2029 22:54	
गुरु	30/03/2029 02:23
शनि	06/04/2029 17:54
बुध	13/04/2029 14:06
केतु	16/04/2029 09:43
शुक्र	24/04/2029 10:53
सूर्य	26/04/2029 20:50
चंद्र	30/04/2029 21:26
मंगल	03/05/2029 17:02
राहु	10/05/2029 22:54

बुध - मंगल - शनि	
10/05/2029 22:54	
07/07/2029 07:17	
शनि	20/05/2029 00:50
बुध	28/05/2029 03:49
केतु	31/05/2029 12:06
शुक्र	10/06/2029 01:30
सूर्य	12/06/2029 22:19
चंद्र	17/06/2029 17:01
मंगल	21/06/2029 01:18
राहु	29/06/2029 15:46
गुरु	07/07/2029 07:17

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - मंगल - बुध		बुध - मंगल - केतु		बुध - मंगल - शुक्र		बुध - मंगल - सूर्य	
07/07/2029 07:17		27/08/2029 14:47		17/09/2029 17:52		17/11/2029 02:42	
27/08/2029 14:47		17/09/2029 17:52		17/11/2029 02:42		05/12/2029 05:21	
बुध	14/07/2029 13:45	केतु	28/08/2029 20:22	शुक्र	27/09/2029 19:21	सूर्य	18/11/2029 00:26
केतु	17/07/2029 13:35	शुक्र	01/09/2029 08:53	सूर्य	30/09/2029 19:47	चंद्र	19/11/2029 12:39
शुक्र	26/07/2029 02:50	सूर्य	02/09/2029 10:14	चंद्र	05/10/2029 20:31	मंगल	20/11/2029 14:00
सूर्य	28/07/2029 16:24	चंद्र	04/09/2029 04:29	मंगल	09/10/2029 09:02	राहु	23/11/2029 07:12
चंद्र	01/08/2029 23:02	मंगल	05/09/2029 10:04	राहु	18/10/2029 10:22	गुरु	25/11/2029 17:09
मंगल	04/08/2029 22:52	राहु	08/09/2029 14:08	गुरु	26/10/2029 11:32	शनि	28/11/2029 13:58
राहु	12/08/2029 15:36	गुरु	11/09/2029 09:45	शनि	05/11/2029 00:56	बुध	01/12/2029 03:33
गुरु	19/08/2029 11:48	शनि	14/09/2029 18:02	बुध	13/11/2029 14:11	केतु	02/12/2029 04:54
शनि	27/08/2029 14:47	बुध	17/09/2029 17:52	केतु	17/11/2029 02:42	शुक्र	05/12/2029 05:21

बुध - मंगल - चंद्र		बुध - राहु - राहु		बुध - राहु - गुरु		बुध - राहु - शनि	
05/12/2029 05:21		04/01/2030 09:45		24/05/2030 02:45		25/09/2030 07:12	
04/01/2030 09:45		24/05/2030 02:45		25/09/2030 07:12		19/02/2031 18:28	
चंद्र	07/12/2029 17:43	राहु	25/01/2030 08:42	गुरु	09/06/2030 16:09	शनि	18/10/2030 15:35
मंगल	09/12/2029 11:58	गुरु	12/02/2030 23:46	शनि	29/06/2030 08:03	बुध	08/11/2030 12:58
राहु	14/12/2029 00:38	शनि	07/03/2030 02:40	बुध	16/07/2030 22:17	केतु	17/11/2030 03:26
गुरु	18/12/2029 01:13	बुध	26/03/2030 21:40	केतु	24/07/2030 04:08	शुक्र	11/12/2030 17:19
शनि	22/12/2029 19:55	केतु	04/04/2030 01:16	शुक्र	13/08/2030 20:53	सूर्य	19/12/2030 02:16
बुध	27/12/2029 02:33	शुक्र	27/04/2030 08:06	सूर्य	20/08/2030 01:54	चंद्र	31/12/2030 09:13
केतु	28/12/2029 20:48	सूर्य	04/05/2030 07:45	चंद्र	30/08/2030 10:16	मंगल	08/01/2031 23:40
शुक्र	02/01/2030 21:32	चंद्र	15/05/2030 23:10	मंगल	06/09/2030 16:08	राहु	31/01/2031 02:34
सूर्य	04/01/2030 09:45	मंगल	24/05/2030 02:45	राहु	25/09/2030 07:12	गुरु	19/02/2031 18:28

बुध - राहु - बुध		बुध - राहु - केतु		बुध - राहु - शुक्र		बुध - राहु - सूर्य	
19/02/2031 18:28		01/07/2031 17:11		25/08/2031 01:07		27/01/2032 06:40	
01/07/2031 17:11		25/08/2031 01:07		27/01/2032 06:40		13/03/2032 20:20	
बुध	10/03/2031 11:05	केतु	04/07/2031 21:15	शुक्र	19/09/2031 22:03	सूर्य	29/01/2032 14:33
केतु	18/03/2031 03:49	शुक्र	13/07/2031 22:34	सूर्य	27/09/2031 16:20	चंद्र	02/02/2032 11:42
शुक्र	09/04/2031 03:36	सूर्य	16/07/2031 15:46	चंद्र	10/10/2031 14:47	मंगल	05/02/2032 04:54
सूर्य	15/04/2031 17:56	चंद्र	21/07/2031 04:26	मंगल	19/10/2031 16:07	राहु	12/02/2032 04:33
चंद्र	26/04/2031 17:49	मंगल	24/07/2031 08:30	राहु	11/11/2031 22:57	गुरु	18/02/2032 09:34
मंगल	04/05/2031 10:33	राहु	01/08/2031 12:05	गुरु	02/12/2031 15:41	शनि	25/02/2032 18:32
राहु	24/05/2031 05:33	गुरु	08/08/2031 17:57	शनि	27/12/2031 05:34	बुध	03/03/2032 08:52
गुरु	10/06/2031 19:47	शनि	17/08/2031 08:24	बुध	18/01/2032 05:21	केतु	06/03/2032 02:04
शनि	01/07/2031 17:11	बुध	25/08/2031 01:07	केतु	27/01/2032 06:40	शुक्र	13/03/2032 20:20

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - राहु - चंद्र	
13/03/2032 20:20	
30/05/2032 11:07	
चंद्र	20/03/2032 07:34
मंगल	24/03/2032 20:14
राहु	05/04/2032 11:39
गुरु	15/04/2032 20:01
शनि	28/04/2032 02:58
बुध	09/05/2032 02:51
केतु	13/05/2032 15:31
शुक्र	26/05/2032 13:59
सूर्य	30/05/2032 11:07

बुध - राहु - मंगल	
30/05/2032 11:07	
23/07/2032 19:03	
मंगल	02/06/2032 15:11
राहु	10/06/2032 18:46
गुरु	18/06/2032 00:38
शनि	26/06/2032 15:05
बुध	04/07/2032 07:49
केतु	07/07/2032 11:52
शुक्र	16/07/2032 13:12
सूर्य	19/07/2032 06:24
चंद्र	23/07/2032 19:03

बुध - गुरु - गुरु	
23/07/2032 19:03	
11/11/2032 04:20	
गुरु	07/08/2032 12:18
शनि	24/08/2032 23:46
बुध	09/09/2032 15:05
केतु	16/09/2032 01:37
शुक्र	04/10/2032 11:10
सूर्य	09/10/2032 23:38
चंद्र	19/10/2032 04:24
मंगल	25/10/2032 14:57
राहु	11/11/2032 04:20

बुध - गुरु - शनि	
11/11/2032 04:20	
22/03/2033 06:21	
शनि	01/12/2032 22:27
बुध	20/12/2032 12:09
केतु	28/12/2032 03:40
शुक्र	18/01/2033 24:00
सूर्य	25/01/2033 13:18
चंद्र	05/02/2033 11:28
मंगल	13/02/2033 02:59
राहु	04/03/2033 18:53
गुरु	22/03/2033 06:21

बुध - गुरु - बुध	
22/03/2033 06:21	
17/07/2033 13:13	
बुध	07/04/2033 21:08
केतु	14/04/2033 17:20
शुक्र	04/05/2033 06:28
सूर्य	10/05/2033 03:13
चंद्र	19/05/2033 21:47
मंगल	26/05/2033 17:59
राहु	13/06/2033 08:13
गुरु	28/06/2033 23:32
शनि	17/07/2033 13:13

बुध - गुरु - केतु	
17/07/2033 13:13	
03/09/2033 20:17	
केतु	20/07/2033 08:50
शुक्र	28/07/2033 10:00
सूर्य	30/07/2033 19:58
चंद्र	03/08/2033 20:33
मंगल	06/08/2033 16:10
राहु	13/08/2033 22:01
गुरु	20/08/2033 08:34
शनि	28/08/2033 00:05
बुध	03/09/2033 20:17

बुध - गुरु - शुक्र	
03/09/2033 20:17	
19/01/2034 19:53	
शुक्र	26/09/2033 20:13
सूर्य	03/10/2033 17:47
चंद्र	15/10/2033 05:45
मंगल	23/10/2033 06:56
राहु	12/11/2033 23:40
गुरु	01/12/2033 09:13
शनि	23/12/2033 05:33
बुध	11/01/2034 18:42
केतु	19/01/2034 19:53

बुध - गुरु - सूर्य	
19/01/2034 19:53	
02/03/2034 05:21	
सूर्य	21/01/2034 21:33
चंद्र	25/01/2034 08:20
मंगल	27/01/2034 18:18
राहु	02/02/2034 23:19
गुरु	08/02/2034 11:47
शनि	15/02/2034 01:05
बुध	20/02/2034 21:49
केतु	23/02/2034 07:47
शुक्र	02/03/2034 05:21

बुध - गुरु - चंद्र	
02/03/2034 05:21	
10/05/2034 05:09	
चंद्र	07/03/2034 23:20
मंगल	11/03/2034 23:56
राहु	22/03/2034 08:18
गुरु	31/03/2034 13:04
शनि	11/04/2034 11:14
बुध	21/04/2034 05:49
केतु	25/04/2034 06:24
शुक्र	06/05/2034 18:22
सूर्य	10/05/2034 05:09

बुध - गुरु - मंगल	
10/05/2034 05:09	
27/06/2034 12:13	
मंगल	13/05/2034 00:46
राहु	20/05/2034 06:38
गुरु	26/05/2034 17:10
शनि	03/06/2034 08:41
बुध	10/06/2034 04:53
केतु	13/06/2034 00:30
शुक्र	21/06/2034 01:41
सूर्य	23/06/2034 11:38
चंद्र	27/06/2034 12:13

बुध - गुरु - राहु	
27/06/2034 12:13	
29/10/2034 16:39	
राहु	16/07/2034 03:17
गुरु	01/08/2034 16:41
शनि	21/08/2034 08:35
बुध	07/09/2034 22:48
केतु	15/09/2034 04:40
शुक्र	05/10/2034 21:24
सूर्य	12/10/2034 02:26
चंद्र	22/10/2034 10:48
मंगल	29/10/2034 16:39

बुध - शनि - शनि	
29/10/2034 16:39	
03/04/2035 08:33	
शनि	23/11/2034 08:10
बुध	15/12/2034 09:26
केतु	24/12/2034 11:21
शुक्र	19/01/2035 10:00
सूर्य	27/01/2035 04:48
चंद्र	09/02/2035 04:07
मंगल	18/02/2035 06:03
राहु	13/03/2035 14:26
गुरु	03/04/2035 08:33

विंशोत्तरी दशा - प्राण

बुध - शुक्र - बुध - बुध	
09/03/2026 07:48	
30/03/2026 02:16	
बुध	12/03/2026 06:25
केतु	13/03/2026 11:30
शुक्र	16/03/2026 22:35
सूर्य	17/03/2026 23:30
चंद्र	19/03/2026 17:02
मंगल	20/03/2026 22:07
राहु	24/03/2026 00:53
गुरु	26/03/2026 19:21
शनि	30/03/2026 02:16

बुध - शुक्र - बुध - केतु	
30/03/2026 02:16	
07/04/2026 15:31	
केतु	30/03/2026 14:15
शुक्र	01/04/2026 00:27
सूर्य	01/04/2026 10:43
चंद्र	02/04/2026 03:49
मंगल	02/04/2026 15:48
राहु	03/04/2026 22:35
गुरु	05/04/2026 01:57
शनि	06/04/2026 10:27
बुध	07/04/2026 15:31

बुध - शुक्र - बुध - शुक्र	
07/04/2026 15:31	
02/05/2026 01:57	
शुक्र	11/04/2026 17:16
सूर्य	12/04/2026 22:35
चंद्र	14/04/2026 23:27
मंगल	16/04/2026 09:40
राहु	20/04/2026 01:37
गुरु	23/04/2026 07:49
शनि	27/04/2026 04:40
बुध	30/04/2026 15:45
केतु	02/05/2026 01:57

बुध - शुक्र - बुध - सूर्य	
02/05/2026 01:57	
09/05/2026 09:53	
सूर्य	02/05/2026 10:45
चंद्र	03/05/2026 01:25
मंगल	03/05/2026 11:40
राहु	04/05/2026 14:04
गुरु	05/05/2026 13:31
शनि	06/05/2026 17:22
बुध	07/05/2026 18:18
केतु	08/05/2026 04:34
शुक्र	09/05/2026 09:53

बुध - शुक्र - बुध - चंद्र	
09/05/2026 09:53	
21/05/2026 15:06	
चंद्र	10/05/2026 10:19
मंगल	11/05/2026 03:25
राहु	12/05/2026 23:24
गुरु	14/05/2026 14:30
शनि	16/05/2026 12:55
बुध	18/05/2026 06:28
केतु	18/05/2026 23:34
शुक्र	21/05/2026 00:26
सूर्य	21/05/2026 15:06

बुध - शुक्र - बुध - मंगल	
21/05/2026 15:06	
30/05/2026 04:21	
मंगल	22/05/2026 03:04
राहु	23/05/2026 09:51
गुरु	24/05/2026 13:13
शनि	25/05/2026 21:43
बुध	27/05/2026 02:48
केतु	27/05/2026 14:46
शुक्र	29/05/2026 00:59
सूर्य	29/05/2026 11:14
चंद्र	30/05/2026 04:21

बुध - शुक्र - बुध - राहु	
30/05/2026 04:21	
21/06/2026 04:08	
राहु	02/06/2026 11:31
गुरु	05/06/2026 09:53
शनि	08/06/2026 21:27
बुध	12/06/2026 00:13
केतु	13/06/2026 07:00
शुक्र	16/06/2026 22:58
सूर्य	18/06/2026 01:22
चंद्र	19/06/2026 21:21
मंगल	21/06/2026 04:08

बुध - शुक्र - बुध - गुरु	
21/06/2026 04:08	
10/07/2026 17:16	
गुरु	23/06/2026 18:41
शनि	26/06/2026 20:58
बुध	29/06/2026 15:26
केतु	30/06/2026 18:48
शुक्र	04/07/2026 00:59
सूर्य	05/07/2026 00:26
चंद्र	06/07/2026 15:32
मंगल	07/07/2026 18:54
राहु	10/07/2026 17:16

बुध - शुक्र - बुध - शनि	
10/07/2026 17:16	
02/08/2026 22:23	
शनि	14/07/2026 09:29
बुध	17/07/2026 16:24
केतु	19/07/2026 00:54
शुक्र	22/07/2026 21:45
सूर्य	24/07/2026 01:37
चंद्र	26/07/2026 00:02
मंगल	27/07/2026 08:32
राहु	30/07/2026 20:06
गुरु	02/08/2026 22:23

बुध - शुक्र - केतु - केतु	
02/08/2026 22:23	
06/08/2026 10:54	
केतु	03/08/2026 03:19
शुक्र	03/08/2026 17:24
सूर्य	03/08/2026 21:37
चंद्र	04/08/2026 04:40
मंगल	04/08/2026 09:36
राहु	04/08/2026 22:16
गुरु	05/08/2026 09:33
शनि	05/08/2026 22:55
बुध	06/08/2026 10:54

बुध - शुक्र - केतु - शुक्र	
06/08/2026 10:54	
16/08/2026 12:22	
शुक्र	08/08/2026 03:09
सूर्य	08/08/2026 15:13
चंद्र	09/08/2026 11:20
मंगल	10/08/2026 01:25
राहु	11/08/2026 13:39
गुरु	12/08/2026 21:50
शनि	14/08/2026 12:04
बुध	15/08/2026 22:17
केतु	16/08/2026 12:22

बुध - शुक्र - केतु - सूर्य	
16/08/2026 12:22	
19/08/2026 12:49	
सूर्य	16/08/2026 15:59
चंद्र	16/08/2026 22:02
मंगल	17/08/2026 02:15
राहु	17/08/2026 13:07
गुरु	17/08/2026 22:47
शनि	18/08/2026 10:15
बुध	18/08/2026 20:31
केतु	19/08/2026 00:44
शुक्र	19/08/2026 12:49

विंशोत्तरी दशा - प्राण

बुध - शुक्र - केतु - चंद्र	
19/08/2026 12:49	
24/08/2026 13:33	
चंद्र	19/08/2026 22:52
मंगल	20/08/2026 05:55
राहु	21/08/2026 00:01
गुरु	21/08/2026 16:07
शनि	22/08/2026 11:14
बुध	23/08/2026 04:21
केतु	23/08/2026 11:23
शुक्र	24/08/2026 07:30
सूर्य	24/08/2026 13:33

बुध - शुक्र - केतु - मंगल	
24/08/2026 13:33	
28/08/2026 02:04	
मंगल	24/08/2026 18:28
राहु	25/08/2026 07:09
गुरु	25/08/2026 18:25
शनि	26/08/2026 07:48
बुध	26/08/2026 19:47
केतु	27/08/2026 00:42
शुक्र	27/08/2026 14:47
सूर्य	27/08/2026 19:01
चंद्र	28/08/2026 02:04

बुध - शुक्र - केतु - राहु	
28/08/2026 02:04	
06/09/2026 03:23	
राहु	29/08/2026 10:39
गुरु	30/08/2026 15:38
शनि	01/09/2026 02:03
बुध	02/09/2026 08:50
केतु	02/09/2026 21:31
शुक्र	04/09/2026 09:44
सूर्य	04/09/2026 20:36
चंद्र	05/09/2026 14:42
मंगल	06/09/2026 03:23

बुध - शुक्र - केतु - गुरु	
06/09/2026 03:23	
14/09/2026 04:34	
गुरु	07/09/2026 05:08
शनि	08/09/2026 11:44
बुध	09/09/2026 15:06
केतु	10/09/2026 02:22
शुक्र	11/09/2026 10:33
सूर्य	11/09/2026 20:13
चंद्र	12/09/2026 12:19
मंगल	12/09/2026 23:35
राहु	14/09/2026 04:34

बुध - शुक्र - केतु - शनि	
14/09/2026 04:34	
23/09/2026 17:57	
शनि	15/09/2026 16:53
बुध	17/09/2026 01:23
केतु	17/09/2026 14:46
शुक्र	19/09/2026 05:00
सूर्य	19/09/2026 16:28
चंद्र	20/09/2026 11:35
मंगल	21/09/2026 00:58
राहु	22/09/2026 11:22
गुरु	23/09/2026 17:57

बुध - शुक्र - केतु - बुध	
23/09/2026 17:57	
02/10/2026 07:12	
बुध	24/09/2026 23:02
केतु	25/09/2026 11:00
शुक्र	26/09/2026 21:13
सूर्य	27/09/2026 07:29
चंद्र	28/09/2026 00:35
मंगल	28/09/2026 12:33
राहु	29/09/2026 19:21
गुरु	30/09/2026 22:43
शनि	02/10/2026 07:12

बुध - सूर्य - सूर्य - सूर्य	
02/10/2026 07:12	
03/10/2026 01:50	
सूर्य	02/10/2026 08:08
चंद्र	02/10/2026 09:41
मंगल	02/10/2026 10:47
राहु	02/10/2026 13:34
गुरु	02/10/2026 16:03
शनि	02/10/2026 19:00
बुध	02/10/2026 21:39
केतु	02/10/2026 22:44
शुक्र	03/10/2026 01:50

बुध - सूर्य - सूर्य - चंद्र	
03/10/2026 01:50	
04/10/2026 08:53	
चंद्र	03/10/2026 04:25
मंगल	03/10/2026 06:14
राहु	03/10/2026 10:53
गुरु	03/10/2026 15:02
शनि	03/10/2026 19:57
बुध	04/10/2026 00:21
केतु	04/10/2026 02:09
शुक्र	04/10/2026 07:20
सूर्य	04/10/2026 08:53

बुध - सूर्य - सूर्य - मंगल	
04/10/2026 08:53	
05/10/2026 06:37	
मंगल	04/10/2026 10:09
राहु	04/10/2026 13:25
गुरु	04/10/2026 16:18
शनि	04/10/2026 19:45
बुध	04/10/2026 22:50
केतु	05/10/2026 00:06
शुक्र	05/10/2026 03:43
सूर्य	05/10/2026 04:48
चंद्र	05/10/2026 06:37

बुध - सूर्य - सूर्य - राहु	
05/10/2026 06:37	
07/10/2026 14:30	
राहु	05/10/2026 15:00
गुरु	05/10/2026 22:27
शनि	06/10/2026 07:18
बुध	06/10/2026 15:13
केतु	06/10/2026 18:28
शुक्र	07/10/2026 03:47
सूर्य	07/10/2026 06:35
चंद्र	07/10/2026 11:14
मंगल	07/10/2026 14:30

बुध - सूर्य - सूर्य - गुरु	
07/10/2026 14:30	
09/10/2026 16:10	
गुरु	07/10/2026 21:07
शनि	08/10/2026 04:59
बुध	08/10/2026 12:01
केतु	08/10/2026 14:55
शुक्र	08/10/2026 23:12
सूर्य	09/10/2026 01:41
चंद्र	09/10/2026 05:49
मंगल	09/10/2026 08:43
राहु	09/10/2026 16:10

बुध - सूर्य - सूर्य - शनि	
09/10/2026 16:10	
12/10/2026 03:10	
शनि	10/10/2026 01:31
बुध	10/10/2026 09:52
केतु	10/10/2026 13:19
शुक्र	10/10/2026 23:08
सूर्य	11/10/2026 02:05
चंद्र	11/10/2026 07:00
मंगल	11/10/2026 10:27
राहु	11/10/2026 19:18
गुरु	12/10/2026 03:10

षोडशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 9 वर्ष 7 मास 16 दिन

सूर्य 11 वर्ष		मंगल 12 वर्ष		गुरु 13 वर्ष		शनि 14 वर्ष		केतु 15 वर्ष	
07/07/1987		21/02/1997		21/02/2009		21/02/2022		21/02/2036	
21/02/1997		21/02/2009		21/02/2022		21/02/2036		21/02/2051	
	07/07/1987	मंगल	20/05/1998	गुरु	07/08/2010	शनि	31/10/2023	केतु	30/01/2038
मंगल	28/04/1988	गुरु	23/09/1999	शनि	02/03/2012	केतु	22/08/2025	चंद्र	25/02/2040
गुरु	22/07/1989	शनि	05/03/2001	केतु	06/11/2013	चंद्र	29/07/2027	बुध	07/05/2042
शनि	19/11/1990	केतु	23/09/2002	चंद्र	23/08/2015	बुध	16/08/2029	शुक्र	04/09/2044
केतु	21/04/1992	चंद्र	20/05/2004	बुध	19/07/2017	शुक्र	18/10/2031	सूर्य	05/02/2046
चंद्र	27/10/1993	बुध	21/02/2006	शुक्र	25/07/2019	सूर्य	14/02/2033	मंगल	26/08/2047
बुध	08/06/1995	शुक्र	02/01/2008	सूर्य	18/10/2020	मंगल	28/07/2034	गुरु	01/05/2049
शुक्र	21/02/1997	सूर्य	21/02/2009	मंगल	21/02/2022	गुरु	21/02/2036	शनि	21/02/2051

चंद्र 16 वर्ष		बुध 17 वर्ष		शुक्र 18 वर्ष		सूर्य 11 वर्ष	
21/02/2051		21/02/2067		21/02/2084		22/02/2102	
21/02/2067		21/02/2084		22/02/2102		00/00/0000	
चंद्र	07/05/2053	बुध	19/08/2069	शुक्र	08/12/2086	सूर्य	10/03/2103
बुध	11/09/2055	शुक्र	09/04/2072	सूर्य	22/08/2088	मंगल	08/07/2103
शुक्र	06/03/2058	सूर्य	18/11/2073	मंगल	03/07/2090		00/00/0000
सूर्य	11/09/2059	मंगल	23/08/2075	गुरु	09/07/2092		00/00/0000
मंगल	07/05/2061	गुरु	19/07/2077	शनि	10/09/2094		00/00/0000
गुरु	21/02/2063	शनि	07/08/2079	केतु	08/01/2097		00/00/0000
शनि	26/01/2065	केतु	18/10/2081	चंद्र	03/07/2099		00/00/0000
केतु	21/02/2067	चंद्र	21/02/2084	बुध	22/02/2102		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
षोडशोत्तरी दशा पूरे 116 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - मंगल		सूर्य - गुरु		सूर्य - शनि		सूर्य - केतु		सूर्य - चंद्र	
07/07/1987		28/04/1988		22/07/1989		19/11/1990		21/04/1992	
28/04/1988		22/07/1989		19/11/1990		21/04/1992		27/10/1993	
	00/00/0000	गुरु	17/06/1988	शनि	18/09/1989	केतु	25/01/1991	चंद्र	07/07/1992
	07/07/1987	शनि	10/08/1988	केतु	20/11/1989	चंद्र	07/04/1991	बुध	26/09/1992
शनि	27/07/1987	केतु	08/10/1988	चंद्र	26/01/1990	बुध	22/06/1991	शुक्र	21/12/1992
केतु	18/09/1987	चंद्र	09/12/1988	बुध	07/04/1990	शुक्र	10/09/1991	सूर्य	11/02/1993
चंद्र	15/11/1987	बुध	13/02/1989	शुक्र	21/06/1990	सूर्य	30/10/1991	मंगल	10/04/1993
बुध	15/01/1988	शुक्र	24/04/1989	सूर्य	06/08/1990	मंगल	22/12/1991	गुरु	11/06/1993
शुक्र	19/03/1988	सूर्य	05/06/1989	मंगल	25/09/1990	गुरु	19/02/1992	शनि	17/08/1993
सूर्य	28/04/1988	मंगल	22/07/1989	गुरु	19/11/1990	शनि	21/04/1992	केतु	27/10/1993

सूर्य - बुध		सूर्य - शुक्र		मंगल - मंगल		मंगल - गुरु		मंगल - शनि	
27/10/1993		08/06/1995		21/02/1997		20/05/1998		23/09/1999	
08/06/1995		21/02/1997		20/05/1998		23/09/1999		05/03/2001	
बुध	22/01/1994	शुक्र	13/09/1995	मंगल	09/04/1997	गुरु	14/07/1998	शनि	26/11/1999
शुक्र	23/04/1994	सूर्य	11/11/1995	गुरु	29/05/1997	शनि	11/09/1998	केतु	03/02/2000
सूर्य	18/06/1994	मंगल	15/01/1996	शनि	23/07/1997	केतु	14/11/1998	चंद्र	15/04/2000
मंगल	18/08/1994	गुरु	24/03/1996	केतु	20/09/1997	चंद्र	21/01/1999	बुध	02/07/2000
गुरु	23/10/1994	शनि	08/06/1996	चंद्र	21/11/1997	बुध	03/04/1999	शुक्र	22/09/2000
शनि	02/01/1995	केतु	27/08/1996	बुध	27/01/1998	शुक्र	18/06/1999	सूर्य	11/11/2000
केतु	19/03/1995	चंद्र	21/11/1996	शुक्र	07/04/1998	सूर्य	03/08/1999	मंगल	05/01/2001
चंद्र	08/06/1995	बुध	21/02/1997	सूर्य	20/05/1998	मंगल	23/09/1999	गुरु	05/03/2001

मंगल - केतु		मंगल - चंद्र		मंगल - बुध		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य	
05/03/2001		23/09/2002		20/05/2004		21/02/2006		02/01/2008	
23/09/2002		20/05/2004		21/02/2006		02/01/2008		21/02/2009	
केतु	18/05/2001	चंद्र	15/12/2002	बुध	22/08/2004	शुक्र	06/06/2006	सूर्य	10/02/2008
चंद्र	04/08/2001	बुध	14/03/2003	शुक्र	29/11/2004	सूर्य	10/08/2006	मंगल	24/03/2008
बुध	26/10/2001	शुक्र	16/06/2003	सूर्य	29/01/2005	मंगल	19/10/2006	गुरु	10/05/2008
शुक्र	22/01/2002	सूर्य	12/08/2003	मंगल	06/04/2005	गुरु	04/01/2007	शनि	29/06/2008
सूर्य	16/03/2002	मंगल	14/10/2003	गुरु	17/06/2005	शनि	27/03/2007	केतु	22/08/2008
मंगल	14/05/2002	गुरु	20/12/2003	शनि	02/09/2005	केतु	23/06/2007	चंद्र	18/10/2008
गुरु	17/07/2002	शनि	02/03/2004	केतु	24/11/2005	चंद्र	24/09/2007	बुध	18/12/2008
शनि	23/09/2002	केतु	20/05/2004	चंद्र	21/02/2006	बुध	02/01/2008	शुक्र	21/02/2009

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - केतु		गुरु - चंद्र		गुरु - बुध	
21/02/2009		07/08/2010		02/03/2012		06/11/2013		23/08/2015	
07/08/2010		02/03/2012		06/11/2013		23/08/2015		19/07/2017	
गुरु	21/04/2009	शनि	15/10/2010	केतु	20/05/2012	चंद्र	04/02/2014	बुध	03/12/2015
शनि	25/06/2009	केतु	28/12/2010	चंद्र	13/08/2012	बुध	11/05/2014	शुक्र	20/03/2016
केतु	01/09/2009	चंद्र	17/03/2011	बुध	11/11/2012	शुक्र	21/08/2014	सूर्य	25/05/2016
चंद्र	14/11/2009	बुध	09/06/2011	शुक्र	14/02/2013	सूर्य	22/10/2014	मंगल	05/08/2016
बुध	31/01/2010	शुक्र	06/09/2011	सूर्य	13/04/2013	मंगल	29/12/2014	गुरु	22/10/2016
शुक्र	23/04/2010	सूर्य	30/10/2011	मंगल	16/06/2013	गुरु	12/03/2015	शनि	14/01/2017
सूर्य	13/06/2010	मंगल	29/12/2011	गुरु	24/08/2013	शनि	30/05/2015	केतु	14/04/2017
मंगल	07/08/2010	गुरु	02/03/2012	शनि	06/11/2013	केतु	23/08/2015	चंद्र	19/07/2017

गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य		गुरु - मंगल		शनि - शनि		शनि - केतु	
19/07/2017		25/07/2019		18/10/2020		21/02/2022		31/10/2023	
25/07/2019		18/10/2020		21/02/2022		31/10/2023		22/08/2025	
शुक्र	10/11/2017	सूर्य	06/09/2019	मंगल	08/12/2020	शनि	06/05/2022	केतु	25/01/2024
सूर्य	19/01/2018	मंगल	23/10/2019	गुरु	01/02/2021	केतु	25/07/2022	चंद्र	25/04/2024
मंगल	05/04/2018	गुरु	12/12/2019	शनि	01/04/2021	चंद्र	18/10/2022	बुध	31/07/2024
गुरु	27/06/2018	शनि	05/02/2020	केतु	03/06/2021	बुध	17/01/2023	शुक्र	10/11/2024
शनि	24/09/2018	केतु	03/04/2020	चंद्र	10/08/2021	शुक्र	23/04/2023	सूर्य	12/01/2025
केतु	28/12/2018	चंद्र	04/06/2020	बुध	21/10/2021	सूर्य	20/06/2023	मंगल	21/03/2025
चंद्र	08/04/2019	बुध	09/08/2020	शुक्र	05/01/2022	मंगल	23/08/2023	गुरु	03/06/2025
बुध	25/07/2019	शुक्र	18/10/2020	सूर्य	21/02/2022	गुरु	31/10/2023	शनि	22/08/2025

शनि - चंद्र		शनि - बुध		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - मंगल	
22/08/2025		29/07/2027		16/08/2029		18/10/2031		14/02/2033	
29/07/2027		16/08/2029		18/10/2031		14/02/2033		28/07/2034	
चंद्र	28/11/2025	बुध	15/11/2027	शुक्र	17/12/2029	सूर्य	03/12/2031	मंगल	10/04/2033
बुध	11/03/2026	शुक्र	11/03/2028	सूर्य	02/03/2030	मंगल	23/01/2032	गुरु	08/06/2033
शुक्र	28/06/2026	सूर्य	21/05/2028	मंगल	23/05/2030	गुरु	17/03/2032	शनि	11/08/2033
सूर्य	03/09/2026	मंगल	06/08/2028	गुरु	20/08/2030	शनि	14/05/2032	केतु	19/10/2033
मंगल	15/11/2026	गुरु	29/10/2028	शनि	24/11/2030	केतु	16/07/2032	चंद्र	31/12/2033
गुरु	02/02/2027	शनि	28/01/2029	केतु	07/03/2031	चंद्र	21/09/2032	बुध	18/03/2034
शनि	28/04/2027	केतु	05/05/2029	चंद्र	24/06/2031	बुध	01/12/2032	शुक्र	08/06/2034
केतु	29/07/2027	चंद्र	16/08/2029	बुध	18/10/2031	शुक्र	14/02/2033	सूर्य	28/07/2034

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - गुरु		केतु - केतु		केतु - चंद्र		केतु - बुध		केतु - शुक्र	
28/07/2034		21/02/2036		30/01/2038		25/02/2040		07/05/2042	
21/02/2036		30/01/2038		25/02/2040		07/05/2042		04/09/2044	
गुरु	01/10/2034	केतु	23/05/2036	चंद्र	14/05/2038	बुध	21/06/2040	शुक्र	16/09/2042
शनि	09/12/2034	चंद्र	29/08/2036	बुध	02/09/2038	शुक्र	24/10/2040	सूर्य	06/12/2042
केतु	21/02/2035	बुध	11/12/2036	शुक्र	28/12/2038	सूर्य	08/01/2041	मंगल	04/03/2043
चंद्र	11/05/2035	शुक्र	31/03/2037	सूर्य	10/03/2039	मंगल	01/04/2041	गुरु	07/06/2043
बुध	03/08/2035	सूर्य	06/06/2037	मंगल	27/05/2039	गुरु	30/06/2041	शनि	18/09/2043
शुक्र	31/10/2035	मंगल	18/08/2037	गुरु	20/08/2039	शनि	05/10/2041	केतु	06/01/2044
सूर्य	24/12/2035	गुरु	05/11/2037	शनि	19/11/2039	केतु	17/01/2042	चंद्र	02/05/2044
मंगल	21/02/2036	शनि	30/01/2038	केतु	25/02/2040	चंद्र	07/05/2042	बुध	04/09/2044

केतु - सूर्य		केतु - मंगल		केतु - गुरु		केतु - शनि		चंद्र - चंद्र	
04/09/2044		05/02/2046		26/08/2047		01/05/2049		21/02/2051	
05/02/2046		26/08/2047		01/05/2049		21/02/2051		07/05/2053	
सूर्य	23/10/2044	मंगल	05/04/2046	गुरु	03/11/2047	शनि	20/07/2049	चंद्र	12/06/2051
मंगल	16/12/2044	गुरु	07/06/2046	शनि	16/01/2048	केतु	13/10/2049	बुध	08/10/2051
गुरु	12/02/2045	शनि	15/08/2046	केतु	04/04/2048	चंद्र	12/01/2050	शुक्र	11/02/2052
शनि	16/04/2045	केतु	27/10/2046	चंद्र	28/06/2048	बुध	19/04/2050	सूर्य	27/04/2052
केतु	22/06/2045	चंद्र	13/01/2047	बुध	26/09/2048	शुक्र	31/07/2050	मंगल	19/07/2052
चंद्र	01/09/2045	बुध	06/04/2047	शुक्र	30/12/2048	सूर्य	02/10/2050	गुरु	18/10/2052
बुध	17/11/2045	शुक्र	03/07/2047	सूर्य	26/02/2049	मंगल	09/12/2050	शनि	23/01/2053
शुक्र	05/02/2046	सूर्य	26/08/2047	मंगल	01/05/2049	गुरु	21/02/2051	केतु	07/05/2053

चंद्र - बुध		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		चंद्र - मंगल		चंद्र - गुरु	
07/05/2053		11/09/2055		06/03/2058		11/09/2059		07/05/2061	
11/09/2055		06/03/2058		11/09/2059		07/05/2061		21/02/2063	
बुध	10/09/2053	शुक्र	29/01/2056	सूर्य	27/04/2058	मंगल	12/11/2059	गुरु	20/07/2061
शुक्र	21/01/2054	सूर्य	24/04/2056	मंगल	23/06/2058	गुरु	19/01/2060	शनि	07/10/2061
सूर्य	12/04/2054	मंगल	27/07/2056	गुरु	24/08/2058	शनि	01/04/2060	केतु	30/12/2061
मंगल	09/07/2054	गुरु	06/11/2056	शनि	30/10/2058	केतु	18/06/2060	चंद्र	31/03/2062
गुरु	13/10/2054	शनि	23/02/2057	केतु	10/01/2059	चंद्र	09/09/2060	बुध	05/07/2062
शनि	25/01/2055	केतु	21/06/2057	चंद्र	27/03/2059	बुध	07/12/2060	शुक्र	14/10/2062
केतु	16/05/2055	चंद्र	24/10/2057	बुध	17/06/2059	शुक्र	11/03/2061	सूर्य	15/12/2062
चंद्र	11/09/2055	बुध	06/03/2058	शुक्र	11/09/2059	सूर्य	07/05/2061	मंगल	21/02/2063

षोडशोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - शनि		चंद्र - केतु		बुध - बुध		बुध - शुक्र		बुध - सूर्य	
21/02/2063		26/01/2065		21/02/2067		19/08/2069		09/04/2072	
26/01/2065		21/02/2067		19/08/2069		09/04/2072		18/11/2073	
शनि	17/05/2063	केतु	04/05/2065	बुध	05/07/2067	शुक्र	16/01/2070	सूर्य	03/06/2072
केतु	16/08/2063	चंद्र	16/08/2065	शुक्र	23/11/2067	सूर्य	17/04/2070	मंगल	03/08/2072
चंद्र	22/11/2063	बुध	05/12/2065	सूर्य	17/02/2068	मंगल	26/07/2070	गुरु	08/10/2072
बुध	04/03/2064	शुक्र	01/04/2066	मंगल	21/05/2068	गुरु	11/11/2070	शनि	18/12/2072
शुक्र	22/06/2064	सूर्य	12/06/2066	गुरु	31/08/2068	शनि	07/03/2071	केतु	05/03/2073
सूर्य	27/08/2064	मंगल	29/08/2066	शनि	19/12/2068	केतु	10/07/2071	चंद्र	25/05/2073
मंगल	08/11/2064	गुरु	22/11/2066	केतु	16/04/2069	चंद्र	19/11/2071	बुध	19/08/2073
गुरु	26/01/2065	शनि	21/02/2067	चंद्र	19/08/2069	बुध	09/04/2072	शुक्र	18/11/2073

बुध - मंगल		बुध - गुरु		बुध - शनि		बुध - केतु		बुध - चंद्र	
18/11/2073		23/08/2075		19/07/2077		07/08/2079		18/10/2081	
23/08/2075		19/07/2077		07/08/2079		18/10/2081		21/02/2084	
मंगल	24/01/2074	गुरु	09/11/2075	शनि	17/10/2077	केतु	19/11/2079	चंद्र	13/02/2082
गुरु	06/04/2074	शनि	01/02/2076	केतु	22/01/2078	चंद्र	09/03/2080	बुध	19/06/2082
शनि	22/06/2074	केतु	01/05/2076	चंद्र	05/05/2078	बुध	04/07/2080	शुक्र	30/10/2082
केतु	13/09/2074	चंद्र	05/08/2076	बुध	23/08/2078	शुक्र	06/11/2080	सूर्य	19/01/2083
चंद्र	11/12/2074	बुध	15/11/2076	शुक्र	17/12/2078	सूर्य	21/01/2081	मंगल	17/04/2083
बुध	15/03/2075	शुक्र	03/03/2077	सूर्य	27/02/2079	मंगल	14/04/2081	गुरु	22/07/2083
शुक्र	23/06/2075	सूर्य	08/05/2077	मंगल	15/05/2079	गुरु	13/07/2081	शनि	03/11/2083
सूर्य	23/08/2075	मंगल	19/07/2077	गुरु	07/08/2079	शनि	18/10/2081	केतु	21/02/2084

शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - मंगल		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि	
21/02/2084		08/12/2086		22/08/2088		03/07/2090		09/07/2092	
08/12/2086		22/08/2088		03/07/2090		09/07/2092		10/09/2094	
शुक्र	29/07/2084	सूर्य	05/02/2087	मंगल	31/10/2088	गुरु	24/09/2090	शनि	13/10/2092
सूर्य	02/11/2084	मंगल	10/04/2087	गुरु	16/01/2089	शनि	22/12/2090	केतु	23/01/2093
मंगल	16/02/2085	गुरु	19/06/2087	शनि	08/04/2089	केतु	27/03/2091	चंद्र	13/05/2093
गुरु	10/06/2085	शनि	02/09/2087	केतु	05/07/2089	चंद्र	07/07/2091	बुध	06/09/2093
शनि	11/10/2085	केतु	22/11/2087	चंद्र	06/10/2089	बुध	23/10/2091	शुक्र	07/01/2094
केतु	20/02/2086	चंद्र	16/02/2088	बुध	14/01/2090	शुक्र	14/02/2092	सूर्य	23/03/2094
चंद्र	11/07/2086	बुध	17/05/2088	शुक्र	30/04/2090	सूर्य	24/04/2092	मंगल	14/06/2094
बुध	08/12/2086	शुक्र	22/08/2088	सूर्य	03/07/2090	मंगल	09/07/2092	गुरु	10/09/2094

त्रिभगी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 9 वर्ष 4 मास 1 दिन

गुरु 11 वर्ष		शनि 13 वर्ष		बुध 11 वर्ष		केतु 5 वर्ष		शुक्र 13 वर्ष	
07/07/1987		06/11/1996		08/07/2009		06/11/2020		08/07/2025	
06/11/1996		08/07/2009		06/11/2020		08/07/2025		07/11/2038	
गुरु	10/08/1987	शनि	09/11/1998	बुध	14/02/2011	केतु	14/02/2021	शुक्र	27/09/2027
शनि	17/04/1989	बुध	25/08/2000	केतु	13/10/2011	शुक्र	25/11/2021	सूर्य	28/05/2028
बुध	21/10/1990	केतु	22/05/2001	शुक्र	02/09/2013	सूर्य	18/02/2022	चंद्र	08/07/2029
केतु	06/06/1991	शुक्र	02/07/2003	सूर्य	28/03/2014	चंद्र	10/07/2022	मंगल	18/04/2030
शुक्र	16/03/1993	सूर्य	18/02/2004	चंद्र	08/03/2015	मंगल	17/10/2022	राहु	17/04/2032
सूर्य	27/09/1993	चंद्र	10/03/2005	मंगल	05/11/2015	राहु	30/06/2023	गुरु	27/01/2034
चंद्र	17/08/1994	मंगल	05/12/2005	राहु	18/07/2017	गुरु	12/02/2024	शनि	08/03/2036
मंगल	02/04/1995	राहु	30/10/2007	गुरु	21/01/2019	शनि	08/11/2024	बुध	27/01/2038
राहु	06/11/1996	गुरु	08/07/2009	शनि	06/11/2020	बुध	08/07/2025	केतु	07/11/2038

सूर्य 4 वर्ष		चंद्र 7 वर्ष		मंगल 5 वर्ष		राहु 12 वर्ष		गुरु 11 वर्ष	
07/11/2038		07/11/2042		08/07/2049		08/03/2054		08/03/2066	
07/11/2042		08/07/2049		08/03/2054		08/03/2066		00/00/0000	
सूर्य	19/01/2039	चंद्र	29/05/2043	मंगल	15/10/2049	राहु	26/12/2055	गुरु	07/07/2067
चंद्र	20/05/2039	मंगल	18/10/2043	राहु	28/06/2050	गुरु	01/08/2057		00/00/0000
मंगल	14/08/2039	राहु	17/10/2044	गुरु	10/02/2051	शनि	26/06/2059		00/00/0000
राहु	20/03/2040	गुरु	06/09/2045	शनि	07/11/2051	बुध	08/03/2061		00/00/0000
गुरु	01/10/2040	शनि	27/09/2046	बुध	05/07/2052	केतु	19/11/2061		00/00/0000
शनि	20/05/2041	बुध	07/09/2047	केतु	13/10/2052	शुक्र	19/11/2063		00/00/0000
बुध	13/12/2041	केतु	27/01/2048	शुक्र	24/07/2053	सूर्य	25/06/2064		00/00/0000
केतु	08/03/2042	शुक्र	08/03/2049	सूर्य	17/10/2053	चंद्र	25/06/2065		00/00/0000
शुक्र	07/11/2042	सूर्य	08/07/2049	चंद्र	08/03/2054	मंगल	08/03/2066		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
त्रिभगी दशा पूरे 80 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - गुरु		गुरु - शनि		गुरु - बुध		गुरु - केतु		गुरु - शुक्र	
07/07/1987		10/08/1987		17/04/1989		21/10/1990		06/06/1991	
10/08/1987		17/04/1989		21/10/1990		06/06/1991		16/03/1993	
	00/00/0000	शनि	15/11/1987	बुध	05/07/1989	केतु	04/11/1990	शुक्र	22/09/1991
	00/00/0000	बुध	11/02/1988	केतु	06/08/1989	शुक्र	11/12/1990	सूर्य	24/10/1991
	00/00/0000	केतु	18/03/1988	शुक्र	06/11/1989	सूर्य	23/12/1990	चंद्र	17/12/1991
	00/00/0000	शुक्र	28/06/1988	सूर्य	03/12/1989	चंद्र	11/01/1991	मंगल	24/01/1992
	00/00/0000	सूर्य	29/07/1988	चंद्र	18/01/1990	मंगल	24/01/1991	राहु	01/05/1992
	00/00/0000	चंद्र	19/09/1988	मंगल	20/02/1990	राहु	27/02/1991	गुरु	26/07/1992
	00/00/0000	मंगल	25/10/1988	राहु	13/05/1990	गुरु	29/03/1991	शनि	06/11/1992
	07/07/1987	राहु	25/01/1989	गुरु	26/07/1990	शनि	04/05/1991	बुध	06/02/1993
राहु	10/08/1987	गुरु	17/04/1989	शनि	21/10/1990	बुध	06/06/1991	केतु	16/03/1993

गुरु - सूर्य		गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - राहु		शनि - शनि	
16/03/1993		27/09/1993		17/08/1994		02/04/1995		06/11/1996	
27/09/1993		17/08/1994		02/04/1995		06/11/1996		09/11/1998	
सूर्य	26/03/1993	चंद्र	24/10/1993	मंगल	31/08/1994	राहु	28/06/1995	शनि	02/03/1997
चंद्र	11/04/1993	मंगल	12/11/1993	राहु	04/10/1994	गुरु	14/09/1995	बुध	14/06/1997
मंगल	22/04/1993	राहु	30/12/1993	गुरु	03/11/1994	शनि	16/12/1995	केतु	27/07/1997
राहु	22/05/1993	गुरु	12/02/1994	शनि	09/12/1994	बुध	08/03/1996	शुक्र	26/11/1997
गुरु	16/06/1993	शनि	04/04/1994	बुध	10/01/1995	केतु	11/04/1996	सूर्य	01/01/1998
शनि	17/07/1993	बुध	20/05/1994	केतु	24/01/1995	शुक्र	17/07/1996	चंद्र	03/03/1998
बुध	14/08/1993	केतु	08/06/1994	शुक्र	02/03/1995	सूर्य	15/08/1996	मंगल	15/04/1998
केतु	25/08/1993	शुक्र	01/08/1994	सूर्य	14/03/1995	चंद्र	03/10/1996	राहु	03/08/1998
शुक्र	27/09/1993	सूर्य	17/08/1994	चंद्र	02/04/1995	मंगल	06/11/1996	गुरु	09/11/1998

शनि - बुध		शनि - केतु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र	
09/11/1998		25/08/2000		22/05/2001		02/07/2003		18/02/2004	
25/08/2000		22/05/2001		02/07/2003		18/02/2004		10/03/2005	
बुध	09/02/1999	केतु	10/09/2000	शुक्र	27/09/2001	सूर्य	14/07/2003	चंद्र	21/03/2004
केतु	20/03/1999	शुक्र	25/10/2000	सूर्य	05/11/2001	चंद्र	02/08/2003	मंगल	13/04/2004
शुक्र	07/07/1999	सूर्य	07/11/2000	चंद्र	08/01/2002	मंगल	15/08/2003	राहु	10/06/2004
सूर्य	09/08/1999	चंद्र	30/11/2000	मंगल	22/02/2002	राहु	19/09/2003	गुरु	31/07/2004
चंद्र	02/10/1999	मंगल	15/12/2000	राहु	18/06/2002	गुरु	20/10/2003	शनि	30/09/2004
मंगल	10/11/1999	राहु	25/01/2001	गुरु	29/09/2002	शनि	26/11/2003	बुध	24/11/2004
राहु	16/02/2000	गुरु	02/03/2001	शनि	29/01/2003	बुध	28/12/2003	केतु	16/12/2004
गुरु	13/05/2000	शनि	14/04/2001	बुध	18/05/2003	केतु	11/01/2004	शुक्र	19/02/2005
शनि	25/08/2000	बुध	22/05/2001	केतु	02/07/2003	शुक्र	18/02/2004	सूर्य	10/03/2005

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

शनि - मंगल		शनि - राहु		शनि - गुरु		बुध - बुध		बुध - केतु	
10/03/2005		05/12/2005		30/10/2007		08/07/2009		14/02/2011	
05/12/2005		30/10/2007		08/07/2009		14/02/2011		13/10/2011	
मंगल	26/03/2005	राहु	19/03/2006	गुरु	20/01/2008	बुध	29/09/2009	केतु	28/02/2011
राहु	05/05/2005	गुरु	19/06/2006	शनि	27/04/2008	केतु	02/11/2009	शुक्र	09/04/2011
गुरु	10/06/2005	शनि	07/10/2006	बुध	23/07/2008	शुक्र	08/02/2010	सूर्य	21/04/2011
शनि	23/07/2005	बुध	14/01/2007	केतु	28/08/2008	सूर्य	09/03/2010	चंद्र	12/05/2011
बुध	30/08/2005	केतु	23/02/2007	शुक्र	09/12/2008	चंद्र	27/04/2010	मंगल	26/05/2011
केतु	15/09/2005	शुक्र	19/06/2007	सूर्य	09/01/2009	मंगल	31/05/2010	राहु	01/07/2011
शुक्र	30/10/2005	सूर्य	23/07/2007	चंद्र	01/03/2009	राहु	27/08/2010	गुरु	02/08/2011
सूर्य	12/11/2005	चंद्र	19/09/2007	मंगल	06/04/2009	गुरु	13/11/2010	शनि	09/09/2011
चंद्र	05/12/2005	मंगल	30/10/2007	राहु	08/07/2009	शनि	14/02/2011	बुध	13/10/2011

बुध - शुक्र		बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		बुध - राहु	
13/10/2011		02/09/2013		28/03/2014		08/03/2015		05/11/2015	
02/09/2013		28/03/2014		08/03/2015		05/11/2015		18/07/2017	
शुक्र	05/02/2012	सूर्य	13/09/2013	चंद्र	26/04/2014	मंगल	22/03/2015	राहु	06/02/2016
सूर्य	11/03/2012	चंद्र	30/09/2013	मंगल	16/05/2014	राहु	28/04/2015	गुरु	29/04/2016
चंद्र	07/05/2012	मंगल	12/10/2013	राहु	07/07/2014	गुरु	30/05/2015	शनि	05/08/2016
मंगल	17/06/2012	राहु	12/11/2013	गुरु	22/08/2014	शनि	07/07/2015	बुध	01/11/2016
राहु	28/09/2012	गुरु	10/12/2013	शनि	16/10/2014	बुध	10/08/2015	केतु	07/12/2016
गुरु	29/12/2012	शनि	11/01/2014	बुध	03/12/2014	केतु	24/08/2015	शुक्र	21/03/2017
शनि	17/04/2013	बुध	10/02/2014	केतु	24/12/2014	शुक्र	04/10/2015	सूर्य	21/04/2017
बुध	24/07/2013	केतु	22/02/2014	शुक्र	19/02/2015	सूर्य	16/10/2015	चंद्र	12/06/2017
केतु	02/09/2013	शुक्र	28/03/2014	सूर्य	08/03/2015	चंद्र	05/11/2015	मंगल	18/07/2017

बुध - गुरु		बुध - शनि		केतु - केतु		केतु - शुक्र		केतु - सूर्य	
18/07/2017		21/01/2019		06/11/2020		14/02/2021		25/11/2021	
21/01/2019		06/11/2020		14/02/2021		25/11/2021		18/02/2022	
गुरु	29/09/2017	शनि	04/05/2019	केतु	12/11/2020	शुक्र	02/04/2021	सूर्य	29/11/2021
शनि	26/12/2017	बुध	05/08/2019	शुक्र	28/11/2020	सूर्य	16/04/2021	चंद्र	06/12/2021
बुध	14/03/2018	केतु	13/09/2019	सूर्य	03/12/2020	चंद्र	10/05/2021	मंगल	11/12/2021
केतु	15/04/2018	शुक्र	31/12/2019	चंद्र	12/12/2020	मंगल	26/05/2021	राहु	24/12/2021
शुक्र	16/07/2018	सूर्य	02/02/2020	मंगल	18/12/2020	राहु	08/07/2021	गुरु	04/01/2022
सूर्य	13/08/2018	चंद्र	27/03/2020	राहु	01/01/2021	गुरु	15/08/2021	शनि	18/01/2022
चंद्र	28/09/2018	मंगल	04/05/2020	गुरु	15/01/2021	शनि	29/09/2021	बुध	30/01/2022
मंगल	30/10/2018	राहु	11/08/2020	शनि	30/01/2021	बुध	08/11/2021	केतु	04/02/2022
राहु	21/01/2019	गुरु	06/11/2020	बुध	14/02/2021	केतु	25/11/2021	शुक्र	18/02/2022

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

केतु - चंद्र		केतु - मंगल		केतु - राहु		केतु - गुरु		केतु - शनि	
18/02/2022		10/07/2022		17/10/2022		30/06/2023		12/02/2024	
10/07/2022		17/10/2022		30/06/2023		12/02/2024		08/11/2024	
चंद्र	02/03/2022	मंगल	16/07/2022	राहु	25/11/2022	गुरु	30/07/2023	शनि	26/03/2024
मंगल	10/03/2022	राहु	31/07/2022	गुरु	29/12/2022	शनि	04/09/2023	बुध	03/05/2024
राहु	31/03/2022	गुरु	13/08/2022	शनि	07/02/2023	बुध	06/10/2023	केतु	19/05/2024
गुरु	19/04/2022	शनि	29/08/2022	बुध	15/03/2023	केतु	20/10/2023	शुक्र	03/07/2024
शनि	12/05/2022	बुध	12/09/2022	केतु	30/03/2023	शुक्र	27/11/2023	सूर्य	16/07/2024
बुध	01/06/2022	केतु	17/09/2022	शुक्र	12/05/2023	सूर्य	08/12/2023	चंद्र	08/08/2024
केतु	09/06/2022	शुक्र	04/10/2022	सूर्य	25/05/2023	चंद्र	27/12/2023	मंगल	24/08/2024
शुक्र	03/07/2022	सूर्य	09/10/2022	चंद्र	15/06/2023	मंगल	09/01/2024	राहु	03/10/2024
सूर्य	10/07/2022	चंद्र	17/10/2022	मंगल	30/06/2023	राहु	12/02/2024	गुरु	08/11/2024

केतु - बुध		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र		शुक्र - मंगल	
08/11/2024		08/07/2025		27/09/2027		28/05/2028		08/07/2029	
08/07/2025		27/09/2027		28/05/2028		08/07/2029		18/04/2030	
बुध	12/12/2024	शुक्र	20/11/2025	सूर्य	09/10/2027	चंद्र	01/07/2028	मंगल	24/07/2029
केतु	26/12/2024	सूर्य	30/12/2025	चंद्र	30/10/2027	मंगल	24/07/2028	राहु	05/09/2029
शुक्र	05/02/2025	चंद्र	08/03/2026	मंगल	13/11/2027	राहु	23/09/2028	गुरु	13/10/2029
सूर्य	17/02/2025	मंगल	24/04/2026	राहु	19/12/2027	गुरु	16/11/2028	शनि	27/11/2029
चंद्र	09/03/2025	राहु	24/08/2026	गुरु	21/01/2028	शनि	19/01/2029	बुध	06/01/2030
मंगल	23/03/2025	गुरु	10/12/2026	शनि	28/02/2028	बुध	18/03/2029	केतु	22/01/2030
राहु	28/04/2025	शनि	18/04/2027	बुध	03/04/2028	केतु	11/04/2029	शुक्र	11/03/2030
गुरु	30/05/2025	बुध	11/08/2027	केतु	17/04/2028	शुक्र	17/06/2029	सूर्य	25/03/2030
शनि	08/07/2025	केतु	27/09/2027	शुक्र	28/05/2028	सूर्य	08/07/2029	चंद्र	18/04/2030

शुक्र - राहु		शुक्र - गुरु		शुक्र - शनि		शुक्र - बुध		शुक्र - केतु	
18/04/2030		17/04/2032		27/01/2034		08/03/2036		27/01/2038	
17/04/2032		27/01/2034		08/03/2036		27/01/2038		07/11/2038	
राहु	05/08/2030	गुरु	13/07/2032	शनि	29/05/2034	बुध	13/06/2036	केतु	12/02/2038
गुरु	11/11/2030	शनि	24/10/2032	बुध	15/09/2034	केतु	24/07/2036	शुक्र	31/03/2038
शनि	06/03/2031	बुध	24/01/2033	केतु	30/10/2034	शुक्र	16/11/2036	सूर्य	15/04/2038
बुध	18/06/2031	केतु	02/03/2033	शुक्र	07/03/2035	सूर्य	20/12/2036	चंद्र	08/05/2038
केतु	30/07/2031	शुक्र	19/06/2033	सूर्य	15/04/2035	चंद्र	16/02/2037	मंगल	25/05/2038
शुक्र	29/11/2031	सूर्य	21/07/2033	चंद्र	18/06/2035	मंगल	28/03/2037	राहु	06/07/2038
सूर्य	05/01/2032	चंद्र	13/09/2033	मंगल	02/08/2035	राहु	09/07/2037	गुरु	13/08/2038
चंद्र	06/03/2032	मंगल	21/10/2033	राहु	26/11/2035	गुरु	09/10/2037	शनि	27/09/2038
मंगल	17/04/2032	राहु	27/01/2034	गुरु	08/03/2036	शनि	27/01/2038	बुध	07/11/2038

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - राहु		सूर्य - गुरु	
07/11/2038		19/01/2039		20/05/2039		14/08/2039		20/03/2040	
19/01/2039		20/05/2039		14/08/2039		20/03/2040		01/10/2040	
सूर्य	10/11/2038	चंद्र	29/01/2039	मंगल	25/05/2039	राहु	15/09/2039	गुरु	15/04/2040
चंद्र	16/11/2038	मंगल	05/02/2039	राहु	07/06/2039	गुरु	15/10/2039	शनि	16/05/2040
मंगल	21/11/2038	राहु	23/02/2039	गुरु	19/06/2039	शनि	18/11/2039	बुध	12/06/2040
राहु	02/12/2038	गुरु	11/03/2039	शनि	02/07/2039	बुध	19/12/2039	केतु	24/06/2040
गुरु	11/12/2038	शनि	31/03/2039	बुध	14/07/2039	केतु	01/01/2040	शुक्र	26/07/2040
शनि	23/12/2038	बुध	17/04/2039	केतु	19/07/2039	शुक्र	07/02/2040	सूर्य	05/08/2040
बुध	02/01/2039	केतु	24/04/2039	शुक्र	02/08/2039	सूर्य	18/02/2040	चंद्र	21/08/2040
केतु	06/01/2039	शुक्र	14/05/2039	सूर्य	07/08/2039	चंद्र	07/03/2040	मंगल	01/09/2040
शुक्र	19/01/2039	सूर्य	20/05/2039	चंद्र	14/08/2039	मंगल	20/03/2040	राहु	01/10/2040

सूर्य - शनि		सूर्य - बुध		सूर्य - केतु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र	
01/10/2040		20/05/2041		13/12/2041		08/03/2042		07/11/2042	
20/05/2041		13/12/2041		08/03/2042		07/11/2042		29/05/2043	
शनि	06/11/2040	बुध	18/06/2041	केतु	18/12/2041	शुक्र	18/04/2042	चंद्र	23/11/2042
बुध	09/12/2040	केतु	30/06/2041	शुक्र	01/01/2042	सूर्य	30/04/2042	मंगल	05/12/2042
केतु	22/12/2040	शुक्र	04/08/2041	सूर्य	05/01/2042	चंद्र	20/05/2042	राहु	05/01/2043
शुक्र	30/01/2041	सूर्य	14/08/2041	चंद्र	12/01/2042	मंगल	03/06/2042	गुरु	01/02/2043
सूर्य	11/02/2041	चंद्र	31/08/2041	मंगल	17/01/2042	राहु	10/07/2042	शनि	05/03/2043
चंद्र	02/03/2041	मंगल	12/09/2041	राहु	30/01/2042	गुरु	11/08/2042	बुध	03/04/2043
मंगल	15/03/2041	राहु	13/10/2041	गुरु	11/02/2042	शनि	19/09/2042	केतु	15/04/2043
राहु	19/04/2041	गुरु	10/11/2041	शनि	24/02/2042	बुध	23/10/2042	शुक्र	18/05/2043
गुरु	20/05/2041	शनि	13/12/2041	बुध	08/03/2042	केतु	07/11/2042	सूर्य	29/05/2043

चंद्र - मंगल		चंद्र - राहु		चंद्र - गुरु		चंद्र - शनि		चंद्र - बुध	
29/05/2043		18/10/2043		17/10/2044		06/09/2045		27/09/2046	
18/10/2043		17/10/2044		06/09/2045		27/09/2046		07/09/2047	
मंगल	06/06/2043	राहु	11/12/2043	गुरु	29/11/2044	शनि	07/11/2045	बुध	15/11/2046
राहु	27/06/2043	गुरु	29/01/2044	शनि	19/01/2045	बुध	31/12/2045	केतु	05/12/2046
गुरु	16/07/2043	शनि	27/03/2044	बुध	06/03/2045	केतु	23/01/2046	शुक्र	31/01/2047
शनि	08/08/2043	बुध	18/05/2044	केतु	25/03/2045	शुक्र	28/03/2046	सूर्य	18/02/2047
बुध	28/08/2043	केतु	08/06/2044	शुक्र	19/05/2045	सूर्य	16/04/2046	चंद्र	18/03/2047
केतु	05/09/2043	शुक्र	08/08/2044	सूर्य	04/06/2045	चंद्र	18/05/2046	मंगल	08/04/2047
शुक्र	29/09/2043	सूर्य	26/08/2044	चंद्र	01/07/2045	मंगल	10/06/2046	राहु	29/05/2047
सूर्य	06/10/2043	चंद्र	25/09/2044	मंगल	20/07/2045	राहु	07/08/2046	गुरु	14/07/2047
चंद्र	18/10/2043	मंगल	17/10/2044	राहु	06/09/2045	गुरु	27/09/2046	शनि	07/09/2047

त्रिभगी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - केतु		चंद्र - शुक्र		चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - राहु	
07/09/2047		27/01/2048		08/03/2049		08/07/2049		15/10/2049	
27/01/2048		08/03/2049		08/07/2049		15/10/2049		28/06/2050	
केतु	15/09/2047	शुक्र	04/04/2048	सूर्य	14/03/2049	मंगल	13/07/2049	राहु	22/11/2049
शुक्र	09/10/2047	सूर्य	24/04/2048	चंद्र	24/03/2049	राहु	28/07/2049	गुरु	26/12/2049
सूर्य	16/10/2047	चंद्र	28/05/2048	मंगल	31/03/2049	गुरु	11/08/2049	शनि	05/02/2050
चंद्र	28/10/2047	मंगल	20/06/2048	राहु	18/04/2049	शनि	26/08/2049	बुध	13/03/2050
मंगल	05/11/2047	राहु	20/08/2048	गुरु	05/05/2049	बुध	09/09/2049	केतु	28/03/2050
राहु	26/11/2047	गुरु	13/10/2048	शनि	24/05/2049	केतु	15/09/2049	शुक्र	10/05/2050
गुरु	15/12/2047	शनि	17/12/2048	बुध	10/06/2049	शुक्र	02/10/2049	सूर्य	22/05/2050
शनि	07/01/2048	बुध	12/02/2049	केतु	17/06/2049	सूर्य	07/10/2049	चंद्र	13/06/2050
बुध	27/01/2048	केतु	08/03/2049	शुक्र	08/07/2049	चंद्र	15/10/2049	मंगल	28/06/2050

मंगल - गुरु		मंगल - शनि		मंगल - बुध		मंगल - केतु		मंगल - शुक्र	
28/06/2050		10/02/2051		07/11/2051		05/07/2052		13/10/2052	
10/02/2051		07/11/2051		05/07/2052		13/10/2052		24/07/2053	
गुरु	28/07/2050	शनि	25/03/2051	बुध	11/12/2051	केतु	11/07/2052	शुक्र	29/11/2052
शनि	02/09/2050	बुध	02/05/2051	केतु	25/12/2051	शुक्र	28/07/2052	सूर्य	13/12/2052
बुध	04/10/2050	केतु	18/05/2051	शुक्र	03/02/2052	सूर्य	02/08/2052	चंद्र	06/01/2053
केतु	17/10/2050	शुक्र	02/07/2051	सूर्य	15/02/2052	चंद्र	10/08/2052	मंगल	23/01/2053
शुक्र	24/11/2050	सूर्य	15/07/2051	चंद्र	07/03/2052	मंगल	16/08/2052	राहु	06/03/2053
सूर्य	06/12/2050	चंद्र	07/08/2051	मंगल	21/03/2052	राहु	31/08/2052	गुरु	13/04/2053
चंद्र	25/12/2050	मंगल	22/08/2051	राहु	26/04/2052	गुरु	13/09/2052	शनि	28/05/2053
मंगल	07/01/2051	राहु	02/10/2051	गुरु	28/05/2052	शनि	29/09/2052	बुध	07/07/2053
राहु	10/02/2051	गुरु	07/11/2051	शनि	05/07/2052	बुध	13/10/2052	केतु	24/07/2053

मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र		राहु - राहु		राहु - गुरु		राहु - शनि	
24/07/2053		17/10/2053		08/03/2054		26/12/2055		01/08/2057	
17/10/2053		08/03/2054		26/12/2055		01/08/2057		26/06/2059	
सूर्य	28/07/2053	चंद्र	29/10/2053	राहु	15/06/2054	गुरु	12/03/2056	शनि	19/11/2057
चंद्र	04/08/2053	मंगल	06/11/2053	गुरु	10/09/2054	शनि	13/06/2056	बुध	25/02/2058
मंगल	09/08/2053	राहु	27/11/2053	शनि	23/12/2054	बुध	04/09/2056	केतु	07/04/2058
राहु	22/08/2053	गुरु	16/12/2053	बुध	27/03/2055	केतु	08/10/2056	शुक्र	31/07/2058
गुरु	02/09/2053	शनि	08/01/2054	केतु	04/05/2055	शुक्र	13/01/2057	सूर्य	04/09/2058
शनि	16/09/2053	बुध	28/01/2054	शुक्र	22/08/2055	सूर्य	11/02/2057	चंद्र	01/11/2058
बुध	28/09/2053	केतु	05/02/2054	सूर्य	23/09/2055	चंद्र	01/04/2057	मंगल	11/12/2058
केतु	03/10/2053	शुक्र	01/03/2054	चंद्र	17/11/2055	मंगल	05/05/2057	राहु	25/03/2059
शुक्र	17/10/2053	सूर्य	08/03/2054	मंगल	26/12/2055	राहु	01/08/2057	गुरु	26/06/2059

अष्टोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 3 वर्ष 8 मास 19 दिन

बुध 17 वर्ष		शनि 10 वर्ष		गुरु 19 वर्ष		राहु 12 वर्ष		शुक्र 21 वर्ष	
07/07/1987		26/03/1991		26/03/2001		26/03/2020		26/03/2032	
26/03/1991		26/03/2001		26/03/2020		26/03/2032		26/03/2053	
	00/00/0000	शनि	28/02/1992	गुरु	29/07/2004	राहु	26/07/2021	शुक्र	25/04/2036
	00/00/0000	गुरु	01/12/1993	राहु	08/09/2006	शुक्र	25/11/2023	सूर्य	25/06/2037
	00/00/0000	राहु	11/01/1995	शुक्र	19/05/2010	सूर्य	25/07/2024	चंद्र	26/05/2040
	00/00/0000	शुक्र	21/12/1996	सूर्य	09/06/2011	चंद्र	26/03/2026	मंगल	15/12/2041
	07/07/1987	सूर्य	12/07/1997	चंद्र	28/01/2014	मंगल	14/02/2027	बुध	05/04/2045
सूर्य	12/08/1987	चंद्र	01/12/1998	मंगल	26/06/2015	बुध	04/01/2029	शनि	16/03/2047
चंद्र	22/12/1989	मंगल	29/08/1999	बुध	22/06/2018	शनि	14/02/2030	गुरु	25/11/2050
मंगल	26/03/1991	बुध	26/03/2001	शनि	26/03/2020	गुरु	26/03/2032	राहु	26/03/2053

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 15 वर्ष		मंगल 8 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
26/03/2053		26/03/2059		26/03/2074		26/03/2082	
26/03/2059		26/03/2074		26/03/2082		00/00/0000	
सूर्य	26/07/2053	चंद्र	25/04/2061	मंगल	29/10/2074	बुध	28/11/2084
चंद्र	26/05/2054	मंगल	05/06/2062	बुध	01/02/2076	शनि	26/06/2086
मंगल	04/11/2054	बुध	15/10/2064	शनि	28/10/2076	गुरु	22/06/2089
बुध	15/10/2055	शनि	06/03/2066	गुरु	26/03/2078	राहु	13/05/2091
शनि	05/05/2056	गुरु	25/10/2068	राहु	14/02/2079	शुक्र	01/09/2094
गुरु	26/05/2057	राहु	26/06/2070	शुक्र	04/09/2080	सूर्य	07/07/2095
राहु	24/01/2058	शुक्र	26/05/2073	सूर्य	13/02/2081		00/00/0000
शुक्र	26/03/2059	सूर्य	26/03/2074	चंद्र	26/03/2082		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
अष्टोत्तरी दशा पूरे 108 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

बुध - सूर्य		बुध - चंद्र		बुध - मंगल		शनि - शनि		शनि - गुरु	
07/07/1987		12/08/1987		22/12/1989		26/03/1991		28/02/1992	
12/08/1987		22/12/1989		26/03/1991		28/02/1992		01/12/1993	
	00/00/0000	चंद्र	10/12/1987	मंगल	25/01/1990	शनि	27/04/1991	गुरु	20/06/1992
	00/00/0000	मंगल	12/02/1988	बुध	07/04/1990	गुरु	25/06/1991	राहु	30/08/1992
	00/00/0000	बुध	27/06/1988	शनि	20/05/1990	राहु	02/08/1991	शुक्र	02/01/1993
	00/00/0000	शनि	14/09/1988	गुरु	09/08/1990	शुक्र	07/10/1991	सूर्य	07/02/1993
	00/00/0000	गुरु	13/02/1989	राहु	29/09/1990	सूर्य	25/10/1991	चंद्र	07/05/1993
	00/00/0000	राहु	20/05/1989	शुक्र	27/12/1990	चंद्र	11/12/1991	मंगल	24/06/1993
	07/07/1987	शुक्र	04/11/1989	सूर्य	22/01/1991	मंगल	05/01/1992	बुध	03/10/1993
शुक्र	12/08/1987	सूर्य	22/12/1989	चंद्र	26/03/1991	बुध	28/02/1992	शनि	01/12/1993

शनि - राहु		शनि - शुक्र		शनि - सूर्य		शनि - चंद्र		शनि - मंगल	
01/12/1993		11/01/1995		21/12/1996		12/07/1997		01/12/1998	
11/01/1995		21/12/1996		12/07/1997		01/12/1998		29/08/1999	
राहु	15/01/1994	शुक्र	29/05/1995	सूर्य	02/01/1997	चंद्र	21/09/1997	मंगल	22/12/1998
शुक्र	04/04/1994	सूर्य	08/07/1995	चंद्र	30/01/1997	मंगल	28/10/1997	बुध	02/02/1999
सूर्य	27/04/1994	चंद्र	14/10/1995	मंगल	14/02/1997	बुध	16/01/1998	शनि	27/02/1999
चंद्र	22/06/1994	मंगल	06/12/1995	बुध	18/03/1997	शनि	04/03/1998	गुरु	16/04/1999
मंगल	22/07/1994	बुध	27/03/1996	शनि	05/04/1997	गुरु	01/06/1998	राहु	16/05/1999
बुध	24/09/1994	शनि	31/05/1996	गुरु	11/05/1997	राहु	28/07/1998	शुक्र	07/07/1999
शनि	01/11/1994	गुरु	03/10/1996	राहु	03/06/1997	शुक्र	03/11/1998	सूर्य	22/07/1999
गुरु	11/01/1995	राहु	21/12/1996	शुक्र	12/07/1997	सूर्य	01/12/1998	चंद्र	29/08/1999

शनि - बुध		गुरु - गुरु		गुरु - राहु		गुरु - शुक्र		गुरु - सूर्य	
29/08/1999		26/03/2001		29/07/2004		08/09/2006		19/05/2010	
26/03/2001		29/07/2004		08/09/2006		19/05/2010		09/06/2011	
बुध	28/11/1999	गुरु	27/10/2001	राहु	23/10/2004	शुक्र	28/05/2007	सूर्य	10/06/2010
शनि	20/01/2000	राहु	11/03/2002	शुक्र	21/03/2005	सूर्य	11/08/2007	चंद्र	02/08/2010
गुरु	30/04/2000	शुक्र	04/11/2002	सूर्य	03/05/2005	चंद्र	15/02/2008	मंगल	31/08/2010
राहु	03/07/2000	सूर्य	11/01/2003	चंद्र	18/08/2005	मंगल	25/05/2008	बुध	31/10/2010
शुक्र	23/10/2000	चंद्र	29/06/2003	मंगल	15/10/2005	बुध	23/12/2008	शनि	05/12/2010
सूर्य	24/11/2000	मंगल	28/09/2003	बुध	13/02/2006	शनि	27/04/2009	गुरु	11/02/2011
चंद्र	11/02/2001	बुध	07/04/2004	शनि	25/04/2006	गुरु	20/12/2009	राहु	26/03/2011
मंगल	26/03/2001	शनि	29/07/2004	गुरु	08/09/2006	राहु	19/05/2010	शुक्र	09/06/2011

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

गुरु - चंद्र		गुरु - मंगल		गुरु - बुध		गुरु - शनि		राहु - राहु	
09/06/2011		28/01/2014		26/06/2015		22/06/2018		26/03/2020	
28/01/2014		26/06/2015		22/06/2018		26/03/2020		26/07/2021	
चंद्र	21/10/2011	मंगल	07/03/2014	बुध	15/12/2015	शनि	21/08/2018	राहु	19/05/2020
मंगल	31/12/2011	बुध	27/05/2014	शनि	25/03/2016	गुरु	12/12/2018	शुक्र	22/08/2020
बुध	31/05/2012	शनि	13/07/2014	गुरु	03/10/2016	राहु	21/02/2019	सूर्य	18/09/2020
शनि	28/08/2012	गुरु	12/10/2014	राहु	01/02/2017	शुक्र	26/06/2019	चंद्र	24/11/2020
गुरु	14/02/2013	राहु	08/12/2014	शुक्र	02/09/2017	सूर्य	01/08/2019	मंगल	30/12/2020
राहु	01/06/2013	शुक्र	18/03/2015	सूर्य	02/11/2017	चंद्र	29/10/2019	बुध	17/03/2021
शुक्र	05/12/2013	सूर्य	15/04/2015	चंद्र	02/04/2018	मंगल	16/12/2019	शनि	01/05/2021
सूर्य	28/01/2014	चंद्र	26/06/2015	मंगल	22/06/2018	बुध	26/03/2020	गुरु	26/07/2021

राहु - शुक्र		राहु - सूर्य		राहु - चंद्र		राहु - मंगल		राहु - बुध	
26/07/2021		25/11/2023		25/07/2024		26/03/2026		14/02/2027	
25/11/2023		25/07/2024		26/03/2026		14/02/2027		04/01/2029	
शुक्र	07/01/2022	सूर्य	09/12/2023	चंद्र	18/10/2024	मंगल	19/04/2026	बुध	02/06/2027
सूर्य	24/02/2022	चंद्र	11/01/2024	मंगल	02/12/2024	बुध	09/06/2026	शनि	05/08/2027
चंद्र	22/06/2022	मंगल	29/01/2024	बुध	08/03/2025	शनि	09/07/2026	गुरु	05/12/2027
मंगल	24/08/2022	बुध	08/03/2024	शनि	03/05/2025	गुरु	05/09/2026	राहु	19/02/2028
बुध	05/01/2023	शनि	30/03/2024	गुरु	18/08/2025	राहु	11/10/2026	शुक्र	03/07/2028
शनि	25/03/2023	गुरु	12/05/2024	राहु	25/10/2025	शुक्र	13/12/2026	सूर्य	10/08/2028
गुरु	22/08/2023	राहु	08/06/2024	शुक्र	20/02/2026	सूर्य	31/12/2026	चंद्र	14/11/2028
राहु	25/11/2023	शुक्र	25/07/2024	सूर्य	26/03/2026	चंद्र	14/02/2027	मंगल	04/01/2029

राहु - शनि		राहु - गुरु		शुक्र - शुक्र		शुक्र - सूर्य		शुक्र - चंद्र	
04/01/2029		14/02/2030		26/03/2032		25/04/2036		25/06/2037	
14/02/2030		26/03/2032		25/04/2036		25/06/2037		26/05/2040	
शनि	10/02/2029	गुरु	29/06/2030	शुक्र	10/01/2033	सूर्य	19/05/2036	चंद्र	20/11/2037
गुरु	23/04/2029	राहु	23/09/2030	सूर्य	03/04/2033	चंद्र	17/07/2036	मंगल	07/02/2038
राहु	07/06/2029	शुक्र	20/02/2031	चंद्र	27/10/2033	मंगल	18/08/2036	बुध	25/07/2038
शुक्र	25/08/2029	सूर्य	04/04/2031	मंगल	14/02/2034	बुध	24/10/2036	शनि	31/10/2038
सूर्य	16/09/2029	चंद्र	20/07/2031	बुध	07/10/2034	शनि	02/12/2036	गुरु	07/05/2039
चंद्र	12/11/2029	मंगल	15/09/2031	शनि	22/02/2035	गुरु	15/02/2037	राहु	02/09/2039
मंगल	12/12/2029	बुध	14/01/2032	गुरु	11/11/2035	राहु	03/04/2037	शुक्र	27/03/2040
बुध	14/02/2030	शनि	26/03/2032	राहु	25/04/2036	शुक्र	25/06/2037	सूर्य	26/05/2040

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

शुक्र - मंगल		शुक्र - बुध		शुक्र - शनि		शुक्र - गुरु		शुक्र - राहु	
26/05/2040		15/12/2041		05/04/2045		16/03/2047		25/11/2050	
15/12/2041		05/04/2045		16/03/2047		25/11/2050		26/03/2053	
मंगल	07/07/2040	बुध	23/06/2042	शनि	10/06/2045	गुरु	09/11/2047	राहु	27/02/2051
बुध	04/10/2040	शनि	13/10/2042	गुरु	13/10/2045	राहु	07/04/2048	शुक्र	12/08/2051
शनि	26/11/2040	गुरु	13/05/2043	राहु	31/12/2045	शुक्र	25/12/2048	सूर्य	28/09/2051
गुरु	06/03/2041	राहु	24/09/2043	शुक्र	18/05/2046	सूर्य	10/03/2049	चंद्र	25/01/2052
राहु	08/05/2041	शुक्र	16/05/2044	सूर्य	26/06/2046	चंद्र	13/09/2049	मंगल	28/03/2052
शुक्र	26/08/2041	सूर्य	22/07/2044	चंद्र	03/10/2046	मंगल	22/12/2049	बुध	09/08/2052
सूर्य	27/09/2041	चंद्र	06/01/2045	मंगल	25/11/2046	बुध	23/07/2050	शनि	27/10/2052
चंद्र	15/12/2041	मंगल	05/04/2045	बुध	16/03/2047	शनि	25/11/2050	गुरु	26/03/2053

सूर्य - सूर्य		सूर्य - चंद्र		सूर्य - मंगल		सूर्य - बुध		सूर्य - शनि	
26/03/2053		26/07/2053		26/05/2054		04/11/2054		15/10/2055	
26/07/2053		26/05/2054		04/11/2054		15/10/2055		05/05/2056	
सूर्य	02/04/2053	चंद्र	06/09/2053	मंगल	07/06/2054	बुध	29/12/2054	शनि	03/11/2055
चंद्र	19/04/2053	मंगल	29/09/2053	बुध	03/07/2054	शनि	30/01/2055	गुरु	09/12/2055
मंगल	28/04/2053	बुध	15/11/2053	शनि	18/07/2054	गुरु	31/03/2055	राहु	31/12/2055
बुध	17/05/2053	शनि	14/12/2053	गुरु	15/08/2054	राहु	09/05/2055	शुक्र	09/02/2056
शनि	28/05/2053	गुरु	05/02/2054	राहु	02/09/2054	शुक्र	15/07/2055	सूर्य	20/02/2056
गुरु	19/06/2053	राहु	11/03/2054	शुक्र	04/10/2054	सूर्य	03/08/2055	चंद्र	19/03/2056
राहु	02/07/2053	शुक्र	09/05/2054	सूर्य	13/10/2054	चंद्र	20/09/2055	मंगल	03/04/2056
शुक्र	26/07/2053	सूर्य	26/05/2054	चंद्र	04/11/2054	मंगल	15/10/2055	बुध	05/05/2056

सूर्य - गुरु		सूर्य - राहु		सूर्य - शुक्र		चंद्र - चंद्र		चंद्र - मंगल	
05/05/2056		26/05/2057		24/01/2058		26/03/2059		25/04/2061	
26/05/2057		24/01/2058		26/03/2059		25/04/2061		05/06/2062	
गुरु	12/07/2056	राहु	22/06/2057	शुक्र	17/04/2058	चंद्र	10/07/2059	मंगल	25/05/2061
राहु	24/08/2056	शुक्र	08/08/2057	सूर्य	11/05/2058	मंगल	05/09/2059	बुध	28/07/2061
शुक्र	07/11/2056	सूर्य	22/08/2057	चंद्र	09/07/2058	बुध	02/01/2060	शनि	04/09/2061
सूर्य	28/11/2056	चंद्र	25/09/2057	मंगल	10/08/2058	शनि	13/03/2060	गुरु	14/11/2061
चंद्र	21/01/2057	मंगल	13/10/2057	बुध	16/10/2058	गुरु	25/07/2060	राहु	29/12/2061
मंगल	18/02/2057	बुध	20/11/2057	शनि	24/11/2058	राहु	17/10/2060	शुक्र	18/03/2062
बुध	20/04/2057	शनि	13/12/2057	गुरु	07/02/2059	शुक्र	14/03/2061	सूर्य	10/04/2062
शनि	26/05/2057	गुरु	24/01/2058	राहु	26/03/2059	सूर्य	25/04/2061	चंद्र	05/06/2062

अष्टोत्तरी दशा - प्रत्यन्तर

चंद्र - बुध		चंद्र - शनि		चंद्र - गुरु		चंद्र - राहु		चंद्र - शुक्र	
05/06/2062		15/10/2064		06/03/2066		25/10/2068		26/06/2070	
15/10/2064		06/03/2066		25/10/2068		26/06/2070		26/05/2073	
बुध	19/10/2062	शनि	01/12/2064	गुरु	22/08/2066	राहु	31/12/2068	शुक्र	19/01/2071
शनि	07/01/2063	गुरु	28/02/2065	राहु	08/12/2066	शुक्र	29/04/2069	सूर्य	19/03/2071
गुरु	08/06/2063	राहु	25/04/2065	शुक्र	13/06/2067	सूर्य	02/06/2069	चंद्र	14/08/2071
राहु	11/09/2063	शुक्र	02/08/2065	सूर्य	06/08/2067	चंद्र	25/08/2069	मंगल	01/11/2071
शुक्र	26/02/2064	सूर्य	30/08/2065	चंद्र	17/12/2067	मंगल	09/10/2069	बुध	16/04/2072
सूर्य	14/04/2064	चंद्र	09/11/2065	मंगल	27/02/2068	बुध	13/01/2070	शनि	24/07/2072
चंद्र	12/08/2064	मंगल	16/12/2065	बुध	28/07/2068	शनि	10/03/2070	गुरु	27/01/2073
मंगल	15/10/2064	बुध	06/03/2066	शनि	25/10/2068	गुरु	26/06/2070	राहु	26/05/2073

चंद्र - सूर्य		मंगल - मंगल		मंगल - बुध		मंगल - शनि		मंगल - गुरु	
26/05/2073		26/03/2074		29/10/2074		01/02/2076		28/10/2076	
26/03/2074		29/10/2074		01/02/2076		28/10/2076		26/03/2078	
सूर्य	12/06/2073	मंगल	11/04/2074	बुध	09/01/2075	शनि	26/02/2076	गुरु	27/01/2077
चंद्र	24/07/2073	बुध	15/05/2074	शनि	21/02/2075	गुरु	13/04/2076	राहु	25/03/2077
मंगल	16/08/2073	शनि	04/06/2074	गुरु	13/05/2075	राहु	13/05/2076	शुक्र	03/07/2077
बुध	02/10/2073	गुरु	12/07/2074	राहु	03/07/2075	शुक्र	05/07/2076	सूर्य	31/07/2077
शनि	31/10/2073	राहु	05/08/2074	शुक्र	30/09/2075	सूर्य	20/07/2076	चंद्र	11/10/2077
गुरु	23/12/2073	शुक्र	17/09/2074	सूर्य	26/10/2075	चंद्र	27/08/2076	मंगल	18/11/2077
राहु	26/01/2074	सूर्य	29/09/2074	चंद्र	29/12/2075	मंगल	16/09/2076	बुध	07/02/2078
शुक्र	26/03/2074	चंद्र	29/10/2074	मंगल	01/02/2076	बुध	28/10/2076	शनि	26/03/2078

मंगल - राहु		मंगल - शुक्र		मंगल - सूर्य		मंगल - चंद्र		बुध - बुध	
26/03/2078		14/02/2079		04/09/2080		13/02/2081		26/03/2082	
14/02/2079		04/09/2080		13/02/2081		26/03/2082		28/11/2084	
राहु	01/05/2078	शुक्र	04/06/2079	सूर्य	13/09/2080	चंद्र	11/04/2081	बुध	27/08/2082
शुक्र	03/07/2078	सूर्य	06/07/2079	चंद्र	06/10/2080	मंगल	11/05/2081	शनि	26/11/2082
सूर्य	21/07/2078	चंद्र	23/09/2079	मंगल	18/10/2080	बुध	14/07/2081	गुरु	17/05/2083
चंद्र	05/09/2078	मंगल	04/11/2079	बुध	12/11/2080	शनि	20/08/2081	राहु	02/09/2083
मंगल	29/09/2078	बुध	01/02/2080	शनि	27/11/2080	गुरु	31/10/2081	शुक्र	10/03/2084
बुध	19/11/2078	शनि	25/03/2080	गुरु	26/12/2080	राहु	15/12/2081	सूर्य	03/05/2084
शनि	19/12/2078	गुरु	03/07/2080	राहु	13/01/2081	शुक्र	04/03/2082	चंद्र	16/09/2084
गुरु	14/02/2079	राहु	04/09/2080	शुक्र	13/02/2081	सूर्य	26/03/2082	मंगल	28/11/2084

योगिनी दशा

भोग्य दशा काल : धान्या 2 वर्ष 7 मास 15 दिन

धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष	
07/07/1987		20/02/1990		20/02/1994		20/02/1999		20/02/2005	
20/02/1990		20/02/1994		20/02/1999		20/02/2005		20/02/2012	
	07/07/1987	भ्राम	01/08/1990	भद्रि	31/10/1994	उल्क	20/02/2000	सिद्ध	02/07/2006
भ्राम	21/09/1987	भद्रि	20/02/1991	उल्क	01/09/1995	सिद्ध	21/04/2001	संक	21/01/2008
भद्रि	20/02/1988	उल्क	22/10/1991	सिद्ध	21/08/1996	संक	21/08/2002	मंग	01/04/2008
उल्क	21/08/1988	सिद्ध	01/08/1992	संक	01/10/1997	मंग	21/10/2002	पिंग	21/08/2008
सिद्ध	22/03/1989	संक	21/06/1993	मंग	20/11/1997	पिंग	20/02/2003	धांय	22/03/2009
संक	20/11/1989	मंग	01/08/1993	पिंग	02/03/1998	धांय	22/08/2003	भ्राम	31/12/2009
मंग	21/12/1989	पिंग	21/10/1993	धांय	01/08/1998	भ्राम	21/04/2004	भद्रि	21/12/2010
पिंग	20/02/1990	धांय	20/02/1994	भ्राम	20/02/1999	भद्रि	20/02/2005	उल्क	20/02/2012

संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष	
20/02/2012		20/02/2020		20/02/2021		20/02/2023		20/02/2026	
20/02/2020		20/02/2021		20/02/2023		20/02/2026		20/02/2030	
संक	01/12/2013	मंग	01/03/2020	पिंग	01/04/2021	धांय	22/05/2023	भ्राम	01/08/2026
मंग	20/02/2014	पिंग	22/03/2020	धांय	01/06/2021	भ्राम	21/09/2023	भद्रि	20/02/2027
पिंग	01/08/2014	धांय	21/04/2020	भ्राम	21/08/2021	भद्रि	20/02/2024	उल्क	22/10/2027
धांय	02/04/2015	भ्राम	01/06/2020	भद्रि	01/12/2021	उल्क	21/08/2024	सिद्ध	01/08/2028
भ्राम	20/02/2016	भद्रि	21/07/2020	उल्क	01/04/2022	सिद्ध	22/03/2025	संक	21/06/2029
भद्रि	01/04/2017	उल्क	20/09/2020	सिद्ध	21/08/2022	संक	20/11/2025	मंग	01/08/2029
उल्क	01/08/2018	सिद्ध	30/11/2020	संक	31/01/2023	मंग	21/12/2025	पिंग	21/10/2029
सिद्ध	20/02/2020	संक	20/02/2021	मंग	20/02/2023	पिंग	20/02/2026	धांय	20/02/2030

नोट :- योगनियों के स्वामी नीचे दिए गए हैं :-

मंगला	: चन्द्र	पिंगला	: सूर्य	धान्या	: गुरु	भ्रामरी	: मंगल
भद्रिका	: बुध	उल्का	: शनि	सिद्धा	: शुक्र	संकटा	: राहु/केतु

उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
योगिनी दशा 36 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

योगिनी दशा

भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष		सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष	
20/02/2030		20/02/2035		20/02/2041		20/02/2048		20/02/2056	
20/02/2035		20/02/2041		20/02/2048		20/02/2056		20/02/2057	
भद्रि	31/10/2030	उल्क	20/02/2036	सिद्ध	02/07/2042	संक	01/12/2049	मंग	01/03/2056
उल्क	01/09/2031	सिद्ध	21/04/2037	संक	21/01/2044	मंग	20/02/2050	पिंग	22/03/2056
सिद्ध	21/08/2032	संक	21/08/2038	मंग	01/04/2044	पिंग	01/08/2050	धांय	21/04/2056
संक	01/10/2033	मंग	21/10/2038	पिंग	21/08/2044	धांय	02/04/2051	भ्राम	01/06/2056
मंग	20/11/2033	पिंग	20/02/2039	धांय	22/03/2045	भ्राम	20/02/2052	भद्रि	21/07/2056
पिंग	02/03/2034	धांय	22/08/2039	भ्राम	31/12/2045	भद्रि	01/04/2053	उल्क	20/09/2056
धांय	01/08/2034	भ्राम	21/04/2040	भद्रि	21/12/2046	उल्क	01/08/2054	सिद्ध	30/11/2056
भ्राम	20/02/2035	भद्रि	20/02/2041	उल्क	20/02/2048	सिद्ध	20/02/2056	संक	20/02/2057

पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष		भ्रामरी 4 वर्ष		भद्रिका 5 वर्ष		उल्का 6 वर्ष	
20/02/2057		20/02/2059		20/02/2062		20/02/2066		20/02/2071	
20/02/2059		20/02/2062		20/02/2066		20/02/2071		20/02/2077	
पिंग	01/04/2057	धांय	22/05/2059	भ्राम	01/08/2062	भद्रि	31/10/2066	उल्क	20/02/2072
धांय	01/06/2057	भ्राम	21/09/2059	भद्रि	20/02/2063	उल्क	01/09/2067	सिद्ध	21/04/2073
भ्राम	21/08/2057	भद्रि	20/02/2060	उल्क	22/10/2063	सिद्ध	21/08/2068	संक	21/08/2074
भद्रि	01/12/2057	उल्क	21/08/2060	सिद्ध	01/08/2064	संक	01/10/2069	मंग	21/10/2074
उल्क	01/04/2058	सिद्ध	22/03/2061	संक	21/06/2065	मंग	20/11/2069	पिंग	20/02/2075
सिद्ध	21/08/2058	संक	20/11/2061	मंग	01/08/2065	पिंग	02/03/2070	धांय	22/08/2075
संक	31/01/2059	मंग	21/12/2061	पिंग	21/10/2065	धांय	01/08/2070	भ्राम	21/04/2076
मंग	20/02/2059	पिंग	20/02/2062	धांय	20/02/2066	भ्राम	20/02/2071	भद्रि	20/02/2077

सिद्धा 7 वर्ष		संकटा 8 वर्ष		मंगला 1 वर्ष		पिंगला 2 वर्ष		धान्या 3 वर्ष	
20/02/2077		20/02/2084		20/02/2092		20/02/2093		20/02/2095	
20/02/2084		20/02/2092		20/02/2093		20/02/2095		00/00/0000	
सिद्ध	02/07/2078	संक	01/12/2085	मंग	01/03/2092	पिंग	01/04/2093	धांय	22/05/2095
संक	21/01/2080	मंग	20/02/2086	पिंग	22/03/2092	धांय	01/06/2093	भ्राम	07/07/2095
मंग	01/04/2080	पिंग	01/08/2086	धांय	21/04/2092	भ्राम	21/08/2093		00/00/0000
पिंग	21/08/2080	धांय	02/04/2087	भ्राम	01/06/2092	भद्रि	01/12/2093		00/00/0000
धांय	22/03/2081	भ्राम	20/02/2088	भद्रि	21/07/2092	उल्क	01/04/2094		00/00/0000
भ्राम	31/12/2081	भद्रि	01/04/2089	उल्क	20/09/2092	सिद्ध	21/08/2094		00/00/0000
भद्रि	21/12/2082	उल्क	01/08/2090	सिद्ध	30/11/2092	संक	31/01/2095		00/00/0000
उल्क	20/02/2084	सिद्ध	20/02/2092	संक	20/02/2093	मंग	20/02/2095		00/00/0000

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

भ्राम - भ्राम		भ्राम - भद्रि		भ्राम - उल्क		भ्राम - सिद्ध		भ्राम - संक	
20/02/2026		01/08/2026		20/02/2027		22/10/2027		01/08/2028	
01/08/2026		20/02/2027		22/10/2027		01/08/2028		21/06/2029	
भ्राम	10/03/2026	भद्रि	29/08/2026	उल्क	02/04/2027	सिद्ध	16/12/2027	संक	12/10/2028
भद्रि	01/04/2026	उल्क	02/10/2026	सिद्ध	19/05/2027	संक	17/02/2028	मंग	21/10/2028
उल्क	28/04/2026	सिद्ध	11/11/2026	संक	12/07/2027	मंग	25/02/2028	पिंग	08/11/2028
सिद्ध	30/05/2026	संक	26/12/2026	मंग	19/07/2027	पिंग	12/03/2028	धांय	05/12/2028
संक	05/07/2026	मंग	31/12/2026	पिंग	01/08/2027	धांय	04/04/2028	भ्राम	10/01/2029
मंग	10/07/2026	पिंग	12/01/2027	धांय	22/08/2027	भ्राम	06/05/2028	भद्रि	24/02/2029
पिंग	19/07/2026	धांय	29/01/2027	भ्राम	18/09/2027	भद्रि	14/06/2028	उल्क	19/04/2029
धांय	01/08/2026	भ्राम	20/02/2027	भद्रि	22/10/2027	उल्क	01/08/2028	सिद्ध	21/06/2029

भ्राम - मंग		भ्राम - पिंग		भ्राम - धांय		भद्रि - भद्रि		भद्रि - उल्क	
21/06/2029		01/08/2029		21/10/2029		20/02/2030		31/10/2030	
01/08/2029		21/10/2029		20/02/2030		31/10/2030		01/09/2031	
मंग	22/06/2029	पिंग	05/08/2029	धांय	31/10/2029	भद्रि	27/03/2030	उल्क	21/12/2030
पिंग	25/06/2029	धांय	12/08/2029	भ्राम	14/11/2029	उल्क	08/05/2030	सिद्ध	18/02/2031
धांय	28/06/2029	भ्राम	21/08/2029	भद्रि	01/12/2029	सिद्ध	27/06/2030	संक	27/04/2031
भ्राम	03/07/2029	भद्रि	01/09/2029	उल्क	21/12/2029	संक	22/08/2030	मंग	05/05/2031
भद्रि	08/07/2029	उल्क	15/09/2029	सिद्ध	14/01/2030	मंग	29/08/2030	पिंग	22/05/2031
उल्क	15/07/2029	सिद्ध	01/10/2029	संक	10/02/2030	पिंग	12/09/2030	धांय	17/06/2031
सिद्ध	23/07/2029	संक	19/10/2029	मंग	13/02/2030	धांय	03/10/2030	भ्राम	21/07/2031
संक	01/08/2029	मंग	21/10/2029	पिंग	20/02/2030	भ्राम	31/10/2030	भद्रि	01/09/2031

भद्रि - सिद्ध		भद्रि - संक		भद्रि - मंग		भद्रि - पिंग		भद्रि - धांय	
01/09/2031		21/08/2032		01/10/2033		20/11/2033		02/03/2034	
21/08/2032		01/10/2033		20/11/2033		02/03/2034		01/08/2034	
सिद्ध	09/11/2031	संक	19/11/2032	मंग	02/10/2033	पिंग	26/11/2033	धांय	15/03/2034
संक	27/01/2032	मंग	30/11/2032	पिंग	05/10/2033	धांय	05/12/2033	भ्राम	01/04/2034
मंग	06/02/2032	पिंग	23/12/2032	धांय	09/10/2033	भ्राम	16/12/2033	भद्रि	22/04/2034
पिंग	25/02/2032	धांय	26/01/2033	भ्राम	15/10/2033	भद्रि	30/12/2033	उल्क	17/05/2034
धांय	26/03/2032	भ्राम	12/03/2033	भद्रि	22/10/2033	उल्क	16/01/2034	सिद्ध	16/06/2034
भ्राम	04/05/2032	भद्रि	07/05/2033	उल्क	30/10/2033	सिद्ध	05/02/2034	संक	19/07/2034
भद्रि	23/06/2032	उल्क	14/07/2033	सिद्ध	09/11/2033	संक	27/02/2034	मंग	24/07/2034
उल्क	21/08/2032	सिद्ध	01/10/2033	संक	20/11/2033	मंग	02/03/2034	पिंग	01/08/2034

योगिनी दशा - प्रत्यन्तर

भद्रि - भ्राम		उल्क - उल्क		उल्क - सिद्ध		उल्क - संक		उल्क - मंग	
01/08/2034		20/02/2035		20/02/2036		21/04/2037		21/08/2038	
20/02/2035		20/02/2036		21/04/2037		21/08/2038		21/10/2038	
भ्राम	24/08/2034	उल्क	22/04/2035	सिद्ध	13/05/2036	संक	08/08/2037	मंग	23/08/2038
भद्रि	21/09/2034	सिद्ध	02/07/2035	संक	16/08/2036	मंग	21/08/2037	पिंग	27/08/2038
उल्क	25/10/2034	संक	21/09/2035	मंग	28/08/2036	पिंग	17/09/2037	धांय	01/09/2038
सिद्ध	03/12/2034	मंग	01/10/2035	पिंग	20/09/2036	धांय	28/10/2037	भ्राम	07/09/2038
संक	17/01/2035	पिंग	22/10/2035	धांय	26/10/2036	भ्राम	21/12/2037	भद्रि	16/09/2038
मंग	23/01/2035	धांय	21/11/2035	भ्राम	12/12/2036	भद्रि	27/02/2038	उल्क	26/09/2038
पिंग	03/02/2035	भ्राम	01/01/2036	भद्रि	09/02/2037	उल्क	19/05/2038	सिद्ध	08/10/2038
धांय	20/02/2035	भद्रि	20/02/2036	उल्क	21/04/2037	सिद्ध	21/08/2038	संक	21/10/2038

उल्क - पिंग		उल्क - धांय		उल्क - भ्राम		उल्क - भद्रि		सिद्ध - सिद्ध	
21/10/2038		20/02/2039		22/08/2039		21/04/2040		20/02/2041	
20/02/2039		22/08/2039		21/04/2040		20/02/2041		02/07/2042	
पिंग	28/10/2038	धांय	07/03/2039	भ्राम	18/09/2039	भद्रि	02/06/2040	सिद्ध	27/05/2041
धांय	07/11/2038	भ्राम	28/03/2039	भद्रि	22/10/2039	उल्क	23/07/2040	संक	15/09/2041
भ्राम	21/11/2038	भद्रि	22/04/2039	उल्क	01/12/2039	सिद्ध	20/09/2040	मंग	29/09/2041
भद्रि	08/12/2038	उल्क	22/05/2039	सिद्ध	17/01/2040	संक	27/11/2040	पिंग	26/10/2041
उल्क	28/12/2038	सिद्ध	27/06/2039	संक	12/03/2040	मंग	05/12/2040	धांय	07/12/2041
सिद्ध	21/01/2039	संक	06/08/2039	मंग	18/03/2040	पिंग	22/12/2040	भ्राम	31/01/2042
संक	17/02/2039	मंग	12/08/2039	पिंग	01/04/2040	धांय	17/01/2041	भद्रि	10/04/2042
मंग	20/02/2039	पिंग	22/08/2039	धांय	21/04/2040	भ्राम	20/02/2041	उल्क	02/07/2042

सिद्ध - संक		सिद्ध - मंग		सिद्ध - पिंग		सिद्ध - धांय		सिद्ध - भ्राम	
02/07/2042		21/01/2044		01/04/2044		21/08/2044		22/03/2045	
21/01/2044		01/04/2044		21/08/2044		22/03/2045		31/12/2045	
संक	05/11/2042	मंग	23/01/2044	पिंग	09/04/2044	धांय	08/09/2044	भ्राम	23/04/2045
मंग	21/11/2042	पिंग	27/01/2044	धांय	21/04/2044	भ्राम	01/10/2044	भद्रि	01/06/2045
पिंग	22/12/2042	धांय	02/02/2044	भ्राम	06/05/2044	भद्रि	31/10/2044	उल्क	18/07/2045
धांय	08/02/2043	भ्राम	10/02/2044	भद्रि	26/05/2044	उल्क	05/12/2044	सिद्ध	12/09/2045
भ्राम	12/04/2043	भद्रि	19/02/2044	उल्क	19/06/2044	सिद्ध	16/01/2045	संक	14/11/2045
भद्रि	30/06/2043	उल्क	02/03/2044	सिद्ध	16/07/2044	संक	04/03/2045	मंग	22/11/2045
उल्क	02/10/2043	सिद्ध	16/03/2044	संक	17/08/2044	मंग	10/03/2045	पिंग	07/12/2045
सिद्ध	21/01/2044	संक	01/04/2044	मंग	21/08/2044	पिंग	22/03/2045	धांय	31/12/2045

कालचक्र दशा

भोग्य दशा काल : वृष 8 वर्ष 1 मास 17 दिन
कुल दशाकाल : 86 वर्ष
तिथि : विशाखा - 1 अपसव्य
देह : कर्क जीव : धनु

वृष 16 वर्ष		मिथुन 9 वर्ष		सिंह 5 वर्ष		कर्क 21 वर्ष		धनु 10 वर्ष	
07/07/1987		23/08/1995		22/08/2004		23/08/2009		23/08/2030	
23/08/1995		22/08/2004		23/08/2009		23/08/2030		22/08/2040	
	00/00/0000	मिथु	01/08/1996	सिंह	07/12/2004	कर्क	09/10/2014	धनु	22/10/2031
	00/00/0000	सिंह	08/02/1997	कर्क	26/02/2006	धनु	19/03/2017	मक	09/04/2032
	07/07/1987	कर्क	22/04/1999	धनु	26/09/2006	मक	10/03/2018	कुंभ	25/09/2032
कर्क	17/02/1989	धनु	08/05/2000	मक	20/12/2006	कुंभ	02/03/2019	मीन	24/11/2033
धनु	28/12/1990	मक	08/10/2000	कुंभ	15/03/2007	मीन	10/08/2021	मेष	17/09/2034
मक	26/09/1991	कुंभ	10/03/2001	मीन	13/10/2007	मेष	26/04/2023	वृष	28/07/2036
कुंभ	24/06/1992	मीन	27/03/2002	मेष	10/03/2008	वृष	23/03/2027	मिथु	14/08/2037
मीन	05/05/1994	मेष	20/12/2002	वृष	13/02/2009	मिथु	03/06/2029	सिंह	15/03/2038
मेष	23/08/1995	वृष	22/08/2004	मिथु	23/08/2009	सिंह	23/08/2030	कर्क	22/08/2040

मकर 4 वर्ष		कुम्भ 4 वर्ष		मीन 10 वर्ष		मेष 7 वर्ष		वृष 16 वर्ष	
22/08/2040		22/08/2044		22/08/2048		23/08/2058		23/08/2065	
22/08/2044		22/08/2048		23/08/2058		23/08/2065		00/00/0000	
मक	29/10/2040	कुंभ	29/10/2044	मीन	21/10/2049	मेष	19/03/2059	वृष	14/08/2068
कुंभ	05/01/2041	मीन	17/04/2045	मेष	14/08/2050	वृष	07/07/2060	मिथु	18/04/2070
मीन	24/06/2041	मेष	14/08/2045	वृष	24/06/2052	मिथु	31/03/2061	सिंह	23/03/2071
मेष	21/10/2041	वृष	13/05/2046	मिथु	11/07/2053	सिंह	27/08/2061	कर्क	06/07/2073
वृष	20/07/2042	मिथु	13/10/2046	सिंह	09/02/2054	कर्क	13/05/2063		00/00/0000
मिथु	20/12/2042	सिंह	06/01/2047	कर्क	19/07/2056	धनु	06/03/2064		00/00/0000
सिंह	15/03/2043	कर्क	29/12/2047	धनु	17/09/2057	मक	03/07/2064		00/00/0000
कर्क	06/03/2044	धनु	16/06/2048	मक	06/03/2058	कुंभ	29/10/2064		00/00/0000
धनु	22/08/2044	मक	22/08/2048	कुंभ	23/08/2058	मीन	23/08/2065		00/00/0000

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

कर्क - वृष		कर्क - मिथु		कर्क - सिंह		धनु - धनु		धनु - मक	
26/04/2023		23/03/2027		03/06/2029		23/08/2030		22/10/2031	
23/03/2027		03/06/2029		23/08/2030		22/10/2031		09/04/2032	
वृष	17/01/2024	मिथु	15/06/2027	सिंह	29/06/2029	धनु	11/10/2030	मक	30/10/2031
मिथु	14/06/2024	सिंह	01/08/2027	कर्क	16/10/2029	मक	31/10/2030	कुंभ	06/11/2031
सिंह	05/09/2024	कर्क	13/02/2028	धनु	07/12/2029	कुंभ	20/11/2030	मीन	26/11/2031
कर्क	20/08/2025	धनु	16/05/2028	मक	27/12/2029	मीन	08/01/2031	मेष	10/12/2031
धनु	01/02/2026	मक	23/06/2028	कुंभ	17/01/2030	मेष	12/02/2031	वृष	11/01/2032
मक	09/04/2026	कुंभ	30/07/2028	मीन	10/03/2030	वृष	02/05/2031	मिथु	28/01/2032
कुंभ	14/06/2026	मीन	31/10/2028	मेष	15/04/2030	मिथु	15/06/2031	सिंह	07/02/2032
मीन	27/11/2026	मेष	05/01/2029	वृष	07/07/2030	सिंह	10/07/2031	कर्क	20/03/2032
मेष	23/03/2027	वृष	03/06/2029	मिथु	23/08/2030	कर्क	22/10/2031	धनु	09/04/2032

धनु - कुंभ		धनु - मीन		धनु - मेष		धनु - वृष		धनु - मिथु	
09/04/2032		25/09/2032		24/11/2033		17/09/2034		28/07/2036	
25/09/2032		24/11/2033		17/09/2034		28/07/2036		14/08/2037	
कुंभ	16/04/2032	मीन	14/11/2032	मेष	18/12/2033	वृष	22/01/2035	मिथु	06/09/2036
मीन	06/05/2032	मेष	18/12/2032	वृष	12/02/2034	मिथु	03/04/2035	सिंह	28/09/2036
मेष	20/05/2032	वृष	07/03/2033	मिथु	15/03/2034	सिंह	12/05/2035	कर्क	31/12/2036
वृष	21/06/2032	मिथु	21/04/2033	सिंह	01/04/2034	कर्क	25/10/2035	धनु	13/02/2037
मिथु	08/07/2032	सिंह	16/05/2033	कर्क	13/06/2034	धनु	12/01/2036	मक	03/03/2037
सिंह	18/07/2032	कर्क	27/08/2033	धनु	17/07/2034	मक	13/02/2036	कुंभ	21/03/2037
कर्क	29/08/2032	धनु	16/10/2033	मक	31/07/2034	कुंभ	16/03/2036	मीन	04/05/2037
धनु	18/09/2032	मक	04/11/2033	कुंभ	14/08/2034	मीन	03/06/2036	मेष	04/06/2037
मक	25/09/2032	कुंभ	24/11/2033	मीन	17/09/2034	मेष	28/07/2036	वृष	14/08/2037

धनु - सिंह		धनु - कर्क		मक - मक		मक - कुंभ		मक - मीन	
14/08/2037		15/03/2038		22/08/2040		29/10/2040		05/01/2041	
15/03/2038		22/08/2040		29/10/2040		05/01/2041		24/06/2041	
सिंह	27/08/2037	कर्क	18/10/2038	मक	26/08/2040	कुंभ	02/11/2040	मीन	25/01/2041
कर्क	17/10/2037	धनु	30/01/2039	कुंभ	29/08/2040	मीन	09/11/2040	मेष	08/02/2041
धनु	11/11/2037	मक	13/03/2039	मीन	06/09/2040	मेष	15/11/2040	वृष	12/03/2041
मक	21/11/2037	कुंभ	23/04/2039	मेष	11/09/2040	वृष	28/11/2040	मिथु	29/03/2041
कुंभ	01/12/2037	मीन	05/08/2039	वृष	24/09/2040	मिथु	05/12/2040	सिंह	08/04/2041
मीन	26/12/2037	मेष	16/10/2039	मिथु	01/10/2040	सिंह	09/12/2040	कर्क	20/05/2041
मेष	12/01/2038	वृष	30/03/2040	सिंह	05/10/2040	कर्क	25/12/2040	धनु	08/06/2041
वृष	20/02/2038	मिथु	02/07/2040	कर्क	22/10/2040	धनु	02/01/2041	मक	16/06/2041
मिथु	15/03/2038	सिंह	22/08/2040	धनु	29/10/2040	मक	05/01/2041	कुंभ	24/06/2041

कालचक्र दशा - प्रत्यन्तर

मक - मेष		मक - वृष		मक - मिथु		मक - सिंह		मक - कर्क	
24/06/2041		21/10/2041		20/07/2042		20/12/2042		15/03/2043	
21/10/2041		20/07/2042		20/12/2042		15/03/2043		06/03/2044	
मेष	04/07/2041	वृष	11/12/2041	मिथु	05/08/2042	सिंह	25/12/2042	कर्क	10/06/2043
वृष	26/07/2041	मिथु	08/01/2042	सिंह	14/08/2042	कर्क	15/01/2043	धनु	21/07/2043
मिथु	08/08/2041	सिंह	24/01/2042	कर्क	20/09/2042	धनु	24/01/2043	मक	07/08/2043
सिंह	14/08/2041	कर्क	31/03/2042	धनु	08/10/2042	मक	28/01/2043	कुंभ	24/08/2043
कर्क	12/09/2041	धनु	02/05/2042	मक	15/10/2042	कुंभ	01/02/2043	मीन	04/10/2043
धनु	26/09/2041	मक	15/05/2042	कुंभ	22/10/2042	मीन	11/02/2043	मेष	02/11/2043
मक	02/10/2041	कुंभ	27/05/2042	मीन	09/11/2042	मेष	18/02/2043	वृष	08/01/2044
कुंभ	07/10/2041	मीन	28/06/2042	मेष	21/11/2042	वृष	06/03/2043	मिथु	14/02/2044
मीन	21/10/2041	मेष	20/07/2042	वृष	20/12/2042	मिथु	15/03/2043	सिंह	06/03/2044

मक - धनु		कुंभ - कुंभ		कुंभ - मीन		कुंभ - मेष		कुंभ - वृष	
06/03/2044		22/08/2044		29/10/2044		17/04/2045		14/08/2045	
22/08/2044		29/10/2044		17/04/2045		14/08/2045		13/05/2046	
धनु	25/03/2044	कुंभ	26/08/2044	मीन	18/11/2044	मेष	27/04/2045	वृष	04/10/2045
मक	02/04/2044	मीन	03/09/2044	मेष	02/12/2044	वृष	19/05/2045	मिथु	01/11/2045
कुंभ	10/04/2044	मेष	08/09/2044	वृष	03/01/2045	मिथु	01/06/2045	सिंह	17/11/2045
मीन	30/04/2044	वृष	21/09/2044	मिथु	20/01/2045	सिंह	07/06/2045	कर्क	22/01/2046
मेष	14/05/2044	मिथु	28/09/2044	सिंह	30/01/2045	कर्क	07/07/2045	धनु	23/02/2046
वृष	14/06/2044	सिंह	02/10/2044	कर्क	13/03/2045	धनु	20/07/2045	मक	08/03/2046
मिथु	02/07/2044	कर्क	18/10/2044	धनु	02/04/2045	मक	26/07/2045	कुंभ	20/03/2046
सिंह	12/07/2044	धनु	26/10/2044	मक	09/04/2045	कुंभ	31/07/2045	मीन	21/04/2046
कर्क	22/08/2044	मक	29/10/2044	कुंभ	17/04/2045	मीन	14/08/2045	मेष	13/05/2046

कुंभ - मिथु		कुंभ - सिंह		कुंभ - कर्क		कुंभ - धनु		कुंभ - मक	
13/05/2046		13/10/2046		06/01/2047		29/12/2047		16/06/2048	
13/10/2046		06/01/2047		29/12/2047		16/06/2048		22/08/2048	
मिथु	29/05/2046	सिंह	18/10/2046	कर्क	03/04/2047	धनु	17/01/2048	मक	19/06/2048
सिंह	07/06/2046	कर्क	08/11/2046	धनु	14/05/2047	मक	25/01/2048	कुंभ	22/06/2048
कर्क	14/07/2046	धनु	17/11/2046	मक	31/05/2047	कुंभ	02/02/2048	मीन	30/06/2048
धनु	01/08/2046	मक	21/11/2046	कुंभ	17/06/2047	मीन	22/02/2048	मेष	05/07/2048
मक	08/08/2046	कुंभ	25/11/2046	मीन	28/07/2047	मेष	07/03/2048	वृष	18/07/2048
कुंभ	15/08/2046	मीन	05/12/2046	मेष	26/08/2047	वृष	07/04/2048	मिथु	25/07/2048
मीन	02/09/2046	मेष	12/12/2046	वृष	01/11/2047	मिथु	25/04/2048	सिंह	29/07/2048
मेष	14/09/2046	वृष	28/12/2046	मिथु	08/12/2047	सिंह	05/05/2048	कर्क	15/08/2048
वृष	13/10/2046	मिथु	06/01/2047	सिंह	29/12/2047	कर्क	16/06/2048	धनु	22/08/2048

चर दशा

भोग्य दशा काल : वृष 1 वर्ष 0 मास 0 दिन

वृष 1 वर्ष	
07/07/1987	
06/07/1988	
मेष	06/08/1987
मीन	05/09/1987
कुंभ	06/10/1987
मक	05/11/1987
धनु	06/12/1987
वृश्चि	05/01/1988
तुला	05/02/1988
कन्या	06/03/1988
सिंह	06/04/1988
कर्क	06/05/1988
मिथु	05/06/1988
वृष	06/07/1988

मेष 3 वर्ष	
06/07/1988	
07/07/1991	
वृष	05/10/1988
मिथु	04/01/1989
कर्क	06/04/1989
सिंह	06/07/1989
कन्या	05/10/1989
तुला	05/01/1990
वृश्चि	06/04/1990
धनु	06/07/1990
मक	06/10/1990
कुंभ	05/01/1991
मीन	06/04/1991
मेष	07/07/1991

मीन 11 वर्ष	
07/07/1991	
06/07/2002	
मेष	05/06/1992
वृष	06/05/1993
मिथु	06/04/1994
कर्क	07/03/1995
सिंह	05/02/1996
कन्या	04/01/1997
तुला	05/12/1997
वृश्चि	05/11/1998
धनु	06/10/1999
मक	05/09/2000
कुंभ	06/08/2001
मीन	06/07/2002

कुम्भ 3 वर्ष	
06/07/2002	
06/07/2005	
मीन	06/10/2002
मेष	05/01/2003
वृष	06/04/2003
मिथु	07/07/2003
कर्क	06/10/2003
सिंह	05/01/2004
कन्या	06/04/2004
तुला	06/07/2004
वृश्चि	05/10/2004
धनु	04/01/2005
मक	06/04/2005
कुंभ	06/07/2005

मकर 2 वर्ष	
06/07/2005	
07/07/2007	
धनु	05/09/2005
वृश्चि	05/11/2005
तुला	05/01/2006
कन्या	07/03/2006
सिंह	06/05/2006
कर्क	06/07/2006
मिथु	05/09/2006
वृष	05/11/2006
मेष	05/01/2007
मीन	07/03/2007
कुंभ	07/05/2007
मक	07/07/2007

धनु 4 वर्ष	
07/07/2007	
07/07/2011	
वृश्चि	05/11/2007
तुला	06/03/2008
कन्या	06/07/2008
सिंह	05/11/2008
कर्क	06/03/2009
मिथु	06/07/2009
वृष	05/11/2009
मेष	07/03/2010
मीन	06/07/2010
कुंभ	05/11/2010
मक	07/03/2011
धनु	07/07/2011

वृश्चिक 10 वर्ष	
07/07/2011	
06/07/2021	
तुला	06/05/2012
कन्या	06/03/2013
सिंह	05/01/2014
कर्क	05/11/2014
मिथु	05/09/2015
वृष	06/07/2016
मेष	06/05/2017
मीन	07/03/2018
कुंभ	05/01/2019
मक	05/11/2019
धनु	05/09/2020
वृश्चि	06/07/2021

तुला 8 वर्ष	
06/07/2021	
06/07/2029	
वृश्चि	07/03/2022
धनु	05/11/2022
मक	07/07/2023
कुंभ	06/03/2024
मीन	05/11/2024
मेष	06/07/2025
वृष	07/03/2026
मिथु	05/11/2026
कर्क	07/07/2027
सिंह	06/03/2028
कन्या	05/11/2028
तुला	06/07/2029

कन्या 3 वर्ष	
06/07/2029	
06/07/2032	
तुला	05/10/2029
वृश्चि	05/01/2030
धनु	06/04/2030
मक	06/07/2030
कुंभ	06/10/2030
मीन	05/01/2031
मेष	06/04/2031
वृष	07/07/2031
मिथु	06/10/2031
कर्क	05/01/2032
सिंह	06/04/2032
कन्या	06/07/2032

सिंह 2 वर्ष	
06/07/2032	
06/07/2034	
कन्या	05/09/2032
तुला	05/11/2032
वृश्चि	04/01/2033
धनु	06/03/2033
मक	06/05/2033
कुंभ	06/07/2033
मीन	05/09/2033
मेष	05/11/2033
वृष	05/01/2034
मिथु	07/03/2034
कर्क	06/05/2034
सिंह	06/07/2034

कर्क 9 वर्ष	
06/07/2034	
07/07/2043	
मिथु	06/04/2035
वृष	05/01/2036
मेष	05/10/2036
मीन	06/07/2037
कुंभ	06/04/2038
मक	05/01/2039
धनु	06/10/2039
वृश्चि	06/07/2040
तुला	06/04/2041
कन्या	05/01/2042
सिंह	06/10/2042
कर्क	07/07/2043

मिथुन 12 वर्ष	
07/07/2043	
07/07/2055	
वृष	06/07/2044
मेष	06/07/2045
मीन	06/07/2046
कुंभ	07/07/2047
मक	06/07/2048
धनु	06/07/2049
वृश्चि	06/07/2050
तुला	07/07/2051
कन्या	06/07/2052
सिंह	06/07/2053
कर्क	06/07/2054
मिथु	07/07/2055

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।

चर दशा - प्रत्यन्तर

तुला - मिथु		तुला - कर्क		तुला - सिंह		तुला - कन्या		तुला - तुला	
07/03/2026		05/11/2026		07/07/2027		06/03/2028		05/11/2028	
05/11/2026		07/07/2027		06/03/2028		05/11/2028		06/07/2029	
वृष	27/03/2026	मिथु	25/11/2026	कन्या	27/07/2027	तुला	26/03/2028	वृश्चि	25/11/2028
मेष	16/04/2026	वृष	16/12/2026	तुला	16/08/2027	वृश्चि	16/04/2028	धनु	15/12/2028
मीन	06/05/2026	मेष	05/01/2027	वृश्चि	05/09/2027	धनु	06/05/2028	मक	04/01/2029
कुंभ	27/05/2026	मीन	25/01/2027	धनु	26/09/2027	मक	26/05/2028	कुंभ	25/01/2029
मक	16/06/2026	कुंभ	15/02/2027	मक	16/10/2027	कुंभ	16/06/2028	मीन	14/02/2029
धनु	06/07/2026	मक	07/03/2027	कुंभ	05/11/2027	मीन	06/07/2028	मेष	06/03/2029
वृश्चि	27/07/2026	धनु	27/03/2027	मीन	26/11/2027	मेष	26/07/2028	वृष	27/03/2029
तुला	16/08/2026	वृश्चि	16/04/2027	मेष	16/12/2027	वृष	15/08/2028	मिथु	16/04/2029
कन्या	05/09/2026	तुला	07/05/2027	वृष	05/01/2028	मिथु	05/09/2028	कर्क	06/05/2029
सिंह	26/09/2026	कन्या	27/05/2027	मिथु	26/01/2028	कर्क	25/09/2028	सिंह	27/05/2029
कर्क	16/10/2026	सिंह	16/06/2027	कर्क	15/02/2028	सिंह	15/10/2028	कन्या	16/06/2029
मिथु	05/11/2026	कर्क	07/07/2027	सिंह	06/03/2028	कन्या	05/11/2028	तुला	06/07/2029

कन्या - तुला		कन्या - वृश्चि		कन्या - धनु		कन्या - मक		कन्या - कुंभ	
06/07/2029		05/10/2029		05/01/2030		06/04/2030		06/07/2030	
05/10/2029		05/01/2030		06/04/2030		06/07/2030		06/10/2030	
वृश्चि	14/07/2029	तुला	13/10/2029	वृश्चि	12/01/2030	धनु	14/04/2030	मीन	14/07/2030
धनु	21/07/2029	कन्या	21/10/2029	तुला	20/01/2030	वृश्चि	21/04/2030	मेष	22/07/2030
मक	29/07/2029	सिंह	28/10/2029	कन्या	28/01/2030	तुला	29/04/2030	वृष	29/07/2030
कुंभ	06/08/2029	कर्क	05/11/2029	सिंह	04/02/2030	कन्या	06/05/2030	मिथु	06/08/2030
मीन	13/08/2029	मिथु	12/11/2029	कर्क	12/02/2030	सिंह	14/05/2030	कर्क	13/08/2030
मेष	21/08/2029	वृष	20/11/2029	मिथु	19/02/2030	कर्क	22/05/2030	सिंह	21/08/2030
वृष	28/08/2029	मेष	28/11/2029	वृष	27/02/2030	मिथु	29/05/2030	कन्या	29/08/2030
मिथु	05/09/2029	मीन	05/12/2029	मेष	07/03/2030	वृष	06/06/2030	तुला	05/09/2030
कर्क	13/09/2029	कुंभ	13/12/2029	मीन	14/03/2030	मेष	14/06/2030	वृश्चि	13/09/2030
सिंह	20/09/2029	मक	21/12/2029	कुंभ	22/03/2030	मीन	21/06/2030	धनु	20/09/2030
कन्या	28/09/2029	धनु	28/12/2029	मक	29/03/2030	कुंभ	29/06/2030	मक	28/09/2030
तुला	05/10/2029	वृश्चि	05/01/2030	धनु	06/04/2030	मक	06/07/2030	कुंभ	06/10/2030

कन्या - मीन		कन्या - मेष		कन्या - वृष		कन्या - मिथु		कन्या - कर्क	
06/10/2030		05/01/2031		06/04/2031		07/07/2031		06/10/2031	
05/01/2031		06/04/2031		07/07/2031		06/10/2031		05/01/2032	
मेष	13/10/2030	वृष	13/01/2031	मेष	14/04/2031	वृष	14/07/2031	मिथु	14/10/2031
वृष	21/10/2030	मिथु	20/01/2031	मीन	22/04/2031	मेष	22/07/2031	वृष	21/10/2031
मिथु	29/10/2030	कर्क	28/01/2031	कुंभ	29/04/2031	मीन	29/07/2031	मेष	29/10/2031
कर्क	05/11/2030	सिंह	04/02/2031	मक	07/05/2031	कुंभ	06/08/2031	मीन	05/11/2031
सिंह	13/11/2030	कन्या	12/02/2031	धनु	14/05/2031	मक	14/08/2031	कुंभ	13/11/2031
कन्या	20/11/2030	तुला	20/02/2031	वृश्चि	22/05/2031	धनु	21/08/2031	मक	21/11/2031
तुला	28/11/2030	वृश्चि	27/02/2031	तुला	30/05/2031	वृश्चि	29/08/2031	धनु	28/11/2031
वृश्चि	06/12/2030	धनु	07/03/2031	कन्या	06/06/2031	तुला	05/09/2031	वृश्चि	06/12/2031
धनु	13/12/2030	मक	14/03/2031	सिंह	14/06/2031	कन्या	13/09/2031	तुला	13/12/2031
मक	21/12/2030	कुंभ	22/03/2031	कर्क	21/06/2031	सिंह	21/09/2031	कन्या	21/12/2031
कुंभ	28/12/2030	मीन	30/03/2031	मिथु	29/06/2031	कर्क	28/09/2031	सिंह	29/12/2031
मीन	05/01/2031	मेष	06/04/2031	वृष	07/07/2031	मिथु	06/10/2031	कर्क	05/01/2032

चर दशा - प्रत्यन्तर

कन्या - सिंह		कन्या - कन्या		सिंह - कन्या		सिंह - तुला		सिंह - वृश्चि	
05/01/2032		06/04/2032		06/07/2032		05/09/2032		05/11/2032	
06/04/2032		06/07/2032		05/09/2032		05/11/2032		04/01/2033	
कन्या	13/01/2032	तुला	13/04/2032	तुला	11/07/2032	वृश्चि	10/09/2032	तुला	10/11/2032
तुला	20/01/2032	वृश्चि	21/04/2032	वृश्चि	16/07/2032	धनु	15/09/2032	कन्या	15/11/2032
वृश्चि	28/01/2032	धनु	28/04/2032	धनु	21/07/2032	मक	20/09/2032	सिंह	20/11/2032
धनु	05/02/2032	मक	06/05/2032	मक	26/07/2032	कुंभ	25/09/2032	कर्क	25/11/2032
मक	12/02/2032	कुंभ	14/05/2032	कुंभ	31/07/2032	मीन	30/09/2032	मिथु	30/11/2032
कुंभ	20/02/2032	मीन	21/05/2032	मीन	05/08/2032	मेष	05/10/2032	वृष	05/12/2032
मीन	28/02/2032	मेष	29/05/2032	मेष	10/08/2032	वृष	10/10/2032	मेष	10/12/2032
मेष	06/03/2032	वृष	05/06/2032	वृष	15/08/2032	मिथु	15/10/2032	मीन	15/12/2032
वृष	14/03/2032	मिथु	13/06/2032	मिथु	21/08/2032	कर्क	20/10/2032	कुंभ	20/12/2032
मिथु	21/03/2032	कर्क	21/06/2032	कर्क	26/08/2032	सिंह	25/10/2032	मक	25/12/2032
कर्क	29/03/2032	सिंह	28/06/2032	सिंह	31/08/2032	कन्या	31/10/2032	धनु	30/12/2032
सिंह	06/04/2032	कन्या	06/07/2032	कन्या	05/09/2032	तुला	05/11/2032	वृश्चि	04/01/2033

सिंह - धनु		सिंह - मक		सिंह - कुंभ		सिंह - मीन		सिंह - मेष	
04/01/2033		06/03/2033		06/05/2033		06/07/2033		05/09/2033	
06/03/2033		06/05/2033		06/07/2033		05/09/2033		05/11/2033	
वृश्चि	10/01/2033	धनु	11/03/2033	मीन	11/05/2033	मेष	11/07/2033	वृष	10/09/2033
तुला	15/01/2033	वृश्चि	17/03/2033	मेष	16/05/2033	वृष	16/07/2033	मिथु	15/09/2033
कन्या	20/01/2033	तुला	22/03/2033	वृष	21/05/2033	मिथु	21/07/2033	कर्क	20/09/2033
सिंह	25/01/2033	कन्या	27/03/2033	मिथु	27/05/2033	कर्क	26/07/2033	सिंह	25/09/2033
कर्क	30/01/2033	सिंह	01/04/2033	कर्क	01/06/2033	सिंह	31/07/2033	कन्या	30/09/2033
मिथु	04/02/2033	कर्क	06/04/2033	सिंह	06/06/2033	कन्या	06/08/2033	तुला	05/10/2033
वृष	09/02/2033	मिथु	11/04/2033	कन्या	11/06/2033	तुला	11/08/2033	वृश्चि	10/10/2033
मेष	14/02/2033	वृष	16/04/2033	तुला	16/06/2033	वृश्चि	16/08/2033	धनु	16/10/2033
मीन	19/02/2033	मेष	21/04/2033	वृश्चि	21/06/2033	धनु	21/08/2033	मक	21/10/2033
कुंभ	24/02/2033	मीन	26/04/2033	धनु	26/06/2033	मक	26/08/2033	कुंभ	26/10/2033
मक	01/03/2033	कुंभ	01/05/2033	मक	01/07/2033	कुंभ	31/08/2033	मीन	31/10/2033
धनु	06/03/2033	मक	06/05/2033	कुंभ	06/07/2033	मीन	05/09/2033	मेष	05/11/2033

सिंह - वृष		सिंह - मिथु		सिंह - कर्क		सिंह - सिंह		कर्क - मिथु	
05/11/2033		05/01/2034		07/03/2034		06/05/2034		06/07/2034	
05/01/2034		07/03/2034		06/05/2034		06/07/2034		06/04/2035	
मेष	10/11/2033	वृष	10/01/2034	मिथु	12/03/2034	कन्या	12/05/2034	वृष	29/07/2034
मीन	15/11/2033	मेष	15/01/2034	वृष	17/03/2034	तुला	17/05/2034	मेष	21/08/2034
कुंभ	20/11/2033	मीन	20/01/2034	मेष	22/03/2034	वृश्चि	22/05/2034	मीन	13/09/2034
मक	25/11/2033	कुंभ	25/01/2034	मीन	27/03/2034	धनु	27/05/2034	कुंभ	06/10/2034
धनु	30/11/2033	मक	30/01/2034	कुंभ	01/04/2034	मक	01/06/2034	मक	29/10/2034
वृश्चि	05/12/2033	धनु	04/02/2034	मक	06/04/2034	कुंभ	06/06/2034	धनु	20/11/2034
तुला	10/12/2033	वृश्चि	09/02/2034	धनु	11/04/2034	मीन	11/06/2034	वृश्चि	13/12/2034
कन्या	15/12/2033	तुला	14/02/2034	वृश्चि	16/04/2034	मेष	16/06/2034	तुला	05/01/2035
सिंह	21/12/2033	कन्या	19/02/2034	तुला	21/04/2034	वृष	21/06/2034	कन्या	28/01/2035
कर्क	26/12/2033	सिंह	24/02/2034	कन्या	26/04/2034	मिथु	26/06/2034	सिंह	20/02/2035
मिथु	31/12/2033	कर्क	02/03/2034	सिंह	01/05/2034	कर्क	01/07/2034	कर्क	14/03/2035
वृष	05/01/2034	मिथु	07/03/2034	कर्क	06/05/2034	सिंह	06/07/2034	मिथु	06/04/2035

शुभाशुभ ज्ञानम्

शुभाशुभज्ञान आपको अपने मित्र एवं शत्रु वर्ग का बोध कराता है। मूलांक, भाग्यांक एवं मित्रांको से मित्रता एवं साझेदारी करने से लाभ तथा सहयोग की प्राप्ति होती है। साथ ही शुभ दिन एवं वर्ष उन्नति कारक तथा शुभ ग्रहों की दशाएं लाभदायक होती हैं। इसी प्रकार मित्रलग्न लाभदायक एवं मित्र राशि से घनिष्ठता होती है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न, द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान का दैनिक जीवन में प्रयोग शुभफलदायक सिद्ध हो सकता है।

मूलांक	7
भाग्यांक	3
मित्र अंक	2, 3, 6, 7
शत्रु अंक	4, 5, 8
शुभ वर्ष	25,34,43,52,61
शुभ दिन	शनि, बुध, शुक्र
शुभ ग्रह	शनि, बुध, शुक्र
मित्र राशि	मकर, मिथुन
मित्र लग्न	सिंह, मकर, मीन
अनुकूल देवता	लक्ष्मी
शुभ रत्न	हीरा
शुभ उपरत्न	जरकिन, ओपल
भाग्य रत्न	नीलम
शुभ धातु	रजत
शुभ रंग	रजत
शुभ दिशा	दक्षिणपूर्व
शुभ समय	सूर्योदय
दान पदार्थ	मिसरी, दधि, श्वेतचन्दन
दान अन्न	चावल
दान द्रव्य	दूध

रत्न चयन

रत्न जीवन में शुभत्व की वृद्धि के लिए धारण किए जाते हैं। वैज्ञानिक रूप से, रत्न अपने ग्रह की राशियों को पूर्णमात्रा में मानव शरीर में प्रवाहित कर ग्रह प्रभाव की वृद्धि करते हैं। यही कारण है कि रत्न केवल शुभ ग्रहों का ही धारण किया जाता है। ग्रह शुभ माना जाता है यदि यह लग्न, त्रिकोण या केन्द्र में स्थापित हो या स्वामी हो। यह अशुभ होता है यदि यह त्रिक भाव से संबंधित हो। मित्रों की युति या दृष्टि भी इसकी शुभता बढ़ाती है। बाधक भाव का स्वामित्व शुभता कम कर देता है। चर लग्नों में एकादश, स्थिर में नवम व द्विस्वभाव में सप्तम भाव की बाधक संज्ञा है। उपरोक्त तथ्य रत्न चयन हेतु ग्रह की शुभता दर्शाते हैं।

नीचे जन्मकुण्डली में ग्रहों की शुभता को सारणी व ग्राफ में दर्शित किया गया है। साथ ही कौन सा ग्रह किस क्षेत्र में कार्य सिद्ध कर सकता है दिया गया है। विभिन्न दशाओं में विभिन्न रत्नों की शुभता भी नीचे तालिका में दी गई है। जिस ग्रह को 75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उसके रत्न हमें सर्वदा बिना दशा विचार के धारण करने चाहिए। जिन्हें 50-75 प्रतिशत शुभता प्राप्त है उन्हें कार्य क्षेत्र अनुसार व अनुकूल दशा में धारण करना चाहिए। जो रत्न केवल 25-50 प्रतिशत शुभता लिए हैं उनके रत्न केवल उनकी या उनके मित्रों की दशा में धारण करने चाहिए। अन्ततः जिन्हें 25 प्रतिशत से भी कम शुभता प्राप्त है वे ग्रह अपने लिए अशुभ ही समझें और उनके रत्नों को पहनने से बचना चाहिए।

रत्न	ग्रह	शुभता	क्षेत्र
पन्ना	बुध	95%	धन, सन्तति सुख
नीलम	शनि	83%	दम्पति, भाग्योदय, व्यावसायिक उन्नति
हीरा	शुक्र	77%	धन, स्वास्थ्य, शत्रु व रोग मुक्ति
लहसुनिया	केतु	72%	सन्तति सुख, धन
माणिक्य	सूर्य	67%	धन, सुख
गोमेद	राहु	38%	हानि, व्यय
मोती	चंद्र	19%	शत्रु व रोग, पराक्रम हानि
मूंगा	मंगल	0%	पराक्रम हानि, व्यय, दाम्पत्य कष्ट
पुखराज	गुरु	0%	व्यय, दुर्घटना, हानि

रत्न की शुभता

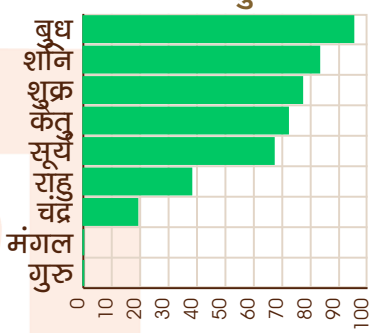

दशानुसार रत्न विचार

दशा	समाप्ति	माणिक्य	मोती	मूंगा	पन्ना	पुखराज	हीरा	नीलम	गोमेद	लहसुनिया
गुरु	08/07/2001	73%	31%	0%	82%	3%	64%	83%	38%	72%
शनि	08/07/2020	55%	0%	0%	100%	0%	83%	95%	50%	59%
बुध	08/07/2037	73%	0%	0%	100%	0%	83%	83%	38%	72%
केतु	08/07/2044	55%	0%	0%	95%	0%	83%	70%	12%	84%
शुक्र	08/07/2064	55%	0%	0%	100%	0%	89%	89%	50%	78%
सूर्य	09/07/2070	80%	31%	0%	95%	0%	64%	70%	12%	59%
चंद्र	08/07/2080	73%	44%	0%	100%	0%	77%	83%	12%	59%
मंगल	09/07/2087	73%	31%	6%	82%	0%	77%	83%	12%	78%
राहु	09/07/2105	55%	0%	0%	95%	0%	83%	89%	56%	59%

विस्तृत रत्न विचार

औषधि मणि मंत्राणां, ग्रह-नक्षत्र तारिका ।
भाग्यकाले भवेत्सिद्धिः अभाग्यं निष्फलं भवेत ।।

औषधि, मणि एवं मंत्र ग्रह नक्षत्र जनित रोगों को दूर करते हैं। यदि समय सही है तो इनसे उपयुक्त फल प्राप्त होते हैं। विपरीत समय में ये सभी निष्फल हो जाते हैं।

रत्न शरीर की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी चमत्कारिक शक्ति द्वारा ग्रहों के विपरीत प्रभावों को कम करके ग्रह बल को बढ़ाते है। रत्न हमारे शरीर में ग्रहों से आ रही किरणों का प्रवाह बढ़ाते हैं। अतः जो ग्रह आपकी कुण्डली में शुभ हो लेकिन निर्बल हो उनका रत्न पहनने से ग्रह की निर्बलता दूर होती है। यही कारण है कि अशुभ ग्रहों के रत्न सर्वदा त्याज्य है।

रत्न जितना साफ व सही कटाव का होगा उतना ही अधिक रश्मियों को एकत्रित करने में सक्षम होता है। अतः अच्छी गुणवत्ता के रत्न ही पूर्णतः फल देने में समर्थ होते है। रत्न का वजन व शरीर का वजन ग्रह की निर्बलता के अनुपात में होना चाहिए। यदि ग्रह बहुत कमजोर है तो अधिक वजन का रत्न पहनना चाहिए। हीरे को छोड़कर रत्न शरीर से छुना अति आवश्यक हैं। अंगूली में व विशेष धातु में पहनने से रत्न का प्रभाव अधिकतम होता है।

यदि किसी कारणवश रत्न उतारना है तो रत्न के वार के दिन ही उतारकर श्रद्धापूर्वक गंगाजल में धोकर सुरक्षित स्थान पर रखना चाहिए। यदि रत्न खो जाए या चोरी हो जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह दोष खत्म हो गया है। यदि रत्न का रंग फिका पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह का अशुभ प्रभाव शांत हुआ समझना चाहिए। यदि रत्न में दरार पड़ जाए तो यह समझना चाहिए कि ग्रह प्रभावशाली है तब ग्रह की शांति कराए तथा दूसरा रत्न बनवाकर पुनः पहनें।

कुंडली में जो ग्रह अशुभ हो उनके लिए रुद्राक्ष धारण, मंत्र, दान, जल, विसर्जन एवं व्रत आदि उपायों से ग्रहों की अशुभता को दूर किया जा सकता है। यदि आप किसी कारणवश रत्न धारण करने में असमर्थ है तो आप इन रत्नों के रुद्राक्ष या उपरत्न धारण कर ग्रह शुभता प्राप्त कर सकते है अन्यथा मंत्र जाप। दान या व्रत आदि से भी ग्रहों का बलाबल बढ़ा सकते है।

किसी भी कुंडली के लिए लग्नेश जीवन रत्न होता है और इसके धारण करने से स्वास्थ्य लाभ व व्यक्तित्व विकास व मान-सम्मान प्राप्त होता है। नवमेश का रत्न भाग्य रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से भाग्य की बढ़ोतरी होते है। साथ ही यह रत्न मान-प्रतिष्ठा भी बढ़ाता है। योगकारक या पंचमेश ग्रह का रत्न। कारक रत्न कहलाता है। इसके धारण करने से कार्य में प्रगति। धन लाभ व चौमुखी विकास प्राप्त होता है। आपको कौन सा रत्न पहनना चाहिए व कौन सा नहीं इसके लाभ/हानि की जानकारी विस्तृत रूप में नीचे दी जा रही है।

शुभरत्न धातु एवं रंग धारण करने से शारीरिक एवं मानसिक स्वस्थता बनी रहती है तथा भाग्य रत्न धारण करने से सौभाग्य में वृद्धि होती है। शुभ समय में कोई भी कार्य प्रारम्भ करने से उसमें इच्छित सफलता की प्राप्ति होती है। साथ ही इष्टदेव का ध्यान एवं जप से मानसिक शान्ति तथा सफलता मिलती है। शुभ पदार्थ अन्न। द्रव्य आदि का दान या व्यापार शुभ दिशा में करने से वांछित लाभ प्राप्त होता है। इस प्रकार शुभाशुभज्ञान सिद्ध हो सकता है।

आपकी कुडंली और रत्न

आपके लिए पन्ना, नीलम व हीरा रत्न धारण करना अति शुभ फलदायक है। इन्हें आप सर्वदा धारण करेंगे तो आपके जीवन का चहुंमुखी विकास होगा। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

नीलम आपका भाग्य रत्न है। इस रत्न को धारण करने से आपके भाग्य की वृद्धि होगी। रुके हुए कार्य सुगमता पूर्वक बनेंगे। मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभ यात्राएं होंगी। मानसिक विकार दूर होंगे। धन लाभ व व्यावसायिक उन्नति होगी।

हीरा आपका जीवन रत्न है इसको धारण करने से आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य क्षेत्र में प्रगति होगी।

पन्ना आपका कारक रत्न है। कारक रत्न के धारण करने से व्यावसायिक उन्नति प्राप्त होती है। धन लाभ होता है। सुख सम्पत्ति की प्राप्ति होती है। जीवन में नयी ऊर्जा का प्रवाह होता है।

अतः उपरोक्त रत्न आप अवश्य धारण करें। सभी रत्न जीवन पर्यन्त धारण करने से ग्रहों की विशेष शुभता प्राप्त होगी और जीवन सुखमय होकर गतिमान होगा। उपरोक्त रत्न आप बिना किसी दशा या गोचर विचार के धारण कर सकते हैं क्योंकि सभी रत्न अति शुभफलदायी हैं।

आपके लिए लहसुनिया एवं माणिक्य रत्न शुभ हैं लेकिन ये रत्न दशानुसार शुभाशुभ फल देने में सक्षम है। अतः इन्हें आप स्वदशा या मित्र दशा में धारण करेंगे तो ये शुभ फल देंगे। शत्रु दशा में इनको नहीं पहनना ही बेहतर होगा। उस समय इन ग्रहों के उपाय आप रुद्राक्ष पहन कर या दान, मंत्र जाप आदि से करना श्रेष्ठ होगा।

गोमेद रत्न आपके लिए नेष्ट है। अतः इसे न पहनना ही बेहतर है। इसे धारण करने से आपको मानसिक परेशानी एवं स्वास्थ्य हानि हो सकती है। अतः यदि इसे धारण करना हो तो इसकी अनुकूलता का परीक्षण अवश्य कर लें और विभिन्न दशाओं में इसकी अनुकूलता का परिक्षण करते रहें, क्योंकि यह रत्न आपके लिए किसी दशा या गोचर में विशेष कष्टकारी भी हो सकता है।

मोती, मूंगा व पुखराज रत्न पहनना आपके लिए कष्टकारी सिद्ध हो सकता है। क्योंकि इनके स्वामी ग्रह आपकी कुंडली में बिल्कुल भी शुभ फलदायक नहीं हैं। अतः इन रत्नों का आप सर्वदा त्याग ही करें। इनके पहनने से आपको सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य के

पक्ष से विपरीत फल प्राप्त हो सकते हैं। मान-सम्मान में कमी, धन-धान्य का अभाव तथा उन्नति बाधित हो सकती है। इन रत्नों का आप जीवन पर्यन्त ही त्याग करें क्योंकि ये रत्न किसी भी दशा या गोचर में शुभफलदायी नहीं हो सकते।

विभिन्न रत्न आपके लिए किस प्रकार से फलदायी रहेंगे एवं उनकी धारण विधि का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है :-

पन्ना

आपकी कुंडली में बुध द्वितीय भाव में स्थित है। इसलिए आपके लिए बुध रत्न पन्ना धारण करना उत्तम फलदायक रहेगा। पन्ना रत्न धारण करने से आपकी नियोजन क्षमता बेहतर होगी। आपकी कार्य योजनाएं सुव्यवस्थित होंगी। रत्न पन्ना आपकी वाकशक्ति, धन, विद्या, कुटुम्ब सुख की वृद्धि करेगा। सभा में अपनी बात कहने की योग्यता का विकास होगा। इसे धारण करने पर आप लोगों को अपनी बातों से प्रभावित करने में सफल हो पायेंगे। रत्न पन्ना आपको सुविचारक या वक्ता बनाने में सहयोग करेगा। बुद्धि से धनार्जन में पन्ना रत्न उपयोगी साबित होगा।

आपकी वृषभ लग्न की कुंडली में बुध द्वितीयेश एवं पंचमेश है। पन्ना रत्न धारण कर आप बुध ग्रह की शुभता प्राप्त कर सकते है। पन्ना रत्न आपको उद्धोग-व्यापार द्वारा सम्मान दिला सकता है। पन्ना रत्न बौद्धिक योग्यता से धन संचय दे सकता है। पारिवारिक कलह को दूर करने का कार्य भी पन्ना रत्न कर सकता है। यह रत्न आपको संतान पक्ष से सुखी कर सकता है. तथा यह रत्न आपको विद्या, बुद्धि, प्रतिष्ठा, धन-धान्य, प्रतियोगिताओं में सफलता, श्रेष्ठ पद पर आसीन, विलक्षण रूप से तीव्र बुद्धि एवं राजनैतिक कार्यो से लाभ दिला सकता है।

पन्ना रत्न कनिष्ठिका अंगूली में धारण करना चाहिए। इस रत्न को सोना धातु में जड़वाकर आप प्रातःकाल में स्नानादि नित्यक्रियाओं से निवृत होने के बाद रत्न को पंचामृत से शुद्ध कर धूप, दीप और फूल दिखाकर धारण कर सकते है। पन्ना रत्न धारण करते समय बुध मंत्र ऊँ बुं बुधाय नमः का १ माला या ५ माला जाप करना चाहिए। तदुपरांत बुध ग्रह की वस्तुएं जैसे - मूंग, कस्तूरी, कांसा, हरित वस्त्र आदि का यथाशक्ति दान करना चाहिए। रत्न इस प्रकार धारण करें कि वह शरीर को स्पर्श करें। पन्ना रत्न 3 रत्ती का कम से कम, अन्यथा 6 रत्ती का होना चाहिए।

इस रत्न को आप लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या विपरीत हाथ में भी धारण कर सकते है। पन्ना रत्न धारण करने में आप असमर्थ हो तो आप इसके स्थान पर मरगज, हरा हकीक, पेरिडोट एवं ४ मुखी रुद्राक्ष धारण कर सकते है।

नीलम

आपकी कुंडली में शनि सप्तम भाव में स्थित है। आपको शनि रत्न नीलम धारण करना चाहिए। नीलम रत्न आपके ग्रहस्थ जीवन को सुखमय बनाये रखने का प्रयास करेगा। विवाह के बाद भाग्योदय करेगा। रत्न शुभता आपके दांपत्य जीवन को सौहार्दपूर्ण बनाये रखने में सहयोग करेगी। आपको ठेकेदारी, कोयला, लोहा, खदानों आदि से जुडे कामों से लाभ मिलेगा।

रत्न की शुभता से आपको किसी विदेशी काम या विदेशी माल में एजेन्ट का काम करने से भी लाभ प्राप्त हो सकता है। यह रत्न आपके लिए शुभदायक रहेगा।

आपकी वृषभ लग्न की कुंडली में शनि नवमेश एवं दशमेश है। शनि लग्नेश शुक्र के मित्र एवं योगकारक ग्रह है। आपके लिए शनि सबसे शुभ ग्रह है। शनि रत्न नीलम धारण कर आप अपना भाग्योदय कर सकते है। नीलम रत्न की शक्तियां आपके माता-पिता के सुखों में बढ़ोतरी कर सकती है। यह रत्न शुभ होकर आपको भूमि, भवन, संपति के मामलों का सहज समाधान दे सकता है। नीलम रत्न की शुभता से आपकी आजीविका के कार्य बिना बाधाएं समय पर पूरे हो सकते है। लाभ क्षेत्र की कठिनाईयों को दूर करने में भी नीलम रत्न उपयोगी सिद्ध हो सकता है। विदेश स्थानों से आय प्राप्ति के योग बना सकता है।

नीलम रत्न शनिवार के दिन पंचधातु से निर्मित अंगूठी में जड़वाकर, संध्या काल में स्नानादि कर शुद्ध होकर अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, धूप, दीप एवं फूल से पूजन करने के बाद इस अंगूठी को मध्यमा अंगूठी में धारण करें। तत्पश्चात शनि मंत्र ऊँ शं शनैश्चराय नमः का जाप एक माला करें। मंत्र जप के बाद इस ग्रह की वस्तुएं जैसे- उड़द, काले तिल, तेल, काले वस्त्र आदि का दान किसी योग्य व्यक्ति को करें। नीलम रत्न कम से कम 3 रत्ती, अन्यथा 5-6 रत्ती का होना चाहिए।

नीलम रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा, पुखराज धारण करने से बचना चाहिए। विशेष स्थितियों में इस रत्न को लॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है। किसी कारणवश यदि इस रत्न को धारण न कर पाएं तो इसके उपरत्न फिरोजा, नीली, एमेथिस्ट एवं ७ मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

हीरा

आपकी कुंड़ली में शुक्र दूसरे भाव में स्थित है। शुक्र रत्न हीरा धारण करना आपके लिए उत्तम रहेगा। हीरा रत्न संयुक्त परिवार विचारधारा को बढ़ायेगा। हीरे की शक्तियों से आप अपने काम निकालने में सफल होंगे। इसके अतिरिक्त यह रत्न आपको व्यवसायिक कुशलता देगा। यह रत्न आपको मधुरभाषी बनायेगा। सेवा क्षेत्रों में आपकी अभिरुचि बनेंगी। शुक्र रत्न हीरा आपके लिए धन और सम्मान प्रदायक भी है। हीरे रत्न की शुभता से आप धनवान, यशस्वी, साहसी एवं भाग्यवान होंगे।

आपकी वृषभ लग्न की कुंडली में शुक्र लग्नेश एवं षष्ठेश है। शुक्र आपके लग्न भाव के स्वामी होने के कारण सबसे शुभ ग्रह है। शुक्र रत्न हीरा धारण कर आप अपने स्वास्थ्य सुख को बेहतर कर सकते है। शुक्र रत्न हीरा आपको रोगों से मुक्त रखने में सहयोग करेगा। हीरा रत्न की शुभता से आपके आत्मबल में बढ़ोतरी हो सकती है। रत्न प्रभाव से आप अपने शत्रुओं पर विजय पाने में सफल रहेंगे। हीरा रत्न अनुकूल फलदायक होने के कारण आपके दांपत्य जीवन को सुखी, भौतिक सुख-सुविधाओं से युक्त तथा प्रतियोगिताओं में सफल हो सकते है.

हीरा रत्न सोने धातु की अंगूठी में जड़वाकर, शुक्रवार के दिन सूर्य उदय के पश्चात

स्नानादि क्रियाओं से शुद्ध होकर रत्न को रत्न जड़ित अंगूठी को दूध, जल, शक्कर, दही और शहद से मिलकर बने पंचामृत में डूबोकर शुद्ध कर, अपने देव स्थान पर रखकर शुक्रदेव और रत्न को धूप, दीप एवं फूल दिखाकर अनामिका अंगूली में धारण करें। हीरा रत्न धारण करते समय शुक्र मंत्र ऊँ शं शुक्राय नमः का १०८ बार मंत्र जाप करना चाहिए। मंत्र जाप करने के बाद शुक्र ग्रह की वस्तुएं जैसे- चावल, चांदी, घी, श्वेत वस्त्र आदि वस्तुओं का दान करें। हीरा 1 रत्ती से अधिक बजन का धारण करना चाहिए। यह छोटे टुकड़ों में भी पहना जा सकता है।

हीरा रत्न के साथ माणिक्य, मूंगा एवं पुखराज रत्न धारण करना सर्वदा वर्जित है। अंगूठी रूप रत्न धारण न कर पाने की स्थिति में इसे लॉकेट/ माला/ ब्रसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण कर सकते है। हीरा रत्न के स्थान पर इस रत्न के उपरत्न ओपल, जर्कन, स्फटिक एवं ६ मुखी रुद्राक्ष धारण किया जा सकता है।

लहसुनिया

आपकी कुंडली में केतु पंचम भाव में स्थित है। आपको केतु रत्न लहसुनिया धारण करना चाहिए। लहसुनिया रत्न धारण कर आप वाहन सुखों में बढ़ोतरी कर सकते है। यह रत्न आपको तीर्थयात्रा एवं विदेश प्रवास देगा। रत्न की शुभता से आपके पराक्रम और नौकरी क्षेत्र में सफलता देगा। आपको अनेक सेवकों का सुख प्राप्त होगा। आप छ्ल-कपट से दूर रहने का प्रयास करेंगे। केतु रत्न लहसुनिया आपको आंशिक धैर्यहीन बना सकता है। इसकी शुभता से आपके नकारात्मक विचारों का अंत होगा। सगे भाईयों से विवाद समाप्त होंगे।

केतु कन्या राशि में स्थित है तथा इसका स्वामी बुध दूसरे भाव में स्थित है। अतः लहसुनिया रत्न धारण करने पर स्व-कुटुम्ब के सुखों में वृद्धि होगी। यह रत्न आपको जनता व सरकार से सम्मान दिलाएगा। यह रत्न आपको मिथ्या वाद से बचाएगा। साथ ही यह रत्न आपके स्वाभिमान को बढ़ाएगा। रत्न शुभता से जमीन जायदाद के संग्रह में आपको सहयोग प्राप्त होगा। रत्न प्रभाव से आपको धनोपार्जन में सफलता मिलेगी एवं यह रत्न आपको मधुर, सौम्य और प्रिय बोलने का गुण प्रदान करेगा, आपकी संग्रह शक्ति बढ़ाएगा। इसके साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति भी बेहतर होगी। इस रत्न को धारण करने पर आपको उत्तम भोजन सेवन की प्राप्ति हो सकती है। परहित में ही आपको आनंद का अनुभव होगा।

लहसुनिया रत्न को चांदी धातु में जड़वाकर गुरुवार के दिन सूर्यास्त काल में धारण किया जा सकता है। लहसुनिया रत्न जड़ित अंगूठी को पंचामृत से स्नान कराकर, इसका धूप, दीप और फूलों से पूजन करने के बाद अनामिका अंगूली में धारण करें। रत्न धारण के पश्चात केतु रत्न मंत्र ऊँ के केतवे नमः का १ माला जाप करें। मंत्र जाप के बाद केतु ग्रह की वस्तुओं का दान किसी योग्य व्यक्ति को करना शुभ रहता है। केतु वस्तुएं इस प्रकार है- सप्तधान्य, नारियल, धूम्र वस्त्र। लहसुनिया रत्न का वजन कम से कम 4 रत्ती और अधिकतम 8-10 रत्ती होना चाहिए। अंगूठी रूप में रत्न धारण करने में किसी प्रकार की असमर्थता होने पर इसे ल ॉकेट/ माला/ ब्रेसलेट या दूसरे हाथ में भी धारण किया जा सकता है।

लहसुनिया रत्न धारण करते समय यह ध्यान रखना चाहिए कि इस रत्न के साथ माणिक्य एवं गोमेद रत्न धारण करना प्रतिकूल फल प्रदान कर सकता है।

माणिक्य

आपकी कुंडली में सूर्य द्वितीय भाव में स्थित है। अतः आपको सूर्य रत्न माणिक्य धारण करना चाहिए। सूर्य रत्न माणिक्य आपको संपत्तिवान, भाग्यवान एवं कुटुंब प्रेमी बनायेगा। माणिक्य रत्न के शुभत्व से आपके लिए धन संचय करना आपके लिए सहज होगा। यह रत्न आपको आत्मनिर्भर रहने में सहयोग करेगा। सरकारी कार्यो में सफलता देगा। हड्डियों से जुड़े रोगो से मुक्त रखने में सहयोग करेगा। सूर्य रत्न माणिक्य धारण करने से सूर्य की शुभता बढ़ती है। तथा पीड़ा कम होती है। इसलिए सूर्य रत्न माणिक्य धारण करना अनुकूल रहेगा।

आपकी वृषभ लग्न की कुंडली में सूर्य चतुर्थ भाव का स्वामी है। सूर्य आपके लिए केन्द्रेश, सुखेश ग्रह है। सूर्य रत्न माणिक्य धारण कर आप घर, जमीन, जायदाद पैतृक सम्पति, वाहन, माता और जमीन के सुख प्राप्त कर सकते है। सूर्य चतुर्थेश होने के कारण माणिक्य रत्न आपके शैक्षिक ज्ञान का भी विकास करने में सक्षम है। सूर्य की शुभता पाने के लिए आपको सूर्य रत्न माणिक्य धारण करना चाहिए। माणिक्य रत्न शुभ होने के कारण आपकी वैचारिक शक्ति, निर्णय शक्ति, योग्यता और कार्यक्षमता देगा। माणिक्य रत्न आपको विद्या, बुद्धि, मानसिक, शारीरिक, बौद्धिक, अध्यात्मिक और आत्मिक बल प्रदान कर सकता है।

यह रत्न अनामिका अंगूली, स्वर्ण धातु में जड़वाकर रविवार को प्रातः काल में स्नानादि से निवृत होकर धारण करना चाहिए। पंचामृत से रत्न को शुद्ध करने के पश्चात धूप, दीप दिखाकर धारण करना चाहिए। धारण करने के पश्चात सूर्य मंत्र ऊँ घृणि सूर्याय नमः का कम से कम १ माला जाप करना चाहिए। तद्पश्चात सूर्य वस्तुएं जैसे- गेहूं, गुड़, चंदन, लाल वस्त्र आदि का दान करना चाहिए। माणिक्य रत्न कम से कम ४ रत्ती से लेकर ८ रत्ती तक का धारण करना लाभकारी रहता है।

माणिक्य रत्न के साथ नीलम या गोमेद रत्न को धारण करने से बचना चाहिए। अति आवश्यकता में इन्हें आप लॉकेट रूप में या दूसरे हाथ में धारण कर सकते है। आवश्यकता में यह रत्न चांदी धातु में भी धारण किया जा सकता है। यदि आप माणिक्य रत्न पहनने में किसी प्रकार से असमर्थ है तो आप इसके स्थान पर लाल तुरमली, गुलाबी हकीक, गारनेट एवं एक मुखी रुद्राक्ष भी धारण कर सकते है।

गोमेद

आपकी कुंडली में राहु एकादश भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः राहू रत्न गोमेद धारण करने पर आपमें पारिश्रामिक क्षमता की कमी हो सकती है। यह रत्न स्वास्थ्य में कमी कर सकता है। रत्न प्रभाव आपको विलासी और भावुक स्वभाव अधिक दे सकता है। यह रत्न आपको वाचाल बना सकता है। आप समाज में योग्यतानुसार स्थान प्राप्त नहीं कर पाएंगे। आपके द्वारा धन लाभ कुछ अनैतिक तरीकों से हो सकते है। धन-लाभ प्राप्ति के लिए आप बुद्धि और चातुर्य का प्रयोग अधिक कर सकते है। आगे बढ़ने के लिए आप आंशिक रूप से स्वार्थी भी हो सकते है। यह रत्न दूर स्थानों से आपकी लाभ प्राप्तियों को बाधित कर सकता है। आप कुछ हद तक अभिमानी हो सकते है। आय क्षेत्र के बढ़ते विवाद आपकी ऊर्जा और समय शक्ति का ह्रास कर सकते है।

राहु मीन राशि में स्थित है व इसका स्वामी गुरु द्वादश भाव में स्थित है। अतः गोमेद रत्न धारण करने से आपको शयन संबंधी सुख की कमी होगी। यह रत्न आपको अनिद्रा रोग भी देगा तथा रत्न पहनने पर आपको परिवार से दूर रहना पड़ सकता है। जीवनसाथी से सुख में कमी तथा विवाह में भी विलम्ब की स्थिति बन सकती हैं। इस रत्न को पहनने पर आपकी विदेश यात्राएं स्थगित हो सकती है। अथवा यात्राओं में असफलता की स्थिति बन सकती है। इसके अतिरिक्त यह रत्न आपको पैरों की तकलीफ, नाखूनों से संबंधित तकलीफ अथवा दांतों से संबंधित रोग देगा। रत्न धारण से आपकी धार्मिक यात्राओं में सुख की कमी बनी रहेगी।

मोती

आपकी कुंडली में चंद्र षष्ठ भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः चंद्रमा का मोती रत्न धारण करने पर किसी विशेष मामले में आपको अपमानित होना पड सकता है। आपके अपने मामा-मौसी से संबंध प्रतिकूल हो सकते है। अपने शत्रुओं की पहचान करना आपके लिए सरल नहीं होगा। यह रत्न आपको कफ रोगी, नेत्र रोगी, अल्पायु, आसक्त, व्ययी बना सकता है। इसके प्रभाव से आप अस्वस्थ्यता का अनुभव करेंगें। बढ़ते कर्ज आपको मानसिक चिंताएं दे सकते है। कर्ज का भुगदान ज्यादा आपके लिए कष्टकारी हो सकता है। कार्यो को शीघ्रता से करने की प्रवृर्ति कार्यो में गुणवत्ता का अभाव ला सकती है। मोती रत्न आपमें असंतोष का भाव ला सकता है। आपको आंखों और पेट से संबंधित परेशानियां हो सकती हैं।

आपकी वृषभ लग्न की कुंडली में चंद्र तृतीय भाव का स्वामी है। चंद्र ग्रह की शुभता प्राप्ति एवं अशुभता में कमी के लिए आपका चंद्र रत्न मोती धारण करना उचित नहीं होगा। इस रत्न को धारण करने पर आपके द्वारा अभक्ष्य पदार्थो का सेवन एवं आपमें क्रोध भाव की अधिकता हो सकती है। इस रत्न के प्रभाव से आपका आलोचनात्मक व्यवहार, पुरुषार्थ, साहस और शौर्य की कमी आपमें हो सकती है। खांसी तथा छाती के रोग आपको स्वास्थ्य विकार दे सकते है। यह रत्न आपके मानसिक क्लेश बढ़ा सकता है। रत्न धारण के बाद आपके द्वारा किये गये कार्यो में बाहुबल की प्रमुखता हो सकती है। धन संचय में परेशानियां बनी रह सकती है। रत्न प्रभाव आपके स्वास्थ्य सुख में कमी कर सकता है।

मूंगा

आपकी कुंड़ली में मंगल तीसरे भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर रेल यात्राओं के दौरान आपका कर्मचारियों से लड़ाई झगड़ा हो सकता है। यह रत्न आपको असंतोष एवं तनाव दे सकता है। मूंगा रत्न प्रभाव से आपके पिता का स्वभाव क्रोधी एवं रुखा हो सकता है। आपको धनहानि और अलगाव का सामना करना पड़ सकता है। आपके पिता को मुकद्दमेबाजी और शत्रुओं से हानि के योग बन सकते है। यह रत्न आपके भाग्य में कुछ कमी कर सकता है। मूंगा रत्न आपको कानों या बाजुओं से संबंधित तकलीफें दे सकता है। अत्यधिक क्रोध के चलते आपके अपने मित्रों से संबंध खराब हो सकते है।

आपकी वृषभ लग्न की कुंडली में मंगल सप्तमेश और द्वादशेश है। अशुभ भावों का स्वामित्व प्राप्त होने के कारण मंगल आपको शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः आपके द्वारा मंगल रत्न मूंगा धारण करने पर आप निद्रा की कमी का अनुभव करेंगे। यह रत्न आपके वैवाहिक जीवन को तनाव पूर्ण और गृह कलेश से युक्त कर सकता है। रत्न प्रभाव से चोरी, झगड़ा, उपद्रव आदि विषयों में आपकी रुचि अधिक हो सकती है। यह रत्न आपकी कामवासना में उत्तरोत्तर वृद्धि करेगा। आपके पारिवारिक जीवन में अशांति का माहौल हो सकता है। बढ़ते हुए व्यय आपकी ग्रहस्थ जीवन को ओर अधिक कष्टमय बना सकते है। व्ययों का केन्द्र विशेष रूप से ग्रहस्थ जीवन हो सकता है।

पुखराज

आपकी कुंडली में गुरु बारहवें भाव में स्थित है। यह ग्रह आपकी कुंडली में अपने सभी शुभ फल देने में असमर्थ है। अतः गुरु रत्न पुखराज धारण कर आपमें आशावादिता भाव की कमी आ सकती है। दूसरों के लिए आपमें सहानुभूति तो बहुत होगी परन्तु आप चाहकर भी किसी के काम नहीं आ पाएंगे। कई बार आप दुष्ट लोगों पर भी सहानुभूति रखेंगे। पुखराज रत्न आपको जीवन में हानि करा सकता है। आर्थिक स्थिति में बढ़ोतरी के पक्ष से यह रत्न आपको सहयोग नहीं कर रहा है। आपको सम्मान की कमी का सामना करना पड़ सकता है। पुखराज रत्न आपकी प्रसन्नता, सुख एवं सौभाग्य में कमी करेगा। यह रत्न रोग, ऋण और शत्रु आपके प्रबल कर सकता है। आयु और मातृ सुख में कमी कर सकता है। विदेश स्थानों से आपको धन हानि हो सकती है।

आपकी वृषभ लग्न की कुंडली में गुरु अष्टमेश एवं आयेश है। गुरु अष्ट्मेश है इसलिए इस ग्रह का रत्न धारण करना आपको प्रतिकूल फल दे सकता है। गुरु रत्न पुखराज धारण करने पर आपको स्वास्थ्य में कमी का सामना करना पड़ सकता है। इस रत्न से व्याधी, आयु में कमी, मानसिक चिंता, नास्तिकता, नकारात्मक विचारधारा और दुर्भाग्य की स्थितियां बन सकती है। इसके अलावा अष्टम भाव का रत्न आपको दरिद्रता, आलस्य, अस्पताल एवं चीरफाड़ आदि जैसी परेशानियां भी दे सकता है। रत्न का अनुकूल न होने के कारण आपको आय, लाभ वृद्धि में आपको योग्यता की कमी का अनुभव हो सकता है। पुखराज रत्न धारण से आप के बड़े भाई से संबंध कुछ प्रभावित हो सकते है।

दशानुसार रत्न विचार

बुध
(08/07/2020 - 08/07/2037)

बुध की दशा में आपका पन्ना, हीरा व नीलम रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

माणिक्य व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद रत्न नेष्ट हैं और मोती, मूंगा व पुखराज रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित

रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

केतु
(08/07/2037 - 08/07/2044)

केतु की दशा में आपका पन्ना, लहसुनिया व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

नीलम व माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

गोमेद, मोती, मूंगा व पुखराज रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

शुक्र
(08/07/2044 - 08/07/2064)

शुक्र की दशा में आपका पन्ना, हीरा, नीलम व लहसुनिया रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

माणिक्य व गोमेद रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती, मूंगा व पुखराज रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

सूर्य
(08/07/2064 - 09/07/2070)

सूर्य की दशा में आपका पन्ना व माणिक्य रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

नीलम, हीरा व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती रत्न नेष्ट हैं और गोमेद, मूंगा व पुखराज रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

चन्द्र
(09/07/2070 - 08/07/2080)

चन्द्र की दशा में आपका पन्ना, नीलम व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

माणिक्य व लहसुनिया रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती रत्न नेष्ट हैं और गोमेद, मूंगा व पुखराज रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

मंगल
(08/07/2080 - 09/07/2087)

मंगल की दशा में आपका नीलम, पन्ना, लहसुनिया व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती रत्न नेष्ट हैं और गोमेद, मूंगा व पुखराज रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

राहु
(09/07/2087 - 09/07/2105)

राहु की दशा में आपका पन्ना, नीलम व हीरा रत्न धारण करना श्रेष्ठ है। दशा का पूर्ण फल प्राप्त करने के लिए उपरोक्त रत्न अवश्य धारण करें।

लहसुनिया, गोमेद व माणिक्य रत्न शुभ हैं। इस दशा में विशेष फल प्राप्त करने हेतु इन शुभ रत्नों में से उसके कारकत्व अनुसार रत्न धारण कर सकते हैं।

मोती, मूंगा व पुखराज रत्न वर्जित हैं। नेष्ट या वर्जित रत्नों को ना धारण करना ही श्रेयस्कर है क्योंकि ये लाभ कम व हानि अधिक कर सकते हैं।

दशा ग्राफ

गुरु - 08/07/2001

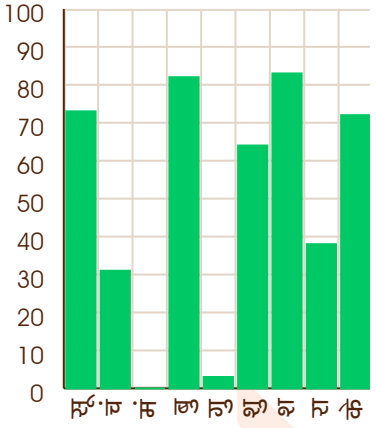

शनि - 08/07/2020

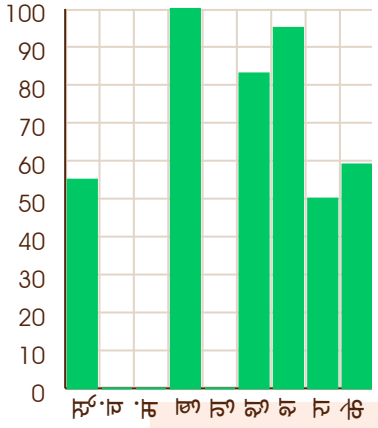

बुध - 08/07/2037

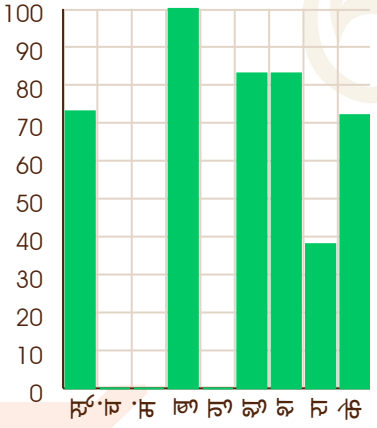

केतु - 08/07/2044

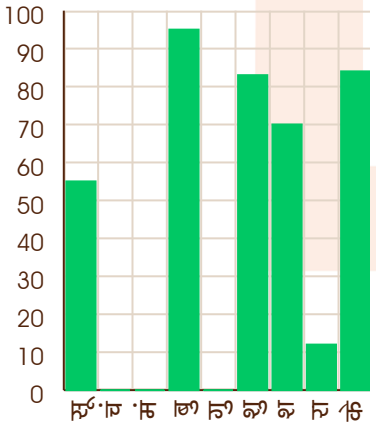

शुक्र - 08/07/2064

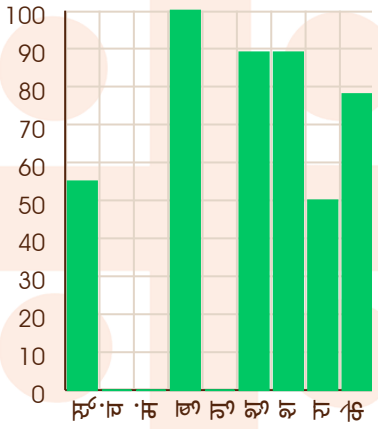

सूर्य - 09/07/2070

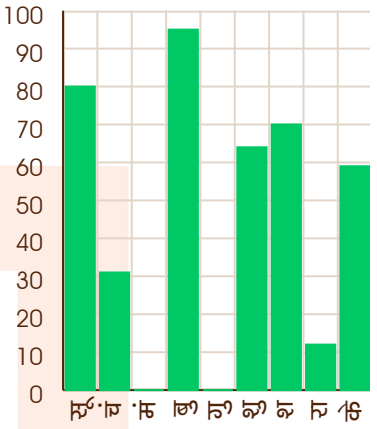

चन्द्र - 08/07/2080

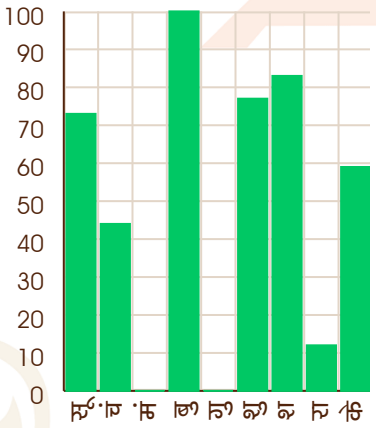

मंगल - 09/07/2087

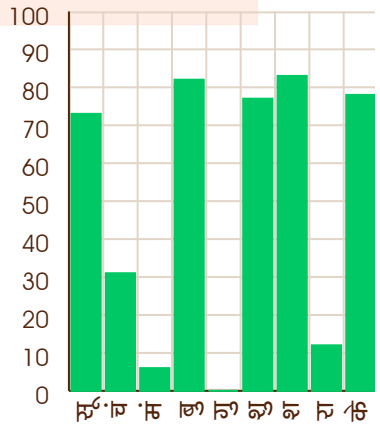

राहु - 09/07/2105

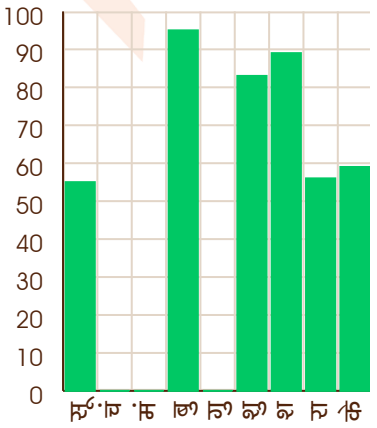

शुभ रत्न

आपका शुभ रत्न - टरक्वाइज

आपका जन्म वृष राशि के लग्न में हुआ है। जिसका स्वामी ग्रह शुक्र होता है। टरक्वाइज रत्न शनि ग्रह के लिये धारण किया जाता है और शनि वृष राशि के लग्न के जातकों के लिये भाग्य रत्न होता है। क्योंकि शनि की मकर राशि वृष लग्न से नवम भाव में स्थित होती है। किसी भी जातक के लिये भाग्य का प्रबल होना सबसे अधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि किसी भी किये गये प्रयास या कार्य के परिणाम में भाग्य उत्प्रेरक का कार्य करता है, यह ठीक उसी प्रकार कार्य करता है जैसे किसी रासायनिक क्रिया में उत्प्रेरक का कार्य होता है।

अतः वृष राशि के लग्न वाले जातकों को टरक्वाइज रत्न धारण करके शनि को बलवान बनाना, पूजा, अनुष्ठान, मंत्र पूजा आदि करना श्रेष्ठ माना जाता है। इस रत्न को यदि अंगूठी में धारण किया जाये तो जातक को सभी लाभ मिलेंगे अर्थात जातक सुखी, प्रसन्नचित, स्वस्थ जीवन व्यतीत करते हुए आनंदपूर्ण जीवन व्यतीत करता है तथा जातक के भाग्य को चमकाता है। वैसे भी शनि सेवक का प्रतिनिधि ग्रह है अर्थात यदि जातक सरकारी या प्राइवेट नौकरी में है तो नौकरी में प्रमोशन व आय वृद्धि के साथ-साथ अधिकार भी प्रदान करता है। साथ ही अन्य कर्मचारीगणों का सहयोग भी प्राप्त होता है।

इस रत्न को धारण करने से जातक को सेवकों का सहयोग तथा अधीनस्थ कर्मचारियों की शुभकामनाऐं भी प्राप्त होती हैं। जिसको जोड़ों के रोग हों या लाइलाज रोगी हों तो उनको भी इस रत्न को धारण करने से लाभ प्राप्त होता है तथा लाइलाज रोगों से मुक्ति दिलाता है।

टरक्वाइज को अंगूठी बनाकर सीधे हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण किया जाता है। क्योंकि मध्यमा अंगुली हस्तरेखा शास्त्र में शनि की अंगुली मानी जाती है। टरक्वाइज शनि ग्रह का रत्न है, अतः इसके वार स्वामी अर्थात शनिवार को ही धारण किया जाता है। इसको धारण करने का उपयुक्त समय सायंकाल शनि की होरा में धारण करना श्रेष्ठ होता है। शनिवार के दिन सूर्यास्त के समय शनि की होरा में धारण करना सर्वश्रेष्ठ माना गया है। टरक्वाइज को यदि शनिवार के साथ-साथ शनि के नक्षत्र अर्थात् पुष्य, अनुराधा और उ.भाद्रपद में धारण किया जाये तो वह और भी उत्तम होता है।

टरक्वाइज को धारण करने से पूर्व इसको गंगाजल एवं पंचामृत से शुद्ध करके, लकड़ी के एक पटरे पर नीले या काले रंग के कपड़े पर रखकर इसके सम्मुख, धूप, दीप, अगरबत्ती जलाकर, शनि के 108 मंत्रों का जाप करके इसे ऊर्जावान बनाकर माथे से लगाकर सीधे हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करना चाहिए।

शनि का मंत्र - ऊँ शं शनैश्चराय नमः

इसको धारण करने के पश्चात यदि शनि से संबंधित पदार्थ जैसे सरसों का तेल, काला उड़द सवा मीटर काला कपड़े का दान करें तो टरक्वाइज की अंगूठी धारण करना और भी

अधिक फलदायी होता है। इसके अतिरिक्त अंगूठी धारण करने के पश्चात भी प्रतिदिन शनि का 108 बार स्नानादि के पश्चात मंत्र पाठ करें। शनि मंदिर में शनिदेव की मूर्ति पर सरसों का तेल का अभिषेक करायें तो यह टरक्वाइज की अंगूठी आपको लगातार शुभ फल देती रहेगी। प्रत्येक शनिवार को शनि चालीसा का पाठ भी इसमें अधिक शुभकारी साबित होता है।

वृष लग्न वाले जातक यदि टरक्वाइज की अंगूठी विधि विधान के साथ धारण करते हैं एवं मंत्र जाप द्वारा सिद्ध करते रहते हैं तो वे आजीवन भाग्यशाली व्यक्ति के रूप में सुखी, समृद्धिशाली एवं शांतिपूर्ण जीवन प्राप्त करते हैं।

रुद्राक्ष

रुद्राक्ष को शिव का अश्रु कहा जाता है। रुद्राक्ष दो शब्दों के मेल से बना है पहला रुद्र का अर्थ होता है भगवान शिव और दूसरा अक्ष इसका अर्थ होता है आंसू। माना जाता है की रुद्राक्ष की उत्पत्ति भगवान शिव के आंसुओं से हुई है। रुद्राक्ष भगवान शिव के नेत्रों से प्रकट हुई वह मोती स्वरूप बूँदें हैं जिसे ग्रहण करके समस्त प्रकृति में आलौकिक शक्ति प्रवाहित हुई तथा मानव के ह्रदय में पहुँचकर उसे जागृत करने में सहायक हो सकी।

रुद्राक्ष की भारतीय ज्योतिष में भी काफी उपयोगिता है। ग्रहों के दुष्प्रभाव को नष्ट करने में रुद्राक्ष का विशेष रूप से प्रयोग किया जाता है, जो अपने आप में एक अचूक उपाय है। गम्भीर रोगों में यदि जन्मपत्री के अनुसार रुद्राक्ष का उपयोग किया जाये तो आश्चर्यचकित परिणाम देखने को मिलते है। रुद्राक्ष की शक्ति व सामर्थ्य उसके धारीदार मुखों पर निर्भर होती है। रुद्राक्ष सिद्धिदायक, पापनाशक, पुण्यवर्धक, रोगनाशक, तथा मोक्ष प्रदान करने वाला है।

एक मुखी से लेकर चौदह मुखी तक रुद्राक्ष विशेष रूप से पाए जाते है, उनकी अलौकिक शक्ति और क्षमता अलग-अलग मुख रूप में दर्शित होती है। रुद्राक्ष धारण करने से जहां आपको ग्रहों से लाभ प्राप्त होगा वहीं आप शारीरिक रूप से भी स्वस्थ रहेंगे। रुद्राक्ष का स्पर्श, दर्शन, उस पर जप करने से, उस की माला को धारण करने से समस्त पापो का और विघ्नों का नाश होता है ऐसा महादेव का वरदान है, परन्तु धारण की उचित विधि और भावना शुद्ध होनी चाहिए।

रुद्राक्ष दाने पर उभरी हुई धारियों के आधार पर रुद्राक्ष के मुख निर्धारित किये जाते हैं। रुद्राक्ष के बीचों-बीच एक सिरे से दूसरे सिरे तक एक रेखा होती है जिसे मुख कहा जाता है। रुद्राक्ष में यह रेखाएं या मुख एक से 14 मुखी तक होते हैं और कभी-कभी 15 से 21 मुखी तक के रुद्राक्ष भी देखे गए हैं। आधी या टूटी हुई लाईन को मुख नहीं माना जाता है। जितनी लाईनें पूरी तरह स्पष्ट हों उतने ही मुख माने जाते हैं।

पुराणों में प्रत्येक रुद्राक्ष का अलग-अलग महत्व और उपयोगिता का उल्लेख किया गया है -

एक मुखी - सूर्य ग्रह - स्वास्थ्य, सफलता, मान-सम्मान, आत्म - विश्वास, आध्यात्म, प्रसन्नता, अनायास धनप्राप्ति, रोगमुक्ति तथा व्यक्तित्व में निखार और शत्रुओं पर विजय प्राप्त कराता है।

दो मुखी - चंद्र ग्रह- वैवाहिक सुख, मानसिक शान्ति, सौभाग्य वृद्धि, एकाग्रता, आध्यात्मिक उन्नति, पारिवारिक सौहार्द, व्यापार में सफलता और स्त्रियों के लिए इसे सबसे उपयुक्त माना गया है।

तीन मुखी - मंगल ग्रह- शत्रु शमन और रक्त सम्बन्धी विकार को दूर करने में सहायक होता है ।

चार मुखी - बुध ग्रह- शिक्षा, ज्ञान, बुद्धि - विवेक, और कामशक्ति में वृद्धि प्राप्त कराता है।

पांच मुखी - गुरू ग्रह- शारीरिक आरोग्यता, अध्यात्म उन्नति, मानसिक शांति और प्रसन्नता के लिए भी इसका उपयोग किया होता है।

छः मुखी - शुक्र ग्रह - प्रेम सम्बन्ध, आकर्षण, स्मरण शक्ति में वृद्धि, तीव्र बुद्धि, कार्यो में पूर्णता और व्यापार में आश्चर्यजनक सफलता प्राप्त कराता है।

सात मुखी - शनि ग्रह- शनि दोष निवारण, धन-संपत्ति, कीर्ति, विजय प्राप्ति, और कार्य व्यापार आदि में बढ़ोतरी कराने वाला है।

आठ मुखी - राहू ग्रह- राहु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, ज्ञानप्राप्ति, चित्त में एकाग्रता, मुकदमे में विजय, दुर्घटनाओं तथा प्रबल शत्रुओं से रक्षा, व्यापार में सफलता और उन्नतिकारक है।

नौ मुखी - केतू ग्रह- केतु ग्रह से सम्बंधित दोषों की शान्ति, सुख-शांति, व्यापार वृद्धि, धारक की अकालमृत्यु नहीं होती तथा आकस्मिक दुर्घटना का भी भय नहीं रहता।

10 मुखी - भगवान महावीर- कार्य क्षेत्र में प्रगति, स्थिरता व वृद्धि, सम्मान, कीर्ति, विभूति, धन प्राप्ति, लौकिक-पारलौकिक कामनाएँ पूर्ण होती हैं।

11 मुखी - इंद्र ग्रह- आर्थिक लाभ व समृद्धिशाली जीवन, किसी विषय का अभाव नहीं रहता तथा सभी संकट और कष्ट दूर हो जाते हैं।

12 मुखी - भगवान विष्णु ग्रह- विदेश यात्रा, नेतृत्व शक्ति प्राप्ति, शक्तिशाली, तेजस्वी बनाता है। ब्रह्मचर्य रक्षा, चेहरे का तेज और ओज बना रहता है। शारीरिक एवं मानसिक पीड़ा मिट जाती है।

13 मुखी - इंद्र ग्रह- सर्वजन आकर्षण व मनोकामना प्राप्ति, यश-कीर्ति, मान-प्रतिष्ठा व कामदेव का प्रतीक है। उपरी बाधा और नजर दोष से बचाव के लिए विशेष उपयोगी है।

14 मुखी - शनि ग्रह- आध्यात्मिक उन्नति, शक्ति, धन प्राप्ति व कष्टनिवारक हैं। शनि की साढ़ेसाती या ढैया में विशेष कष्टनिवारक है।

आपकी कुडंली और रूद्राक्ष

आपकी कुंडली वृष लग्न की हैं। वृषभ लग्न आपको आकर्षक व्यक्तित्व का स्वामी बना रहा हैं। स्थिर लग्न होने से इनका स्वभाव स्थिरता लिये हुए होता है। आप जो भी कार्य करते हैं उसे पूरा करके ही हटते हैं। राशि चिह्न बैल होने की वजह से आप अत्यंत मेहनती हैं तथा लगातार कार्य करते रहना आपका व्यवहार हैं। प्यार से आप कुछ भी कर सकते हैं लेकिन जबरदस्ती करने पर आप बैल की भाँति अड़ियल हो जाते हैं, उस स्थिति में आपसे कुछ भी कराना मुश्किल होता है। पृथ्वी तत्व राशि होने से सहनशीलता का भाव आपमें कूट-कूट कर भरा है। जब तक आपसे सहन होता है, आप करते जाते हैं। योजनाबद्ध तरीके से कार्य करना आपको पसंद होता है। हर वस्तु को नियत स्थान पर रखना, हाथ में लिया गया प्रत्येक कार्य

पूर्ण करना, प्रत्येक सुन्दर वस्तु की ओर आप आसानी से आकर्षित हो जाते हैं।

त्रिक भावों के स्वामी अपने स्वामित्व के आधार पर स्वयं में अशुभता लिए होते हैं। 6,8,12 भावों को त्रिक भाव के नाम से जाना जाता हैं। इन भावों के स्वामियों और इन भावों में स्थित ग्रहों में अशुभता का अंश पाया जाता हैं। जिसके फलस्वरूप ये आपके जीवन को समय समय पर बाधित करते रहते हैं।

वृषभ लग्न में छठे भाव व लग्न भाव के स्वामी शुक्र हैं, शुक्र षष्टेश होने पर स्वास्थ्य, ऋण के पक्ष से शुभ नहीं हैं। जीवन में प्रगति की राहों में बाधक बनता हैं। सतत प्रयासों के उपरान्त आप बाधाएं समाप्त करने में सफल रहेंगे।

अष्टम व एकादश भाव के गुरु हैं। इस भाव में बृहस्पति की स्व और मूल त्रिकोण धनु राशि हैं। बृहस्पति की राशि बाधक और गुप्त विषयों से सम्बंधित भाव में होना, आपको आर्थिक, वितीय और प्रबंधकीय विषयों में छोटी, धोखा और अप्रत्याशित हानि दे सकती हैं। जीवन की घटनाओं में शुभता के पक्ष से गुरु की धनु राशि इस भाव में आपके पक्ष में शुभ फल नहीं दे रही हैं।

द्वादश व सप्तम भाव के मंगल हैं। वृषभ लग्न के लिए मंगल विशेष अशुभ ग्रह होते हैं। आपके लग्न में मंगल की एक राशि सप्तम भाव तथा दूसरी द्वादश भाव में आती हैं। द्वादश भाव में मंगल की राशि मंगल के कारक तत्वों में कमी करती हैं। सप्तमेश मंगल दुर्घटनाओं, शल्यचिकित्सा, लड़ाई-झगड़ों के योग बना कर ऊर्जा शक्ति की हानि करा सकता हैं।

आपकी कुंडली में चन्द्र षष्ठ भाव में स्थित हैं। इसके परिणाम से शत्रुओं से कष्टों का सामना करना पड़ सकता हैं। आप रोग पीड़ित, चिंताग्रस्त, व्याधिक्य करने की प्रवृति से ग्रस्त हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त चन्द्र की अशुभता से आपके ऋण लेन-देन में बाधाएं आ सकती हैं।

गुरु अष्टम भाव में आपमें स्वार्थ भाव की वृद्धि कर रहा है, यह योग मामा को कष्ट दे सकता है, सट्टा-जुआ की लत से दूर रहे, ऋण ग्रस्तता, शत्रुओं से पीड़ित, संपति का नाश और माता -पिता से मांसिक मतभेद करा सकता है।

इन सभी के फलों में शुभता प्राप्त करने के लिए आपको 2, 3, 5, 6 मुखी रुद्राक्षों का कवच धारण करना चाहिए। यह कवच सफेद धागे में डालकर सोमवार को गंगाजल से शुद्ध कर ॐ नम शिवाय मंत्र के 108 बार जप कर धारण करना चाहिए। तदुपरांत शिवजी को कच्चा दूध चढ़ाए। क्षमतानुसार दान करे। इस प्रकार आपके जीवन में आने वाले कष्टों से छुटकारा मिलेगा एवं विशेष कष्टों में न्यूनता आएगी। कुंडली के सभी ग्रहों को शुभता प्रदान करने के लिए आप शिव कृपा रुद्राक्ष माला जो एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष से निर्मित होती है, भी धारण कर सकते हैं। एक से चौदह मुखी रुद्राक्ष माला अद्भुत व चमत्कारी फल प्रदान करती हैं।

उपरोक्त कवच बिना दशा, गोचर विचार के आपको जीवन भर धारण करना चाहिए। क्योंकि यह कवच जन्म लग्न एवं उसमें स्थित ग्रहों के अवगुणों को नियंत्रित करने के लिए

आवश्यक हैं।

साढ़ेसाती विचार

चंद्रमा से जन्म कुंडली में जब गोचरवश शनि की स्थिति द्वादश, प्रथम एवं द्वितीय स्थान में होती है तो साढ़ेसाती कहलाती है। शनि की चंद्रमा से चतुर्थ एवं अष्टम भाव में स्थिति होने पर ढैया शारीरिक, मानसिक या आर्थिक कष्ट देता है । लेकिन कई बार यह आश्चर्यजनक उन्नति भी प्रदान करती है । साढ़ेसाती का प्रभाव सात वर्ष एवं ढैया का प्रभाव ढाई वर्ष रहता है ।

सामान्यतया साढ़ेसाती मनुष्य के जीवन में तीन बार आती है । प्रथम बचपन में द्वितीय युवावस्था में तथा तृतीय वृद्धावस्था में आती है । प्रथम साढ़ेसाती का प्रभाव शिक्षा एवं माता-पिता पर पडता है । द्वितीय साढ़ेसाती का प्रभाव कार्यक्षेत्र, आर्थिक स्थिति एवं परिवार पर पडता है परंतु तृतीय साढ़ेसाती स्वास्थ्य पर अधिक प्रभाव करती है ।

निम्नलिखित तालिका में साढ़ेसाती का समय तथा प्रत्येक ढैया का शुभाशुभ फल इंगित किया गया है ।

प्रथम चक्रः

साढेसाती तृतीय ढैया	07/07/1987-17/12/1987	----------	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	21/03/1990-20/06/1990	15/12/1990-05/03/1993	15/10/1993-10/11/1993
अष्टम स्थानस्थ ढैया	07/06/2000-23/07/2002	08/01/2003-07/04/2003	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	10/09/2009-15/11/2011	16/05/2012-04/08/2012	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	15/11/2011-16/05/2012	04/08/2012-02/11/2014	----------

द्वितीय चक्रः

साढेसाती तृतीय ढैया	02/11/2014-26/01/2017	21/06/2017-26/10/2017	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	24/01/2020-29/04/2022	12/07/2022-17/01/2023	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	08/08/2029-05/10/2029	17/04/2030-31/05/2032	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	22/10/2038-05/04/2039	13/07/2039-28/01/2041	06/02/2041-26/09/2041
साढेसाती द्वितीय ढैया	28/01/2041-06/02/2041	26/09/2041-11/12/2043	23/06/2044-30/08/2044

तृतीय चक्रः

साढेसाती तृतीय ढैया	11/12/2043-23/06/2044	30/08/2044-08/12/2046	----------
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	06/03/2049-10/07/2049	04/12/2049-25/02/2052	----------
अष्टम स्थानस्थ ढैया	27/05/2059-11/07/2061	13/02/2062-07/03/2062	----------
साढेसाती प्रथम ढैया	30/08/2068-04/11/2070	----------	----------
साढेसाती द्वितीय ढैया	04/11/2070-05/02/2073	31/03/2073-23/10/2073	----------

शनि का ढैया फल

ढैया के प्रकार	फल	क्षेत्र
साढेसाती तृतीय ढैया	सम	दाम्पत्य कलह
चतुर्थ स्थानस्थ ढैया	शुभ	भाग्योदय
अष्टम स्थानस्थ ढैया	शुभ	स्वास्थ्य
साढेसाती प्रथम ढैया	शुभ	सन्तति
साढेसाती द्वितीय ढैया	शुभ	शत्रु व रोग मुक्ति

साढ़ेसाती के उपाय

शनि की साढ़ेसाती के अशुभ प्रभावों को कम करने के लिये दान, पूजन, व्रत, मंत्र आदि उपाय किये जा सकते हैं। इसके लिये शनिवार को काला कंबल, उड़द की दाल, काले तिल, चर्म-पादुका, काला कपड़ा, मोटा अनाज, तिल तथा लोहे का दान करना चाहिये। शनिदेव की पूजा एवं शनिवार का व्रत रखना चाहिये। उपवास के दिन उड़द की दाल से बनी वस्तु, चने, बेसन, काले तिल, काला नमक तथा फलों का ही सेवन करना चाहिये। साथ ही स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा शनि के निम्न मंत्र के 19000 जप संपन्न करवाने चाहिये।

ऊँ प्रां प्रीं प्रौं सः शनैश्चराय नमः।।

शनि की साढ़ेसाती में शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक शांति एवं समृद्धि, आर्थिक सुदृढ़ता तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिये निम्नलिखित महामृत्युंजय मंत्र के 125000 जप स्वयं या किसी योग्य पंडित के द्वारा करवाने चाहिये।

ऊँ त्र्यंबकम यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम्।
उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात।।

वैकल्पिक रूप से निम्नलिखित मंत्र के प्रतिदिन 108 जप किये जा सकते हैं।

ऊँ हों जूं सः ऊँ भूर्भुव स्वः ऊँ।।

शनि की साढ़ेसाती के शुभत्व को बढ़ाने के लिये शनिवार के दिन आप 5 1/4 रत्ती का नीलम रत्न पंचधातु में (सोना, चांदी, तांबा, लोखंड, जस्ता) या घोड़े की नाल या नाव की कील से निर्मित लोहे की अंगूठी धारण करें । लोहे की अंगूठी आप दाएं हाथ की मध्यमा अंगुली में धारण करें।

अंगूठी शुक्ल पक्ष की शनिवार की सायं सूर्यास्त के समय धारण करें। पुष्य, अनुराधा या उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र अति शुभ हैं। उस दिन शनिवार का उपवास भी करना चाहिए। अंगूठी धारण करने से पूर्व इसे शुद्ध दूध एवं गंगाजल में स्नान कराना चाहिए तथा धूप आदि जलाकर शनि का पूजन करना चाहिए एवं निम्न मंत्र की एक माला या 108 बार जप करना चाहिए। नीलम मध्यमा उंगली में या गले में पेन्डन्ट बनाकर धारण करें ।

ऊँ शं शनैश्चराय नमः।

अंगूठी धारण करने के पश्चात शनि की वस्तुओं का दान देना चाहिए। इससे शनि के अशुभ प्रभाव में कमी आयेगी तथा आपकी सुख शांति एवं समृद्धि में वृद्धि होगी।

श्री हनुमान चालीसा एवं श्री हनुमान अष्टक का पाठ करना श्रेष्ठ है ।

मांगलिक विचार

जब वर या कन्या की कुंडली में मंगल लग्न, चतुर्थ, सप्तम, अष्टम तथा द्वादश भाव में हो तो मांगलिक दोष कहलाता है। यथोक्तम्

लग्ने व्यये च पाताले जामित्रे चाष्टमे कुजे।
स्त्री भर्तुर्विनाशंच भर्ता च स्त्री विनाशनम्।।

मांगलिक दोष लग्न से अधिक प्रबल माना जाता है लेकिन चन्द्रमा से इसका दोष लग्न की अपेक्षा अल्प होता है। यदि शास्त्रानुसार वर एवं कन्या का मांगलिक दोष भंग हो जाता है तो उनका दाम्पत्य जीवन सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत होता है। इसके विपरीत बिना दोष भंग हुए मांगलिक वर-कन्याओं को जीवन में कई प्रकार की अनावश्यक समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ता है। अतः विवाह से पूर्व शुद्ध कुण्डली मिलान से इस दोष का उचित निवारण करके ही दाम्पत्य जीवन प्रारम्भ करना चाहिए जिससे जीवन में शान्ति तथा सम्पन्नता बनी रहे।

****

आपके जन्म समय में मंगल की स्थिति तृतीय भाव में है। यह भाव पराक्रम मित्र एवं भाई बहनों का प्रतिनिधि भाव है तथा मंगल इनका कारक है अतः तृतीय भाव में मंगल की स्थिति शुभ मानी जाती है। इसके प्रभाव से आप एक पराक्रमी पुरुष होंगे तथा अपने समस्त सांसारिक कार्य कलापों को आप निर्भय होकर सम्पन्न करेंगे तथा इनमें आपको समय समय पर इच्छित सफलता प्राप्त होगी। साथ ही भाई बहनों से भी आवश्यक सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी तथा अपने परिश्रम एवं पराक्रम से आप संचार साधनों को भी अर्जित करने में समर्थ रहेंगे।

कुंडली में तृतीयस्थ मंगल की चतुर्थ दृष्टि षष्ठ भाव पर पड़ेगी इसके प्रभाव से शत्रु वर्ग को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा प्रतियोगी परीक्षाओं मुकद्दमों या चुनाव आदि में आपको जीवन में सामान्यतया सफलताएं मिलती रहेंगी। साथ ही इच्छित मात्रा में धनऐश्वर्य की भी प्राप्ति होगी परन्तु पित गर्मी अथवा रक्त विकार संबंधी किसी परेशानी से शारीरिक कष्ट हो सकता है। नवम भाव पर सप्तमस्थ दृष्टि से धर्म एवं धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि अल्प मात्रा में रहेगी तथा भाग्य की अपेक्षा कर्म करने पर ही आप अधिक विश्वास करेंगे। दशम भाव पर मंगल की दृष्टि से कार्य क्षेत्र में आप स्वपराक्रम एवं योग्यता से उन्नति के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे। यद्यपि इनमें आपको न्यूनाधिक समस्याओं एवं व्यवधानों का भी सामना करना पड़ेगा परन्तु अंततोगत्वा आप अपने उद्देश्य की पूर्ति में सफल रहेंगे। लेकिन पिता के स्वास्थ्य के लिए यह स्थिति मध्यम रहेगी परन्तु समाज में वे सम्मानीय पुरुष होंगे तथा अन्य जनों से पूर्ण आदर प्राप्त करेंगे।

इस प्रकार मंगल की इस स्थिति के प्रभाव से आपका दाम्पत्य जीवन सामान्यतया सुख शान्ति से परिपूर्ण रहेगा तथा परिवार का यथोचित पालन करने में आप समर्थ रहेंगे।

पारिवारिक जनों से आपको यथोचित सहयोग एवं प्रोत्साहन मिलता रहेगा जिससे आप उत्साह पूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करने में तत्पर रहेंगे।

कालसर्प योग

अग्रे राहुरधः केतुः सर्वे मध्यगताः ग्रहाः।
योगाऽयं कालसर्पाख्यो शीघ्रं तं तु विनाशय।।

आगे राहु हो एवं नीचे केतु मध्य में सभी (सातों) ग्रह विद्यमान हो तो कालसर्प योग बनता है। द्वादाश भावों में राहु की स्थिति के अनुसार काल सर्प योग मुख्यतः द्वादश प्रकार के होते हैं। वे हैं-

1. अनंत, 2. कुलिक, 3. वासुकि, 4 शङ्खपाल, 5. पद्म, 6. महापद्म, 7. तक्षक, 8. कर्कोटक, 9. शङ्खचूड, 10. घातक, 11. विषधर, 12. शेषनाग।

यह योग उदित अनुदित भेद से दो प्रकार के होते हैं राहु के मुख में सभी सातों ग्रह ग्रसित हो जाएं तो उदित गोलार्द्ध नामक योग बनता है एवं राहु की पृष्ठ में यदि सभी ग्रह हों तो अनुदितन गोलार्द्ध नामक योग बनता है।

इस योग में उत्पन्न जातक को मानसिक अशांति, धनप्राप्ति में बाधा, संतान अवरोध एवं गृहस्थी में प्रतिपल कलह के रूप में प्रकट होता है। प्रायः जातक को बुरे स्वप्न आते हैं । कुछ न कुछ अशुभ होने की आशंका मन में बनी रहती है। जातक को अपनी क्षमता एवं कार्यकुशलता का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता है, कार्य अक्सर देर से सफल होते हैं। अचानक नुकसान एवं प्रतिष्ठा की क्षति इस योग के लक्षण हैं।

जातक के शरीर में वात पित्त त्रिदोषजन्य असाध्य रोग अकारण उत्पन्न होते है। ऐसे रोग जो प्रतिदिन क्लेश (पीडा) देते हैं तथा औषधि लेने पर भी ठीक नहीं होते हों, काल सर्प योग के कारण होते हैं। काल सर्प योग के उपाय इन कष्टों से राहत के लिये आवश्यक हो जाते हैं।

जातक पर काल सर्प योग का प्रभाव

आपकी जन्मपत्रिका में काल सर्प योग विद्यमान नहीं है। अतः आपको इस योग के लिए शांति आदि की आवश्यकता नहीं है एवं आप पूर्ण रूप से सुखी जीवन व्यतीत कर सकेंगे।

पितृदोष विचार

पितृदोष क्या है ?

हमारे पूर्वज या परिवार के सदस्य मृत्योपरांत पितृ संज्ञा प्राप्त करते हैं। पितृ हमारे और भगवान के बीच की कड़ी होते हैं। यदि ये प्रसन्न होते हैं तो जातक सुखी जीवन भोगता है, लेकिन यदि किसी कारणवश ये अप्रसन्न हो जाते हैं तो जातक को अनेक प्रकार की व्याधियाँ व कष्ट झेलने पड़ते हैं।

कालांतर में पितृ या तो मोक्ष को प्राप्त करते हैं, या पृथ्वी लोक पर पुनः जन्म ले लेते हैं। यदि परिवार के सभी पितरों का पुनर्जन्म या मोक्ष हो गया हो तो कुछ समय के लिए उस परिवार के कोई पितृ नहीं होते। ऐसे में जातक सुख दुख अपनी कुंडली अनुसार प्राप्त करता है। अतः परिवार के सदस्यों को चाहिए कि जब तक वे पितृ लोक में हैं तब तक तर्पणादि से उनकी सेवा करें। यदि पितृ प्रसन्न रहते हैं तो आशीर्वाद स्वरूप जातक चहुमुखी प्रगति प्राप्त करता है।

पितृ अप्रसन्न, दुःखी एवं अतृप्त होते हैं यदि किसी पूर्वज की अंतिम इच्छा पूर्ण न हुई हो, या किसी के द्वारा श्रापित हों या असामयिक मृत्यु हो गई हो। पितृ योनि में रहते हुए भी उन्हें भोजन की आवश्यकता होती है। यदि परिवार के सदस्य तर्पणादि द्वारा भोजन नहीं देते हैं तो वे भूख से व्याकुल हो जाते हैं। पितृ विभिन्न प्रकार के कष्टों की अनुभूति करते हैं जब तक कि जातक पितरों की शांति हेतु पूजन-पाठ, पिंडदान, तर्पण आदि न करे।

पितृ दोष अपने कर्मों के कारण न हो करके, अपने माता-पिता या पूर्वजों के कर्मों के कारण होते हैं, क्योंकि यह दोष तो जातक के जन्म से जन्मपत्री में विद्यमान होता है जबकि कर्म तो जन्म के बाद ही बनते हैं। अतः पितृदोष ऐसा दोष है जिसका कोई कारण समझ में नहीं आता, केवल लक्षण दर्शित होते हैं। जन्मपत्री में भी शुभ दशा व गोचर के योग होते हुए भी हमें हमारे कर्मों का फल प्राप्त नहीं होता, या घर में सदैव कलह, अशांति, धन की कमी व बीमारी लगी रहती है। संतान नहीं होती या संतान विक्षिप्त होती है, बच्चों के विवाह में अड़चन आती है या उनके विकास में अवरोध आते हैं। अतः जब भी किसी प्रकार की समस्या बार-बार आती है एवं कोई कारण नजर न आता हो तो हमें पितृ दोष की शांति करवानी चाहिए जब तक कि वातावरण और परिस्थितियां अनुकूल न हो जाएं।

पितृदोष लक्षण

1. परिवार में आकस्मिक मृत्यु या दुर्घटना होना।
2. आनुवांशिक बीमारी होना और लंबी अवधि तक बीमारी का चलना।
3. परिवार में शारीरिक रूप से विकलांग या अनचाहे बच्चे का जन्म होना।
4. परिवार में बच्चों द्वारा असम्मान या प्रताड़ना का व्यवहार करना।
5. गर्भ धारण न होना या गर्भपात होना।
6. परिवार के किसी सदस्य का विवाह न होना।

7. परिवार में किसी बात को लेकर झगड़ा-फसाद होना।
8. कभी खत्म न होने वाली गरीबी परिवार में हो जाना।
9. बुरी आदतों की लत लग जाना।
10. परिवार में बार-बार केवल कन्या संतान का जन्म होना।
11. शिक्षा में बाधाएं आना।
12. स्वप्न में सांप दिखाई देना।
13. माथे पर गंदी करतूतों का कलंक लगना।
14. परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद होने के पश्चात पीले होने लगना या काली खांसी होना।
15. परिवार के किसी सदस्य को स्वप्न में पूर्वज द्वारा खाना या कपड़े मांगते हुए दिखना।

पितृ की पहचान :

1. श्रीमद् भगवद् गीता के ग्यारहवें अध्याय का पाठ करें तो आपको कुछ दिनों में ही स्वप्न में पितृ दर्शन होंगे।
2. रात को सोने से पहले हाथ पैर धोकर अपने मन में अपने पितृ से प्रार्थना करें कि जो भी मेरे पितृ हैं वे मुझे दर्शन दें।
3. यदि आपका कोई कार्य अटक रहा है तो अपने पितृ को याद कीजिए और उन्हें कहें कि यदि आप हैं तो मेरा अमुक कार्य हो जाए। मैं आपके लिए शांति पाठ कराउंगा। आपकी ऐसी प्रार्थना से कार्य सिद्धि हो जाने पर यह प्रमाणित हो जाएगा कि आपको पितृ शांति करवानी चाहिए।

पितृ दोष उपाय :

1. श्राद्ध पक्ष में मृत्यु तिथि के दिन तर्पण व पिंडदान करें। ब्राह्मण को भोजन कराएं व वस्त्र/दक्षिणा आदि दें।
2. यदि मृत्युतिथि न मालूम हो तो श्राद्ध पक्ष की अमावस्या के दिन तर्पण व पिंडदानादि कर्म करें।
3. प्रत्येक अमावस्या विशेषतः सोमवती अमावस्या को पितृभोग दें। इस दिन गोबर के कंडे जलाकर उसपर खीर की आहुति दें। जल के छींटे देकर हाथ जोड़ें व पितृ को नमस्कार करें।
4. सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें व गायत्री मंत्र का जप करें।
5. पीपल के पेड़ पर जल, पुष्प, दूध, गंगाजल व काले तिल चढ़ाकर पितृ को याद करें, माफी और आशीष मांगें।
6. रविवार के दिन गाय को गुड़ या गेहूं खिलाएं।
7. लाल किताब के अनुसार परिवार में जहां तक खून का रिश्ता है जैसे दादा, दादी, माता, पिता, चाचा, ताया, बहन, बेटी, बुआ, भाई सबसे बराबर-बराबर धन, 1, 5 या दस रुपए लेकर मंदिर में दान करने से पितृ ऋण से मुक्ति मिलती है।
8. हरिवंश पुराण का श्रवण और गायत्री जप पितृ शांति के लिए लोकप्रसिद्ध है।
9. गया या त्र्यंबकेश्वर में त्रिपिंडी श्राद्ध या नन्दी श्राद्ध करें।
10. नारायणबलि पूजा करवाएं।

11. पितृ गायत्री का अनुष्ठान करवाएं –

ऊँ देवताभ्य पितृभ्यश्च महायोगिभ्येव च।
नमः स्वाहायै स्वधायैः नित्यमेव नमो नमः।।

12. पितृ दोष निवारण उपायों में गया में पिंडदान, गया श्राद्ध तथा पितृ भोग अर्पण आदि क्रियाएं करते हुए उपरोक्त पितृ गायत्री मंत्र का उच्चारण करना चाहिए।
13. श्री कृष्ण मुखामृत गीता का पाठ करें।

पितृ पूजा के लिए आवश्यक निर्देश :

1. पितरों को मांस वाला भोजन न अर्पित करें।
2. पूजा के दिन स्वयं भी मांस भक्षण न करें।
3. पितृ पूजा में स्टील, लोहा, प्लास्टिक, शीशे के बर्तन का प्रयोग न करें। मिट्टी या पत्तों के बर्तनों का ही प्रयोग करें।
4. पितृ पूजा में घंटी न बजाएं।
5. पितृ पूजा करने वाले व्यक्ति की पूजा में व्यवधान न डालें।
6. बुजुर्गों का सम्मान करें।
7. पितरों के निमित्त किये जाने वाले गौ-दान से पितृ तृप्त होते हैं।
8. घर में पीने का पानी रखा जाता है उस स्थान पर विशेष पवित्रता रखें। यह स्थान पितृों का स्थान माना जाता है।
9. पितृ कर्म हेतु साल में 12 मृत्यु तिथि, 12 अमावस्या, 12 पूर्णिमा, 12 संक्रांति, 12 वैधृति योग, 24 एकादशी व श्राद्ध के 15 दिन मिलाकर कुल 99 दिन होते हैं।

आपकी कुण्डली में पितृदोष

- नवम् भाव का स्वामी शनि है तथा उस पर राहु का प्रभाव है।

आपकी कुडली में शनि के कारण पितृदोष है।

आपकी कुंडली में शनि पितृदोष कारक ग्रह है अतः परिवार के किसी पुरुष सदस्य द्वारा दलित पर किये गये पापकर्म आपके पितृदोष का कारण है। इस दोष के निवारणार्थ भगवान रुद्र की पूजा करें। पीपल को जल चढ़ायें व पूजा करें। शम्मी की समिधा से हवन करें। बकरी व शनि प्रीतकारी वस्तुओं का दान करें। गरीब या जरूरतमंदों की सहायता के रूप में दान दें तथा कौए को खाने का पहला ग्रास खिलायें।

आपकी कुंडली में पितृदोष का योग है परंतु यदि आपको अपने जीवन में उपरोक्त वर्णित पितृदोष लक्षण में से किसी प्रकार का कष्ट या परेशानी की अनुभूति नहीं हो रही है तो आपको पितृदोष संबंधी उपाय करने की आवश्यकता नहीं है। संभव है कि किसी शुभकार्य के कारण आपके पितृ प्रसन्न हो गए हों व आपको उनकी कृपा प्राप्त हो रही हो या वे मोक्ष को प्राप्त हो गए हों।

नोट :

त्रिपिण्डी श्राद्ध एवं नारायण नाग बली पितृदोष के लिए मुख्य उपाय हैं। यह त्र्यंबकेश्वर में विशेष रूप से कराये जाते हैं। त्रिपिण्डी श्राद्ध में आटे को पानी में मांढ़ कर पुतले के रूप में पूर्वजों के प्रतीकात्मक पिंड बना लिये जाते हैं, उन पर मंत्रों का पाठ किया जाता है। अंत में अस्थि विसर्जन के समान उनको जल में प्रवाह कर दिया जाता है।

नारायण नागबलि, पूर्वजों के मोक्ष व उनकी इच्छा पूर्ति के लिए कराया जाता है। इसमें दो दिन श्मशान क्रिया होती है व तीसरे दिन मांगलिक पूजा की जाती है। यदि पितृदोष के कारण संतान बाधा या विवाह बाधा आदि होती है तो इस उपाय के पश्चात जातक बाधामुक्त हो जाता है और काम स्वतः बनने लगते हैं।

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक सात होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक सात होता है। अंक सात का अधिष्ठाता भारतीय मतानुसार केतु एवं पाश्चात्य मतानुसार नेपच्यून ग्रह को माना गया है। इन ग्रहों के थोड़े-बहुत प्रभाव आपके ऊपर आयेंगे। मूलांक सात के प्रभावश आपके अन्दर कल्पना शक्ति की मात्रा अधिक रहेगी। काव्य रचना, गीत-संगीत सुनना, दूरदर्शन देखना आपकी अभिरुचि में समाहित रहेगा। ललित कलाओं, लेखन, साहित्य आदि में आपकी रुचि रहेगी। आर्थिक सफलताएं आपको अधिक नहीं मिलेंगी तथा धन संग्रह करना भी आपको मुश्किल लगेगा। यात्रा, पर्यटन, सैर-सपाटा इत्यादि आपको विशेष अच्छा लगेगा।

दूसरों के मन की बात समझने में आप निपुणता हासिल करेंगे एवं सामने वाले को अपनी ओर आकृष्ट करने की विशेष शक्ति भी आपके अन्दर रहेगी। धर्म के क्षेत्र में आप परिवर्तनशील विचारधारा के रहेंगे एवं पुरानी रूढ़ियों, रीतियों में अधिक रुचि नहीं लेंगे। आपको ऐसे रोजगार-व्यापार पसन्द आयेंगे, जिनमें यात्रायें होती रहती हों तथा दूर-दूर के देशों से सम्पर्क बना रहे। आप ऐसा ही रोजगार चुनेंगे, जिनमें यात्रा के अवसर मिलते रहें।

अतीन्द्रिय ज्ञान की अधिकतावश जहाँ आप दूसरों के मन की बात को जान जायेंगे वहीं आपको स्वप्न भी अद्भुत प्रकार के आते रहेंगे। आपको विदेशों से, जहाज, मोटर इत्यादि वाहनों से विशेष लाभ प्राप्त होंगे।

भाग्यांक तीन का अधिष्ठाता बृहस्पति ग्रह को माना गया है। इसको गुरु भी कहते हैं। गुरु ग्रह के प्रभाववश आप धार्मिक, दानी, उदार, सच्चरित्र, ज्ञानी, विद्वान, परोपकारी, शान्त स्वभाव, सत्य पर आचरण करने वाले व्यक्ति के रूप में ख्याति प्राप्त करेंगे। अनुशासन में रहना एवं दूसरों से अनुशासन की अपेक्षा करना आपका प्रमुख गुण रहेगा। आप अपने अधिनस्थों से अधिकांश कार्य अपने बुद्धि कौशल से निकलवाने में सिद्धहस्त होंगे।

सामाजिक, राजनैतिक क्षेत्रों में आपकी रुचि रहेगी एवं आवश्यकता के समय समाज सेवा के कार्य से पीछे नहीं हटेंगे। धर्म-कर्म के कार्यों में आपकी रुचि रहेगी। गुरु धन-सम्पदा का दाता ग्रह है। अतः गुरु के प्रभाव से अपने कर्मक्षेत्र, रोजगार के क्षेत्र में अच्छी सम्पदा एकत्रित करेंगे। भूमि, वाहन, सम्पत्ति का अच्छा सुख प्राप्त करेंगे। ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में रुचि लेंगे और ऐसा कार्य करना पसन्द करेंगे जिनमें आपके अनुभव, ज्ञान का भरपूर उपयोग होता है। और आपको पूर्ण सम्मान, यश धन इत्यादि मिले।

आपका मूलांक 7 है तथा भाग्यांक 3 है। मूलांक 7 का स्वामी नेपच्यून है तथा भाग्यांक 3 का स्वामी गुरु है। मूलांक 7 एवं भाग्यांक 3 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक एवं भाग्यांक के मिश्रित फल प्राप्त होंगे। नेपच्यून एवं गुरु के संयुक्त प्रभाववश आपको रोजगार-व्यापार में काफी कठिनाइयों का सामना करते हुए वांछित सफलताएं प्राप्त होंगी। आपका भाग्योदय दूरस्थ देशों की यात्राओं के द्वारा होगा। कुछ यात्राएं आपके रोजगार-व्यापार में अनुकूल परिवर्तन करेंगी। आपका स्वभाव परिवर्तनशील होने के कारण आप

किसी भी एक विषय पर दीर्घ काल तक स्थिर नहीं हो पाएंगे। इस प्रकृति के कारण कभी-कभी आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर होगी एवं धन का अपव्यय होगा, जिसका आपको, कुछ काल उपरांत, पश्चाताप रहेगा। कल्पना शक्ति आपकी उच्च कोटि की रहेगी एवं ज्ञान-विज्ञान के क्षेत्र में आपको बहुत कुछ अपने अनुकूल प्राप्त होगा। प्राचीन रुढ़ियों पर आपका विश्वास अधिक नहीं जमेगा तथा उनमें आप समयोचित परिवर्तन करते रहेंगे। आपके जीवन का प्रारंभिक काल साधारण स्तर का रहेगा, लेकिन मध्य काल से आप अपनी मेहनत एवं बुद्धि-विवेक से सफलताएं अर्जित करना प्रारंभ कर देंगे और अंतिम अवस्था तक उच्चता को प्राप्त करेंगे। आपकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति मजबूत बन जाएगी।

आपका भाग्योदय 30 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ होगा तथा 39 वर्ष की अवस्था से आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी एवं 48 वर्ष की अवस्था पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

आपके मूलांक 7 की 2 एवं 6 से मित्रता है तथा भाग्यांक 3 की 6 एवं 9 से मित्रता है। अतः आपके जीवन में 2, 3, 6, 7, 9 के अंक विशेष महत्वपूर्ण रहेंगे। इनसे आपके जीवन की कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्ही अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्ही अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए फरवरी, मार्च, जून, जुलाई, सितंबर माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करें तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 7 एवं भाग्यांक 3 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 2, 3, 6, 7, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 2, 3, 6, 7, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

2 . 11, 20, 29, 38, 47, 56, 65, 74
3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75
6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

7 . 16, 25, 34, 43, 52, 61, 70
9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनकारी रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार साबित होंगी।

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

नेपच्यून (केतु) 21 जून से 25 जुलाई तक पाश्चात्य मत से, सूर्य कर्क राशि में रहता है तथा 16 जुलाई से 16 अगस्त तक, भारतीय मत से सूर्य कर्क राशि में रहता है। इस समय जल तत्व की वृद्धि होती है। अतः उपयुक्त समय मूलांक सात के लिए कोई भी नया कार्य या महत्वपूर्ण कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

रविवार एवं सोमवार के दिवस में कोई भी महत्वपूर्ण कार्य, अपने किसी अधिकारी से मिलना, पत्र व्यवहार आदि के कार्य प्रारंभ करना आपके लिए अनुकूल हैं। आप अपना कोई भी कार्य इन्हीं दिवसों में प्रारंभ करें।

शुभ तारीखें

किसी भी अंग्रेजी माह के दिनांक 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 आपके लिए विशेष महत्वपूर्ण होंगे। इन तारीखों में आप कोई भी नया कार्य, रोजगार-व्यापार, पत्र लेखन या उच्च अथवा विशिष्ट अधिकारी से मिलने का कार्य संपन्न करेंगे तो वह अधिक सुविधाजनक एवं फलदायक रहेगा।

अशुभ तारीखें

आपके लिए अंग्रेजी माह की 1, 9, 10, 18, 19, 27 एवं 28 तारीखें प्रतिकूल हैं। इन तारीखों में रोजगार-व्यापार संबंधी कार्य, पत्र व्यवहार या कोई भी महत्वपूर्ण कार्य प्रारंभ करना आपके लिए अनुकूल नहीं हैं। अतः आप इन तिथियों के दुष्प्रभाव से बचें।

मित्रता या साझेदारी

आप अपनी मित्रता ऐसे व्यक्तियों से रखें जिनका जन्म 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 तारीखों को अथवा 16 जुलाई से 16 अगस्त के मध्य हुआ हो। ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता घनिष्ठ रहेगी तथा वे रोजगार, साझेदारी के क्षेत्र में सहायक सिद्ध होंगे। ऐसे व्यक्ति आपके लिए विश्वसनीय रहेंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

यदि आपको प्रेम अथवा विवाह संबंधी संबंध स्थापित करना है तो आपके लिए ऐसी महिलाएं शुभ रहेंगी जिनका मूलांक 2, 6, 7 हो तथा जिनका जन्म किसी भी माह की 2, 6, 7, 11, 15, 16, 20, 24, 25 एवं 29 तारीखों में हुआ हो। ऐसी महिलाएं आपके लिए विशेष फलदायी रहेंगी।

अनुकूल रंग

आपके मूलांक को देखते हुए आपके लिए हरा काफूरी, सफेद, हल्का तिल रंग शुभ फलदायक होंगे। इसलिए आप वस्त्रों के चयन के समय इन रंगों का ध्यान रखें। ये रंग आपके रोजगार-व्यवसाय तथा स्वास्थ्य के लिए भी अनुकूल रहेंगे। इन्हीं रंगों के तकिये, चादर आदि आपके लिए ठीक रहेंगे। आप इन रंगों का रुमाल अपने पास रखें, जो आपके स्वास्थ्य तथा आपके लिए मंगलमय रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपको ऐसा भवन जिसका मूलांक या नामांक 7 हो तथा वह नैऋत्य कोण दिशा में स्थित हो शुभ रहेगा। यदि आप मकान बनवाते हैं या खरीदने के इच्छुक हैं तो आपके लिए नैऋत्य कोण दिशा उपयुक्त रहेगी तथा आप अपने सभी आवश्यक कार्य इसी दिशा की ओर करें। अपने घर का फर्नीचर काफूरी सफेद, हल्के नीले रंग का खरीदेंगे तो पूर्ण फलदायी रहेगा।

शुभ वाहन नं

आप यदि स्वयं का वाहन आदि खरीदने के इच्छुक हैं तो उसके पंजीकरण के लिए आपके अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करने वाले अंक ही अच्छे रहेंगे। आपका मूलांक 7 है, तब आपके लिए शुभ अंक 2, 6, 7 हो तो अच्छा रहेगा, जैसे पंजीकरण क्रमांक 5236 =7 इत्यादि। यात्रा के वाहन, सीट क्रमांक के अंक भी यही होंगे तो आपकी यात्रा सफल रहेगी। यदि आप होटल में कमरा बुक करते हैं तब नंबर 106 = 7 आदि अंकों का चयन ही करें। यही आपके लिए हितकर रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तब आपको पेट दर्द, छूत के रोग, पसीने की अधिकता तथा दुर्गंध, आमाशय दोष, कब्जियत, नींद न आना, भूख न लगना, गुप्तांग संबंधित रोग, वात तथा गठिया इत्यादि रोग होते हैं। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय आपको नृसिंह भगवान की पूजा एवं उपासना करनी चाहिए।

व्यवसाय

तैराकी, अभिनय, फिल्म व्यवसाय, वायु सेवा, पर्यटन, ड्राइवर का कार्य, बाबूगिरी, जल जहाज के कार्य, पत्रकारिता, संपादन कार्य, रबर, टायर, ट्यूब, प्लास्टिक वर्क, ललित कला संबंधी कार्य, राज्याधिकारी, जासूसी, तरल पदार्थों का क्रय-विक्रय, जादू के कार्य, कूटनीतिक कार्य, नियंत्रक, भूमिगत पदार्थों का व्यवसाय एवं ट्रांसमीटर, रेडियो, अनुवादक आदि के कार्य।

व्रतोपवास

शनिवार को नेपच्यून अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। शनिवार को काले, नीले वस्त्र धारण कर, इक्कावन या उन्नीस शनिवारों को व्रत करें। शरीर में तेल मालिश, तेल दान तथा पीपल के वृक्ष की पूजा करें। शनि मंत्र का यथाशक्ति रुद्राक्ष माला पर जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए लहसुनिया प्रमुख रत्न है। इसके न मिलने पर आप पीला हकीक भी धारण कर सकते हैं। इसे आप शुक्ल पक्ष में शनिवार के दिन, चौघड़िया मुहूर्त में, चांदी की अंगूठी में तीन से पांच रत्ती के लगभग, दाहिने हाथ की कनिष्ठा उंगली में त्वचा को स्पर्श करते हुए धारण करें।

अनुकूल देवता

आप केतु ग्रह की उपासना करें अथवा नृसिंह भगवान की आराधना करें। नृसिंह भगवान के मंत्र 'ओम् ह्रीं उग्रं वीरं महा विष्णुं ज्वलंत सर्वतोमुखं नृसिंह भीषणं भद्र मृत्यु मृत्युं नमाम्यहं ह्रीं' का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो आप विभिन्न रोंगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो नृसिंह भगवान के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए केतु के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु, केतु गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

केतु गायत्री मंत्र – ऊँ पद्मपुत्राय विद्महे अमृतेशाय धीमहि तन्नो केतुः प्रचोदयात्।।

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप केतु का ध्यान करें, मन में केतु की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

पलाशपुष्पसंकाशं तारकाग्रहमस्तकम्।
रौद्रं रौद्रात्मकं घोरं तं केतुं प्रणमाम्यहम्।।

ग्रह जप मंत्र

अशुभ केतु को अनुकूल बनाने हेतु केतु के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान एक सौ सत्तर माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ऊँ सां सीं सौं सः केतवे नमः।। जप संख्या 17000।।

वनस्पति धारण

आप बुधवार के दिन एक इंच लंबी असंगध की जड़ ला कर आसमानी धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधें या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे नेपच्यून/केतु के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपको प्रत्येक बुधवार को एक बाल्टी या बर्तन में सहदेई, लज्जालु (लोबान), बला, मोथा, प्रियंगु और हिंगोठ आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ केतु/नेपच्यून के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए आप कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारू, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोध को मिला कर चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर, भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख-समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

केतु की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को केतु के पदार्थ कस्तूरी, तिल, छाग, काला वस्त्र, ध्वजा, सप्तधान्य, कंबल, उड़द, वैदुर्य मणि, काले पुष्प, तेल, सुवर्ण, लोहा, शस्त्र आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

केतु को अनुकूल बनाए रखने हेतु केतु यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर, सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, शनिवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।

लग्न फल

आपके जन्म आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था, उस समय मेदिनीय क्षितिज पर वृष लग्न के साथ-साथ सिंह नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण का प्रभाव भी आपके जन्मकाल पर पड़ रहा था। मृगशिरा नक्षत्र के प्रथम चरण में जन्मप्रभाव से ऐसा विदित हो रहा है कि आपके प्रारंभिक जीवन के 28 वें वर्ष से अच्छा समय प्रारंभ हो जाएगा।

वृष लग्न पृथ्वी तत्व का सूचक है। इस लक्षण से आप उत्साह पूर्वक सुख आनंद तथा भोग विलास संबंधी वस्तुओं की प्राप्ति अपने प्रभुत्व रीति से जो कुछ भी हो संभाव्य है। उसके कार्य अथवा कर्तव्य, सेवा कार्यादि यथार्थ रूप से प्राप्त करने की कोई संभावना नही है। आप उपयुक्त समय पर अपने मस्तिष्क को कार्य रूप बनाकर कार्यरंभ एवं कार्य संपादन की प्रतीक्षा करेंगे। कार्यात्मक करने का प्रयास आकस्मिक रूप से अच्छी प्रकार करेंगे। ताकि आप लक्ष्य की प्राप्ति हेतु कार्य संपादित कर सकेंगे।

आप अपनी योजना के बारे में सैद्धांतिक रूप से पूर्ण एकाग्रचित होकर, कार्यारंभ करेंगे। आप सामान्यतः बहुत शांत चित्त प्रवृति के प्राणी हैं। परंतु यदि कोई भी व्यक्ति आपके रास्ते में आकर आपके उद्देश्य का उलंघन करना अथवा आपको पराजित करना चाहे तो आप निश्चित रूप से बिना हिचकिचाहट के ज्वालामुखी की तरह विस्तृत रूपेण बलपूर्वक अपने शत्रुओं को परास्त कर देंगे। उदाहरण स्वरूप कोई अन्य आपकी उन्नति में बाधा पहुंचाए अथवा इस प्रकार का कोई संदेहात्मक अनैतिक एवं व्यवधानकारी विचार नही करेगा। आप भविष्य की बिना प्रतीक्षा किए पुनः उसे प्रवृत्ति को त्याग देना चाहते है ताकि आपकी छवि धूमिल न हो सके।

आपके लिए आपकी छवि महत्वपूर्ण है। क्योंकि आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली है। आप मध्यम कद के सशक्त मांसल युक्त गठीला एवं ठोस शरीरिक से सशक्त है। आपके विस्तृत कंधे एवं पूर्ण विकसित छाती आपकी प्रतिभा को चमत्कृत करता है।

आप जब आवेश में आकर सांसारिक वासनामय आरामदायक सुखों की तलाश में कामोत्तेजक एवं व्यभिचारिक बहाव में आ जाते है। तो इसकी पूर्ति हेतु अपने गुप्तांगो की क्षति का जोखिम भी उठाकर असीमित सुख भोग में लिप्त हो जाते हैं। आपको इस प्रकार की प्रवृति का त्याग करना चाहिए।

इसके अतिरिक्त आप किसी प्रकार की स्थिति को सुखद बनाने के लिए कृतसंकल्प रहते हैं। आप अपने पारिवारिक सदस्यों के साथ शांति एवं प्रसन्नता पूर्वक जीवन बिताना चाहते हैं। आपकी पत्नी अच्छी है जो निरंतर आपके अनुकूल आपकी सहायता के लिए स्वेच्छा पूर्वक प्रस्तुत रहती है। आप अपने परिवार को अच्छी प्रकार चलाने की भूमिका पूर्ण रूपेण संघर्षरत रह कर निभाने के लिए प्रयास करते रहोगे।

आप में दो प्रकार की उत्कंठा विद्यमान है। सर्व प्रथम आप सदैव ही धनोपार्जन करना चाहते हैं तथा दूसरा आपको अपने शारीरिक कष्ट से छुटकारा पाने की उत्कंठा बनी रहती

है। यद्यपि सामान्यतः आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथापि आपकी बांह पर कोई साधारण कटने अथवा टूटने के अतिरिक्त आपके कंधों में दर्द हो सकता है। आपको अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना होगा। क्योंकि आप में स्वास्थ्य लाभ करने की शक्ति क्षीण हो गई है। जिस वजह से आप शीघ्रता पूर्वक पूर्ण रूपेण स्वास्थ्य लाभ प्राप्त करने में असमर्थ रहेंगे। हर दृष्टिकोण से यह संभव है कि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

ध्यान दें आपके लिए अनुकूल अंक 2 एवं 8 अंक है जिसे आप उत्तम समझकर व्यवहार में ला सकते हैं। सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

ग्रह फल

सूर्य

द्वितीय भाव में सूर्य हो तो जातक भाग्यवान्, सम्पत्तिवान्, मुखरोगी, झगड़ालू, नेत्रकर्णदन्तरोगी, राजभीरु, घरेलू जीवन दुःखी एवं स्त्री के लिए कुटुम्बियों से झगड़ने वाला होता है।

मिथुन राशि में रवि हो तो जातक धनवान्, ज्योतिषी, इतिहास प्रेमी उदार, विवेकी, विद्वान्, बुद्धिमान, मधुरभाषी, नम्र एवं प्रेमी होता है।

आपके जन्म समय में सूर्य द्वितीय भाव में है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा अल्प मात्रा में शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होती रहेगी। आपके प्रति उनका प्रेम भाव रहेगा तथा विद्यार्जन एवं धनार्जन संबंधी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपको पूर्ण सहायता तथा सहयोग प्रदान करते रहेंगे। साथ ही वे समय समय पर आपको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगे।

आप भी उनका हार्दिक सम्मान तथा आदर करेंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी सेवा करने के लिए भी तत्पर रहेंगे। उनकी आज्ञा का पालन करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेद होने से विवाद आदि की स्थिति भी उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय पश्चात सब कुछ ही ठीक हो जाएगा।

चन्द्र

षष्ठभाव में चन्द्रमा हो तो जातक अल्पायु, आसक्त, कफरोगी, खर्चीले स्वभाववाला, नेत्ररोगी एवं भृत्यप्रिय होता है।

तुला राशि में चन्द्रमा हो तो जातक दीर्घदेही, आस्तिक, अन्नदाता, धनवान्, जमींदार, कुशाबुद्धिवाला, चतुर, उच्चाकांक्षाओं से रहित, सन्तोषी एवं परोपकारी होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति षष्ठ भाव में स्थित है। अतः माता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। परन्तु समय समय पर उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा एवं जीवन में आपको पूर्ण सहायता प्रदान करेंगी। साथ ही आपके कार्यों के व्यवधान आदि को भी दूर करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी एवं आपकी सफलता की हमेशा इच्छुक रहेंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धावान रहेंगे एवं आजीवन उनकी सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही समय समय पर उनको अपनी ओर से वांछित सहयोग तथा सहायता भी प्रदान करेंगे। आपके संबंध मधुर रहेंगे लेकिन यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद होंगे जिससे कभी कभी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय उपरान्त सब कुछ ठीक हो जाएगा।

मंगल

तृतीयभाव में मंगल हो तो जातक कटुभाष, भ्रतृकष्टकारक, प्रदीप्त जठराग्निवाला, बलवान्, बन्धुहीन, सर्वगुणी, साहसी, धैर्यवान् प्रसिद्ध एवं शूरवीर होता है।

कर्क राशि में मंगल हो तो जातक कुशाबुद्धिवाला, धनवान्, बदमाश, कुशलचिकित्सक, या सर्जन, चंचलमनवाला सुखाभिलाषी, कृषक, रोगी एवं दुष्ट होता है।

आपके जन्म समय में मंगल तृतीय भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा वे शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। शक्ति, साहस तथा पराकम से वे युक्त रहेंगे। साथ ही जीवन में सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको यथायोग्य सहयोग प्रदान करते रहेंगे। धन धान्य से भी वे युक्त रहेंगे एवं समयानुसार आपकी आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगे। साथ ही सुख दुःख में आपकी पूरी सहायता करेंगे।

आपके हृदय में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह की भावना रहेगी एवं सर्वदा विषम परिस्थितियों में भी उनका पूर्ण सहयोग करेंगे। आप के परस्पर संबंध मधुर होंगे परन्तु यदा कदा मतवैमिन्यता के कारण उनमें कटुता या तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु वह अल्प समय के लिए रहेगा कुछ समय बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। साथ ही आप सुख दुःख में भी उनको अपनी ओर से पूर्ण सहायता प्रदान करेंगे। इस प्रकार आप भाई बहिनों के सुख मध्यम रूप से ही अर्जित कर सकेंगे।

बुध

द्वितीयभाव में बुध हो तो जातक सुखी, सुन्दर, वक्ता, साहसी, सत्कार्यकारक, संही, दलाल या वकील का पेशा करने वाला, मिष्टाभभोजी, गुणी एवं मितव्ययी होता है।

मिथुन राशि में बुध हो तो जातक मधुरभाषी, शास्त्रज्ञ, लब्धप्रतिष्ठ, वक्ता, लेखक, अल्पसन्ततिवाला, विवेकी, सदाचारी, खोज के काम में चतुर, दीर्घायु, यात्रा का शौकीन, संगीत में रुचि एवं हास परिहास करने वाला होता है।

गुरु

द्वादश भाव में गुरु हो तो जातक मितभाषी, योगाभ्यासी, परोपकारी, उदार, आलसी, सुखी, मितव्ययी, शास्त्रज्ञ, सम्पादक, लोभी, यात्री एवं दुष्ट चित्तवाला होता है।

मेष राशि में गुरु हो तो जातक ऐश्वर्यशाली, तेजस्वी, वकील, वादी, प्रसिद्ध, कीर्तिमान, विजयी, उस्वभाव, धनी, विद्वान, प्रचुर सन्तान, उदार, नम्रभाषी परन्तु अपने आपको दूसरों से उच्च समझने वाला, सुखी विवाहित जीवन एवं उच्चपद पर आसीन होता है।

शुक्र

द्वितीयभाव में शुक्र हो तो जातक भाग्यवान्, साहसी, समयज्ञ, मिष्टान्नभोजी, यशस्वी, लोकप्रिय, जौहरी, दीर्घजीवी, कवि, कुटुम्बयुक्त, सुखी एवं धनवान् होता है।

मिथुन राशि में शुक्र हो तो जातक कवि, साहित्यिक, चित्रकला निपुण, साहित्यिक स्रष्टा, प्रेमी, सज्जन, लोकहितैषी धनी, उदार, सम्मानित, कुशाबुद्धि, विद्वान् एवं परस्त्रियों में रुचि रखने वाला होता है।

शनि

सप्तम भाव में शनि हो तो जातक क्रोधी, कामी, विलासी, अविवाहित रहना या दुःखी विवाहित जीवन, धन सुखहीन, भ्रमणशील, नीचकर्मरत, स्त्रीभक्त एवं आलसी होता है।

वृश्चिक राशि में शनि हो तो जातक संकीर्ण विचारों वाला, हिंसक, कठोरध्दय, उतावला, कमजोर स्वास्थ्य, बुरी आदतें, दुःखी, विष से खतरा, निर्धन स्त्रीहीन, क्रोधी, कठोर एवं लोभी होता है।

राहु

ग्यारहवें भाव में राहु हो तो जातक परिश्रमी, अल्पसन्तान, विदेशियों से धनलाभ, दीर्घायु, मन्दमति, लाभहीन, अरिष्टनाशक, व्यवसाययुक्त, कदाचित् लाभदायक एवं कार्य सफल करने वाला होता है।

मीन राशि में राहु हो तो जातक आस्तिक, कुलीन, शान्त, कलाप्रिय और दक्ष होता है।

केतु

पंचम भाव में केतु हो तो जातक वातरोगी, कुचाली, कुबुद्धि, सन्तान को नष्ट करता है, योगी, कुशाग्रबुद्धि एवं क्रोधी होता है।

कन्या राशि में केतु हो तो जातक सदारोगी, मूर्ख, मन्दाग्निरोग एवं व्यर्थवादी होता है।

स्वास्थ्य, व्यक्तित्व एवं प्रकृति

आपके जन्म समय में लग्न में वृष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। सामान्यतया वृष लग्न में उत्पन्न जातक सुदंर उदार तथा सहिष्णु स्वभाव के होते हैं। उनकी वाणी में भी मधुरता का भाव विद्यमान रहता है। साथ ही व्यक्तित्व भी आकर्षक होता है तथा अन्य जनों को प्रभावित करने में वे समर्थ रहते हैं। शारीरिक रूप से उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है तथा मानसिक सन्तुष्टि भी उनकी बनी रहती है। ये अत्याधिक परिश्रमी जातक होते हैं तथा परिश्रम करने की उनकी अपूर्व क्षमता रहती है जिससे जीवन में उन्नति मार्ग प्रशस्त करने तथा सुखैश्वर्य एवं वैभव अर्जित करने में वे प्रायः सफल रहते हैं। शांति एवं सहिष्णुता के साथ इनमें साहस तथा पराक्रम का भाव भी विद्यमान रहता है।

अतः इसके प्रभाव से आपका व्यक्तित्व आकर्षक रहेगा तथा सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे। अपने वाक्चातुर्य से शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यों को सिद्ध करने में भी सफल होंगे। आपका शारीरिक कद मध्यम होगा परन्तु स्वरूप सुदंर एवं आकर्षक होगा। आप में सहनशीलता का भाव भी विद्यमान होगा।

आप एक परिश्रमी पुरूष होंगे तथा अपनी योग्यता एवं परिश्रम से किसी उच्च पद या समाज में प्रतिष्ठित स्थान प्राप्त करेंगे साथ ही अपने सदगुणों के द्वारा श्रेष्ठ जनों को सन्तुष्ट करने में सफल होंगे। आप एक विद्वान पुरूष होंगे तथा विभिन्न विषयों कला साहित्य एवं संगीत का आपको उचित ज्ञान रहेगा तथा इस क्षेत्र में प्रसिद्धि भी प्राप्त होगी।

लग्नेश शुक्र की राशि के प्रभाव से शारीरिक एवं मानसिक रूप से आप स्वस्थ तथा प्रसन्न रहेंगे तथा उत्साह एवं परिश्रम पूर्वक अपने सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे। दानशीलता का भाव भी आप में विद्यमान होगा तथा समय समय पर जरूरतमन्दों को दान देने में तत्पर रहेंगे। आप एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा आपके कार्य कलापों पर बुद्धिमता की स्पष्ट छाप होगी।

धर्म के प्रति आप श्रद्धालु रहेंगे तथा अवसरानुकूल धार्मिक अनुष्ठानों तथा कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। धार्मिक क्षेत्र में आप किसी संस्था से सम्बंधित हो सकते हैं या इस क्षेत्र में आपको कोई विशिष्ट सफलता या प्रतिष्ठा प्राप्त हो सकती है।

आप में उदारता तथा सहनशीलता का भाव भी विद्यमान रहेगा तथा अवसरानुकूल आप समाज सेवा के लिए भी उद्यत रहेंगे। आपकी प्रवृति सात्विक होगी तथा विचार भी उत्तम होंगे। साथ ही परोपकार की भावना भी विद्यमान होगी। इसके अतिरिक्त कई शास्त्रों का आपको ज्ञान होगा जिससे आपको सामाजिक मान प्रतिष्ठा तथा प्रसिद्धि प्राप्त होगी।

इस प्रकार आप स्वस्थ सुदंर आकर्षक व्यक्तित्व विद्वान एवं साहसी पुरूष होंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक आपका जीवन व्यतीत होगा।

धन, परिवार, आंख एवं वाणी

आपके जन्म समय में द्वितीय भाव में मिथुन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है। अतः इसके प्रभाव से आप की प्रवृति धनसंग्रह करने की रहेगी तथा वर्तमान एवं भविष्य के लिए प्रचुर मात्रा में धन अर्जित करके उसका संग्रह करेंगे इससे आपकी आर्थिक स्थिति सन्तुलित रहेगी। साथ ही जायदाद या स्वर्ण आदि धातुओं पर पूंजीनिवेश करेंगे तथा इससे आपको प्रचुर मात्रा में लाभ प्राप्त होगा। आपका पारिवारिक जीवन सुख एवं शान्ति से युक्त रहेगा तथा उनकी खुशहाली के लिए आप सदैव प्रयत्नशील रहेंगे तथा पारिवारिक जनों से आपको पूर्ण सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा।

सामान्यतया आपको सभी स्वाद रूचिकर लगेंगे परन्तु मिष्ठान के प्रति विशेष रूचिशीलता का प्रदर्शन करेंगे। चूंकि यह भाव वाणी का प्रतिनिधित्व करता है तथा इसका स्वामी बुध होने के कारण आपकी वाणी मृदु तथा प्रभाव शाली रहेगी तथा अन्य जनों को अपनी वाणी से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही विचारों की अभिव्यक्ति भी कुशलता पूर्वक करेंगे परन्तु अवसरानुकूल आप अपने विचारों में परिवर्तन भी कर सकते है। यदि आप यह अनुभव करते है कि इस समय के लिए यह विचार ठीक नहीं है। आतिथ्य सत्कार की भावना भी आपके मन में विद्यमान रहेगी। इसके अतिरिक्त स्त्री वर्ग से आपको उचित लाभ समय समय पर मिलता रहेगा तथा वाहन एवं बहुमूल्य रत्नों की भी प्राप्ति होगी। इसके साथ ही धार्मिक एवं सज्जन प्रवृति के लोगों से आप सामान्यतया मित्रता करना पसन्द करेंगे।

पराक्रम, सहोदर, प्रकाशन एवं लघुयात्राएं

आपके जन्म समय में तृतीय भाव में कर्क राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी चंद्रमा है। अतः इसके प्रभाव से आप अपने भाई बहिनों के प्रति उदार भावुक तथा अत्यंत ही सहानुभूति का व्यवहार रखेंगे। आप उनसे अत्यधिक प्रेम करेंगे तथा उनकी सुख सुविधा का पूर्ण ध्यान रखेंगे परन्तु इसके बाद भी उनसे आपको यथोचित सम्मान तथा आदर अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। कभी कभी परिस्थिति के अनुकूल आप असाधारण साहस तथा पराक्रम का प्रदर्शन करेंगे। आप एक बुद्धिमान पुरूष होंगे तथा नैतिकता का यत्नपूर्वक अनुपालन करते रहेंगे। भाई बहिनों के प्रति समयानुसार आप अपने को परिवर्तन करने में समर्थ रहेंगे। आपकी स्मरण शाक्ति तीव्र रहेगी तथा ऐतिहासिक घटनाओं को याद रखने में सफल रहेंगे। साथ ही भाई बहिनों के प्रति आपका क्रोध भी क्षणिक रहेगा तथा शीघ्र ही उनसे प्रसन्न हो जाएंगे।

जीवन में आप एक कर्तव्य परायण व्यक्ति रहेंगे तथा यत्नपूर्वक अपनी जिम्मेदारियों को पूर्ण करेंगे। आपकी सीखने या याद करने की शक्ति तीव्र होगी अतः किसी से कोई नवीन ज्ञान अर्जित करने में समर्थ रहेंगे। साथ ही उच्च शिक्षा या दर्शन शास्त्र के प्रति भी आपकी रूचि रहेगी। आप सामाजिक जनों की भी यथाशाक्ति सेवा करेंगे। अतः अपने इन कार्यो से ख्याति भी प्राप्त होगी। आप किसी भी उददे्श्य को कार्य रूप में परिवर्तित करने के लिए साहसिक निर्णय लेने में हमेशा समर्थ रहेंगे अतः यदा कदा आप समूह के नेतृत्व को भी प्राप्त कर सकते हैं। आप समाज सेवा, लेखन या किसी नवीन आविष्कार से प्रसिद्धि प्राप्त कर सकते है। साथ ही संचार की सुविधाओं से आप युक्त रहेंगे तथा संचार के क्षेत्र में आजीविका आदि भी कर सकेंगे। प्रकाशक संपादक या संवाददाता के रूप में आपको सफलता प्राप्त हो सकती है। इसके अतिरिक्त आप वैश्य वर्ग के मित्र रहेंगे तथा परिश्रम पूर्वक अपने घर एवं परिवार का पालन पोषण करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आपकी रूचि रहेंगी तथा शील स्वभाव भी उत्तम रहेगा।

शिक्षा, माता, वाहन एवं जायदाद

आपके जन्म समय में चतुर्थ भाव में सिंह राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी सूर्य है। अतः इसके प्रभाव से आप जीवन में समस्त भौतिक सुख संसाधनों एवं आधुनिक विलासमय वस्तुओं से युक्त होंगे तथा सुख पूर्वक इनका उपभोग करने में समर्थ होंगे। शुक्र के प्रभाव से युवावस्था से ही आपको सुख-संसाधनों की उपलब्धि हो जायेगी तथा इसके लिए विशेष परिश्रम भी कम ही करना पड़ेगा।

जीवन में चल एवं अचल सम्पत्ति के स्वामित्व को आप अवश्य प्राप्त करेंगे। आपके प्रचुर मात्रा में धन सम्पत्ति की प्राप्ति होगी तथा विवाह के बाद इसमें काफी वृद्धि होगी। स्त्री के सहयोग से भी धनाढ्य एवं समृद्धशाली व्यक्ति माने जायेंगे। चल सम्पत्ति की उपेक्षा अचल सम्पत्ति की आपके पास बहुलता होगी जिससे जमीन जायदाद तथा मकान प्रमुख होंगे। साथ ही समस्त आधुनिक भौतिक एवं विलासमय उपकरणों से आप सम्पन्न होंगे तथा आनंदपूर्वक इनका उपभोग करेंगे।

उत्तम निवास स्थान के विषय में आप सौभाग्यशाली व्यक्ति समझे जायेंगे। आपका घर उत्तम एवं आधुनिक स्थान में होगा तथा सर्व प्रकार से यह आकर्षक एवं सुसज्जित रहेगा। आप भी इसकी सुन्दरता एवं सफाई का पूर्ण ध्यान रखेंगे। आपका घर किसी अच्छी कालोनी में होगा एवं पड़ोसी भी बुद्धिमान एवं शिक्षित होंगे तथा आपसी संबंध अच्छे रहेंगे। आपकी कुंडली में उत्तम वाहन के भी योग बनते है जिसका आप युवावस्था से ही उपयोग करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

आपकी माता जी सुन्दर सुसंस्कृत एवं मृदुस्वभाव की महिला होंगी तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा। वह एक चतुर एवं बुद्धिमान महिला होंगी तथा अपनी चतुराई एवं व्यवहार कुशलता से परिवार का अच्छी तरह पालन पोषण करेंगी एवं किसी भी व्यक्ति को उनसे कोई परेशानी नहीं होगी। आपके प्रति उनके हृदय में विशेष वात्सल्य एवं स्नेह का भाव होगा तथा अवसरानुकूल उनसे आपको प्रचुर मात्रा में आर्थिक सहयोग की भी प्राप्ति होती रहेगी। आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान का भाव रखेंगे तथा उनकी आज्ञा का पालन करने में तत्पर होंगे। इसके अतिरिक्त सुख-दुख में उनको अपनी ओर से किसी भी प्रकार का कष्ट नहीं होने देंगे। इस प्रकार आपसी संबंध भी मधुर होंगे।

अध्ययन के प्रति वचपन से ही आपकी रूचि होगी तथा बुद्धिमान एवं परिश्रमशील होने के कारण प्रारंभ से ही अध्ययन के क्षेत्र में अनावश्यक समस्याओं एवं बाधाओं का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसी परिपेक्ष्य में आप स्नातक परीक्षा आसानी से उतीर्ण करेंगे तथा इससे आप की आत्मिक शक्ति में वृद्धि होगी फलतः जीवन में इच्छित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में समर्थ होंगे। सामाजिक जनों एवं संबंधियों में भी आपके सम्मान में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपसे प्रसन्न एवं प्रभावित होंगे। इससे आपको प्रोत्साहन मिलेगा जिससे भविष्य उज्ज्वल होगा।

प्रणय सम्बन्ध, सन्तान एवं बुद्धि

आपके जन्मसमय में पंचमभाव में कन्या राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बुध है तथा केतु भी पंचमभाव में ही स्थित है। अतः इसके प्रभाव से आप सामान्य बुद्धि के व्यक्ति होंगे तथा सामाजिक तथा अन्य कार्य कलापों को सामान्य बुद्धि से ही सम्पन्न करेंगे। आपको गंभीर समस्याओं का समाधान करने में काफी परिश्रम का सामना करना पड़ेगा। अतः यदा कदा आपको शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में सफलता प्राप्त करने में विलंब का सामना करना पड़ेगा। वैदिक एवं धर्मशास्त्र तथा दर्शन के ग्रन्थों में आपकी अल्प रूचि होगी परंतु आधुनिक एवं पाश्चात्य साहित्य एवं विज्ञान में अवश्य रूचि एवं अध्ययनशील होंगे तथा इनमें आप परिश्रम पूर्वक न्यूनाधिक मात्रा में सम्मान अर्जित करने में समर्थ होंगे। जिससे समाज में आपको यथोचित सम्मान एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी ।

पंचमभाव में केतु की स्थिति के प्रभाव से प्रेम प्रसंगों में भी आपकी रूचि होगी तथा कई बार एक से अधिक प्रसंग भी आप स्थापित कर सकते है। आपके लिए प्रेम प्रसंगो में मर्यादा तथा आदर्श के भाव की न्यूनता होगी जिससे कई बार आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अतः ऐसी प्रवृतियों की आपको यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

केतु की पंचमभावस्थ स्थिति के प्रभाव से आपको संतति प्राप्ति में काफी विलंब का सामना करना पड़ सकता है परंतु विलंब से ही सही संतति की प्राप्ति अवश्य होगी। आपकी संतति गुणवान, तेजस्वी एवं पराक्रमी होगी तथा जीवन में वांछित उन्नति एवं सफलता अर्जित करने में उनको काफी परिश्रम करना पड़ेगा तथापि अपनी आजीविका अर्जित करने में वे समर्थ होंगे। लेकिन वह हठी एवं मनमौजी प्रवृति के होंगे तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को अपनी मर्जी से सम्पन्न करेंगे एवं माता पिता की सलाह लेना आवश्यक नहीं समझेंगे। माता पिता का ध्यान भी वृद्धावस्था में कम ही रखेंगे। अतः बच्चों से आपको विशेष अपेक्षा नहीं रखनी चाहिए। माता की अपेक्षा पिता से उनका अधिक लगाव होगा तथा अपनी व्यक्तिगत समस्याओं का समाधान पिता के ही माध्यम से करना पसन्द करेंगे।

शिक्षा के क्षेत्र में आपके बच्चों की उन्नति संतोषप्रद होगी तथा आजीविका प्राप्त करने की आवश्यक्ता ही पूर्ण होगी तथापि वे व्यवहार कुशल होंगे। अतः धन ऐश्वर्य की उनके पास कमी नहीं होगी। जिससे उनका जीवन प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। इसके अतिरक्त वे स्वभाव से तेजस्वी भी होंगे अतः समय समय पर अन्य सामाजिक जनों से उनका वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे समाज में उनके एवं आपके मान सम्मान में कमी भी आ सकती है। अतः ऐसी स्थितियों की यत्न पूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए तभी आपका एवं उनका जीवन सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत हो सकता है।

रोग, शत्रु, सेवक एवं मामा

आपके जन्म समय में षष्ठ भाव में तुला राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शुक्र है। अतः इसके प्रभाव से आप सामान्यतया स्वस्थ ही रहेंगे तथा किसी भी प्रकार के कष्ट को सहन करने की शक्ति आप में विद्यमान रहेंगी। आप यदा कदा बुखार या अन्य सामान्य रोगों से कष्ट प्राप्त कर सकते है लेकिन आपको अपने स्वास्थ्य का पूर्ण ध्यान रखना चाहिए क्योंकि आप में रोग अवरोधक तत्वों की न्यूनता होने से जब एक बार बीमार पड़ेगें तो इसमें ठीक होने में काफी समय लग जाएगा। इसके अतिरिक्त भावुकता में आपको वाहन आदि को भी सामान्य गति से चलाना चाहिए।

आपके शत्रु काफी होंगे तथा समय समय पर आपको नीचा दिखाने के लिए वे प्रयत्नशील रहेंगे क्योंकि वे आपकी खुशहाली के प्रति ईर्ष्या का भाव रखते हैं। साथ ही आपके मित्र, संबन्धी एवं पड़ौसी भी आपके ऐश्वर्य से ईर्ष्या करेंगे अतः ये भी समय समय पर शत्रुओं का कार्य करेंगे जो कि आपके अन्य प्रत्यक्ष शत्रुओं से अधिक प्रभावी होंगे। यद्यपि मुकद्दमे आदि में आपकी कोई रूचि नहीं रहेगी परन्तु धन संबन्धी मामलों में आप कोई मुकद्दमा दायर कर सकते हैं। इसमें आपका धन व्यय अधिक होगा परन्तु कुछ परिश्रम के बाद आपको इसमें सफलता मिल सकती है। आपके नौकर आपके लिए विश्वास पात्र नहीं रहेंगे तथा पारिवारिक गुप्त रहस्यों को वे अन्य लोगों को बताकर आपके सम्मान में न्यूनता लाएंगे। साथ ही उनकी चोरी करने की आदत से भी आपको आर्थिक हानि की संभावना रहेगी।

आप स्वच्छन्द प्रवृत्ति के व्यक्ति होंगे तथा अपनी रूचि के अनुसार ही कार्यो को सम्पन्न करेंगे। यद्यपि आपके पास प्रचुर मात्रा में धनागमन होता रहेगा लेकिन आपात्काल के लिए आप बचाव करने में असमर्थ रहेंगे तथा प्रौढ़ावस्था में आपको भाइयों या संबन्धियों के कारण आपको ऋण के बोझ में दबना पड़ सकता है। इससे आपके सामाजिक सम्मान में न्यूनता होगी अतः ऐसी परिस्थितियों से सावधान रहना चाहिए। आपके मामा मामियों से संबन्ध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। खान पान के प्रति भी आपको सतर्क रहना चाहिए अन्यथा वृद्धावस्था में आपको वायु, गुर्दे तथा प्रमेह संबन्धी रोगों से परेशानी हो सकती है। इसके अतिरिक्त आप एक धनवान व्यक्ति होंगे परन्तु समाज में आपके अच्छे कार्यो से भी लोगों से शत्रुता के भाव में वृद्धि होगी अतः सावधान रहें।

परिवार, विवाह एवं साझेदार

आपके जन्म समय में सप्तम भाव में वृश्चिक राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है तथा शनि भी सप्तम भाव को प्रभावित कर रहा है सामान्यतया वृश्चिक राशि के सप्तम भाव में होने से जातक का सहयोगी धनवान पित प्रकृति एवं व्ययशील प्रवृति का मनुष्य होता है। साथ ही शनि के प्रभाव से वह उग्रस्वभाव पराक्रमी एवं साहसी होता है लेकिन चंचलता की अपेक्षा गंभीरता का भाव सर्वदा विद्यमान रहता है।

अतः इनके प्रभाव से आपकी पत्नी तेजस्वी पराक्रमी एवं बुद्धिमती महिला होगी तथा चतुराई से अपने सांसारिक कार्य कलापों को सम्पन्न करंगी। वह भौतिकतावादी एवं आधुनिक विचारों की महिला होंगी एवं पाश्चत्य शास्त्रों के अध्ययन में विशेष रूचि रखेंगी। साथ ही गंभीरता का भाव भी उनके स्वभाव में विद्यमान होगा कर्तव्य परायणता की भावना भी उनमें रहेगी तथा समाज एवं परिवार के प्रति अपने कर्तव्यों का पालन करने में तत्पर होंगी।

आपकी पत्नी किंचित श्यामवर्ण की आकर्षक महिला होंगी तथा उनका कद ऊंचा रहेगा। शारीरिक संरचना शनि जैसे शुष्क ग्रह के प्रभाव से दुबली पतली होगी परन्तु आकर्षण विद्यमान रहेगा साथ ही अन्य अंग प्रत्यंग भी पुष्ट एवं सुडौल रहेंगे उनका व्यक्तित्व आकर्षक होगा तथा सौन्दर्य के प्रति सतर्क रहेंगी एवं समयानुसार सौन्दर्य प्रसाधनों का भी प्रयोग करेंगी।

सप्तम भाव में शनि के प्रभाव से आपके विवाह में विलम्ब होगा लेकिन वैवाहिक प्रक्रिया समय पर पूर्ण हो जाएगी। आपका विवाह विज्ञापन द्वारा सम्पन्न होगा एवं विशिष्ट परिस्थितियों में आप अपनी इच्छा से प्रेम विवाह भी कर सकते है विवाह के बाद सामान्यतया आपका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा परन्तु दोनों की प्रवृति स्वाभिमानी एवं तेजस्वी होने के कारण अल्प समय के लिए आपसी वाद विवाद के कारण संबंधों में तनाव उत्पन्न हो सकता है अतः यदि आप दोनों संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक कार्य लें तो संबंधों में मधुरता हो सकती है।

आपका विवाह समृद्ध एवं धनवान परिवार से सम्पन्न होगा तथा सामाजिक रूप से भी वे प्रभावशाली रहेंगे अतः विवाह के समय दहेज के रूप में आपको पर्याप्त मात्रा में धन सम्पति की प्राप्ति होगी एवं अन्य बहुमूल्य उपहार भी मिलेंगे साथ ही भविष्य में भी आर्थिक एवं नैतिक सहयोग की प्राप्ति होती रहेगी। सास ससुर से आपके संबंध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट अवसरों पर ही मेल मिलाप होगा लेकिन आपसी सौहार्दता बनी रहेगी।

वृश्चिक राशि में शनि के प्रभाव से आपकी पत्नी का सास ससुर के प्रति विशेष सेवा की भावना अल्प होगी एवं सुख दुख में उनका ध्यान कम ही रखेंगी। अपने उग्रस्वभाव से देवर एवं ननद भी उनको विशेष सम्मान एवं सहयोग प्रदान नहीं करेंगे जिससे पारिवारिक सुख शांति प्रभावित होगी।

व्यापार या किसी महत्वपूर्ण कार्य में साझेदारी के लिए स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा इससे हानि की संभावना रहेगी अतः साझेदारी की आपको यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

आयु, दुर्घटना एवं बीमा

आपके जन्म समय में अष्टम भाव में धनु राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। इसके प्रभाव से आपकी ज्यौतिष एवं तंत्र मंत्र आदि के प्रति श्रद्धा रहेगी तथा यत्न पूर्वक इसके ज्ञानार्जन करने में भी समर्थ रहेंगे। साथ ही मनोविज्ञान के क्षेत्र में भी कुछ कार्य करने के लिए तत्पर होंगे। आप के पास पैतृक सम्पत्ति रहेगी लेकिन वह अधिक नहीं होगी साथ ही उसका उपयोग भी आप अच्छी तरह करने में असमर्थ से रहेंगे। आपके संबन्धी भी आपकी जमीन जायदाद आदि पर अपना दावा कर सकते है जिससे अनावश्यक तर्क विर्तकों के साथ वातावरण अप्रसन्नता से युक्त रहेगा। इसके प्रभाव से पारिवारिक कलह भी हो सकता है। अतः यह जायदाद सन्तुष्टि की जगह असन्तुष्टि का भाव ही उत्पन्न करेगी।

विवाह के समय दहेज आदि आपको मध्यम रूप से ही प्राप्त होगा तथा ससुराल पक्ष से किसी निश्चित रकम के बारे में कोई विवाद भी हो सकता है जिससे दाम्पत्य जीवन की मधुरता प्रभावित हो सकती है। आपको न्यूनाधिक रूप से बीमा अवश्य कराना चाहिए चाहे वह किसी का भी हो इससे आपको न्यूनाधिक लाभ अवश्य प्राप्त होगा यद्यपि जीवन में आपको यहां चोरी आदि की संभावना नहीं है तथापि सावधान अवश्य रहना चाहिए। आप स्वपरिश्रम एवं पराक्रम से ही इच्छित धनार्जन करेंगे तथा विशिष्ट धन लाभ के भाव की अल्पता रहेगी। आपकी आयु उत्तम रहेगी तथा जीवन में आप स्वस्थ रहकर अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करेंगे परन्तु वृद्धावस्था में यदा कदा आप शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे लेकिन इसका विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा।

प्रसिद्धि, पूजा, उच्चशिक्षा एवं लम्बी यात्राएं

आपके जन्म समय में नवम भाव में मकर राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। अतः इसके प्रभाव से यद्यपि आप धर्म तथा धार्मिक कार्य कलापों का विरोध नहीं करेंगे परंतु स्वयं की इसमें कोई विशेष रूचि नहीं रहेगी। साथ ही इच्छा पूर्वक किसी भी धार्मिक ग्रंथ के अध्ययन के इच्छुक भी नहीं रहेंगे लेकिन ईश्वर की सत्ता में आपका पूर्ण विश्वास रहेगा तथा इसी परिपेक्ष्य में आप व्रतादि का भी आचरण करेंगे। आप दैनिक पूजा पाठ भी सम्पन्न करेंगे या इस उदद्शेय की पूर्ति के लिए प्रतिदिन किसी मंदिर या अन्य पूजास्थल में जा सकते है। आप धार्मिक कार्य कलापों में विशेष व्यय करना उचित नहीं समझते। इसके साथ ही अन्य विषयों में उच्चशिक्षा अर्जित करने के लिए विशेष उत्सुक रहेंगे लेकिन धर्म एवं भाग्य को आप अपनी विचार धारा में सम्मिलित कम ही करेंगे। आपकी अर्न्तप्रज्ञा विकसित रहेगी तथा शरीर में आत्मा को स्वीकार करेंगे।

आपके विचार में जीवन कर्म प्रधान होना चाहिए तथा भाग्य इसमें सहायक की भूमिका निभाता है। अतः अन्य जनों को हमेशा कार्य करने की शिक्षा देंगे तथा भाग्य पर अल्प विश्वास करने के लिए कहेंगे लेकिन प्रौढ़ावस्था में आप स्वयं कर्म की अपेक्षा भाग्य की महत्ता को अधिक मात्रा में अनुभव करेंगे तथा आपके विचार में भाग्य की प्रबलता के बिना कर्म का कोई विशेष महत्व नहीं है। आपकी लम्बी दूरी की यात्राएं अल्प मात्रा में होंगी तथा इनसे विशेष लाभ भी नहीं होगा लेकिन समाज में सम्मानीय तथा ख्याति प्राप्त व्यक्ति होंगे। आप अपने पूर्व जन्म के पुण्यों के फल से मध्यमायु में शुभ फल प्राप्त करेंगे तथा इस समय सुखी रहेंगे लेकिन वृद्धावस्था में किंचित परेशानी हो सकती है। साथ ही पौत्रादि का सुख भी मध्यम ही रहेगा।

व्यवसाय, पिता एवं सामाजिक स्तर

आपके जन्म समय में दशमभाव में कुम्भ राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी शनि है। कुम्भ राशि वायुतत्व युक्त है। अतः इनके प्रभाव से आपका कार्य क्षेत्र निरंतर उन्नतिशील रहेगा एवं किसी भी प्रकार की अनावश्यक समस्याओं एवं व्यवधानों का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही इच्छित उन्नति एवं सफलता भी मिलती रहेगी।

दशम भाव में कुंभ राशि का स्वामी शनि है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपकी आजीविका उत्तम रहेगी। आपके लिए वायुसेना, एयर लाइंस, खनिज एवं खान विभाग, पेट्रोलियम उद्योगों में भागीदारी, फैक्टरी कर्मचारी, संदेशवाहक तथा राजनीति के क्षेत्र में विशिष्ट सफलता मिल सकती है। अतः यदि आप अपनी आजीविका इन्हीं क्षेत्रों में प्रारंभ करें तो इनमें आपको वांछित उन्नति एवं सफलता प्राप्त होगी तथा उन्नति के शिखर पर पहुँचने में आप समर्थ होंगे। साथ ही राजनीति आपके लिए काफी अनुकूल होगी तथा इस क्षेत्र में अल्प समय में ही आप काफी उन्नति करने में समर्थ हो सकते है। अतः आजीविका में वांछित सफलता एवं नवीन आयाम स्थापित करने के लिए आपको उपरोक्त क्षेत्रों या विभागों में ही अपना कार्य क्षेत्र निश्चित करना चाहिए।

व्यापारिक क्षेत्र में लोहे के व्यापार से विशिष्ट लाभ प्राप्त करेंगे। इसके साथ ही भारी उद्योग, फैक्टरी, पेट्रोल पम्प, शराब का व्यापार प्रेस, खेती, बागवानी, आदि के कार्यो से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में समर्थ होंगे तथा जीवन में विशिष्ट उन्नति तथा लाभ अर्जित करेंगे। अतः आपको चाहिए कि यत्नपूर्वक इन्हीं क्षेत्रों में अपने व्यापार का शुभारम्भ करें।

योगकारक ग्रह की राशि के प्रभाव से जीवन में आप उच्च मान सम्मान एवं पद अर्जित करने में समर्थ होंगे। समाज में आपको प्रचुर मात्रा में यश तथा प्रतिष्ठा की भी प्राप्ति होगी। आपका सम्पर्क अधिकारी एवं राजनैतिक नेताओं से बने रहेंगे जिससे सर्वत्र प्रभावशाली माने जाएंगे। साथ ही सामाजिक या सार्वजनिक संस्थाओं में भी आप उच्चपदाधिकारी के रूप में कार्यरत होंगे इनसे आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा यश एवं प्रसिद्धि भी मिलेगी तथा आपका सामाजिक स्तर भी उच्च होगा।

आपके पिता तेजस्वी बुद्धिमान योग्य एवं पराक्रमी पुरूष होंगे तथा उनका व्यक्तित्व भी आकर्षक होगा फलतः अन्य जन उनके कार्यकलापों से प्रभावित रहेंगे। आपके प्रति उनका विशेष स्नेह एवं वात्सल्य का भाव होगा तथा शिक्षा दीक्षा का समुचित ध्यान रखेंगे साथ ही आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति में उनका विशेष योगदान रहेगा एवं उनके प्रभाव से भी आपको प्रचुर मात्रा में लाभ उन्नति एवं प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। आपकी भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धा एवं सम्मान की भावना होगी तथा उनकी आज्ञा पालन करना अपना प्रिय कर्तव्य समझेंगे। इसके अतिरिक्त परस्पर सिद्धांतों एवं वैचारिक एकता होने के कारण संबंधों में भी मधुरता रहेगी।

लाभ, मित्र, समाज एवं ज्येष्ठ भ्राता

आपके जन्म समय में एकादश भाव में मीन राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी बृहस्पति है। अतः इसके प्रभाव से आप एक महत्वाकांक्षी व्यक्ति होंगे तथा अपनी महत्वाकांक्षाओं तथा इच्छाओं की पूर्ति के लिए ईमानदारी तथा सत्य का अनुपालन करेंगे तथा परिश्रम पूर्वक उनको पूर्ण करने में समर्थ रहेंगे। इसके साथ ही आप जब भी जिस वस्तु की कामना करते है आपको उसकी प्राप्ति भी हो सकती है। आप शिक्षक, बैंक अधिकारी, वकील कम्पनी या सरकारी अधिकारी के रूप में व्यवसायिक सफलता अर्जित कर सकते है या इन लोगों से आपको समय समय पर विशिष्ट लाभ की प्राप्ति हो सकती है। इसके प्रभाव से आप मित्रों के संबंध में भाग्यशाली रहेंगे तथा उनसे आपको समय समय पर इच्छित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा। मित्रों से आप को जीवन में उचित प्रोत्साहन भी प्राप्त होगा जिससे आपकी उन्नति होगी तथा वे आपसे वयस्क एवं अनुभवी होंगे।

आपका सामाजिक स्तर उच्च रहेगा तथा बड़े बड़े अधिकारी मंत्री नेता या महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपका मेल जोल या संबंध रहेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान की प्राप्ति होगी। साथ ही महत्वपूर्ण लोगों के प्रभाव से आप उचित लाभ एवं ख्याति प्राप्त करेंगे। बड़े भाई बहिनों से आपके संबंध सामान्यतया मधुर रहेंगे आवश्यकतानुसार उनका सहयोग भी मिलता रहेगा। आपके आय के साधन मुख्य कार्य के अतिरिक्त अन्य भी हो सकते है जिससे की आपका धनार्जन अच्छा रहेगा साथ ही जीवन में आप समयानुसार कोई विशिष्ट सम्मान भी अर्जित करने में समर्थ हो सकते है। इसके अतिरिक्त बाएं कान के दर्द से यदा कदा परेशान हो सकते है परन्तु सामान्य जीवन आनन्द पूर्वक व्यतीत करेंगे।

विदेश यात्रा, हानि, बन्धन एवं कर्ज

आपके जन्म समय में द्वादश भाव में मेष राशि उदित हो रही थी जिसका स्वामी मंगल है। अतः इसके प्रभाव से आप धन का सदुपयोग करने वाले व्यक्ति होंगे तथा अवसरानुकूल बचत भी करेंगे। आप समान्यतया अनावश्यक व्यय कम ही करेंगे। साथ ही धैर्य का भाव भी आप में विद्यमान रहेगा। आप धन की कीमत समझेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक इसका उपयोग करेंगे लेकिन आपको अपना पूंजीनिवेश सामान्य कंपनियों या अन्य स्थानों में नहीं करना चाहिए।

आपकी जीवन में उन्नति शनैः शनैः सम्पन्न होगी क्योंकि आप किसी कार्य को अत्यंत ही सोच समझकर धैर्य पूर्वक सम्पन्न करते हैं तथा आर्थिक स्थिति भी युवावस्था के बाद ही विशेष अनुकूल हो सकती है। अतः आपको आर्थिक क्षेत्र में किसी नाटकीय परिवर्तन की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त आप लम्बी अवधि के निवेशों से लाभान्वित हो सकते है।

आपका सामान्य व्यय परोपकार संबंधी कार्यो पर होगा तथापि यदा कदा कोई अनावश्यक व्यय भी हो सकता है। अतः इससे आपको सावधानी रखनी चाहिए। यात्राओं से आपको आनन्द की अनुभूति होगी तथा समय समय पर इनसे लाभ भी होता रहेगा। आप जीवन में विदेश यात्रा अवश्य करेंगे। यह यात्रा आपकी धर्म या धार्मिक कार्यो से संबंधित होगी अथवा किसी अन्य व्यक्ति या संबंधी के सहयोग से आपको यह सुअवसर प्राप्त होगा। यह चाहे यात्रा किसी भी संदर्भ में हो आपके लिए आर्थिक एवं अन्य दृष्टियों से लाभदायक रहेगी तथा विभिन्न दर्शनीय स्थानों की सैर करने का भी आपको अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त यदा कदा आपको बायीं आंख में कोई परेशानी हो सकती है। अतः इसका उचित ध्यान रखना चाहिए।

नक्षत्रफल

आपका जन्म विशाखा नक्षत्र के प्रथम चरण में हुआ हैं। अतः आपकी जन्मराशि तुला तथा राशि स्वामी शुक्र होगा। नक्षत्रानुसार आपका वर्ण शूद्र, गण राक्षस, योनि व्याघ्र, नाड़ी अन्त्य तथा वर्ग सर्प होगा। नक्षत्र के चरणानुसार आपके जन्म नाम का प्रारम्भ "ति" या "ती" अक्षर से प्रारम्भ होगा यथा-तीरथ राम।

आप पूर्ण रूप से हमेशा अपनी स्त्री के वश में रहेंगे तथा उसी की सलाह तथा निर्देशानुसार अपने अधिकांश सांसारिक कार्यों को सम्पन्न करेंगे। उसकी आज्ञा के बिना आप किसी भी सांसारिक कार्य को करने में स्वयं को असहाय सा महसूस करेंगे। आप छोटी छोटी बातों तथा वस्तुओं पर यदा कदा अभिमान का भी प्रदर्शन करेंगे शत्रुवर्ग के ऊपर आपका गहन प्रभाव रहेगा तथा वे लोग अपने आपको आपसे सर्वथा पराजित समझेंगे। इसके साथ ही आपकी प्रकृति में क्रोध की भी प्रबलता रहेगी। अतः आप बात बेबात पर शीघ्र ही उत्तेजित भी होते रहेंगे।

गर्वी दारवशो जितारिरधिक क्रोधी विशाखोद्भवः।
जातक परिजातः

अर्थात् विशाखा नक्षत्र में उत्पन्न जातक घमंड, हमेशा अपनी पत्नी के वश में रहने वाला, शत्रुओं को पराजित करने वाला तथा अत्यधिक क्रोधी स्वभाव का होता है।

समाज में अन्य जनो के प्रति कभी कभी आपके मन में अकारण ही ईर्ष्या तथा द्वेष का भाव विद्यमान रहेगा। यदि कोई भी व्यक्ति आपसे कोई अच्छा कार्य करेगा अथवा कोई सफलता प्राप्त करेगा तो अनायास ही उसके प्रति आपके मन में ईर्ष्या उत्पन्न होने लगेगी। आप स्वभाव से ही अनावश्यक इच्छाओं तथा वस्तुओं के प्रति आपके मन में उत्सुकता रहेगी। आपका शरीर कान्ति से हमेशा सुशोभित रहेगा तथा बोलने में आप अत्यन्त ही चतुर होंगे तथा अपनी वाक्पटुता से सबको प्रभावित करेंगे। आप अन्य लोगों से तर्कहीन बातों से विवाद में भी नित्य तत्पर रहेंगे।

ईर्ष्युर्लुब्धोः द्युतिमान्वचनपटुः कलहकृद्विशाखासु।।
बृहज्जातकम्

अर्थात विशाखा नक्षत्र में उत्पन्न जातक ईर्ष्या तथा द्वेष करने वाला, लोभी, कान्तियुक्त, वाक्चतुर तथा कलहप्रिय होता है।

आप धार्मिकता की भावना से भी युक्त रहेंगे तथा देवताओं को प्रसन्न करने के लिए नित्य हवनादि धार्मिक क्रियाओं को सम्पन्न करते रहेंगे। साथ ही आपका मित्रता का क्षेत्र विशेष विस्तृत नहीं रहेगा तथा कम ही लोग आपके मित्र होंगे।

सदानुरक्तोग्निसुरक्रियायां धातुक्रियायामपि चोग्रसोम्यः।

यस्य प्रसूतौ च भवेद्विशाखा सखा न कस्यापि भवेन्मनुष्यः।।
जातकाभरणम्

अर्थात् विशाखा नक्षत्र में उत्पन्न जातक देवादि पूजन के निमित हवनादि कार्यों में रत रहने वाला, धातुक्रिया में कभी उग्र तो कभी सौम्यता का प्रदर्शन करने वाला तथा किसी का भी मित्र नहीं होता है।

आपके हृदय में दया तथा करूणा के भाव की भी अल्पता रहेगी तथा निपुणता की इसमें प्रबलता रहेगी। अन्य लोगों से आपका वाद विवाद चलता रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज में अन्य जनों से भी आपके मित्रतापूर्ण घनिष्ठ संबंध रहेंगे।

अतिलुब्धोडतिमानी च निष्ठुरः कलहप्रियः।
विशाखायां नरो जातः वैश्याजन रतो भवेत।।
मानसागरी

अर्थात विशाखा नक्षत्र में उत्पन्न जातक अति लोभी, घमंडी, निष्ठुर, झगड़ा करने वाला तथा अन्य स्त्रियों से संबंध रखने वाला होता है।

आपका जन्म स्वर्ण पाद में हुआ हैं। यद्यपि स्वर्ण पाद में उत्पन्न होने से जातक को कई प्रकार से दुःख एवं कष्ट प्राप्त होते हैं। उसका शारीरिक स्वास्थ्य ठीक नहीं रहता तथा धनाभाव हमेशा रहता है। साथ ही जातक जीवन में सुखसंसाधनों से भी हीन रहता है। सांसारिक कार्यों में उसे अल्प मात्रा में ही सफलता अर्जित होती है। इसके अतिरिक्त जीवन के हर क्षेत्र में अत्याधिक परिश्रम के द्वारा उसे अल्प सफलता प्राप्त होती है। चूंकि आपका चन्द्रमा जन्म कुण्डली में अपनी शुभ राशि में स्थित है। अतः आपके लिए यह अशुभ नहीं रहेगा।

अतः आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा शत्रु अल्प मात्रा में रहेंगे तथा वे आपसे पराजित तथा प्रभावित होंगे। परन्तु कभी कभी आपके स्वभाव में क्रोध तथा उग्रता का भाव भी दृष्टिगोचर होगा। आपका सौन्दर्य आकर्षक होगा एवं शरीर में पूर्ण रूप से कोमलता विद्यमान रहेगी। आप अपने जीवन में विविध प्रकार के सुखसंसाधनों को अर्जित करेंगे तथा प्रसन्नताा पूर्वक उसका उपभोग करने में भी सफल रहेंगे। द्रव्यों के प्रति भी यदा कदा आपकी आसक्ति रहेगी एवं कभी कभी सामान्य बीमारियों से भी आप पीडित रहेंगे।

तुला राशि में उत्पन्न होने के कारण आप शरीर तथा मुख से सुदर रहेंगे। आपकी नासिका उन्नत तथा आखें भी देखने में बड़ी बड़ी होंगी। आप विविध प्रकार के वाहनादि साधनो से सर्वथा सुसम्पन्न रहेंगे तथा प्रसन्नतापूर्वक जीवन में इसका उपभोग करेंगे। आप वाहन तथा भूमि से शक्तिशाली होकर इनसे पर्याप्त मात्रा में धनार्जन करेंगे। आप एक पराक्रमी पुरूष होंगे तथा समाज में सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं उनको उचित मान सम्मान प्रदान करेंगे। आप नाना प्रकार के धन वैभव तथा ऐश्वर्य से युक्त होकर जीवन सुखपूर्वक उसका उपभोग करने में सर्वथा सफलता प्राप्त करेंगे। स्त्री के आप पूर्ण रूप से वश में रहेंगे एवं समस्त सांसारिक कार्यों को उनके निर्देशानुसार ही सम्पन्न करेंगे। कार्यों को सम्पन्न करने में आप

हमेशा प्रवीणता को प्राप्त रहेंगे तथा सुगमतापूर्वक किसी भी कार्य को करने में समर्थ रहेंगे। देवता तथा ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा तथा भक्ति का भाव विद्यमान रहेगा। धन धान्यादि के संग्रह करने की प्रवृति से भी हमेशा युक्त रहेंगे तथा बन्धु वर्ग के लिए कल्याणकारी कार्यों को करने में सर्वथा तत्पर रहेंगे।

उन्नासो व्यायताक्षः कृशवदनतनुर्भूरिदारो वृषाढ्यो।
गो भूम्यः शौचकरो वृषसमवृषणो विक्रमज्ञः क्रियेशः।।
भक्तो देवद्विजानां बहुविभवयुतः स्त्रीजितो हीनदेहो।
धान्यादानैकबुद्धिस्तुलिनि शशधरे बन्धुवर्गोपकारी।।
सारावली

आप समाज में देवता, ब्राहमण तथा भद्रजनों की सेवा कार्य में सर्वथा तत्पर रहेंगे तथा विद्धता से सुशोभित होकर पवित्रता पूर्ण जीवन व्यतीत करेंगे। आपका शरीर सुगन्धित रहेगा।घूमने तथा यात्रा करने के आप विशेष शौकीन रहेंगे अतः यात्रादि में आपका अधिकाँश समय व्यतीत होगा। क्रय विक्रय के कार्य में आप अत्यन्त ही दक्ष रहेंगे। अतः व्यापारिक कार्यों में आप विशेष रूचि लेंगे। अपने समीपी बन्धु जनों की आप यत्नपूर्वक भलाई करेंगे परन्तु बाद में आपको इन्ही लोगों उषेद्विी भी होना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त धन का आपके पास अभाव नहीं रहेगा अपितु धन से सदा सुसम्पन्न रहेंगे।

देवब्राहमणसाधुपूजनरतः प्राज्ञः शुचिः स्त्रीजितः।
प्रांशुश्चोन्नतनासिका कृशचलदगात्रो डटनोडर्थान्वितः।।
हीनाङ्गः क्रयविक्रयेषु कुशलो देवद्विनामा सरूक्।
बन्धूनामुपकारकृद्वि रूषतस्त्यक्तस्तु तैः सप्तमे।।
बृहज्जातकम्

आप एक धैर्यशाली पुरूष होंगे तथा अपने अधिकाँश कार्यों को धैर्यपूर्वक ही सम्पन्न करेंगे। न्याय के प्रति आपके मन में पूर्ण सम्मान रहेगा तथा आपकी बातों से ही आपकी न्यायप्रियता का आभास होगा। आपकी इसी प्रवृति से प्रभावित होकर लोग आपको अपने विवादों का समाधान आदि करने में मध्यस्थ या पंच नियुक्त करेंगे। आपकी सन्तति भी अल्प सख्यां में होगी तथा भाग्योदय भी विलम्ब से ही उदय होगा।

चलत्कृशाङ्गो डुतोडतभक्तो देवद्विजानामटनोद्विनामा।
प्रांशुश्च दक्षः क्रयविक्रयेषु धीरो डदयस्तौलिनि मध्यवादी।।
फलदीपिका

आपका शारीरिक कद मध्यम रहेगा तथा राज्य के उच्चाधिकारियों तथा पदाधिकारियों को प्रसन्न करने की कला में आप निपुण रहेंगे तथा इनसे पूर्ण आदर तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। आप कभी कभी बहुत अधिक बोलेंगे जिसे अन्य जन पसन्द नहीं करेंगे। इससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आप ज्योतिष अथवा ग्रहनक्षत्र आदि के ज्ञान करने वाले शास्त्र में श्रेष्ठ विद्वान होंगे। बन्धु एवं सेवकों के प्रति आपके

मन में अनुराग की भावना रहेगी।

भवति शिथिलगात्रो नातिदीर्घो न खर्वी।
जनपति परितोषी बान्धवेभ्यः प्रदाता।।
अतिशय बहुभाषी ज्योतिषां ज्ञान युक्तो।
भवति सः तुलाराशि बन्धुभृत्यानुरागी।।
जातक दीपिका

आप कभी कभी अनुचित अवसर पर अपने क्रोध का भी प्रदर्शन करेंगे इससे आपको दुःख की अनुभूति करनी पडेगी। आप अत्यन्त ही मधुर एवं प्रिय वाणी का अपने सम्भाषण में प्रयोग करेंगे फलतः सभी लोग आपसे प्रसन्न तथा प्रभावित रहेंगे। दीन दुःखियों के प्रति आपके मन में दया तथा करूणा की भावना रहेगी एवं समय समय पर अपनी इस भावना का आप प्रदर्शन करते रहेंगे। आपके नेत्रों में भी चंचलता व्याप्त रहेगी तथा धनागमन भी विषम स्थितियों में रहेगा अर्थात कभी अत्याधिक धनागमन होगा तो कभी अत्यन्त अल्प मात्रा में रहेगा। आप घर में अपने को बलवान तथा घर से बाहर अत्यन्त ही निर्बल महसूस करेंगे। मित्रों के मध्य आप प्रिय रहेंगे तथा देश से बाहर विदेश में भी आप प्रवास करेंगे।

अस्थानरोषणो दुःखी मृदुभाषी कृपान्वितः।
चलाक्षश्चललक्ष्मीको गृहमध्येळति विक्रमः।।
वाणिज्य दक्षो देवानां पूजको मित्रवत्सलः।
प्रवासी सुहृदयमिष्टस्तुला जातो भवेन्नरः।।
मानसागरी

आप विभिन्न प्रकार के वाहनों से हमेशा युक्त रहेंगे एवं आपके अर्न्तमन में दानशीलता की भावना विद्यमान रहेगी जिसका समय समय पर आप प्रदर्शन करते रहेंगे। स्त्री के आप अत्यन्त प्रिय रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग तथा आदर की भी प्राप्ति होगी। साथ ही आपका सम्पूर्ण जीवन वैभव से सुसम्पन्न रहेगा।

वृषतुरंग विक्रमविक्रमनद्विजसुरार्चनदानमना पुभान्।
शशिनि तौलिगते बहुदारभाग्विभवसंभव संचित विक्रमः।।
जातकाभरणम्

राक्षस गण में उत्पन्न होने के कारण कभी कभी आपकी प्रवृति व्यर्थ की बातों को अधिक कहने की रहेगी आपका हृदय भी कठोर होगा तथा दया के भाव की इसमें न्यूनता रहेगा। आप एक साहसी व्यक्ति होंगे तथा साहसपूर्वक ही अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। आप छोटी छोटी बातों में शीघ्र ही क्रोधित होने वाले भी होंगे। अपने कार्यों को सिद्ध करने के लिए आप हमेशा तत्पर रहेंगे। कार्य को आप शरीर से बलिष्ठ रहेंगे तथा अन्य जनों से आपका विवणद चलता रहेगा इससे समाज के अधिकांश लोग आपसे द्वेष की भावना रखेंगे। अतः आप अन्य जनों से आप को प्रेम तथा विनम्रतणपूर्वक व्यवहार करना चहिए।

आप अपने जीवन काल में प्रमेह तथा उन्माद रोग से भी ग्रसित हो सकते है

आपकी मुखाकृति दीर्घ होगी तथा आप अपने सम्भाषण में अत्यन्त ही कठोर भाषण का उपयोग करेंगे जिससे श्रोता अत्यन्त ही कष्ट की अनुभूति करेगा। अतः यत्नपूर्वक अपने वार्तालाप में मधुर शाब्दों का प्रयोग करें।

अनल्पजल्पश्च कठोरचित्तः स्यात्साहसी क्रोधपरोद्धतश्च।
दुःशीलवृतः कलीकृत्वलीमान रक्षोगणोत्पन्नरो विरोधी।।
जातकभरणम्

अर्थात् राक्षस गण में उत्पन्न जातक व्यर्थ बोलने वाला, कठोर, साहसी, अकारण ही क्रोधित होने वाला, नीच प्रकृति से युक्त, झगड़ू, बलवान तथा अन्य लोगों का विरोधी होता है।

व्याघ्र योनि में जन्म होने के कारण आप स्वतंत्र प्रकृति के व्यक्ति होंगे तथा स्वच्छन्दता पूर्वक अपने कार्य को करने की इच्छा करेंगे। बाहरी दबाव या हस्तक्षेप आपको पसन्द नहीं होगा। धन धान्य को संग्रह करने की प्रवृति भी आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने कार्य क्षेत्र में पूर्ण प्ररिशिक्षित होंगे तथा इससे आप पूर्ण मान सम्मान तथा आदर के अधिकारी होंगे। आप गुणों को शीघ्रता से ग्रहण करने की क्षमता से भी सम्पन्न रहेंगे तथा अच्छी अच्छी बातों को शीघ्र धारण करेंगे। लेकिन आपका कमजोर पक्ष यह रहेगा कि आप अपने ही मुख से अपनी प्रशंसा करेंगे। इससे आपके सामाजिक प्रभाव में न्यूनता होगी।

स्वच्छन्दोऽर्थरतो ग्राही दीक्षावान सः विभुः सदा।
आत्मस्तुतिपरो नित्यं व्याघ्रयोनि भवो नरः।।
मानसागरी

अर्थात् व्याघ्र योनि में उत्पन्न जातक स्वतंत्र प्रवृति वाला, अर्थसंग्रह में तत्पर, गुणों को ग्रहण करने वाला, दीक्षित, वैभव युक्त तथा अपने ही मुख से स्वयं अपनी प्रशंसा करने वाला होता है।

आपके जन्म समय में चन्द्रमा की स्थिति षष्ठ भाव में स्थित है। अतः माता के आप प्रिय रहेंगे। उनका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। परन्तु समय समय पर उन्हें शारीरिक परेशानी होती रहेगी। धन सम्पत्ति का उनके पास अभाव नहीं रहेगा एवं जीवन में आपको पूर्ण सहायता प्रदान करेंगी। साथ ही आपके कार्यों के व्यवधान आदि को भी दूर करने के लिए प्रयत्नशील रहेंगी एवं आपकी सफलता की हमेशा इच्छुक रहेंगी।

आप भी उनके प्रति पूर्ण श्रद्धावान रहेंगे एवं आजीवन उनकी सेवा के लिए तत्पर रहेंगे। साथ ही समय समय पर उनको अपनी ओर से वांछित सहयोग तथा सहायता भी प्रदान करेंगे। आपके संबंध मधुर रहेंगे लेकिन यदा कदा सैद्धान्तिक मतभेद होंगे जिससे कभी कभी अप्रिय स्थिति उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय उपरान्त सब कुछ ठीक हो जाएगा।

आपके जन्म समय में सूर्य द्वितीय भाव में है। अतः आपके पिता का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा परन्तु यदा कदा अल्प मात्रा में शारीरिक दुर्बलता की अनुभूति होती रहेगी। आपके प्रति

उनका प्रेम भाव रहेगा तथा विद्यार्जन एवं धनार्जन संबंधी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में वे आपको पूर्ण सहायता तथा सहयोग प्रदान करते रहेंगे। साथ ही वे समय समय पर आपको आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगे।

आप भी उनका हार्दिक सम्मान तथा आदर करेंगे एवं यत्नपूर्वक उनकी सेवा करने के लिए भी तत्पर रहेंगे। उनकी आज्ञा का पालन करना आप अपना कर्तव्य समझेंगे। आपके परस्पर संबंध मधुर रहेंगे परन्तु यदा कदा मतभेद होने से विवाद आदि की स्थिति भी उत्पन्न होगी परन्तु कुछ समय पश्चात सब कुछ ही ठीक हो जाएगा।

आपके जन्म समय में मंगल तृतीय भाव में स्थित है अतः आपके भाई बहिनों का स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा वे शारीरिक रूप से व्याकुलता की अनुभूति करेंगे। शक्ति, साहस तथा पराक्रम से वे युक्त रहेंगे। साथ ही जीवन में सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में आपको यथायोग्य सहयोग प्रदान करते रहेंगे। धन धान्य से भी वे युक्त रहेंगे एवं समयानुसार आपकी आर्थिक सहयोग भी प्रदान करेंगे। साथ ही सुख दुःख में आपकी पूरी सहायता करेंगे।

आपके हृदय में भी उनके प्रति पूर्ण स्नेह की भावना रहेगी एवं सर्वदा विषम परिस्थितियों में भी उनका पूर्ण सहयोग करेंगे। आप के परस्पर संबंध मधुर होंगे परन्तु यदा कदा मतवैमिन्यता के कारण उनमें कटुता या तनाव भी उत्पन्न होगा परन्तु वह अल्प समय के लिए रहेगा कुछ समय बाद सब कुछ ठीक हो जाएगा। साथ ही आप सुख दुःख में भी उनको अपनी ओर से पूर्ण सहायता प्रदान करेंगे। इस प्रकार आप भाई बहिनों के सुख मध्यम रूप से ही अर्जित कर सकेंगे।

आपके लिए माघ मास, चतुर्थी, नवमी, चतुर्दशी तिथियां, शतमिषा नक्षत्र, शुक्ल योग, तैतिल करण, गुरूवार चतुर्थ प्रहर तथा धनु राशिस्थ चन्द्रमा हमेशा अनिष्ट फलदायक रहेंगे अतः आप 15 जनवरी से 14 फरवरी के मध्य 4,9,14 तिथियों, शतमिषा नक्षत्र शुक्ल योग तथा तैतिल करण में कोई भी शुभ कार्य व्यापार प्रारम्भ, नवग्रहनिर्माण, क्रयविक्रयादि महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न न करें अन्यथा लाभ की अपेक्षा हानि ही अधिक होगी। साथ ही गुरूवार चतुर्थ प्रहर एवं धनु राशि के चन्द्रमा को भी शुभ कार्यों में वर्जित रखें। इन दिनों तथा समय में शारीरिक स्वास्थ्य तथा सुरक्षा के प्रति भी सजग रहना चाहिए।

यदि आपके लिए समय अशुभ चल रहा हो मानसिक परेशानी, शारीरिक व्याकुलता, व्यापार में हानि, नौकरी या पदोन्नति प्राप्त करने में असफलता या अन्य महत्वपूर्ण कार्य सिद्ध नही हो रहे हो तो ऐसे समय में आपको अपनी इष्ट देवी लक्ष्मी जी की उपासना करनी चाहिए एवं शुक्रवार के उपवास भी रखने चाहिए। साथ ही हीरा, सोना, श्वेत वस्त्र, श्वेत चन्दन, चावल, दूध इत्यादि पदार्थो का भी श्रद्धापूर्वक दान करना चाहिए। ऐसा करने से आपको मानसिक शान्ति प्राप्त होगी तथा अशुभ फलो में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शुक्र के तांत्रीय मंत्र के कम से कम 20000 जप सम्पन्न करवाने चाहिए।

ॐ द्रां द्रीं द्रौं सः शुक्राय नमः।
मंत्र- ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः।

लाल किताब के अनुसार ऋण भार

कुँडली में दूषित ग्रहों के कारण जातक कई प्रकार से ऋणी होता है अर्थात् कई प्रकार के ऋण भार जातक के ऊपर रहते हैं, जिसके कारण जातक के जीवन का विकास अवरुद्ध हो जाता है। क्योंकि दूषित ग्रहों के दोषयुक्त प्रभाव से शुभ ग्रह भी अनुकूल फल देना बंद कर देते हैं। अस्तु ऋण भार से जातक को मुक्त होना चाहिए ताकि शेष जीवन पर शुभ या अच्छे ग्रहों के अच्छे प्रभाव पड़कर कुँडली के अनुसार शुभता प्राप्त हो सके। नीचे ऋण के प्रकार किस परिस्थिति में जातक पर अदृश्य ऋण पर पड़ता है तथा उसके निराकरण उधृत किए जाते हैं।

स्वऋण

ग्रहचाल :

जब जन्मकुंडली में खाना नंबर 5 में शुक्र या शनि या राहु या तीनों में दो या तीनों स्थित हो तो स्वऋण होता है।

निशानिया :

आपको राजभय, निर्दोष होने पर भी मुकदमें में दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। हृदय रोग, बाजुओं में दर्द, शारीरिक कमजोरी, आंखों में कष्ट, जिगर की खराबी होती है।

घटनाएं :

जातक नास्तिक हो जाता है, धर्म की उपेक्षा करता है स्वास्थ्य अनुकूल नहीं रहता, पूर्वजों के रीति-रिवाज के अनुसार नहीं चलता।

निष्कर्ष

आपकी पत्री स्वऋण से मुक्त है।

मातृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली के चौथे खाने में केतु पड़ा हो तो मातृ ऋण का बोझ होता है।

निशानिया :

जातक का कोई सहायक नहीं होता, उसके सभी प्रयास निष्फल होते है। सरकारी दंड या जुर्माना भुगतना पड़ता है। जीवन अशांत व्यतीत होता है, दूसरों की इज्जत को उछालना खेलवार करना या जूता चुराना, विद्या का लाभ न मिलना। रिश्तेदारों की बिमारियों पर धन का अपव्यय आदि अशुभ फल होते है।

घटनाएं :

मातृ ऋण से प्रभावित जातक माता से दुर्व्यवहार करता है। माता के सुख-दुःख का ख्याल नहीं रखता। माता से दूर रहे या माता को घर से निकाल देता हैं। मातृ ऋण वाले जातक

के घर के पास या घर में कुआं होगा। घर के पास जलाशय होगा। उस कुएं में गंदगी डाली जाती होगी या जलाशय को गंदा करता होगा। हो सकता है कि जातक के घर के पास नदी-नहर बहती हो। जातक उस में गंदगी डालता होगा।

निष्कर्ष

आपकी पत्री मातृऋण से मुक्त है।

पारिवारिक ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली पहले या आठवें खाने में बुध या केतु या दोनों बैठे हो तो रिश्तेदार का ऋण होता है।

निशानिया :

किसी की भैंस बच्चा देने को हो तो उसे मार देना या मरवा देना। किसी का मकान बनने या नीव खोदते समय जादू-टोना कर देना या रिश्तेदारों से मिलने-जुलने बालों से नफरत करना या बच्चों के जन्म दिन और परिवार में त्यौहार या खुशी के समय दूर रहना।

घटनाएं :

जातक मित्रों से धोखा करता है। किसी के बने-बनाए काम को बिगाड़ देता है या किसी की पकी हुई खेती को आग लगा देना।

निष्कर्ष

आपकी पत्री पारिवारिक ऋण से मुक्त है।

कन्या/बहन का ऋण

ग्रहचाल :

जातक की कुंडली में तीसरे या छठे खाने में चंद्रमा पड़ा हो तो बहन/लड़की का ऋण होता है।

निशानिया :

जवानी में धोखा देना, बहन/बेटी की हत्या या उस पर जुल्म करना। मासुम बच्चों को बेचना या लालच से बदल लेना/देना जिसका भेद दुनिया में कभी न खुले ऐसे रहस्मय आदि काम करना।

घटनाएं :

जातक का किसी के साथ अपनी जुबान से बुरा शब्द बोलना तलवार से अधिक गहरा घाव कर सकता है, बेटा पैदा हुआ पिता को उसके धन-दौलत, आयु पर अशुभ फल होगा या माता को पता था कि वह जान से हाथ धो बैठेगी। खुशी के साथ मातम

ससुराल-ननिहाल पर अशुभ फल, वर्ष भर की कमाई का वर्षात में घाटा हो जाना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री कन्या बहन के ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है। सबसे बराबर-बराबर पीली कौडियां लेकर उसी दिन एक जगह इकटठी करके जला कर उनकी राख उसी समय जल में प्रवाहित कर देना।

पितृऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में 2 या 5 या 9 या 12 खानों में शुक्र या बुध या राहु या तीनों में दो या तीनों ही बैठे हो तो जातक पर पितृ ऋण होता है।

निशानिया :

कुल पुरोहित बदलना या कुल पुरोहित से नाता तोड़ लेना, घर के साथ बने मंदिर को तोड़ देना। पीपल का पेड़ काटना। पीपल का पेड़ होना आदि।

घटनाएं :

परिवार में किसी बुजुर्ग के बाल सफेद हो जाए। बाल सफेद होने के बाद बालों में पीलापन होना शुरू हो जाए, काली खांसी की शिकायत, हो अथवा माथे पर दुनिया की गंदी करतुतो का कलंक लगना आदि घटनाएं होती है।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री पितृऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन (एक-एक या पांच-पांच या दस-दस रुपये अधिक से अधिक जितने भी रुपये दे सकें) लेकर उसी दिन मंदिर में दान कर देना आदि।

स्त्री ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में सातवें खाने में सूर्य या चंद्रमा या राहु या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हों तो स्त्री ऋण होता है।

निशानिया :

परिवारिक पेट पर लात मारना, स्त्री को बच्चा पैदा होने या बच्चा जनने की हालत में किसी लालच में आकर मार देना। दाँतो वाले जानवरों की पालने से परिवार में नफरत का

उसूल चलता होगा। मकान का गेट दरवाजा दक्षिण दिशा में होना, जीव हत्या करना, मकान या मशीनरी धोखे से ले लेना, किसी की चीज हड़प लेना उसे मुंहताज कर देना आदि।

घटनाएं :

नर संतान का फल मंदा हो जाता है, चमडड़ी में कोढ़, फलवहरी, गुप्तांग में रोग हो जाना, किसी का विवाह होना किसी मुर्दे को जलाना। एक स्त्री के साथ वैवाहिक संबंध टूटने लगे दूसरी स्त्री के साथ संबंध जुड़ने लगना अर्थात दूसरा विवाह होना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री स्त्री ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, बेटी-बुआ, भाई, चाचा-ताया के परिवार के सदस्य आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर गऊ शाला में 100 गायों को चारा खिलाएं (उसमें कोई भी गाए अंगहीन न हो) आदि।

निर्दयी ऋण

ग्रहचाल :

जन्मकुंडली में खाना नंबर 10 या 11 में सूर्य या चंद्र या मंगल या तीनों में दो या तीनों ही इकट्ठे बैठे हो तो निर्दयी ऋण होता है।

निशानिया :

मशीन या मकान की पेशगी देकर न खरीदना, परीक्षा हाल से अकारण बाहर निकाला जाना, बड़े लोगों से अकारण झगड़े या मुकदमें लड़ना आदि।

घटनाएं :

संतान और ससुराल की असमय मृत्यु, तेल या नारियल या लकड़ी या बारदाना के गोदाम में आग लग जाना। मकान खरीदा उसमें रहना नसीब नहीं, मकान खरीदे तो उसकी सिढ़ियां मुरम्मत करानी पड़े या तोड़ कर दुबारा बनानी पड़े, सांप और जहर पान की घटनाएं, हथियार से मौत होना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री निर्दयी ऋण से मुक्त है।

आजन्मकृत ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में खाना नंबर 12 में सूर्य या शुक्र या दोनों इकट्ठे बैठे हो तो आजन्मकृत ऋण होता है।

निशानिया :

बिजली की तार लीक कर जाना, घर जल जाए, लाखों-करोड़ों पति कुछ ही समय में किसी भी तरह से तबाह हो जाये, सोना गुम या चोरी-ठगी-गबन की घटनाएं, सिर पर जख्म या सिर की बीमारियां, बचपन से बुढ़ापे तक नालायक साबित होना, सोच समझ कर काम करने के बावजूद गरीबी और बेसहारा, दमा-मिरगी, काली खांसी, सांस की तकलीफ, अचानक मौत, मकान की दहलीज के नीचे से गंदा पानी बहना अथवा आवासीय मकान के आगे पीछे कूड़े का ढ़ेर या गन्दगी हो।

घटनाएं :

मुकदमें में फैसले पर नहक जुर्माना/कैद, ससुराल या दुनिया वालो की ठगी करना, या ऐसी ठगी करना जिससे दूसरे का परिवार या नौकरी-व्यापार नष्ट हो जाना आदि।

निष्कर्ष

आपकी पत्री आजन्मकृत ऋण से मुक्त है।

ईश्वरीय ऋण

ग्रहचाल :

जातक की जन्मकुंडली में छठे खाने में चंद्रमा हो तो ईश्वरीय ऋण होता है।

निशानिया :

कुत्ते का काटना, छत से बच्चों का गिरना या बच्चा को गाड़ी के नीचे आ जाना, कानों से बहरापन, रीढ़ की हड्डी में कष्ट, संतान पैदा न होना या होकर मर जाना, संतान सुख में बाधा, पेशाब की बिमारियां अधरंग, ननिहाल नष्ट हो जाना, यात्रा में हानि अथवा दुर्घटना हो जाना आदि।

घटनाएं :

किसी पर इतबार किया उसने धोखा दिया, कुत्तों को मारना या मरवाना, गरीब या फकीर की बददुआ लेना, बदचलनी, किसी के लड़कों को गुमराह करके बरबाद करना या करवाना, बुरी नीयत, लालच में आकर किसी का नुकसान करना आदि।

निष्कर्ष

उपाय :

आपकी पत्री ईश्वरीय ऋण से युक्त है इसलिए परिवार में जहां तक खून का संबंध (जातक के दादा-दादी, माता-पिता, बहन, भाई का परिवार चाचा-ताया के परिवार के सदस्य, बेटी-बुआ आदि) है सबसे बराबर-बराबर धन लेकर 100 कुत्तों को एक ही दिन में खाना खिलाना।

लाल किताब ग्रह फल

सूर्य

आपकी जन्मकुंडली के दूसरे खाने में सूर्य है। इसकी वजह से आप दानी, भरोसे से काम करने वाले। आप अपने पराक्रम से प्रगति करेंगे। स्वयं उन्नति कर दूसरों के लिए उन्नतिकारक होंगे। स्वयं पराक्रम से धन कमाने वाले, हुनर की कमाई से बरकत पाने वाले। आपको उत्तम सवारी का सुख मिलेगा। आपको तीनों लोकों का सुख प्राप्त होगा। धार्मिक कार्यों में मुखिया बनेंगे। धर्म मंदिर-धर्मशाला का निर्माण करवाएंगे। ससुराल एवं पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। माता-पिता/सास-ससुर सगे संबंधियों के लिए अनुकूल तथा परिवार में स्त्रियों के लिए भारी होंगे। आपको सरकार से लाभ मिलेगा और सरकारी अधिकारियों से मान-सम्मान मिलेगा। आप बड़े कारोबार के मालिक भी बन सकते हैं। कर्ण की तरह दानवीर भी बनेंगे।

यदि आपने अपने रिश्तेदारों से जायदाद-धन आदि के लिये मुकद्दमें आदि किये, किसी दूसरे व्यक्ति का माल हड़प किया, सफेद वस्तुएं (चावल-चांदी दूध आदि) मुफ्त ली तो आपका सूर्य मंदा हो सकता है या किसी कारण वश सूर्य मंदा हो गया हो तो सूर्य के मंदे असर से आपकी पत्नी, प्रेमिका तथा धन पर बुरा असर पड़ेगा। माता या मौसी पर भी अशुभ प्रभाव होगा। परिवार में स्त्रियों की संख्या कम होगी। इस हालात में बहन, माता/सास, भाभी पर अशुभ असर पड़ सकता है। माता, बुआ या मौसी विधवा हो सकती है। धन, स्त्री, जमीन के लिये मुकद्दमें झगड़े अगर आप करेंगे तो आपका कुल तक नष्ट हो सकता है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. मुफ्त के माल पर नजर न रखें।
2. गिफ्ट या दान न लेवें।

उपाय :

1. नारियल या सरसों का तेल या बादाम धर्म स्थान में देवें।
2. बुजुर्गी मकान में हैंड पंप लगावें।

चन्द्र

आपकी जन्मकुंडली में चंद्रमा छठे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से कन्या संतान अधिक होंगी। आप योजना बनाने में कुशल और बुद्धिमान होंगे। मुकद्दमे में आपको सफलता मिलेगी। मामा पक्ष के लोगों से सहयोग और लाभ की संभावना है। जैसी करनी वैसी भरनी की नसीहत को आप हर दम याद रखेंगे। आपकी बुआ-बहन-लड़की सुखी रहेगी। नौकरी-व्यापार में बार-बार तबदीली का योग है, आप तड़पते हुए व्यक्ति के मुंह में पानी डालने वाले सबके हमदर्द होंगे। आपको गरीबी का मुंह नहीं देखना पड़ेगा। आप किसी गंभीर रोग के रोगी नहीं होंगे।

यदि आपने बहन-बेटी का धन प्रयोग किया, अपना भेद किसी को बताया, सूर्यास्त के बाद दूध पिया, छबील या प्याऊ लगाया या आम लोगों के लिए धर्मार्थ कुआं, हैंड पंप लगाया तो आपका चंद्रमा मंदा हो सकता है या किसी कारण वश चंद्रमा मंदा हो गया हो तो चंद्रमा के मंदे असर से आपको माता के सुख में कमी आ सकती है या सौतेली मां के साथ बचपन बिताना पड़ सकता है। 24 वर्ष की आयु में यदि आम जनता के लिए कुआं या पानी का साधन लगवायेंगे तो उसका बुरा असर माता और संतान पर पड़ेगा। आपकी स्त्री की आंख में कुछ खराबी होने की संभावना है। आपके ससुराल पक्ष के लोगों का नुकसान होने की उम्मीद है। शत्रु आप से भय खाएंगे। कोर्ट-कचहरी का झमेला आपको झेलना पड़ सकता है। आपको कभी-कभी गंभीर चिंता करनी पड़ सकती है। आप जब कभी बिना सोचे-समझे काम करेंगे तो सामने परेशानी आ सकती है। माता को कष्ट रहेगा, मौत तक भारी समय आयेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. 24 वर्ष की आयु में मुफ्त पानी दान का साधन कायम न करें।
2. किसी को अपना भेद न बताएं।
3. सूर्यास्त के बाद दूध न पियें।

उपाय :

1. शमशान-अस्पताल में पानी का साधन कायम करना शुभ है।
2. माता को कष्ट के समय खरगोश पालें।
3. चन्द्र ग्रहण में 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।

मंगल

आपकी जन्मकुंडली के तीसरे खाने में मंगल पड़ा है। इसकी वजह से लाल किताब के अनुसार मंगल तीसरे खाने में हो तो व्यक्ति मांगलिक होता है। अतः आप मंगलीक पुरुष हैं। इस वजह से आप अपने लिए ख्याली पुलाव पकाएंगे और सब्ज बाग देखेंगे। दूसरों की सहायता करेंगे, नर्म स्वभाव रहेंगे। चक्रव्यूह भेदन की कला में चतुर होंगे। आपको ससुराल पक्ष से सहायता मिलेगी। आपको परिवार से अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। आप अपनी शारीरिक और मानसिक योग्यता के द्वारा जाने जायेंगे तथा आपको योग्यता प्रदर्शन करने का अच्छा मौका मिलेगा। आपको भाई-बहन का सुख मिलेगा। आपके दोस्त हमेशा मदद करेंगे। आपका विवाह अच्छे घर में होगा। माता-पिता का पूरा सुख मिलेगा।

यदि आपने परस्त्री से अनैतिक संबंध रखे, अकड़ा हुआ मिजाज रखा अधिक गुस्सा करने की आदत रखी, मांस-मदिरा के सेवन करने की आदत हुई, अय्याशी की तरफ आपका झुकाव रहा तो आपका मंगल मंदा हो सकता है या किसी कारण वश मंगल मंदा हो गया हो तो मंगल के मंदे असर से आप अपने जीवन में चालबाजी और धोखेबाजी से काम निकालेंगे और आप बेकार की फोकी उम्मीदें भी रखेंगे। आपकी बर्बादी का कारण आपकी अय्याशी हो सकती

है। आप पर कर्ज का बोझ भी चढ़ सकता है। आपके घर में अचानक किसी की मौत भी हो सकती है। आपकी संतान की हालत मंदी हो सकती है। आपकी पत्नी को मृत बच्चा पैदा हो या गर्भपात भी हो सकता है। घर में चोरी और नुकसान से होशियार रहें। आपके चाचा या भाई औलाद से दुःखी हो सकते हैं। आपके भाई-बन्धु, मित्र आपके विनाश का कारण बनेंगे। लड़ाई-झगड़े से दूर रहें। लड़ाई-झगड़ा आपकी मौत का कारण बन सकता है। आपकी नेकी कोई भी याद नहीं रखेगा। खून खराब या पेट में रोग हो ऐसी आशंका है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. हाथी दांत न रखें।
2. दक्षिण दिशा के मुख्य द्वार वाले घर में रिहाईश न करें।

उपाय :

1. चांदी की बेजोड़ अंगूठी बायें हाथ में पहनें।
2. चांदी के बेजोड़ कड़े में तांबे की कील लगा कर दायें हाथ में पहनें।

बुध

आपकी जन्मकुंडली में बुध दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आप मेहनत से धन कमा कर, धनी होंगे। आप पत्नी भक्त, स्वार्थी, पुत्र सुख से वंचित तथा संगीत प्रिय हैं। धन-दौलत के मामले में आपका ससुराल पक्ष निर्बल रहेगा। आपके जीवन में राजयोग प्राप्ति के शुभ योग हैं। आपका विचार अस्थिर होता है। आप कुछ देर बाद या बातों-बातों में अपना विचार बदल लिया करते है। आपको कन्या संतान से अधिक सुख प्राप्त होने की संभावना है। आप ज्ञानी और उपदेशक भी हो सकते हैं। आप या आपके पिता दादा बहुत बड़े धनवान होंगे। आप स्वयं अपने भाग्य के निर्माणकर्त्ता हैं। आप स्वाभिमानी, परंतु संतान पक्ष से कमजोर होंगे। आपको राजपक्ष से लाभ होना संभाव्य है। आपकी आय अच्छी होगी। आप अपने जन्म स्थान से दूर निवास करेंगे। आप मतलब परस्त होंगे। आप हाजिर-जबाबी और उपयुक्त उत्तर देने वाले हैं। आप का स्वभाव योगी और राजा दोनों तरह का होगा। आपके संपर्क में जो आएगा वह लाभान्वित होगा।

यदि आपके परिवार में लड़कियां या औरतें अधिक होंगी, दुनियावी साधूओं के चक्कर में रहेंगे, जुआ-सट्टा खेलेंगे तो आपका बुध मंदा हो सकता है या किसी कारण वश बुध मंदा हो गया हो तो बुध के मंदे असर से पिता-सुख में अल्पता की आशंका है। आप पर लांछन लग सकता है या बदनामी भी हो सकती है। आप मांसाहारी होंगे तो यात्राएं बहुत होंगी। यात्रा से लाभ होने की उम्मीद कम है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. तोता, भेड़-बकरी न पालें।
2. धागा-ताबीज, जल-भभूती आदि से दूर रहें।

उपाय :
1. दूध-चावल धर्म स्थान में देवें।
2. फिटकरी से दांत साफ करें।

गुरु

आपकी कुंडली के बारहवें खाने में वृहस्पति पड़ा है। जिसकी वजह से आप उत्तम ज्ञानी होंगे। आप दूसरों का भला करेंगे इससे आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आपका अधिक समय पूजा-पाठ में व्यतीत होगा और पूजा-पाठ से भी आपके भाग्य में वृद्धि होगी। आपको धन से बहुत लगाव नहीं रहेगा आप त्यागी पुरुष होंगे। अपार धन आपके पास रहेगा मगर आप धन के पीछे नहीं भागेंगे। आपमें सेवा भावना रहेगी। आप ध्यान-समाधि की आदत डालें तो आपके घर सोने की वर्षा होगी। आप हृदय से वैरागी और ज्ञानी होंगे। आपका साधू जैसा स्वभाव होगा। आपका धन शुभ कर्म में खर्च होगा। आप खर्च के बोझ से दुःखी नहीं रहेंगे। बुरा कर्म आप नहीं करेंगे, यदि बुरे काम करने की प्रवृत्ति हुई तो बहुत नुकसान होगा। यदा-कदा औलाद के विषय में चिंता होगी। आप धन-दौलत के संबंध में राजा जनक की तरह त्यागी होंगे। गृहस्थ में हर प्रकार का सुख प्राप्त होगा। आपका परिवार बढ़ेगा, खुशहाल रहेगा। खुद भी निश्चिंत रहेंगे। आप किसी को आर्शीवाद दें तो उसको आपका आर्शीवाद फलेगा। आपका किसी को दुर्वचन नहीं लगेगा। दलाली का काम लाभकारी होगा।

यदि आपने जनता विरोधी कार्य किये, झूठी गवाही दी या किसी से धोखा फरेब किया, धन के लिये किसी के आगे हाथ फैलाने की आदत रखी तो आपका वृहस्पति मंदा हो सकता है या किसी कारण वश वृहस्पति मंदा हो गया हो तो वृहस्पति के मंदे असर से आप दूसरों को सता कर स्वयं कष्ट और मुसीबत में पड़ जाएंगे। आप अधिक न बोला करें यह आपके लिए अच्छा नहीं है। आध्यात्म का मार्ग नुकसानदेह रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. ऐसे काम न करें जिससे आपका विरोध हो।
2. किसी के साथ धोखा-फरेब न करें।

उपाय :
1. गुरु-पिता, साधू की सेवा करें।
2. पीपल को जल से सींचें।

शुक्र

आपकी जन्मकुंडली में शुक्र दूसरे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से जीवन भर धन-संपत्ति, संतान सुख में वृद्धि होगी। आपको सभी पक्ष से शुभ फल प्राप्त होंगे। आप बहुत परिश्रमी होंगे। आपको भाई का सुख प्राप्त होगा। नौकरी-व्यापार ठीक से चलते रहेंगे। दिन दुगनी रात चौगुनी तरक्की होती रहेगी। आप सम्मानीय व्यक्ति होंगे। आप ईश्वर पर विश्वास करें तो आपकी सभी कामनाएं पूरी होंगी। पत्नी का पूर्ण सुख प्राप्त होगा। आपके जीवन के साठ साल की उम्र तक खूब आमदनी होगी। आप साधू-संतों की वेशभूषा पहन कर आशिकाना ख्याल के मालिक होंगे। चारित्रिक सुधार के बावजूद आपका जीवन सफल रहेगा। आपके शत्रु आप से दबे रहेंगे। आपके भाई तथा लड़के की किस्मत अच्छी होगी। आपको दुनियाबी सहायता मिलेगी। आप प्रेम संबंध बड़ी होशियारी से करेंगे। आप कामयाब आशिक होंगे।

यदि आपने शेरमुख घर में रिहाईश की, राग-रंग से नफरत रखी, आलू का व्यापार किया तो आपका शुक्र मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शुक्र मंदा हो गया हो तो शुक्र के मंदे असर से घर में बीमारी लगी होगी। रक्तदोष एवं शुक्राणु दोष के कारण औलाद की पैदाइश में रुकावट हो सकती है। संतान जन्म में बाधा की आशंका हो तो (किसी वैद्य/हकीम की सलाह लेकर आयुर्वेद दवाईयों का प्रयोग करें)। आप किसी के साथ बुराई करें तो आत्मघात जैसा फल मिलेगा। दूसरे के बच्चे को गोद लेने पर अपनी संतान बाधा दूर हो जाएगी। बुराई करने पर आपके बच्चों पर गलत प्रभाव पड़ेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. पशुओं पर जुल्म न करें।
2. घेर मुख घर में रिहाइश न करें।

उपाय :

1. आलू, घी या दही का दान करें।
2. बिना सींग की गाय की सेवा करें।

शनि

आपकी जन्मकुंडली में सातवें खाने में शनि पड़ा है। जिसकी वजह से आप जादू-मंत्र की सिद्धि प्राप्त करेंगे। आपको बहुत लाभ होगा, कभी-कभी धन का सात गुना लाभ भी हो सकता है। आपके पास बहुत संपत्ति होगी। आप जन्मजात ही शासक प्रवृत्ति के हैं और शासनकर्ता बनेंगे। आप परोपकार करने से धनी होंगे। 36 वर्ष के बाद पिता और पत्नी के लिए अच्छा फल प्राप्त होगा। यह आयु आपके धनवान बनने की है। आप ग्राम, समाज में मुखिया, धनी और सम्मानित होंगे। आपकी संतान की आयु के लिए बहुत अच्छा होगा। आप अपनी सेहत पर पूरा ध्यान दें।

यदि आपने डाक्टर-कैमिस्ट का काम किया, हथियार पास रखा, चोर-डाकू का साथ रखा, स्त्रियों से झगड़ा किया, मकान बेचा तो आपका शनि मंदा हो सकता है या किसी कारण वश शनि मंदा हो गया हो तो शनि के मंदे असर से पत्नी और पुत्र-पुत्रियों से खुश न रहेंगे, ऐसी आशंका है। आपके लिए शराब आदि का सेवन करना हानिकारक है। आपकी आयु के 36वें वर्ष में पिता पक्ष की एवं धन की हानि की आशंका है। इसका बुरा असर कारोबार पर भी पड़ सकता है। पराई स्त्री के साथ इश्कबाजी, अपनी संतान के लिए अशुभ हो सकती है। यदा-कदा आपमें छल-कपट ईर्ष्या की भावना प्रबल हो जाएगी। पत्नी के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर हो सकता है। 22 वर्ष की आयु से पहले विवाह होगा तो आपकी आंखों की नजर खराब होगी, ऐसी आशंका है। सैक्स संबंधी समस्याएं भी आड़े आ सकती हैं।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :

1. डॉक्टर-कैमिस्ट का काम न करें।
2. चोर-डाकू का साथ न रखें।

उपाय :

1. कपिला गाय की सेवा करें।
2. मिट्टी के बर्तन में शहद भर कर वीराने में रखें।

राहु

आपकी जन्मकुंडली के ग्यारहवें खाने में राहु पड़ा है। इसकी वजह से आपका बचपन खुशहाली से बीतेगा। आपको उच्च शैक्षणिक संस्थान में विद्याध्ययन का मौका मिलेगा। आपको पिता का उत्तम सुख प्राप्त होगा। आप बिना माता-पिता के सहयोग के भी आगे बढ़तें रहेंगे। आप ताकतवर और न्यायप्रिय होंगे। आप अपनी कमाई पर ही जीवन बसर करेंगे। माता-पिता से मधुर संबंध में कटुता की संभावना है। विदेशी यात्रा या कार्यों द्वारा धन भी प्राप्त होगा। दूसरो पर भरोसा रखने से विश्वासघात होगा ऐसी शंका है।

यदि आपने बंदूक-पिस्तौल रखी, नीलम या नीला नग पहना, बिजली का खराब सामान या बिजली की तारें घर में पड़ी होगी, दराज या कैश बॉक्स खाली रखे तो आपका राहु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश राहु मंदा हो गया हो तो राहु के मंदे असर से आपके पिता को कष्ट होने की आशंका है। आपकी साढ़े दस-21-42 वर्ष आयु में पिता की मृत्यु होगी। पिता की मृत्यु गोली, जहर, ब्रेन हैमरेज से संभाव्य है। पिता की मौत के बाद बहुत क्षति होगी। आप ऐय्याश लोगों की संगति में रहेंगे, ऐसी आशंका है। अनुचित ढंग से धन कमाएंगे। आपकी परेशानी धातु संबंधी रोगों से बढ़ सकती है। आपकी संतान कमजोर और अपाहिज हो सकती है। आपकी जवानी गरीबी में कटेगी। पिता और दादा से नहीं पटेगी। आपके जन्म के पश्चात् आपके पिता की आर्थिक दशा तंग होने की संभावना है। आप काम में दक्ष होंगे और धूर्त लोग आपके साथ होंगे। फिजूल के झगड़े-फसाद होने की आशंका है। धन की हानि भी होती है।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. नीलम या नीला नग न पहनें।
2. घर में बंदूक/पिस्तौल न रखें।
3. बिजली का सामान ठीक रखें।

उपाय :
1. सिर पर चोटी रखें या सिर ढांप कर रखें।
2. 4 किलो सिक्के का चौरस टुकड़ा 4 सूखे नारियल जल प्रवाह करें।
3. सिगरेट पीते हैं तो चांदी की पाइप में लगा कर पियें।

केतु

आपकी जन्मकुंडली में केतु पांचवे खाने में पड़ा है। इसकी वजह से आपको आकस्मिक रूप से धन प्राप्ति होगी। आपको विलक्षण अतिद्रिय शक्ति प्राप्त होगी। आप गुरु भक्त रहेंगे। 24 वर्ष की उम्र के बाद आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। जीवन में 34 वर्ष आयु में पुत्र द्वारा, उसके पश्चात पौत्र द्वारा सुख प्राप्त होगा। 48 वर्ष की उम्र तक माता का सुख मिलेगा। पत्नी के साथ अच्छा संबंध रहेगा। आपके धर्म-ईमान के अनुसार ही आपकी संतान होगी। आप अपना चाल-चलन ठीक रख कर सुखी रह सकते हैं। आपकी आर्थिक हालत ठीक रहेगी। इच्छित संख्या के अनुसार संतान होगी। पुत्र संतान उत्पत्ति के पश्चात् आपकी आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा। यदि आप धर्माचरण करते रहें तो जीवन के अशुभ फल दूर हो जाएंगे।

यदि आपने चाल-चलन खराब किया, किसी के पुत्र को या अपने पुत्र को कष्ट दिया कुत्ते को मारा या मरवाया या कुत्ता आपके वाहन से टकरा कर मर गया तो आपका केतु मंदा हो सकता है या किसी कारण वश केतु मंदा हो गया हो तो केतु के मंदे असर से 45 वर्ष तक आयु का समय बेकार रहेगा। पुत्र से कोई खास सुख प्राप्त नहीं होगा। संतान को कष्ट रहेगा। आपको श्वास संबंधी या दमे के रोग की आशंका है। 48 वर्ष की आयु का समय भी ठीक नहीं रहेगा। सुख में कमी और बाधा उत्पन्न हो सकती है। आयु बढ़ने के साथ आप बुरे लोगों की संगति में रहेंगे। गुप्त रोग का भय, संतान को दमा रोग रहने की संभावना रहेगी। आपका पुत्र आपकी माता के लिए अशुभ रहेगा।

यदि आपको लगता है कि आपको उपरोक्त कष्ट है तो निम्नलिखित परहेज और उपाय करें।

परहेज :
1. दुश्चरित्र लोगों की संगति न करें।
2. लोहे के संदूक में ताला लगाकर बंद न रखें। उन्हें कभी-कभी खोलते रहें।

उपाय :

1. गुरु-पिता दादा की सेवा करें।
2. पानी में चीनी डाल कर सूर्य को अर्घ्य देवें।

लाल किताब के उपाय

लाल किताब के उपाय कब और कैसे करें !

1. उपाय सूर्य निकलने के बाद सूर्य छिपने तक दिन के समय करें, रात के समय उपाय करना कई बार अशुभ फल दे सकता है। केवल चन्द्र ग्रहण का उपाय रात को किया जा सकता है।

2. उपाय शुरू करने के लिए किसी खास दिन सोमवार या मंगलवार आदि, सक्रांति, अमावस्या या पूर्णिमा आदि का कोई विचार नहीं होगा।

3. आप का कोई खून का संबंधी रिश्तेदार जैसे भाई-बहन, माता-पिता, दादा-दादी, पुत्र-पुत्री आदि में से उपाय कर सकता है जो फलदाई होगा।

4. एक दिन में केवल एक ही उपाय करें, एक दिन में दो उपाय करने से शुभ फल नहीं मिलता या किया हुआ उपाय निष्फल हो सकता है।

5. जो परहेज बताए जाये जैसे मांस-मछली न खावें, मदिरा का सेवन न करें, चाल-चलन ठीक रखें, झूठ न बोलें, जूठन न खावें न खिलावें, नियत में खोट न रखें, परस्त्री-परपुरुष से संबंध न करें, आदि का विशेष ध्यान रखें।

6. जो उपाय जिस समय के लिये लिखा है उसी समय तक करें, आगे यह उपाय बंद कर देवें।

7. यदि किसी कारण उपाय बीच में बंद करना पड़ जाय तो जिस दिन उपाय बन्द करना है उससे एक दिन पहले थोड़े से चावल दूध से धोकर सफेद कपड़े में बांध कर पास रख लें और जब दुवारा उपाय शुरू करना हो वह चावल धर्म स्थान में या चलते पानी में या किसी बाग-बगीचे आदि में गिरा कर उपाय फिर शुरू कर दें। ऐसा करने से उपाय अधूरा नहीं माना जाएगा और पूरा फल मिलेगा।

8. हर उपाय 43 दिन या 43 सप्ताह या 43 मास या 43 वर्ष तक करना होता है, उपाय चलते समय बीच में टूट जाए चाहे 39वां दिन क्यों न हो सब निष्फल हो सकता है या शुभ फल में कमी रह सकती है।

9. जन्म कुण्डली में अशुभ ग्रहों का वर्षफल कुण्डली में उपाय अपने जन्मदिन से लेकर 40-43 दिन के भीतर ही करें ।

10. घर में कोई सूतक (बच्चा जन्म हो) या पातक (कोई मर जाय) हो जाय तो 40 दिन उपाय नहीं करने चाहिये ।

11. बुजुर्गों के रीति -रिवाजों को न तोडें और संस्कार पूरें करें ।

शिक्षा संबंधी - 2026

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा, षष्ठ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप प्रतियोगिता परीक्षा में सबसे आगे रहेंगे। कुछ अनुभवी व्यक्तियों से मिलकर आप अपनी कार्यशैली में सुधार लाएंगे, सरकारी अफसरों और वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपको कार्यों में लाभ प्राप्त हो सकता है।

02 जून के बाद तकनीकि शिक्षा या व्यवसाय के लिए समय अच्छा हो रहा है। शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारणबेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने की संभावना बन रही है।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

शिक्षा क्षेत्र में प्रयास करन के लिए इस माह के सितारों की स्थिति अनुकूल नहीं बन रही है। अतः इस अवधि में आप सफल होने के लिए प्रयासरत रहेंगे। माह अवधि में प्रेरणा की कमी बनी हुई है। विपरीत परिस्थिति में यह आवश्यक है कि सफलता के लिए प्रेरित रहें। प्रयासों से आप प्रतिस्पर्धा में बढ़त ले सकते हैं। खुद के प्रयासों और कार्यो के अनुसार आपको स्वप्रेरित रहना होगा। जो प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठते है, उन छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए। अधिकांश उद्देश्यों में संघर्ष की स्थिति बने हुई है। तकनीकी छात्रों को विशेष प्रयास करने होंगे। हमेशा की तुलना में यह समय बहुत कठिन बना हुआ है। अतः इन परिस्थितियों में आपको अपने वर्ग में अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए अत्यधिक मेहनत करनी होगी।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

शिक्षा क्षेत्र में प्रयासों के लिए इस माह के सितारें अनुकूल बन रहे हैं। अतः यह माह आपके शैक्षिक कार्यो के लिए एक लाभदायक माह साबित होगा। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को स्वयं के द्वारा चुने हुए क्षेत्रों में अध्ययन करने के सही अवसर प्राप्त हो सकते हैं। तथा तकनीकी छात्रों को अपनी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त हो सकते हैं। यह वर्ग अपनी स्कोर सफलता के साथ स्थिति में सुधार कर सकता है। माह अवधि में आपका मानसिक दृष्टिकोण सीखने के प्रति सकारात्मक बना हुआ है। यह सीखने की प्रक्रिया को सुगम बनाएगा और इसके फल आपके लिए सुखद रहेंगे। प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवारों को सामान्य प्रयास से ही सफलता हासिल हो सकती है। कुल मिलाकर यह माह आपके शिक्षा कार्यो के लिए एक लाभदायक माह बना हुआ है।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह की शैक्षिक संभावनाएं आपके लिए आसान नहीं बन रही है, क्योंकि इस माह के सितारें आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहे हैं। इस माह की ज्यादतर परीक्षाओं के

परिणाम उम्मीद से कम हो सकते हैं। तकनीकी छात्रों को अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए सामान्य की तुलना में बहुत कठिन कार्य करने पड़ सकते हैं। ज्यादातर उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष करना पड़ सकता है। तकनीकी विषयों के छात्रों को अपने विषयों में सफल होने के लिए कौशल और निपुणता को बनाए रखना होगा। शिल्प कला के छात्र वर्ग को भी इस प्रतिकूल परिस्थितियों में अपने कौशल और योग्यता में किसी प्रकार की कमी नहीं करनी होगी। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को अतिरिक्त कोचिंग लेना लाभकारी रहेगा। अतिरिक्त कोचिंग से आप नतीजों को अपने पक्ष में कर सकते है।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही है। इस माह के अधिकांश परीक्षा परिणाम उम्मीद से नीचे रह सकते है। प्रतियोगी परीक्षाओं या अन्य महत्वपूर्ण परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र वर्ग को अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इंजीनियरिंग और विशेष रुप से बिजली या मैकेनिकल इंजीनियरिंग के छात्रों को रैंकिंग बनाए रखने के लिए अत्यधिक कठोर कार्य करने होंगे। अपने उद्देश्यों को साकार करने के लिए इस अवधि में छात्र वर्ग को संघर्ष करना होगा। इसके बाद भी पूर्ण सफलता की संभावनाएं कम बन रही है।

मई 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए सकारात्मक नहीं बन रही है। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए प्रयास कर रहे छात्रों को कठिनाईयों को पार करते हुए प्रयास करने होंगे। नवीन अवसरों की खोज भी इस वर्ग के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकती है। तकनीकी छात्रों को अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए सामान्य से अधिक कार्य करना होगा। प्रयोगात्मक विषयों में सफल होने के लिए आपको ओर अधिक मेहनत करनी होगी। कानून के छात्रों के लिए भी ग्रह स्थिति सुखद नहीं बन रही है। इसके अतिरिक्त प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को नतीजों को अपने पक्ष में करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए। अतिरिक्त कोचिंग का निर्णय इस अवधि में आपके लिए निर्णायक साबित हो सकता है।

जून 2026 के लिए फलादेश

इस माह के शैक्षिक प्रयासों में कड़ी मेहनत के बाद आपको बहुत अच्छे फल प्राप्त हो सकते हैं, क्योंकि सितारों की स्थिति आपके लिए काफी सुखद बन रही हैं। तकनीकी शिक्षा की पढ़ाई कर रहे छात्र वर्ग की पढ़ाई का स्कोर उत्तम रहने की संभावना बन रही है। यह वर्ग अपने स्कोर को अपने कौशल और निपुणता से ओर बेहतर कर सकता है। अध्ययन कार्यो में इस वर्ग को उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हो सकती है। इसके अलावा प्रतियोगी परीक्षाओं का परिणाम अतिरिक्त कोचिंग लेने के बाद भी कुछ हद तक आपके पक्ष में न रहने की संभावना बन रही हैं। सफलता प्राप्ति के लिए प्रेरणा की कमी का अनुभव आपको हो सकता है। प्रतिस्पर्धा में बढ़त लेने के लिए आपको प्रयास ओर अधिक करने होंगे।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

यह माह आपके शैक्षिक प्रयासों के लिए सकारात्मक नहीं बना हुआ है, क्योंकि इस माह के सितारों का योग अनुकूल नहीं बना हुआ है। माह अवधि में अधिकांश छात्रों को अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए संघर्ष और बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। तकनीकी छात्रों के शिक्षा कार्यों का परिणाम भी विशेष रुप से प्रभावित करने वाला नहीं बना हुआ हैं। इस कठिन समय में अपने वर्ग में अपनी स्थिति को बनाए रखना भी तकनीकी छात्रों के लिए मुश्किल होगा। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों को सफलता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग का सहारा लेना होगा। प्रतिकूल समय में आपका दृढ़ रहना लाभकारी रहेगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक क्षेत्र में प्रयास करने के लिए यह माह प्रतिकूल हो सकता है, क्योंकि इस माह के ग्रहों की स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं बन रही है। विपरीत समय में उद्देश्यों को प्राप्त करना आपके लिए काफी मुश्किल हो सकता है। अत्यधिक मेहनत करने पर भी सीमित सफलता प्राप्त होने की संभावना बन रही है। तकनीकी छात्रों को अपने वर्ग में अपनी स्थिति बनाए रखने के लिए सामान्य से अधिक प्रयास करने होंगे। भाषाओं, पत्रकारिता और लेखा विषयों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को सफल होने के लिए फिर से प्रयास करने पड़ सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी लाभकारी रहेगी। कोचिंग लेने से आपके प्रयासों का परिणाम आपके लिए सुखद हो सकता है।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए यह माह उपयोगी बना हुआ है, क्योंकि इस माह के सितारों आपको शुभता प्रदान कर रहे हैं। तकनीकी छात्रों के लिए यह बहुत ही उत्पादक अवधि साबित हो सकती है। फिर भी इस वर्ग को अपने पाठ्यक्रम का गहराई से अध्ययन करना होगा। मेहनत और लगन के साथ अध्ययन करने से आप वर्ग में अपनी स्थिति में सुधार करने में सफल रहेंगे। कलात्मक विषयों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को भी समय की शुभता का लाभ मिल रहा है। इसके अतिरिक्त ब्यूटिशियन बनने के इच्छुक छात्रों के लिए यह समय अत्यंत लाभकारी बना हुआ है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सामान्य प्रयास करने से ही सफलता की प्राप्ति हो सकती है।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

यह माह आपके शिक्षा कार्यों के लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा, क्योंकि इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं बनी हुई है। माह अवधि में अधिकांश उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आपको काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है। फिर भी सफलता बहुत छोटी प्राप्त होने की संभावना बन रही है। विशेष रुप से तकनीकी छात्रों को अपनी कक्षाओं में

अपनी स्थिति को बनाए रखने के लिए सामान्य से अधिक कड़ी मेहनत करनी होगी। इस वर्ग के लिए सैद्धान्तिक विषयों में सफलता की उम्मीद बहुत कम बन रही है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले उम्मीदवारों को अपनी सफलता को प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग का सहारा लेना चाहिए।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए इस माह की ग्रह स्थिति विशेष रुप से उपयोगी नहीं बन रही हैं। अतः आप इस माह में अपनी शिक्षा प्रगति के लिए चिंतित हो सकते है। समय की प्रतिकूलता में आपको अधिकांश विषयों में उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए काफी अधिक मेहनत करनी होगी। इस पर भी सफलता की संभावनाएं बहुत कम बन रही है। तकनीकी छात्रों को अपनी रैंकिंग बनाए रखने के लिए सामान्य से अधिक मेहनत और संघर्ष करना पड़ सकता है। फिर भी इस वर्ग के लिए अपनी कक्षा में स्थान बनाए रखना एक कठिन कार्य हो सकता है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्र वर्ग को अपनी सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए। कोचिंग लेने से परिस्थितियां आपके लिए अनुकूल हो सकती है। भाषाओं, पत्रकारिता और लेखा विषयों में अध्ययन कर रहे छात्रों को इस माह पढ़ाई में अधिक मेहनत के लिए तैयार रहना चाहिए।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके लिए काफी अनुकूल बन रहे हैं। आने वाले भविष्य को लेकर इस माह की संभावनाएं लाभकारी परिणामों में बदल सकती है। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और ललित कला से जुड़े छात्रों के लिए यह माह सकारात्मक बना हुआ है। इस माह में इस वर्ग को अपने क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता की प्राप्ति हो सकती है। तकनीकी छात्रों को भी प्रयोगात्मक विषयों में अच्छे अंक, स्कोर सफलता के साथ प्राप्त हो सकते है। हालांकि सिद्धान्तिक विषयों के लिए यह स्थिति नहीं बनी हूई है। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफलता प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इसके बाद ही सफलता की प्राप्ति हो सकती है। मानसिक संकायों के छात्र भी विषयों को जल्द और आसानी से सीखेंगे।

शिक्षा संबंधी - 2027

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा रहेगा। आप प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे। इन्जीनीयरिंग या हार्डवेयर से संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए यह समय श्रेष्ठ है।

जून के बाद विद्यार्थियों का शिक्षा के प्रति रुझान बढ़ेगा। द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर अपने करियर में उन्नति करेंगे। 26 नवम्बर के बाद पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय बहुत अच्छा है।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

शिक्षा के पक्ष से इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए अनुकूल नहीं बन रहा हैं। ग्रहों का शुभ सहयोग प्राप्त न होने के कारण आपको इस अवधि में स्वप्रेरित रहना होगा क्योंकि इस अवधि में आपमें प्रेरणा की कमी बनी हुई हैं। माह अवधि के आपके प्रदर्शन में यह प्रतिबिंबित हो सकता हैं। अपने कार्यो से हे आपको प्रेरित होना होगा। इसके अतिरिक्त किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा, भाषाओं, पत्रकारिता और जन संचार के अन्य रूपों के छात्र वर्ग को सर्वप्रथम मानसिक रुप से तैयार होकर सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। परिस्थितियों की मांग कुछ इस प्रकार की बन रही हैं।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक प्रयासों के लिए सितारों का संयोजन विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रहा हैं। समय की प्रतिकूलता आपमें नकारात्मक प्रभाव ला सकती हैं। ऐसे में सफलता प्राप्ति के लिए आपको अपने व्यवहार को आत्म मुखर और जुझारु बनाना होगा। इस समय में कुछ सीखना आपके लिए काफी मुश्किल साबित हो सकता हैं। आपको लगातार प्रयासों करते हुए आगे बढ़ने की कोशिश करना चाहिए। माह अवधि में अपने लक्ष्यों तक पहुंचना आपके लिए संघर्ष भरा हो सकता हैं। लेखा या कानून के क्षेत्र के छात्रों का अध्ययन कार्य भी इस अवधि में प्रभावित हो सकता हैं। आपकी प्रगति विभिन्न समस्याओं से बाधित हो सकती हैं। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को इस अवधि में अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। इस अवधि में कोचिंग लेना आपकी सफलता को सुनिश्चित कर सकता हैं।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए काफी फायदेमंद बनी हुई हैं। लेखा, पत्रकारिता, और जन-संचार के अन्य क्षेत्रों में अध्ययन कर रहे छात्र वर्ग के लिए समय विशेष रुप से लाभप्रद बना हुआ हैं। अधिकांश विषयों में आपको

सफलता प्राप्ति की संभावनाएं बन सकती हैं। मानसिक संकायों के छात्रों का अध्ययन कार्य शीघ्र और सरल होगा। कला विषयों के छात्रों को कड़ी मेहनत करने के बाद सफलता प्राप्ति हो सकती हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं के छात्रों के लिए सफलता प्राप्ति के सुखद योग बन रहे हैं।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रुप से लाभप्रद नहीं बन रही हैं। अतः यह अवधि आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए बहुत अच्छी नहीं बन रही हैं। अपने अधिकांश उद्देश्यों को पाने के लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए समय बहुत कठिन बना हुआ हैं। सफलता प्राप्ति के मार्ग में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले छात्र वर्ग को अपने उद्देश प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं। कोचिंग का निर्णय आपके लिए निर्णायक रहेगा। लेखा, पत्रकारिता और जन-संचार के अन्य रुपों के छात्र वर्ग के लिए भी ग्रहों की स्थिति सुखद नहीं बन रही हैं।

मई 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक प्रयासों के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। माह अवधि में अच्छ्ध परिणाम प्राप्त करने के लिए काफी कठिन संघर्ष करना पड़ सकता हैं। लेखा या कानून के छात्रों को सफलता प्राप्ति के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। ग्रहों की स्थिति आपके लिए नकारात्मक बनी हुई हैं। माह अवधि में शिक्षकों के प्रति आपका स्वभाव हठी हो सकता हैं। यह आपके शैक्षिक जीवन को प्रभावित कर सकता हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को शिक्षा प्राप्ति के मार्ग में विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ सकता हैं। इसके अलावा, प्रतियोगी परीक्षाओं में ब बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए। कोचिंग का निर्णय आपके लिए निर्णायक रहेगा।

जून 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए यह माह सुखद नहीं बन रहा हैं क्योंकि इस माह के ग्रहों की स्थिति अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, चिकित्सा, शल्य चिकित्सा, भाषाओं, पत्रकारिता और जन-संचार के अन्य रूपों के छात्रों को अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। माह अवधि में शीर्ष स्थान प्राप्त करने के लिए प्रेरणा की कमी बनी हुई हैं। प्रतिकूल अवधि में आप स्वयं से ही प्रेरित रहेंगे। इसके अलावा किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले व्यक्तियों को अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती हैं।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए लाभकारी बना हुआ हैं। अतः इस अवधि में आपकी शैक्षिक गतिविधियां उम्मीद से बेहतर रहेंगी। नृत्य, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कला पीछा करने वालों के लिए यह समय अत्यंत उत्पादक बना हुआ हैं। इस वर्ग की सफलता का स्कोर उल्लेखनीय रहेगा। तथा भाषाओं, पत्रकारिता की पढ़ाई कर लोगों और जन-संचार के अन्य रूपों में शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों की सफलता उल्लेखनीय रहेगी। इसके अलावा सौदर्य को बढ़ाने हेतु शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों के लिए ग्रह स्थिति शुभ बनी हुई हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाले लोग भी अपने उद्देश्यों की प्राप्ति में सफल रहेंगे।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी शैक्षिक गतिविधियों के लिए उत्कृष्ट बनी हुई हैं। भाषा, पत्रकारिता, और जन-संचार के अन्य रुपों में शिक्षा ग्रहण कर रहे छात्रों के लिए यह माह असाधारण रुप से उपयोगी बना हुआ हैं। माह अवधि में अधिकांश विषयों में अच्छी सफलता प्राप्त हो सकती हैं। समय की शुभता में आप का मन ज्ञान ग्रहण के लिए तत्पर रहेगा। मानसिक संकाय विषयों में अध्ययन कर रहे छात्र वर्ग के लिए ग्रह स्थिति सुखद बनी हुई हैं। सीखने और समझने के लिए ग्रह योग उत्तम बने हुए हैं। मनोकूल सफलता प्राप्ति के लिए आपको अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए अधिक से अधिक ईमानदारी के साथ प्रयास करने होंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को संकल्प के साथ प्रयास करने होंगे। इसके अतिरिक्त कला का पीछा करने वाले व्यक्तियों के लिए यह माह लाभदायक बना हुआ हैं।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह अवधि की ग्रह स्थिति आपके लिए लाभप्रद बनी हुई हैं। अतः यह समय शिक्षा प्राप्ति के पक्ष से अनुकूल बना हुआ हैं। माह अवधि में आपको अपने अधिकांश प्रयासों में काफी सफलता प्राप्त हो सकती हैं। मानसिक स्थिति भी अवधि विशेष में प्रबल बनी हुई हैं। मानसिक संकायों का छात्र वर्ग ज्यादा तेज और सरलता से सीखने वाला रहेगा। किसी भी प्रकार के लेखाकर्म और होटल प्रबंधन के छात्रों और विशेष रुप से खानपान का अध्ययन करने वाले लोगों के लिए यह समय लाभदायक बना हैं। कलात्मक विषयों के छात्रों की सफलता का स्कोर उल्लेखनीय हो सकता हैं। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के शुभ योग बन रहे हैं। इस वर्ग को सफलता के लिए ईमानदारी से प्रयास करना होगा।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए उत्तम बनी हुई हैं। माह अवधि में तकनीकी छात्रों के प्रदर्शन से आप संतुष्ट रहेंगे। वास्तव में इस वर्ग के छात्रों के तकनीकी कौशल के स्कोर की सफलता उल्लेखनीय बनी हुई हैं। भाषा और पत्रकारिता के क्षेत्र में अध्ययन कर रहे छात्रों का प्रदर्शन संतोषजनक रहेगा। तथा किसी भी प्रकार के लेखाकर्म में अध्ययन करने वाले छात्रों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले लोगों

लगन और पूरी मेहनत से प्रयास करने पर सफलता की प्राप्ति हो सकती हैं।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक गतिविधियों के पक्ष से यह माह आपके लिए सकारात्मक नहीं बना हुआ है। इस माह अवधि में परिस्थितियां शिक्षा प्राप्ति में बाधक बन सकती हैं। प्रतिकूल समय में आपको स्वंप्रेरित होना होगा और अपने व्यवहार से हठ को भी दूर करना होगा। कुछ भी सीखने एक लिए समय आपके लिए मुश्किल बना हुआ हैं। आपको अपने व्यवहार से इसे नियंत्रित करना होगा। अन्यथा आपका व्यवहार ही आपकी प्रगति में बाधक बन सकता हैं। प्रतियोगी परिक्षा में बैठने वाले छात्र वर्ग को सफलता प्राप्त करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग की सहायता लेनी पड़ सकती हैं। इसके अलावा भाषा, पत्रकारिता और कला विषयों में अध्ययनशील छात्र वर्ग को अपने उद्देश्यों को पाने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

शैक्षिक पक्ष से इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ हैं। अतः इस अवधि में शिक्षा अध्ययन करना बहुत धीमा और थकाऊ हो सकता हैं। यह संभावित है कि समय की प्रतिकूलता में अधिकांश विषयों में आप अपने उद्देश्यों को पाने में सफल न हो पायें। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कलाओं के छात्र वर्ग के लिए भी स्थिति सुखद नहीं बनी हुई हैं। भाषा और पत्रकारिता की पढ़ाई कर छात्रों को अनुकूल परिणम प्राप्त करने के लिए स्वप्रेरित होना होगा और अपने को हठी होने से बचाना होगा। वरना आपमें नकारात्मक व्यवहार का विकास हो सकता हैं। अपनी शैक्षिक क्षमता को जानने के लिए आप अपने कौशल को विकसित करें। किसी भी प्रकार की प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को अतिरिक्त कोचिंग लेनी चाहिए।

शिक्षा संबंधी - 2028

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ श्रेष्ठ रहेगा। परन्तु 23 फरवरी के बाद समय किंचित प्रभावित हो रहा है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध बहुत अच्छा नहीं रहेगा। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण करियर व प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। व्यावसायिक रूप से भी समय अच्छा नही रहेगा।

जनवरी 2028 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए यह माह उत्कृष्ट बना हुआ हैं। समय की शुभता में आप काफी उच्च लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं। माह अवधि में सफलता के लिए आवश्यक ऊर्जा बनी हुई हैं। तकनीकी छात्रों को अपनी परीक्षाओं में अच्छे स्कोर प्राप्त हो सकते है। अध्ययन क्षेत्रों में निपुणता की मांग बनी हुई हैं। ग्रहों की शुभता में अच्छा स्कोर प्राप्त कर आप उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर सकते हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित कलाओं के छात्रों की रचनात्मक कार्यों का जादू अन्यों को प्रेरित करेगा। यह वर्ग इस अवधि में अच्छी सफलता और महत्वपूर्ण उपलबधियां प्राप्त कर सकता हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को अपने प्रयासों को बढ़ाना होगा।

फरवरी 2028 के लिए फलादेश

यह माह शिक्षा कार्यो के लिए बेहद फायदेमंद बना हुआ हैं। जहां तक आपकी शैक्षिक संभावनाओं का संबंध है, इस माह के सितारें आपको शुभ फल प्रदान कर रहे हैं। उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों को अच्छे स्कोर प्राप्त करने के अवसर प्राप्त हो सकते हैं। इस वर्ग के द्वारा चुने गए क्षेत्रों में प्रदर्शन अच्छा रहेगा। कानून के छात्रों का प्रदर्शन इस अवधि में संतोषजनक रहेगा। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य कला के छात्रों का कार्य प्रदर्शन काफी अच्छा हो सकता हैं। यह वर्ग इस अवधि में अच्छे स्कोर के साथ उल्लेखनीय सफलता प्राप्त कर सकता है। प्रतियोगी परीक्षा के उम्मीदवारों को सामान्य प्रयासों से ही अपने लक्ष्य प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं।

मार्च 2028 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपको चिंतित करने वाली बनी हुई हैं। माह अवधि में मानसिक कुशाग्रता की कमी के कारण जल्द सीखना आपके लिए संभव नहीं हो पाएगा। इस समय में आप कुछ नकारात्मक भी हो सकते हैं। शिक्षको के प्रति आपका व्यवहार आत्म मुखर और हठी हो सकता हैं। आपको दृढ़ता के साथ इसे रोकने का प्रयास करना चाहिए। ललित कला के छात्रों के लिए यह समय कठिन बना हुआ हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग

लेनी पड़ सकती हैं।

अप्रैल 2028 के लिए फलादेश

इस माह अवधि में शिक्षा क्षेत्र में आपकी गतिविधियों के पक्ष से सितारों की स्थिति सुखद नहीं बनी हुई हैं। अधिकांश विषयों को सीखते समय आपके मन में आवश्यक स्पष्टता की कमी का अनुभव हो सकता हैं। इसके अतिरिक्त आपमें कुछ नकारात्मक प्रभाव भी अधिक रहेगा। जिसके कारण इस समय में आपका व्यवहार कुछ आत्म मुखर और हठी हो सकता हैं। मजबूती के साथ आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना चाहिए। कला के छात्रों के लिए भी परिस्थितियां कुछ इसी प्रकार की बनी हुई हैं। इस वर्ग के छात्रों के लिए यह समय विशेष रुप से कठिन हो सकता हैं तथा प्रतियोगी परीक्षाओं के उम्मीदवारों को सफलता सुनिश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इससे आप सफलता और विफलता के बीच का अंतर दूर कर सकते हैं।

मई 2028 के लिए फलादेश

शैक्षिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके लिए विशेष रुप से अनुकूल नहीं बन रही हैं। अधिकांश विषयों को जल्द सीखने के लिए आपके मन में आवश्यक स्पष्टता की कमी रहेगी। प्रयासों के अनुरुप सफलता प्राप्त न हो पाने पर आप कुछ नकारात्मक और उदासीन हो सकते हैं। आपका व्यवहार भी कुछ हठी और आत्म मुखर हो सकता है। समय की शुभता का सहयोग प्राप्त न हो पाने के कारण इस अवधि में सीखना आपके लिए मुश्किल होगा। जहां तक संभव हो आपको अपनी इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने की कोशिश करनी चाहिए। आपके शैक्षिक विकास के लिए यह आवश्यक है कि आप शांत मन से अध्ययन कार्य करें। उच्च शिक्षा प्राप्ति में लगे छात्रों के लिए इस अवधि में अनेक समस्याएं बनी हुई हैं। विशेष रुप से प्रतियोगी परीक्षाओं में सम्मिलित होने आले छात्रों को अपनी सफलता निश्चित करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी पड़ सकती है।

जून 2028 के लिए फलादेश

इस माह में आपकी शैक्षिक गतिविधियां उतार-चढ़ाव युक्त हो सकती हैं क्योंकि इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में आपको शैक्षिक कार्यो में प्रेरणा की कमी का अनुभव हो सकता हैं। इस समय में आपको बड़े पैमाने पर प्रगति प्राप्त करने के लिए स्वयं को उदासीन होने से बचाना होगा। प्रेरणा आपके जीवन को प्रतिकूल समय में शुभता प्रदान कर सकती हैं। दृढ़ संकल्प के साथ आप इस उदासीनता को दूर करें। तकनीकी छात्रों, और चिकित्सा के छात्रों को अपनी रैंकिंग को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं। कला विषयों का अध्ययन कर रहे व्यक्तियों के लिए यह समय कठिन बना हुआ हैं। प्रतियोगी परीक्षा में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने पड़ सकते हैं।

जुलाई 2028 के लिए फलादेश

शैक्षिक प्रगति के पक्ष से इस माह के सितारों की स्थिति चिंतित करने वाली बनी हुई हैं। माह अवधि में ग्रहों का योग आपके शिक्षा कार्यो के इए नकारात्मक बनी हुई हैं। शिक्षकों के प्रति आपका स्वभाव कुछ हठी और आत्ममुखर हो सकता हैं। इस अवधि में सीखना आपके लिए बहुत मुश्किल कार्य होगा। अपनी इस प्रवृत्ति को नियंत्रित करने का प्रयास करना चाहिए और इस समय आपको संयम बरतने की कोशिश करनी चाहिए। अधिकांश उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए आपको बहुत अधिक संघर्ष करना होगा। सामान्य परिणाम प्राप्त करने के लिए भी आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। प्रतिकूल परिस्थितियों को अनुकूल करने में यह आपको सहयोग करेगा।

अगस्त 2028 के लिए फलादेश

आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए यह माह एक लाभदायक माह साबित हो सकता हैं। यह माह आपको विशेष रुप से नई ऊंचाईयों पर लेकर जा सकता हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, और अन्य कला विषयों में अध्ययन कर रहा छात्र वर्ग इस अवधि में उल्लीखनीय सफलता अर्जित कर सकता हैं। माह की शुभता में आपकी गतिविधियां सफलता का कारण बन सकती हैं। भाषा, पत्रकारिता और लेखा विषयों में अध्ययन कर रहे छात्र वर्ग के लिए इस माह सफल होना काफी आसान हो सकता हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में मानसिक संकायों में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए भी समय शुभता बनी हुई हैं। सीखने और समझने के लिए परिस्थितियां आसान बनी हूई हैं। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए काफी फायदेमंद बना हुआ हैं।

सितम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति के अनुसार यह समय आपकी शैक्षिक संभावनाओं के लिए काफी उपयोगी रहेगी। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य कला विषयों में पढ़ाई कर रहे छात्रों को अच्छ्छ स्कोर के साथ उल्लेखनीय सफलता की प्राप्ति हो सकती हैं। अपने अध्ययन कार्यो के जादू से आप अपनी योग्यता सिद्ध करने में सफल रहेंगे। ब्यूटीशियन और होट्ल प्रबंधन के छात्रों को समय की शुभता का लाभ प्राप्त होगा। विषयों को जल्द और आसानी से सीखने का मानसिक दृष्टिकोण इस अवधि में इस वर्ग का बना हुआ हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले छात्रों को ईमानदारी के साथ प्रयास करने होंगे। इसके बाद ही यह वर्ग अपने उद्देश्यों में सफल हो सकता है।

अक्तूबर 2028 के लिए फलादेश

जहां तक आपकी शैक्षिक गतिविधियों का सवाल है यह माह आपके लिए काफी अनुकूल बना हुआ है। इस अवधि के सितारों की स्थिति सुखद बनी हुई हैं। तकनीकी छात्र अपने

प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे। सामान्य प्रयास और अपने कौशल से कुछ अच्छा स्कोर प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित करने में सफल हो सकते हैं। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य ललित के छात्र अपने प्रयास और परिणामों से प्रसन्न रहेंगे। कुछ नये विषयों में उत्तम सफलता प्राप्त हो सकती हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने वाला छात्र वर्ग सामान्य प्रयास से ही अपने उद्देश्य को पाने में सफल हो सकता है।

नवम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह अवधि के सितारों का संयोजन आपके लिए शुभ फलदायक बना हुआ है। अतः इस माह में शैक्षिक प्रयासों के द्वारा उद्देश्यों को पाना सहज होगा। नृत्य, नाटक, संगीत, चित्रकला, मूर्तिकला और अन्य कला विषयों में अध्ययन कर रहे छात्रों की रचनात्मक गतिविधियों का जादू सराहना और सफलता दोनों दिला सकता है। माह अवधि में आप निश्चित स्कोर प्राप्त कर उल्लेखनीय सफलता अर्जित कर सकते हैं। पत्रकारिता और लेखा के छात्र अपने पाठ्यक्रमों में अच्छा प्रदर्शन करने में सफल रहेंगे। मानसिक संकायों को शीघ्र और आसानी से सीखेंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में बैठने वाले लोगों को ईमानदारी के साथ प्रयास कर निश्चित सफलता की प्राप्ति हो सकती हैं।

दिसम्बर 2028 के लिए फलादेश

अपनी शैक्षिक कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए इस माह के सितारों का संयोजन सकारात्मक नहीं बन रहा है। अधिकतर कार्यों में नकारात्मक स्थिति बनी हुई हैं। माह अवधि में आपका व्यवहार आत्म मुखर और हठी हो सकता हैं। सीखने के लिए यह समय आपके लिए मुश्किल साबित हो सकता हैं। माह अवधि में आपको संयम बरतना होगा और अपनी इस प्रवृत्ति पर नियंत्रण रखना होगा। कला विषयों में अध्ययन कर रहे छात्रों के लिए समय कठिन बना हुआ हैं। अपने उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। प्रतियोगी परीक्षाएं में बैठने वाले छात्रों को सफल होने के लिए अतिरिक्त कोचिंग लेनी होगी। इस समय की परिस्थितियों में यह आपके लिए आवश्यक रहेगा।

कार्य क्षेत्र - 2026

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बहुत उत्तम रहेगा। आप अपनी कार्य कुशलता एवं दक्षता के बल पर अपने व्यवसाय में बेहतरसफलता प्राप्त करेंगे। आपकी सफलता में आपको भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। बड़े अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा जिसका उचित लाभ उठाकर आप अपने व्यापार में कुछ नया करेंगेऔर आपको अच्छा लाभ होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों को अपने कार्यस्थल पर मान-सम्मान मिलेगा व अपने अधिकारियों की अनुकूलता प्राप्त होगी।

02 जून के बाद एकादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपको अपने कार्य क्षेत्र में बहुत अच्छा लाभ होगा। यदि आप साझेदारी में कार्य कर रहे हैं तो उसमें भी इच्छित लाभ प्राप्त होगा। भूमि से संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों को 31 अक्टूबर के बाद अच्छा लाभ मिलेगा। इस समय के अंतराल में इच्छित स्थान पर आपका स्थानान्तरण भी हो सकता है।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह में बन रही ग्रहों की स्थिति आपके पेशेवर जीवन के लिए काफी निराशाजनक बन रही हैं। शीघ्र लाभ प्राप्त करने के लिए आप कानून से बाहर जाकर कार्य करने की कोशिश कर सकते हैं। माह अवधि में अनियंत्रित प्रतिकूल स्थितियां बनी हुई हैं। इसलिए आपको इस अवधि में इस प्रकार की गतिविधियों से बचने की कोशिश करनी चाहिए। अधीनस्थों का आपके द्वारा शोषण हो सकता हैं। अपने स्वभाव की इस कमी को समय रहते दूर करने का प्रयास करना चाहिए। अन्यथा यह वर्ग आपका कड़ा विरोधी हो सकता हैं और आपके लिए अत्यंत अप्रिय स्थिति उत्पन्न हो सकती हैं। उत्तर दिशा में यात्रा करने से इस अवधि में आपको कुछ लाभ प्राप्त होने की संभावनाएं बन रही हैं। अन्य दिशाओं में यात्रा करने से व्यावसायिक सौदों में सफलता के योग नहीं बन रहे हैं।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपके व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत उत्साहवर्धक नहीं बनी हुई हैं। उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त करने के लिए आपको इस समय में कड़ी मेहनत करनी होगी। पूर्व दिशा में यात्रा करना आपको आंशिक लाभ दे सकता हैं। अन्य यात्राओं से लाभ की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। माह अवधि में आपको अधीनस्थों का शोषण करने से बचना चाहिए। अपने स्वार्थ के लिए या अपनी सामाजिक स्तर को बनाए रखने के लिए आपके द्वारा ऐसा हो सकता हैं। आपको अपने ऐसे स्वभाव को बदलने का प्रयास करना चाहिए। गलत तरीके से अपने से नीचे के वर्ग का फायदा उठाने से भी आपको बचना चाहिए। आपको कठोरता से ऐसी स्थितियों को नियंत्रित करना चाहिए.

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत अच्छी बन रही हैं। अपने वरिष्ठ अधिकारियों के सहयोग और अधीनस्थों की सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में आपको अधिक कठिनाई नहीं होगी। अधीनस्थों से निपटने में आपको अपनी विशेष शैली का प्रयोग करना होगा। यह माह आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करने वाला माह साबित हो सकता हैं। समय की शुभता में आपको पुरस्कार प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। अनुकूल लाभ प्राप्तियां होने से कार्य भार की अधिकता आपको बोझ नहीं लगेंगा। किसी बूढ़े व्यक्ति के सहयोग से आपका व्यावसायिक विस्तार होने की संभावना बन रही हैं। इसके अतिरिक्त माह अवधि में दक्षिण दिशा की यात्रा करना भी आपके लिए लाभप्रद साबित हो सकता हैं। यह दिशा आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

सितारों का संयोजन आपके पेशेवर उन्नति के लिए काफी फायदेमंद बना हुआ हैं। इस अवधि में आप अपने कौशल से अपने श्रमिकों की सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। यह माह आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण लाभ साबित हो सकता हैं। आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह की शुभता बनी हुई हैं। किसी बूढ़े व्यक्ति के माध्यम से आपके लाभों को बढ़ावा मिल सकता हैं। वरिष्ठ अधिकारियों या मालिकों को आप अपने फायदे के लिए प्रयोग कर सकते हैं। इस समयावधि में व्यावसायिक यात्राओं के लिए समय की शुभता बनी हुई हैं। अतः यह माह आपके लिए काफी अनुकूल हो सकता हैं।

मई 2026 के लिए फलादेश

सितारों का संयोजन इस अवधि में आपके पेशेवर जीवन के लिए बहुत उज्जवल नहीं बन रहा हैं। माह अवधि में कड़ी मेहनत करने पर भी आपको पुरस्कार प्राप्ति की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। यहां तक की अपने सभी प्रयासों के बाद भी आप उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त नहीं कर पायेंगे। अपने सामाजिक स्तर को बनाए रखने के लिए आपको अपने श्रमिकों का शोषण करने से बचना चाहिए। आपको अपने स्वभाव की इस कमी को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। इसके बाद ही आपका विकास हो सकता हैं। तथा इससे आप अप्रिय स्थिति से बच सकते हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में उत्तर दिशा में यात्रा करने से कुछ लाभ प्राप्ति की संभावनाएं बन सकती हैं। अन्य दिशाओं में सौदों के लिए की गई यात्राएं विफल हो सकती हैं।

जून 2026 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि के ग्रहों की भविष्यवाणी आपके लिए सुखद नहीं रहेंगी। इस अवधि में अधीनस्थों का सहयोग प्राप्त करने के लिए आपको विशेष प्रयास करने पड़ सकते हैं। अधीनस्थों के साथ संबंध मधुर बनाए रखने में आपको विशेष प्रयास करने पड़ सकते हैं।

इस वर्ग के मन में आपके खिलाफ किसी भी प्रकार का असंतोष समय को प्रतिकूल बना सकता हैं। यह माह व्यावसायिक यात्राओं के पक्ष से शुभ नहीं बना हुआ हैं। फिर भी पूर्व दिशा में यात्रा करना अवधि विशेष में आंशिक रुप से शुभ फलदायक सिद्ध हो सकता हैं।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

पेशेवर संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की भविष्यवाणी काफी निराशाजनक बनी हुई हैं। आपके अधीनस्थ और आपके कार्यकर्ताओं के मध्य आपके खिलाफ रोष प्रकट हो सकता हैं। अधीनस्थों के साथ निष्पक्ष व्यवहार करने से आप विपरीत परिस्थितियों को अपने नियंत्रण में रखने में सफल हो सकते हैं। ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न न हो इसके लिए आपको इस वर्ग का शोषण करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने का प्रयास करना चाहिए। दक्षिण दिशा में यात्रा करना आपको कुछ प्रतिशत लाभ दे सकता हैं। हालांकि परिस्थितियों को बेहतर करने के लिए आपको स्वयं प्रयास करने होंगे। अन्यथा यह आपमें असुरक्षा और असंतोष की भावना प्रभावित कर सकता हैं।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

माह अवधि की व्यावसायिक संभावनाओं के लिए सितारों की स्थिति बहुत उत्साहजनक नहीं बनी हुई हैं। अपने अधीनस्थों का शोषण करने के स्वभाव पर आपको अंकुश लगाना होगा। अपने नीचे कार्य करने वाले वर्ग के साथ संबंध मधुर रखने से आपकी व्यावसायिक उन्नति को बढ़ावा मिलेगा। अधीनस्थों के अधिकारों का ध्यान रखने से समय की प्रतिकूलता को कम कर सकते हैं। माह अवधि में व्यावसायिक सौदों के लिए यात्रा करना शुभ फलदायक नहीं बन रहा हैं। फिर भी इस माह में पश्चिम दिशा में यात्रा करना आपको कुछ प्रतिशत लाभ दे सकता हैं। संपर्क आपके लिए बहुत मददगार साबित नहीं होंगे। बड़े सौदे तय करने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी होगी।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

पेशेवर जीवन में उन्नति के पक्ष से इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए सुखद बन रही हैं। अतः इस माह में आपको अपने व्यावसायिक क्षेत्रों से पर्याप्त लाभों की प्राप्ति हो सकती हैं। अपना ध्यान अपने ललक्ष्यों पर केन्द्रित रखने से स्थिति ओर बेहतर हो सकती हैं। अपने अधीनस्थों की सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में आप इस अवधि में समर्थ रहेंगे। समय की शुभता का कुशलता और योग्यता से प्रयोग करना आपके लाभ के अवसरों को बढ़ाएगा। इस अवधि में आपको अपने निम्न वर्ग का शोषण करने से बचना होगा। आपको इसे रोकने के पर्याप्त प्रयास करने होंगे। इसके अलावा इस अवधि की सबसे लाभप्रद दिशा आपके लिए उत्तर दिशा बन रही हैं। समय की शुभता में व्यावसायिक कार्यो को पूर्ण करने के लिए आप इस दिशा को यात्रा के लिए प्रयोग कर सकते हैं। किसी अनुभवी व्यक्ति का सहयोग भी आपके

लाभों के लिए अनुकूल साबित हो सकता हैं।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह की उत्कृष्टता बनी हुई हैं। इस माह के सितारों की स्थिति आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए शुभ बन रही हैं। ग्रहों की शुभता प्राप्त होने से आपकी नेतृत्व क्षमता का विकास होगा और आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग और अधीनस्थों की सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे। यह आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण साबित हो सकता हैं। माह अवधि में आप पर कार्य भार की अधिकता न रहने की संभावनाएं बन रही हैं। इसके बावजूद आप उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त करने में सफल हो पायेंगे। किसी बूढ़े व्यक्ति का सहयोग या सेवा आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं। ऐसे व्यक्ति के माध्यम से कुछ बड़े कार्य पूर्ण होंगे। यात्रा करना भी आपके लिए उपयोगी रहेगा। माह अवधि की सबसे लाभप्रद दिशा पूर्व दिशा हैं। विशेष कार्यो के लिए आप इस दिशा का चयन कर सकते है।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह स्थिति के अनुसार यह माह आपके पेशेवर जीवन के लिए सौहार्दपूर्ण बन रही हैं। इस अवधि में अपने लक्ष्यों को प्राप्त करना आपके लिए काफी आसान रहेगा। किसी बूढ़े व्यक्ति या महिला सहयोगी के द्वारा आपकी व्यावसायिक संभावनाओं को बढ़ावा मिल सकता हैं। इनकी सेवाएं आपके लिए बेहद फायदेमंद सिद्ध हो सकती हैं। माह अवधि में आपको कठोर मेहनत करनी पड़ सकती हैं। उम्मीद के अनुरुप आपको इस समय में लाभ प्राप्तियां हो सकती हैं। इस अवधि में यात्राओं का परिणाम आपको लाभों के रुप में प्राप्त हो सकता हैं। दक्षिण दिशा में यात्रा करना आपके लिए विशेष रुप से उपयोगी साबित हो सकता हैं। अपने अधिनस्थों की सेवाओं से आप अधिकतम लाभ प्राप्त कर पायेंगे। यह इस अवधि की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि होगी।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों की स्थिति आपके लिए काफी अनुकूल बन रही हैं। अतः यह अवधि आपके पेशेवर जीवन की उन्नति के लिए उत्कृष्ट बन रही हैं। समयावधि में किसी बूढ़े व्यक्ति का सहयोग आपके लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकती हैं। साथ ही किसी महिला सहयोगी का सहयोग भी आपके लिए सुखद बना हुआ हैं। ललित कला के क्षेत्र में लगे व्यक्तियों के लिए इस माह के परिणाम शुभ फलदायक बन रहे हैं। कलात्मक वर्ग और रचनात्मक वर्ग को इस अवधि में बेहतरीन अवसर प्राप्त हो सकते हैं। व्यावसायिक यात्राओं के लिए यह समय काफी फायदेमंद साबित हो सकता हैं। माह अवधि की सबसे लाभप्रद दिशा पश्चिम दिशा बन रही हैं। इस अवधि में आपको अपने वरिष्ठ अधिकारियों और अधीनस्थों की

सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्ति हो सकती हैं।

कार्य क्षेत्र - 2027

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध शुभ फलदायी रहेगा। शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके कार्य व्यवसाय में अनुकूलता बनी रहेगा। बड़े अधिकारी या अनुभवी लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यवसाय में कुछ विशेष वनया करने के अवसर भी मिलते रहेंगे परन्तु इस समय के अंतराल में व्यापार में विस्तार न करें। जितना आपसे हो सके उतना ही कार्य करें नहीं तो वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपसे नुकसान हो सकता है। गुरु ग्रह के गोचर के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नती के साथ-साथ स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

03 जून के बाद शनि ग्रह का गोचर द्वादश भाव में हो रहा है। उस समय आपका कार्य व्यवसाय कुछ प्रभावित हो सकता है। आपके प्रतिद्वंदी आपका विरोध कर सकते हैं या शत्रुओं द्वारा आपके कार्य में रुकावट डालने की चेष्टा की जा सकती है। अतः बिना किसी पर विश्वास किये आत्मविश्वास के साथ कार्य करते रहें, क्योकि 03 अक्टूबर के बाद समय फिर से अनुकूल हो रहा है। उस समय आपके सारे विरोधी शान्त होंगे और आपको कार्य-व्यवसाय मेंसफलता भी मिलेगी।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह में आपको व्यावसायिक उन्नति करने के बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे। फिर भी इस अवधि में सतर्क रहना लाभकारी रहेगा। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके लिए सुखद बना हुआ हैं। जिससे आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में पूरी तरह से सफल रहेंगे। सीखने वाले वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के कई प्रतिभाशाली व्यक्तियों के द्वारा आपको लाभदायक सफलता और मानसिक संतुष्टि दोनों की प्राप्ति होगी। शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए आप कानून के बाहर जाकर कार्य करने का प्रयास कर सकते हैं। आपको ऐसी अभिलाषाओं पर मजबूती से नियंत्रण लगाना होगा। अन्यथा स्थिति आपके प्रतिकूल हो सकती हैं। योग उत्तम होने के कारण आपको अपनी योग्यता दिखाने के कई अवसर प्राप्त होंगे।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी व्यावसायिक उन्नति के लिए बहुत सौहार्दपूर्ण नहीं बनी हुई हैं। आपको अपनी व्यावसायिक स्थिति को यथावत बनाए रखने के लिए काफी कड़ी मेहनत करनी होगी। फिर भी उम्मीद के अनुसार लाभ प्राप्त होने की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। इस माह में आपके लिए कोई उतार-चढ़ाव नहीं बना हुआ हैं। नेतृत्व शक्ति का प्रयोग करते हुए आप को विपरीत समय में अच्छे परिणाम प्राप्त करने के प्रयास करने होंगे। शिक्षा क्षेत्र के कई प्रतिभाशाली लोगों के साथ जुड़ना आपको कुछ संतुष्टि दे सकता हैं। आपको मानसिक रुप से इसमें सम्मिलित होना होगा। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए सुस्त माह है जिसमें आपको धैर्य के साथ प्रयास करने होंगे।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

सितारों की स्थिति आपके पेशेवर जीवन की उन्नति के संदर्भ में बहुत सौहार्दपूर्ण नहीं बनी हुई हैं। माह अवधि में रोमांचक या दिलचस्प घटना न घटित होने के कारण आप हताश होकर कुछ समय के लिए अकेले रहना चाहेंगे या कुछ दिनों की छुट्टियों पर जाने का सोच सकते हैं। समय में ग्रहों की शुभता की कमी के कारण कड़ी मेहनत करने के बाद भी उम्मीद के अनुसार लाभ प्राप्ति की संभावना बहुत कम बन रही हैं। इस समय में स्वयं में कुछ बदलाव करना पड़ सकता हैं। शिक्षा क्षेत्र और अन्य कुछ प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सहयोग आपको काफी संतोषजनक परिणाम दे सकता हैं। यह आपकी नेतृत्व शक्ति का विकास भी करेगा। आप कुछ धार्मिक या सामाजिक कार्यों में आपका योगदान औसत स्तर का रहेगा। लेखक वर्ग का प्रदर्शन सामान्य से कुछ अधिक हो सकता हैं।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

यह माह आपके पेशेवर जीवन के लिए बहुत सौहार्दपूर्ण नहीं रहेंगा। इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए विपरीत बना हुआ हैं। इस माह अवधि में आप बहुत अधिक मेहनत करेंगे। कार्य की अधिकता आपको बोझ जैसी प्रतीत हो सकती हैं। ग्रह संयोजन में इस अवधि में विशेष कुछ भी नहीं बन रहा हैं। बहुत अधिक प्रयास करने के बाद उम्मीद के अनुरुप लाभ बहुत कम प्राप्त हो पायेंगे। इस समय में एक साथ अनेक समस्याएं आपको परेशान कर सकती हैं। शैक्षिक क्षेत्र के कुछ प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ मिलकर कार्य करना आपको कुछ लाभ दे सकता हैं। मानसिक संतुष्टि प्राप्ति की संभावनाएं बहुत कम बन रही हैं। कुछ छोटी यात्राएं इस अवधि में आपके द्वारा तय हो सकती हैं। माह अवधि की सबसे लाभप्रद दिशा पश्चिम दिशा बन रही हैं।

मई 2027 के लिए फलादेश

इस माह में सितारों की स्थिति आपके पेशेवर जीवन की उन्नति को बहुत प्रोत्साहित नहीं कर रही हैं। आपके अपने वरिष्ठ अधिकरियों के साथ गंभीर मतभेद सामने आ सकते हैं। यह स्थिति आपको तनाव देगी। इस प्रकार की स्थिति से बचने के लिए आपको धैर्य और सहनशीलता से काम लेना होगा। साथ ही इस समय में आपको कड़ी मेहनत करने की कोशिश करनी चाहिए। बहुत अधिक कड़ी करने पर आप कोई अच्छा सौदा तय करने में सफल हो सकते हैं। फिर भी इस अवधि में उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्तियों की संभावना बहुत कमजोर बन रही हैं। शैक्षिक वर्ग और प्रतिभाशाली व्यक्तियों के साथ मिलकर कार्य करना आपको आंशिक रुप से कुछ लाभ और मानसिक संतुष्टि देगा। कुल मिलाकर इस माह में अनुकूलता के योग बहुत कम बन रहे हैं।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपकी व्यावसायिक संभावनाओं को कोई प्रोत्साहन नहीं दे रहा हैं। अतः यह माह आपके लिए शायद ही अनुकूल रहेगा। माह अवधि में आप के द्वारा किए गए प्रयास विफल हो सकते हैं। यह आपके लिए काफी निराशाजनक रहेगा। उम्मीद के अनुरुप प्राप्तियां न होने से आपमें हताशा भाव प्रभावी हो सकता हैं। माह अवधि में कड़ी मेहनत करने के बावजूद परिणाम आपके पक्ष में बहुत अधिक नहीं रहेंगे। माह अवधि में यात्राएं होने की संभावना बन रही हैं। यात्राओं से भी मामूली लाभ प्राप्तियां होने की उम्मीद बन रही हैं। तथा आपके पेशेवर जीवन में उतार चढ़ाव की स्थिति बन सकती हैं। सीखने वाले वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपको संतुष्टि दे सकता हैं।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

पेशेवर उन्नति के लिए माह अवधि के सितारों की स्थिति बहुत फायदेमंद नहीं बनी हुई हैं। व्यावसायिक पक्ष से यह समय आपके लिए बहुत उत्तम नहीं बना हुआ हैं। अतः इस माह में आपको अपने पेशेवर जीवन को लेकर कुछ चिंताएं रह सकती हैं। इस माह के दौरान कड़ी मेहनत करने के बावजूद उम्मीद के अनुकूल लाभ प्राप्त न होने की संभावनाएं बन रही हैं। यह स्थिति स्वाभाविक रुप से आपको निराश कर सकती हैं। इस माह में आपको आलस्य का त्याग कर परिश्रम से काम लेना होगा। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके लिए बहुत सुखद नहीं बना हुआ हैं। फिर भी आध्यात्मिक स्तर और कुछ सीखने वाले वर्ग का सहयोग आपके लिए अच्छा रहेगा। धैर्य और दृढ़ता से ऐसी परिस्थितियों का सामना करें।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपकी पेशेवर उन्नति के लिए बहुत अनुकूल नहीं बना हुआ हैं। माह अवधि में आपको कड़ी मेहनत करने के बाद भी उम्मीद के अनुरुप सामान्य से बहुत कम लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। इसका अर्थ यह है कि आपके पेशेवर जीवन में अत्यधिक उतार-चढ़ाव बने हुए हैं। बचत की स्थिति इस अवधि में सामान्य बनी हुई हैं। कई विद्वान लोगों के साथ बातचीत आपको संतुष्टि प्रदान करेगी। सामाजिक और धार्मिक गतिविधियों में अपने योगदान में सुधार करें।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह में पेशेवर उन्नति के लिए आपको काफी उपयोगी अवसर प्राप्त होने की संभावनाएं बन रही हैं। ग्रह एवं नक्षत्रों की स्थिति आपके लिए सुखद बनी हुई हैं। इस शुभ समय का आप कुशलता के साथ प्रयोग करें। माह अवधि में कार्यस्थल का माहौल तनाव और आंतरिक राजनीति विषयों से पूरी तरह से मुक्त रहेगा। अपने कार्यक्षेत्र को विदेश से जोड़ने और प्रत्याशित लाभ प्राप्ति करने में यह समय आपको सहयोग कर रहा हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में सामाजिक या धार्मिक कार्यो, लेखकों और इसी प्रकार का कार्य करने वाले व्यक्तियों

के साथ जुड़ना आपके लिए विशेष लाभप्रद साबित हो सकता हैं। आध्यात्मिक स्तर के और सीखने वाले वर्ग का सहयोग आपको लाभ और संतोष दोनों देगा। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए एक उत्कृष्ट माह रहेगा। इस माह में आप अनेक उपलब्धियां हासिल करने में सफल रहेंगे।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

इस माह में सितारों की गतिविधियां आपके लिए लाभदायक बनी हुई हैं। अतः अवधि विशेष में आपकी व्यावसायिक उन्नति के भरपूर अवसर बने हुए हैं। कार्यक्षेत्र का माहौल अत्यंत सुखद होने के कारण आपके लिए तनाव मुक्त बना हुआ हैं। इस समय में आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्तियां होने की संभावना बन रही हैं। समय की अनुकूलता में आप अपने नेतृत्व गुणों से अपने सभी कृत्यों को कुशलता के साथ करने में सफल रहेंगे। यह आपके कार्यो को गति प्रदान करेगा। आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों और सीखने वाले वर्ग के प्रयास से आपका जीवन बेहतर होकर समृद्ध होगा। इस प्रकार की गतिविधियों के लिए यह समय बहुत सुखद और वांछनीय बना हुआ हैं। उद्देश्यों को प्राप्त करने के पक्ष से यह माह आपके लिए एक उत्कृष्ट माह बना हुआ हैं।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह में पेशेवर जीवन में उन्नति करने के पक्ष से सितारों का संयोजन आपके लिए अनुकूल बना हुआ हैं। इस अवधि में आप पर कार्य भार हल्का रहेगा। इस समय में आपके द्वारा यात्रा होने की संभावना बन रही हैं। सफलतापूर्वक अपने व्यवसाय को विदेश से जोड़ना और उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त करना आपके लिए इस समय में सहज रहेगा। लेखन, चित्रकला और संगीत क्षेत्र और अन्य ललित कला से जुड़े वर्ग को इस समय में सराहना और लाभ दोनों की प्राप्ति होगी। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके लिए उत्कृष्ट बना हुआ हैं। अतः इस अवधि में आपका कार्यस्थल तनाव या राजनीति से मुक्त होगा। आपको अपना जीवन समृद्ध करने के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। सीखने और आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपके लिए लाभदायक साबित हो सकता हैं। सामाजिक या धार्मिक कार्यो में आपका योगदान आपके लिए विशेष रहेगा।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

सितारों की स्थिति इस माह में आपकी व्यावसायिक संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। कड़ी मेहनत करने पर भी आप कोई बड़ा सौदा तय करने में सफल नहीं हो पायेंगे। अधिक परिश्रम करने पर भी आप अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल नहीं हो पायेंगे। माह अवधि में आपको कार्यस्थल पर अधिक उतार-चढ़ाव करने से बचना होगा। आपमें स्फूर्ति के कमी के कारण लक्ष्यों की प्राप्ति में परेशानी आ सकती हैं। आलस्य की

अधिकता आपकी परेशानियों को बड़ा सकती हैं। कुछ प्रतिभाशाली व्यक्तियों, सीखने वाले वर्ग और आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपके लिए कुछ लाभदायक साबित हो सकता हैं। आपको बचत पर ध्यान देना चाहिए।

कार्य क्षेत्र - 2028

वर्ष का प्रारंभ व्यावसायिक उन्नति के साथ होगा। कोई नया कार्य आरम्भ करेंगे और उसमें आपको सफलता भी मिलेगी। उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा साथ ही किसी बड़ी कंपनी के साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति भी हो सकती है। 28 फरवरी से 24 जुलाई तक समय प्रतिकूल हो रहा है। गुप्तशत्रु या विरोधियों द्वारा आपके कार्यों में व्यवधान डाला जा सकता है।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद आप अपनी कार्य कुशलता एवं दक्षता के बल पर व्यावसायिक जीवन की समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में अपने कर्मचारियों पर निगाह रखें ।

जनवरी 2028 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए माह के सितारों का संयोजन सामान्य रुप से आपके लिए लाभदायक नहीं बना हुआ हैं। माह अवधि में यदि आप सावधान नहीं रहते है तो आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक खराब हो सकती हैं। सावधानियां रखने से स्थिति को नियंत्रित रखा जा सकता हैं। शीघ्र लाभ प्राप्ति के लिए आप कानून के बाहर जाकर कार्य करने का प्रयास करेंगे, परन्तु यह आपके लिए सही नहीं होगा। आपको कानून के दायरे में रहकर अपने पेशे से लाभ अर्जित करने का प्रयास करना होगा। विपरीत परिस्थिति और बाधाओं का समाधान करते हुए उनसे बाहर आने की कोशिश करें। गलत चीजों को अनदेखा करना ही सही रहेगा। इस अवधि में आपका कार्य भार बढ़ सकता हैं। धैर्य रखना इस समय में उत्तम उपाय सिद्ध हो सकता हैं। संपर्को का लाभ आपको नहीं मिल पाएगा। व्यावसायिक संभावनाओं को बेहतर करने के पक्ष से इस अवधि में बहुत अच्छ्ध योग नहीं बन रहे हैं।

फरवरी 2028 के लिए फलादेश

आपके पेशेवर उन्नति के लिए यह माह बहुत उत्साहवर्धक नहीं बना हुआ हैं। कड़ी मेहनत करने के बावजूद इस माह के परिणाम आपके लिए बहुत सुखद नहीं बने हुए है। इस माह की उत्कृष्टता केवल कार्यस्थल का माहौल सौहार्दपूर्ण बने रहने में बनी हुई हैं। कार्यो के माध्यम से आपको उम्मीद के अनुरुप लाभ नहीं मिल पायेंगे। साथ ही इस समय में संपर्क भी आपके लिए बहुत मददगार सिद्ध नहीं होंगे। कठिन परिस्थितियों से बाहर आने के लिए आपको अपनी क्षमताओं पर विशेष रुप से निर्भर रहना होगा। उत्तर दिशा में यात्रा करने से आपको कुछ लाभों की प्राप्ति हो सकती है। इस माह के दौरान आपको सावधानी रखनी होगी। तथा धैर्य से काम लेना होगा।

मार्च 2028 के लिए फलादेश

पेशेवर संभावनाओं के लिए इस माह के सितारें प्रतिकूल बने हुए हैं। इस माह में

आपको अत्यधिक कार्य करना पड़ सकता हैं। परन्तु इसका प्रतिफल आपको लाभों के रुप में पूर्ण रुप से प्राप्त नहीं हो पायेगा। कार्यक्षेत्र का वातावरण आपके लिए उत्कृष्ट और तनाव से मुक्त बना हुआ हैं। संपर्क भी इस समय में आपके लिए मददगार साबित नहीं होंगे। मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकलने के लिए आपको स्वयं के कौशल पर निर्भर रहना होगा। इसके अतिरिक्त इस माह की परिस्थितियां आपको अपनी कार्य क्षमता का विश्लेषण करने का पूरा मौका दे सकती हैं।

अप्रैल 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की भविष्यवाणी आपके पेशेवर जीवन की संभावनाओं के लिए बहुत उत्साहवर्धक नहीं बनी हुई हैं। आपके कार्य भार में अत्यधिक वृद्धि हो सकती हैं। कार्यभार का प्रतिफल आपको निश्चित रुप से लाभ के रुप में प्राप्त नहीं हो पाएगा। सुखद और तनाव मुक्त कार्यक्षेत्र का माहौल आपको कुछ राहत देगा। दक्षिण दिशा की यात्रा करना आपके लिए लाभदायक सिद्ध हो सकता हैं। इस अवधि में आपको नेतृत्व करने के पर्याप्त अवसर प्राप्त हो पायेंगे। उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त करने में आप विफल रहेंगे। संपर्क सूत्रों का सहयोग प्राप्त न होने से स्थिति ओर कठिन हो सकती हैं। मददगार भी आपके लिए इस समय में आपको मदद नहीं कर पायेंगे। इसके अलावा माह अवधि में आपको कानूनी नियमों के अंतर्गत रहकर ही कार्य करना चाहिए।

मई 2028 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारों का संयोजन आपके पेशेवर जीवन के लिए अच्छा संकेत नहीं दे रहे हैं। अतः इस अवधि में आपको कठिन परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता हैं। लघु अवधि की यात्राओं से लाभ प्राप्ति के संयोग बहुत कम बन रहे हैं। इस मुश्किल समय में भी आप उत्तर दिशा की यात्रा कर आंशिक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। उम्मीद के अनुरुप तो नहीं परन्तु कुछ कम लाभ उत्तर दिशा की यात्रा से आपको अवश्य प्राप्त हो सकते हैं। संपर्कों का सहयोग प्राप्त न हो पाने के कारण आपको कुछ निराशा का सामना करना पड़ सकता हैं। समय की कठिनाईयों को हल करने के लिए आपको अपनी क्षमता पर भरोसा रखना होगा। आपकी प्रतिकूल परिस्थितियों में आपके लिए कुछ सहयोगी हो सकती हैं। कार्य क्षेत्र की स्थिति सुखद रहने से कार्य करने में आपको आनंद आएगा। कार्यो का प्रतिफल उम्मीद के अनुरुप प्राप्त न होने के कारण आपको संतुष्टि प्राप्त नहीं हो पाएगी। कुल मिलाकर आपको इस माह के दौरान संवेदनशील मुद्दों पर सावधानी से चलना होगा।

जून 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपके पेशेवर जीवन के पक्ष से बहुत अच्छा न रहने की संभावनाएं बन रही हैं। इस समय में बहुत कड़ी मेहनत करने से स्थिति में कुछ सुधार

हो सकता हैं। लेकिन कार्यो के बदले पुरस्कार की संभावना बिल्कुल नहीं बन रही हैं। कुछ यात्राओं के भी योग बन रहे हैं। यात्राओं से मनोकूल लाभ प्राप्ति की संभावनाएं नहीं बन रही हैं। कुछ महिला सहयोगियों के सहयोग से आप अपने पेशेवर जीवन की उपलबधियों को बढ़ाने का प्रयास कर सकते हैं। आपके मित्र और संपर्क सूत्र भी इस अवधि में आपके काम नहीं आयेंगे। अपने कौशल और प्रयासों से आप इस स्थिति में सुधार ला सकते हैं। इस माह के कुछ लाभों की स्थिति आपके प्रयासों पर भी निर्भर करेगी। धैर्य के साथ आप अच्छे सौदे तय करने के लिए प्रयासरत रहें।

जुलाई 2028 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। लाभ प्राप्ति की सभी संभावनाओं से सफलता प्राप्त करना आपके लिए बहुत कठिन कार्य हो सकता हैं। फिर भी आपको इसके लिए प्रयासरत रहना चाहिए। दक्षिण दिशा में यात्रा करने के परिणाम आपके लिए कुछ लाभप्रद हो सकते हैं। समय की प्रतिकूलता आपको उम्मीद के अनुसार लाभ प्राप्त नहीं होने देगी। संपर्क भी आपको किसी प्रकार से सहयोग नहीं कर पायेंगे। अतः इस अवधि में अपने कौशल और संसाधनों पर निर्भरता इस समय में अच्छा विचार हो सकती हैं। कठिन परिस्थितियों से निपटने में आपको काफी सावधान रहना होगा।

अगस्त 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी पेशेवर संभावनाओं के लिए बहुत उज्जवल नहीं बनी हुई हैं। गंभीर प्रयासों के बावजूद इस अवधि में आप अपने लाभों को साकार करने में सफल नहीं हो पायेंगे। माह अवधि की घटनाएं आपके पक्ष में घटित नहीं हो रही हैं। यात्राएं भी आपको उम्मीद के अनुरुप लाभ देने में असफल रहेंगी। फिर भी पश्चिम दिशा की यात्राएं आपके लिए आंशिक रुप से लाभदायक सिद्ध हो सकती हैं। संपकी से आपको बहुत ज्यादा मदद नहीं मिल पायेगी। कौशल पर भरोसा और प्रयास करते रहना इस समय में आपके लिए एक अच्छा उपाय हो सकता हैं। कठिन परिस्थितियों को संभालने के लिए आपको धैर्य से काम लेना होगा।

सितम्बर 2028 के लिए फलादेश

पेशेवर उपलब्धियों के लिए इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा हैं। कड़ी मेहनत करने पर भी आप अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत हद तक सफल नहीं हो पायेंगे। आपकी योजनाएं और प्रयास आपके लिए जोखिम से भरे हो सकते हैं। विपरीत परिस्थितियों में आपको जोखिम पूर्ण विषयों से बचना चाहिए। यह आपके लिए अच्छा रहेगा। यात्राओं के कुछ योग बन रहे हैं। परन्तु यात्राओं से मनोकूल लाभ प्राप्ति की संभावनाएं आंशिक बन रही हैं। उत्तर दिशा में यात्रा करना आपके लिए कुछ हद तक लाभप्रद हो

सकता हैं। व्यावसायिक संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए अनुकूल नहीं बन रही हैं।

अक्तूबर 2028 के लिए फलादेश

सितारों का संयोजन इस अवधि में आपके पेशेवर उन्नति के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा हैं। इस माह के दौरान आपको कड़ी मेहनत करनी होगी। कड़ी मेहनत करने पर भी लाभ प्राप्तियां न होने से आप काफी हतोत्साहित हो सकते हैं। व्यापारिक विषयों या नौकरी के लिए यात्रा करने की संभावनाएं बन रही हैं। परन्तु फिर भी यात्राओं से धन अर्जन के योग बहुत कम बन रहे हैं। संपर्क सूत्र आपके लिए बहुत मददगार साबित नहीं हो पायेंगे। कौशल और प्रयासों पर विश्वास करना विपरीत समय में लाभदायक साबित हो सकता हैं। कुल मिलाकर यह माह आपके पेशेवर जीवन के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बना हुआ हैं।

नवम्बर 2028 के लिए फलादेश

व्यावसायिक संभावनाओं के लिए यह माह आपके लिए बहुत उज्जवल नहीं बना हुआ हैं। यात्राओं से कुछ लाभ प्राप्तियां हो सकती हैं। परन्तु लाभ की मात्रा बहुत कम रहने की संभावना बन रही हैं। विपरीत समय में दिक्षण दिशा की यात्रा करना कुछ लाभदायक हो सकता हैं। विपरीत समय में उम्मीद के अनुरुप लाभ प्राप्त करना आपके लिए कठिन हो सकता है। आपके संपर्क या मददगार आपको मदद नहीं कर पायेंगे। इस समय में आप अनुरुप लाभ प्राप्त करने में विफल हो सकते हैं। समय में शुभता की कमी के कारण आपको खुद के कौशल और प्रयासों पर अधिक निभर्र रहना होगा। घटनाओं का विश्लेषण कर आप अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में अधिक सफल हो सकते हैं। समय की प्रतिकूलता कार्यक्षेत्र में आपको बाधायुक्त वातावरण दे सकती हैं।

दिसम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह एवं सितारों की स्थिति आपके पेशेवर जीवन में उन्नति के पक्ष से काफी अच्छी बन रही हैं। ग्रहों की अनुकूलता आपकी व्यावसायिक सफलता के लिए उत्तम बनी हुई हैं। माह अवधि में प्रत्याशित लाभ प्राप्ति आपको सामान्य से अधिक हो सकती हैं। छोटी अवधि की यात्राओं से आपको अपनी व्यावसायिक संभावनाओं को बेहतर करने में मदद मिलेगी। कार्य क्षेत्र का वातावरण इस अवधि में हर प्रकार के संघर्ष से मुक्त होने के कारण आपके लिए काफी सुखद बना हुआ हैं। यह आपको लाभ और संतुष्टि दोनों देगा। कार्य करने में आपको आनंद आएगा। कुछ महिला सहयोगियों के सहयोग से आपके पेशेवर जीवन की संभावनाओं को महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। कुल मिलाकर यह माह आपके लिए सुखद और उपयोगी माह बना हुआ हैं। इस माह के दौरान आपको व्यवसाय में सफलता प्राप्त हो सकती हैं।

धन संबंधी - 2026

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का पूर्वार्द्धबहुत उत्तम रहेगा। आपके धनागम में वृद्धि होगीजिससे आप इच्छित बचत करके आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकते हैं। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपको रत्न आभुषण इत्यादि का भी सुख प्राप्त होगा। अष्टम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से पैतृक सम्पत्ति, या ससुराल से धन प्राप्त होने का प्रबल योग बन रहे हैं।

02 जून के बाद एकादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी आय के स्रोतों में बढोत्तरी होगी। इस समय अंतराल में आपको अचानक धन लाभ होगा। 31 अक्टूबर के बाद भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख भी प्राप्त हो सकता है।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों के अनुसार आपकी वित्तीय स्थिति इस माह बहुत अनुकूल नहीं रहेगी। इस विपरीत समय में आप स्वयं में आत्मविश्वास और पहल करने की क्षमता की कमी महसूस करेंगे। यह परिस्थितियों को ओर जटिल बना देगा। ऐसा न होने दे वरना आपके पास काम के अवसरों की कमी हो सकती हैं। इसके अलावा सट्टा गतिविधियों से भी आपको गंभीर नुकसान का सामना करना पड़ सकता हैं। साथ ही जुए आदि जैसी गतिविधियों से भी आपको बचना चाहिए। नए उदयमों को शुरु करने और निवेश करने संबंधित योजनाओं को आपको वर्तमान में स्थगित करना चाहिए।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय उन्नति के लिए इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए कई लाभदायक अवसर बना रही हैं। माह अवधि में अचानक से अप्रत्याशित लाभ प्राप्ति की उम्मीद रखने के पर्याप्त कारण बन रहे है। इसके अलावा किराया व्यवसाय से लाभ प्राप्त होने के उत्तम अवसर बने हुए हैं। यहां तक की शीघ्र धन प्राप्ति के साधनों से भी अच्छी लाभ संभावनाएं बन रही हैं। इस समय के किसी भी प्रयास का परिणाम आपको शीघ्र लाभ के रुप में प्राप्त हो सकता हैं। हो सकता है कि यह लाभ बहुत बड़ा न हो परन्तु इनकी गति तीव्र होगी। माह अवधि की शुभता और अवसरों का शीघ्र लाभ उठायें, कहीं देरी न हो जायें।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह स्थिति के अनुसार वित्तीय संभावनाओं को बेहतर करने के आपको कई अवसर प्राप्त होंगे। सट्टा गतिविधियों, जुए या शीघ्र प्राप्ति के क्षेत्रों से सुंदर मुनाफा प्राप्ति के योग बन रहे हैं। इस माह अवधि में आपको कुछ अलग अप्रत्याशित लाभ प्राप्ति की संभावना भी बन रही हैं। आप इस माह में अधिकांश उद्देश्यों को प्राप्त कर सफलता पाने में सक्षम रहेंगे। यह आपको शीघ्र लाभ देगा। साहस और आत्मविश्वास से आप अपने सभी कार्यों

को पूर्ण कर पायेंगे।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से यह माह आपको पर्याप्त अवसर देगा। इस माह में आपकी आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी। इस समय में आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्त हो सकते हैं। सितारों की शुभता आपको इसमें बहुत सहयोग दे रही हैं। सट्टे आदि गतिविधियों में आपको अच्छा मुनाफा प्राप्त हो सकता हैं। माह अवधि में किए गये प्रयासों के अनुसार आप अपने उद्देश्यों को साकार कर सफलता प्राप्त कर सकते हैं। माह अवधि में अत्यधिक आय प्राप्ति के योग बन रहे हैं। ऐसे अवसर आपको आगे भी प्राप्त होने की संभावनाएं बन रही हैं।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस माह में बन रही सितारों की शुभता से आपको धन अर्जित करने के बहुत अच्छ अवसर प्राप्त होंगे। इस माह में आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्ति के मौके मिलने की संभावनाएं बन रही हैं। सट्टा गतिविधि या जुआ आदि गतिविधियों से अत्यधिक लाभ प्राप्ति के योग बन सकते हैं। आपको अपने प्रयासों में तेजी लानी होगी। इस समय में ज्यादातर योजनाओं पर प्रयास करने पर शीघ्र लाभ प्राप्त हो सकते हैं। इस समय में सफलता की गति तीव्र बनी हुई है। लाभ बड़े आकार और मध्यम आकार दोनों के हो सकते हैं। बेहिसाब धन अर्जित करने के शुभ योग बन रहे हैं।

जून 2026 के लिए फलादेश

इस माह अवधि के सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत शुभ बनी हुई हैं। माह अवधि में भाग्य की शुभता बनी हुई है। अतः साहस के साथ अपने व्यावसायिक सफलताओं को शीघ्र प्राप्त कर स्कते हैं। इस समय में आपको अप्रत्याशित लाभ मिल सकते हैं। परिस्थितियों का लाभ उठाने के लिए आपको अपना आत्मविश्वास उच्च बनाए रखना होगा। यह आपकी सफलता को सुनिश्चित करेगा। इसके अलावा सनये उदयमों को शुरु करने के लिए साहस पूर्व आप ऐसे प्रस्तावों को आगे बड़ा सकते है। किसी भी प्रकार का निवेश करने के लिए समय अनुकूलता बनी हुई हैं।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय स्थिति के पक्ष से ग्रह योग की शुभता इस माह आपको प्राप्त हो रही हैं। इस माह में आपकी वित्तीय संभावनाएं उत्तम रहने की संभावनाएं बन रही हैं। उम्मीद से अधिक आपको अप्रत्याशित लाभ प्राप्त हो सकते हैं। वित्तीय पक्ष से यह समय आपके लिए वरदान साबित हो सकता हैं। किसी महिला अधिकारी या महिला सद्स्य के द्वारा आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार हो सकता हैं। ललित कला से जुड़े संगीतकरों, चित्रकारों, नाटककारों, फिल्म निर्माताओं और अन्य कलाकारों के लिए यह बेहद संतोषजनक स्थिति बनी हुई हैं। इस समय

में वित्तीय लाभ और रचनात्मक उत्पादन दोनों होने के शुभ योग बन रहे हैं। नए उदयमों में निवेश करने के लिए समय की अनुकूलता बनी हुई हैं।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए ग्रह स्थिति लाभदायक बनी हुई हैं। इस माह अवधि में सट्टा गतिविधियों से लाभ प्राप्ति के लिए आप तत्पर रहेंगे। यह क्रियाएं आपको उम्मीद से अधिक अप्रत्याशित लाभ दे सकती हैं। किसी महिला सदस्य या अधिकारी के साथ जुड़ना या सहयोग प्राप्त होना, वित्तीय पक्ष से आपके लिए वरदान साबित हो सकता हैं। ललित कला के संगीतकारों, चित्रकारों, नाटककारों, फिल्म निर्माताओं और अन्य कलाओं के जानकार इस अवधि में अपनी कला का जादू बिखेरने में कामयाब रहेंगे। इस वर्ग के लिए यह समय वित्तीय लाभ और रचनात्मक उत्पादन के लिए अनुकूल बना हुआ हैं। नये उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए समय की अनुकूलता बनी हुई हैं।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से समय प्रतिकूल बना हुआ हैं। इस माह में बन रहा सितारों का योग आपके लिए शुभ फलदायक नहीं बन रहा हैं। शीघ्र धन प्राप्ति के साधनों में धन निवेश करना या गलत कार्यों में संलग्न व्यक्तियों के साथ मिलकर कार्य करना आपके लिए सही नहीं रहेगा। आपको ऐसे उदयमों के साथ कार्यरत होने से बचना चाहिए। इसके अतिरिक्त सट्टा गतिविधियों के माध्यम से भी आपको गंभीर नुकसान होने की संभावनाएं बन रही हैं। साथ ही आप इस अवधि में जुए से भी दूर रहें। नए उदयमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए समय की प्रतिकूलता बनी हुई हैं। इस प्रकार की योजनाओं को कुछ समय के लिए स्थगित करना ही उत्तम रहेगा। अन्यथा धन हानि के योग बन सकते हैं।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय स्थिति के पक्ष से यह माह आपके लिए शुभ फलदायक नहीं बना हुआ हैं। इस माह के सितारों की स्थिति आर्थिक पक्ष से बहुत उज्जवल नहीं बन रही हैं। इस समय में आप किसी विवाद या मुकद्दमेबाजी के कारण हानि की स्थिति से गुजर सकते हैं। ऐसे विवादों का फैसला आपके विरुद्ध जा सकता हैं। इसके अलावा तेजी से धन कमाने के आपके प्रयास आपको हानि दे सकते हैं। माह अवधि में आपको गलत तरीकों से धन अर्जित करने के प्रयासों से बचना चाहिए। भाग्य के पक्ष से यह समय अच्छा नहीं बना हुआ हैं। समय की प्रतिकूलता में आपको ऐसे कार्यों से बचना चाहिए। नए उदयम शुरु करने के लिए और निवेश करने के लिए ग्रहों की स्थिति प्रतिकूल बनी हुई हैं।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल

नहीं बन रही हैं। शीघ्र धन प्राप्ति करने के प्रयासों में आप गलत कार्य करने वाले व्यक्तियों के संपर्क में आ सकते है। भाग्य की कमी और इस समय बनी हुई परिस्थितियों के कारण इस समय आपको सतर्क रहना होगा । तथा ऐसे प्रयास करने से बचना होगा। इसके अतिरिक्त शीघ्र धन लाभ प्राप्ति के लिए आप सट्टे आदि गतिविधियों में भी धन विनियोजन करने से बचें। यह आपके लिए धन हानि का कारण बन सकता हैं। गंभीर नुकसान से बचने के लिए आप जुए आदि विषयों से दूरी बनाकर रखें। नए उदयमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए अवधि शुभ नहीं बनी हुई हैं। इस अवधि विशेष में आपको ऐसी योजानाओं को स्थगित करना चाहिए और शुभ समय की प्रतिक्षा करनी चाहिए।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह के सितारों की स्थिति बहुत मंगलमय नहीं बनी हुई हैं। ग्रह स्थिति के प्रबल न होने के कारण इस समय आपकी आर्थिक स्थिति पहले से कमजोर हो सकती हैं। संगीतकारों, नाटककारों, फिल्म निर्माताओं और कला जगत के अन्य कलाकारों के लिए भी यह समय आर्थिक पक्ष से कमजोर रहेगा। संभावित है कि इस समय में अनुकूल रचनात्मक उत्पादन न हों। माह अवधि में आपके पास अनुकूल परिस्थितियों की कमी रहेगी। ऐसे में भी आपको सट्टे गतिविधियों में सम्मिलित होने से बचना चाहिए। वरना इस समय में आपके लिए मुश्किल स्थिति उत्पन्न हो सकती हैं। जुए आदि क्रियाओं में आपका शामिल होना आपको गंभीर नुकसान दे सकता हैं। हानि से बचना हो तो सावधानियों का पालन करें।

धन संबंधी - 2027

आर्थिक दृष्टिकोण सेयह वर्ष अच्छारहेगा।एकादश स्थान केशनि धनागम में निरंतरता बनाए रखेंगे। व्यापारिक अनुकूलता के कारण आपकी आर्थिक स्थिति में वृद्धि हो सकती है। पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। धनादि संचित करने में आपको भाईयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। निवेश के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध शुभ रहेगा। मांगलिक कार्यों में या समाजिक कार्यों में भी आपका पैसा खर्च हो सकता है।

03 जून से 03 अक्टूबर के मध्य समय किंचित प्रभावित हो रहा है। अतः इस समय के अंतराल में कोई बड़ा निवेश न करें या किसी को उधार पैसे न दें। कोई आर्थिक निर्णय लेने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें नही तो आपका पैसा फंस सकता है। 03 अक्टूबर के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। उस समय भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख प्राप्त होगा। वर्षान्त में गुरु ग्रह का गोचर पंचम स्थान में होगा, जिसके प्रभाव से सट्टा लॉटरी या शेयर बजार से भी आप को धन लाभ हो सकता है।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

ग्रह एवं सितारों के अनुसार इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत उत्साहजनक नहीं बनी हुई हैं। सभी प्रकार के व्यापारियों के लिए और किराये से आय प्राप्त करने वाले वर्ग के लिए भी यह समय उम्मीद के अनुसार लाभ अर्जित करने का नहीं हैं। लेखकों, चित्रकारों और कला से जुड़े कलाकारों के लिए यह अवधि प्रतिकूल बनी हुई हैं। इस अवधि में आपके द्वारा बनाई गई अधिकांश योजनाओं को अपना उद्देश्य प्राप्त करने में विशेष संघर्ष का सामना करना पड़ सकता हैं। नये उद्यम शुरु करने के लिए और निवेश करने के लिए प्रतिकूलता बनी हुई हैं। ऐसी योजनाओं का कार्य मध्य में अटक सकता हैं। इस अवधि में आपको कम लाभ / आय के साथ संतुष्ट रहना पड़ सकता है।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

अपनी वित्तीय संभावनाओं के लिए यह माह उत्कृष्ट माह बना हुआ है। इस माह के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आपको अग्रिम रुप से तैयार रहना होगा। लेखकों, चित्रकारों, मूर्तिकारों और अन्य कला जानकारों के लिए समय बेहद संतोषजनक बना हुआ है। इस प्रकार के क्षेत्रों से जुड़े लोगों को वित्तीय लाभ प्राप्त होंगे और अपने रचनात्मक उत्पादन से आप संतुष्ट रहेंगे। किराया प्राप्त करने वाले व्यापारियों को भी माह अवधि में पूर्ण लाभ प्राप्त होने की संभावना बन रही हैं। इस अवधि में अधिकांश उद्देश्य साकार होंगे। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए समय काफी अनुकूल बना हुआ है। आध्यात्मिक स्तर के व्यक्तियों के साथ जुड़ना आपके लिए लाभ में परिवर्तित हो सकता है। ग्रहों की स्थिति आपके लिए यह एक बेहद संतोषजनक स्थिति बना रही हैं।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए काफी अनुकूल बने हुए हैं। समय की शुभता का आपको अधिकतम लाभ उठाने का प्रयास करना चाहिए। अपने सहयोगियों और अधिनस्थों की सेवाओं से अधिकतम लाभ उठाने के पक्ष से यह सबसे शुभ समय हो सकता है। प्राप्तियों के पक्ष से यह समय आपके लिए महत्वपूर्ण एवं लाभकारी समय सिद्ध हो सकता है। किसी बुजुर्ग सज्जन की सेवाओं के माध्यम से भाग्य की शुभता का लाभ आपको प्राप्त हो सकता है। नये उद्यमों में निवेश करने के लिए समय की शुभता बनी हुई है। आपको साहसपूर्वक ऐसे प्रस्तावों की योजनाओं को लागू करना चाहिए।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बेहद उत्साहजनक बनी हुई है। यह माह आर्थिक क्षेत्रों से लाभ देकर आपके लिए काफी फायदेमंद बनी हुई हैं। कुछ बुजुर्ग सज्जनों के कारण भाग्य की शुभता अधिक प्राप्त होने की संभावना बन रही है। इस समय में आप अपने अधीनस्थों और सहकर्मियों की सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाने में सफल रहेंगे। आर्थिक रुप से यह आपके लिए बहुत बड़ा वरदान सिद्ध होगा। नये उद्य मों की शुरुआत करने और निवेश करने के लिए समय शुभता बनी हुई है। साहस के साथ ऐसे प्रस्तावों का आपको लाभ उठाना चाहिए। ऐसी योजनाओं के लिए समय काफी अनुकूल बना हुआ है।

मई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपके लिए काफी अनुकूल बना हुआ है। आर्थिक रुप से आप इस माह काफी प्रबल होंगे। इसके अतिरिक्त आध्यात्मिक स्तर के प्रतिभाशाली लोगों के साथ जुड़ने से आपके जीवन की संस्कृति को उत्कृष्टता और भौतिक लाभ प्राप्त होंगे। लेखकों, चित्रकारों, मूर्तिकारों और अन्य कलाओं के जानकारों को अपने रचनात्मक उत्पादन से आर्थिक लाभ होंगे। यह समय आपके लिए बेहद संतोषजनक समय रहेगा। व्यापारियों के लिए भी समय की शुभता बनी हुई है। व्यापारी वर्ग भी समय की 5शुभता का लाभ उठाने में सफल रहेगा। इसके अतिरिक्त नये उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह एवं सितारें अनुकूल बने हुए है।

जून 2027 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह के सितारें आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बनी हुई है। लेखकों, चित्रकारों और कला से जुड़े अन्य जानकारों के लिए आर्थिक पक्ष से यह अवधि बहुत कमजोर सिद्ध हो सकती है। किराये से लाभ प्राप्त करने वाले व्यापारियों के लाभ में कमी के योग बन सकते है। माह अवधि में काफी कठिन संघर्ष के बाद भी अपने उद्देश्यों में पूर्ण सफलता प्राप्त नहीं हो पायेगी। इस समय के अधिकांश क्षेत्रों से आपको मनोकूल लाभ प्राप्त नहीं हो पायेंगे। इसके अतिरिक्त नये उद्यम को शुरु करने और निवेश करने के लिए अनुकूलता नहीं बनी हुई है। ऐसी योजनाएं मध्य में रुक सकती है। कोई ऋण आवेदन पत्र किसी बैंक या

वित्तीय संस्थानों को दिया गया है तो उसके ठुकराये जाने की अधिक संभावनाएं बन रही है। यह भी संभावित है कि ऐसे प्रस्तावों को नए सिरे से देना पड़ सकता है।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का योग आर्थिक रूप से आपके लिए काफी अनुकूल बना हुआ है। वित्तीय पक्ष से यह बहुत शुभ स्थिति है। विदेश स्थानों से व्यापार करने के लिए भी स्थिति उत्तम बनी हुई है। यह शुभता सभी प्रकार के व्यापारियों के लिए लागू हो रही है। सभी व्यापारी इसका लाभ उठा सकते है। विशेष रूप से लेखकों, चित्रकारों, मूर्तिकारों और अन्य कला जानकारों के लिए वित्तीय लाभ प्राप्ति के सुखद अवसर बने हुए है। इस समय में ऐसे व्यक्तियों को रचनात्मक उत्पादन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। यह समय आपके लिए बहुत ही संतोषजनक समय सिद्ध होगा। इसके अलावा नए उद्यम में निवेश करने और शुरू करने के लिए अनुकूल होगा। ऐसी कोई योजना हो तो आपको इन्हें शीघ्र क्रियान्वित करना होगा। कुल मिलाकर यह एक अंत्यंत लाभकारी माह रहेगा।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का योग वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रहा हैं। लेखकों, चित्रकारों, कलाकारों और कला के अन्य जानकारों के लिए यह अवधि बेहद कमजोर बनी हुई है। कठिन समय में इस वर्ग के व्यक्तियों को सतर्कता से रहना होगा। इसके अतिरिक्त व्यापारियों विशेष कर विदेश स्थानों से व्यापार करने वाले व्यक्तियों के लिए भी ग्रह प्रतिकूलता बनी हुई है। माह में शुभता की कमी के कारण आपको इस समय में सफलता हासिल करने में बहुत अधिक संघर्ष करना पड़ सकता है। इसके बाद ही आप अपने उद्देश्यों को आंशिक रुप में प्राप्त कर पायेंगे। तथा नये परियोजनाओं को शुरु करने के लिए एवं इनमें निवेश करने के लिए सितारों की अनुकूलता नहीं बनी हुई है। ऐसी योजनाओं का कार्य मध्य में अटक सकता है।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह, सितारों के पास आपकी वित्तीय संभावनाओं को प्रोत्साहित करने के लिए बहुत शुभ योग नहीं बन रहे हैं। माह अवधि में उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए जो योजनाएं बनाई जायेंगी, इसमें आपको छोटी सफलताएं ही प्राप्त होगी। आपको काफी संघर्ष का सामना करना पड़ सकता है। सभी प्रकार के व्यापारियों और विदेश क्षेत्रों से व्यापार करने वाले व्यक्तियों को भी भाग्य की शुभता प्राप्त नहीं हो रही हैं। सभी क्षेत्रों के कलाकारों को इस माह में आर्थिक लाभ बहुत अच्छे प्राप्त नहीं होंगे। नये उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए समय अनुकूल नहीं बना हुआ हैं। वरना ऐसी योजनाओं पर कार्य अटक सकता है। हो सकता है कि आपको इस समय में कम लाभ के साथ ही संतोष करना पड़ सकता है।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत उत्साहवर्धक नहीं बनी हुई हैं। यदि आप किसी विवाद या मुकद्दमेबाजी में शामिल है तो इस माह में निश्चित रुप से फैसला आपके विपरीत जा सकता है। अतः इस प्रतिकूल समय में आपको ऐसे फैसलों को स्थगित करने का प्रयास करना चाहिए। चाहे इसके लिए आपको कड़ी मेहनत ही क्यों न करनी पड़े। यह भी संभावना बन रही है कि इस माह में आपके द्वारा ऋण के लिए किसी बैंक में दिया गये आवेदन को नये सिरे से देना पड़े और उसमें देरी हो सकती है या उसे नामंजूर किया जा सकता हैं। नई परियोजनाओं को शुरु करने के लिए या निवेश करने के लिए यह समय सही नहीं रहेगा। इन योजनाओं का कार्य सरलता से बाधित हो सकता हैं। सभी प्रकार के कलाकारों के लिए ग्रह शुभता प्रतिकूल बनी हुई है।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों का योग आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत प्रोत्साहित करने वाला नहीं बना हुआ हैं। ग्रहों की स्थिति बहुत सामान्य बनी हुई है। इसलिए इस समय में विशेष प्रयास करने पड़ सकते है। लेखकों, चित्रकारों, कलाकारों, और कला के अन्य जानकारों के लिए भी आर्थिक पक्ष से यह समय बहुत शुभ नहीं बना हुआ हैं। इस समय में आपको नये अनुभवों का सामना करना पड़ सकता हैं। व्यापारी वर्ग, किराये से लाभ प्राप्त करने वाला वर्ग और विदेशी व्यापार करने वाले वर्ग को इस माह में प्रत्याशित रुप से अच्छे लाभ प्राप्त नहीं हो पायेंगे। इनके लिए समय काफी संघर्ष पूर्ण हो सकता हैं। सफलता पाने के लिए खास कोशिशें करनी पड़ सकती हैं। इसके अलावा नये उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति अनुकूल नहीं बन रही हैं। इनका कार्य सरलता से अटक सकता है।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन अनुकूल नहीं बना हैं इसलिए इस माह में आपकी वित्तीय संभावनाएं आपके लिए बहुत उत्साहजनक न होने के कारण लाभकारी नहीं बनी हुई है। लेखकों, चित्रकारों और ललित कला के जानकारों को इस माह में आर्थिक स्थिति के कमजोर होने का सामाना करना पड़ सकता हैं। इसके अलावा व्यापारी वर्ग को भी उम्मीद के अनुरुप किराया नहीं मिल पायेगा। उम्मीद अनुसार लाभ प्राप्त करने के लिए भी बहुत अधिक संघर्ष करना पड़ सकता है। इसके बाद भी ज्यादा सफलता प्राप्त करने की उम्मीद कम ही बन रही हैं। नये उद्यमों को शुरु करने के लिए और निवेश करने के लिए समय प्रतिकूल बना हुआ हैं। बैंको या वित्तीय संस्थानों में लंबित ऋण आवेदन पत्र के स्वीकार होने की आंशिक संभावनाएं बन रही हैं।

धन संबंधी - 2028

आर्थिक दृष्टि से वर्ष के प्रारम्भ में धनागम के स्रोतों में वृद्धि होगी। नये व्यापार से भी शीघ्र लाभ होने के योग हैं। साथ ही फंसे हुए धन या रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। धार्मिक यात्रा या मांगलिक कार्यों में धन व्यय करेंगे। फरवरी से जून तक समय कुछ प्रभावित रहेगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में कुछ खर्च से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। ऋण इत्यादि भी बढ़ सकता है। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा बनाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाएं। गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण सामान्य काम काज पर असर नहीं होगा। परन्तु आर्थिक कमी महसूस होती रहेगी। मांगलिक कार्य व पुत्रादि के विवाह अवसर पर भी धन का व्यय हो सकता है।

जनवरी 2028 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय सफलता उत्तम बनी हुई हैं। साहसपूर्ण निर्णय लेकर आप व्यावसायिक गतिविधियों को सुनिश्चित कर सकते हैं। यह बहुत ही लाभदायक समय है इसमें विदेशों के साथ व्यापारिक कार्य करना लाभकारी रहेगा। इस समय में बनाई गई अधिकांश योजनाएं अपने उद्देश्यों में सफल रहकर लाभ दिला सकती हैं। योजनाओं के विस्तार के लिए स्थिति काफी सौहार्दपूर्ण बनी हुई हैं। नये उद्यम शुरु करने के स्थिति बहुत प्रोत्साहित करने वाला बना हुआ हैं। वित्तीय संस्थाओं में ऋण के लिए दिया गया आवेदन शीघ्र स्वीकृति हो सकता हैं। इस समय में अवसर उत्कृष्ट बने हुए हैं।

फरवरी 2028 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए यह काफी संतोषजनक बना हुआ है। इस माह में आपको बिना कठिनाई के महत्वपूर्ण बढ़त प्राप्त होगी। सीखने और आध्यात्मिक स्तर के प्रतिभाशाली लोगों के साथ जुड़ना आपको मानसिक संतुष्टि देगा। उद्यमों का सफल समापन किया जा सकता हैं। संस्कृति का शोधन करने के लिए यह संतोषजनक समय है। आप अपने उद्देश्यों को प्राप्त करने में सफल रहेंगे। उद्देश्यों की प्राप्ति के मार्ग में कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। कुछ देरी की संभावनाएं बन रही है। फिर भी इसमें सफलता सुनिश्चित बन रही हैं। यह बहुत अच्छी अवधि है। इसमें आपको संतोष जनक स्थिति बनी हुई हैं।

मार्च 2028 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से सितारों की स्थिति काफी उत्साहजनक बन रही हैं। किसी बुजुर्ग व्यक्ति के द्वारा की गई सेवाओं से आपको लाभ प्राप्ति का एक विशिष्ट मौका मिल सकता है। कुछ महिला सहयोगियों या सदस्यों के माध्यम से आपका साझेदारी या व्यावसायिक संघ के रुप में कार्य करना भाग्यवर्धक सिद्ध हो सकता हैं। उम्मीद के अनुरुप आपको लाभ

प्राप्त होंगे। नए उद्यमों में निवेश करने के लिए ग्रह स्थिति काफी अनुकूल बनी हुई हैं। इस समय में ऐसी सभी योजनाओं को क्रियांवित किया जा सकता हैं। इसके अतिरिक्त इस अवधि में बैंको या वित्तीय संस्थानों में ऋण आवेदन के लिए आपको नये सिरे से प्रस्ताव देने होंगे जो शीघ्र मंजूर भी हो सकते हैं। इस विषय में यह समय उत्कृष्ट बना हुआ है।

अप्रैल 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपकी वित्तीय संभावनाओं को बेहतरीन करने के लिए अनुकूल बन रहे हैं। आपके कार्यालयों में किसी बुजुर्ग व्यक्ति का सहयोग या माध्यम काफी हद तक आपको लाभ प्राप्ति का एक विशिष्ट मौका देगा। इसके अतिरिक्त इस अवधि में किसी महिला सहयोगी के साथ साझेदारी या व्यावसायिक संघ आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित हो सकता हैं। यह आपको अपने लाभ बढ़ाने में सहयोग करेगा। आप अपने अधिनस्थों की सेवाओं से अधिकतम लाभ प्राप्त करने में सक्षम रहेंगे। अपने कार्यकर्ताओं के सहयोग से भी आपको बड़ा लाभ होगा। नये उद्यम शुरु करने और निवेश करने के लिए यह समय अनुकूल बना हुआ हैं। आपको हिम्मत के साथ ऐसे प्रस्तावों को क्रियांवित करना चाहिए।

मई 2028 के लिए फलादेश

आध्यात्मिक स्तर के प्रतिभाशाली लोगों के सहयोग के बावजूद, यह माह आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए अनुकूल नहीं बन रहा हैं। इस समय में अपने अधिकांश लक्ष्यों को प्राप्त करने में आपको संघर्ष करना होगा। अत्यधिक प्रयास करने के बाद भी आपको बहुत अधिक सफलता प्राप्त नहीं होगी। नए उद्यमों को शुरु करने और इनमें निवेश करने के लिए ग्रह योग अनुकूल नहीं बन रहे हैं। बैंकों या वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्ति के लिए नए सिरे से आवेदन पत्र देने पड़ सकते हैं। विदेशी व्यापार में लगे व्यक्तियों के लिए भी समय की प्रतिकूलता बनी हुई हैं।

जून 2028 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से इस माह के सितारों की स्थिति आपके लिए बहुत लाभप्रद नहीं बन रही हैं। ग्रहों की शुभता प्राप्त न होने के कारण यह समय आपके लिए सतर्क रहने का रहेगा। वर्तमान योजनाओं के संचालन में आप कड़ी मेहनत से कार्य करेंग, फिर भी योजना अनुसार कार्य करने पर भी प्रत्याशित परिणाम नहीं आ पायेंगे। नए उद्यम शुरु करने और उपक्रमों का विस्तार करने के लिए माह अवधि में अनुकूल संकेत नहीं मिल रहे हैं। बैंक या वित्तीय संस्थाओं से ऋण परियोजनाओं का कार्य बाधित हो सकता हैं। माह अवधि में आपको अपने व्यवहार को विनम्र बनाए रखना होगा। क्योंकि इस समय में हानि के योग बन रहे हैं।

जुलाई 2028 के लिए फलादेश

वित्तीय संभावनाओं के लिए इस माह की ग्रह स्थिति बहुत उत्तम नहीं बनी हुई हैं।

मौजुदा परियोजनाओं का कुशलता पूर्वक कार्य चलाने के लिए आपको संचालन प्रणाली में सुधार करना होगा। तथा लाभ प्राप्ति के लिए आपको संघर्ष भी करना पड़ सकता हैं। इस माह अवधि में अधिकांश उदेश्यों में शानदार सफलता प्राप्ति के योग नहीं बन रहे हैं। नये उदयमों को शुरु करने और इनका विस्तार करने के लिए समय की अनुकूलता नहीं बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त वित्तीय संस्थानों या बैंकों में आपके लंबित ऋण इस समय में स्वीकार नहीं किए जायेंगे। प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। इसलिए इस समय में आप सावधानी बरतें।

अगस्त 2028 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय संभावनाओं के लिए सितारों की स्थिति बहुत उत्साहजनक नहीं बन रही हैं। माह अवधि में आपको निर्धारित उद्देश्यों को प्राप्त करने में संघर्ष का सामना करना पड़ सकता हैं। इससे पूर्व लंबित लक्ष्यों को साकार करने के लिए भी आपको कठिन काम करना होगा, क्योंकि प्रतिकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। इसलिए थोड़ी सफलता से भी आपको संतोष करना पड़ सकता हैं। नये उद्यमों को शुरु करने और इनमें विस्तार के लिए ग्रह स्थिति अच्छी नहीं बनीं हुई हैं। चित्रकारों, लेखकों, मूर्तिकारों के लिए समय की शुभता नहीं बनी हुई हैं। इसके अतिरिक्त कला जगत से जुड़े अन्य कलाकारों के लिए भी समय अनुकूल नहीं बना हुआ है। प्रतिकूल समय के समाप्त होने तक कम लाभ प्राप्त होने पर भी धैर्य से काम लें।

सितम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय संभावनाओं के पक्ष से माह अवधि के ग्रह एवं सितारों की स्थिति आपके लिए विशेष रुप से उपयोगी नहीं बन रही हैं। विदेश स्थानों और अंतराज्यीय संघों के साथ मिलकर कार्य करना आपके लिए हानिकार हो सकता हैं। बहुत प्रयास करने पर भी इससे पूर्व बनाई गई योजनाओं के उद्देश्यों को प्राप्त करने में आपको काफी कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती हैं। नये उदयमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए समय प्रतिकूल बना हुआ हैं। इसलिए ऐसी योजनाओं को स्थगित करना ही बेहतर रहेगा। इसके अलावा नई साझेदारी और व्यावसायिक संगठनों के साथ नये सिरे से कार्य करना अभी लाभकारी नहीं बना हुआ हैं। कम आय पर ही आपको इस माह संतोष करना पड़ सकता हैं।

अक्तूबर 2028 के लिए फलादेश

इस माह की वित्तीय संभावनाएं सितारों के पक्ष से बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। आपका किसी मुकद्दमेबाजी या विवाद में शामिल होने पर इसका फैसला आपके खिलाफ जा सकता हैं। आप कोशिश करें कि अनुकूल अवधि तक आप ऐसे निर्णयों को शुभ समय आने तक टाल दें। सरकार के साथ कार्य करने में आपको लाभ न होने की संभावना बन रही हैं। विदेश स्थानों या अंतराज्यीय क्षेत्रों से वित्त व्यवहार करते हुए आपको बाधाओं का सामना करना पड़ सकता हैं। बहुत अच्छे प्रयास करने के बावजूद आपका ऐसे क्षेत्रों से सफलता प्राप्त करना काफी कष्टकारी सिद्ध हो सकता हैं। इसके अलावा नियोजित लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी आपके लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। वित्तीय संस्थानों या बैंकों में ऋण प्राप्त करने के लिए

आपको एक बार फिर से आवेदन देना पड़ सकता हैं। इससे पूर्व दिए गए आवेदन के बैंक के द्वारा वापस करने की संभावनाएं बन रही हैं।

नवम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। लेखकों, कलाकारों, मूर्तिकारों और अन्य कला जानकारों के लिए इस अवधि में संभावनाएं सुखद नहीं बनी हुई हैं। शैक्षिक क्षेत्र के प्रतिभाशाली लोगों के साथ कार्य करने के लिए बनाई गई अधिकांश योजनाओं के लक्ष्यों को प्राप्त करते हुए आपके लिए संघर्ष की स्थिति बन सकती हैं। बहुत अधिक प्रयास करने के बाद भी आपको इनमें ज्यादा सफलता प्राप्त नहीं हो पायेगी। बैंकों या वित्तीय संस्थाओं से ऋण के लिए आवेदन के प्रस्ताव इस समय में स्वीकृत न होने की संभावना बन रही हैं। नए उदयमों का विस्तार करने और निवेश करने से संबंधित योजनाओं को समय के शुभ होने तक स्थगित करना ही हितकारी रहेगा।

दिसम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह में बन रही ग्रह एवं सितारों की स्थिति आपकी वित्तीय संभावनाओं के लिए बहुत अनुकूल नहीं बन रही हैं। इस समय में आपका अंतराज्यीय वाणिज्यिक लेन-देन और विदेशी व्यापार संबंध बनाना आपके लिए हानि का कारण बन सकता हैं। माह अवधि में सामान्य लाभ प्राप्त करने के लिए भी बहुत अधिक संघर्ष करना पड़ सकता हैं। फिर भी आपको इनमें सफलता प्राप्त होने की संभावना कम ही बन रही हैं। नए उद्यमों को शुरु करने और निवेश करने के लिए ग्रह अनुकूल नहीं बने हुए हैं। यदि इन पर कार्य आरम्भ किया जाता है तो इनका कार्य मध्य में बाधित हो सकता हैं। इसके अलावा बैंकों या वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्ति की मंजूरी प्राप्त करना आपके लिए इस समय में सहज नहीं होगा। यह आपके लिए अनुकूल अवधि नहीं हैं। इसलिए अवधि की प्रतिकूलता समाप्त होने तक आपको कम लाभ पर ही संतोष करना होगा।

परिवार - 2026

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। वर्षारम्भ में द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। परिवार में एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना बनने के कारण सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। चतुर्थ स्थान का केतु आपके पारिवारिक माहौल को भंग करने की कोशिश करेगा, परन्तु आप अपने बुद्धि-विवेक से उसे भी अनुकूल कर लेंगे।

02 जून के बाद आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिबिधियों मेंबढ़ चढ़ के भाग लेंगे और सामाजिक उत्थान के लिए आप किसी संस्था का संचालन भी कर सकते हैं। समाज में आपका अपना एक अलग व्यक्तित्व होगा। 31 अक्टूबर के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है उस समय आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण छा जाएगा।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर से कुछ विशेष लाभकारी नहीं प्रतीत हो रहा वल्कि पारिवारिक खर्च के बढ़ने की प्रबल संभावनाएं हैं जिसके प्रभाव स्वरूप ऋण लेने की आवश्यकता बढ़ सकती है अतः योजनावद्ध रूप से खर्चो को समय रहते नियंत्रित कर लिया जाये।

परिवार के बुजुर्गों के साथ मतभेद होने से अतिरिक्त चिंता खड़ी हो सकती है इसलिए शांति बनाएं रखें तथा धैर्य न खोएं। पारिवारिक में तनाव होगा तथा आपसी तालमेल का अभाव बना रहेगा तथा ऐसे वातावरण में बच्चे भी चिंताओं को बढ़ायेंगे अतः उनके मामलों में अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता पड़ेगी।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

ऐसा ग्रह गोचर चल रहा है जिसमें उन्नति के सभी मामलों की गति अवरुद्ध होगी अथवा धीमी पड़ेगी। आपमें से बहुत से लोगों का परिवार के बुजुर्गों के साथ मतभेद हो सकता है इसलिए धैर्य धारण करना ही उचित रहेगा।

इस तनाव के चलते पारिवारिक वातावरण इतना प्रभावित हो सकता है कि आपसी तालमेल की सभी संभावनाएं कमजोर पड़ने लगें। बच्चे बुरी तरह से प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए उनका ध्यान रखें।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

ग्रह चाल के प्रभाव से आपके बुजुर्ग प्रसन्न होकर आपको व आपकी उन्नति के लिए मंगल कामना करेंगे। आप में से बहुत से लोगों को उनसे आर्थिक लाभ भी होगा।

आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे तथा साथ ही आपको अनायास ही अतिरिक्त धन लाभ भी हो सकता है। आपके घर का समूचा वातावरण एक दूसरे का सहयोग करने की

भावनाओं से प्रभावित रहेगा।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

ग्रह चाल के प्रभाव से आपके बुजुर्ग प्रसन्न होकर आपको व आपकी उन्नति के लिए मंगल कामना करेंगे। आप में से बहुत से लोगों को उनसे आर्थिक लाभ भी होगा।

आपके घर का समूचा वातावरण एक दूसरे का सहयोग करने की भावनाओं से प्रभावित रहेगा। ऐसे बेहतर वातावरण में बच्चे पढ़ाई और अधिक बेहतर प्रदर्शन करने के साथ-साथ दिये गये कार्यों का कुशलता पूर्वक संपादन करेंगे। आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे तथा साथ ही आपको अनायास ही अतिरिक्त धन लाभ भी हो सकता है।

मई 2026 के लिए फलादेश

ऐसा ग्रह गोचर चल रहा है जिसमें उन्नति के सभी मामलों की गति अवरुद्ध होगी अथवा धीमी पड़ेगी। आपमें से बहुत से लोगों का परिवार के बुजुर्गों के साथ मतभेद हो सकता है इसलिए धैर्य धारण करना ही उचित रहेगा।

आर्थिक रूप से कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है इसलिए व्यय पर नियंत्रण रखना होगा। इस तनाव के चलते पारिवारिक वातावरण इतना प्रभावित हो सकता है कि आपसी तालमेल की सभी संभावनाएं कमजोर पड़ने लगें। बच्चे बुरी तरह से प्रभावित हो सकते हैं। इसलिए उनका ध्यान रखें।

जून 2026 के लिए फलादेश

अनुकूल ग्रह गोचर के प्रभाव से पारिवारिक वातावरण में संतोष की स्थिति बनी रहेगी तथा सभी सदस्यों में बेहतर तालमेल बना रहेगा।

आपके बच्चे पढ़ाई में बेहतर प्रदर्शन तो करेंगे ही साथ ही अन्य उपयोगी गतिविधियों में भी बढ़-चढ़ के भाग लेंगे। परिवार के सभी सदस्य उनके उम्दा प्रदर्शन से संतुष्ट रहेंगे। आपको कुछ आर्थिक धन लाभ का भी संकेत मिल रहा है। आर्थिक रूप से आप बेहतर कर पाएंगे तथा घरेलू वातावरण इतना अच्छा होगा कि घर स्वर्ग जैसा लगने लगेगा और आपको सभी घरेलू विषयों में आनन्द के अवसर प्राप्त होंगे।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

ग्रह चाल के प्रभाव से समस्त पारिवारिक कल्याण के विषयों में अवरोध की स्थिति बन रही है पारिवारिक एकता भी प्रभावित होगी जिसके चलते आपसी तालमेल का अभाव होगा। ऐसे वातावरण में बच्चे भी चिड़चिड़े व जिद्दी हो जायेंगे।

वह अपने अध्ययन कार्य तथा अन्य गतिविधियों विशेष बेहतर प्रदर्शन नहीं कर

सकेंगे इसलिए उनकी गतिविधियों पर ध्यान देने के लिए अतिरिक्त शक्ति व समय की आवश्यकता पड़ेगी आर्थिक रूप से आप विशेष अच्छा नहीं कर पायेंगे जिससे आपको बहुत कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा तथा अपने खर्च पर भी नियंत्रण रखना होगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

इस माह की ग्रह स्थिति आपके लिए पारिवारिक उन्नति की दृष्टि से शुभ संकेत दे रही है, जिसमें सबसे महत्वपूर्ण बात यही होगी कि परिवार के बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रसन्न होकर आपको दिल से आशीर्वाद देंगे तथा आपके घर में एक ऐसे वातावरण की नींव डलेगी जिसकी मुख्य विशेषता आपसी तालमेल तथा दुःख-सुख में एक दूसरे का सहयोग करना होगा।

ऐसे उत्तम वातावरण में आपके बच्चे भी अच्छा रवैया अपनाए रखेंगे तथा अपने अच्छे व्यवहार व स्वभाव का प्रदर्शन करते हुए पढ़ाई व अन्य उपायोगी गतिविधियों में विशेष रुचि लेते हुए परिवार के सभी सदस्यों को संतुष्ट रखेंगे। आर्थिक रूप से आप बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे और ऐसी भी सम्भावनाएं हैं कि जहां पर आपको अप्रत्याशित धन लाभ हो सकता है।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के अनुकूल ग्रह गोचर के अति शुभ प्रभाव से घर में प्रसन्नता का वातावरण बना रहेगा। परिवार के बुजुर्ग आपके व्यवहार से प्रभावित होंगे तथा आपके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना करेंगे।

ऐसा होने से एक खुशनुमा घरेलू वातावरण की नींव डलेगी, जिसमें सभी सदस्य एकदूसरे का सहयोग करेंगे। ऐसे बेहतर वातावरण से बच्चों पर भी शुभ प्रभाव पड़ेगा तथा वे न केवल अच्छे व्यवहार तथा स्वभाव का प्रदर्शन करेंगे। अपितु अपने अध्ययन तथा अन्य गतिविधियों में भी पीछे नहीं रहेंगे। आर्थिक रूप से आप बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे और ऐसी भी सम्भावनाएं हैं कि जहां पर आपको अप्रत्याशित धन लाभ हो सकता है।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर से पारिवारिक कल्याण के विषयों की गति कुप्रभावित होगी और आपको परिवार के महिला सदस्यों के साथ टकराव की स्थिति का सामना करना पड़ेगा। अतः विपरीत व संवेदनशील परिस्थितियों में धैर्य व शांति से काम लें।

पारिवारिक वातावरण में घर जैसा कुछ भी नहीं होगा तथा सदस्यों में तनाव की स्थिति बनी रहेगी। आर्थिक रूप से भी आप कुछ विशेष नहीं कर सकेंगे। स्थिति को नियंत्रण में रखने समय रहते योजना बनाकर अपने खर्चों को नियंत्रण करें।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

मौजूदा ग्रह स्थिति के चलते पारिवारिक उन्नति के विषयों में समुचित गति तीव्रता की अपेक्षा करना व्यर्थ होगा क्योंकि न केवल बुजुर्गों के साथ संबंधों में तनाव की संभावना बन रही है अपितु इसके चलते कुछ दुख व दुर्भाग्य कारक स्थिति भी उत्पन्न हो सकती है।

कठिन घड़ी में अपना मानसिक संतुलन न खोएं तथा शांति बनाए रखें ऐसा करने से ही कुछ हद तक मामले को सुलझाया जा सकता है अन्यथा घरेलू वातावरण में तनाव के चलते आपसी तालमेल की सभी संभावनाएं निरस्त हो जायेंगी।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर अनुकूल है। सितारे आपके पक्ष में उन्नति का संकेत दे रहे हैं। ग्रह चाल के प्रभाव से आपके घर में किसी मांगलिक व आनंददायक उत्सव मनाये जाने की भी संभावनाएं हैं।

पारिवारिक वातावरण आनंददायक बना रहेगा तथा ऐसे अति मधुर वातावरण में बच्चे दिये गये कार्यों का कुशलतापूर्वक सम्पादन तो करेंगे ही साथ ही उनका अच्छा व्यवहार व स्वभाव परिवार के सभी सदस्यों को प्रसन्न रखेगा। आर्थिक रूप से आप अच्छा करेंगे तथा साथ ही आपको अनायास ही अतिरिक्त धन लाभ भी हो सकता है।

परिवार - 2027

सामाजिक दृष्टिकोण से वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। सामाजिक गतिबिधियों में आप बढ़-चढ़ कर भाग लेंगे। पारिवारिक रूप से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा।

26 जून से चतुर्थ स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका घरेलू वातावरण अनुकूल रहेगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। माता पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष से संबंध मधुर होंगे। 26 नवम्बर के बाद संतान पक्ष के लिए समय काफी अनुकूल हो रहा है।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर का योग पारिवारिक उन्नति के लिए अनुकूल नहीं है। घरेलू वातावरण में तालमेल की कमी कुछ चिन्ता की लकीरें खींच सकती है। आपमें से बहुत से लोगों का मातुल पक्ष से मतभेद हो सकता है।

ऐसे वातावरण में बच्चों का व्यवहार भी मनोनुकूल नहीं होगा और उनके प्रदर्शन में कमी आपकी चिन्ता को बढ़ाने का कारण बनेगी। आपको उन पर कड़ी नजर रखनी होगी। पत्नी के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट आएगी। सहिष्णुता व धैर्य धारण करने वाला रवैया अपनाएं। आर्थिक रूप से भी चिन्ता व कर्ज की स्थिति बनने के संकेत हैं। अपने खर्चों को योजनाबद्ध रूप से करें।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार आपके लिए कोई विशेष शुभ संकेत नहीं है इसलिए पारिवारिक वातावरण अनुकूल नहीं रहेगा और भाईयों के साथ संबंधों में करवाहट और तनाव के चलते अत्यधिक परेशानी आ सकती है। अपने क्रोध पर नियंत्रण रखे और संवेदनशील स्थिति होने पर शांति भंग न होने दें। ऐसा करने से स्थिति नियंत्रण में आ जाएगी।

पारिवारिक वातावरण तनावयुक्त रहेगा। बच्चों पर अधिक ध्यान दें और उनके बेहतर प्रदर्शन हेतु अनुशासनहीनता को दूर करने के लिए अपना समय तथा ऊर्जा का व्यय करें।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार आपके लिए कुछ ऐसा नहीं जान पड़ता जिससे आपके परिवार में प्रसन्नता का वातावरण रहे। बहुत संभावना है कि आपके अपने मातुल पक्ष के लोगों से संबंध खराब हो जाए।

आप और आपके बंधु बांधवों में गंभीर वैचारिक मतभेद रह सकते हैं हर संभव

प्रयास करें कि ऐसी स्थिति न आने दी जाय। उत्तेजित न हों तथा अतिरिक्त मानसिक ऊर्जा का प्रयोग करते हुए शांति बनाए रखें अन्यथा विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। कुल मिलाकर यह आपके लिए परीक्षा की घड़ी होगी।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के अनुसार यह समय परिवार की तरक्की के लिए शुभ नहीं है। मातुल पक्ष के लोगों से तनाव की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त नौकर चाकर लोगों से भी आपके संबंध बिगड़ सकते हैं।

क्रोध का शिकार न हों तथा उत्तेजित होने की स्थिति में पड़ने से बचें। ऐसा करने से ही आप अनायास उत्पन्न होने वाली संमस्याओं का सामना करने के लिए स्वयं को सक्षम बनाए रख सकते हैं। पारिवारिक वातावरण कलह वाला ही रहेगा। बच्चों पर अतिरिक्त ध्यान देने की आवश्यकता है। उनकी सुरक्षा व अच्छे स्वास्थ्य के लिए उनपर समुचित ध्यान देना आवश्यक होगा।

मई 2027 के लिए फलादेश

ग्रहचाल परिवार कल्याण की राह के सुगम होने का संकेत नहीं दे रही। बंधु बांधवों से संबंधों में कटुता आ सकती है। जिसके चलते घरेलू वातावरण कलह वाला बना रहेगा। धैर्य बनाए रखें व शांति से काम लें।

मातुल पक्ष के लोगों से संबंध खराब होने की संभावना है। ये पूरे परिवार पर इसका कुछ प्रभाव अवश्य पड़ेगा। अपने बच्चों पर नियंत्रण स्थापित करने हेतु उनकी क्रिया विधि को सावधानी से जांचें।

जून 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर अनुकूल प्रतीत नहीं हो रहा। आप आर्थिक रूप से बेहतर नहीं कर पाएंगे। अनावश्यक खर्च में वृद्धि होगी। जमाधन में वृद्धि के संकेत कम हैं। ऋण चढ़ने के योग हैं इसलिए अपने खर्च की योजना समय रहते बना लें ताकि इसप्रकार की संभावना को नकारा जा सके।

परिवार का वातावरण भी तालमेल के अभाव मे ंकटुता वाला हो जाएगा। मातुल पक्ष के लोगों से गम्भीर वैचारिक मतभेद के योग बन रहे हैं। बच्चों का व्यवहार भी विशेष अनुकूल नहीं होगा और वे पढ़ाई में कुछ खास नहीं करेंगे और अन्य गतिविधियों के प्रति भी उत्साहहीन रवैया अपनाए रखेंगे। इसलिए उनके ऊपर कड़ी नजर रखें तथा उन्हें नियंत्रण में लाने के लिए अपने समय व ऊर्जा का व्यय करें।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

ग्रह चाल के अनुसार यह माह आपके लिए लाभदायक रहेगा। परिवार में किसी मांगलिक कार्य के होने से प्रसन्नता व आनन्द का वातावरण बनेगा। आपसी तालमेल अच्छा होने के कारण आपकी प्रसन्नता दोगुनी हो जाएगी।

इस वातावरण में आपके बच्चे बहुत अच्छे व्यवहार का परिचय देंगे और साथ ही अपने अध्ययन तथा अन्य उपयोगी गतिविधियों में भी बेहतर प्रदर्श करेंगे। इससे आप अन्दर संतोष की भावना बढ़ेगी तथा आपको इस माह में अपने मामा से सम्बन्धों सुधार के चलते आर्थिक लाभ भी होगा और आपमें से कुछ लोगों का अपने पिता के प्रति भक्ति भाव विशेष रूप से बढ़ेगा।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

जहां तक पारिवारिक वातावरण की दृष्टि से ग्रह गोचर के प्रभाव के विश्लेषण का प्रश्न है उस दृष्टि से कुछ भी अनुकूल नहीं जा पड़ता। परिवार का वातावरण खराब होने के प्रबल संकेत हैं और मातुल पक्ष से विवाद आपको अत्यधिक निराशाजनक स्थिति का सामना करा सकता है।

पारिवारिक सदस्यों तथा विशेष रूप से संतान को नियंत्रित करने के लिए ऐसी स्थितियों को नजरअंदाज करें जहां आप की त्वरित प्रतिक्रिया संवेदनशीलता को बढ़ा दे। अपने समय व शक्ति का इस्तेमाल करके धैर्यपूर्वक कार्य करें तथा स्थिति को नियंत्रण में रखें।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

कुछ मामूली परेशानियों के साथ यह माह आपके लिए विशेष फायदेमन्द रहेगा। आपमें से बहुत से लोगों का अपने पिता के प्रति भक्ति भाव बढ़ेगा। परिवार के बड़े भी आपको आशीर्वाद देंगे और ऐसे वातावरण में आपके बच्चे आपसे अच्छा व्यवहार रखेंगे और पढ़ाई और अन्य गतिविधियों में भी भाग लेंगे।

परिवार के सभी सदस्य संतुष्ट रहेंगे। मामा के पक्ष से लाभ होगा। आर्थिक पक्ष अनुकूल बना रहेगा। परिवार के आय में वृद्धि होगी। कुल मिलाकर हर प्रकार से यह माह आपके लिए लाभदायक रहेगा।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार आपके परिवार के लिए खुशनुमा माहौल की सम्भावनाएं बहुत कम हैं। बन्धु-बान्धवों से सम्बन्धों में कटुता के चलते परिवार का वातावरण बेहद दुःखदायी हो सकता है। किसी भी संवेदनशील स्थिति का सामना होने पर अपना मानसिक संतुलन न खोएं तथा शांति बनाए रखें।

पारिवारिक वातावरण अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरेगा तथा मातुल पक्ष के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट आ सकती है। आपके बच्चों पर कड़ी निगरानी की आवश्यकता है। उसके

लिए अपना समय और शक्ति का इस्तेमाल करते हुए उनकी गतिविधियों पर ध्यान देना होगा।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर की दृष्टि से यह माह आपके लिए विशेष लाभदायक है। परिवार के बड़े बुजुर्गों को आपके अच्छे व्यवहार से विशेष प्रसन्नता प्राप्त होगी और वे आपको अशीर्वाद देंगे। आपकी अपने पिता के प्रति श्रद्धा भाव में वृद्धि होगी।

न केवल परिवार का वातावरण उत्तम रहेगा अपितु बच्चों से भी अच्छे व्यवहार तथा पढ़ाई व अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन की अपेक्षा रखी जा सकती है। मातुल पक्ष से लाभ होगा। यह माह आर्थिक अनुकूलता प्रदायक है।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर की दृष्टि से इस माह कुछ भी विशेष अनुकूल नहीं जा पड़ता। आर्थिक रूप से आपकी प्रगति में बाधाओं के संकेत हैं। इसलिए अपने खर्च पर नियंत्रण रखने हेतु योजनाबद्ध तरीके से कार्य करें।

पारिवारिक वातावरण खुशनुमा नहीं रहेगा और आपके बच्चों का व्यवहार भी आपके लिए चिन्ता का सबब बनेगा। उनकी गतिविधियों पर नियंत्रण रखें । मातुल पक्ष के लोगों से मतभेद बढ़ सकते हैं। कोई भी कार्य करते हुए उच्छृखल व्यवहार का प्रदर्शन न करें।

परिवार - 2028

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। यदि आप विवाह योग्य हैं तो विवाह होने की सम्भावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। 28 फरवरी के बाद मातुल पक्ष के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। माता के लिए समय शुभ रहेगा परंतु पिता के लिए यह समय अच्छा नहीं रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

24 जुलाई के बाद समय अच्छा हो रहा है। नवविवाहिताओं को संतान की प्राप्ति हो सकती है। पारिवारिक वातावरण अनुकूल बना रहेगा। यह समय बड़े भाई तथा मित्रों से लाभ का योग बना रहा है। घर के वातावरण में प्रेम, आपसी समन्वय व प्रसन्नता का संचार होगा। सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत है।

जनवरी 2028 के लिए फलादेश

इस माह के गोचरीय प्रभाव से कुछ विशेष शुभ होने के संकेत नहीं हैं तथा परिवार में कुछ समस्याएं बनी रहेंगी। जिसमें महिला सदस्यों के साथ सम्बन्धों को लेकर आई कड़वाहट कम होने की सम्भावना कुछ कमजोर है। पत्नी के साथ व्यवहार में विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

बच्चे भी आपकी चिंता का सबब बनेंगे। उनकी गतिविधियों को सावधानीपूर्वक मुआयना करके अपना समय व सामर्थ्य प्रयोग करके उनका सही मार्गदर्शन करें। परिवार का वातावरण विशेष सुखदायी नहीं रहेगा तथा खर्च बढ़ने से वित्तीय समस्याएं उत्पन्न होंगी।

फरवरी 2028 के लिए फलादेश

इस माह के गोचरीय प्रभाव से कुछ विशेष शुभ होने के संकेत नहीं हैं तथा परिवार में कुछ समस्याएं बनी रहेंगी। परिवार का वातावरण विशेष सुखदायी नहीं रहेगा तथा खर्च बढ़ने से वित्तीय समस्याएं उत्पन्न होंगी। समस्याओं का कुछ समाधान प्राप्त करने के लिए अपने खर्चों को योजनाबद्ध तरीके से करने का प्रयास करें।

पारिवारिक सम्बन्धों में भी गम्भीर कटुता आने के संकेत प्राप्त हो रहे हैं और इस परिस्थिति को नियंत्रण में रखने के लिए तथा तनाव को कम करने के लिए चतुराई से समस्या का परिस्थिति के अनुसार समाधान निकालें। बच्चे अतिरिक्त तनाव उत्पन्न कर सकते हैं इसलिए उनकी गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखें।

मार्च 2028 के लिए फलादेश

ग्रह गोचर के प्रभाव से इस माह पारिवारिक कल्याण की दृष्टि से आनंदित होने की स्थिति बनने की सम्भावनाएं नहीं हैं। आपमें से बहुत से लोगों को महिला सदस्यों विशेष रूप से पत्नी के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट का सामना करना पड़ेगा। इसलिए अनावश्यक

तर्क-वितर्क में पड़ने की भूल न करें।

आपको चाहिए कि आप परिस्थितियों का सामना करने के लिए सावधानी तथा चतुराई से हल निकालें। आर्थिक रूप से भी आप कुछ विशेष बेहतर नहीं कर पाएंगे। इसलिए सावधानीपूर्वक व योजनाबद्ध तरीके से समय रहते खर्चों पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास करें। बच्चे भी आपकी परेशानियों को बढ़ाएंगे। इसलिए उनकी गतिविधियों का सावधानीपूर्वक मुआयना करके अपना समय व सामर्थ्य प्रयोग करके उनका सही मार्गदर्शन करें।

अप्रैल 2028 के लिए फलादेश

ग्रह चाल परिवार कल्याण के लिए विशेष शुभ नहीं है तथा वित्तीय परेशानियां परिवार की चिन्ताओं को बढ़ा सकती हैं। सावधानी पूर्वक बनायी गई योजनाओं के प्रभाव से इन समस्याओं के कुप्रभाव से कुछ हद तक बचा जा सकता है।

आपको चाहिए कि आप परिस्थितियों का सामना करने के लिए सावधानी तथा चतुराई से हल निकालें। आर्थिक रूप से भी आप कुछ विशेष बेहतर नहीं कर पाएंगे। इसलिए सावधानीपूर्वक व योजनाबद्ध तरीके से समय रहते खर्चों पर नियंत्रण स्थापित करने का प्रयास करें। बच्चे भी आपकी परेशानियों को बढ़ाएंगे। इसलिए उनकी गतिविधियों का सावधानीपूर्वक मुआयना करके अपना समय व सामर्थ्य प्रयोग करके उनका सही मार्गदर्शन करें।

मई 2028 के लिए फलादेश

घरेलू मामलों में आपको प्रसन्नता प्राप्त होने के संकेत प्रतिकूल ग्रह गोचर के चलते कम ही दिखायी दे रहे हैं। परिवार की महिला सदस्यों से कटु सम्बन्धों के चलते आपके विशेष तनावग्रस्त होने की प्रबल सम्भावनाएं हैं और अपनी पत्नी के साथ सम्बन्धों को सुधारने में अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता पड़ेगी। चतुराई से तनाव वाली स्थिति से निपटने का प्रयास करें।

आर्थिक रूप से भी आपकी स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है तथा खर्चों को नियंत्रित करने के लिए खर्च आने से पहले ही अंकुश लगाने की योजना पद्धति निर्मित करनी होगी। बच्चे भी उपद्रव करके आपको कुछ कठिनाई में डाल सकते हैं। अतः अपना समय और शक्ति लगाकर उन्हें संस्कारी बनाने का प्रयास करें।

जून 2028 के लिए फलादेश

इस माह के अनुकूल ग्रह गोचर के अनुसार बढ़ते हुए खर्चे आपके परिवार को थोड़ी कठिनाई में डाल सकते हैं और कर्ज भी लेना पड़ सकता है जिससे थोड़ा अतिरिक्त भार बढ़ सकता है। अपने खर्चों को समय रहते सावधानीपूर्वक नियोजित कर लें। ताकि कठिनाई वाली स्थिति को टाला जा सके।

परिवार के महिला सदस्यों के साथ गम्भीर मतभेद होने की भी सम्भावनाएं हैं।

जीवनसाथी के साथ भी टकराव की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ के तर्क-वितर्क में पड़ने से बेहतर है कि विपरीत परिस्थिति को कुशलतापूर्वक संभालते हुए कार्य का सम्पादन करें और बच्चों की ओर से आने वाली समस्याओं का समाधान करने के लिए उनकी कार्य प्रणाली को अपना समय देकर संयोजित करें।

जुलाई 2028 के लिए फलादेश

इस माह के प्रतिकूल ग्रह गोचरीय प्रभाव के चलते पारिवारिक मामलों में शुभ परिणामों की अपेक्षा करना व्यर्थ होगा। परिवार के महिला सदस्यों के साथ तनाव की स्थिति बन रही है इसलिए जीवनसाथी व अन्य सदस्यों के प्रति व्यवहार में अतिरिक्त कुशलता की आवश्यकता है।

आर्थिक रूप से विशेष उन्नति के संयोग कम ही हैं इसलिए अपने खर्चों को समय रहते सावधानी पूर्वक नियोजित करें। जिससे कठिन परिस्थिति को टाला जा सके। बच्चों की तरफ से आने वाली समस्याओं का समाधान करने हेतु अपना समय व ऊर्जा लगाकर उन्हें भी अनुशासित करें।

अगस्त 2028 के लिए फलादेश

परिवार के लिए ग्रह गोचर अनुकूल है। आपके श्रेष्ठ आचरण से परिवारीजन विशेष रूप से बुजुर्ग लोग प्रसन्न होंगे व आपको दिल से आशीर्वाद भी देंगे। एक-दूसरे के लिए उदारता की भावना का प्रभाव देखते ही बनेगा।

आपको अपने वैवाहिक सुख में भी विशेष आनन्द प्राप्ति के योग प्रबल हैं तथा जीवनसाथी से बहुत सारा स्नेह प्राप्त होगा और पारिवारिक स्थिति पूर्णतः संतोषजनक बनी रहेगी तथा आपके बच्चे पढ़ाई व अन्य उपयोगी गतिविधियों में बेहतर परिणाम लाकर आपकी प्रसन्नता को और अधिक बढ़ाएंगे।

सितम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक स्थिति में मन को आनन्दित करने वाली सम्भावनाएं नहीं बन पाएंगी। परिवार के महिला सदस्यों के साथ विशेष रूप से जीवनसाथी के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट की स्थिति से बचने के लिए सावधानी पूर्वक व्यवहार करें।

परिवार का वातावरण विशेष सुखदायी नहीं रहेगा तथा खर्च बढ़ने से वित्तीय समस्याएं उत्पन्न होंगी। बच्चे भी शत्रु की भूमिका में रहेंगे और पढ़ाई पर ध्यान नहीं देंगे। उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता है।

अक्तूबर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के प्रतिकूल ग्रह गोचरीय प्रभाव के चलते पारिवारिक मामलों में शुभ परिणामों की अपेक्षा करना व्यर्थ होगा। प्रतिकूल ग्रह गोचर से अनावश्यक खर्च बढ़ेगा व आर्थिक तंगी होगी जिससे निपटने के लिए अपने खर्चों को योजनाबद्ध रूप से करें।

परिवार के महिला सदस्यों के साथ तनाव की स्थिति बन रही है इसलिए जीवनसाथी व अन्य सदस्यों के प्रति व्यवहार में अतिरिक्त कुशलता की आवश्यकता है। जिससे कठिन परिस्थिति को टाला जा सके। बच्चों की तरफ से आने वाली समस्याओं का समाधान करने हेतु अपना समय व ऊर्जा लगाकर उन्हें भी अनुशासित करें।

नवम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह गोचर के अनुसार पारिवारिक स्थिति में मन को आनन्दित करने वाली सम्भावनाएं नहीं बन पाएंगी। परिवार के महिला सदस्यों के साथ विशेष रूप से जीवनसाथी के साथ सम्बन्धों में कड़वाहट की स्थिति से बचने के लिए सावधानी पूर्वक व्यवहार करें।

परिवार का वातावरण विशेष सुखदायी नहीं रहेगा तथा खर्च बढ़ने से वित्तीय समस्याएं उत्पन्न होंगी। बच्चे भी शत्रु की भूमिका में रहेंगे और पढ़ाई पर ध्यान नहीं देंगे। उन्हें अनुशासित करने की आवश्यकता है।

दिसम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह के अनुकूल ग्रह गोचर से ऐसा प्रतीत होता है कि सभी पारिवारिक मसलों में आशातीत सफलता प्राप्त होगी व घर में प्रसन्नता तथा उत्तम भाग्य के प्रभाव से आपको किसी भी प्रकार का अभाव नहीं रहेगा। आप वैवाहिक जीवन में पूर्णतः आनन्दित रहेंगे और अपने जीवनसाथी से भरपूर प्रेम प्राप्त करके पूर्णतः संतुष्ट रहेंगे।

बच्चे भी श्रेष्ठतम प्रदर्शन से अपनी परीक्षा व अन्य गतिविधियों में बेहतर परिणाम लाकर आपको प्रफुल्लित रखेंगे तथा आर्थिक रूप से भी कुल पारिवारिक आय में निश्चित वृद्धि के संकेत हैं।

स्वास्थ्य - 2026

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्धउत्तम रहेगा। आपकी शारीरिक ऊर्जा व कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। पूर्ण रूप से शारीरिक आरोग्यता बनी रहेगी। शारीरिक अनुकूलता बनाये रखने के लिए आप संतुलित आहार एवं नियमित व्यायाम करते रहेंगे। गुरु ग्रह की अनुकूलता के कारण शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे। आपके अंदर अच्छे विचार आएंगे और आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगे।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद आप छोटी-मोटी बीमारियों के कारण परेशान हो सकते हैं। लग्न स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि आलस्य की भावना उत्पन्न कर सकती है। उस समय आपको परहेज की ज्यादा जरूरत होगी। खान-पान के साथ साथ आपको अपनी दिनचर्या पर विशेष ध्यान देना चाहिए। सुबह सुबह व्यायाम के साथ योगाभ्यास भी करना चाहिए। समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाने की कोशिश करें।

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य के पक्ष से यह समय आपके सितारों के अनुसार बहुत अनुकूल समय नहीं है। बवासीर जैसे रोगों में गड़बड़ी होने से आप परेशान हो सकते है। माह अवधि में अतिरिक्त देखभाल और ध्यान का प्रयोग करना होगा। स्वभाव में विनम्रता की कमी तथा स्वभाव में गंभीरता हो सकती है। यह भी आपके स्वास्थ्य के लिए खतरा सिद्ध हो सकती है। काम विषयों में कमी करने से आपके यौन संक्रमणद्द में कमी हो सकती है। आपको यह विशेष रूप से ध्यान रखना होगा कि इस विषय में आपको अपनी अधिक से अधिक देखभाल करनी होगी। किसी बासी खाद्य या अशुद्ध भोजन सेवन से भी स्वास्थ्य सुख में कमी होने की आशंका बन रही है। विषाक्त भोजन करने से बचें। इसके लिए आपको बहुत सावधान रहना होगा। आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर काफी सतर्कता रखनी होगी। कुल मिलाकर यह अवधि सावधानी रखने पर अनुकूलता लिए हुए है।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

इस माह में बन रही ग्रहों की स्थिति आपको कोई गंभीर स्वास्थ्य परेशानी या दुर्घटना न होना सुनिश्चित कर रही है। यह माह आपके लिए एक लाभकारी माह रहेगा। इस माह में बुखार, सूजन या अचानक से किसी गंभीर बीमारियों में कोई गड़बड़ी न होने से आपको महत्वपूर्ण राहत मिलेगी। इस प्रकार की समस्याएं आपको परेशान नहीं करेंगी। आपका स्वभाव उत्साहजनक बना रहेगा। पुरानी गठिया, जुकाम जैसे विकारों से ग्रस्त लोगों को भी राहत मिलेगी। फिर भी इस माह दुर्घटना या हिंसक चोट की संभावना बन रही हैं। अपने स्वास्थ्य की कुछ अतिरिक्त देखभाल करने से आपको कोई नुकसान नहीं होगा। कुल मिलाकर यह माह आपके स्वास्थ्य शुभता को प्रोत्साहित कर रहा हैं।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

माह अवधि में सितारें आपको कोई गंभीर स्वास्थ्य परेशानी या दुर्घटना न होने का योग सुनिश्चित कर रहें हैं। यह माह आपके लिए एक लाभकारी माह रहेगा। बुखार, सूजन या अचानक से होने वाली गंभीर बीमारियों में कोई गड़बड़ी न होने से आपको अच्छा महसूस होगा। इस प्रकार की समस्याओं के शांत रहने से आपको कोई परेशानी नहीं होगी। इस माह अवधि में आपका स्वभाव अनुकूल और सकारात्मक बना रहेगा। पुरानी गठिया, जुकाम आदि विकारों में किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी। जीर्ण बीमारियों की वापसी न होने से आपको राहत का अनुभव होगा। इस माह में आपको कोई हिंसक चोट लगने की संभावना नहीं बन रही हैं। अतिरिक्त देखभाल करना आपके लिए फायदेंमद रहेगा। कुल मिलाकर यह माह आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूलता लिए हुए एक सुखद माह सिद्ध हो सकता हैं।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

आपके स्वास्थ्य के लिए यह माह काफी फायदेमंद माह रहेगा। इस माह आपको शारीरिक रूप से स्वस्थ रहना चाहिए। फिर भी इस अवधि में आपको अधिक परिश्रम करने से परहेज करते हुए, सतर्कता बरतनी चाहिए। यह आपके लिए स्वास्थ्य समस्याओं के आमंत्रण का कारण बन सकता हैं। परिश्रम की अधिकता आपके शारीरिक तंत्र पर अनुचित दबाव ड़ाल सकती हैं। कार्यो और गतिविधियों का पूर्वनियोजन आपको अतिरिक्त दबाव से बचाएगा। वरना कुछ अनहोनी होने की संभावना बन सकती है। उपचार की तुलना में हमेशा एहतियात बेहतर रहेगा तथा माह अवधि में आपको विषाक्त भोजन के प्रति भी सावधानी रखनी चाहिए। कुछ अशुद्ध या बासी भोजन का सेवन करते समय आपको विशेष ध्यान देना होगा। यह लाभकारी माह है जिसके दौरान आप सामान्य रूप से स्वस्थ रहेंगे।

मई 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य को अनुकूल बनाए रखेगा। माह की संभावनाएं आपके स्वास्थ्य की अनुकूलता को प्रोत्साहित कर रही है। आप स्वभाव से प्रसन्नचित्त बने रहेंगे। आपमें उत्साह का भाव बना रहेगा। ठंड में हाथ और पैरों में कोई गड़बड़ी न होने से आपको महत्वपूर्ण राहत मिलेगी। इस माह में आपका नर्वस तंत्र आंशिक रूप से प्रभावित हो सकता है। भोजन विषाक्तता की स्थिति बन सकती हैं। अशुद्ध भोजन करने से बचें अन्यथा स्वास्थ्य में कमी हो सकती हैं। सावधानी रखने से कठिनाईयां कम से कम होंगी और यह आपके लिए काफी फायदेमंद माह सिद्ध होगा।

जून 2026 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके स्वास्थ्य कमियों को दूर कर रोगों का निपटारा कर रहे है और अन्य किसी रोग को लेकर गंभीर चिंता का कोई कारण नहीं बन रहा है। स्वयं को सुखमय बनाए रखने के लिए आप जीवन में नकारात्मक विचार धारा से दूर होकर हंसमुख बने रहें। इससे आपकी आरोग्यता दीर्घकाल के लिए सुनिश्चित होगी। साथ ही बुखार, सूजन एवं गंभीर बीमारियों के शांत रहने से आपको रोग कठिनाईयों से बड़ी राहत प्राप्त होगी। इस अवधि

काल में आपको सिर से जुड़ी कुछ परेशानियां आ सकती हैं। इस प्रकार के रोग के गंभीर रूप धारण करने से पहले आप इसके निवारक उपाय के रूप में सिर के लिए टॉनिक का प्रयोग कर सकते हैं। यह माह आपके लिए काफी संतोषजनक माह सिद्ध होगा क्योंकि इस माह में आपके किसी भी गंभीर बीमारी से ग्रसित होने की संभावना नहीं हैं।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

इस माह अवधि के सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य सुख को सुनिश्चित कर रहा हैं। माह अवधि में सतर्कता और सावधानी बनाए रखना आपके लिए हितकारी रहेगा। पाचन तंत्र, गठिया जैसी अनियमितताओं में गड़बड़ी होने से आपकी स्वास्थ्य परेशानियां बढ़ सकती है। माह अवधि में आपको बहुत अधिक देखभाल और ध्यान देने की आवश्यकता रहेगी। गले के रोग आपको स्वास्थ्य परेशानियां दे सकते हैं। यदि आपको ह्रदय से संबंधित कोई रोग या लक्षण दिखाई देता है तो आपको इनकी जटिलताओं की बारीकी से जांच करानी चाहिए। अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना आपको स्वस्थ रहने में मदद करेगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

यह माह आपके सितारों की स्थिति के अनुसार अनुकूल माह सिद्ध हो रहा हैं। इस माह में ग्रहों के द्वारा आपके स्वास्थ्य मामलों का समाधान हो रहा हैं। सतर्कता बनाए रखना इस अवधि की विशेष मांग बन रही है। इस माह अवधि में आपको अपने शारीरिक सामथ्र्य से अधिक परिश्रम नहीं करना है। इस विषय में आपको सावधानी रखनी होगी। अपने शारीरिक तंत्र पर अत्यधिक दबाव पड़ने से बचाने के लिए आप अपनी गतिविधियों की एक तर्कसंगत अनुसूची तैयार कर उसके अनुसार अपने कार्य पूर्ण कर सकते है। इसके अतिरिक्त आप खेल गतिविधियों में सम्मिलित हो सकते हैं। अपने स्वभाव को विनम्र बनाए रख भी आप अपने स्वास्थ्य सुख में बढ़ोतरी कर सकते हैं। अपने कार्यो की अनुसूची का कठोरता से पालन करना आपको रोगग्रस्त होने से बचाएगा। रोगों में कमी होने से आप इस माह अधिक प्रसन्नचित्त नजर आयेंगे। सहायक माह होने के कारण इस माह के दौरान आपको कोई भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का सामना होने की संभावना बहुत कम बन रही हैं।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह में ग्रह, सितारों का संयोजन आपके स्वास्थ्य के लिए काफी अनुकूल है। अपच जैसे रोगों से ग्रस्त लोगों को माह अवधि में इन रोगों से राहत मिलेगी। इसके अतिरिक्त पाचन अंगों के शीघ्र बिगड़ जाने से परेशान व्यक्तियों को भी इस समय में सुखद अनुभव होगा। फिर भी आप इन रोगों के प्रति नियमित रूप से आवश्यक सावधानी बनाए रखें। इसके अतिरिक्त खांसी, अस्थमा जैसी पुरानी शिकायतों के प्रति भी आपको सावधानी रखनी होगी। भोजन में विषाक्तता से पीड़ित हो सकते है। कुछ सामान्य सावधानियों का पालन करें और अशुद्ध खाना खाने से बचें। सतर्कता बनाए रखने से यह माह आपके लिए काफी उत्साहजनक माह रहेगा।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य के लिए यह माह आंशिक रूप से अनुकूल बन रहा है। सितारों का संयोजन आपके लिए बहुत कम शुभ स्थिति बना रहा हैं। बुखार एवं शीघ्र क्रोध में आना जैसी गड़बड़ियां आपको परेशानी दे सकती हैं। अचानक से गंभीर बीमारी आपकी चिंताएं बढ़ा सकती है। अतिरिक्त देखभाल करने और बहुत शीघ्र उपचार जैसे कदम उठाना आपके लिए हितकारी सिद्ध हो सकता है। किसी प्रकार का नेत्र संक्रमण होने की संभावनाएं बन रही हैं। सावधान रहना आपके लिए हितकारी रहेगा। अन्यथा आपके लिए परेशानी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। अशुद्ध खाने के प्रति आपको अत्यंत सावधान रहना चाहिए। विषाक्त भोजन के कारण आपके स्वास्थ्य में कमी हो सकती हैं। यह अवधि आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं हैं। इसलिए आपको इस समय में अतिरिक्त सावधान रहना चाहिए।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

सितारों की शुभता आपके स्वास्थ्य शुभता के लिए बहुत उदार नहीं बनी हुई है। इसलिए इस माह में आपको कुछ स्वास्थ्य परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। पेट फूलना, पाचन तंत्र, वायु रोगों के रोग तथा पुरानी बीमारियों में फिर से गड़बड़ी हो सकती है। आहार और उपचार दोनों पर निगरानी रखना आपके लिए आवश्यक रहेगा। आहार पर नियंत्रण रखने से आप आसानी से अपने रोगों पर नियंत्रण बनाए रख सकते है। अशुद्ध खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचना भी आपके लिए उत्तम रहेगा। सावधानी के साथ-साथ व्यायाम करने से भी स्थिति में सुधार होगा। यह समय आपके लिए बहुत अनुकूल नहीं है इसलिए अधिक से अधिक ध्यान देना लाभकारी रहेगा।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

इस माह सितारों की अनुकूलता से आपके स्वास्थ्य विकारों का समाधान हो रहा है। ग्रहों की शुभता यह सुनिश्चित कर रही है कि इस अवधि में आपको कोई गंभीर स्वास्थ्य समास्या नहीं होनी चाहिए। आपके स्वभाव में भी गंभीरता कम और उत्साह अधिक होगा। अत्यधिक परिश्रम के खिलाफ आपको सतर्कता बरतनी होगी। अत्यधिक परिश्रम इस समय बनी हुई सुखद स्थिति को खराब कर सकता है। अनावश्यक रूप से अपने शारीरिक तंत्र पर तनाव ड़ालना ठिक नहीं होगा। अपने दैनिक गतिविधियों को इस प्रकार निर्धारित करें कि आपके शरीर पर बहुत अधिक दबाव न पड़े। इससे आपकी स्वास्थ्य समस्याओं के एक बड़े हिस्से का सुधार होगा। इस विषय में आपको थोड़ा सावधान रहने की जरुरत हैं। तनाव से बचना आपके स्वास्थ्य सुख के लिए उत्तम रहेगा। अन्यथा इस माह की अनुकूल परिस्थितियां भी किसी गंभीर समस्याओ को रोकने में असमर्थ हो सकते हैं। समय की शुभता होने से इस माह की स्थिति उत्साहजनक बनी हुई है।

स्वास्थ्य - 2027

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि के प्रबल संकेत हैं। मानसिक शांति, प्रसन्नता एवं सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा परन्तु शनि ग्रह के गोचर के बाद आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

03 जून के बाद द्वादश स्थान में शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आप बीमार हो सकते है। सुबह जल्दी उठ कर घूमना या व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। 26 नवम्बर के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति विकसित होगी, जिससे आपकी स्वास्थ्य संबंधित परेशानी दूर हो जाएंगी और आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

जहां तक आपके स्वास्थ्य का सवाल है इस माह की ग्रह स्थिति की शुभता आपके लिए आंशिक रूप से अनुकूल बनी हुई हैं। इसलिए इस माह आपको अतिरिक्त देखभाल की जरुरत पड़ सकती हैं। इस माह में आपकी स्वास्थ्य अनुकूलता बहुत कम रहेगी। इसके अलावा आपको अप्रिय लोगों और स्थानों से दूर रहना होगा। आपके सामान्य परिवेश का आपकी स्वास्थ्य स्थिति पर सीधा असर पड़ेगा। अतः आप नकारात्मक स्वभाव के लोगों से दूरी बनाए रखें। अपनी भलाई को देखते हुए आप एहतियात बरत कर स्वास्थ्य से संबंधित खतरों को रद्द कर सकते हैं। अत्यधिक काम आसक्ति से भी आपको बचना होगा। यह आपके यौन अंगों की बीमारी दे सकता हैं। इस प्रकार के रोगों के प्रति आपको सतर्कता बरतनी होगी। उपचार की सफलता के लिए यह आवश्यक है कि आप शीघ्र उपचार करें।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों एवं सितारों की शुभता आपको उत्तम स्वास्थ्य का आशीर्वाद प्रदान कर आपके स्वास्थ्य विकारों का निराकरण कर रही हैं। आपके स्वास्थ्य की स्थिति का निर्धारण करने और उसे सुखद बनाए रखने में आपके पास-पास के वातावरण के महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इसलिए इस विषय में आपको ध्यान रखना चाहिए। यह आपके स्वास्थ्य के लिए उत्तम बना हुआ है फिर भी इस माह कुछ अनहोनी के संकेत बन रहे हैं। एहतियात के रूप में अप्रिय लोगों, अप्रिय स्थानों से दूर रहना आपके स्वास्थ्य के लिए हितकारी रहेगा। आपके स्वास्थ्य को उत्तम बनाए रखने में यह विशेष भूमिका निभाएगा। किसी भी प्रकार के मामूली बुखार या सूजन के ईलाज के विषय में आपको सतर्कता बनाए रखनी होगी। ऐसे रोगों का शीघ्र उपचार कराने से ये समय पर नियंत्रित रहेंगे।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य को स्थिर रूप में उत्तम बनाए रखने के लिए इस माह की ग्रह, घटनाएं आपको सहयोग कर रही हैं। पाचन तंत्र, पुरानी बीमारियों की गड़बड़ी, पेट फूलना एवं वायु रोग के शांत रहने से आपको इन परेशानियों में काफी राहत का अनुभव होगा। अधिक से अधिक सामान्य सावधानियां रखने से आपको कम से कम परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। यह आपको राहत प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त इस माह आपका सौहार्दपूर्ण वातावरण और सकारात्मक स्वभाव के लोगों के साथ रहना आपके स्वास्थ्य के लिए उत्तम रखेगा। साथ ही इस अवधि में अप्रिय परिवेश से दूर रखना आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ाएगा। आपके आस पास का सौहार्दपूर्ण वातावरण आपके स्वास्थ्य की स्थिति का निर्धारण करने में प्रमुख भूमिका अदा करेगा। इसलिए अच्छा स्वास्थ्य बनाए रखना इस माह आपके हाथ रहेगा।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

यह माह आपके लिए सहायक माह होकर आपके स्वास्थ्य को शुभ आशिर्वाद प्रदान कर रहा हैं। कुछ मामूली समायोजनों को अपना कर आप अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखेंगे। इस माह में सबसे महत्वपूर्ण यह रहेगा कि आपको अत्यधिक मेहनत से बचना होगा। स्वास्थ्य को अनुकूल बनाए रखने के लिए सबसे पहले आपको अपने दैनिक कार्यो का एक कार्यक्रम तैयार करना होगा। कार्यभार की अधिकता से आपके शारीरिक और मानसिक संसाधनों पर अनुचित दबाव आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं होगा। आपके आसपास का वातावरण भी आपके स्वास्थ्य को काफी हद तक निर्धारित करेगा। किसी भी तरह के अप्रिय स्थानों और अप्रिय लोगों से बचना आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ाएगा। इस माह को उत्तम बनाए रखना आपके लिए सहज होगा। इसके अलावा यह माह आपके स्वास्थ्य के लिए एक उत्तम माह सिद्ध होगा।

मई 2027 के लिए फलादेश

इस माह आपके साथ आपके भाग्य का समर्थन नहीं हैं। इसलिए इस माह आपको अपना ध्यान विशेष रूप से रखना होगा। इस माह आपके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव शीघ्र पड़ सकता हैं। अप्रिय लोगों से आपको इस माह दूरी बनाकर रहनी होगी। स्वास्थ्य की अनुकूलता बनाए रखने के लिए यह आवश्यक है कि आप सकारात्मक प्रभावयुक्त वातावरण में रहें। आपके स्वास्थ्य पर आपके आसपास के लोगों का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता हैं। नापसन्द लोगों और स्थानों से दूरी आपके स्वास्थ्य सुख को बढ़ायेगी। यदि आप इस प्रकार से कार्य करते है तो आप अपनी समस्याओं का एक बड़ा हिस्सा हल कर सकते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं है कि यह समय काफी हद तक मुश्किल समय हैं। इस समय में आपको अतिरिक्त देखभाल की जरुरत है। सामान्य सावधानियां रखने से आप स्वयं को स्वस्थ बनाए रखने में सफल रहेंगे।

जून 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके लिए बहुत अनुकूल स्थिति नहीं बना रहे हैं। अपने स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए सावधानियां का पालन सख्ती से करना आपके स्वास्थ्य सुख

को बेहतर बनाए रखेगा। इस माह आपका स्वास्थ्य आपके पर्यावरण पर निर्भर करेगा। आपको यह ध्यान रखना चाहिए किए आपके आसपास के परिवेश का आपके स्वास्थ्य पर सीधा असर पड़ेगा। उत्तम परिवेश में रहना आपके स्वास्थ्य सुख को भी उत्तम बनाए रखेगा। आंशिक रूप से मानसिक परेशानी के संकेत मिल रहे हैं। सौहार्दपूर्ण संगति आपके स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखेगी। आपको अचानक से बुखार या सूजन आदि हो सकता है। घ्से में शीघ्र ईलाज कराना आपको गंभीर रोगों से बचाएगा। इन सावधानियों का पालन करने से आप दीर्घकाल तक स्वस्थ बने रहेंगे।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपको अच्छे स्वास्थ्य के लिए शुभ आशिर्वाद दे रहे हैं। इसलिए इस माह में आपको अपने स्वास्थ्य के लिए किसी प्रकार की चिंता नहीं करनी होगी। यहां तक कि गठिया, वायु रोग, पेट फूलना, पाचन तंत्र और पुराने रोगों के निष्प्रभावी रहने से आपको काफी राहत का अनुभव होगा। इस माह की ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल रहेगी। लेकिन फिर भी ध्यान न रखने पर अनुकूल स्थिति भी प्रतिकूल सिद्ध हो सकती हैं। स्वास्थ्य के लिए विपरीत माहौल में रहने से आप रोगों के प्रभाव में आ सकते हैं। इसलिए संक्रमित स्थानों से दूर रहना आपके लिए हितकारी रहेगा। किसी भी तरह का संक्रमण होने पर तुरंत ईलाज कराना लाभदायक रहेगा।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

इस माह की शुभता सुनिश्चित करने के लिए ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य विकारों के लिए अनुकूल नहीं बनी हुई हैं। किसी भी प्रकार की स्वास्थ्य कमी होने पर आपको अतिरिक्त सावधानी बरतनी होगी। अत्यधिक कार्यो के कारण आप थकावट से पीड़ित होकर सामान्य दुर्बलता का अनुभव करेंगे। इस माह अवधि में आपको स्नायु संबंधी विकार और मानसिक परेशानियां दिक्कत दे सकती हैं। इन रोगों का आपको अतिशीघ्र समाधान करना चाहिए। स्थिति और कार्यक्रमों में बदलाव कर आप अत्यधिक कार्यभार से बच सकते हैं। इन बदलावों का कठोरता से पालन करना भी आपके स्वास्थ्य सुख को बेहतर करेगा। साथ ही अपने रोगों की समय रहते देखभाल करनी होगी। इसके अतिरिक्त छाती क्षेत्र में संक्रमण का भी तुरंत ईलाज किया जाना चाहिए।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रहों की स्थिति आपके स्वास्थ्य मामलों का समाधान कर रही हैं। इसलिए इस माह में आप स्वस्थ और कम से कम बीमार रहेंगे। फिर भी यदि आपके पाचन अंग काफी आसानी से अव्यवस्थित हो जाते है तो इस माह में आपको इन रोगों से राहत का अनुभव होगा। वायु रोगों के प्रति सावधानी बनाए रखना हितकारी रहेगा। तथा रोग अनियमितताओं के प्रति सावधान रहना होगा। अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए आपको उपचार से बचने के लिए सावधानियों का ध्यान रखना होगा। खांसी, जुकाम और छाती

से संबंधित किसी भी संक्रमण से बचने के लिए आपको एहतियात से काम लेना होगा। रोग ग्रस्त होने पर शीघ्र दवा लेने से स्थिति गंभीर नहीं होगी।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

ग्रहों की शुभता का जो सुरक्षा कवच आपको रोग ग्रस्त होने से बचा रहा था वह इस माह आपको प्राप्त नहीं हो रहा है। इसलिए एहतियात और उपचार करने से ही आप रोग मुक्त रह सकते हैं। किसी भी तरह से रोग ग्रस्त होने पर आपको इनका तुरंत ईलाज करना चाहिए। अचानक से बुखार, सूजन आदि के प्रति भी आपको सावधान रहना होगा। उपचार विषयों की किसी भी प्रकार से उपेक्षा आपकी बीमारी को गंभीर रूप प्रदान कर सकती हैं। इसलिए यह बहुत महत्वपूर्ण है कि आप सावधानी बरतें। इसके अतिरिक्त एक और महत्वपूर्ण पहलू पर आपको ध्यान देना होगा। जिसका सीधा असर आपके स्वास्थ्य पर पड़ता हैं वह यह है कि आप अप्रिय लोगों और स्थानों से दूरी बनाए रखें। इस संबंध में थोड़ी सी सावधानी आपके स्वास्थ्य सुख को बनाए रखेगी।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

इस माह आप पर भाग्य का शुभ आशीर्वाद बना रहने के कारण आप उत्कृष्ट स्वास्थ्य का आनंद लेंगे। यदि पेचिश, कब्ज और पुरानी बीमारियों के रोगी हैं तो इन रोगों में गड़बड़ी न होने से आपको विशेष राहत का अनुभव होगा। इस माह आपके पुराने रोग आपको किसी प्रकार की परेशानियां नहीं देंगे। फिर भी रोगों के प्रति सामान्य एहतियात रखना आपको आरोग्यता प्रदान करेगा। बशर्ते की आप इस माह किसी भी मुसीबत को आमंत्रित न करें। सौहार्दपूर्ण वातावरण में रहने से भी आपका स्वास्थ्य सुख बना रहेगा। साथ ही आप अप्रिय स्थानों और अप्रिय लोगों से दूर रहें। इससे आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

आपके स्वास्थ्य सुख को बनाए रखने के लिए आपको ग्रह, सितारों का शुभ आशीर्वाद प्राप्त नहीं हो रहा हैं। यह ग्रह स्थिति आपके स्वास्थ्य में कमी कर रही हैं। इस माह अधिक परिश्रम की वजह से आप सामान्य शारीरिक दुर्बलता से पीड़ित हो सकते हैं। ग्रह योगों से ऐसे संकेत मिल रहे है कि आपको तंत्रिका विकार पीड़ित हो सकते हैं। आपको अपनी सामाथ्र्य शक्ति के अनुसार ही परिश्रम करना होगा। इसका आपके स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा। स्वस्थता को बनाए रखने के लिए आप अप्रिय स्थानों और लोगों से दूर रहें। आपकी स्वास्थ्य स्थिति का निर्धारण करने में आपका सामान्य परिवेश भी एक महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता हैं। इन सामान्य सावधानियों को अपनाकर आप गंभीर स्वास्थ्य संकटों से बच सकते हैं।

स्वास्थ्य - 2028

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अतिउत्तम रहेगा। लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। मानसिक शान्ति एवं शारीरिक आरोग्यता बनी रहेगी। आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे। 23 फरवरी के बाद शनि का गोचर प्रतिकूल होने के कारण मौसमजनित बीमारियों से आप परेशान हो सकते हैं।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में शनि एवं राहु का गोचर एक साथ प्रतिकूल होने के कारण स्वास्थ्य में उतार-चढाव की स्थिति बनी रहेगी। पंचमस्थ गुरु शारीरिक आरोग्यता अनुकूल रखने का पूर्ण प्रयास करेंगे फिर भी चोट या दुघर्टना की स्थिति बन सकती है।

जनवरी 2028 के लिए फलादेश

ग्रह स्थिति इस माह के दौरान आपको अच्छे स्वास्थ्य का आशिर्वाद दे रही हैं। माह अवधि में स्वास्थ्य में कमी को लेकर कोई गंभीर चिंता की बात नहीं हैं। आपका शारीरिक तंत्र आपके द्वारा लिए गये आहार का पूरा फायदा उठाने में सक्षम होगा। पोषक पदार्थो का लाभ आपके शरीर को मिलेगा। इसके फलस्वरूप आपको असाधारण सुरक्षा और जीवन शक्ति प्राप्त होगी। यहां तक कि अपने पास उपलब्ध उत्पादक संकायों का आप सबसे बेहतर तरीके से लाभ उठा पायेंगे। वास्तव में आप आनंदमयी जीवन व्यतीत करेंगे और बड़े पैमाने पर, पूरी तरह से इसे जीने के लिए तत्पर रहेंगे। संतुलित आहार का सेवन कर आप अपने स्वास्थ्य सुख को बनाए रख सकते हैं। ऐसी कोई भी गलती न करें कि आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो।

फरवरी 2028 के लिए फलादेश

इस माह के ग्रह, सितारें आपके स्वास्थ्य को शुभता प्रदान कर रहे हैं। इस माह के दौरान अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंतित रहने के बहुत कम कारण बन रहे है। सेवन किये गये आहार से आपका शरीर पुष्ट होकर अधिकतम लाभ प्राप्त करेगा। शारीरिक तंत्र की अनुकूलता आपके शारीरिक सुख को बेहतर करेगी। आप काफी सक्रिय और ऊर्जावान बने रहेंगे। पोषक तत्वों का शरीर में लगना आपकी उत्पादक शक्तियों को बढ़ाएगा, जिसे देख आप को सुखद आश्चर्य होगा। जीवन के सभी विषयों का आनंद लेने में आप समर्थ रहेंगे। सावधानियां न बरतने पर हिंसक दुर्घटना की संभावना बन सकती हैं। इस माह अवधि में आपको चोट आदि से बचना होगा। दुर्घटनाओं से बचाव करें और अपना ख्याल रखें।

मार्च 2028 के लिए फलादेश

इस महीने के दौरान अपने स्वास्थ्य की रक्षा करने के लिए आपको खुद प्रयास करने होंगे सितारों की शुभता आपको प्राप्त नहीं हो रही है। गठिया, वायु रोग और पुरानी बीमारियों से पीड़ित व्यक्तियों को ये रोग फिर से परेशान कर सकते हैं। बीमारियों से बचाव करने के लिए आपको व्यायाम एवं योग आदि कर सावधान रहना होगा। इसके अलावा माह

अवधि में सामान्य दुर्बलता की स्थिति भी बन सकती हैं। आपको इसे गंभीरता के साथ देखना होगा और सही समय पर उचित कदम उठाना काफी हद तक आपकी समस्या का समाधान करेगा। अपने स्वास्थ्य के प्रति सावधानी का विस्तृत दृष्टिकोण उपयुक्त देखभाल करने में सहयोग करेगा तथा आपको स्वास्थ्य परेशानियों से मुक्त करेगा। अन्यथा यह आपकी चिंताओं का स्रोत बन सकता हैं।

अप्रैल 2028 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान सितारों की स्थिति आपके स्वास्थ्य विषयों के लिए बहुत अनुकूल सिद्ध हो रही हैं। इसलिए इस माह में आपको अपने स्वास्थ्य को लेकर चिंता की कोई बात नहीं होगी। माह अवधि में आपके द्वारा लिए गए आहार का पूरा लाभ आपके शरीर को प्राप्त होगा। उत्तम भोजन का असर आपकी स्वास्थ्य चमक पर पड़ेगा। माह अवधि में आपकी उत्पादक शक्तियां चरम पर होंगी। इस माह आप काफी सक्रिय रहेंगे। इस माह में आपको अत्यधिक मेहनत करने से बचना होगा। यह आपके लिए खतरनाक हो सकता हैं। इससे बचने के लिए आप कार्यो की एक अनुसूची तैयार करें और उसके अनुसार कार्य निर्धारित करें। कुल मिलाकर इस माह आप जीवन के सुखों का भरपूर आनंद लेंगे।

मई 2028 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान, ग्रह एवं सितारें आपके लिए स्वास्थ्य के मामलों का निराकरण नहीं कर रहे हैं। इसलिए इस माह में आपको अपनी अतिरिक्त देखभाल और ध्यान रखना होगा। यह भी संभावित है कि माह में आपका शरीर संतुलित और पौष्टिक भोजन ग्रहण न कर रहा हों, पोषण की कमी के लक्षण आपके शरीर में दिखाई देंगे। स्वास्थ्य अनियमिताओं का यह प्रथम संकेत हो सकता है। दृढ उपायों पर सावधानियों पर ध्यान केंद्रित कर आप अपने स्वास्थ्य सुख को बढ़ा सकते हैं। इससे आपकी स्थिति में बहुत सुधार होगा। इसके अलावा अपनी उत्पादक शक्तियों को बनाए रखना भी आपके स्वास्थ्य सुख को बनाए रखने का एक अच्छा विचार हो सकता हैं। यह मुश्किल अवधि हैं इस अवधि में अपना ध्यान रखना हितकारी रहेगा।

जून 2028 के लिए फलादेश

स्वास्थ्य के पक्ष से यह माह आपके लिए एक अच्छा माह रहेगा। इस माह में आपको पोषक तत्वों की आवश्यकता अधिक रहेगी। जिसके फलस्वस्वरूप अपने स्वास्थ्य सुख को बढ़ाने के लिए आपको खाने में संतुलित आहार का प्रयोग करना होगा। इसके अतिरिक्त आपको शीघ्र होने वाले रोगों के प्रति सावधान रहना होगा। माह अवधि में अचानक दुःख की घटना के बारे में सतर्कता रखनी होगी। ऐसे किसी भी रोग लक्षण के संकेत प्रकट होने पर आप इनका तुरंत ईलाज करते हुए सावधान रहें और रोगों को गंभीर समस्याओं में बदलने से रोकें। माह अवधि में आपकी उत्पादक शक्तियों में वृद्धि होगी। अपनी ऊर्जा शक्ति से आप स्वयं आश्चर्य चकित होंगे। यह एक शुभ माह है जिसमें आपको अपना कम ध्यान रखना होगा।

जुलाई 2028 के लिए फलादेश

इस माह के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पाचन तंत्र, वायु रोग और पुरानी बीमारियों में गड़बड़ी न होने से आपको काफी राहत का अनुभव होगा। इस माह अवधि में आपको अपने स्वास्थ्य की सामान्य देखभाल रखनी होगी। रोगों के शांत रखने से आपको राहत का अनुभव होगा। अपनी स्वास्थ्य अनुकूलता को बनाए रखने के लिए आपको पोषक तत्वों का सेवन करना होगा। माह अवधि में आपकी उत्पादक जीवन शक्ति बढ़ रही हैं। माह अवधि में आपका मन भी स्वस्थ रहेगा। गले में सामान्य खराश का ईलाज आपको कराना पड़ सकता हैं। अन्य रोगों के शांत रहने के योग बन रहे है।

अगस्त 2028 के लिए फलादेश

इस माह के सितारें आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं बने हुए है। माह अवधि में आपको स्वयं में आत्मविश्वास की कमी का अनुभव होगा। इस समय में आपको अतिरिक्त देखभाल और ध्यान की जरुरत रहेगी। आपको सामान्य रूप से अच्छे आहार का लाभ प्राप्त नहीं हो रहा हैं। इससे आप परेशान हो सकते हैं। स्वास्थ्य के पक्ष से यह शुभ संकेत नहीं हैं। इसके अतिरिक्त छाती में किसी भी प्रकार के संक्रमण का पहला लक्षण दिखाई देने पर ही जल्द से जल्द गंभीरता से इसका ईलाज कराना होगा। इस संदर्भ में किसी भी प्रकार की समय हानि उचित नहीं होगी। समय की उपेक्षा किए बिना ईलाज करना आपके लिए काफी सकारात्मक होगा। साथ ही इस अवधि में आप अधिक परिश्रम से बचें। अपने शरीर पर अनुचित दबाव ड़ालने से बचें। कार्यो की अनुसूची तैयार कर आप अतिरिक्त कार्यभार से बचाव कर सकते हैं।

सितम्बर 2028 के लिए फलादेश

आपके अच्छ्ध स्वास्थ्य के लिए इस माह भाग्य का आशीर्वाद प्राप्त नहीं हो रहा हैं। इसले आपको अपने पर अतिरिक्त ध्यान देना होगा और अपने स्वास्थ्य की देखभाल के नियम तय करने होंगे। पाचन अंगों में किसी भी प्रकार की शिकायत का पहला लक्षण प्रकट होने पर आपको शीघ्र इन समस्याओं का समाधान निकालना होगा। माह अवधि में आपको नियमित आहार का पूरा लाभ प्राप्त नहीं होगा। इसलिए यह संभव है कि आप के स्वास्थ्य में कमी हो सकती हैं। रोगों का समय पर उपचार कराने से आपको इनके कारण लम्बे समय के लिए परेशान नहीं होना होगा। फिर भी इस माह में ग्रहों का योग आपके स्वास्थ्य के लिए बहुत उपयोगी नहीं बना हुआ हैं। प्रतिकूल परिस्थितियों से निबटने के लिए सावधानी और देखभाल से काम लेना होगा।

अक्तूबर 2028 के लिए फलादेश

यह माह एक ऐसा माह है जिसमें ग्रह योग, सितारों के आशिर्वाद से आप अच्छे स्वास्थ्य का आनंद लेने के लिए तत्पर हो सकते हैं। इस माह आपका स्वास्थ्य अच्छा तो रहेगा ही साथ ही इस माह आपका शारीरिक तंत्र अनुकूल होने से आपको आहार का पूरा लाभ प्राप्त

होगा। जिससे आपका स्वास्थ्य सुख पहले से बेहतर होगा। इस माह उत्पादक शक्तियों में बढ़ोतरी होगी। यह बढ़ोतरी आपके लिए सुखद होकर आश्चर्य चकित कर सकती हैं। आप इस समय में काफी सक्रिय और ऊर्जावान बने रहेंगे। साथ ही इस समय में आपका भावनात्मक और मानसिक स्थिति प्रबल बनी रहेंगी। संतुलित आहार और सावधानियों का पालन करने से स्वास्थ्य की सुखद स्थिति बनी रहेगी अन्यथा यह बिगड़ सकती हैं। नेत्र संक्रमण के खिलाफ आपको सतर्कता बरतनी होगीं। यदि इनका समय रहते निराकरण हो जाता है तो संक्रमण शीघ्र शांत हो जाएगा।

नवम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह अवधि में आपको अतिरिक्त देखभाल और ध्यान की जरुरत पड़ सकती हैं। क्योंकि इस माह में ग्रह, सितारों का शुभ आशीर्वाद का अभाव बन रहा हैं। इसकी क्षतिपूर्ति करने के लिए आपको अपना खास ख्याल रखना होगा। पाचन अंग, वायु और पुरानी बीमारियों से संबंधित शिकायतें आपके लिए परेशानियां खड़ी कर सकती हैं। आपको इन रोगों से बचाव हेतु सतर्कता बनाए रखनी होगी। समय पर उचित उपचार न कराना आपकी समस्याओं को गंभीर रूप प्रदान कर सकता है। इसके अतिरिक्त आपके छोटे रोग भी लम्बी अवधि के रोगों में परिवर्तित हो सकते हैं। आपको अपनी उत्पादक शक्तियों के बारे में भी सावधान रहनी की आवश्यकता रहेगी। सावधानियां एक निवारक उपाय के रूप में कार्य करेंगी। माह अवधि के दौरान अपने स्वास्थ्य का ख्याल रखना आपको प्रतिकूल समय में स्वस्थता प्रदान करेगा।

दिसम्बर 2028 के लिए फलादेश

इस माह अवधि में ग्रह, सितारें बड़े पैमाने पर आपके स्वास्थ्य को शुभ आशिर्वाद प्रदान कर रहे हैं। आपका शारीरिक तंत्र आपको पौष्टिक भोजन का पूरा लाभ प्रदान कर आपके मन और शरीर को असाधारण शक्ति और जीवन शक्ति प्रदान कर रहा है। यह आपकी उत्पादक शक्तियों का सबसे उत्तम प्रयोग होगा। अत्यधिक परिश्रम करने से आपके शारीरिक तंत्र पर आंशिक रूप से अनुचित दबाव पड़ सकता हैं। इस दबाव में कमी करने के लिए आप अपने कार्यों की एक अनुसूची तैयार कर उसके अनुसार कार्यों को पूर्ण करें तो आपके लिए हितकारी रहेगा। महीने भर आप सक्रिय और ऊर्जावान बने रहेंगे। तथा मानसिक और भावनात्मक प्रबलता आपको अतिरिक्त बोनस के रूप में प्राप्त होगी।

इस वर्ष मीन राशि के शनि एकादश भाव में रहेंगे। 25 नवम्बर तक कुम्भ राशि के राहु दशम भाव में रहेंगे औंर उसके बाद मकर राशिमें नवम भाव में गोचर करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में मिथुन राशि केगुरु द्वितीय भाव में रहेंगे और 2 जून को कर्क राशिमें तृतीय भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 31 अक्टूबर को सिंह राशिमें चतुर्थ भाव में प्रवेश कर जाएंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। वर्षारम्भ से 1 फरवरी तक शुक्र अस्त रहेंगे और अक्टूबर में भी 14 दिन के लिए अस्त होंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ बहुत उत्तम रहेगा। आप अपनी कार्य कुशलता एवं दक्षता के बल पर अपने व्यवसाय में बेहतरसफलता प्राप्त करेंगे। आपकी सफलता में आपको भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। बड़े अधिकारियों व वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा जिसका उचित लाभ उठाकर आप अपने व्यापार में कुछ नया करेंगेऔर आपको अच्छा लाभ होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों को अपने कार्यस्थल पर मान-सम्मान मिलेगा व अपने अधिकारियों की अनुकूलता प्राप्त होगी।

02 जून के बाद एकादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपको अपने कार्य क्षेत्र में बहुत अच्छा लाभ होगा। यदि आप साझेदारी में कार्य कर रहे हैं तो उसमें भी इच्छित लाभ प्राप्त होगा। भूमि से संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों को 31 अक्टूबर के बाद अच्छा लाभ मिलेगा। इस समय के अंतराल में इच्छित स्थान पर आपका स्थानान्तरण भी हो सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का पूर्वार्द्धबहुत उत्तम रहेगा। आपके धनागम में वृद्धि होगीजिससे आप इच्छित बचत करके आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बना सकते हैं। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपको रत्न आभुषण इत्यादि का भी सुख प्राप्त होगा। अष्टम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से पैतृक सम्पत्ति, या ससुराल से धन प्राप्त होने का प्रबल योग बन रहे हैं।

02 जून के बाद एकादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी आय के स्रोतों में बढोत्तरी होगी। इस समय अंतराल में आपको अचानक धन लाभ होगा। 31 अक्टूबर के बाद भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख भी प्राप्त हो सकता है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। वर्षारम्भ में द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। परिवार में एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना बनने के कारण सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। आपको भाइयों का

पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। चतुर्थ स्थान का केतु आपके पारिवारिक माहौल को भंग करने की कोशिश करेगा, परन्तु आप अपने बुद्धि-विवेक से उसे भी अनुकूल कर लेंगे।

02 जून के बाद आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिबिधियों मेंबढ़ चढ़ के भाग लेंगे और सामाजिक उत्थान के लिए आप किसी संस्था का संचालन भी कर सकते हैं। समाज में आपका अपना एक अलग व्यक्तित्व होगा। 31 अक्टूबर के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है उस समय आपके परिवार में सुख शान्ति का वातावरण छा जाएगा।

संतान

संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल है। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। शिक्षा के प्रति उनकी रूचि बढ़ेगी। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। संतान के इच्छुक व्यक्तियों के लिए गर्भाधान का शुभ समय चल रहा है।

02 जून से आपकी दूसरी संतान के लिए समय शुभ हो रहा है। यदि आप का दुसरा बच्चा विवाह के योग्य है। तो विवाह हो जाएगा। इस समय के अंतराल में आपके बच्चों के साथ आपका भावानात्मक लगाव बढ़ेगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्धउत्तम रहेगा। आपकी शारीरिक ऊर्जा व कार्य क्षमता में वृद्धि होगी। पूर्ण रूप से शारीरिक आरोग्यता बनी रहेगी। शारीरिक अनुकूलता बनाये रखने के लिए आप संतुलित आहार एवं नियमित व्यायाम करते रहेंगे। गुरु ग्रह की अनुकूलता के कारण शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे। आपके अंदर अच्छे विचार आएंगे और आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगे।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद आप छोटी-मोटी बीमारियों के कारण परेशान हो सकते हैं। लग्न स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि आलस्य की भावना उत्पन्न कर सकती है। उस समय आपको परहेज की ज्यादा जरूरत होगी। खान-पान के साथ साथ आपको अपनी दिनचर्या पर विशेष ध्यान देना चाहिए। सुबह सुबह व्यायाम के साथ योगाभ्यास भी करना चाहिए। समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली को बेहतर बनाने की कोशिश करें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा, षष्ठ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आप प्रतियोगिता परीक्षा में सबसे आगे रहेंगे। कुछ अनुभवी व्यक्तियों से मिलकर आप अपनी कार्यशैली में सुधार लाएंगे, सरकारी अफसरों और वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपको कार्यों में लाभ प्राप्त हो सकता है।

02 जून के बाद तकनीकि शिक्षा या व्यवसाय के लिए समय अच्छा हो रहा है। शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारणबेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने की संभावना बन रही है।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में कोइ विशेष यात्रा का योग नहीं बन रहा है, परन्तु 02 जून के बाद तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपकी छोटी-मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होती रहेंगी। धार्मिक यात्रा के लिए भी समय काफी अच्छा है।

31 अक्टूबर के बाद आप परिवार के साथ अपनी जन्म भूमि की यात्रा करेंग या पयर्टन स्थल व दार्शनिक स्थलों की यात्रा कर आनन्द प्राप्त करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। ईश्वर के प्रति आपके मन में अटूट विश्वास बना रहेगा। 2 जून के बाद नवम स्थान पर गुरुके दृष्टि प्रभाव से आप कोई विशेष पूजा-पाठ यज्ञ,अनुष्ठान संपन्न करेंगे। धार्मिक कार्य, गरीबों को दान एवं तीर्थ यात्रा कर अत्यधिक पुण्यार्जन भी करेंगे, जिससे आपको मानसिक शान्ति एवं आत्मिक सुख की अनुभूति होगी। 31 अक्टूबर के बाद अपने परिवार में सुख शान्ति या समृद्धि प्राप्ति के लिए हवन व कोई धार्मिक कार्य भी संपन्न करेंगें।

- स्फटिक श्रीयन्त्र घर में स्थापित करें एवं उसके सामने नित्य दीपक जलाएं।
- बुधवार के दिन गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं एवं ऊँ गं गणपतये नमः इस मन्त्र का पाठ करें।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीस का पाठ करें।

मासिक फलादेश

जनवरी 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा अतः इस समय शत्रु पक्ष से आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे तथा आपके लिए वे अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी तथा अनावश्यक व्यय भी होगा एवं शुभ कार्यो में विध्न बाधाएं भी उत्पन्न होंगी। आपकी आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा तथा इसके अनुपालन में भी उपेक्षा का भाव रखेंगे। आप इस समय शरीर से भी अस्वस्थ रहेंगे एवं कई प्रकार से कष्ट भी प्राप्त करेंगे जिससे आपकी शारीरिक शक्ति में अल्पता आएगी। इस मास में आप दूर की किसी यात्रा को भी संम्पन्न कर सकते है। सांसारिक कार्यो में भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन व्यय होगा अतः मानसिक रूप से भी आप असन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोष से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। इस समय किसी प्रकार का रक्त विकार भी हो सकता है तथा अग्नि आदि से भी आप धन हानि प्राप्त कर सकते है। अतः सतर्कता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें जिससे अनावश्यक कष्ट तथा बाधाएं उत्पन्न न हों।

फरवरी 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्यवर्द्धक रहेगा। इस समय आप मात्रा में लाभार्जन करेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय से सम्पन्न हो जाएंगे। इस मास आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न हो सकता है। संतति पक्ष से भी आप सुखी रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपकी श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इस समय समाज में आपका यश दूर दूर तक फैलेगा तथा भाग्योदय संबधी कार्य शीघ्र सम्पन्न होते रहेंगे। आपकी बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी करेंगे।साथ ही उच्चाधिकारियों से मान एवं सम्मान अर्जित करेंगे तथा बन्धु एवं मित्रों से अत्यंत ही मधुर संबध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे। इस प्रकार सम्पूर्ण मास विविध प्रकार के सुखों को उपभोग करते हुए व्यतीत करेंगे तथा समाज से यश भी अर्जित करेंगे।

मार्च 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने कार्य क्षेत्र में विशेष सफलता तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही आपके अधिकारी तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप पदोन्नति के अधिक अवसर प्राप्त करेंगे। बन्धु तथा मित्र वर्ग से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगे तथा उनकी भलाई के कार्यो के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगे। आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपकी ख्याति भी दूर दूर तक व्याप्त रहेगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभार्जन होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस महीने आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति भी कर सकते है तथा आपकी मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से भी पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप अन्य प्रकार से सुख तथा ऐश्वर्य अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा सुख पूर्वक इस मास को व्यतीत करेंगे।

अप्रैल 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा इस समय स्त्री वर्ग से आपको पूर्ण लाभ प्राप्त होगा तथा आपके सौभाग्य में भी वृद्धि होगी। जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथासमय सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट तथा शान्त रहेंगे। साथ ही सरकार तथा उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप उचित लाभ एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय उत्तम रहेगा एवं ज्ञानार्जन के क्षेत्र में भी आप रूचिशील रहेंगे तथा इसको प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग से भी आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति करेंगे तथा प्रसन्नता पूर्वक इनका उपभोग करेंगे संतति पक्ष से भी आप सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। सामाजिक जनों के मध्य आप इस समय मान सम्मान प्राप्त करेंगे तथा आपके विलम्बित कार्य भी इस समय पूर्ण होंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से वांछित सहयोग तथा लाभार्जन करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं प्रचुर मात्रा में धन तथा सुख प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस मास में आप धर्मानुपालन में भी प्रवृत रहेंगे एवं समाज में यथोचित प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

मई 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए मध्यम रहेगा। अतः इस समय आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। आप का इस मास में व्ययाधिक्य रहेगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी

प्राप्त होगी। साथ ही स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अपने ही परिश्रम से सिद्ध हो सकेंगे फिर भी आपको पूर्ण सन्तुष्टि नहीं मिलेगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव नहीं रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि के योग बनेंगे। मित्रों एवं संबधियों के मध्य आपके संबधों में तनाव रहेगा तथा इनसे आवश्यक सुख तथा सहयोग भी नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उसमें अनावश्यक विध्न बाधाएं उत्पन्न होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। शत्रुओं से भी आपके हृदय में नित्य चिन्ता तथा भय का वातावरण बना रहेगा। साथ ही महत्वपूर्ण कार्यो में भी मनोवांछित सिद्धि नहीं मिलेगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप अपने श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग अर्जित करेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी उन्नति के अवसर बनेंगे। इस मास में आपकी यात्रा भी हो सकती है। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्रों या वस्तुओं को भी आप अर्जित करने में सफल रहेंगे।

जून 2026 के लिए फलादेश

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुओं को पराजित करने में आप सफल रहेंगे साथ ही आपके लाभ मार्ग भी प्रशस्त रहेंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप इस मास में धनार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके प्रतीक्षित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सहयोग तथा सुख भी अर्जित होगा। इस समय सासारिक कार्यो को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा इनसे आपको यथोचित सहयोग तथा आदर प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं संतति से पूर्ण रूप से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा धन लाभ भी प्रचुर मात्रा में होता रहेगा। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा एवं समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। अतः यह मास आपके लिए शुभ रहेगा।

जुलाई 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही समाज से भी आप उचित मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं अपने कई शुभ एवं

महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप मिष्ठान अधिक मात्रा में भ क्षण करेंगे।साथ ही आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक बल में वृद्धि होगी। इस समय आपके शत्रु क्षीण रहेंगे अतः उनका दमन करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके साथ ही व्यापार आदि कार्यो से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित होगी जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी अतः आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा।

अगस्त 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विभिन्न प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करने के लिए तत्पर रहेंगे साथ ही अन्य जनों की भलाई के लिए भी आप इस मास में कार्य करते रहेंगे। इस समय स्वास्थ्य भी सामान्य ही रहेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे जिससे समाज में आपको पूर्ण ख्याति प्राप्त होगी। मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होगी। जिससे आप मानसिक सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में अशुभ फल भी होंगे।अतः आप गर्मी या पित्तादि से उत्पन्न दोषों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही किसी प्रकार से रूधिर विकार की संभावना भी हो सकती है अतः शारीरिक सुरक्षा का पूर्ण ध्यान रखें तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें जिससे कष्ट अल्प मात्रा में हों।

सितम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथापि न्यूनाधिक रूप से आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति करगें। आपके शत्रु भी इस मास प्रबल रहेंगे फलतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप असन्तुष्ट तथा अशान्त रहेंगे। इस समय आपके व्यापार या आजिविका संबधी कार्य में शिथिलता आएगी तथा इनसे आपको पूर्ण लाभ नहीं होगा। साथ ही आपका कोई कार्य बन्द हो सकता है या उसमें किसी प्रकार का परिर्वतन हो सकता है। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से आपका

परस्पर वाद विवाद भी हो सकता है। जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। इसके अतिरिक्त धन हानि का भी योग बनता है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

परन्तु अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी अवश्य अर्जित करेंगे। अतः स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा इनसे आप सन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि की भी प्राप्ति करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार आपके लिए यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

अक्तूबर 2026 के लिए फलादेश

इस मास में आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी। अतः आपके अधिकाशं शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य स्वबुद्धि बल से ही सम्पन्न होंगे। इस समय आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे तथा पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इस मास में आप ज्ञानार्जन करने में भी सफल रहेंगे। साथ ही प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को हृदय से स्वीकार करेंगे। इस मास में आपके अधिकाशं शुभ कार्य सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको मानसिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप यथोचित लाभार्जन करने में सफल रहेंगे एवं समाज से भी आप पूर्ण मान प्रतिष्ठा अर्जित करेंगे। अतः मन से भी सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही शुभ फलों के साथ साथ इस मास में आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप वायु द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा इसके लिए आप पश्चाताप करेंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप धन हानि को प्राप्त कर सकते है। अतः यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा।

नवम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। फलतः शरीर में कमजोरी रहेगी। इस मास में आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे वे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे। फलतः आप उनसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। साथ ही नौकरी या व्यवसाय में उच्चाधिकारी वर्ग की पूर्ण रूप से आज्ञा का पालन करें अन्यथा आपको किसी भी प्रकार से दण्डित भी किया जा सकता है। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में न्यूनता आऐगी। आपके मित्रों एवं संबधियों से भी इस मास तनाव पूर्ण संबध रहेंगे

तथा मनोकामनाएं भी अल्प मात्रा में पूर्ण होगी। इस समय मान हानि का भी योग बनता है अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

इसके साथ ही इस मास में आप वायुजनित रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे तथा आग के द्वारा भी आपको धन हानि हो सकती है। अतः आपको पूर्ण रूप से सतर्क होकर अपना समय व्यतीत करना चाहिए।

दिसम्बर 2026 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय आप स्त्री तथा बन्धु वर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे अथवा इनको किसी प्रकार का कष्ट हो सकता है। साथ ही शत्रु पक्ष भी प्रबल रहेगा जिससे वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे अतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस समय आपमें उत्साह के भाव की अल्पता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। जिससे आप आर्थिक संकट भी प्राप्त कर सकते है। आपके मन में इस मास में लोभ के भाव की बहुलता रहेगी तथा शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से संबधों में इस समय तनाव रहेगा तथा मित्र भी शत्रुओं की तरह व्यवहार करेंगे। अतः हृदय से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही पारिवारिक तथा अन्य सामाजिक जनों से भी परस्पर वाद विवाद होते रहेंगे अतः संयम पूर्वक समय को व्यतीत करना चाहिए जिससे अनावश्यक कष्ट न हों।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगे। इससे आप स्त्री एवं पुत्र से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं इनसे आप पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इसके साथ ही इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मीनस्थ शनि एकादश भाव में रहेंगे और 3 जून को मेष राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 03 अक्टूबर को फिर से मीन राशि एवं एकादश भाव में आजाएंगे। मकर राशि के राहु इस वर्ष नवम भाव में रहेंगे। वक्री गुरु 25 जनवरी को कर्क राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 26 जून को सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे और फिर से अतिचारी होकर 26 नवम्बर को कन्या राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश कर जाएंगे। 26 अप्रैल से 5 जुलाई तक मंगल वक्री होकर सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे। 21 जुलाई से 7 सितम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध शुभ फलदायी रहेगा। शनि ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके कार्य व्यवसाय में अनुकूलता बनी रहेगा। बड़े अधिकारी या अनुभवी लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। व्यवसाय में कुछ विशेष वनया करने के अवसर भी मिलते रहेंगे परन्तु इस समय के अंतराल में व्यापार में विस्तार न करें। जितना आपसे हो सके उतना ही कार्य करें नहीं तो वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपसे नुकसान हो सकता है। गुरु ग्रह के गोचर के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नती के साथ-साथ स्थान परिवर्तन भी हो सकता है।

03 जून के बाद शनि ग्रह का गोचर द्वादश भाव में हो रहा है। उस समय आपका कार्य व्यवसाय कुछ प्रभावित हो सकता है। आपके प्रतिद्वंदी आपका विरोध कर सकते हैं या शत्रुओं द्वारा आपके कार्य में रुकावट डालने की चेष्टा की जा सकती है। अतः बिना किसी पर विश्वास किये आत्मविश्वास के साथ कार्य करते रहें, क्योकि 03 अक्टूबर के बाद समय फिर से अनुकूल हो रहा है। उस समय आपके सारे विरोधी शान्त होंगे और आपको कार्य-व्यवसाय मेंसफलता भी मिलेगी।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण सेयह वर्ष अच्छारहेगा।एकादश स्थान केशनि धनागम में निरंतरता बनाए रखेंगे। व्यापारिक अनुकूलता के कारण आपकी आर्थिक स्थिति में वृद्धि हो सकती है। पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। धनादि संचित करने में आपको भाईयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। निवेश के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध शुभ रहेगा। मांगलिक कार्यों में या समाजिक कार्यों में भी आपका पैसा खर्च हो सकता है।

03 जून से 03 अक्टूबर के मध्य समय किंचित प्रभावित हो रहा है। अतः इस समय के अंतराल में कोई बड़ा निवेश न करें या किसी को उधार पैसे न दें। कोई आर्थिक निर्णय लेने से पहले उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें नही तो आपका पैसा फंस सकता है। 03 अक्टूबर के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है। उस समय भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख प्राप्त होगा। वर्षान्त में गुरु ग्रह का गोचर पंचम स्थान में होगा, जिसके प्रभाव

से सट्टा लॉटरी या शेयर बजार से भी आप को धन लाभ हो सकता है।

घर-परिवार, समाज

सामाजिक दृष्टिकोण से वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। सामाजिक गतिबिधियों में आप बढ़-चढ़ कर भाग लेंगे। पारिवारिक रूप से वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा।

26 जून से चतुर्थ स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका घरेलू वातावरण अनुकूल रहेगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। माता पिता सहित पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष से संबंध मधुर होंगे। 26 नवम्बर के बाद संतान पक्ष के लिए समय काफी अनुकूल हो रहा है।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत अच्छा नहीं रहेगा। पंचम स्थान पर शनि एवं राहु ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से संतान संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। उनकी शिक्षा-दीक्षा में भी व्यवधान आ सकता है। सन्तान का लक्ष्य प्राप्ति के लिए लगातार परिश्रम भी मनचाहा परिणाम नहीं देगा परन्तु आपके दूसरे बच्चे के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा है। यदि वह विवाह के योग्य हैं तो विवाह निश्चित है।

जून के बाद समय काफी अच्छा हो रहा है। उस समय आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। 26 नवम्बर के बाद गुरु ग्रह का गोचर पंचम स्थान में हो रहा है। संतान इच्छित दम्पतियों के लिए गर्भाधान का शुभसमय है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध उत्तम रहेगा। वर्ष के पूर्वार्द्ध में शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि के प्रबल संकेत हैं। मानसिक शांति, प्रसन्नता एवं सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा परन्तु शनि ग्रह के गोचर के बाद आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है।

03 जून के बाद द्वादश स्थान में शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आप बीमार हो सकते है। सुबह जल्दी उठ कर घूमना या व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। 26 नवम्बर के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके अंदर रोग प्रतिरोधक शक्ति विकसित होगी, जिससे आपकी स्वास्थ्य संबंधित परेशानी दूर हो जाएंगी और आप पूर्ण रूप से स्वस्थ्य रहेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा रहेगा। आप प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे। इन्जीनीयरिंग या हार्डवेयर से संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए यह समय श्रेष्ठ है।

जून के बाद विद्यार्थियों का शिक्षा के प्रति रूझान बढ़ेगा। द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर अपने करियर में उन्नति करेंगे। 26 नवम्बर के बाद पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय बहुत अच्छा है।

यात्रा-तबादला

वर्ष के पूर्वार्द्ध में तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से छोटी यात्राओं के साथ-साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी। नवमस्थ राहु के प्रभाव से आपकी अधिकांश यात्रा अचानक होंगी। पूर्व से निधारित यात्रा प्रायः निरस्त होंगी।

26जून के बाद अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपनी जन्मभूमि की यात्रा हो सकती है। द्वादशस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी विदेश यात्रा होने के प्रबल योग बन रहे हैं।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अनुकूल है। वर्ष के पूर्वार्द्ध में नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप पूजा पाठ में विशेष रूचि लेंगे। नियमित रूप से अपनी दैनिक पूजा करते रहेंगे। जून के बाद द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त गोचरीय प्रभाव से आप दान पुण्य अधिक करेंगे। अष्टम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से तन्त्र, यन्त्र एवं मन्त्र के प्रति आप का विश्वास बढेगा और चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से घरेलू सुख, शान्ति एवं समृद्धि प्राप्ति के लिए हवन, ग्रह शान्ति या अन्य कोई पूजा संपन्न करेंगे।

- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दें। (तांबे के लोटे में चावल डाल कर)
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें और शनि मन्त्र का पाठ करें।
- संध्या के समय पीपल वृक्ष के नीचे चौमुखी दीपक जलाएं।

मासिक फलादेश

जनवरी 2027 के लिए फलादेश

इस मास में आप सामान्यतया शुभाशुभ फलों को अर्जित करेंगे इस समय आप शत्रुओं से अनावश्यक रूप से चिन्तित एवं भयभीत रहेंगे तथा घर में किसी प्रकार की चोरी आदि होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक रूप से आप परेशानी की अनुभूति करेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा का भाव अल्प मात्रा में रहेगा इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे इससे आप में दुर्बलता भी आएगी। इस मास में आप दूर समीप की यात्राएं भी करेंगे।साथ ही अपने सांसारिक कार्यो को सम्पन्न करने में आपको कठिनाई का सामना करना पड़ेगा इस समय मुकद्दमे आदि में भी धन का व्यय हो सकता है। अतः संयमपूर्वक इस समय को व्यतीत करें अन्यथा कई प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो सकती है।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप स्त्री का पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा उससे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होगा। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता की वृद्धि होगी तथा धन लाभ एवं सुखार्जन करने में भी आप न्यूनाधिक सफलता अर्जित करेंगे। साथ ही समाज में आप यश भी प्राप्त करेंगे।

फरवरी 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए पूर्ण रूप से शुभ फलदायक रहेगा। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे पूर्ण प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे तथा आप किसी सम्मानीय पद को प्राप्त करने में भी सफल होंगे। इस मास में आपका धनार्जन प्रचुर मात्रा में होगा तथा सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके घर में कोई धार्मिक कार्यक्रम सम्पन्न होने की संभावना रहेगी। साथ ही स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा यथाशाक्ति आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगे। समाज में इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा अधिकाशं भाग्योदय संबधी कार्य भी इसी समय सम्पन्न होंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा लाभदायक यात्राओं का भी योग बनेगा इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे वांछित सहयोग एवं सुख प्राप्त करेंगे। इस प्रकार इस समय सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से मनोवांछित सहयोग तथा सुख की प्राप्ति करेंगे तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करके अन्य स्त्रोतों से भी धनार्जन तथा सुख संसाधन अर्जित करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन

करेंगे। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

मार्च 2027 के लिए फलादेश

इस महीने में आप अपने कार्यक्षेत्र में आशातीत उन्नति तथा लाभ अर्जित करने में पूर्ण सफल रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग तथा वरिष्ठ सहयोगी भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे फलतः आपकी पदोन्नति की संभावना बढ़ेगी।बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सुख अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा उनकी भलाई के लिए कार्यों को करने में तत्पर रहेंगे। साथ ही आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सफल होंगे। जिससे मानसिक रूप से प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा निष्ठापूर्वक आप इनकी पूजा एवं सेवा करते रहेंगे। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा दूर दूर तक आपका यश फैलेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी लाभयोग बनते रहेंगे। इस मास में आप नवीन गृह या स्थान की प्राप्ति करने में भी सफल हो सकते हैं। इसके अतिरिक्त विगत असफल अशाओं को पूर्ण करने में भी इस समय आपको सफलता प्राप्त होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण लाभार्जन तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में भी इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में लाभ तथा सुखार्जन में भी सफलता प्राप्त करेंगे।अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा भाग्यशाली सिद्ध होगा।

अप्रैल 2027 के लिए फलादेश

इस मास को आप अत्यन्त ही सुख एवं आनन्दपूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय स्त्रीवर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा।साथ ही सौभाग्य से भी युक्त रहेंगे ।अतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे तथा आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा। इस समय अध्ययन या ज्ञानार्जन में आपकी रूचि उत्पन्न होगी तथा इस में आप सफल भी होंगे।मित्रों तथा संबंधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे भी यथोचित सुख सम्मान एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा।साथ ही मनोच्छित द्रव्य पदार्थों की भी आपको इस मास में लाभ होने की सम्भावना रहेगी।संततिपक्ष से आप निश्चिन्त रहेंगे तथा उनसे आपको पूर्ण सुख प्राप्त होगा। समाज में आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा असफल आशाओं में भी सफलता अर्जित करने में आप सफल रहेंगे।फलतः आप मानसिक रूप से भी प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी सम्पन्न कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त नवीन वस्त्र या द्रव्यों की भी आपको इस समय उपलब्धि हो सकती है।अतः यह मास आपके लिये अत्यन्त ही शुभ एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा।

मई 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिये मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फल आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुर्जनों की संगति में सम्मिलित होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। साथ ही अत्यन्त परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अल्प मात्रा में सिद्ध करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का ही भाव अधिक रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी धन हानि या व्यय के योग बनेंगे। इस मास में मित्रों तथा संबधियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा आपस में मन मुटाव तथा तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। नौकरी या व्यापार आदि में भी इस समय अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी एवं शत्रुपक्ष से भी भय एवं चिन्ता का भाव रहेगा। जिस कार्य को भी आप इस मास में सम्पन्न सम्पन्न करना चाहेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।अतः इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगे।

परंतु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे।अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा बुद्धिमता से आपके कार्य सम्पन्न होंगे तथा अन्य प्रकार से भी सुखी रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति अपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक कार्य क्रम को भी आप सम्पन्न कर सकते हैं।

जून 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष निर्बल रहेगा साथ ही लाभ मार्ग भी उन्नति की ओर अग्रसर रहेंगे। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। फलतः आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। सामाजिक जनों तथा मित्रवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनके मध्य आपकी प्रतिष्ठा में आशातीत वृद्धि होगी।उच्च उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे तथा उनसे उचित सहयोग तथा लाभ भी अर्जित करेंगे। इस मास में आपका भाग्य प्रबल रहेगा तथा शुभ कार्य यथासमय सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त समस्त सांसारिक कार्यो को सिद्ध करने में आप सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा स्त्री वर्ग से भी सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता रहेगी तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके आप सुख एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में आप रूचि रखेंगे तथा समाज एवं बन्धुवर्ग से यथोचित सम्मान भी प्राप्त करेंगे।

जुलाई 2027 के लिए फलादेश

यह मास आप सुख तथा शान्ति पूर्वक व्यतीत करेंगे परन्तु यदा कदा शारीरिक रूप

से अस्वस्थ भी रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह एवं पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाएंगे। साथ ही समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा इनसे यथोचित मान सम्मान भी अर्जित करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग से भी आपको अनुकूल सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा। इस मास में आप मिष्ठान का उपयोग अधिक मात्रा में करेंगे।साथ ही आपका शत्रु वर्ग आपसे पूर्ण रूप से प्रभावित तथा भयभीत रहेगा एवं आपका सामना करने में वे असफल रहेंगे। इस समय स्त्री से भी आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यो के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे तथा सम्पूर्ण मास सुख पूर्वक व्यतीत करेंगे।

साथ ही इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फलों की भी प्राप्ति होगी।अतः आप गर्मी या पित्त द्वारा उत्पन्न होने वाले रोग से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगे तथा किसी प्रकार से रक्त विकार का योग भी बन सकता है। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा पर पूर्ण ध्यान दें तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

अगस्त 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए उत्तम फल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी विविध सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज से आपको उचित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनका पूजन तथा सत्कार भी आप करते रहेंगे तथा समाज में दूसरे लोगों के परोपकार के लिए भी आप कार्यो को सम्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे फलतः आपके यश में वृद्धि होगी तथा पदोन्नति की संभावना बनेगी। साथ ही भाई बहिनों से आप इस समय वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प तथा मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी जिससे आप हृदय से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे ।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आपको नवीन वस्त्रों या द्रव्यों की उपलब्धि भी हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए पूर्णतया सुख शान्ति एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला सिद्ध होगा।

सितम्बर 2027 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु पक्ष से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। पारिवारिक जनों से भी आपके परस्पर संबध मधुर नहीं रहेगे अतः तनाव का वातावरण रहेगा। आपके व्यापार या कार्य क्षेत्र में इस मास मन्दी आ सकती है तथा स्थान परिर्वतन का योग भी

बनता है ।साथ ही अस्थाई कार्य यदि कोई हो तो वह छूट सकता है। समाज में लोगों से इस मास आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे फलतः सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग उत्पन्न हो सकते है तथा अनावश्यक रूप से भी धन व्यय होगा फलतः आप यदाकदा दुःखी रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप वात या ठण्ड से उत्पन्न होने वाले रोगों से भी पीड़ित हो सकते हैं। इस समय आप किसी ऐसे कार्य करने के लिए प्रवृत होंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। साथ ही समाज में भी आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी धन हानि का योग बनता है अतः सम्पूर्ण मास सावधानी पूर्वक अपने क्रिया कलापों को सम्पन्न करें।

अक्तूबर 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल प्रदाता रहेगा तथा अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से होते रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिबल से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप पुत्र से सुख प्राप्त करेंगे तथा अन्य प्रकार से भी लाभ अर्जित करेंगे। आपके सामाजिक प्रभुत्व में भी इस समय वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करके आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। इस मास में आपके महत्वपूर्ण कार्य पूर्ण होंगे तथा कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना भी उत्पन्न होगी तथा नियम पूर्वक इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप अनुकूल एवं वांछित सहयोग तथा सम्मान भी अर्जित करेंगे जिससे आपकी प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से भी आप मुक्त होंगे।

परन्तु शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे।अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी एवं आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार की धन हानि को प्राप्त करेंगे। अतः सोच समझकर अपने सभी कार्यों को सम्पन्न करें।

नवम्बर 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए शुभ की अपेक्षा अशुभ ही अधिक रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा साथ ही शत्रु पक्ष के बलवान होने से आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मन में अशान्ति रहेगी। इस मास में आपके घर में चोरी होने की भी संभावना रहेगी। साथ ही ऐसे समय में उच्चाधिकारी वर्ग की भी उपेक्षा न करें एवं उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करें अन्यथा आपको दण्डित भी किया जा सकता है। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस समय अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा असफलता अधिक मिलेगी। साथ ही इस समय धन का व्यय भी अधिक मात्रा में करेंगे अतः न्यूनाधिक आर्थिक संकट भी बना रहेगा।

इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न कर सकते है जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इस समय आपके मित्र तथा संबधियों से मधुर संबध अल्प रहेंगे तथा तनाव अधिक रहेगा तथा आप सामाजिक उपेक्षा भी प्राप्त करेंगे एवं आपकी आशाएं भी अपूर्ण ही रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही इस मास में नवीन वस्त्र या द्रव्य भी अर्जित करने में सफल हो सकते है। इससे आप अल्प मात्रा में मानसिक सन्तुष्टि तथा शान्ति प्राप्त कर सकेंगे।

दिसम्बर 2027 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए काफी अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आप स्त्री पक्ष तथा बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगे साथ ही आपके शत्रु भी बलवान होंगे जिससे आप उनसे भी भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में न्यूनता रहेगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे एवं मन में लोभ के भाव की प्रबलता रहेगी। मित्रों एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा जिसके कारण आपके मित्र भी शत्रु की तरह व्यवहार करेंगे। फलतः मानसिक रूप से आप अत्यंत ही अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य सामाजिक जनों से भी समय समय पर वाद विवाद तथा संघर्ष होते रहेंगे जिससे समाज में भी सम्मान में अल्पता आएगी। अतः सोच समझकर अपना समय व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित्त दोषों से अस्वस्थ होंगे फलतः शरीर में निर्बलता रहेगी। इस समय रूधिर विकार भी हो सकता है अतः सावधानी पूर्वक रहें एवं दुर्घटनाओं की उपेक्षा करें। इसके अतिरिक्त इस समय आग के द्वारा भी आपकी क्षति हो सकती है। अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा।

वर्षारम्भ में मीन राशि के शनि एकादश भाव में रहेंगे और 23 फरवरी को मेष राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। राहु वर्ष के शुरु में मकर राशि एवं नवम भाव में रहेंगे और 24 मई को धनु राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में कन्या राशि के गुरु पंचम भाव में रहेंगे और वक्री होकर 28 फरवरी को सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 24 जुलाई को कन्या राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 28 मई से 6 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष का प्रारंभ व्यावसायिक उन्नति के साथ होगा। कोई नया कार्य आरम्भ करेंगे और उसमें आपको सफलता भी मिलेगी। उच्च अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा साथ ही किसी बड़ी कंपनी के साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों की पदोन्नति भी हो सकती है। 28 फरवरी से 24 जुलाई तक समय प्रतिकूल हो रहा है। गुप्तशत्रु या विरोधियों द्वारा आपके कार्यों में व्यवधान डाला जा सकता है।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद आप अपनी कार्य कुशलता एवं दक्षता के बल पर व्यावसायिक जीवन की समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में अपने कर्मचारियों पर निगाह रखें ।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष के प्रारम्भ में धनागम के स्रोतों में वृद्धि होगी। नये व्यापार से भी शीघ्र लाभ होने के योग हैं। साथ ही फंसे हुए धन या रुके हुए धन की प्राप्ति हो सकती है। धार्मिक यात्रा या मांगलिक कार्यों में धन व्यय करेंगे। फरवरी से जून तक समय कुछ प्रभावित रहेगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में कुछ खर्च से आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। ऋण इत्यादि भी बढ़ सकता है। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा बनाने वाले तरीकों पर अंकुश लगाएं। गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण सामान्य काम काज पर असर नहीं होगा। परन्तु आर्थिक कमी महसूस होती रहेगी। मांगलिक कार्य व पुत्रादि के विवाह अवसर पर भी धन का व्यय हो सकता है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। यदि आप विवाह योग्य हैं तो विवाह होने की सम्भावना है। प्रेम संबंधों में मधुरता बढ़ेगी। भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा। 28 फरवरी के बाद मातुल पक्ष के साथ वैचारिक मतभेद हो सकता है। माता के लिए समय शुभ रहेगा परंतु पिता के लिए यह समय अच्छा नहीं रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

24 जुलाई के बाद समय अच्छा हो रहा है। नवविवाहिताओं को संतान की प्राप्ति हो

सकती है। पारिवारिक वातावरण अनुकूल बना रहेगा। यह समय बड़े भाई तथा मित्रों से लाभ का योग बना रहा है। घर के वातावरण में प्रेम, आपसी समन्वय व प्रसन्नता का संचार होगा। सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत है।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए उत्तम रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी। वे अपनी बुद्धि एवं विवेक के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। संतान की इच्छा रखने वाली महिलाओं के लिए गर्भ धारण का अच्छा समय है। परन्तु 28 फरवरी से 24 जुलाई तक समय प्रभावित रहेगा। ये समय आपके संतान की तरक्की में बाधक हो सकता है। दूसरी संतान के लिए समय सामान्य रहेगा।

जुलाई के बाद आपके बच्चों के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में भी प्रगति होने के शुभ योग बनेंगे। उनके पराक्रम में भी वृद्धि होगी। आपको अपने बच्चों पर अभिमान होगा।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अतिउत्तम रहेगा। लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी। मानसिक शान्ति एवं शारीरिक आरोग्यता बनी रहेगी। आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे। 23 फरवरी के बाद शनि का गोचर प्रतिकूल होने के कारण मौसमजनित बीमारियों से आप परेशान हो सकते हैं।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में शनि एवं राहु का गोचर एक साथ प्रतिकूल होने के कारण स्वास्थ्य में उतार-चढाव की स्थिति बनी रहेगी। पंचमस्थ गुरु शारीरिक आरोग्यता अनुकूल रखने का पूर्ण प्रयास करेंगे फिर भी चोट या दुघर्टना की स्थिति बन सकती है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विद्यार्थियों के लिए वर्ष का प्रारम्भ श्रेष्ठ रहेगा। परन्तु 23 फरवरी के बाद समय किंचित प्रभावित हो रहा है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध बहुत अच्छा नहीं रहेगा। शनि एवं राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण करियर व प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। व्यावसायिक रूप से भी समय अच्छा नही रहेगा।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में ही आपकी यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। छोटी-मोटी यात्राएं तो होती रहेंगी साथ ही नवमस्थ राहु पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से अचानक आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। 23 फरवरी के बाद विदेश यात्रा का भी योग बन रहा है। फरवरी के बाद चतुर्थस्थ गुरु के प्रभाव से मनोवांछित स्थान पर स्थानांतरण होने के योग बन रहे हैं। आप अपनी जन्मभूमि की यात्रा करेंगे अथवा माता के निवास स्थल का भ्रमण करेंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में यात्रा के दौरान आपको छोटी-मोटी परेशानियों का भी सामना करना पड़ सकता है क्योंकि राहु एवं शनि ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में आप धार्मिक कार्य अधिक करेंगे। पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से पूजा-पाठ यज्ञ अनुष्ठान व मन्त्र जाप के प्रति रूचि बढ़ेगी। फरवरी के बाद पारिवारिक सुख शान्ति के लिए भी आप अपने घर में हवन व कोई धार्मिक कार्य संपन्न करेंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप गुरु मन्त्र लेकर साधना भी कर सकते है। आप अपने से बड़े लोगों का सम्मान करेंगे।

- शनि मन्त्र का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का या काले कम्बल मजदूरों या गरीबों को दान करें।
- बुधवार या शनिवार के दिन चिड़ियों को दाना डालें।

वर्ष के पूर्वार्द्ध में मेष राशि के शनि द्वादश भाव में रहेंगे और 08 अगस्त को वृष राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर फिर से 05 अक्टूबर को मेष राशि एवं द्वादश भाव में आ जाएंगे। धनु राशि के राहु अष्टम भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में तुला राशि के गुरु छठे भाव में रहेंगे और वक्री होकर 29 मार्च को कन्या राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे और फिर से मार्गी होकर 25 अगस्त को तुला राशि एवं छठे भाव में आ जाएंगे। वक्री मंगल 27 जुलाई तक कन्या राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे। 15 फरवरी से 16 अप्रैल तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्षारम्भ में कार्य व्यवसाय की स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। शनि एवं गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण व्यवसाय में हानि भी हो सकती है। अतः इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें। द्वादशस्थ शनि के कारण आलस्य की भावना बनी रहेगी। गुप्त शत्रु एवं प्रत्यक्ष शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रुकावटें डाली जा सकती हैं। अष्टम स्थान का राहु अचानक आपके कार्यों में व्यवधान उत्पन्न कर सकता है। 29 मार्च के बाद गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण व्यापार में कुछ सुधार होगा। नौकरी करने वाले व्यक्तियों के लिए यह समय सामान्य रहेगा।

05 अक्टूबर के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। षष्ठस्थ गुरु एवं लग्नस्थ शनि के प्रभाव से व्यवसाय में उतार-चढ़ाव का योग बन रहा हैं। अतः इस समय के अंतराल में आपको अपने आत्मविश्वास को बनाए रखना चाहिए और बिना किसी पर विश्वास किये अपना कार्य करते रहना चाहिए। यदि आप साझेदारी में कार्य कर रहे हैं तो इच्छित लाभ नहीं मिलेगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ प्रतिकूल रहेगा। शनि एवं गुरु का गोचर अनुकूल नहीं होने के कारण आय के स्रोत प्रभावित होंगे जिससे आपकी आर्थिक स्थिति में बहुत ज्यादा सुधार नहीं होगा। अष्टमस्थ राहु के कारण अचानक आपकी आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। 29 मार्च के बाद एकादश स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से धन लाभ होगा। गुरु ग्रह के गोचर के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है।

जोखिम भरे कार्यों में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है। आप किसी को उधार पैसा न दें वापसी की उम्मीद कम है और अपने खर्च पर भी अंकुश लगाएं। शारीरिक बीमारी पर भी पैसा खर्च होगा।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ मिला-जुला रहेगा। द्वितीय स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से पारिवारिक अनुकूलता बनी रहेगी। परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी जिससे परिवार में खुशी का वातावरण बनेगा परन्तु आपके

मातुल एवं ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध अच्छा नहीं रहेगा। संतान संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। सामाजिक उन्नति के लिए भी समय बहुत अच्छा नहीं है।

29 मार्च के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है। उस समय आपको बड़े भाईयों का सहयोग मिलेगा। 05 अक्टूबर के बाद पत्नी के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं जिसका नकारात्मक प्रभाव आपके परिवार पर पड़ेगा। अतः उस समय के अंतराल में आपको अपने विवेक से काम लेना होगा।

संतान

संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल नहीं रहेगा। पंचम स्थान का मंगल गर्भवती स्त्रियों का गर्भपात करा सकता है। बच्चों को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है जिसके कारण आप मानसिक रूप से चिंतित रह सकते हैं। 29 मार्च के बाद पंचम स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके बच्चों की शिक्षा के प्रति रूचि बढ़ेगी। उनका अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश हो जाएगा। आपकी संतान विवाह योग्य है तो उनका विवाह भी हो सकता है। दूसरे बच्चे के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा।

25 अगस्त के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। आपके बच्चों की उन्नति में व्यवधान आ सकता है अतः मन को एकाग्र कर शिक्षा के प्रति ध्यान केन्द्रित करें। 05 अक्टूबर के बाद आपके दूसरे बच्चे के लिए समय ज्यादा खराब हो रहा है। उसके खान-पान पर विशेष ध्यान दें।

स्वास्थ्य

वर्ष के प्रारम्भ से ही स्वास्थ्य संबंधित परेशानियां होती रहेंगी। षष्ठस्थ गुरु के प्रभाव से पेट संबंधित परेशानी हो सकती है। घी या तली हुई वस्तु का सेवन कम करें। द्वादशस्थ शनि के कारण आप आलस्य व बीमारी जैसा अनुभव करेंगे। 29 मार्च के बाद लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके स्वास्थ्य में कुछ सुधार होगा।

25 अगस्त के बाद गुरु ग्रह का गोचर फिर से प्रतिकूल होने के कारण मौसमजनित बीमारियों से आप परेशान रह सकते हैं। अष्टमस्थ राहु अचानक आपका स्वास्थ्य प्रभावित कर सकते हैं। अतः अपना स्वास्थ्य अनुकूल रखने के लिए सुबह-सुबह व्यायाम या योगाभ्यास करना लाभप्रद रहेगा। शारीरिक व्याधि दूर करने के लिए अन्न दान भी कर सकते हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

छठे स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त गोचरीय प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता मिल सकती है परन्तु उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा नहीं है। द्वादशस्थ शनि के कारण पढ़ाई में आलस्य व शिक्षा में व्यवधान आता रहेगा परन्तु 29 मार्च के बाद पंचमस्थ गुरु के प्रभाव से समय काफी अनुकूल होगा। व्यावसायिक या तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए यह समय अच्छा रहेगा।

25 अगस्त के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपने लक्ष्य में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार प्रयास करना पड़ेगा। बेरोजगार जातकों को कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है।

यात्रा-तबादला

द्वादशस्थ शनि के प्रभाव से वर्षारम्भ में ही आपकी विदेश यात्रा होगी। 29 मार्च से 25 अगस्त तक आपकी लम्बी यात्राएं होंगी। अगस्त के बाद से छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी।

यात्रा के दौरान या वाहन चलाते सावधानी बहुत जरूरी है, क्योंकि अष्टम स्थान का राहु दुर्घटना का योग बना रहा है। यात्रा के अंतराल में आपका सामान भी चोरी हो सकता है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

मानसिक द्वंदता के कारण वर्षारम्भ में पूजा-पाठ कम ही कर पाएंगे परन्तु दान पुण्य खूब करेंगे। भण्डारा करना या किसी गरीब की सहायता करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। 29 मार्च के बाद मन्त्र जाप करेंगे। 05 अक्टूबर के बाद लग्न स्थान का शनि आपको बहुत ज्यादा आलसी बना सकता है जिससे आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित हो सकता है।

- माता-पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- शनिवार के दिन काला कम्बल गरीबों को दान करें। शनि मन्त्र का जाप करें।
- दुर्गा चालीसा का प्रत्येक दिन पाठ करें। दुर्गा बीसा कवच गले में धारण करें।

वर्षारम्भ में मेष राशि के शनि द्वादश भाव में रहेंगे और 17 अप्रैल को वृष राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे धनु राशि के राहु अष्टम भाव में रहेंगे और 04 फरवरी को वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे 25 जनवरी को गुरु वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 01 मई को तुला राशि एवं छठे भाव में गोचर करेंगे और फिर से मार्गी होकर 23 सितम्बर को वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में आ जाएंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे 27 सितम्बर से 18 नवम्बर तक शुक्र अस्त रहेंगे

व्यवसाय

वर्ष का प्रारम्भ कार्य व्यवसाय के लिए बहुत अच्छा नही रहेगा। व्यावसायिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में व्यवधान डाला जा सकता है। आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा शत्रुओं पर विजय प्राप्त करेंगे परन्तु 04 फरवरी के बाद राहु ग्रह का गोचर सप्तम स्थान में चण्डाल योग बना रहा है। इस समय आपको कार्य व्यवसाय में हानि हो सकती है। साझेदारी में कोई व्यापार कर रहे हैं तो असंतुष्ट रहेंगे और साझेदार के साथ संधंब भी खराब हो सकते हैं।

अप्रैल के बाद मुख्यतः सारे ग्रह प्रतिकूल हो रहे हैं फलस्वरूप आय के सारे मार्ग बन्द हो सकते हैं। अधीनस्थ कर्मचारी आपका साथ नहीं देंगे। अधिकारी आपको अनायास ही तंग कर सकते हैं।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आर्थिक उन्नति के लिए बहुत अच्छा नहीं है। व्यावसायिक स्थिति अनुकूल नहीं होने के कारण आय के सारे मार्ग प्रभावित होंगे। 04 फरवरी के बाद शारीरिक व्याधि दूर करने में भी आपका व्यय होगा। जोखिम भरे कार्य में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है। किसी को उधार पैसा न दें और खर्च पर भी अंकुश लगाए।

01 मई से समय और ज्यादा खराब हो रहा हैं। इस समय के अंतराल में आपके सारे ग्रह प्रतिकूल है अतः धोखा, हानि व आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। पत्नी के स्वास्थ्य पर भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। लोन इत्यादि भी लेना पड़ सकता है। विषम परिस्थितियों में आपको अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए और मां लक्ष्मी की उपासना करनी चाहिए।

घर-परिवार, समाज

दूसरे भाव में शनि एवं राहु के गोचरीय प्रभाव के चलते पारिवारिक मामलों के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा नहीं रहेगा। आपको पारिवारिक मामलों में बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता बनी रह सकती है। छोटी-छोटी बातों पर झगड़े या विवाद मे नहीं पड़ना चाहिए और वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए,

नहीं तो आपकी प्रतिक्रिया पारिवारिक वातावरण के लिए अच्छी नहीं रहेगी। मातुल एवं ससुराल पक्ष के लोगों के साथ आपका संबंध अच्छा नहीं रहेगा।

04 फरवरी के बाद धर्मपत्नी के साथ आपके वैचारिक मतभेद उत्पन्न होंगे। यदि आपकी किसी के साथ मित्रता या साझेदारी है तो उसमें दरार आ सकती है। या उनके साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं। सामाजिक पद-प्रतिष्ठा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। मई के बाद आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक स्थिति को लेकर मानसिक परेशानी बनी रहेगी।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ आपकी संतान के लिए सामान्य रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी परन्तु उसके लिए उनको अथक परिश्रम करना पड़ेगा। प्रथम संतान के विषय में शुभ समाचार प्राप्त होंगे। 04 फरवरी के बाद सप्तम स्थान में गुरु एवं राहु की युति चण्डाल योग बना रही है, जो कि आपके दूसरे बच्चे के लिए अच्छा नहीं है।

01 मई से गुरु का गोचर प्रतिकूल होने से संतान की उन्नति में व्यवधान उत्पन्न होंगे। शारीरिक व्याधि के कारण शिक्षा में भी रूकावट आ सकती है। अतः उस समय मन को एकाग्र कर पूरा ध्यान अपनी पढ़ाई पर लगाना चाहिए। स्वास्थ्य संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही भी न करें।

स्वास्थ्य

साल की शुरुआत स्वास्थ्य की दृष्टि से सामान्य ही रहेगी। वर्षारम्भ से ही कुछ न कुछ शारीरिक परेशानी बनी रहेगी। मुख्यतः सारे ग्रह प्रतिकूल होने के कारण मौसमजनित बीमारियों से भी आप परेशान हो सकते हैं। आपको ऐसा लग सकता है कि आपकी शारीरिक ऊर्जा धीरे-धीरे करके कम हो रही है। लग्न स्थान का शनि आपको आलसी बना सकता है।

मई से उदर सम्बन्धित परेशानी हो सकती हैं। खान-पान पर संयम रखकर इसे कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। सूर्योदय से पहले उठकर टहलना व व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। शारीरिक आरोग्यता को अनुकूल बनाने के लिए आप तुला दान भी कर सकते हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगिता के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्ष का प्रारम्भ विद्यार्थियों के लिए अच्छा रहेगा। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने लक्ष्य में सफल होंगे। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपने मन को लक्ष्य के प्रति केन्द्रित करना चाहिए नहीं तो मानसिक भटकाव के कारण आप अपने लक्ष्य से भटक सकते हैं।

शनि ग्रह के गोचर के बाद आलस्य आपके करियर को खराब कर सकता है।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में ही द्वादशस्थ शनि के कारण आपकी विदेश यात्रा होगी। शनि ग्रह के गोचर के बाद आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। चतुर्थ स्थान पर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा।

यात्रा के अंतराल या वाहनादि चलाते समय सावधान रहें दुर्घटना हो सकती है। राहु ग्रह के गोचर के बाद समय काफी अनुकूल रहेगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में पूजा पाठ में आपका मन कम ही लगेगा। अधिक आलस्य के कारण भी आपका दैनिक पूजा-पाठ प्रभावित होगा। मई से आप दान-पुण्य अधिक करेंगे

- बेसन के लड्डू वीरवार के दिन विष्णु जी के मन्दिर में वितरित करें एवं गुरु ग्रह के मन्त्र का पाठ करें।
- प्रत्येक दिन दुर्गा कवच का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें और प्रत्येक दिन शनि मन्त्र का पाठ करें।

इस वर्ष वृष राशि के शनि लग्न स्थान में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में वृश्चिक राशि के राहु सप्तम भाव में रहेंगे और 9 अगस्त को तुला राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में वृश्चिक राशि के गुरु सप्तम भाव में रहेंगे और 17 फरवरी को धनु राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे और वक्री होकर 14 जून को वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में गोचर करेंगे और फिर से मार्गी होकर 15 अक्टूबर को धनु राशि एवं अष्टम भाव में आ जाएंगे। 4 जनवरी से 15 अगस्त तक मंगल वक्री होकर तुला राशि एवं छठे भाव में रहेंगे। 2 अगस्त से 15 अगस्त तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

वर्ष का पूर्वार्द्ध कार्य व्यवसाय के लिए बहुत अच्छा नहीं रहेगा। सप्तम स्थान में राहु एवं गुरु ग्रह की युति आपके व्यावसायिक जीवन में व्यवधान ला सकती है। गुप्त एवं प्रत्यक्ष शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रूकावटें डाली जा सकती हैं। यदि आप साझेदारी में कोई व्यापार कर रहे हैं तो आप अपने साझेदार से असंतुष्ट रहेंगे और उसके साथ आपका संधंब भी खराब हो सकता है। 9 अगस्त से राहु का गोचर अनुकूल होने के कारण आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा अपने शत्रुओं पर विजयी प्राप्त कर लेंगे। आप अपने व्यापारिक जीवन में उन्नति करने का पूर्ण प्रयास करेंगे और उसके लिए अथक परिश्रम भी करेंगे। इस समय के अंतराल में आपको सफलता मिल सकती है।

15 अक्टूबर से आपका समय फिर से प्रभावित हो रहा है जिसके फलस्वरूप आपकी आय के सारे मार्ग प्रभावित हो सकते हैं। आपके अधीनस्थ कर्मचारी आपका साथ नहीं देंगे। यदि आप नौकरी करते हैं तो आपके अधिकारी लोग आपको तंग कर सकते हैं जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे।

धन संपत्ति

वर्ष का प्रारम्भ आर्थिक उन्नति के लिए बहुत अच्छा नहीं है। व्यावसायिक स्थिति प्रतिकूल होने के कारण आय के मार्ग प्रभावित हो सकते हैं। गुरु एवं राहु की युति निवेश के लिए अच्छी नहीं होती है। जोखिम भरे कार्य में निवेश करने से बचें अन्यथा आपको हानि हो सकती है। किसी को उधार पैसा न दें नहीं तो वापसी की उम्मीद कम है और अपने खर्च पर भी अंकुश लगाएं।

18 फरवरी से आपका समय और ज्यादा खराब हो रहा है अतः धोखा, हानि या आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ सकता है। पत्नी के स्वास्थ्य पर भी आपका पैसा खर्च हो सकता है। ऋण इत्यादि भी लेना पड़ सकता है। विषम परिस्थिति में आपको अपना आत्मबल बनाए रखना होगा। 09 अगस्त से राहु का गोचर अच्छा होने के कारण धनागम के स्रोतों में वृद्धि होगी। अचानक आपको मातुल पक्ष के लोगों से लाभ प्राप्त होगा।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक मामलों के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा नहीं रहेगा। घरेलू मामलों में आपको बड़ी ही समझदारी से काम लेना होगा। परिवार के किसी सदस्य को लेकर मन में चिंता रह सकती है। छोटी-छोटी बातों पर झगड़ा या विवाद में नहीं पड़ना चाहिए। यदि आपकी किसी के साथ मित्रता है तो उसमें दरार आ सकती है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में समय काफी अच्छा हो रहा है। पत्नी के साथ आपके मधुर संबंध होंगे। माता पिता सहित मातुल पक्ष के लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। षष्ठस्थ राहु के प्रभाव से आपके शत्रु भी आपके साथ मित्रवत व्यवहार करेंगे। सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ आपके बच्चों के लिए सामान्य रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी परन्तु उसके लिए उनको अथक परिश्रम करना पड़ेगा सप्तम स्थान में गुरु एवं राहु की युति चण्डाल योग बना रही है। जो कि आपके दूसरे बच्चे के लिए अच्छा नहीं है।

18 फरवरी से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से आपकी संतान की उन्नति में बाधा आ सकती है। मानसिक कष्ट व शारीरिक व्याधि के कारण शिक्षा में भी रूकावटें आ सकती हैं अतः उस समय उनको अपने मन को एकाग्र कर पूरा ध्यान अपनी पढ़ाई पर लगाना चाहिए। स्वास्थ्य संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करनी चाहिए। 15 अक्टूबर से समय अच्छा हो रहा है।

स्वास्थ्य

साल की शुरुआत स्वास्थ्य के लिहाज से उत्तम नहीं रहेगी। लग्नस्थ शनि पर राहु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से मौसमजनित बीमारियों से भी आप परेशान हो सकते हैं। आपको ऐसा लग सकता है कि आपकी शारीरिक ऊर्जा धीरे-धीरे करके कम हो रही है। पेट संबंधित समस्याएं हो सकती हैं। खान-पान पर संयम रखकर इसे कुछ हद तक नियंत्रित किया जा सकता है। सूर्योदय से पहले उठ कर व्यायाम करना लाभप्रद रहेगा।

9 अगस्त के बाद राहु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपकी रोग प्रतिरोधक शक्ति का विकास होगा जिससे आपकी शारीरिक आरोग्यता अनुकूल बनी रहेगी। यदि आप किसी बीमारी से पीड़ित हैं तो इस समय के अंतराल में अच्छे हो जाएंगे। 15 अक्टूबर से समय और बढ़िया हो रहा है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध सामान्य रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपने मन को एकाग्र कर लक्ष्य के प्रति केन्द्रित करना चाहिए। विदेशी भाषा सीखने वालों के लिए यह समय अच्छा है। व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने

लक्ष्य में सफल होंगे। लग्नस्थ शनि के कारण आप आलसी भी हो सकते हैं।

9 अगस्त से राहु का गोचर बहुत शुभ हो रहा है। षष्ठस्थ राहु के प्रभाव से अचानक बेरोजगारों को नौकरी मिल जाएगी। व्यवसायियों को उनका ब्राण्ड नेम मिल सकता है प्रतियोगिता परीक्षार्थी अपनी परीक्षा में सफल होंगे।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में कोई विशेष यात्रा का योग नहीं बन रहा है। आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। व्यावसायिक व्यक्तियों की व्यवसाय से संबंधित यात्राएं होंगी। 18 फरवरी के बाद चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा।

9 अगस्त के बाद आपके विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। यात्रा के अंतराल या वाहनादि चलाते समय सावधान रहें नहीं तो दुर्घटना हो सकती है, क्योंकि लग्न स्थान का शनि चोट चपेट की सम्भावन बनाएं हुए है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के पूर्वार्द्ध में पूजा पाठ में आपका मन कम लगेगा। वर्ष के उत्तरार्द्ध में गुप्त विद्याओं या तान्त्रिक सिद्धियों के प्रति भी आपका आकर्षण बढ़ेगा।

- बेसन के लड्डू वीरवार के दिन विष्णु जी के मन्दिर में वितरित करें एवं गुरु ग्रह के मन्त्र का पाठ करें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें और प्रत्येक शनिवार शनि मन्त्र का पाठ करें।
- शनिवार के दिन एक नारियल अपने सिर से सात बार घुमाकर बहते हुए पानी में बहा दें।

वार्षिक फलादेश - 2032

वर्षारम्भ में शनि वृष राशि एवं लग्न स्थान में होंगे और 31 मई को मिथुन राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। तुला राशि के राहु छठे भाव में रहेंगे। वर्षारम्भ में धनु राशि केगुरु अष्टम भाव में रहेंगे और 5 मार्च को मकर राशि एवं नवम भाव में गोचर करेंगे और वक्री होकर 12 अगस्त को धनु राशि एवं अष्टम भाव में आजाएंगे और पुनः मार्गी होकर 23 अक्तूबर को मकर राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

व्यावसायिक जीवन के लिए साल का पूर्वार्द्ध अच्छा नहींरहेगा। आर्थिक तंगी के चलते व्यापार में विस्तार करने की योजनाएं वर्षारंभ में धीमी पड़ेंगी। अथकप्रयास एवं बौद्धिक परिश्रम की आवश्यकता है। घर से दूर अर्थात् विदेश में सफलता मिल सकती है। लग्नस्थ शनि के कारण कुछ गलत फहमियों से आप व्याकुल हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं द्वारा आपके कार्यों में रूकावटें डाली जा सकती हैं। 5 मार्च के बाद वेतन वृद्धि व पदोन्नति के रूप में आपको पुरुस्कृत किया जा सकता है।

12 अगस्त के बाद कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें नहीं तो उससे आपको हानि हो सकती है। जमीन-जायदाद से जुड़े व्यक्तियों के लिए यह समय अनुकूल नहीं है। 23 अक्तूबर के बाद व्यवसाय व नौकरी के लिए लंबी यात्रा हो सकती है। ये यात्रा सफल सिद्ध होगी। इस दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर बिना देखे दस्तखत न करें और जोखिम उठाने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगाएं।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से यह साल आपके लिए मिला-जुला रहेगा। साल की शुरुआत में निवेश से सम्बंधित योजनाओं पर ध्यान न दें और अपने दस्तावेज भी संभाल कर रखें। हड़बड़ी से बचने के लिए बेहतर यही होगा कि आप अपनी सभी योजनाएं पहले से तय कर लें।आपको आर्थिक निर्णय लेते समय सतर्क रहना चाहिए और जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेना चाहिए।

5 मार्च के बाद कई लाभकारी अवसर मिलेंगे। इन अवसरों का भरपूर लाभ उठाएं। क्योंकि मई के बाद समय फिर से प्रभावित हो रहा है। इस समय अपने रिश्तेदार, संबंधी या दोस्तों को उधार पैसा न दें।जोखिम भरा निवेश करने से बचें। कृषक वर्गों एवं फुटकर विक्रेताओं के लिए वर्षान्त अच्छा नहीं रहेगा।

घर-परिवार, समाज

वर्ष का प्रारम्भ पारिवारिक वातावरण के लिए सामान्य रहेगा। अधिक भाग-दौड़ के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। 5 मार्च के बाद परिवार में छोटे भाई-बहनों का मांगलिक कार्य सम्पन्न होने का योग बन रहा है। यदि परिवार में कोई मुकद्दमा चल रहा हो

तो अनुकूलता प्राप्त होगी। 31 मई के बाद परिवार में किसी व्यक्ति के साथ आपके वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

23 अक्तूबर से आपके पारिवारिक एवं सामाजिक पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपको बच्चों का भी अच्छा सहयोग मिलेगा। आपकीमाता के स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी और आपको ससुराल पक्ष के लोगों का सहयोग नहीं मिलेगा।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ आपके बच्चों के लिए अच्छा नहीं रहेगा। अष्टम स्थान का गुरु संतान संबंधित चिंताएं दे सकता है। संतान के लिए यह समय अच्छा नहीं है। गर्भवती स्त्रियों को बहुत सावधानी से बरतनी चाहिए ।

5 मार्च के बाद का गोचर अनुकूल होने के कारण आपके बच्चों के स्वास्थ्य में सुधार आएगा। संतान के साथ संबंध में मधुरता आएगी जिससे घरेलू वातावरण में भी सुधार होगा। यदि अपने बच्चों को प्रोत्साहित करते रहें तो वे अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे। अतः आप उनकीसकारात्मक सोच में वृद्धि करते रहें।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। लग्नस्थ शनि के कारण स्वास्थ्य संबंधित चिन्ताएं बनी रहेंगी। मानसिक चिंताएं भी रहेंगी।दुर्घटना या किसी प्रकार के शारीरिक कष्ट का सामना करना पड़ सकता है साथ ही अष्टमस्थ गुरु के प्रभाव से मोटापा एवं लीबरजनित बीमारियों से परेशान हो सकते हैं।

5 मार्च से लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अनुकूल होना शुरू हो जाएगा। व्यायाम करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। यदि स्वास्थ्य पर ध्यान नहीं दिया तो 23 अक्तूबर के बाद आपका स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। 5 मार्च के बाद लग्न भाव पर गुरु की दृष्टि आपके मनोबल को बढ़ाएगी। अगर आप प्रतियोगी परीक्षाओं में भाग ले रहे हैं तो सफलता आपके पक्ष में होगा। षष्ठस्थ राहु के कारण अचानक ही आपको उन्नति व सफलता मिलेगी।

मई के बाद चिकित्सा, तकनीकी, वाणिज्य आदि क्षेत्रों के लिए अनुकूल समय रहेगा। कानून से जुड़े लोगों को विशेष लाभ प्राप्त होगा। अध्ययन कार्य में आपकी रुचि बनी रहेगी। अपने लक्ष्य के प्रति आपका उत्साह व साहस बना रहेगा। 23अक्तूबर से आप गुप्त विद्याओं के प्रति आकर्षित हो सकते हैं।

यात्रा-तबादला

यात्रा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में आपकीछोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी परन्तु 5 मार्च के बाद लम्बी यात्राएं भी होंगी। आध्यात्मिक सुख प्राप्ति के लिए आप तीर्थ स्थल की यात्रा भी करेंगे।

कुछ समय के लिए आप प्रवास भी कर सकते हैं। 23अक्तूबर के बाद देश-विदेश घूमने का योग बन रहा है। इस समय के अंतराल में अवांछित यात्रा भी करनी पड़ सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष का प्रारम्भ धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। आपके धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होंगे। 5 मार्च के बाद समय अच्छा हो रहा है। दैनिक पूजा व दिनचर्या में काफी सुधार होगा। 15 अक्तूबर से आप दान-पुण्य अधिक करेंगे।

- पीली दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत करें।
- शनिवारके दिन गरीबों को काला कम्बल दान करें।
- अपनेबजन के बराबर अन्न आदि दान करें जिससे आपको शारीरिक अनुकूलता प्राप्त होगी।
- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दें।

वार्षिक फलादेश - 2033

इस वर्ष शनि मिथुन राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 30 जनवरी तक राहु तुला राशि एवं छठे भाव में रहेंगे उसके बाद कन्या राशि एवं पंचम भाव में प्रवेश करेंगे। 18 मार्च तक गुरु मकर राशि एवं नवम भाव में रहेंगे उसके बाद कुम्भ राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे। 24 मार्च से 8 अक्टूबर तक मंगल वक्री होकर धनु राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। वर्षारम्भ में लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि नवीन विचारधारा, नयी योजनाओं को जन्म देगी। उसका उचित लाभ उठा कर आप अपने कार्य व्यवसाय में अच्छी उन्नति करेंगे। 18 मार्च के बाद गुरु ग्रह का गोचर आपके करियर में एक नया मुकाम लेकर आने वाला है। आपको कार्यस्थल में प्रशंसा और पहचान मिलेगी। यह आपकी आशावादी विचारधारा के कारण ही होगा। द्वितीयस्थ शनि के कारण कुछ परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अष्टमस्थ मंगल के कारण गुप्त या प्रत्यक्ष शत्रु परेशानी उत्पन्न कर सकते हैं।

8 अक्टूबर के बाद आप के अन्दर एक गजब का आत्मविश्वास उत्पन्न होगा जिससे आप अपने क्लाइंट्स को प्रभावित करने में सक्षम होंगे। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का पदोन्नति के साथ स्थानान्तरण भी हो सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। जमीन-जायदाद से संबंधित कई लाभकारी अवसर आएंगे परन्तु बहुत सोच-विचार कर ही उसमें निवेश करें। क्योंकि चतुर्थ स्थान में शनि ग्रह की दृष्टि जमीन-जायदाद के लिए अच्छी नहीं होती। द्वितीय स्थान में शनि ग्रह की स्थिति आपकी आर्थिक उन्नति के लिए शुभ नहीं है। परन्तु 18 मार्च से आपके आय के साधन बढ़ेंगे। ऋण के लिए आवेदन डाला हो तो इस समय के अंतराल में आपको लोन मिल जाएगा। आप अपनी भौतिक सुख-सुबिधा पर भी अधिक खर्च करेंगे।

द्वितीय स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। इस समय के अंतराल में आप इच्छित बचत करने में भी सफल होंगे। घर परिवार में मांगलिक कार्य होंगे उसमें भी आपके पैसे खर्च होंगे।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ प्रतिकूल रहेगा। द्वितीयस्थ शनि के प्रभाव से आपके घरेलू माहौल में कुछ विषम परिस्थिति उत्पन्न होंगी। परिवार में एक-दूसरे के साथ वैचारिक मतभेद होता रहेगा। परिवार में कुछ लोगों का बर्ताव अच्छा नहीं रहने से आप मानसिक रूप से अशान्त भी रह सकते हैं। 18 मार्च से द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से परिवारिक प्रतिकूलता दूर होगी एवं परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी।

आपके माता पिता के लिए यह समय बहुत शुभ रहेगा। परिवार के सभी सदस्यों का अच्छा सहयोग मिलेगा। द्वितीयस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। गुरु ग्रह की शुभता के कारण स्त्री सुख, विवाह, धन आगमन एवं संतान का पूर्ण सुख प्राप्त होगा। 8 अक्टूबर से आपके दाम्पत्य जीवन में सामान्य उतार चढ़ाव की स्थिति उत्पन्न हो रही है।

संतान

यह वर्ष आपकी संतान के लिए अच्छा नहीं रहेगा। पंचम स्थान का राहु संतान के लिए अच्छा नहीं होता। वर्ष भर संतान संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। संतान इच्छित व्यक्तियों को कुछ दिन और इंतजार करना पड़ेगा। गर्भवती स्त्रियां सावधानी बरतें अन्यथा गर्भपात हो सकता है।

8 अक्टूबर के बाद का समय आपके दूसरे बच्चे को प्रभावित कर सकता है। इस समयान्तराल में स्वास्थ्य पर ध्यान दें। यात्रादि से भी बचना चाहिए।

स्वास्थ्य

द्वितीस्थ शनि के प्रभाव से मामूली संक्रमण की चपेट में आप जरूर आ सकते हैं। शनि की स्थिति आपके परिवार, संचय, वाणी व आयु के प्रतिकूल सिद्ध हो सकती है। लग्न स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि आपके स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं रहेगी। रक्तचाप, वायु विकार व पित्त विकार आदि रोग होने की संभावना है।

आपको दुरुस्त रहने के लिए ध्यान और योग का सहारा लेना होगा। शुद्ध शाकाहारी व सात्विक भोजन आपके लिए लाभप्रद रहेगा। अपने स्वास्थ्य को अनुकूल रखने के लिए समय समय पर चिकित्सक की सलाह लेते रहें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। परन्तु 18 मार्च के बाद सफलता के प्रबल संकेत दिख रहे हैं। नौकरी इच्छित व्यक्तियों को मनोनुकूल नौकरी की प्राप्ति हो सकती है। विद्यार्थियों को अपने करियर में उचित सफलता मिलेगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिल जाएगा।

दशमस्थ राहु के कारण चिकित्सा, तकनीकी, वाणिज्य आदि क्षेत्रों के लिए समय अनुकूल रहेगा। वकील, जज एवं कानून से जुड़े लोगों को विशेष लाभ नहीं होगा।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ से ही आपकी छोटी-मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होती रहेंगी। 18 मार्च के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का मनोनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा।

परिवार के साथ भ्रमण पर जाएंगे। यह यात्रा मनोरंजनात्मक व आनन्ददायक रहेगा। इन यात्राओं में आपको कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

नवमस्थ गुरु के कारण धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। वर्षारम्भ में ही आप धार्मिक कार्य व तीर्थ यात्रा अधिक करेंगे। 18 मार्च से घरेलू सुख शान्ति के लिए कोई विशेष पूजा पाठ सम्पन्न करेंगे जिससे आपको मानसिक शान्ति व समाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। मन्दिर निर्माण, धार्मिक कार्य, भण्डारादि कार्यों में आप अच्छा दान करेंगे। गरीब बच्चों की पढ़ाई हेतु दान देकर या अनाथ आश्रम में भण्डारा कर अधिक से अधिक पुण्यार्जन करेंगे।

- शनिवार के दिन काले कुत्ते को रोटी खिलाएं एवं शनि मन्त्र का पाठ करें।
- प्रत्येक दिन सुबह स्नान के बाद सूर्य को जल दें।
- एक नारियल अपने सिर से सात बार घुमाकर बहते हुए पानी में बहा दें।
- चींटी एवं चिड़ियों को दाना डालें।

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि मिथुन राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे और 13 जुलाई को कर्क राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। 12 अगस्त से पहले राहु कन्या राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे और उसके बाद सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कुम्भ राशि एवं दशम भाव में रहेंगे और 28 मार्च को मीन राशि एवं एकादश भाव में प्रवेश करेंगे। मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए वर्ष का प्रारम्भ श्रेष्ठ रहेगा। आप व्यापार में अच्छी उन्नति करेंगे। दशम भाव में गुरु ग्रह की उपस्थिति आपके हित में काम करेगी और साक्षात्कारों में भी सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे। जो व्यक्ति नौकरी बदलना चाहते हैं उनके लिए यह समय बहुत ही शुभ है। कठिन परिश्रम और बुद्धिमत्ता आपकी खास ताकत है और इस साल आपको अपनी ताकत का प्रयोग करने के कई अवसर मिलेंगे जिनके सफल परिणामों का आप आनंद भी लेंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके कार्य व्यवसाय में चौमुखी विकास होगा। कोई नया व्यापार भी प्रारम्भ करेंगे। जिसमें आपको अत्यधिक लाभ प्राप्त होंगे। वरिष्ठ लोगों या अधिकारियों का भरपूर सहयोग मिलेगा। भूमि क्रय-विक्रय या खाद्य पदार्थ का व्यवसाय करने वाले व्यक्तियों को सावधान रहना चाहिए। क्योंकि चतुर्थ स्थान का राहु अच्छा नहीं होता। छोटे व्यापारियों को अपना ब्राण्ड नेम मिलेगा, जिससे वह अपने व्यापार को बड़े पैमाने पर ले जाएंगे।

धन संपत्ति

आपकी आर्थिक स्थिति के बारें में क्या कहना, इस साल तो आपकी बल्ले-बल्ले रहने वाली है। द्वितीयस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। मार्च माह के बाद तो स्थिति और भी सुदृढ़ होने वाली है। विभिन्न स्रोतों से धन का आगमन होगा। शेयर बाजार से भी लाभ होने की संभावना है। आप कुछ बेहतरीन व्यावसायिक संबंध भी कायम करेंगे और लाभकारी निवेशकों के साथ भी निवेश करेंगे। इस निवेश से आपको बहुत अच्छा लाभ होगा।

12 अगस्त के बाद चतुर्थस्थ राहु के प्रभाव से आर्थिक स्थिति थोड़ी कमजोर रह सकती है। खर्चों पर नियंत्रण और भावनाओं पर काबू रखने की जरूरत है। व्यर्थ की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि इस साल आपकी जिन्दगी में बहुत बदलाव आने वाले हैं।

घर-परिवार, समाज

इस साल आपकी पारिवरिक स्थिति बेहतर रहने वाली है, बस जरूरत है सभी लोगों के साथ स्नेह और आपसी सौहार्द के साथ पेश आने की। परिवार के लोगों के सुझावों पर

अमल करना आपके लिए फायदे का सौदा हो सकता है, लेकिन इसके विरुद्ध जाना घातक हो सकता है। है। द्वितीयस्थ शनि पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी।

12 अगस्त के बाद चतुर्थ स्थान में राहु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके परिवार में कुछ परेशानियां उत्पन्न हो सकती हैं। लेकिन कुछ ज्यादा हानि होने की संभावना नहीं है। माँ के साथ कुछ नाराजगी हो सकती है तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी भी कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं, अतः उनका समुचित ख्याल रखें और संयम बरतें। पिता जी के साथ आपके संबंध बेहतर रहेंगे। यदि आप अविवाहित हैं तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है। विवाहित व्यक्तियों को संतान प्राप्ति के प्रबल योग बन रहे हैं।

संतान

वर्ष का पूर्वार्द्ध संतान के लिए अच्छा नहीं है। संतान संबंधित चिंताएं बनी रहेंगी। गर्भवती स्त्रियों को सावधान रहना चाहिए नहीं तो पंचम स्थान का राहु गर्भपात करा सकता है।

वर्ष का उतरार्द्ध आपकी संतान के लिए काफी उत्तम रहेगा। आपके बच्चों की उन्नति होगी। उनकी शिक्षा-दीक्षा में सुधार होगा। आपके बच्चे कुछ विशेष कार्य करेंगे जिससे आप उन पर अभिमान करेंगे। उनकी इस कामयाबी से समाज में भी आपके पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आपकी दूसरी संतान के लिए भी समय काफी शुभ रहेगा।

स्वास्थ्य

सामान्यतः वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा नहीं रहने वाला है। लग्न स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनाए रखेगी। द्वितीय स्थान के शनि आपको मानसिक परेशानी दे सकते हैं। आप को ऐसा लगेगा कि धीरे धीरे आपकी ऊर्जा कम हो रही है और आप कमजोर होते जा रहे हैं। परन्तु मार्च के बाद समय काफी शुभ हो रहा है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप निरोगी काया के स्वामी होंगे। अर्थात इस समय आप रोग-मुक्त रहने वाले हैं। लेकिन आप मोटापे का शिकार हो सकते हैं, क्योंकि मसालेदार और तेल वाले आहार के प्रति आपकी रुची बढ़ेगी। इसे नियंत्रित करने की कोशिश करें। आलस्य का त्यागकर स्फूर्तिवान बनें। आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का प्रारम्भ आपके लिए अच्छा नहीं है। विद्यार्थियों को मेहनत करने के बावजूद भी पारिश्रमिक फल नहीं मिलेगा। पंचम स्थान का राहु आपकी शिक्षा-दीक्षा में भी रुकावट उत्पन्न कर सकता है। परन्तु मार्च के बाद गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने के करण आप कोई व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही आय के लिए नये स्रोतों का सृजन करेंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में प्रतियोगिता परीक्षार्थी अपने लक्ष्य में सफल होंगे। नौकरी इच्छित व्यक्तियों को मनोनुकूल नौकरी की प्राप्ति होगी। विदेश में करियर बनाने वाले व्यक्तियों

के लिए यह समय श्रेष्ठ है।

यात्रा-तबादला

मार्च के बाद आप अधिक से अधिक यात्राएं करेंगे। छोटी-छोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राओं का भी प्रबल योग बन रहा है। इन यात्राओं के अंतराल में आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है। यह मित्रता आपकी उन्नति के लिए अच्छी होगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से आपकी व्यवसायिक यात्रा भी होंगी। इन यात्राओं से आपको अच्छा लाभ होगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध बहुत अच्छा नहीं रहेगा। नवम स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि धार्मिक कार्यों के लिए शुभ नहीं है। आपका दैनिक पूजा पाठ भी प्रभावित होगा। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपके अंदर ईश्वर के प्रति अटूट विश्वास एवं श्रद्धा उत्पन्न होगी, जिसके चलते आप निःस्वार्थ भाव से भगवान की पूजा करेंगे। मन्त्र जाप या भगवान का ध्यान करना आपका नैसर्गिक गुण होगा।

- अपने आपको नियंत्रित रखें।
- हनुमान चालीसा का पाठ करना आपके लिए श्रेष्ठ रहेगा।
- आठ मुखी रुद्राक्ष धारण करें।
- अपने घर में पारद के शिवलिंग स्थापित कर उनका पूजन करें।

इस वर्ष कर्क राशि का शनि तृतीय भाव में और सिंह राशि का राहु चतुर्थ भाव में रहेंगे। 5 अप्रैल तक गुरु मीन राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे और उसके बाद मेष राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। 21 जुलाई से 9 सितम्बर तक वक्री मंगल मीन राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि व्यापारिक व्यक्तियों के लिए बहुत ही अनुकूल है। यदि आप कुछ नया करने जा रहे हैं तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। कार्य व्यवसाय में आपके भाईयों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। साझेदारी में व्यवसाय कर रहे व्यक्तियों की उन्नति होगी। 6 अप्रैल के बाद समय किंचित प्रभावित हो रहा है। अतः इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें।

यदि आप नौकरी करते हैं तो अचानक प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण आपके घर से दूर भी हो सकता है। द्वादश स्थान में गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण आपके प्रति किसी प्रकार का षड्यन्त्र या कोई बड़ी समस्या उत्पन्न की जा सकती है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अति उत्तम रहेगा। एकादशस्थ गुरु के प्रभाव से धनागम में निरंतरता बनी रहेगी, जिससे आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे। पुराने चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। फंसा या रुका हुआ धन वापस मिल सकता है। धन संचित करने में आपके भाईयों का अच्छा सहयोग मिलेगा। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे उसमें भी आपका व्यय होगा।

अप्रैल के बाद आपके अनावश्यक खर्चे बढ़ सकते हैं। जिससे संचित धन में कमी आ सकती है। जोखिम भरे कार्यों में धन निवेश न करें। शीघ्र पैसा कमाने वाले उपायों पर अंकुश लगाएं। लेन-देन व निवेश के मामले में सावधान रहें। धन के मामले में किसी पर बहुत जल्दी विश्वास न करें।

घर-परिवार, समाज

यह साल पारिवारिक जीवन के लिए अच्छा नहीं रहेगा। व्यापारिक व्यस्तता के कारण अपने परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। चतुर्थ स्थान का राहु परिवार में कुछ विषम परिस्थिति उत्पन्न कर सकता है। ऐसे मे आपको बड़े ही विवेक से काम लेना होगा। सभी लोगों के साथ स्नेह और आपसी सौहार्द के साथ पेश आए।

परिवार के लोगों के सुझावों पर अमल करना आपके लिए फायदे का सौदा हो

सकता है और उनके विरुद्ध जाना घातक हो सकता है। माँ के साथ कुछ नाराजगी हो सकती है तथा उन्हें स्वास्थ्य संबंधी भी कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं। अतः उनका समुचित ख्याल रखें और व्यवहार में संयम बरतें। तृतीयस्थ शनि के प्रभाव से समाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ बच्चों के लिए बहुत ही शुभ है। आपके बच्चों की उन्नति होगी। उनकी शिक्षा-दीक्षा मे भी सुधार होगा। नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। आपकी दूसरे संतान को उन्नति के अवसर मिलेंगे।

6 अप्रैल के बाद समय प्रभावित हो रहा है। गर्भवती स्त्रियों को बहुत सावधान रहना चाहिए। आपके दूसरे बच्चे का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। अतः उस समय उनके स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता होगी।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट रहेंगे। प्रत्येक कार्य को आप सकारात्मक रूप से करेंगे। यदि पहले से कोई बीमारी नहीं है तो यह समय काफी अच्छा रहेगा। परन्तु 6 अप्रैल से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से छोटी-मोटी बीमारियों से आप प्रभावित हो सकते हैं।

गुरु के अग्नि तत्व राशि में होने के कारण पाचन या गैस संबंधित परेशानी हो सकती है। ऐसे में स्वास्थ्य का ख्याल रखना बहुत जरुरी होगा। सुबह-सुबह व्यायाम करना या योगा करना आपके लिए लाभप्रद सिद्ध होगा। चतुर्थ स्थान का राहु आपकी माता का स्वास्थ्य प्रभावित कर सकता है, जिससे आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए अच्छी है। उच्च शिक्षा हेतु किसी अच्छे शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो वर्ष का प्रारम्भ बहुत ही शुभ है।

6 अप्रैल से गुरु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण व्यावसायिक शिक्षा के प्रति अरुचि उत्पन्न होगी। चतुर्थ स्थान का राहु एकेडमिक एजूकेशन में कमी करेगा। जो जातक नौकरी की तलाश में हैं उनको कुछ दिन और इंतजार करना पड़ सकता है।

यात्रा-तबादला

तृतीयस्थ शनि के कारण आपकी छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। धार्मिक यात्रा कर अत्यधिक पुण्यार्जन करेंगे। 5 अप्रैल के बाद द्वादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपकी विदेश यात्राएं होंगी।

अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्ति अपनी जन्मभूमि की यात्रा करेंगे। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए वर्ष का प्रारम्भ शुभ रहेगा। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप पूजा-पाठ यज्ञ, अनुष्ठान व मन्त्र पाठ अधिक करेंगे एवं योग इत्यादि क्रियाओं में भी रुचि लेंगे। द्वादश स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आप दान पुण्य अधिक करेंगे। भूखे को खाना खिलाना, गरीबों को दान देना, मजबूरों की सहायता करना ही अपना धर्म समझेंगे।

- महामृत्युंजय यन्त्र अपने घर में स्थापित करें और नित्य उसका पूजन करें।
- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरु व मंदिर के पूजारी की सेवा, सुश्रूषा करें।
- पीली दाल, केला व बेसन की मिठाई मंदिर में दान करें एवं गुरुवार का व्रत करें।

वर्ष के पूर्वार्द्ध में शनि कर्क राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे और 27 अगस्त को सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे। 13 अप्रैल तक राहु सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे और उसके बाद कर्क राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में मेषस्थ गुरु द्वादश भाव में रहेंगे और 15 अप्रैल को वृष राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे और अतिचारी होकर 9 सितम्बर को मिथुन राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 17 नवम्बर को वृष राशि एवं लग्न स्थान में आ जाएंगे।

व्यवसाय

व्यापारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ मिला-जुला रहेगा। व्यापार में सफलता प्राप्ति के लिए लगातार परिश्रम करना पड़ेगा। अभी कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें। पहले से चले आ रहे व्यापार को और अच्छे ढंग से चलाएं। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा और यह परिवर्तन आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। 15 अप्रैल के बाद समय काफी अच्छा हो रहा है। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप अपने व्यापार में कुछ विशेष करेंगे, जिससे आपको अच्छा लाभ प्राप्त होगा।

अतः इस समय के अंतराल में एकाग्रचित होकर व्यापार के विस्तार और नए कारोबार को शुरू करने के लिए सोचना कारगर होगा। क्योंकि लग्न स्थान का गुरु नयी विचारधारा एवं नयी योजनाओं को जन्म देगा, जिसका भरपूर लाभ उठा कर आप अपने व्यापार में उन्नति कर सकते हैं। अगस्त के बाद बेकार के कुछ मुद्दे आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। परन्तु आप अपने बौद्धिक बल के द्वारा सभी समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे एवं अपने कार्य में सफल रहेंगे।

धन संपत्ति

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। वर्षारम्भ में द्वादश स्थान का गुरु व्यय अधिक करा सकता है। अतः बहुत ही सोच विचार कर आर्थिक निर्णय लें नहीं तो आपका पैसा फंस सकता है। नौकरी या व्यापार में नए प्रयोग से बचें। आयात-निर्यात करने वालों को बहुत उम्मीद नहीं रखनी चाहिए। नए कार्य में हाथ डालने के लिए बेहतर समय नहीं है। 15 अप्रैल से समय अच्छा हो रहा है। रुका हुआ अथवा फंसा हुआ धन वापस मिल सकता है। आपके छोटे भाई व धर्मपत्नी से भी लाभ प्राप्त हो सकता है। भौतिक सुख सुविधाओं पर भी आप अधिक खर्च करेंगे।

27 अगस्त के बाद शनि ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं होने के कारण कुछ चुनौतियां आपके सामने आ सकती हैं। परन्तु आप जिस तरह के चौकस और विश्लेषिक व्यक्ति हैं, इन चुनौतियों को लाभकारी अवसरों में बदलना आपके लिए बड़ी बात नहीं होगी। पैतृक संपत्ति या भूमि इत्यादि पर केश मुकद्दमा चल रहा हो तो उसमें अनुकूलता प्राप्त नहीं होगी और आपको नुकसान का सामना करना पड़ सकता है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ मिला-जुला रहेगा। अधिक व्यस्तता के कारण परिजनों को अधिक समय नहीं दे पाएंगे। चतुर्थ स्थान के राहु आपके पारिवारिक माहौल में थोड़ी कटुता का वातावरण बना सकते हैं, जिसके कारण किसी के साथ आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है। उस समय आपको विवेक से काम लेना होगा। 15 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह के गोचर काफी अनुकूल हो जाएगा। यदि आप विवाह के योग्य हैं तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है एवं नव विवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति हो सकती हैं।

तृतीयस्थ शनि के कारण आपको भाइयों का सहयोग मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। सामाजिक कार्यों के प्रति नैसर्गिक रूप से आपका लगाव बढ़ेगा, जिससे आप सामाजिक गतिविधियों में बढ़-चढ़ के भाग लेंगे। सामाजिक उत्थान के लिए कोई विशेष कार्य भी संपन्न करेंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल नहीं है। परन्तु 15 अप्रैल के बाद लग्न स्थान में गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से समय काफी अच्छा हो रहा है। यह समय गर्भाधान के लिए उत्तम रहेगा।

आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। मेहनत करने में कभी वे पीछे नहीं रहेंगे और आप अपने बच्चों पर गर्व करेंगे। आपके दूसरे बच्चे के लिए समय बहुत अच्छा है। यदि वह विवाह के योग्य है तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ प्रतिकूल रहेगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। यदि पहले से कोई बीमारी भुगत रहे हैं तो यह समय अधिक कष्ट कारक हो सकता है। द्वादशस्थ गुरु अग्नितत्व राशि में होने के कारण पेट से सम्बन्धित व पाचन संबंधित रोग दे सकते हैं। 15 अप्रैल के बाद समय बहुत अच्छा हो रहा है।

लग्न स्थान के गुरु मन में अच्छे विचार लाएंगे। अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपका खान-पान एवं दिनचर्या भी अच्छी रहेगी। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह का प्रभाव होने से आप शुद्ध शाकाहारी भोजन ही ग्रहण करेंगे, जिससे आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा। तृतीयस्थ शनि किसी भी परीक्षा में उन्नति के संकेत दे रहा है। अप्रैल के बाद समय और भी बढ़िया हो रहा है। कुछ अनुभवी व्यक्तियों से मिलकर आप अपनी कार्यशैली में अधिक सुधार लाएंगे, सरकारी अफसरों और वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपको कार्यों में लाभ प्राप्त हो सकता है। बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने की संभावना है।

पंचम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आप पढ़ाई-लिखाई में सब से आगे रहेंगे। यदि आप उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं तो अच्छे शैक्षणिक संस्थान में आपका प्रवेश हो सकता है।

यात्रा-तबादला

द्वादशस्थ गुरु विदेश यात्रा के अच्छे योग बना रहे हैं। अतः वर्षारम्भ में ही आपकी विदेश यात्रा होगी। 15 अप्रैल के बाद नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि लम्बी यात्रा के योग बना रही है।

तृतीयस्थ शनि एवं राहु के प्रभाव से छोटी-मोटी यात्राएं होती रहेंगी। यात्रा करते समय व वाहन चलाते समय सावधानी अत्यधिक जरुरी है। क्योंकि 27 अगस्त के बाद शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल हो रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत अनुकूल नहीं रहेगा। वर्षारम्भ में द्वादशस्थ गुरु के प्रभाव से आपका मन धार्मिक कार्यों में नहीं लगेगा। मन एकाग्र नहीं रहने के कारण आप पूजा पाठ के लिए अधिक समय नहीं निकाल पाएंगे। 15 अप्रैल के बाद गुरु ग्रह का गोचर लग्न स्थान में होगा। उस समय नवम एवं पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपका आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा। जिससे पूजा पाठ के प्रति आपका आकर्षण बढ़ेगा। आप अपने गुरुजनों का सम्मान करेंगे। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे।

- माता-पिता, गुरु, साधू, संन्यासी और अपने से बड़े लोगों का आशीर्वाद प्राप्त करें।
- मंदिर या धार्मिक स्थानों पर केला या बेसन के लड्डू वितरित करें।
- प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- दुर्गा बीसा यन्त्र अपने गले में धारण करें।

वार्षिक फलादेश - 2037

इस वर्ष शनि सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे। 19 अक्टूबर तक राहु कर्क राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे और उसके बाद मिथुन राशि एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु वृष राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे। 26 अप्रैल को मिथुन एवं द्वितीय भाव में प्रवेश करेंगे और अतिचारी होकर 16 सितम्बर को कर्क राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे। 29 अगस्त से 28 नवम्बर तक वक्री मंगल वृष राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे।

व्यवसाय

इस साल कारोबार में अच्छी सफलता मिलने वाली है और बेहतर लाभ भी होगा। विभिन्न प्रकार के स्रोतों से धन का आगमन होगा। जो लोग ब्याज पर पैसे देते हैं उनको अच्छा लाभ होने वाला है। यदि आप शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े हैं तो अच्छा लाभ मिलेगा। 26 अप्रैल के बाद समय और भी रोमांचक और शानदार हो रहा है। हालाँकि चतुर्थ स्थान का शनि कुछ परेशानियाँ ला सकता है। लेकिन हताश होने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल हो के कारण कोई खास प्रभाव नहीं पड़ने वाला है।

नौकरी करने वाले व्यक्तियों को किंचित परेशानी हो सकती है। शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से आपका स्थानान्तरण घर से दूर हो सकता है। अतः अपने से बड़े अधिकारियों के साथ संबंध अच्छा बनाकर रखना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। द्वितीयस्थ गुरु के कारण आपकी मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी और सहकर्मियों का सहयोग भी मिलेगा। इस समय आपको कुछ ऐसी खुशियाँ मिलेंगी, जिसकी तलाश आपको एक लम्बे अरसे से थी। आप अपने काम को समय से पहले पूरा करने में सफल रहेंगे। 19 अक्टूबर के बाद आपका समय कुछ प्रभावित हो सकता है।

धन संपत्ति

वर्ष के प्रारम्भ मे आपकी आर्थिक स्थिति शानदार रहने वाली है। आप अपने कार्यों के प्रति गंभीर बने रहेंगे, जिस कारण धन का आगमन भी सुचारु रूप से होता रहेगा। 26 अप्रैल के बाद स्थिति में अप्रत्याशित बदलाव होगा और आप यह पाएंगे कि आपकी जमापूंजी में वृद्धि हो रही है। द्वितीयस्थ गुरु के कारण आपको रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। आप इच्छित बचत करने में सफल रहेंगे। फिर भी निवेश के मामले में सावधान रहें यदि निवेश करना चाहते हैं। तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह अवश्य लें।

16 सितम्बर के बाद समय थोड़ा प्रभावित हो रहा है। भूमि, घर व वाहन खरीदते समय कागजी कार्यवाही पर विशेष ध्यान दें नहीं तो चतुर्थ स्थान का शनि आपको फंसा सकता है। कुछ अपने ही लोग आपके साथ धोखा-धड़ी कर सकते हैं, इसलिए अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है। जमापूंजी और लेन-देन के मामले में किसी प्रकार की कोताही न करें। संभव हो तो लिखित रूप में ही लेन-देन करें। कोई बड़ा-बुजुर्ग आदमी आपके साथ ठगी कर सकता है। किसी प्रकार का कर्जा लेने से परहेज करें।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। चतुर्थ स्थान में शनि ग्रह की स्थिति पारिवारिक माहौल में विषम परिस्थिति उत्पन्न कर रही है। आपके माता पिता के लिए यह समय अच्छा नहीं है। परिवार मे किसी के साथ वैचारिक मतभेद उत्पन्न हो सकता है। ऐसे में आपको बड़ी ही बुद्धिमानी से काम लेना चाहिए और घरेलू माहौल को अनुकूल बनाये रखने के लिए छोटी मोटी बातों पर ध्यान नहीं देना चाहिए। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि धर्मपत्नी के लिए अच्छी है। अतः उनके साथ आपके संबंध मधुर होंगे।

गुरु ग्रह के गोचर के बाद पारिवारिक स्थिति कुछ अनुकूल होगी। परिवार में किसी सदस्य की बढ़ोत्तरी हो सकती है। मातुल व ससुराल पक्ष के लोगों के लिए यह समय बहुत ही श्रेष्ठ है। उन लोगों को अच्छा सहयोग मिलगा। तृतीय स्थान के राहु सामाजिक पद प्रतिष्ठा में उन्नति करेंगे। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे, जिससे समाज में आपका एक अलग ही व्यक्तित्व होगा।

संतान

पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि संतान के लिए बहुत ही श्रेष्ठ है। आपके बच्चों की उन्नति होगी। नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। आपके दूसरे बच्चे के लिए भी समय अनुकूल है। उनको अपने कार्य क्षेत्र में सफलता प्राप्त होगी।

अप्रैल के बाद आपके बच्चों को उन्नति प्राप्ति के लिए अधिक परिश्रम करना पड़ेगा। वह अपने भाग्य के बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। आपके दूसरे बच्चे को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है। परन्तु अक्टूबर के बाद समय अच्छा हो जाएगा। उसके बाद आपके दोनों बच्चे एक साथ उन्नति करेंगे।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। लग्नस्थ गुरु केछछछछ प्रभाव से आपका स्वास्थ्य अनुकूल बना रहेगा। आपके मन में अच्छे विचार आएंगे जिससे आप मानसिक रूप से सन्तुष्ट व शारीरिक रूप से स्वस्थ्य रहेंगे। प्रत्येक कार्य को आप सकारात्मक रूप से करेंगे। अच्छे स्वास्थ्य के लिए खान-पान व दिनर्चया पर विशेष ध्यान देंगे। यदि मौसमजनित कोई बीमारी होती है तो शीघ्र ही आप अच्छे हो जाएंगे।

26 अप्रैल के बाद समय और भी बढ़िया हो रहा है। आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। लेकिन मक्खन, घी और मिठाई से दूर रहना आपके लिए ज्यादा फायदेमंद होगा, अन्यथा आपका वजन बढ़ सकता है। 19 अक्टूबर के बाद से आप अचानक छोटी-मोटी बीमारियों से परेशान हो सकते हैं। जैसे - सिर दर्द और अपच आपको परेशानी में डाल सकती है। अतः अपनी सेहत के प्रति सावधान रहें। आँख, किडनी और लीवर से संबंधित कुछ दिक्कतें हो सकती हैं। आलस्य भी आपके उपर हावी रहेगा। इस समय आपको दिमाग स्थिर रखने की आवश्यकता है। सुबह-शाम टहलना और प्रोटीनयुक्त पदार्थ अपने आहार में शामिल करना आपके लिए

हितकर होगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। यदि उच्च शिक्षा हेतु उच्च शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश पाना चाहते हैं तो आपके लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल है। पंचम एवं नवम स्थान पर गुरु की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए बहुत ही शुभ है।

नौकरी इच्छित व्यक्तियों को अथक परिश्रम के पश्चात् नौकरी मिल सकती है। इंजीनियर, वकील, व कानून से जुड़े लोगों को अच्छी सफलता मिल सकती है। विदेश में करियर बनाने वाले व्यक्तियों के लिए भी यह समय अच्छा है।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। वर्षारम्भ में आपकी लम्बी यात्रा के योग बन रहे हैं। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा।

अक्टूबर के बाद वाहनादि चलाते समय सावधानी बहुत ज्यादा जरूरी है क्योंकि राहु एवं शनि का गोचर अनुकूल नहीं होने के कारण दुर्घटना इत्यादि का योग बन रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपका आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा, जिसके प्रभाव से आपकी पूजा पाठ के प्रति विशेष रूचि रहेगी। ईश्वर के प्रति आपका अटूट विश्वास होगा। अप्रैल के बाद आप दान पुण्य अधिक करेंगे। जागरण, साई संध्या इत्यादि धार्मिक गतिविधियों में संलग्न रहेंगे। तीर्थ यात्रा व भण्डारा कर अत्यधिक पुण्यार्जन करेंगे।

- शनिवार के दिन लोहे का तवा गरीबों को दान करे एवं शनि मन्त्र का जाप करें।
- मंगलवार के दिन हनुमान जी को चोला चढ़ाएं एवं प्रत्येक दिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- दुर्गा बीसा कवच व आठ मुखी रुद्राक्ष अपने गले के धारण करें।

इस वर्ष राहु मिथुन राशि एवं द्वितीय भाव में रहेंगे। 22 अक्टूबर तक शनि सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव मे रहेंगे और उसके बाद कन्या राशि एवं पंचम भाव में गोचर करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कर्क राशि एवं तृतीय भाव में रहेंगे और वक्री होकर 17 जनवरी को मिथुन राशि एवं द्वितीय भाव में गोचर करेंगे और पुनः मार्गी होकर 11 मई को कर्क राशि एवं तृतीय भाव में आ जाएंगे और अतिचारी होकर 7 अक्टूबर को सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

यदि आप नौकरी करते हैं तो यह साल आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा। प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होने की प्रबल संभावना बन रही है। कुछ लोग आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकते हैं, इसे नजरअंदाज न करें। बेहतर परिणाम के लिए आपको कठोर परिश्रम करना पड़ेगा। मई के बाद आपका कारोबार सही रास्ते पर आएगा और मुनाफा भी होगा। प्रत्येक क्षेत्र में बेहतर परिणाम मिलेंगे।

प्रतिद्वन्दी आपकी नकल करने की खूब कोशिश करेंगे लेकिन वे अपने मंसूबों में सफल नहीं होंगे। आप अपने अहंकार और गुस्से पर नियंत्रण रखें। तभी आपको प्रतिष्ठा और धन दोनों की प्राप्ति होगी। सफलता आपके कदमों को चूमेगी और आपका प्रदर्शन काबिले तारीफ रहेगा। आप अपने विरोधियों को काफी पीछे छोड़ जाएंगे।

7 अक्टूबर के बाद समय अच्छा हो रहा है। नौकरी में पदोन्नती व कार्यों में सफलता मिलेगी। बड़े अधिकारी व उच्च लोगों का सहयोग मिलने के कारण व्यापारिक क्षेत्र में इच्छित लाभ प्राप्त करेंगे। साथ ही विशिष्ट उपलब्धियां भी अर्जित करेंगे।

धन संपत्ति

नए साल में आपकी आर्थिक स्थिति ठीक-ठाक रहने वाली है। एकाधिक स्रोतों से धन का आगमन होगा। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से रत्न आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। मई के बाद समय कुछ प्रभावित हो सकता है। अचानक संचित धन में कमी आ सकती है। परिवार में रोगादि की अधिकता होने के कारण धन व्यय होगा। आर्थिक लेन देन के मामलों में सावधान रहना बहुत ही जरूरी है। जमीन खरीदते समय व निवेश करते समय कागजी कार्यवाई पर पूरा ध्यान देना होगा, नहीं तो आपके साथ धोखा हो सकता है। आधुनिक सुख संसाधनों को प्राप्त करने में भी बहुत परिश्रम करना पड़ेगा।

अक्टूबर के बाद शेयर बाजार से दूरी बनाकर ही रहें तो बेहतर होगा। निवेश करने से ज्यादा बचाने के बारें में सोचना आपके लिए फायदेमंद होगा। भूमि व वाहन खरीदने का प्रबल योग बन रहा है। परन्तु जल्दबाजी में कोई भी बड़ा निर्णय न लें नहीं तो हानि हो सकती है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ उत्तम रहेगा। आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। जीवनसाथी के साथ अच्छे पल व्यतीत होंगे। पारिवारिक खुशियों में वृद्धि होगी। मई के बाद माता के साथ थोड़ी अनबन हो सकती है। उस समय राहु एवं शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने से पारिवारिक माहौल में नकारात्मक स्थिति उत्पन्न हो सकती है। जिससे अंतर्कलह हो सकती है। खुद पर नियंत्रण रखें। परिवार से जुड़ी किसी भी समस्या को छोटा न समझें और तुरन्त उसका हल निकालें।

तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से सामाजिक पद प्रतिष्ठा में बढ़ोत्तरी होगी। बांछित मान-सम्मान मिलेगा। किसी सम्मानित पद को अर्जित करेंगे। आपकी प्रसिद्धि दूर दूर तक व्याप्त हो सकती है एवं सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे। अक्टूबर के बाद परिवार से जुड़ी सभी समस्याएं दूर होंगी। एक दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव बढ़ेगा। परिवार में खुशी का माहौल बना रहेगा।

संतान

इस वर्ष आपके बच्चे महत्वपूर्ण कार्यों को बुद्धिमत्ता से ही सम्पन्न करेंगे। मई के बाद बांछित लाभ एवं सफलता भी अर्जित कर सकते हैं। आपकी दूसरी संतान अधिक प्रभावित करेगी। वैदिक साहित्य दर्शन एवं धर्म के प्रति उसकी रुचि अल्प मात्रा में होगी, परन्तु आधुनिक विज्ञान, इतिहास इत्यादि के प्रति उसका आकर्षण बढ़ेगा।

अक्टूबर के बाद समय प्रभावित हो रहा है। पंचम स्थान का शनि संतान संबंधित चिंताएं दे सकता है। गर्भवती स्त्रियों को बड़े सावधानी से रहना चाहिए नहीं तो आपका गर्भ खराब हो सकता है। माता पिता के प्रति संतान के मन में आदर व संमान का भाव कम होगा। इस समय के अंतराल में आपको उन पर ज्यादा ध्यान देना होगा नहीं तो आपके बच्चे गलत संगति में फंस सकते हैं।

स्वास्थ्य

इस साल आपकी सेहत ठीक-ठाक रहेगी। आपकी जिन्दगी सुचारु रूप से चलेगी। मई के बाद कुछ असमंजस की स्थिति पैदा हो सकती है, लेकिन चिंता की कोई बात नहीं है। इससे आप जल्द ही उबर जाएंगे। इस पर ज्यादा सोच-विचार करने की जरूरत नहीं है। आप निरोगी काया के स्वामी होंगे। किसी गंभीर बीमारी से आपको परेशानी नहीं होगी, लेकिन कुछ सामान्य सी दिक्कतें आ सकती हैं- जैसे-पेट में दर्द, बदहजमी, जोड़ों और घुटनों में दर्द संबंधी शिकायत हो सकती है।

बजन बढ़ने से बचने के लिए खान-पान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। नहीं तो आपका बजन बढ़ सकता है। चतुर्थस्थ शनि के कारण आपके माता पिता का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है, जिससे भी आप मानसिक रूप से परेशान हो सकते हैं। 7 अक्टूबर के बाद आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जाओं का संचार होगा, जिससे आप आरोग्य बने रहेंगे, परन्तु

22 अक्टूबर को शनि ग्रह का गोचर पत्नी एवं संतान के स्वास्थ्य के लिए अनुकूल नहीं है।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

कहते हैं कि अच्छे दिन आने से पहले बुरे दिन देखने पड़ते हैं। आपके साथ भी कुछ ऐसा हो सकता है। शुरुआत में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है, लेकिन समय के साथ स्थितियों में सुधार होगा। 11 मई के बाद आप कोई नया कार्य प्रारम्भ करेंगे। उसमें आपको अच्छी सफलता मिलेगी। प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपनी परीक्षा में सफलता प्राप्ति के लिए अथक प्रयास करना पड़ेगा।

चतुर्थ स्थान में शनि ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण विद्यार्थियों की शिक्षा में व्यवधान उत्पन्न होंगे। यदि आप नौकरी कर रहे हैं तो स्थान परिवर्तन का योग बन रहा है। अक्टूबर के बाद मेकेनिकल इंजीनियर एवं हार्डवेयर से संबंधित कार्य करने वाले लोगों की अच्छी उन्नति होगी।

यात्रा-तबादला

वर्षारम्भ में छोटी मोटी यात्राएं होती रहेगी। परन्तु मई के बाद आपकी लम्बी यात्राएं होंगी। सप्तम स्थान पर गुरु की दृष्टि व्यवसाय से संबंधित यात्राएं भी करा सकती है। इस यात्रा से आपको विशेष लाभ प्राप्त होगा।

अक्टूबर के बाद आप अपने परिवार सहित किसी दर्शनीय स्थल की यात्रा करेंगे। यह यात्रा अधिक सुखद व मनोरंजनात्मक होगी। इस यात्रा के अंतराल में आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है। यह मित्रता आपके लिए अत्यधिक लाभप्रद रहेगी। विदेश यात्रा की भी संभावना बन रही है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के प्रारम्भ में राहु गुरु की युति के कारण सारे यज्ञ, अनुष्ठान प्रभावित होंगे। दैनिक पूजा पाठ में भी व्यवधान आ सकता है। ये सब आपके आलस्यता के कारण होगा। कोई भी धार्मिक कार्य करना हो तो अचानक करें क्योंकि योजनाबद्ध तरीके से कोई भी कार्य सफल नहीं होगा। 11 मई के बाद नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। गरीबों को दान एवं तीर्थ यात्रा कर अत्यधिक पुण्यार्जन करेंगे, जिससे आपको मानसिक शान्ति एवं आत्मिक सुख की अनुभूति होगी। अक्टूबर के बाद अपने घर में कोई विशेष धार्मिक आयोजन करेंगे। जैसे- जागरण, साई संध्या, माता की चौकी इत्यादि। तांत्रिक क्रियाएं व काला जादू के प्रति भी आपका आकर्षण बढ़ेगा।

- शनिवार के दिन सुबह सुबह पीपल के वृक्ष में जल चढ़ाएं एवं सन्ध्या के समय चौमुखी दीपक जलाएं।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें एवं प्रत्येक दिन हनुमान चालिसा का पाठ करें।
- दुर्गा सप्तति का पाठ करें एवं आठ मुखी रुद्राक्ष गले में धारण करें।
- वीरवार के दिन पीला केला गरीबों को दान करें।

वर्षारम्भ में शनि कन्या राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 5 अप्रैल को सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः मार्गी होकर 13 जुलाई को कन्या राशि एवं पंचम भाव में आ जाएंगे। 7 अप्रैल को राहु वृष राशि एवं लग्न स्थान में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे तथा 3 मार्च को वक्री होकर कर्क राशि एवं तृतीय भाव में प्रवेश करेंगे और मार्गी होकर 2 जून को सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में आ जाएंगे और अतिचारी होकर 4 नवम्बर को कन्या राशि एवं पंचम भाव में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

वर्षारम्भ कार्य व्यवसाय के लिए मिला जुला रहेगा। मेहनत और लग्न से किये गये कार्यों में सफलता मिलेगी। रचनात्मक कार्यों के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। 13 अप्रैल के बाद राजनीति से जुड़े लोगों को अच्छा लाभ मिलेगा। 3 अप्रैल से गुरु ग्रह का गोचर आपके लिए काफी शुभ हो रहा है। व्यवसायिक क्षेत्र में रूके हुए कार्य पूरे होंगे। व्यापारिक उन्नति के लिए आपको ऋण लेना पड़ सकता है। बड़े अधिकारी, वरिष्ठ जन या अनुभवी लोगों का सहयोग मिलेगा। आपको कुछ नए निवेशक भी मिलेंगे। रचनात्मक कार्यों के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा।

13 जुलाई के बाद नौकरी करने वालो व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तण होगा। इस अवधि में आप पर आजीविका क्षेत्र में मानसिक दबाव अधिक रहेगा। आय में अनियमितता का भाव बना रहेगा। पैतृक संपत्ति, जमीन जायदाद से संबंधित मामलों में अनुकूलता नहीं मिलेगी। कुछ विरोधियों का भी सामना करना पड़ सकता है। 4 नवम्बर के बाद समय ज्यादा प्रभावित हो रहा है। अतः उस अवधि में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें। यदि आप नौकरी में हैं तो बड़े अधिकारी परेशान कर सकते हैं, जिससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगे।

धन संपत्ति

पंचम स्थान का शनि आर्थिक स्थिति के लिए अच्छा नहीं है। अतः आपके लिए एक सुझाव है कि जुआ सट्टा इत्यादि से दूरी बनाकर ही रहें और साथ ही किसी प्रकार का आर्थिक जोखमि उठाने से परहेज करें। वित्तीय विषयों के लिए यह समय सही नहीं है। द्वितीय स्थान का राहु आपके संचित धन में भी कमी कर सकता है। अप्रैल के बाद पैसे के मामले में सावधान रहें तथा आंख बन्द कर किसी पर विश्वास करना अच्छा नहीं होगा।

2 जून से गुरु ग्रह का गोचर आपके लिए शुभ हो रहा है। भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख प्राप्त होने की प्रबल संभावना बन रही है। 4 नवम्बर के बाद आपके सारे धनागम के स्रोत खुलेंगे तथा आपकी आर्थिक उन्नति में वृद्धि होगी। पुराने चले आ रहे कर्ज इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। घर परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न होंगे, जिसमें आप खुले हाथों से खर्च करेंगे।

घर-परिवार, समाज

आपके पारिवारिक जीवन की बात करें तो वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। द्वितीय स्थान का राहु पारिवारिक माहौल में कुछ विषम स्थिति उत्पन्न कर सकता है। अचानक किसी के साथ आपका वैचारिक मतभेद होने की संभावना बन रही है। ऐसे समय में कुछ ऐसा न करें जिससे बाद में पछताना पड़े। जीवनसाथी के साथ बेहतर सामंजस्य बिठाने की कोशिश करें क्योंकि सप्तम स्थान पर शनि ग्रह की दृष्टि धर्म पत्नी के लिए शुभ नहीं है। 5 अप्रैल के बाद समय ज्यादा प्रभावित हो रहा है अतः इस समय अपने सहन शक्ति को बढ़ाएं एवं अपनी वाणी पर पूर्ण नियन्त्रण रखें।

2 जून के बाद आपके पारिवारिक स्थिति में अनुकूलता आनी शुरू हो जाएगी। आपके माता पिता के लिए यह समय काफी शुभ है। मातुल एवं ससुराल पक्ष के लोगों का अच्छा सहयोग मिलेगा। 4 नवम्बर से पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। आपको वांछित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा मिलेगी तथा किसी सम्मानित पद को अर्जित करने में भी समर्थ होंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा एवं प्रसिद्धि दूर दूर तक व्याप्त होगी एवं सभी लोग आपके प्रभाव को स्वीकार करेंगे।

संतान

पंचम स्थान का शनि संतान की तरक्की के लिए बाधक है। आपकी प्रथम संतान को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी हो सकती है। उनकी शिक्षा दीक्षा में रुकावटें आ सकती हैं। इस समय के अंतराल में आपके बच्चों में मर्यादा एवं आदर्श की भावना कम होगी, जिससे आपको अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानियों का सामना करना पड़ेगा। उसके अतिरिक्त आपके साथ भावनात्मक लगाव में भी कमी आएगी। गर्भवती स्त्रियों को बहुत ही सावधान रहना होगा नहीं तो आपका गर्भपात हो सकता है। परन्तु 13 अप्रैल के बाद समय कुछ अनुकूल हो रहा है। आपकी दूसरी संतान की उन्नति होगी।

4 नवम्बर से समय अच्छा हो रहा है। आपके बच्चे अध्ययन के क्षेत्र में अच्छी उन्नति करेंगे तथा उनकी आय में वृद्धि होगी। यदि आपकी संतान विवाह के योग्य है तो उसके विवाह के प्रबल योग बन रहे हैं।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के लिए यह वर्ष मिला जुला रहेगा। बदलते मौसम के कारण कुछ परेशानियाँ हो सकती हैं, लेकिन आप जल्द ही ठीक हो जाएंगे। वजन बढ़ने की संभावना है, इसलिए मक्खन, घी और मिठाई खाने से परहेज करें। यदि निरोगी काया चाहते हैं तो नियमित रूप से व्यायाम करें और खान-पान का विशेष ध्यान रखें। नहीं तो 7 अप्रैल को लग्न स्थान में राहु का गोचर अचानक आपको बीमार कर सकता है, जिससे आप शारीरिक एवं मानसिक रूप से ज्यादा परेशान हो सकते हैं। अतः इस अवधि में स्वास्थ्य संबंधित किसी प्रकार की लापरवाही न करें तथा अपने खान पान पर पूर्ण ध्यान दें।

4 नवम्बर के बाद लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि आपके अन्दर उत्साहवर्धक ऊर्जाओं की वृद्धि करेगी, जिससे आप तंदुरूस्त एवं सेहतमन्द बने रहेंगे। आप अपनी दिनचर्या में नयी गतिविधियों को शामिल करेंगे जैसे कि जिम जाना या सुबह-सुबह टहलने जाना।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष मिला जुला रहेगा। पंचम स्थान का शनि विद्यार्थियों के लिए अच्छा नहीं है। उन्नति में रुकावट व उच्च शिक्षा में व्यवधान आ सकता है। अतः करियर में सफलता प्राप्त करने के लिए आपको अथक परिश्रम करना पड़ेगा। मार्च के बाद समय और ज्यादा प्रभावित हो रहा है। इस अवधि में वांछित सफलता नहीं मिलने के कारण आप निराश हो सकते हैं। यदि आप विदेश में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो 2 जून के बाद समय बहुत ही शुभ हो रहा है।

विद्यार्थियों के लिए 4 नवम्बर से समय काफी शुभ हो रहा है। अतः आपको वांछित शैक्षणिक संस्थान में प्रवेश मिलेगा। तकनीकी शिक्षा या व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थी अपने लक्ष्य में सफल रहेंगे।

यात्रा-तबादला

साल के प्रारम्भ में यात्रा के योग कम ही बन रहे हैं। परन्तु 3 मार्च के बाद छोटी मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी। 5 अप्रैल के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। यह स्थानान्तरण घर से दूर भी हो सकता है।

13 जुलाई के बाद अपने घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपनी जन्मभूमि की यात्रा होगी। अपने पूरे परिवार के साथ सुखद यात्राओं का आनन्द प्राप्त करेंगे अर्थात पूरे परिवार के साथ दर्शनीय स्थलों पर घूमने जाएंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अनुकूल है। वर्षारम्भ में आप पूजा पाठ में विशेष रुचि लेंगे। नियमित रूप से दैनिक पूजा-पाठ करते रहेंगे। घरेलू सुख, शान्ति एवं समृद्धि प्राप्ति के लिए कोई विशष पूजा का आयोजन करेंगे। परन्तु 7 अप्रैल के बाद लग्न स्थान में राहु का गोचर धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। 2 जून के बाद गरीबों को दान देना, भिखारियों को खाना खिलाना एवं दुखियों की सहायता करना आपका नैसर्गिक गुण होगा। योग व ध्यान के प्रति भी आपका रुझान बढ़ेगा।

- महामृत्यंजय मन्त्र का पाठ करें तथा सोमवार का व्रत करें ।
- पारद शिव लिंग अपने पूजा स्थान में रखें और नित्य उसका दर्शन करें।
- काली वस्तु का दान करें।
- प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को जल दें।

इस वर्ष शनि कन्या राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे। राहु वृष राशि एवं लग्न स्थान में रहेंगे तथा 11 दिसम्बर को मेष राशि एवं द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्षारम्भ में गुरु कन्या राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 6 अप्रैल को सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में गोचर करेंगे तथा मार्गी होकर पुनः 28 जून को कन्या राशि एवं पंचम भाव में आ जाएंगे तथा अतिचारी होकर 3 दिसम्बर को तुला राशि एवं छठे भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। मेहनत और लगन से किये गए कार्यों में सफलता की प्राप्ति होगी। रचनात्मक कार्यों के प्रति आपका रुझान बढ़ेगा। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए यह समय बहुत ही शुभ है। 6 अप्रैल के बाद नौकरी करने वाले व्यक्तियों का अनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण होगा। यह परिवर्तन आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में व्यवसायी व्यक्तियों को वांछित सफलता मिलेगी। परन्तु लग्नस्थ राहु के कारण मानसिक अशान्ति बनी रहेगी। फुटकर विक्रेता व आभूषण से संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों को ज्यादा लाभ मिलेगा। यदि आप शेयर, लॉटरी व सट्टा से जुड़े है तो यह समय काफी शुभ है। सप्तम भाव पर शनि की दृष्टि आपको उच्चमहत्वाकांक्षी बना रही है। आप अधिक आय प्राप्त करने के प्रयास करते रहेंगे तथा परिश्रम के बल पर अपने व्यवसाय में वृद्धि करेंगे। यदि आप साझेदारी में कोई नया कार्य करना चाहते हैं तो यह समय अच्छा नहीं है। सप्तम स्थान पर राहु एवं शनि की दृष्टि मित्रता में धोखे का योग बना रही है। 3 दिसम्बर के बाद समय ज्यादा प्रभावित हो रहा है। अतः वर्षान्त में व्यापारिक निर्णय बहुत ही सोच विचार कर लें।

धन संपत्ति

वर्ष के प्रारम्भ में एकादश स्थान पर शनि एवं गुरु की संयुक्त दृष्टि आर्थिक उन्नति के लिए श्रेष्ठ है। यदि आप शिक्षा, कानून व बैंक से जुड़े हैं तो इच्छित बचत करने में सफल होंगे। आर्थिक उन्नति करने में आपको भाइयों का पूर्ण सहयोग मिलेगा। धनागम के सारे मार्ग प्रशस्त होंगे। हालांकि 6 अप्रैल से समय किंचित प्रभावित हो रहा है। अतः वित्त से सम्बन्धित गतिविधियों के लिए यह समय सही नहीं है अतः लेन देन करते समय सावधान रहें। लग्नस्थ राहु के कारण आर्थिक स्थिति को लेकर मानसिक कष्ट भी बना रहेगा। नई संपति क्रय करने से बचें अन्यथा हानि हो सकती है।

28 जून के बाद समय फिर से अनुकूल हो रहा है। आपके रुके हुए व फंसे हुसे पैसे मिलेंग। अप्रत्याशित धन की प्राप्ति होने से आपको आनन्द की अनुभूति होगी। बहुत दिन से चले आ रहे कर्जे इत्यादि से मुक्ति मिल सकती है। पिता व भाईयों से धन लाभ होगा। आपकी धर्मपत्नी के स्वास्थ्य पर अचानक धन व्यय होने के प्रबल योग बन रहे हैं।

घर-परिवार, समाज

घर परिवार के लिए वर्ष का प्रारम्भ मिला-जुला रहेगा। सप्तम स्थान पर राहु की दृष्टि से दाम्पत्य जीवन में सामान्य उतार-चढ़ाव बना रहेगा। घरेलू विषयों को लेकर चिन्ता हो सकती है। परन्तु 6 अप्रैल को चतुर्थ स्थान में गुरु ग्रह का गोचर पारिवारिक स्थिति के लिए काफी शुभ है। परिवार के सभी लोग एक दूसरे का सहयोग करेंगे, जिसके परिवार में स्नेह-सौहार्द का संचार होगा तथा भावनात्मक लगाव में भी वृद्धि होगी। 28 जून के बाद लम्बे समय से चली आ रही संतान संबंधी दिक्कतों का अन्ततः समाधान हो जाएगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी तथा मांगलिक कार्य भी सम्पन्न होंगे। सामाजिक उन्नति के लिए भी यह वर्ष श्रेष्ठ रहेगा। वांछित मान सम्मान तथा प्रतिष्ठा मिलेगी तथा किसी सम्मानित उच्च पद को ग्रहण करने में भी आप समर्थ होंगे।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए श्रेष्ठ है। आपके बच्चे उन्नति के मार्ग पर अग्रसर होंगे। मां-बाप के प्रति उनके मन में आदर एवं सम्मान का भाव बढ़ेगा। संतान इच्छित व्यक्तियों के लिए समय अनुकूल है। 6 अप्रैल से समय थोड़ा कष्टकर हो रहा है। पंचम स्थान का शनि आपके बच्चों की उन्नति में व्यवधान उत्पन्न कर सकता है। आपके बच्चे आलसी व लक्ष्य से भ्रमित हो सकते हैं।

28 जून से समय फिर से अनुकूल हो रहा है। आपके बच्चों का चौमुखी विकास होगा। यदि वे विवाह के योग्य हैं तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है। आपके दूसरी संतान के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा।

स्वास्थ्य

लग्नस्थ राहु के कारण स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव काफी देखने को मिलेगा। जातक को जोड़ों में दर्द, सिर दर्द एवं वायु संबंधी समस्या हो सकती है। अतः स्वास्थ्य को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही न करें अन्यथा स्वास्थ्य ज्यादा प्रतिकूल हो सकता है। यदि आप आयुर्वेद और योगाभ्यास आदि का सहारा लें तो जल्दी लाभ मिलेगा। सूर्योदय से पहले उठकर पार्क में घ ूमना भी आपके लिए अत्यधिक लाभप्रद रहेगा।

पत्नी का स्वास्थ्य अच्छा नहीं होने के कारण भी आप मानसिक रूप से परेशान रह सकते हैं। कमर के निचले हिस्से में कोई रोग बढ़ सकता है अतः किसी भी छोटी समस्या को छोटी ना समझते हुए तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें। हालांकि घबराने की कोई बात नहीं है क्योंकि लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि रोग प्रतिरोधक शक्ति को विकसित कर रही है। स्वास्थ्य अनुकूल रखने के लिए तुला दान श्रेष्ठ रहेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता में उन्नति के लिए यह वर्ष उत्तम रहेगा। रोजगार के नये अवसर पैदा

होंगे। जिससे आप व्यापार में सफलता और समाज में प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगे। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में विशेष उपलब्धी प्राप्त होगी। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए यह समय उत्तम है। श्रेष्ठ शैक्षणिक संस्थान में नामांकन मिलेगा। नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपका भाग्य साथ देगा, जिससे आपको करियर में सफलता मिलेगी।

28 जून के बाद नये-नये तकनीकी विषयों की ओर रुझान होगा। मैनेजमेंट, प्रशासनिक, शिक्षण से जुड़े लोगों के लिए यह समय उत्तम रहेगा। साल के अंत में रिसर्च व ट्रेनिंग के सिलसिले में विदेश जाने का मौका मिल सकता है।

यात्रा-तबादला

यात्रा के दृष्टिकोण यह वर्ष उत्तम रहेगा। वर्षारम्भ में आपकी अधिक यात्राएं होंगी। व्यावसायिक यात्रा के कारण आप ज्यादातर घर से बाहर ही रहेंगे। 6 अप्रैल के बाद आप परिवार सहित अपनी जन्मभूमि की यात्रा करेंगे। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का अनुकूल स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में तीर्थ यात्राओं का भी आनन्द लेंगे। यात्रा के अंतराल में किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है। यह मित्रता आपके लिए काफी लाभप्रद रहेगी। 11 दिसम्बर के बाद विदेश यात्रा का प्रबल योग बन रहा है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

यह वर्ष धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। लग्नस्थ राहु के कारण आपके सारे धार्मिक कार्य प्रभावित होंगे। आलस्यता व दीर्घ सूत्रता की भावना बनी रहेगी। दैनिक पूजा भी प्रभावित होगी। इस समय के अंतराल में आप कर्मनिष्ठ होंगे अर्थात् अपने कर्मों पर ज्यादा विश्वास करेंगे तथा आप दान पुण्य अधिक करेंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप साधना, योग व ध्यान में अपना समय अधिक व्यतीत करेंगे। गरीबों की सहायता एवं बुजुर्गों की सेवा करेंगे तथा दूसरों की सहायता करना ही अपना धर्म समझेंगे।

- महामृत्युंजय मन्त्र का पाठ करें तथा शारीरिक आरोग्यता प्राप्ति के लिए तुला दान करें।
- प्रत्येक दिन सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य दें तथा घृणी सूर्याय नमः मन्त्र का पाठ करें।
- प्रत्येक दिन दुर्गा कवच का पाठ करें तथा बुधवार व शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें।
- आठमुखी रुद्राक्ष रत्न धारण करें।

इस वर्ष राहु मेष राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में गुरु तुला राशि एवं छठे भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 6 मई से 30 जुलाई तक कन्या राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद पुनः मार्गी होकर तुला राशि एवं छठे भाव में आ जाएंगे। 25 सितम्बर तक शनि कन्या राशि एवं पंचम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद तुला राशि एवं छठे भाव में प्रवेश कर जाएंगे।

व्यवसाय

काम काज के लिए यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। व्यापार में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रहेगी। वर्षारम्भ में कोई नया कार्य प्रारम्भ न करें नहीं तो हानि हो सकती है। यदि व्यावसायिक क्षेत्र बढ़ाना चाहते हैं तो अप्रैल के बाद ही विस्तार करें क्योंकि उससे पहले का समय अच्छा नहीं है। नौकरी करने वाले लोगों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। कार्यस्थल पर आपके खिलाफ साजिश रची जा सकती है। आपकी छवि को धूमिल करने की कोशिश भी की जा सकती है, इसलिए सतर्क रहें। नौकरी छोड़ने का भी मन बना सकते हैं। वरिष्ठ सहकर्मियों से झगड़ा करने से बचें। सरकारी नौकरी वालों को ज्यादा सावधानी बरतने की आवश्यकता है, नुकसान होने की संभावना ज्यादा है।

साझेदारी में काम करने वाले व्यक्तियों के लिए वर्ष का उत्तरार्द्ध प्रभावित रहेगा। आपके मित्र आपको धोखा दे सकते हैं। सकारात्मक बने रहें। 25 सितम्बर के बाद का समय आपके पक्ष में होगा। विरोधी शान्त होंगे तथा उन्नति के मार्ग खुलेंगे। उच्चाधिकारियों का सहयोग मिलता रहेगा। लोहा, कच्चे तेल, कच्चे माल के कारखानों आदि से जुड़े लोगों के लिए समय विशेष लाभकारी रहेगा।

धन संपत्ति

आर्थिक रूप से यह वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। द्वादश स्थान का राहु खर्च में वृद्धि करेगा। निवेश व लेन देन के मामले में सावधान रहना आपके लिए लाभप्रद रहेगा। 6 मई के बाद समय अनुकूल हो रहा है। व्यापारिक अनुकूलता के कारण लाभ होगा। शेयर, सट्टा व जुआ आदि से जुड़े लोगों के लिए यह समय उत्तम है। नयी संपत्ति क्रय करने का भी सुंदर योग बन रहा है। गुप्त धन की प्राप्ति होगी।

वर्ष का उत्तरार्द्ध में गोचर प्रतिकूल होने के कारण चोरी, बीमारी, दुर्घटना व अपव्यय के योग हैं। यदि धन संपत्ति से संबंधित कोई मामल कोर्ट कचहरी में चल रहा है तो उसमें सफलता प्राप्त नहीं होगी। अचानक कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं जिसके कारण आपको कर्ज लेना पड़ सकता है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से यह वर्ष मिला-जुला रहेगा। वर्षारम्भ में पारिवारिक स्थिति

अनुकूल नहीं रहने से आप चिंतित रहेंगे। चतुर्थ स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि के कारण परिवार में किसी के साथ वैचारिक मतभेद होने का प्रबल योग बना रहा है। छोटी छोटी बातों पर झगड़ा या विवाद न करें। 6 मई से समय कुछ अच्छा होगा। आपके भाईयों की उन्नति होगी। परिवार में मांगलिक कार्य होंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपको कुछ पारिवारिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे समय में समझदारी से काम लेना आपके लिए हितकर होगा। आपके रास्ते में कुछ बाधाएं आ सकती हैं। 25 सितम्बर के बाद षष्ठस्थ शनि के कारण सामाजिक पद प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। मान सम्मान के साथ आपकी ख्याति भी बढ़ेगी। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़ चढ़ के भाग लेंगे तथा समाज में लोग भी आपको वांछित सम्मान प्रदान करेंगे।

संतान

वर्षारम्भ में पंचम स्थान में शनि ग्रह का गोचर आपके बच्चों के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है, जिसका असर उनकी शिक्षा पर भी पड़ेगा, परन्तु 6 मई से समय अनुकूल हो रहा है। संतान इच्छित व्यक्तियों के लिए यह समय शुभ है। आपके बच्चे आपकी उम्मीदों पर खरा उतरेंगे। बच्चे मान सम्मान में वृद्धि व गर्व का अनुभव कराएंगे।

वर्ष का उत्तरार्द्ध दूसरी संतान के लिए शुभ नहीं है। आलस्य के कारण उनके सभी कार्यों में व्यवधान आने कि संभावना बन रही है। उनके रहन सहन पर विशेष ध्यान दें।

स्वास्थ्य

वर्ष का प्रारम्भ स्वास्थ्य के लिए अच्छा नहीं है। मानसिक अशान्ति व शारीरिक परेशानी बनी रहेगी। गैस, पाचन या पेट संबंधित बीमारियां होने की प्रबल संभावना बन रही है। मुख्यतः सभी ग्रहों का गोचर प्रतिकूल होने के कारण स्वास्थ्य ज्यादा प्रभावित हो सकता है। ऐसे में आपको अपने स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देना होगा। खान पान के साथ-साथ अपनी दिनचर्या में सुधार करना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।

6 मई से समय स्वास्थ्य के लिए अनुकूल हो रहा है। आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जाओं की वृद्धि होगी, जिससे आपकी रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ेगी। लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि होने के कारण मानसिक शान्ति बनी रहेगी। आप दैनिक कार्यों में स्फुर्तिवान बने रहेंगे। अगस्त के बाद मौसमजनित बीमारियों से किंचित परेशान होंगे। परन्तु 25 सितम्बर के बाद समय काफि अच्छा हो रहा है। छठे स्थान का शनि आपको व्याधि मुक्त रखेगा तथा आप अपने को पूर्ण रूप से स्वस्थ महसूस करेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

विदेशी भाषा सीखने वाले लोगों के लिए यह वर्ष श्रेष्ठ है। जो लोग विदेश में अपना करियर बनाना चाहते हैं उन लोगों की उन्नति होगी। 6 मई के बाद उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए समय बहुत ही शुभ हो रहा है। तकनीकी शिक्षा व व्यावसायिक शिक्षा से जुड़े विद्यार्थियों को भी सफलता मिलेगी।

25 सितम्बर के बाद नौकरी इच्छित व्यक्तियों को वांछित सफलता मिलेगी तथा उन्नति के सारे मार्ग प्रसस्त होंगे। छठे स्थान का शनि प्रतियोगिता परीक्षा के लिए बहुत ही शुभ होता है।

यात्रा-तबादला

वर्ष के प्रारम्भ में विदेश यात्रा का प्रबल योग बन रहा है। द्वादश स्थान का राहु अचानक विदेश यात्रा करा सकता है। 6 मई के बाद आपकी लम्बी यात्राएं होंगी। नवम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि के कारण आप धार्मिक यात्राओं का भी आनन्द लेंगे।

मुख्यतः आपके सारी यात्राएं अचानक होंगी। विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए वर्ष का अंत बहुत ही शुभ है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष का प्रारम्भ धार्मिक कार्यों के लिए अच्छा नहीं है। मानसिक द्वंद्वता के कारण आपके सारे धार्मिक कार्य प्रभावित होंगे। पंचमस्थ शनि के कारण पूजा-पाठए यज्ञ, अनुष्ठान इत्यादि कर्मों में आपका मन नहीं लगेगा, परन्तु 6 मई के बाद गुरु ग्रह का गोचर अनुकूल होने के कारण धार्मिक कार्यों के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप सांस्कृतिक उत्सवों में बढ़-चढ़ के भाग लेंगे तथा दान पुण्य अधिक करेंगे। अपने पूजा घर में श्वेतार्क गणपति की स्थापना कर नित्य उनका पूजन करें तथा प्रत्येक बुधवार के दिन दुर्वा (घास) चढ़ाएं और लड्डुओं का भोग लगाएं।

- सूर्योदय के समय सूर्य को अर्घ्य देना आपके लिए लाभप्रद रहेगा।
- चन्दन का तिलक लगाएं तथा गुरु के मन्त्र का पाठ करें।
- साधु संन्यासियों की सेवा करें तथा अपने से बड़े लोगों का सम्मान करें।

वार्षिक फलादेश - 2042

इस वर्ष शनि तुला राशि एवं छठे भाव में रहेंगे। 22 जून तक राहु मेष राशि एवं द्वादश भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मीन राशि एवं एकदश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के पूर्वार्द्ध में गुरु वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे तथा वक्री होकर 10 जून से 27 अगस्त तक तुला राशि एवं छठे भाव में गोचर करेंगे और पुनः मर्गी होकर फिर से वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में आ जाएंगे।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहने वाला है। षष्ठस्थ शनि के प्रभाव से नौकरी वाले लोगों को जबरदस्त सफलता मिलने की संभावना है। आपको उच्च अधिकारियों का सहयोग व पदोन्नति मिलने के भी योग बने हुए हैं। आपके वेतन में बढ़ोत्तरी हो सकती है व कंपनी की तरफ से आपको सुख-सुविधाएं प्रदान की जा सकती हैं। व्यावसायिक क्षेत्र में आपको वांछित सफलता भी मिल सकती है। अगर कोई नया काम करने की सोच रहे हैं तो उस क्षेत्र से जुड़े अनुभवी लोगों की सलाह लेना आपके लिए फायदेमंद होगा। कार्य क्षेत्र में किसी के साथ वाद-विवाद से बचें क्योंकि राहु ग्रह का गोचर प्रतिकूल होने के कारण किसी के साथ आपका वैचारिक मतभेद हो सकता है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपको सरकारी या निजी क्षेत्र से कोई बड़ा प्रोजेक्ट मिल सकता है। शॉर्टकट या कम मेहनत से धन कमाने का विचार अगर आपके मन में आ रहा है तो इस अवधि में उसका त्याग करें। शेयर बाजार में लंबी अवधि के लिए निवेश करना आपके लिए काफी फायदेमंद रहेगा। यदि आप प्रॉपर्टी से सम्बन्धित कार्य करते हैं, तो इस अवधि में अच्छा लाभ होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से वर्ष का पूर्वार्द्ध मिला-जुला रहने वाला है। धनागम में अनियमितता बनी रहेगी। भौतिक सुख सुविधाओं पर आप अधिक खर्च करेंगे। द्वादशस्थ राहु के कारण आपको थोड़ी आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए धन बचाकर रखें और फिजूलखर्ची से बचें। किसी भी प्रकार का धन संबंधित लेन-देन करते वक्त सावधानी बरतें क्योंकि किसी नजदीकी व्यक्ति से धोखा मिलने की संभावना बन रही है।

22 जून से आर्थिक मामले के लिए समय बहुत ही शुभ हो रहा है। आमदनी के स्रोतों में बढ़ोत्तरी होगी। किसी सरकारी आदमी के सहयोग से आर्थिक पक्ष मजबूत होगा तथा कोई मुनाफे का बड़ा सौदा हाथ लग सकता है। जो जातक व्यवसाय करते हैं, उनके टर्नओवर में बढ़ोत्तरी होगी तथा आप वांछित बचत करने में सफल होंगे।

घर-परिवार, समाज

इस वर्ष परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा। माता पिता सहित पूरे

परिवार का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपके व्यक्तित्व में निखार व चमक पैदा होगी। बातचीत का ढंग व व्यवहर दोनों में बदलाव आएगा। धर्मपत्नी के साथ आपके संबंध और मधुर होंगे। चतुर्थ स्थान पर राहु की दृष्टि माता के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है, परन्तु 22 जून के बाद यह स्थिति भी अच्छी हो जाएगी।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आपके भाई बहनों के लिए उन्नतिकारक व श्रेष्ठ है। तृतीय स्थान में गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आप सामाजिक कल्याण के लिए कुछ विशेष कार्य करेंगे जिससे समाज में आपकी ख्याति और बढ़ेगी तथा सभी लोग आपको सम्मान की दृष्टि से देखेंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे तथा अपने बौद्धिक बल के द्वारा अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे। 22 जून के बाद अचानक आपकी प्रथम संतान को स्वास्थ्य संबंधित परेशानी हो सकती है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आपकी दूसरी संतान के लिए शुभ है। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी प्रगति करेंगे। यदि वे विवाह के योग्य हैं तो विवाह होने का प्रबल योग बन रहे हैं। यदि आप दूसरी संतान की इच्छा रखते हैं तो यह समय बहुत ही अनुकूल है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध कोई खास नहीं रहेगा। द्वादशस्थ राहु के कारण स्वास्थ्य में उतार चढ़ाव की स्थिति बन सकती है। मानसिक रूप से आप सन्तुष्ट नहीं रहेंगे। परन्तु 22 जून के बाद जैसे ही यह स्थिति समाप्त होगी। आपका स्वास्थ्य अनुकूल हो जाएगा।

यदि आप किसी पुरानी बीमारी से परेशान हैं तो वर्ष के उत्तरार्द्ध में उससे छुटकारा मिल सकता है। 27 अगस्त के बाद लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जाओं का संचार होगा। जो आपको शारीरिक आरोग्यता प्रदान करेगी। आप आपना स्वास्थ्य अनुकूल रखने के लिए शुद्ध शाकाहारी भोजन करें एवं योगासन के साथ-साथ व्यायाम भी करते रहें।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष बहुत अच्छा रहेगा। षष्ठस्थ शनि के प्रभाव से प्रतियोगिता परीक्षार्थियों को अपनी परीक्षा में सफलता प्राप्त होगी। जो व्यक्ति नौकरी की तलाश में हैं उनको वांछित नौकरी की प्राप्ति होगी।

व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वालो विद्यार्थियों के लिए यह वर्ष अच्छा रहेगा। विद्यार्थियों की शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। द्वादशस्थ राहु पर शनि की दृष्टि प्रभाव से विदेश यात्रा के प्रबल योग बन रहे हैं। नौकरी करने वाले व्यक्तियों का स्थानान्तरण होगा यह स्थानान्तरण प्रतिकूल स्थान पर भी हो सकता है।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में व्यावसायिक यात्राएं अधिक होंगी। इन यात्राओं से आपको खूब लाभ होगा।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए यह वर्ष अनुकूल रहेगा। लग्न स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से आप पूजा पाठ यज्ञ, अनुष्ठान अधिक करेंगे। धार्मिक गतिविधियो में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे। मई के बाद आप दान पुण्य अधिक करेंगे।

- अमावस्या तिथि को किसी ब्राह्मण को भोजन कराएं।
- दुर्गा चालीसा का पाठ करें।
- शनिवार या बुधवार के दिन काली वस्तु का दान करें।
- प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वर्षारम्भ में गुरु वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे तथा 27 जनवरी को धनु राशि एवं अष्टम भाव में प्रवेश करेंगे और पुनः वक्री होकर 30 जुलाई को वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में गोचर करेंगे तथा अतिचारी होकर फिर से 11 सितम्बर को धनु राशि एवं अष्टम भाव में आ जाएंगे। पूरे साल शनि तुला राशि एवं छठे भाव में रहेंगे तथा 12 दिसम्बर को वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में प्रवेश करेंगे। 19 सितम्बर तक राहु मीन राशि एवं एकादश भाव में रहेंगे तथा उसके बाद कुम्भ राशि एवं दशम भाव में गोचर करेंगे।

व्यवसाय

व्यापारिक लिहाज से ग्रह स्थिति आपके पक्ष में बनी हुई है। कार्य व्यवसाय में जो परेशानियां आ रही थी उन सब से छुटकारा मिलेगा। व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से चलेंगी। व्यापार में काफी ठोस व बड़े निर्णय लेंगे, जिससे आपके मुनाफे में बढ़ोत्तरी होगी। अपने सभी प्रतिद्वंद्वियों से आप खुद को आगे पाएंगे। कस्टम, रॉयल्टी, वैट, इनकम टैक्स आदि से सम्बन्धित परेशानियां आ सकती हैं। किसी सरकारी मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है लेकिन घबराने की कोई जरूरत नहीं है क्योंकि 30 जुलाई के बाद उसका भी समाधान मिल जाएगा।

11 सितम्बर के बाद आपके कार्य क्षेत्र में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं अतः उस समय आप सतर्क रहें तथा किसी पर भी आवश्कता से ज्यादा विश्वास न करें। नौकरी करने वाले व्यक्तियों की अचानक पदोन्नति होगी तथा अपने कार्यस्थल पर मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपको बड़े अधिकारियों का समय समय सहयोग मिलता रहेगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। धनागम में निरन्तरता होने के कारण संचित धन में वृद्धि होगी। रत्नाभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति होगी। अचल संपत्ति के साथ साथ वाहनादि का सुख भी मिल सकता है। मांगलिक कार्यों में या सामाजिक कार्यों में आप अधिक व्यय करेंगे। अष्टमस्थ गुरु के कारण कुछ अनावश्यक खर्चे आ सकते हैं परन्तु जुलाई के बाद यह स्थिति भी अच्छा हो जाएगी।

वर्ष का उत्तरार्द्ध और भी श्रेष्ठ रहने वाला है। आपके पास कोई पुराना कर्ज है तो उससे छुटकारा पा सकते हैं। आमदनी के नए स्रोत मिलने की उम्मीद है। विदेश अथवा दूर की यात्रा के माध्यम से भी धनार्जन होने के योग बन रहे हैं। यदि आपका पैसा कहीं रुका हुआ है तो थोड़े से प्रयास से उसकी प्राप्ति हो सकती है। आप अपने बच्चे की उच्च शिक्षा में अधिक खर्च करेंगे।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टिकोण से यह वर्ष उत्तम रहेगा। परिवार में कोई मांगलिक कार्य

सम्पन्न होने के योग बन रहे हैं। परिवार में सुख और शान्ति का वातावरण बनेगा। भाई-बहनों से आपके सम्बन्ध और मधुर होंगे। भाई-बहनों की उन्नति होगी। दूर रहने वाले पारिवारिक सदस्यों का घरागमन अथवा उनके साथ सम्बन्धों में सुधार होने से मन प्रसन्न होगा। परिवार के सभी सदस्यों का वर्ताव आपके प्रति अच्छा रहेगा। माताजी का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा, परन्तु आपके ससुराल पक्ष के लोगों के साथ संबंध अच्छे नहीं रहेंगे।

जुलाई के बाद तृतीय स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा मे बढ़ोत्तरी होगी। सामाजिक गतिविधियो में आप बढ़-चढ़ के भाग लेंगे, जिससे समाज में मान-सम्मान के साथ आपकी ख्याति भी बढ़ेगी। आपको छोटे भाई बहनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा जिससे आपका पराक्रम बढ़ेगा।

संतान

संतान की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्यतः अनुकूल नहीं रहेगा। आपके बच्चों को उदर संबंधित रोग हो सकता है, जिसका नकारात्मक प्रभाव उनकी शिक्षा-दीक्षा पर पड़ेगा। निर्णय लेने की शक्ति में कमी व उन्नति में व्यवधान आ सकता है। दूसरी संतान के लिए यह समय ज्यादा प्रभावित रहेगा। लेकिन घबराने की बात नहीं है क्योंकि 30 जुलाई को गुरु ग्रह का गोचर आपके बच्चों के लिए शुभ हो रहा है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध आपके बच्चों के लिए शुभ है। संतान के उन्नति के मार्ग खुलेंगे तथा शिक्षा-दीक्षा में आने वाली रुकावटें दूर होंगी। आपके बच्चों को वांछित सफलता मिलेगी। यदि आपकी दुसरी संतान विवाह के योग्य है तो विवाह का प्रबल योग बन रहा है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य की दृष्टि से वर्ष का पूर्वार्द्ध अनुकूल नहीं रहेगा। आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव बना रहेगी। मौसमजनित बीमारियों से थोड़ी परेशानी हो सकती है। यदि पहले से कोई बीमारी है तो परहेज की ज्यादा आवश्यकता है। खान-पान के साथ अपनी दिनचर्या सुधारें तथा व्यायाम के साथ योगाभ्यास भी करें। समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली बेहतर बनाने की कोशिश करें। किसी आर्थिक मुद्दे को लेकर या किसी विरोधी के कारण दिमागी तनाव न पालें। चिड़-चिड़े न बनें अन्यथा इस सबका आपकी सेहत पर विशेष प्रभाव पड़ेगा।

30 जुलाई के बाद नैसर्गिक रूप से आपके स्वास्थ्य में सुधार आना शुरू हो जाएगा। रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ने से आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जाओं का संचार होगा। लग्न स्थान पर शुभ ग्रह के प्रभाव होने से आपके मन में अच्छे विचार आएंगे। धार्मिक कृत्यों में अधिक रुचि बढ़ेगी, जिससे आप मानसिक रूप से संतुष्ट एवं शारीरिक रूप से आरोग्य रहेंगे।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

करियर एवं प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष काफी अच्छा रहेगा। छठे स्थान में शनि तथा एकादश स्थान में राहु के प्रभाव से आप सभी प्रतियोगिता परीक्षाओं में सफलता प्राप्त करेंगे। सभी शत्रुओं को परास्त कर सफलता के मार्ग पर आप सबसे आगे रहेंगे। जो

व्यक्ति इलेक्ट्रोनिक या हार्डवेयर से संबंधित कार्य कर रहे हैं, उनको अपने करियर में वांछित सफलता मिलेगी।

यदि आप कोई व्यासायिक शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं तो उसमें सफलता मिलने की उम्मीद है। यदि आप किसी नए शिक्षण संस्थान की तलाश में हैं तो वर्ष के उत्तरार्द्ध में आपको एक अच्छे संस्थान की प्राप्ति होगी जहां से शिक्षा लेने के बाद आप को नई और सही दिशा की प्राप्ति होगी। जो लोग दूर देश में जाकर शिक्षा लेना चाह रहे हैं, उनके लिए भी समय अनुकूल है। बेरोजगार जातकों को इस वर्ष नौकरी मिल जाएगी।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष उत्तम रहेगा। वर्ष के प्रारम्भ में द्वादश स्थान पर गुरु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आप विदेश यात्रा करेंगे।

30 जुलाई के बाद आपकी छोटी-मोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होती रहेंगी। नवमस्थ गुरु के प्रभाव से आपकी धार्मिक यात्राएं अधिक होंगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अच्छा नहीं रहेगा। मानसिक द्वन्दता के कारण पूजा पाठ में एकाग्रता नहीं रहेगी। परन्तु 30 जुलाई के बाद गुरु ग्रह का गोचर धर्म स्थान में होगा। उस समय आपका मन धार्मिक कार्यों के प्रति आकृष्ट होगा।

आप अपने गुरुजनों का सम्मान करेंगे। उनके दिये गये उपदेशों का पालन करेंगे और गरीबों की सहायता करेंगे। लक्ष्य प्राप्ति के लिए आप विशेष रूप से ईश्वर की उपासना करेंगे।

- द्विज, देव, ब्राह्मण, बुजुर्ग, गुरु व मंदिर के पूजारी की सेवा सुश्रुषा करें।
- केला या पीली वस्तुओं का दान करें। वीरवार का व्रत करे एवं बेसन के लड्डू गरीबों में वितरित करें।
- अपने पूजा घर में पारद शिवलिंग की स्थापना करें।
- प्रतिदिन गणेश जी के निम्नलिखित मन्त्र का पाठ करें-

  ॐ गं गणपतये नमः।

वार्षिक फलादेश - 2044

इस वर्ष शनि वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे तथा राहु कुम्भ राशि एवं दशम भाव में रहेंगे। 16 फरवरी तक गुरु धनु राशि एवं अष्टम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मकर राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। इस वर्ष मंगल वक्री होकर 4 मार्च से 13 जून तक सिंह राशि एवं चतुर्थ भाव में रहेंगे।

व्यवसाय

कारोबारियों के लिए यह वर्ष अनुकूल रहने वाला है। एकाधिक स्रोतों से धन का आगमन होगा। सप्तमस्थ शनि के प्रभाव से आपको कार्य व्यवसाय में अच्छी सफलता मिलेगी। जो लोग अपनी पत्नी के साथ मिलकर कोई कारोबार कर रहे हैं, उन्हें अधिक लाभ होने वाला है। यदि आप साझेदारी में कार्य कर रहें है तो इस वर्ष इच्छित लाभ होगा। वर्ष के प्रारम्भ में अष्टमस्थ गुरु के कारण कुछ प्रतिद्वंदी आपके कार्यों में रुकावटें डालने की कोशिश करेंगे, परन्तु 16 फरवरी के बाद आप सभी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कर लेंगे। उसके बाद समय बहुत ही शुभ होने वाला है।

आपके प्रयासों की सार्थकता ही आपकी सफलता को सिद्ध करेगी। जिससे विरोधी पक्ष भी आपकी तारीफ करने पर मजबूर हो जाएगा। सहयोगियों की सहायता से मान-सम्मान बढ़ सकता है। आय के बहुत सारे नये स्रोत सामने आ सकते हैं। जो लोग नौकरी में हैं, उन्हें तरक्की मिलने से वेतन वृद्धि हो सकती है। आप अपनी सारी ऊर्जा अपने नए प्रोजेक्ट में लगाएँ और अपने प्रयासों को दोगुना करें।

धन संपत्ति

इस वर्ष आपकी आर्थिक स्थिति उत्तम रहने वाली है। विभिन्न स्रोतों से धन का आगमन होगा। 16 फरवरी के बाद गुरु ग्रह का गोचर शुभ होने के कारण आपके संचित धन में वृद्धि होगी। कोई पुराना उधार वापस मिलने से आर्थिक स्थिति में काफी सुधार होगा। जिसके चलते आप अपने व्यवसाय को विस्तार देने के बारे में सोच सकते हैं या किसी नए व्यापार में निवेश कर सकते हैं। ऋण और वित्तीय मामलों के संदर्भ में आपके प्रयास सफल हो सकते हैं।

यदि आप किसी से धन लिया हो अथवा उधारी हो तो उसे भी चुका कर कर्ज में कमी कर सकेंगे। आर्थिक सुधार के कारण व्यापार में सम्मान बना रहेगा। धन प्राप्ति के लिए आपको भाग दौड़ करनी पड़ सकती है। लेकिन आपको अपेक्षित नतीजे मिलने के कारण आत्म संतुष्टी भी होगी। भूमि व वाहन से संबंधित कार्य करने वाले व्यक्तियों के लिए वर्ष का पूर्वार्द्ध अच्छा नहीं रहेगा।

घर-परिवार, समाज

चतुर्थ स्थान पर राहु एवं शनि की संयुक्त दृष्टि पारिवारिक अनुकूलता के लिए अच्छी नहीं है। आपकी माता जी के साथ आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा आपके पारिवारिक

जीवन में थोड़ी मुश्किलें खड़ी हो सकती हैं। ऐसे समय में आपको धैर्य और सतर्कता के साथ काम लेना होगा। एक बात जो आपको सभी लोगों से जुदा करती है, वह है आपका अचानक क्रोधित होना और जल्दी शांत नही होना। यह आपके दाम्पत्य जीवन के लिए कतई अच्छा नहीं है।

आपसी रिश्तों को बरकरार रखने के लिए यह जरूरी है कि रिश्तों को लेकर थोड़ा सजग रहें नहीं तो परिवार में किसी के साथ अनबन हो सकती है। आपके ससुराल पक्ष के लिए समय अच्छा नहीं है। अतः उनके साथ आपके संबंध खराब हो सकते हैं। सामाजिक स्तर पर भी आपको सतर्क रहना होगा कुछ अपमान जनक परिस्थितियाँ पैदा हो सकती हैं। घर की शोभा बढ ाने के लिए कुछ सुंदर वस्तुओं की खरीददारी संभव है।

संतान

संतान की दृष्टि से 16 फरवरी तक समय अच्छा नहीं है, परन्तु उसके बाद समय बहुत ही शुभ हो रहा है। पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि प्रभाव से नवविवाहित व्यक्तियों को संतान रत्न की प्राप्ति होगी। आपके बच्चे अपने भाग्य के बल पर आगे बढ़ेंगे। उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अच्छे शैक्षणिक संस्थान में उनका प्रवेश हो जाएगा।

यदि आपका पहला बच्चा विवाह के योग्य है तो विवाह होने का प्रबल योग बन रहा है, परन्तु आपके दूसरे बच्चे के लिए यह वर्ष अच्छा नहीं है। उनको शारीरिक एवं मानसिक परेशानी बनी रहेगी। आलस्यता एवं दीर्घसूत्रता के कारण उनके सभी कार्यों में व्यवधान आते रहेंगे।

स्वास्थ्य

वर्ष के प्रारम्भ में आपको स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने की आवश्यकता है। बाहर का खाना खाने से बचें अन्यथा फूड पॉयजनिंग से पीड़ित हो सकते हैं। आवश्यकता से अधिक परिश्रम आपको स्वास्थ्य की हानि दे सकता है इसलिए बेहतर है की आप पूर्ण विश्राम भी करें। त्वचा संबंधी विकार हो सकते हैं। 16 फरवरी के बाद समय अनुकूल हो रहा है। नवमस्थ गुरु की पंचम दृष्टि लग्न पर होगी उसके प्रभाव से शारीरिक आरोग्यता की प्राप्ति व कार्य क्षमताओं में वृद्धि के प्रबल संकेत है। मानसिक शांति, प्रसन्नता एवं सकारात्मक सोच में वृद्धि होगी।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में आप निरोगी काया के स्वामी होंगे। आपके अंदर सकारात्मक ऊर्जाओं का संचार होगा। जो आपको शारीरिक आरोग्यता प्रदान करेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

16 फरवरी के बाद पंचम स्थान पर गुरु की दृष्टि विद्यार्थियों के लिए बहुत ही शुभ है। छात्रों को सफलता मिलने के पूर्ण आसार है। इस समय दी गई परीक्षाओं का परिणाम हितकारी होगा। दोस्तों का पूर्ण सहयोग मिलेगा।

प्रतियोगिता परीक्षार्थियो को सफलता मिलेगी परन्तु अथक परिश्रम के बाद। यदि

आप किसी के मित्र के साथ साझेदारी में कोई नया काम शुरु करना चाहते हैं तो यह समय आपके लिए काफी लाभप्रद रहेगा।

यात्रा-तबादला

16 फरवरी के बाद नवमस्थ गुरु के प्रभाव से इस वर्ष आपकी खूब यात्राएं होंगी। ज्यादातर समय आप अपने घर से बाहर ही रहेंगे। यात्रा दौरान आपकी किसी के साथ मित्रता भी हो सकती है। यह मित्रता आपके लिए लाभप्रद रहेगी।

नौकरी करने वाले व्यक्तियों का प्रतिकूल स्थान पर स्थानान्तरण हो सकता है। यह तबादला आपके घर से दूर भी हो सकती है। इस वर्ष आप धार्मिक यात्रा कर अत्यधिक पुण्यार्जन करेंगे।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

वर्ष के पूर्वार्द्ध में नवमस्थ गुरु के कारण आप कोई विशेष पूजा-पाठ यज्ञ, अनुष्ठान सम्पन्न करेंगे, जिससे आपको समाज में ख्याति प्राप्त होगी और आप मानसिक रूप से संतुष्ट रहेंगे। पंचम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से आपके मन में नैसर्गिक रूप से आध्यात्मिक ज्ञान बढ़ेगा। आध्यात्मिक ज्ञान के कारण आपको अलौकिक आनन्द की अनुभूति होगी। गुरु दीक्षा लेकर मन्त्र साधना कर सकते हैं। गुरुजनों पर आपको अटूट विश्वास होगा।

- अपने पूजा घर में स्फटिक श्रीयन्त्र की स्थापना करें तथा उसके सामने देशी घी की दीपक जलाएं।
- प्रतिदिन हनुमान चालीसा का पाठ करें।
- वीरवार के दिन केला व बेसन के लड्डू गरीबों को दान करें।
- माता पिता व अपने से बड़े लोगों की सेवा करें।

वार्षिक फलादेश - 2045

इस वर्ष शनि वृश्चिक राशि एवं सप्तम भाव में रहेंगे। 15 जून तक राहु कुम्भ राशि एवं दशम भाव में रहेंगे तथा उसके बाद मकर राशि एवं नवम भाव में प्रवेश करेंगे। 2 मार्च को गुरु कुम्भ राशि एवं दशम भाव में प्रवेश करेंगे।

व्यवसाय

इस वर्ष आपको व्यापार में अच्छा लाभ मिलने वाला है। कुछ नए कारोबारियों से आपका संपर्क बढ़ेगा, उनके साथ काम करके आप एक नई ऊँचाईयों को प्राप्त करेंगे, साथ ही किसी बड़ी कंपनी के साथ मिलना या उसके साथ कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। भाग्य अनुकूल होने के कारण आपको सभी कार्यों में वाच्छित सफलता मिलेगी। यदि आप अपनी पत्नी के साथ मिलकर कार्य रहे हैं तो सफलता के मार्ग पर अग्रसर रहेंगे।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में नौकरी करने वाले लोगों के लिए समय श्रेष्ठ रहने वाला है। पदोन्नति व इच्छित स्थान पर स्थानान्तरण का पूर्ण योग बन रहा है। इस अवधि में आपको सराहना, सहयोग व ऐसी खुशी मिलेगी जिसकी तलाश आप एक लम्बे समय से कर रहे थे। आपका प्रत्येक काम समय से पहले पूरा होगा। वर्तमान नौकरी के अलावा अन्य स्रोतों से भी आपको लाभ मिलेगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टिकोण से यह वर्ष लाभदायक सिद्ध होगा। अतिरिक्त आय प्राप्त होने की उम्मीद पूरी हो सकती है। आपमें साहस का स्तर अधिक रहेगा तथा आप आमदनी के नए स्रोत भी पैदा कर सकते हैं। व्यापारिक अनुकूलता के कारण आप वांछित बचत करने में सफल रहेंगे। मांगलिक कार्यों व सुख-सुबिधाओं पर इस वर्ष आप अधिक खर्च कर सकते हैं।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में नौकरी करने वाले लोगों को उनकी मेहनत का फल प्रोत्साहन राशि या वेतन वृद्धि के रूप में मिल सकता है। आर्थिक मोर्चे पर अच्छे समाचार मिल सकते हैं। सरकारी विभाग या अन्य किसी जगह पैसा फंसा हुआ है, उसकी पेमेंट हो सकती है। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि प्रभाव से भूमि, वाहन, रत्न, आभूषण इत्यादि वस्तुओं की प्राप्ति हो सकती है।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक रूप से वर्ष का प्रारम्भ कुछ अच्छा नहीं रहेगा। द्वितीय एवं चतुर्थ स्थान पर राहु ग्रह की दृष्टि के कारण परिवार में काफी उतार-चढ़ाव होने की संभावना है। माता-पिता के साथ कुछ विवाद हो सकता है तथा फालतू के झगड़ों की संभावना है, इसलिए विवादों से दूरी बनाकर रहना आपके लिए फायदेमन्द रहेगा नहीं तो इससे आपकी पेशेवर और सामाजिक जिन्दगी प्रभावित हो सकती है।

वर्ष का उत्तरार्द्ध अनुकूल होने के कारण परिजनों, परिचितों एवं मित्रों से हर कार्य

में सहयोग मिलेगा। चतुर्थ स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि परिवार के लिए कोई नया वाहन लेने की स्थिति बना सकती है। मित्रों एवं भाईयों के सहयोग से आपके कार्य पूर्ण हो सकते हैं। आपके खर्चों में वृद्धि की संभावना है। घर में मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। पुराने परिचितों से मिलने-जुलने और पुराने रिश्तों को फिर से तरोताजा करने के लिए अच्छा समय है।

संतान

वर्ष का प्रारम्भ संतान के लिए श्रेष्ठ रहने वाला है। आपके बच्चों की उन्नति होगी। प्रथम संतान के विषय मे शुभ समाचार प्राप्त होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में अच्छी प्रगति होने के शुभ योग बन रहे हैं। दूसरे बच्चे के लिए यह समय सामान्य रहेगा।

पंचम स्थान पर राहु की दृष्टि आपकी प्रथम संतान के स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है तथा उनकी शिक्षा-दीक्षा व उन्नति में भी रुकावटें आ सकता हैं।

स्वास्थ्य

वर्षारम्भ में लग्न स्थान पर शनि एवं गुरु की संयुक्त दृष्टि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही शुभ है। मानसिक शान्ति एवं शारीरिक आरोग्यता अनुकूल बनी रहेगी, परन्तु 2 मार्च के बाद जैसे ही यह स्थिति समाप्त होगी, उसके बाद आपका स्वास्थ्य किंचित प्रभावित होगा।

15 जून के बाद अचानक बीमार हो सकते हैं। मौसमजनित बीमारियों से आप परेशान रह सकते हैं। आलस्य, मानसिक चिंता इत्यादि छोटी-मोटी बीमारियां होती रहेंगी। अतः आपको अपनी सेहत का पूर्ण ध्यान रखना होगा। खान-पान तथा रहन-सहन पर संयम रखना बहुत जरूरी होगा क्योंकि आपके स्वास्थ्य को सबसे ज्यादा खतरा संक्रामक बीमारियों से है। समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली बेहतर बनाने की कोशिश करें। चिड़-चिड़े न बनें अन्यथा इन सबका आपकी सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

वर्ष का पूर्वार्द्ध व्यावसायिक शिक्षा प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के लिए अनुकूल रहेगा। आपकी शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ेगी। इस समय यदि आप अपने मन को एकाग्र कर पढ़ाई करेंगे तो अपने लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर सकते हैं।

वर्ष का उत्तरार्द्ध विद्यार्थियों के लिए अच्छा नहीं है। पंचम स्थान पर राहु ग्रह के दृष्टि प्रभाव से पढ़ाई-लिखाई में कमी व प्रतियोगिता परीक्षा में व्यवधान आ सकता है। आपकी सृजनात्मक क्षमता छुपी रहेगी और बुद्धि विवेक का भी ह्रास होगा। फलस्वरूप आप अपने कामों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाईयों का अनुभव करेंगे।

यात्रा-तबादला

नवमस्थ गुरु के कारण छोटी-मोटी यात्राओं के साथ आपकी लम्बी यात्राएं भी होंगी। वर्ष के प्रारम्भ में धार्मिक यात्राएं अधिक करेंगे। वर्ष के प्रारम्भ में व्यावसायिक यात्राएं

अधिक होंगी। इन यात्राओं से आपको खूब लाभ होगा।

वर्ष के उत्तरार्द्ध में नौकरी करने वाले व्यक्तियों का अनुकूल स्थान पर तबादला होगा तथा यह परिवर्तन आपके लिए काफी शुभ रहेगा। अपने घर से दूर रहने वाले लोगों की इस वर्ष जन्मभूमि की यात्रा होगी। इस वर्ष आपकी विदेश यात्रा प्रभावित होगी।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

पंचम एवं लग्न स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि धार्मिक कार्य व तीर्थ यात्रा के लिए शुभ है। पूजा पाठ के प्रति आपकी रुचि बढ़ेगी। व्रत, यज्ञ, अनुष्ठान व भगवान की भक्ति में ज्यादा समय व्यतीत करेंगे। वर्ष के उत्तरार्द्ध में धार्मिक कार्यों में व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा पूजा पाठ में आपका मन भी नहीं लगेगा। मानसिक अशान्ति व शारीरिक कष्ट के कारण भी यज्ञ, अनुष्ठान नहीं कर पाएंगे।

- पारद शिवलिंग अपने पूजा घर में स्थापित करें तथा नित्य उनका दर्शन करें।
- संपूर्ण बाधामुक्ति यंत्र का विधिवत् पूजन एवं दर्शन करें।
- प्रातःकाल पक्षियों को दाना डालें।
- सात मुखी रुद्राक्ष सोमवार के दिन प्रातः काल धारण करें।

दशा विश्लेषण

महादशा :- बुध
(08/07/2020 - 08/07/2037)

बुध की महादशा 08/07/2020 आरम्भ होगी और 17 वर्ष की होकर 08/07/2037 को समाप्त होगी। आपकी जन्मकुण्डली में बुध द्वितीय भाव में स्थित है। बुध की दृष्टि अष्टम भाव पर है। इसके पूर्व आपकी 19 वर्ष की शनि दशा चल रही थी। उस दशा के दौरान आपको समृद्धि की प्राप्ति, जीवन-वृत्ति में उन्नति तथा यात्रा हुई होगी। बुध की इस दशा के दौरान आपको धन-समृद्धि, परिवार के सुख, यश तथा ख्याति की प्राप्ति होगी।

स्वास्थ्य :

इस दशा में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप सक्रिय, स्फूर्तिवान तथा उत्साह से भरे रहेंगे। संक्रामक बीमारी, ज्वर, गले की समस्या, ब्रोंकाइटिस, स्नायविक समस्या, गठिया आदि मौसमी बीमारियों को छोड़कर आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अपने स्वास्थ्य के रखरखाव के लिये आपको अधिक मानसिक तथा शारिरिक श्रम से बचना चाहिए।

अर्थ और व्यवसाय :

इस दशा के दौरान आपकी आर्थिक स्थिति अत्यन्त सुदृढ़ होगी। आपका धन-संग्रह होगा। अष्टम भाव पर बुध की दृष्टि के कारण आपको पैतृक सम्पत्ति की प्राप्ति भी होगी। आपको सट्टे तथा निवेश में लाभ मिलेगा। अर्थिक दृष्टि से यह दशा अति उत्तम होगी। जीविका के लिये लेखा, पत्रकारिता, शिक्षण, वैमानिकी, अन्तरिक्ष अनुसन्धान अन्य सभी बौद्धिक कार्य का चयन कर सकते हैं। सूती कपड़ा, रत्न, पुस्तक, लेखन सामग्री, कम्प्यूटर एवं हस्तनिर्मित वस्तुओं का व्यापार लाभदायक हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि, पदोन्नति तथा यात्रा होगी। आपको आपके उच्चाधिकारियों का सदभाव प्राप्त होगा और आप अपनी सामर्थ्य के कारण पहचाने जायेंगे। व्यवसाय-व्यापार से जुड़े लोगों के व्यापार में शुभ परिवर्तन होगा। आपकी आय तथा लाभ अच्छा होगा। आपके कार्य-क्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है। आर्थिक और जीवन-वृत्ति की दृष्टि से यह दशा अति उत्तम है।

वाहन, यात्रा, जमीन-जायदाद :

सूर्य की अन्तर्दशा के दौरान आपको वाहन का सुख मिलेगा। आप नया वाहन प्राप्त कर सकते हैं। आपको जीवन का सारा सुख मिलेगा। आपको माता से लाभ मिलेगा। इस दशा के दौरान भवन की प्राप्ति होगी। सम्पत्ति का लेन-देन बहुत लाभदायक होगा और जमीन-जायदाद से लाभ मिलेगा। चन्द्र की अन्तर्दशा के दौरान आपकी छोटी तथा मंगल की अन्तर्दशा के दौरान लम्बी यात्राएं होंगी।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी शिक्षा उत्तम होगी। आपकी शैक्षिक वृत्ति नयी ऊँचाइयों को छूएगी। आप परीक्षाओं तथा प्रतियोगिताओं में सफल होंगे, जिससे लोगों के बीच जाने जाएंगे। गणित, लेखा, वाणिज्य, विज्ञान तथा साहित्य में आपकी रुची होगी। आप ललितकला

तथा उन सभी कार्यों में कुशल होंगे जिनके कारण मनुष्य बुद्धिमान और बहुमुखी होता है और विभिन्न विषयों में उसकी रुचि होती है। आपमें भाषण-क्षमता विद्यमान है।

परिवार :

आपको आपके बच्चों से अपार सुख मिलेगा या आपके परिवार में किसी शिशु का जन्म हो सकता है। आपके जीवन साथी के कार्य-क्षेत्र में शुभ परिवर्तन हो सकता है। उन्हें अचानक धन-लाभ मिलेगा तथा सम्पत्ति में वृद्धि होगी और स्वास्थ्य उत्तम होगा। आपके जीवन साथी के साथ आपका सम्बन्ध उत्तम रहेगा। आपकी माता को लाभ होगा, उनकी मनोकामनाएं पूरी होंगी तथा उनके अच्छे मित्र होंगे जबकि आपके पिता का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, विरोधियों पर विजय मिलेगी और शासन से लाभ मिलेगा। आपके छोटे भाई-बहनों का दान-पुण्य आदि शुभ कार्यों पर व्यय होगा, उनकी आध्यात्मिक कार्यों में रुचि होगी और सफलता मिलेगी। आपके बड़े भाई-बहनों को सुख और सम्पत्ति की प्राप्ति होगी, उनका माता के साथ सम्बन्ध अच्छा रहेगा और उनके मित्र होंगे। आपके अनेक मित्र होंगे, पारिवारिक सुख मिलेगा और रत्नों तथा अच्छे कपड़ों की प्राप्ति होगी।

अन्तर्दशा :

बुध की महादशा में बुध की अन्तर्दशा के फलस्वरूप आपकी शिक्षा उत्तम होगी, परिवारिक जीवन सुखमय रहेगा और सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। आगे केतु की अन्तर्दशा कुछ मानसिक तनाव दे सकती है। शुक्र की अन्तर्दशा के फलस्वरूप यश, ख्याति और सम्पत्ति की प्राप्ति होगी और स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। सूर्य की अन्तर्दशा के कारण सुख तथा समृद्धि में वृद्धि होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा में आपकी छोटी यात्रा होंगी जबकि मंगल की अन्तर्दशा के फलस्वरूप यात्रा और व्यय होगा। इसके बाद राहु की अन्तर्दशा के कारण कुछ समस्याएं उत्पन्न होंगी जबकि गुरु की अन्तर्दशा के फलस्वरूप समृद्धि, सम्पत्ति, यश और ख्याति की प्राप्ति और जीविका में उन्नति होगी।

अंर्तदशा :- बुध - शुक्र
(02/12/2023 - 02/10/2026)

आपके लिए बुध की महादशा 08/07/2020 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में तीसरी अंतर्दशा शुक्र की होगी जिसकी अवधि 2 वर्ष 10 मास होगी। आपके लिए यह 02/12/2023 को प्रारंभ होकर 02/10/2026 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी शुक्र सौंदर्य, शांति और समृद्धि का कारक है।

इस अवधि में आपका घरेलू जीवन सुखी रहेगा। भोग-विलास के साधन उपलब्ध होंगे। विभिन्न माध्यमों से धनागम होगा। मृदुवाणी के लिए प्रशंसा होगी। कला और साहित्य में रुचि होगी। प्रसिद्ध और धनी बनेंगे। रिश्तेदार सहायता करेंगे। विवाहित जीवन सुखी रहेगा। वसीयत आदि से धनलाभ हो सकता है। साझेदार या जीवनसाथी के माध्यम से धनागम हो सकता है। अध्यात्म में रुचि होगी।

आपके जीवनसाथी को साझेदार या विरासत से धनलाभ हो सकता है। आपके पिता स्पर्धियों पर विजयी होंगे। माता सफल, भाग्यशाली और लोकप्रिय होंगी। आपके भाई-बहनों के लिए शत्रुओं पर विजय, उच्च पद, सुखद यात्राएं, वाहन का संकेत है।

आपकी संतान लोकप्रिय, सफल, प्रसन्न होगी; परीक्षा में सफलता मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो आय अच्छी होगी।

अगर आप सेवारत हैं तो आय में वृद्धि होगी। परामर्शदाता धनी बनेंगे। व्यापारियों के कार्य में परिवर्तन हो सकता है, अचानक लाभ होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। नेत्रों का ध्यान रखें। शुभत्व में वृद्धि के लिए श्वेत वस्त्र, चावल और दही का दान करें।

अंर्तदशा :- बुध - सूर्य
(02/10/2026 - 08/08/2027)

आपके लिए बुध की महादशा 08/07/2020 को प्रारंभ हुई थी। इसमें चौथी अंतर्दशा सूर्य की होगी जिसकी अवधि 10 मास 6 दिन रहेगी। आपके लिए यह 02/10/2026 को प्रारंभ होकर 08/08/2027 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी सूर्य स्वास्थ्य, ऊर्जा और आत्मा का कारक है।

इस अवधि में आपका धनार्जन उत्तम रहेगा। रुके काम पूर्ण होंगे। पारिवारिक सुख उत्तम रहेगा। लोग आपसे प्रभावित होंगे। आप पैसा सोच विचारकर खर्च करेंगे। मित्रों और संबंधियों से संबंध उत्तम रहेंगे। विरासत में धन मिल सकता है। जीवनसाथी के माध्यम से धन आ सकता है। अध्यात्म और पराविद्या में रुचि होगी।

आपके जीवनसाथी को कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, कुछ उतार-चढ़ाव आ सकते हैं। आपके पिता को शत्रुओं और विरोधियों पर विजय मिलेगी। माता को आसानी से सफलता

मिल जाएगी, उच्च पद प्राप्त होगा, सम्मान मिलेगा और धनार्जन उत्तम होगा। आपके भाई-बहनों को घरेलू सुख रहेगा। अचल संपत्ति क्रय करेंगे, कार्यों में सफलता मिलेगी।

आपकी संतान की प्रोन्नति होगी, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो सौभाग्यशाली रहेंगे, यात्रा होगी, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाता धन और उच्चपद प्राप्त करेंगे। व्यापारियों के काम में परिवर्तन होंगे, अप्रत्याशित घटनाएं हो सकती हैं, अचानक धन आ सकता है। आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। नेत्रों का ध्यान रखें। शुभत्व में वृद्धि के लिए गेहूं का दान करें।

अंर्तदशा :- बुध - चन्द्र
(08/08/2027 - 07/01/2029)

आपकी बुध की महादशा 08/07/2020 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में पांचवी अंतर्दशा चंद्रमा की होगी, जिसकी अवधि 1 वर्ष 5 मास होगी। आपके लिए यह 08/08/2027 को प्रारंभ होकर 07/01/2029 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी चंद्र माता, सरकारी कृपा और चेहरे की चमक का कारक है।

इस अवधि में आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रहेंगे। कुछ शत्रु हो सकते हैं, मगर वे निर्बल रहेंगे। मातहतों और कर्मचारियों से अच्छे संबंध रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। वांछित वस्तुएं प्राप्त होंगी। पराविद्या और धर्म में रुचि हो सकती है। यात्राओं से खुशी मिलेगी। शुभकार्यों पर धन खर्च होगा। विदेश यात्रा हो सकती है।

आपके जीवनसाथी के जीवन में परिवर्तन हो सकता है, यात्रा और खर्चे बढ़ सकते हैं। आपके पिता सफल होंगे, प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे। माता को कला और सहित्य में रुचि होगी।

आपके भाई-बहनों के जीवन में परिवर्तन, अचानक लाभ, अध्यात्म में रुचि, जायदाद से लाभ, जायदाद की खरीद, उत्तम शिक्षा और धन का संकेत है। आपकी संतान को लाभ होगा, शिक्षा उत्तम होगी और कार्यों में सफलता मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो धनी और सुखी बनेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो कार्यालय में सुखद वातावरण होगा। परामर्शदाता भाग्यशाली रहेंगे। व्यापारियों के खर्चे बढ़ सकते हैं, यात्राएं होंगी।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। पाचनतंत्र और नेत्रों में मामूली तकलीफ हो सकती है। शुभत्व में वृद्धि के लिए चंद्रमा के मंत्र का जाप करें।

अंर्तदशा :- बुध - मंगल
(07/01/2029 - 04/01/2030)

आपके लिए बुध की महादशा 08/07/2020 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में छठी अंतर्दशा मंगल की होगी जिसकी अवधि 11 मास 27 दिन रहेगी। यह 07/01/2029 को प्रारंभ होकर 04/01/2030 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी मंगल साहस, महत्वाकांक्षा और

आत्मविश्वास का कारक है।

इस अवधि में आप स्पर्धियों पर विजयी होंगे। धन का संचय होगा; सुख-साधन उपलब्ध रहेंगे। कला में दक्षता प्राप्त हो सकती है। स्वास्थ्य और रोगनिरोधक क्षमता उत्तम रहेंगे। लघु यात्राएं हो सकती हैं। साख और प्रसिद्धि में वृद्धि होगी। विरोधियों पर विजय होगी। मुकदमें में विजय होगी। मामापक्ष के लोगों से लाभ होगा। सफलता मिलेगी। उच्चपद और सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। आपके जीवनसाथी के लिए यात्रा, महत्वाकांक्षाओं की पूर्ति, सफलता और प्रसिद्धि का संकेत है। आपके पिता को साझेदारी से लाभ हो सकता है; व्यापार में लाभ होगा। माता के खर्चे बढ़ सकते हैं, यात्राएं होंगी, प्रगति में बाधा आ सकती है।

आपके भाई-बहनों के लिए आत्मविश्वास में वृद्धि, उत्तम कार्यक्षमता, सफलता, बाधाओं से लड़ने की शक्ति का योग है। आपकी संतान को परीक्षा में सफलता मिलेगी।

अगर वे सेवारत हैं तो आय में वृद्धि होगी, प्रसिद्धि मिलेगी। अगर आप सेवारत हैं तो सफलता मिलेगी; आय बढ़ेगी। परामर्शदाओं को स्पर्धियों पर विजय मिलेगी। व्यापारी सौभाग्यशाली होंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। अत्यधिक परिश्रम से बचें। शुभत्व में वृद्धि के लिए लाल दाल, लाल वस्त्र और लाल चंदन दान में दें।

अंर्तदशा :- बुध - राहु
(04/01/2030 - 23/07/2032)

आपके लिए बुध की महादशा 08/07/2020 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में सातवीं अंतर्दशा राहु की होगी, जिसकी अवधि 2 वर्ष 6 मास 18 दिन रहेगी। आपके लिए यह 04/01/2030 को प्रारंभ होकर 23/07/2032 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी राहु भौतिक समृद्धि और अचानक, अप्रत्याशित घटनाओं का कारक है।

इस अवधि में आपके धन में वृद्धि होगी। आर्थिक प्रगति के लिए बहुत से अवसर मिलेंगे। चाचा से संबंध उत्तम रहेंगे। व्यापार में विस्तार होगा, उत्तम लाभ होगा। कार्य पूर्ण होंगे, प्रसिद्धि मिलेगी। दूसरे लोगों से सहायता मिलती रहेगी। निवेश या सट्टेबाजी से लाभ हो सकता है। संतान का जन्म हो सकता है। शिक्षा में सफलता मिलेगी। धन का संचय होगा।

आपके जीवनसाथी धनी बनेंगे। आपके पिता को कार्यों में सफलता मिलेगी। माता को अचानक लाभ हो सकता है, अचानक कोई घटना घट सकती है, यात्रा संभव है। आपके भाई-बहनों के लिए यात्रा, भौतिक सुख, उच्चपद, सौभाग्य, आत्म-विश्वास, आर्थिक उन्नति, दूसरों से सहायता का संकेत है।

आपकी संतान को सहकर्मियों से लाभ होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो यात्रा हो सकती है, व्यापार में विस्तार होगा, साझेदारी से लाभ होगा।

अगर आप सेवारत हैं तो कार्यालय में प्रसन्नता का वातावरण रहेगा।

परामर्शदाताओं को हर प्रकार से लाभ होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए उड़द, सतनजा और तिल दान में दें।

अंर्तदशा :- बुध - गुरु
(23/07/2032 - 29/10/2034)

आपके लिए बुध की महादशा 08/07/2020 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में आठवीं अंतर्दशा बृहस्पति की है, जिसकी अवधि 2 वर्ष 3 मास 6 दिन है। आपके लिए यह 23/07/2032 को प्रारंभ होकर 29/10/2034 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी बृहस्पति बुद्धि, धन, समृद्धि और उच्चकोटि के ज्ञान का कारक है।

इस अवधि में आपकी यात्राएं हो सकती हैं। खर्चे बढ़ सकते हैं। अध्ययन और आध्यात्मिक प्रगति के लिए समय अनुकूल रहेगा। शत्रुओं पर विजय होगी; उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। सहकर्मी और मातहत सहयोग करेंगे। साझेदार से लाभ होगा। अचानक धनलाभ हो सकता है। घर में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। शिक्षा उत्तम होगी। अचल संपत्ति और वाहन क्रय कर सकते हैं।

आपके जीवनसाथी के कार्यालय में वातावरण मधुर रहेगा। आपके पिता अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं। माता की यात्राएं हो सकती हैं। आपके भाई-बहनों के लिए कार्यक्षेत्र में सफलता, प्रसिद्धि, धन का संचय, उत्तम पारिवारिक जीवन, सुख-सुविधाओं का संकेत है।

आपकी संतान के जीवन में कुछ परिवर्तन आ सकता है, यात्राएं हो सकती हैं, परिश्रम अधिक करना होगा। अगर वे कार्यरत हैं तो साझेदारों से लाभ होगा।

अगर आप सेवारत हैं तो सामूहिक कार्यों में लाभ होगा; सहकर्मी सहयोग करेंगे, आय बढ़ेगी। परामर्शदाताओं को मार्केटिंग अच्छी करना लाभप्रद होगा। व्यापारियों को सहकर्मियों से लाभ होगा, कार्यालय उत्तम होगा।

स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आंख या कान की कोई व्याधि हो सकती है। अरिष्ट से बचाव के लिए बृहस्पति के मंत्र का जाप करें।

अंर्तदशा :- बुध - शनि
(29/10/2034 - 08/07/2037)

आपके लिए बुध की महादशा 08/07/2020 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में नवीं अंतर्दशा शनि की होगी जो आपके लिए 29/10/2034 को प्रारंभ होकर 08/07/2037 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी शनि आयु और धैर्य का कारक है।

इस अवधि में आप धनी बनेंगे। महत्वाकांक्षाएं तीव्र होंगी। व्यापार में आय अच्छी होगी। नया व्यापार प्रारंभ कर सकते हैं। विदेश यात्रा संभव है। विवाह या साझेदारी के कारण जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। संघर्ष के बाद प्रोन्नति हो सकती है। ज्ञानार्जन, धनलाभ और

उच्चपद की संभावना है। सम्मान में वृद्धि होगी। कार्यों में सफलता मिलेगी; समृद्ध बनेंगे। दर्शनशास्त्र और अध्यात्म में रुचि हो सकती है।

आपके जीवनसाथी को कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके पिता की प्रोन्नति होगी। माता अचल संपत्ति प्राप्त करेंगी। आपके भाई-बहनों के लिए ज्ञानार्जन, संतान से ख़ुशी, निवेश से लाभ, प्रसिद्धि, धनलाभ, यात्रा, उच्चशिक्षा और अध्यात्म में रुचि का संकेत है।

आपकी संतान उत्साह से परिपूर्ण रहेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो धन का लाभ होगा ; शत्रु परास्त होंगे।

अगर आप कार्यरत हैं तो आय बढ़ेगी; उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं को सफलता मिलेगी, आय में वृद्धि होगी। व्यापारियों का लाभ बढ़ेगा, व्यस्त रहेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए शनि मंत्र का जाप करें।

ॐ शं शनैश्चराय नमः

महादशा :- केतु
(08/07/2037 - 08/07/2044)

केतु की महादशा 08/07/2037 को आरम्भ और 08/07/2044 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 7 वर्ष है। आपकी जन्मकुण्डली में केतु पंचम भाव में स्थित है जहाँ से ग्यारहवें भाव पर उसकी दृष्टि है। इसके पहले आपकी 17 वर्ष की बुध की दशा चल रही थी। बुध के कारण आपको सम्पत्ति और हर प्रकार का लाभ मिलेगा। और मनोकामना पूरी होगी। केतु की वर्तमान दशा में आपकी आध्यात्मिक कार्यों में रुचि होगी, तकनीकी ज्ञान प्राप्त होगा और पुत्री का जन्म होगा।

स्वास्थ्य :

इस दशा के दौरान आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आप खुश और आशावादी होंगे। पित्त दोष संबंधी बीमारियाँ हो सकती हैं। आपकी पाचनशक्ति खराब हो सकती है और चर्मरोग बुखार, घाव आदि से पीड़ित हो सकते हैं। ये सभी मोसमी होंगे और कुछ सावधानी बरतकर इनसे बचा जा सकता है।

अर्थ और व्यवसाय :

आपकी आर्थिक स्थिति उत्तम होगी। सट्टे तथा निवेश में लाभ होगा। केतु की ग्यारहवें भाव पर दृष्टि के कारण विभिन्न स्रोतों से लाभ और लक्ष्य की प्राप्ति होगी। जीविका और व्यवसाय के लिए विधि, शिक्षण, प्रबन्धन, लेखा, ज्योतिष, पेशेवर खेल, कम्प्यूटर, टेक्नॉलॉजी, पशुपालन तथा सिविल इंजिनियरिंग का चयन कर सकते हैं। चमड़े, खेल के सामान पशु, शस्त्रास्त्र, दवा, रत्न, कम्प्यूटर इलेक्ट्रॉनिक्स आदि का व्यापार लाभदायक होगा। नौकरीपेशा लोगों को सरकार से अनुग्रह मिलेगा और कुछ परिवर्तन तथा स्थानान्तरण होगा। सहकर्मी तथा सहायक कठिनाई उत्पन्न करेंगे और वरिष्ठ कर्मचारी सख्त होंगे। व्यवसाय-व्यापार से मिले लोगों का भी कुछ परिवर्तन तथा जीवन-वृत्ति में कुछ उतार-चढ़ाव आएंगे। दशा की प्रगति के साथ-साथ स्थिति में सुधार होगा। आप अपने कार्य अथवा व्यापार में परिवर्तन कर सकते हैं। अन्तर्दशा में प्रगति के अनुसार अचानक लाभ और हानि हो सकती है।

वाहन, यात्रा, जायदाद :

मंगल की अन्तर्दशा के दौरान आपको जीवन का हर सुख प्राप्त होगा। आप कोई वाहन या मकान खरीद सकते हैं। आपको जायदाद से लाभ मिलेगा और जमीन-जायदाद की प्राप्ति होगी। शुक्र की अन्तर्दशा के दौरान आपकी छोटी और लाभदायक यात्रा होगी जबकि चन्द्र की अन्तर दशा में लम्बी यात्रा होगी।

शिक्षा :

इस दशा के दौरान आपकी उत्तम तकनीकी शिक्षा होगी। कानून, गूढ़ विद्या, सिविल इन्जिनियरिंग, दवा, पेशवेर खेल, शरीर-विज्ञान आदि में आपकी रुचि हो सकती है। आप सक्रिय, उद्यमी तथा उत्साही हैं और अपने अध्ययन में अच्छा करेंगे।

परिवार :

परिवार के सदस्यों के साथ आपका संबंध अच्छा रहेगा। आपके बच्चे अच्छा करेंगे और उन्हें सम्पत्ति तथा समृद्धि की प्राप्ति होगी। आपके जीवनसाथी को चौतरफा सफलता, विभिन्न स्रोतों से लाभ और मनोकामनाओं की पूर्ति होगी। आपके साझेदार के साथ आपका सम्बन्ध अच्छा रहेगा। आपकी माता को परिवार से कुछ आराम मिलेगा किन्तु, कुछ मामूली समस्याएं भी हो सकती हैं। आपके पिता की अध्यात्म तथा यात्रा में रुचि होगी। आपके छोटे भाई-बहनों का स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, उन्हें शत्रुओं पर विजय, ख्याति और सुख मिलेगा जबकि बड़ों को साझेदारों से लाभ मिलेगा, उनकी यात्रा होगी और उनके व्यापार का विस्तार होगा।

अन्तर्दशा :

केतु की अन्तर्दशा के दौरान आपको तकनीकी शिक्षा की प्राप्ति तथा सट्टे में लाभ होगा। शुक्र के कारण जीवन वृत्ति में प्रगति, सहायकों से सहायता और सफलता मिलेगी। सूर्य के कारण यश, ख्याति, उत्तम स्वास्थ और सम्पत्ति की प्राप्ति होगी। चन्द्र की अन्तर्दशा में लम्बी यात्रा, व्यय तथा मामूली स्वास्थ्य-समस्याएं होंगी। मंगल की अन्तर्दशा के दौरान, सम्मान, आराम, सम्पत्ति आदि की प्राप्ति होगी। राहु के कारण कुछ समस्याएं हो सकती हैं। गुरु की अन्तर्दशा के दौरान कुछ परिवर्तन और सन्तान से सुख मिलेगा जबकि शनि की अन्तर्दशा में बाधाएं और यात्रा तथा व्यापार में रुचि होगी। बुध की अन्तर्दशा के दौरान लाभ, लक्ष्य तथा सम्पत्ति की प्राप्ति होगी।

अंर्तदशा :- केतु - केतु
(08/07/2037 - 04/12/2037)

आपके लिए केतु महादशा 08/07/2037 को आरंभ हुई है। इस महादशा में पहली अंतर्दशा केतु की होगी जिसकी अवधि 4 मास 27 दिन रहेगी। आपके लिए यह 08/07/2037 को प्रारंभ होकर 04/12/2037 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी केतु मोक्ष, अचानक घटने वाली घटना और नाना का कारक है।

इस अवधि में आपको निवेश से लाभ होगा। ज्ञानार्जन में रुचि रहेगी, कर्मठ होंगे। अध्यात्म में रुचि हो सकती है। धनी और सफल होंगे। सम्मान बढ़ेगा। लोगों से अप्रत्याशित सहायता मिलेगी। व्यापार का विस्तार होगा जिससे मुनाफा बढ़ेगा। परियोजनाएं पूर्ण होंगी। प्रसिद्धि बढ़ेगी।

आपके जीवनसाथी को निवेश से लाभ होगा। आपके पिता की अध्यात्म में रुचि होगी। माता को सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी, धन संचित होगा। आपके भाई-बहनों के लिए स्पर्धियों पर विजय, साझेदारी से लाभ, सफलता, सार्वजनिक जीवन और व्यापार में विस्तार का संकेत है।

आपकी संतान के आत्म-विश्वास में वृद्धि होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो अचानक कोई घटना घट सकती है।

अगर आप सेवारत हैं तो यात्राएं होंगी, अप्रत्याशित परिवर्तन हो सकता है। परामर्शदाताओं को अचानक लाभ हो सकता है। व्यापारी भाग्यशाली रहेंगे और खूब धन कमाएंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए गणेशजी की उपास ना करें।

अंर्तदशा :- केतु - शुक्र
(04/12/2037 - 04/02/2039)

केतु महादशा में शुक्र अंतर्दशा की अवधि 1 वर्ष 2 मास होगी ।

इस अवधि में आपको विभिन्न माध्यमों से धनलाभ होगा। दान-धर्म और समाज सेवा में रुचि होगी।

लोग आपकी मधुर वाणी से प्रसन्न रहेंगे। धन में वृद्धि होगी। अध्यात्म में रुचि होगी। वसीयत आदि से लाभ हो सकता है। धनार्जन उत्तम होगा, अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं। व्यापार में लाभ होगा।

आपके जीवनसाथी को साझेदारी से लाभ हो सकता है। पिता को स्पर्धियों पर सफलता मिलेगी। माता की आकांक्षाएं पूर्ण होंगी। आपके भाई-बहनों के लिए निवेश से लाभ, सुख-साधन, उत्तम शिक्षा, कुछ खर्च, यात्रा आदि का संकेत है।

आपकी संतान लोकप्रिय और सफल होगी; उनकी शिक्षा उत्तम होगी। अगर वे कार्यरत हैं तो आय उत्तम होगी, जीवन सुसंस्कृत होगा।

अगर आप कार्यरत हैं तो धनार्जन उत्तम होगा, सफल रहेंगे। परामर्शदाता भाग्यशाली रहेंगे। व्यापारियों के कार्य में कुछ परिवर्तन हो सकता है।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए लक्ष्मीजी की उपासना करें।

अंर्तदशा :- केतु - सूर्य
(04/02/2039 - 11/06/2039)

आपके लिए केतु महादशा 08/07/2037 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में सूर्य की अंतर्दशा की अवधि 4 मास 6 दिन होगी जो आपके लिए 04/02/2039 को प्रारंभ होकर 11/06/2039 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी सूर्य पिता, स्वास्थ्य, ऊर्जा, कार्यक्षमता और आत्मा का कारक है।

इस अवधि में आपका धनार्जन उत्तम रहेगा। शिक्षा में सफल होंगे। रुके काम पूरे होंगे। व्यक्तित्व प्रभावशाली होगा। प्रसन्नचित्त रहेंगे। विरासत या बीमे द्वारा धन आ सकता है। कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव आएंगे; फिर भी आप सफल रहेंगे। धर्म और अध्यात्म में रुचि हो सकती है। जीवनसाथी या व्यापार में साझेदार के माध्यम से धनलाभ हो सकता है। कुछ समय के लिए स्वास्थ्य दुर्बल हो सकता है।

आपके जीवनसाथी को अचानक धनलाभ हो सकता है, वे कार्यक्षेत्र में उतार-चढ़ाव के बावजूद सफल रहेंगे। आपके पिता धनी बनेंगे, उच्च पद प्राप्त कर सकते हैं, स्पर्धा में विजयी रहेंगे। माता सफल रहेंगी।

आपके भाई-बहनों के खर्चे बढ़ सकते हैं, शिक्षा उत्तम होगी, अचल संपत्ति प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी संतान को परीक्षा में सफलता मिलेगी। अगर वे कार्यरत हैं तो सफल रहेंगे, उच्चपद प्राप्त करेंगे, धनी बनेंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो भाग्यशाली रहेंगे; उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं की आय अच्छी होगी। व्यापारियों के कार्य में अप्रत्याशित परिवर्तन हो सकता है।

स्वास्थ्य पर, विशेषकर नेत्रों पर ध्यान देना श्रेयस्कर रहेगा। अरिष्ट से बचाव के लिए गेहूं, गुड़ और तांबे का दान करें।

अंर्तदशा :- केतु - चन्द्र
(11/06/2039 - 10/01/2040)

आपके लिए केतु महादशा 08/07/2037 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में चंद्रमा अंतर्दशा की अवधि 7 मास रहेगी जो आपके लिए 11/06/2039 से प्रारंभ होकर 10/01/2040

को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी चंद्र मन, भावनाओं और माता का कारक है।

इस अवधि में आपके अपने अधीनस्थ कर्मचारियों से उत्तम संबंध रहेंगे। स्पर्धा में कमी आएगी। आप नेकी के बहुत से कार्य करेंगे। खर्चे बढ़ सकते हैं। यात्राएं हो सकती हैं, वातावरण में कुछ परिवर्तन हो सकता है। अध्यात्म में रुचि हो सकती है। सफलता में बाधा आ सकती है।

आपके जीवनसाथी के कार्यक्षेत्र में रुकावटें आ सकती हैं। आपके पिता सफल और लोकप्रिय होंगे; उनके खर्चे बढ़ सकते हैं। माता की लघु यात्राएं होंगी, वे सफल होंगी, उनकी कला में रुचि हो सकती है।

आपके भाई-बहनों के लिए सुखी जीवन, माता से उत्तम संबंध, परिवर्तन, अप्रत्याशित लाभ और उत्तम स्वास्थ्य का संकेत है।

आपकी संतान की शिक्षा उत्तम होगी, वे परीक्षा में सफल रहेंगे। अगर वे कार्यरत हैं तो धनी बनेंगे; पारिवारिक जीवन उत्तम होगा।

अगर आप सेवारत हैं तो धनी बनेंगे। धनार्जन उत्तम होगा, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाता भाग्यशाली रहेंगे। व्यापारियों की यात्राएं हो सकती हैं, खर्चे बढ़ेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम होगा। अरिष्ट से बचाव के लिए दूध और चावल का दान करें।

अंतर्दशा :- केतु - मंगल
(10/01/2040 - 08/06/2040)

आपके लिए केतु की महादशा 08/07/2037 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में मंगल अंतर्दशा की अवधि 4 मास 27 दिन रहेगी जो आपके लिए 10/01/2040 को प्रारंभ होकर 08/06/2040 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी मंगल शारीरिक शक्ति, ऊर्जा और आत्मविश्वास का कारक है।

इस अवधि में आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। स्पर्धियों पर विजय होगी, सफल और प्रसिद्ध होंगे। संतान से सुख मिलेगा। तकनीकी कार्यों में दक्ष बनेंगे, स्वास्थ्य उत्तम होगा। आप सफल, प्रसिद्ध होंगे; उच्चपद प्राप्त करेंगे, यात्राएं होंगी।

आपके जीवनसाथी की यात्राएं होंगी, आकांक्षाएं पूर्ण होंगी, कार्यों में सफलता मिलेगी, तो धनी बनेंगे। आपके पिता को साझेदारी से लाभ होगा। माता के खर्चे बढ़ सकते हैं।

आपके भाई-बहनों के लिए सौभाग्य, उत्तम स्वास्थ्य, कार्यों में सफलता और शत्रुओं पर विजय का संकेत है। बड़े भाई-बहनों को निवेश से लाभ होगा, धनी बनेंगे, उच्चपद प्राप्त कर सकते हैं।

आपकी संतान की शिक्षा, उत्साह और संकल्प शक्ति उत्तम होंगे। अगर वे कार्यरत

हैं तो धनी और सफल होंगे, प्रभावशाली मित्र होंगे।

अगर आप सेवारत हैं तो स्पर्धियों पर विजयी रहेंगे, उच्चपद प्राप्त करेंगे। परामर्शदाताओं के कार्य में कुछ बाधाएं आ सकती हैं। व्यापारी भाग्यशाली रहेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए शिवजी की उपासना करें।

अंर्तदशा :- केतु - राहु
(08/06/2040 - 26/06/2041)

आपके लिए केतु महादशा 08/07/2037 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में राहु अंतर्दशा 1 वर्ष 18 दिन की होगी जो आपके लिए 08/06/2040 को प्रारंभ होकर 26/06/2041 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी राहु दादा, अचानक घटने वाली घटना और भौतिक सुखों का कारक है।

इस अवधि में आप धनी बनेंगे। विविध माध्यमों से धनार्जन होगा। आपके बहुत से प्रभावशाली मित्र होंगे जो लाभकारी रहेंगे। व्यापार का विस्तार हो सकता है, मुनाफा बढ़ेगा। कार्य पूर्ण होंगे जिससे प्रसिद्धि बढ़ेगी। अन्य लोगों से अप्रत्याशित सहायता मिलेगी। किस्मत साथ देगी।

आपके जीवनसाथी को निवेश से लाभ होगा। आपके पिता की महत्वाकांक्षाएं पूर्ण होंगी। माता के जीवन में कुछ परिवर्तन आ सकता है, अचानक लाभ होगा। आपके भाई-बहनों के लिए सांसारिक सुख, उच्चपद, उत्तम स्वास्थ्य, सम्मान और धन का संकेत है।

अगर आप सेवारत हैं तो कार्यालय का वातावरण प्रसन्नतापूर्ण रहेगा, आय अच्छी होगी। परामर्शदाताओं की आय बढ़ेगी। व्यापारी धनी बनेंगे, लाभ अच्छा होगा।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए शनिवार के दिन शिवजी की भैरव रूप में उपासना करें।

अंर्तदशा :- केतु - गुरु
(26/06/2041 - 02/06/2042)

आपके लिए केतु महादशा 08/07/2037 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में बृहस्पति अंतर्दशा की अवधि 11 मास 6 दिन होगी। आपके लिए यह 26/06/2041 को प्रारंभ होकर 02/06/2042 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी बृहस्पति ज्ञान, धन और संतान का कारक है।

इस अवधि में आपकी अध्यात्म में रुचि होगी। ज्ञानार्जन के लिए उत्तम समय है। वसीयत, उपहार, विरासत आदि से अचानक धनागम हो सकता है। घरेलू सुख उत्तम रहेगा। अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं या उससे लाभ होगा। माता से उत्तम संबंध रहेंगे। मित्रों से आनंद मिलेगा।

आपके जीवनसाथी को शत्रुओं पर विजय मिलेगी, स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, संबंधियों से लाभ होगा, कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके पिता अचल संपत्ति क्रय कर सकते हैं या उससे लाभ होगा, उनके अच्छे मित्र होंगे, पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। माता भाग्यशाली रहेंगी, धनी बनेंगी, तीर्थयात्राएं होंगी। आपके छोटे भाई-बहनों के लिए प्रसिद्धि, कार्यों में सफलता का संकेत है। बड़े भाई-बहन धनी बनेंगे, सुख-साधन संपन्न होंगे, शिक्षा में सफल होंगे।

आपकी संतान के जीवन में परिवर्तन आ सकता है, खर्चे बढ़ेंगे, यात्राएं होंगी, अचानक लाभ हो सकता है।

अगर आप सेवारत हैं तो सहकर्मियों से लाभ होगा, उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। परामर्शदाताओं को संचार माध्यम से लाभ होगा। व्यापारियों को स्पर्धियों पर सफलता मिलेगी।

नेत्र और कानों का ध्यान रखना श्रेयस्कर रहेगा। शुभत्व में वृद्धि के लिए बृहस्पति के मंत्र का जाप करें।

ऊँ बृं वृहस्पतये नमः

अंर्तदशा :- केतु - शनि
(02/06/2042 - 12/07/2043)

आपके लिए केतु महादशा 08/07/2037 को प्रारंभ हुई थी। इस महादशा में सातवीं अंतर्दशा शनि की होगी जिसकी अवधि 1 वर्ष 9 दिन होगी। यह अंतर्दशा 02/06/2042 को प्रारंभ होकर 12/07/2043 को समाप्त होगी। अंतर्दशा स्वामी शनि भाग्य और सेवा का कारक है।

इस अवधि में आप धनी बनेंगे। व्यापार में सफलता मिलेगी या नया व्यापार प्रारंभ कर सकते हैं। विवाह या साझेदारी के कारण जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। उच्चपद प्राप्त हो सकता है।

विरासत आदि से अचल संपत्ति मिल सकती है। परिवार में स्थायित्व आएगा। यात्राएं हो सकती हैं। सांसारिक मामलों में सफलता मिलेगी। उच्च शिक्षा में सफल होंगे। तीर्थयात्रा हो सकती है, धर्म में रुचि होगी।

आपके जीवनसाथी को कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके पिता को विविध माध्यमों से धनलाभ होगा। माता को घरेलू सुख मिलेगा। आपके भाई-बहनों के लिए सौभाग्य, निवेश से लाभ, सांसारिक सुख, उत्तम शिक्षा और यात्रा का संकेत है।

आपकी संतान उत्साही और दृढ़प्रतिज्ञ होगी। उन्हें हर काम में सफलता मिलेगी।

अगर आप सेवारत हैं तो आय बढ़ेगी। परामर्शदाताओं की सक्रियता बढ़ेगी। व्यापारी खूब धन कमाएंगे।

महादशा :- शुक्र
(08/07/2044 - 08/07/2064)

आपकी कुण्डली में शुक्र की महादशा 08/07/2044 को आरम्भ होकर 08/07/2064 को समाप्त होगी। इसकी अवधि 20 वर्ष है।

आपकी जन्म कुण्डली में शुक्र द्वितीय भाव में है। यह एक शुभ ग्रह है जिसकी सामान्यतया दो राशियाँ हैं- वृष और तुला। इसकी मूल त्रिकोण राशि तुला है। यह मीन राशि में उच्च का तथा कन्या राशि में निम्न का होता है। यह आनन्द, प्रेम-संबंध, स्वाद तथा फैशन डिजाइनिंग का द्योतक है। यह आपकी कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है तथा इसकी अष्टम भाव पर दृष्टि है और इस भाव पर शुभ प्रभाव डाल रहा है। द्वितीय भाव धन, लाभ, जगत्व्यापी यश, अधिकार, दाहिना नेत्र, याददाश्त, कल्पना शक्ति, जिह्वा, दाँत, ठोढ़ी तथा पारिवारिक सदस्य का द्योतक है। यह मृत्यु का भाव या मारक स्थान भी कहलाता है।

स्वास्थ्य :

महादशेश शुक्र द्वितीय भाव, जो धन, परिवार, तथा जगत्व्यापी स्रोत का द्योतक है,

द्वितीय भाव में स्थित है तथा इस भाव को बली कर रहा है जिसके फलस्वरूप इस दशा काल में आपके साथ कोई बड़ी घटना या दुर्घटना नहीं होगी।

अर्थ संपत्ति :

इस दशा काल में, जो आपके पक्ष में है, आपको चल तथा अचल संपत्ति अर्जित करने का अवसर मिलेगा। आपके व्यय में वृद्धि हो सकती है। स्त्री से या विवाह से तथा दूसरों के सहयोग से भी धन की प्राप्ति होगी।

व्यवसाय :

आप व्यावसायिक स्तर पर सुभ्यस्त रहेंगे तथा वही व्यवसाय अपनाएंगे जिसमें आप उन्नति कर सकते हैं। नौकरी में पदोन्नति के कुछ अवसर मिलेंगे और इस प्रकार आप अपने भविष्य में उन्नति करेंगे। आपको क्रियात्मकता या फैशन डिजाइनिंग से संबंधित काम करने के कुछ अवसर मिल सकते हैं।

पारिवारिक जीवन :

आपको विवाह में या जीवन साथी से धन की प्राप्ति होगी। आपका पारिवारिक जीवन बहुत ही सफल तथा खुशहाल होगा। आपके जीवन साथी आपका बहुत ही सहयोग करेंगे तथा आपका पारिवारिक जीवन बहुत उत्साहपूर्ण होगा।

शिक्षा/प्रशिक्षण :

यह दशा काल आपकी शैक्षिक तथा प्रशिक्षण गतिविधियों के लिए शुभ होगा।

अंर्तदशा :- शुक्र - शुक्र
(08/07/2044 - 08/11/2047)

शुक्र महादशा की अवधि 20 वर्ष होती है। आपके लिए यह 08/07/2044 को प्रारंभ होकर 08/07/2064 को समाप्त होगी। इस महादशा में शुक्र की अंतर्दशा 3 वर्ष 4 मास की होगी। आपके लिए यह 08/07/2044 को प्रारंभ होकर 08/11/2047 को समाप्त होगी।

शुक्र आपकी जन्मपत्री में द्वितीय भाव में स्थित है। द्वितीय भाव भाग्य, लाभ-हानि, सांसारिक उपलब्धियां, रत्न, वाणी, दायीं आंख, महत्वाकांक्षा, जीभ, दांत और परिवार के सदस्यों का प्रतिनिधि है।

शुक्र शुभ ग्रह है। द्वितीय भाव में स्थित होकर शुक्र आपकी कुंडली के 8वें भाव पर दृष्टि डाल रहा है और उसके कारकत्व को प्रभावित कर रहा है।

इस अवधि में आपके व्यक्तित्व और सुंदरता में निखार आएगा। उत्तम भोजन के शौकीन होंगे। खान-पान में सावधानी और संयम आवश्यक हैं अन्यथा स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। संयम बरतने पर धन और स्वास्थ्य की स्थिति अति उत्तम रहेगी। वाहन सुख रहेगा। घर में समृद्धि होगी।

शुभत्व में वृद्धि और अरिष्ट से बचाव के लिए निम्न उपाय करें :

- चींटिओं को चीनी और आटा खिलाएं।
- कन्याओं को खीर खिलाएं।
- लक्ष्मीजी की उपासना करें।
- भोजन की पहली रोटी गाय को खिलाएं।

एस्ट्रोग्राफ

एस्ट्रोग्राफ, जीवन के किसी भी पहलू की ग्राफ द्वारा प्रस्तुति है। इससे स्वास्थ्य, आर्थिक, बुद्धि, प्रेम या अन्य किसी भी क्षेत्र में, एक समय के दौरान, होने वाली घटनाओं में रूचि रखने वालों को जानकारी मिलती है। एस्ट्रोग्राफ हमें सही रूप जानने और उन्हें आसानी से समझने में सहायक होते है।

अगले पृष्ठों में आपके जीवन के तीन महत्वपूर्ण पहलू - स्वास्थ्य, धन तथा मानसिक स्तर एस्ट्रोग्राफ द्वारा दिखाये गये हैं। ये एस्ट्रोग्राफ 100 मापक्रम के अनुसार हैं।। यदि आपका एस्ट्रोग्राफ 50 से अधिक अंक दिखाता है तो वह शुभ है। 65 से ऊपर बहुत अच्छा होता है और 80 से ऊपर अति उत्तम होता है। 50 से नीचे सामान्य होता है, 35 से नीचे बुरा तथा 20 से नीचे बहुत बुरा माना जाना चाहिए।

0-20	निकृष्ट	50-65	श्रेष्ठ
20-35	नेष्ट	65-80	उत्तम
35-50	सामान्य	80-100	अत्युत्तम

एस्ट्रोग्राफ - 2026

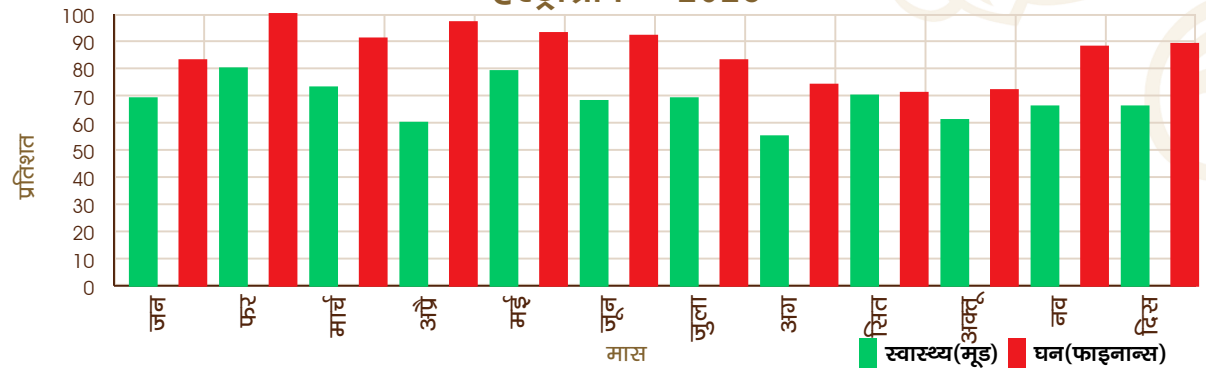

एस्ट्रोग्राफ - 2027

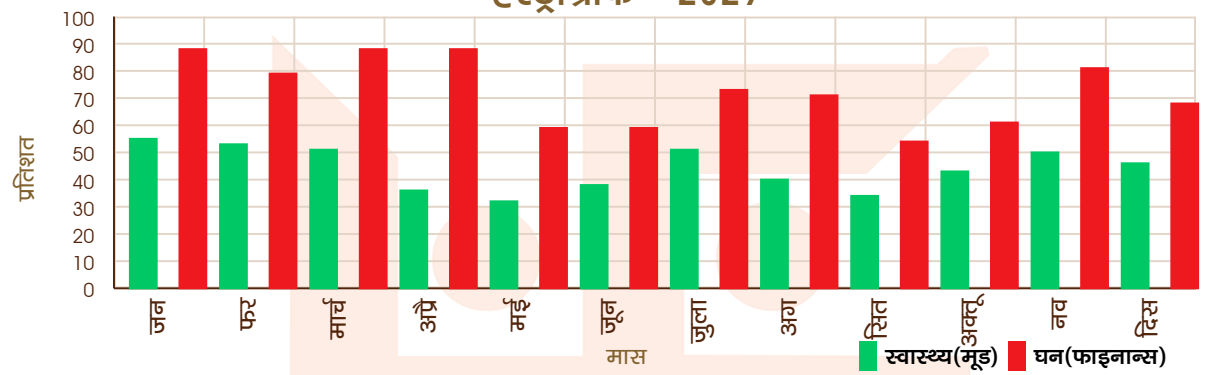

एस्ट्रोग्राफ - 2028

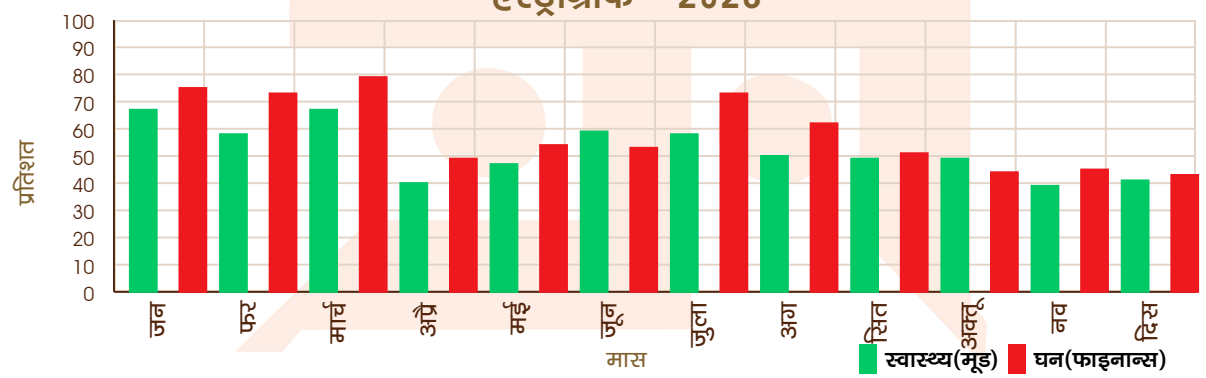

एस्ट्रोग्राफ - 2029

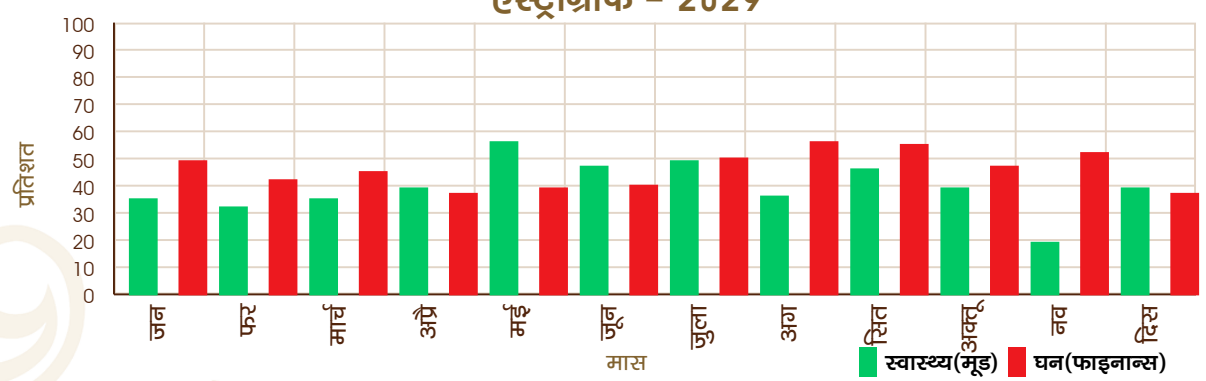

एस्ट्रोग्राफ - 2030

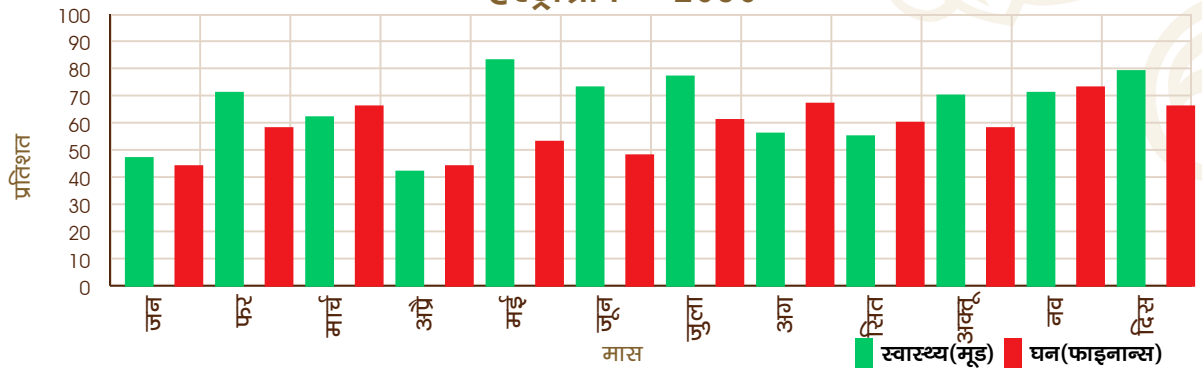

एस्ट्रोग्राफ - 2031

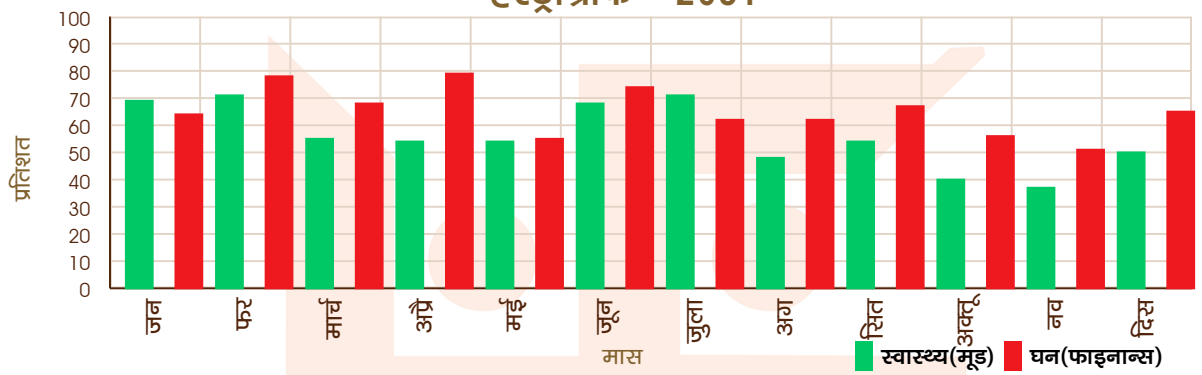

एस्ट्रोग्राफ - 2032

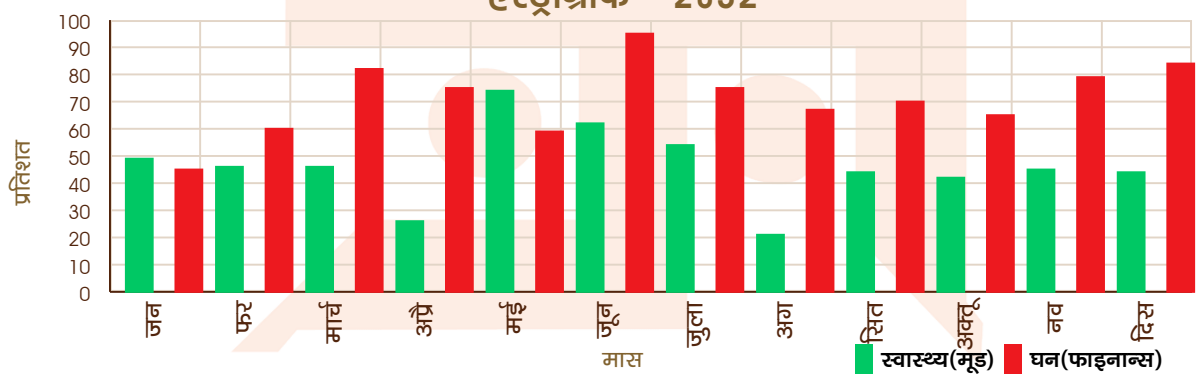

एस्ट्रोग्राफ - 2033

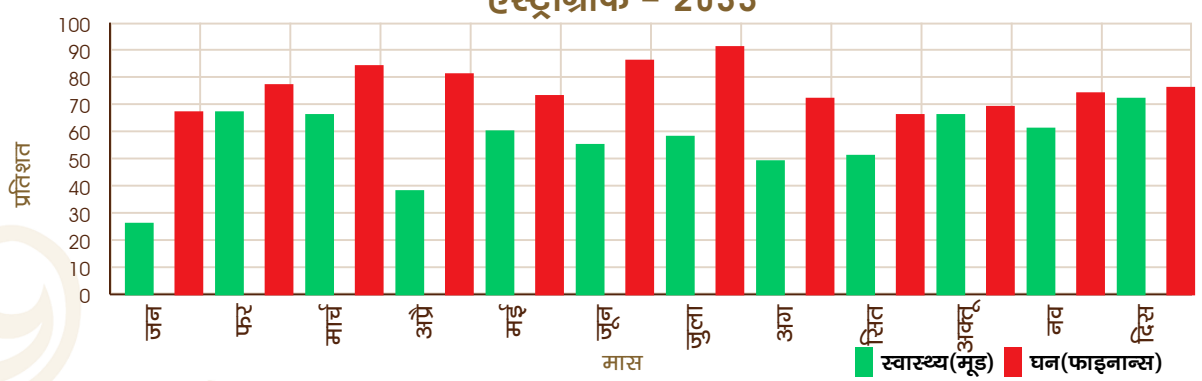

एस्ट्रोग्राफ - 2034

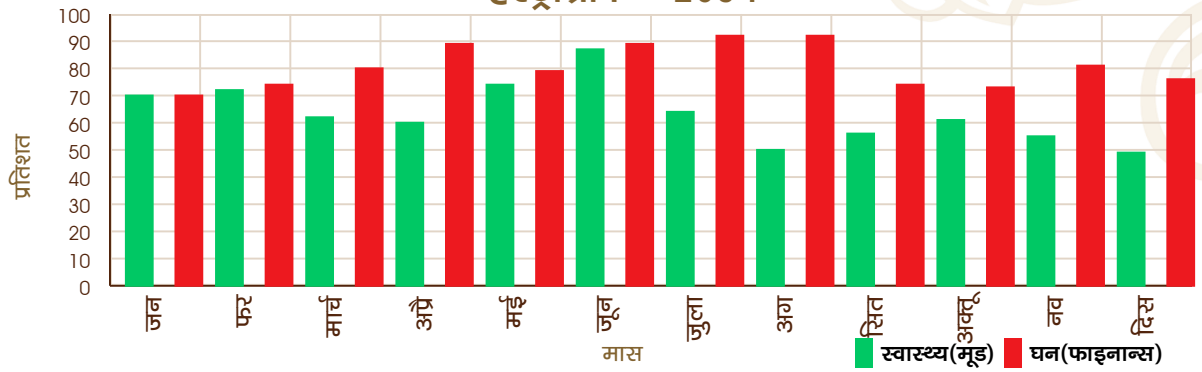

एस्ट्रोग्राफ - 2035

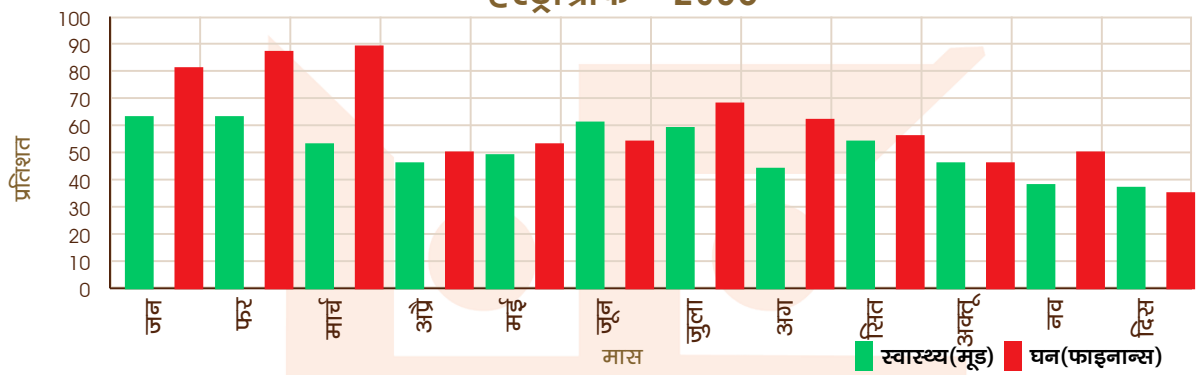

एस्ट्रोग्राफ - 2036

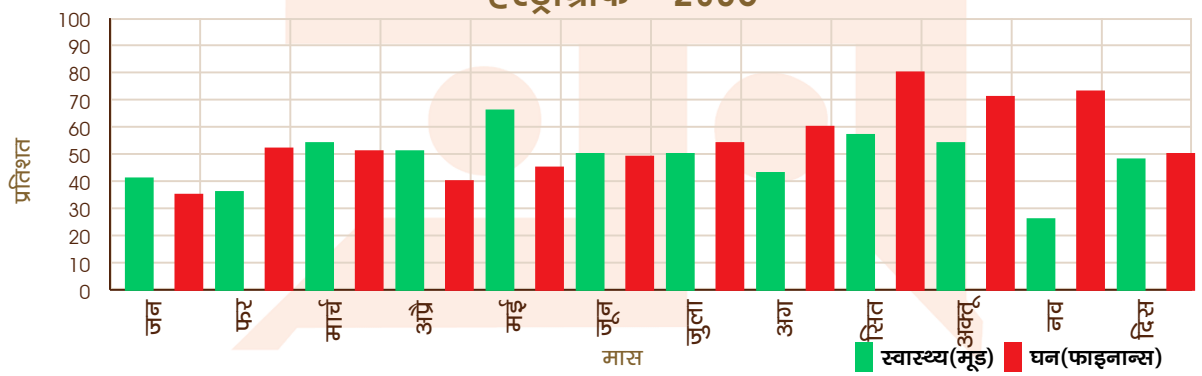

एस्ट्रोग्राफ - 2037

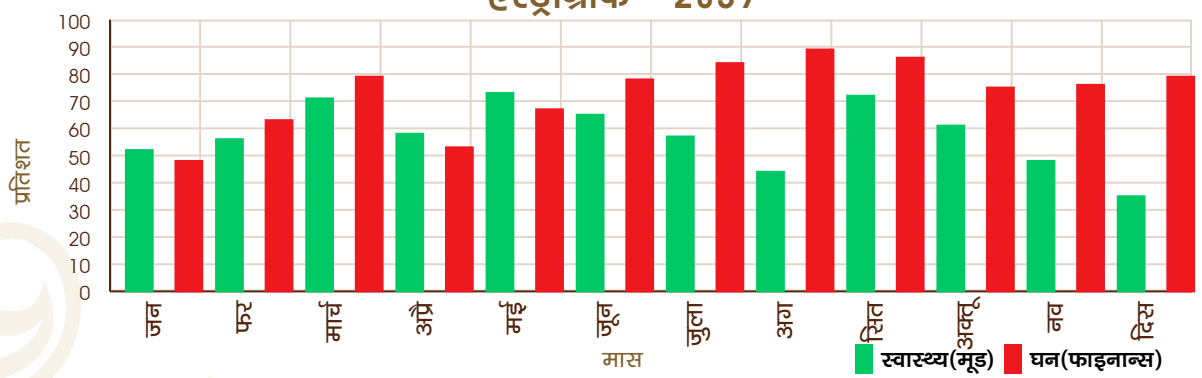

एस्ट्रोग्राफ - 2038

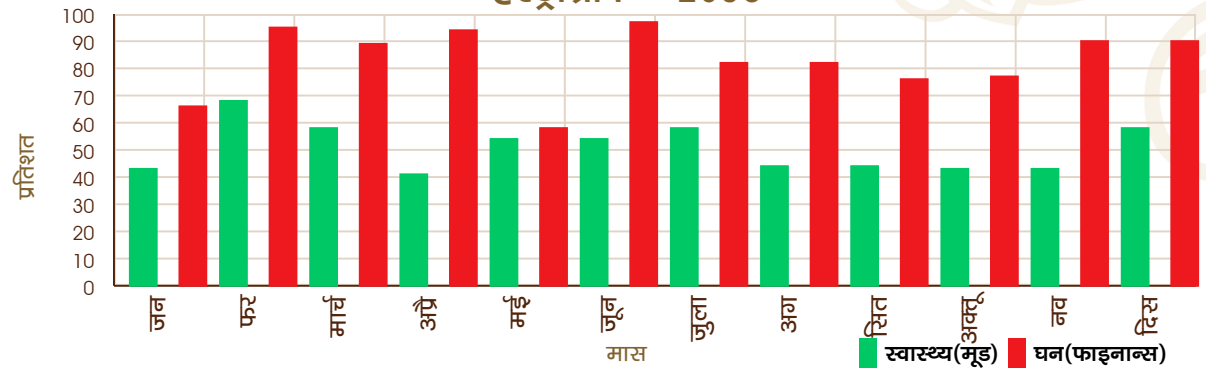

एस्ट्रोग्राफ - 2039

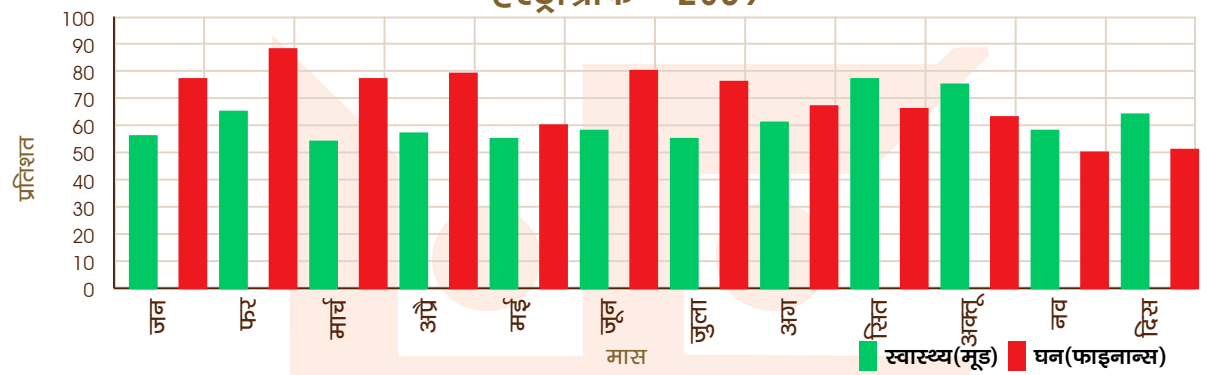

एस्ट्रोग्राफ - 2040

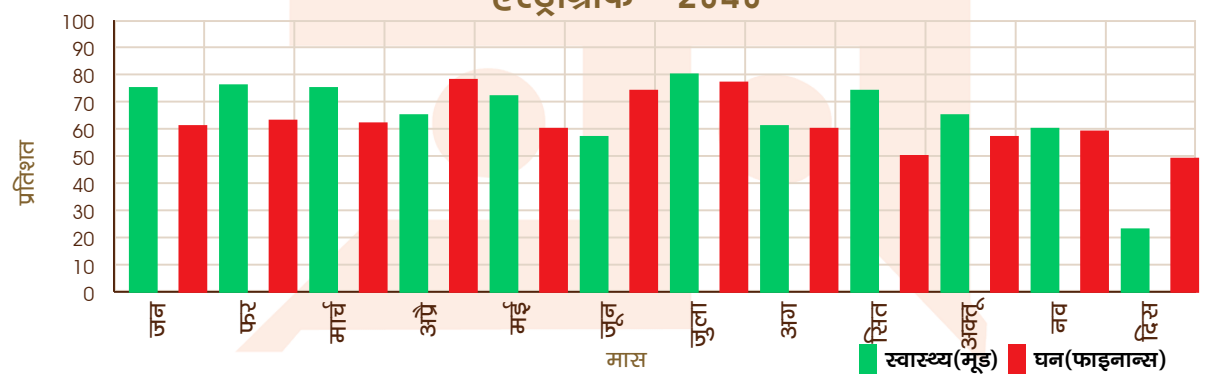

एस्ट्रोग्राफ - 2041

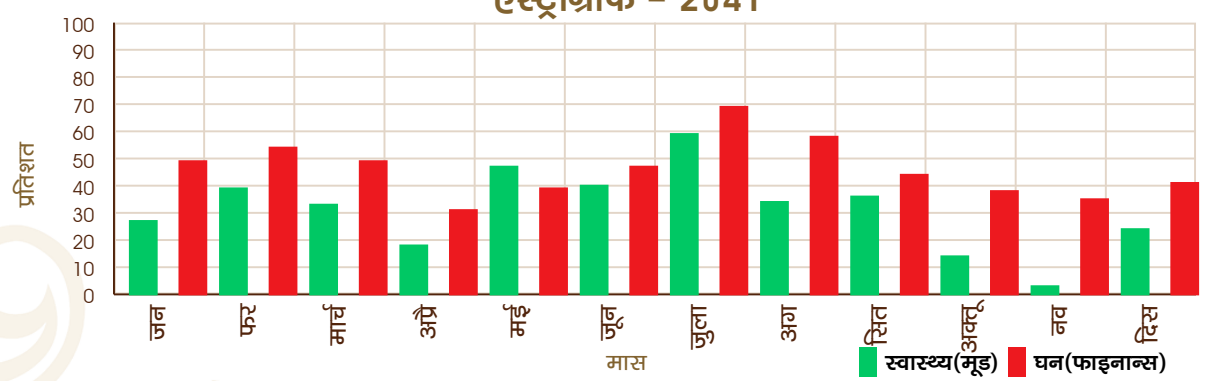

एस्ट्रोग्राफ - 2042

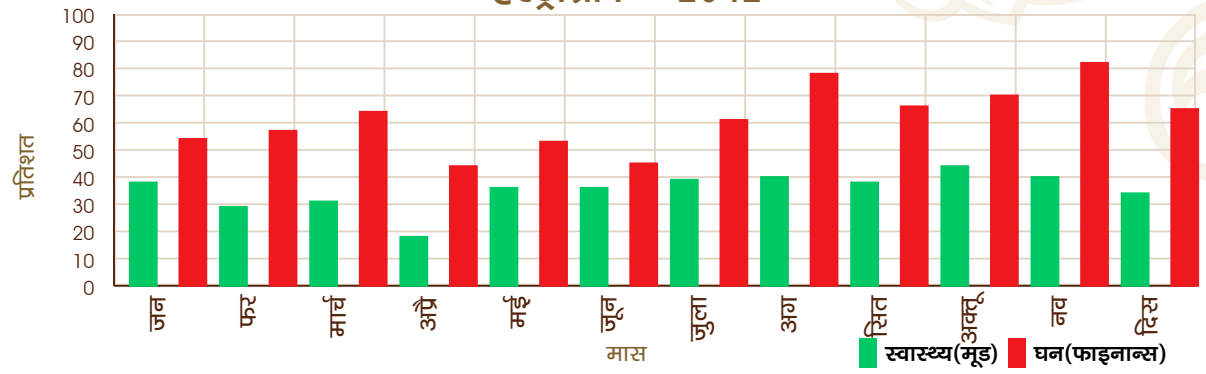

एस्ट्रोग्राफ - 2043

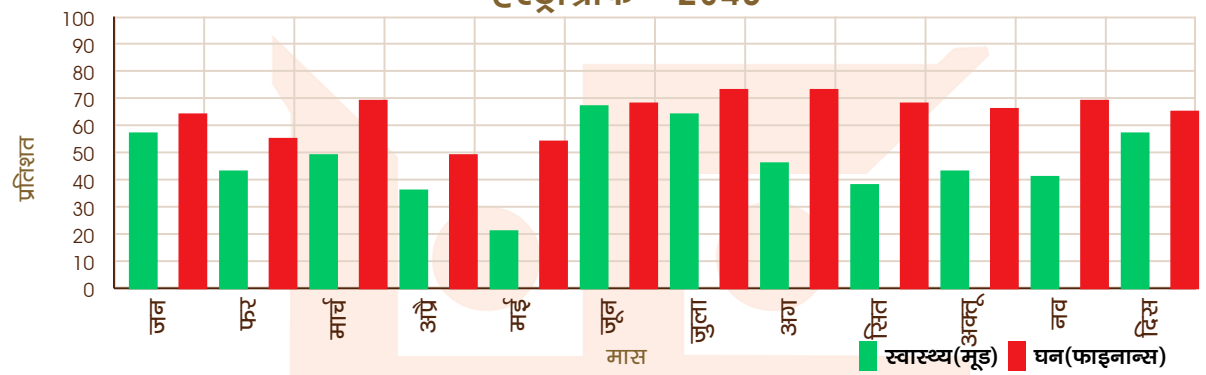

एस्ट्रोग्राफ - 2044

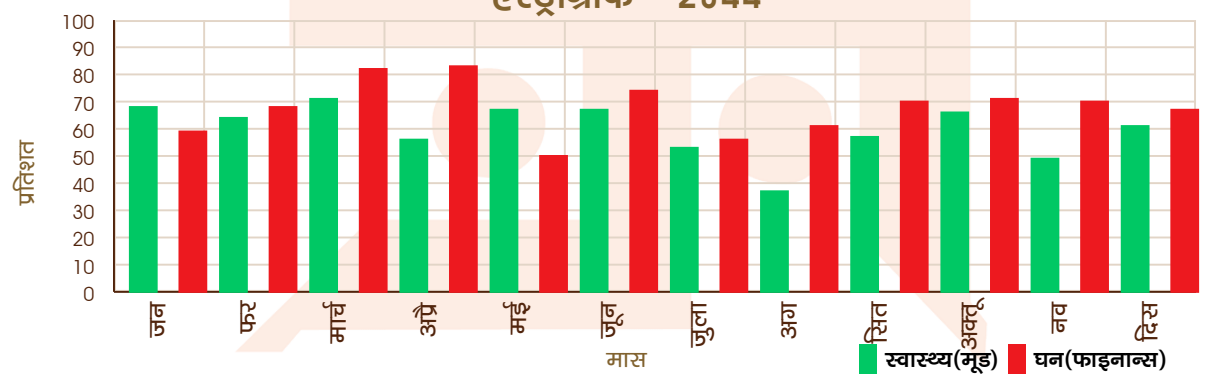

एस्ट्रोग्राफ - 2045

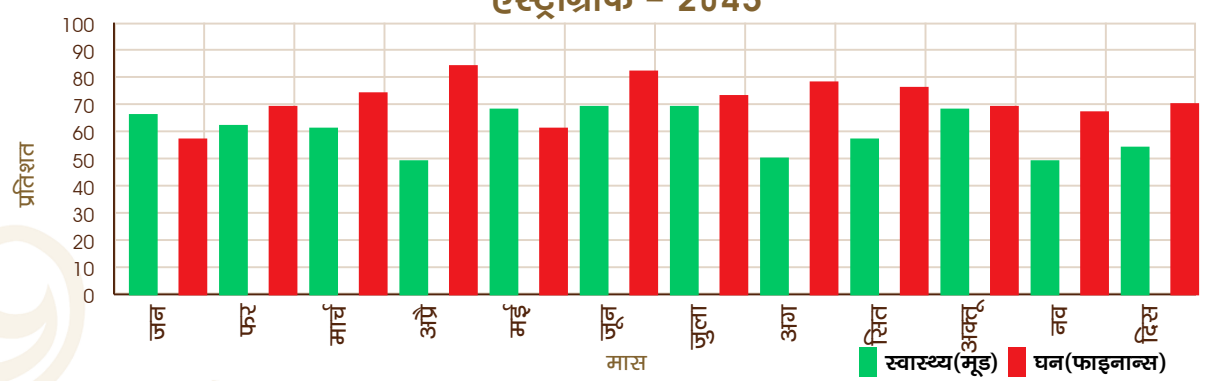

योग

सरल योग

दुःस्थैर्भावगृहेश्वरैरशुभसंयुक्तेक्षितैर्वा क्रमाद्भावैः सरलयोगः।
दीर्घायुष्मान् दृढमतिरभयः श्रीमान्विद्यासुतधनसहितः।
सिद्धारम्भो जितरिपुरमलो विख्यातारव्यः प्रभवति सरले।।
।। फलदीपिका ।। अ. 6/श्लोक 57, 65।।

यदि जन्मपत्रिका में अष्टमेश या अष्टम भाव अशुभ ग्रहों से युत या निरीक्षित हो और अष्टम भाव का स्वामी 6ठे, 8वें, 12वें भाव में स्थित हों तो सरलयोग बनता है। अष्टमस्थ पाप ग्रह (शनि के अतिरिक्त) अच्छा फल नहीं देगा।

योग कारक ग्रह : सूर्य योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप दीर्घायु, दृढ़ निश्चयी, निडर, धनवान, विद्या, पुत्र से युत अपने उद्योग में सफलता प्राप्त करने वाला, शत्रुजीत एवं प्रसिद्ध व्यक्ति होंगे।

महादान योग

दानाधिपेन संदृष्टे लग्ने तन्नायकेपि वा ।
तस्मिन्केन्द्रत्रिकोणस्थे महादानकरो भवेत्।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि।। अ.7/भाव-9/श्लोक-4

यदि जन्मपत्रिका में लग्नेश पर या लग्न पर नवमेश की दृष्टि हो वह नवमेश भी केन्द्र या त्रिकोण में हो तो जातक महादानी होता है।

योग कारक ग्रह : शनि,शुक्र योग की संभावना : 24 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप हाथी-घोड़ा दान, तुलादान तथा महादान करेंगे। आप महादानी होंगे।

पृथ्वीपति योग

पत्यौ कुटुम्बस्य तृतीयराशौ स्थिते यदा पुंग्रहसौम्यदृष्टे।
शुभ स्थिते खेचरनायके स्यात्स्वतुङ्गगे सर्वजनावनीशः।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 3/श्लोक 17।।

यदि जन्मकुण्डली में द्वितीय भाव का स्वामी तीसरे शुभ ग्रह तथा पुरुष ग्रह (सूर्य, मंगल, गुरु) से दृष्ट हो और शुभग्रह की राशि में या अपनी उच्च राशि में हो तो जातक पृथ्वी

का राजा होता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,बुध योग की संभावना : 72 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप कई देशों में सेवा करने वाले राष्ट्राध्यक्ष, राजदूत और उच्चस्तरीय राज्याधिकारी होंगे।

सुनफा योग

सुनफा रविरहितैः वित्तसंस्थैः कैरववनबान्धवाद्विहगैः।
श्रीमान् स्वबाहुविभवो बहुधर्मशीलः
शास्त्रार्थविद्बहुयशाः सुगुणाभिरामः।
शान्तः सुखी क्षितिपतिः सचिवोऽथ वा स्यात्।
सुतः पुमान् विपुलधीः सुनफाभिधाने।।
।। सारावली ।। अ. 13/श्लोक 1, 4।।

यदि जन्मकुंडली में सूर्य को छोड़कर चंद्रमा से धनभाव में कोई ग्रह हो तो सुनफा योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शनि,चंद्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप लक्ष्मीवान्, अपने परिश्रम से धनार्जन करने वाले, धार्मिक, यशस्वी, गुणी, शान्तप्रिय, सुखी, राजा या मंत्री होंगे।

कंठरोग योग

पापे तृतीये गलरोगमत्र वदन्ति मांद्यादियुते विशेषात् ।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.-47 ।।

यदि जन्मपत्रिका में तीसरे भाव में पाप ग्रह हो विशेषतः मांद्यंशादि युक्त हो तो कंठरोग होता है।

योग कारक ग्रह : मंगल योग की संभावना : 3 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको कंठ रोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

कर्णरोग योग

तृतीयनाथे पापान्विते पापनिरीक्षिते वा वदन्ति कर्णोद्भवरोगमत्र ।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.4/श्लो.-49 ।।

यदि जन्मपत्रिका में तृतीयेश पाप युक्त या दृष्ट हो तो कर्णरोग होता है।

योग कारक ग्रह : मंगल,चंद्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्णरूप से घटित हो रहा है फलस्वरूप आपको कर्णरोग होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

बुद्धिमान् तथा नीतिमान् योग

बुद्धिस्थानाधिपे सौम्ये शुभदृष्टिसमन्विते ।
शुभग्रहाणां क्षेत्रे वा बुद्धिमान्नीतिमान् भवेत् ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ. 5/श्लो.-32।।

यदि जन्मपत्रिका में पंचमेश शुभग्रह शुभ ग्रहों से दृष्ट हो या शुभग्रह की राशि में हो तो बुद्धिमान् तथा नीतिमान् योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,बुध योग की संभावना : 36 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप बुद्धिमान् तथा नीतिमान् होंगे, ऐसा प्रतीत होता है।

एकपुत्र योग

पुत्रेशांशपतिः स्वभांशकगतो यद्येकपुत्रं वदेत् ।
।। जातकपारिजात ।। अ. 13/श्लो.-11 ।।

यदि जन्मपत्रिका में पंचम स्थान का स्वामी जिस नवांश में हो, उस नवांश का स्वामी निज नवांश में हो तो एक पुत्र योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शनि योग की संभावना : 8 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको मात्र एक पुत्र का सुख प्राप्त हो ऐसा प्रतीत होता है।

एक पुत्र योग

।। भारतीय ज्योतिष ।। पृ.- 295 ।।

यदि जन्मपत्रिका में पंचम स्थान में राहु या केतु स्थित हो तो एक पुत्र योग बनता है।

योग कारक ग्रह : केतु योग की संभावना : 6 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप

आपको एक पुत्र का सुख प्राप्त होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

शिर मुख या गुल्म रोग योग

बलहीनेऽरिनाथे वा लग्नस्थे वा धरासुते।
मूर्धार्तिर्मुखरोगो वा गुल्मविद्रधिभाग्भवेत्।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि-अ.-5/श्लो.-42 ।।

यदि जन्मकुंडली में षष्ठेश निर्बल हो या लग्नस्थ हो अथवा लग्न में मंगल हो तो शिर में पीड़ा या मुखरोग अथवा गुल्मरोग होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपको शिर रोग, मुखरोग या गुल्म रोग से पीड़ित होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

विना पीड़ा मृत्यु योग

सौम्यांशके सौम्यगृहेऽथ सौम्य सम्बन्धगे वा क्षयेशे।
अक्लेशजातं मरणं नराणाम्।।
।। फलदीपिका-अ.14/श्लो.-21।।

यदि जन्मकुंडली में द्वादशेश सौम्यग्रह की राशि या सौम्य ग्रह के नवांश या सौम्य ग्रह के साथ स्थित हो तो विना पीड़ा की मृत्यु होती है।

योग कारक ग्रह : मंगल योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका मरण बिना क्लेश का होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

पुनर्जन्म योग

महीजोमहीं सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः।
।। फलदीपिका-अ.14/श्लो.-23।।

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में मंगल हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में मंगल स्थित हो अथवा द्वादशेश मंगल से संबंध स्थापित करता हो तो जातक मरणोपरांत शीघ्र जन्म लेकर पृथ्वी पर आता है।

योग कारक ग्रह : मंगल योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप

मरणोपरांत पुनर्जन्म लेकर पृथ्वी पर आएँगे। ऐसा प्रतीत होता है।

मरणोपरांत ब्रह्मलोकवासी योग

सद्ब्रह्मलोकं गुरुः सम्प्रापयेत्प्राणिनः
सम्बन्धाद्व्ययनायकस्य कथयेत्तत्रान्त्यराश्यंशतः।
।। फलदीपिका-अ.14/श्लो.-23।।

यदि जन्मपत्रिका में द्वादश भाव में गुरु स्थित हो या द्वादश भाव जिस ग्रह की नवांश में हो यदि उस नवांश में गुरु हो या द्वादशेश गुरु से संबंध स्थापित करता हो तो मरणोपरांत ब्रह्मलोक में निवास करता है।

योग कारक ग्रह : गुरु योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मकुंडली में यह योग पूर्णरूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप मरणोपरांत ब्रह्मलोक में निवास करेंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

बहुभार्या योग

कुटुम्बकलत्रनाथाभ्यां समेतैर्ग्रहनायकैर्वा कलत्रसंख्यां प्रवदन्ति सन्तः ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.-6/श्लो.-14।।

यदि जन्मकुण्डली में द्वितीयेश या सप्तमेश के साथ जितने ग्रह हों उतनी पत्नी होती हैं।

योग कारक ग्रह : सूर्य,शुक्र,बुध योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मकुण्डली में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके दो या दो से अधिक जीवनसाथी हो सकते हैं। ऐसा प्रतीत होता है।

द्विविवाह योग

कारके पापसंयुक्ते नीचराश्यंशकेऽपि वा ।
पापग्रहेण संदृष्टे विवाहद्वयमादिशेत्।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.-6/श्लो.-19 ।।

यदि जन्मकुण्डली में सप्तमभाव कारक ग्रह पाप युक्त हो अथवा नीचराशि नीचांशक में पाप ग्रह से दृष्ट हो तो द्विविवाह योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,सूर्य योग की संभावना : 3 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप दो

जीवन साथी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

विवाहोपरान्त भाग्योदय योग

भाग्यं विवाहत्परतो वदन्ति शुक्रेस्तगे चोपचयान्विते वा ।
कुटुम्बमेतादृशभावयुक्ते लग्नेश्वरे वा शुभदृष्टियोगे ।।
।। सर्वार्थचिन्तामणि ।। अ.-6/श्लो.-62 ।।

जन्मपत्रिका में यदि शुक्र सप्तम में हो अथवा उपचय 3/6/11/10 स्थानों में हो अथवा द्वितीयस्थ हो अथवा लग्नेश इन भावों में से किसी भी स्थान में हो एवं शुभ ग्रह द्वारा निरीक्षित हो तो विवाहोपरांत भाग्योदय होता है।

योग कारक ग्रह : शुक्र,बुध योग की संभावना : 2 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपका भाग्योदय विवाहोपरांत होगा। ऐसा प्रतीत होता है।

अतिकामी योग

पापव्योमचरान्वितौ तनुरिपुस्थानाधिपौ कामुकः।
।। जातकपारिजात ।। अ.-14/श्लो.-3।।

यदि जन्मपत्रिका में षष्ठेश पाप ग्रह से युक्त हो तथा लग्नेश भी पापग्रह से युक्त हो तो अति कामी योग बनता है।

योग कारक ग्रह : सूर्य,शुक्र योग की संभावना : 16 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप अतिकामी होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

द्विभार्या योग

पापाः सप्तमे द्विभार्यः।
।। बृहद्योग रत्नाकर ।। पृ. 303 ।।

यदि जन्मपत्रिका में सप्तम भाव में पाप ग्रह हो तो द्विभार्या योग बनता है।

योग कारक ग्रह : शनि योग की संभावना : 4 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आपके जीवन में दो जीवनसाथी आएगें, अर्थात आपके दो विवाह हो, ऐसा प्रतीत होता है।

विकलांग योग

चन्द्रक्षेत्रे यदा भौमो जायते मनुजः सदा।
रक्तपित्तेन हीनाङ्गो नानाव्याधिसमन्वितः।।
।। मानसागरी ।। अ.4/अरि.-57।।

यदि जन्मकुंडली में चन्द्र के क्षेत्र में मंगल स्थित हो तो जातक रक्त-पित्त के विकार से हीन अच्ग और नाना प्रकार की व्याधियों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : मंगल योग की संभावना : 12 में 1

आपकी जन्मपत्रिका में यह योग पूर्ण रूपेण घटित हो रहा है। फलस्वरूप आप रक्त-पित्त दोष से दुखी तथा विकलांग होंगे। ऐसा प्रतीत होता है।

गजकेसरी योग

''केन्द्रस्थिते देवगुरौ शशाङ्काद्योगस्तदाहुर्गजकेसरीति।
दृष्टे सितार्येन्दुसुतैः शशाङ्के नीचास्तहीनैर्गजकेसरीस्यात्।।''
।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 1 ।।

चन्द्रमा से केन्द्र में गुरु हो तो गजकेसरी योग होता है और चन्द्रमा नीच अस्तादि में न गये हुये शुक्र, गुरु और बुध से देखा जाता हो तो भी गजकेशरी योग होता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र,गुरु योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में गजकेसरी योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप धनी, मेधावी, गुणी तथा राजप्रिय सम्मानित पुरुष होंगे।

पारिजात योग

''सपारिजातद्युचरः सुखानि ।''
।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 34 ।।

जिसकी पत्रिका के "पारिजात" भाग में ग्रह हों तो उसे सभी प्रकार के उत्तम सुख की प्राप्ति होती है।

योग कारक ग्रह : बुध योग की संभावना : 2 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "पारिजात" वर्ग में स्थित है। फलस्वरूप आपको सभी प्रकार का उत्तम सुख प्राप्त होगा।

उत्तमवर्ग योग

''नीरोगतामुत्तमवर्गयातः।''

।।बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 34 ।।

जिस जातक की पत्रिका के "उत्तमवर्ग" भाग में ग्रह हों तो वह प्राणी सभी प्रकार से निरोग रहता है।

योग कारक ग्रह : चंद्र योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में ग्रह "उत्तमवर्ग" में स्थित है। फलस्वरूप आप सभी प्रकार से निरोग रहेंगे।

गोपुरांश योग

''सगोपुरांशो यदि गोधनानि ''

।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 34 ।।

जिस जातक की पत्रिका में "गोपुरांश" भाग में ग्रह स्थित हो, वह मनुष्य गौ और धन दोनों से युक्त होता है।

योग कारक ग्रह : शनि योग की संभावना : 4 में 1

आपकी पत्रिका में "गोपुरांश" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप गो धन अर्थात् पशुओं और धन से पूर्ण रहेंगे।

वेशि योग

''धनखेटैर्वेशी दिनेशात्''

।। बृ. पा. होरा. -योगाध्याय-श्लो. 51 ।।

यदि जातक के जन्मकाल पत्रिका में सूर्य से द्वितीय भाव में कोई ग्रह स्थित हो, तो जातक पर वेशि योग का सृजन होगा।

योग कारक ग्रह : मंगल,सूर्य योग की संभावना : 3 में 1

आपकी पत्रिका में पूर्णरूपेण "वेशि" योग का सृजन हो रहा है। फलस्वरूप आप दयावान, स्थूल शरीर वाले, चतुरवक्ता, आलस्य से युक्त एवं वक्र दृष्टि वाले प्राणी होंगे।